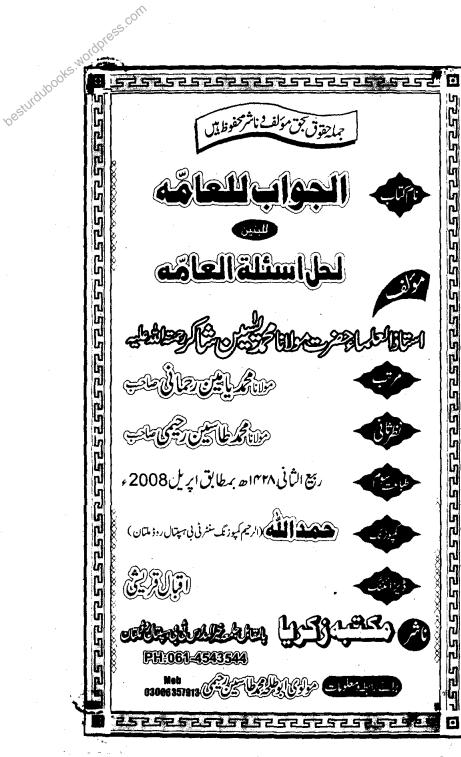


wordpress.com



ordpressive

انتساب

بنده ناچیز این اس تالیف کو این والدین مرحومین اور این اسا تذه کرام دامت برکاتهم العالیه خصوصاً حضرت اقدس مولانا انیس الرحمٰن لدهیانوی نورالله مرقدهٔ خلیفه مجاز حضرت اقدس شاه عبدالقا در رائ پوری نور الله مرقده کی طرف منسوب کرتا ہے۔ جن کے نین علم اور بے پایاں شفقت کے نینجہ مین بنده اس قابل ہوا کہ شاکفین علوم نبویہ کی خدمت میں یہ حقیر سام مرید پیش کر سکے۔

دعاءہے کہ اللہ تعالیٰ اس کوقبول فر ما کران حضرات کی ترقی درجات کا ذریعہ بناوے۔ آھین besturdubook

uordbress.com

۴۰)

۱۳)

۴۲

| صفحہ | عنوان | نمبرنثار |
|--------------|---|----------|
| ۳ | انتماب | -1 |
| 14 | ىپى <u>ش</u> لفظ | ٢ |
| 14 | اظهارتشكر | ٣ |
| ١٨ | تقريظات اكابرعلا كرام | ۲ |
| rm | الورقة الاولى (تفسير وتجويد) | ۵ |
| ro | ۵۱٤۲٥ | 7 |
| 10 | لِكُلّ امُرِئّ مِنْهُمُ آيات كَيْشير(عبس) | 4 |
| 7 4 . | فَمُلْقِيْهِ صِيغَى تَصِيلَ ضِمِير مجرور كامر في (انشقاق) | Α |
| 1/4 | سورةعاديات كي تفير | . q |
| . 1/ | سورة هُمَزة كالرجمه تِقْير | 1• |
| ۳. | راءکو براور باریک کرنے کی صورتیں | = |
| r. | ادغام کی اقسام | ۱۲ |
| m | 37310 | IP" |
| ۳۱ | سورة عبس كاثابِنزول | ۱۳۰ |
| ٣٢ | سورة فجر كآتشير | 10 |
| ۳۳ | تومثمود كاواقعه (شميس) | 14 |
| ra | آيات سورة الاعلى | 1∠ |
| ٣٦ | کل مخارج کی تعداد اور حروف مجہورہ | 1/ |
| ۳۸ | ۱٤۲٤ ه ضمنی | 19 |
| ۳۸ | إِنَّ يَومُ الْفَصُل كَانَ مِيْقَاتًا كَانْمِير | r. |
| | 77/ | |

سورة غاشيه كَنْفير دَكًا دَكًا اور صَفًا صفًا كانصب

ادغام اظهار اخفاء كابيان

۲۱ ۲۲

٣٣

| • | press.com | , |
|-----------------|---|-------------|
| ح. | Plezz. | |
| - US. NOR | | |
| صفح | عنوان | نمبرشار |
| rr | alett | ۲۴ |
| ۴۲ | سورة تطفيف كاشان زول | ro |
| , MM . | اصحاب اخدود کا واقعہ (بروج) | 74 |
| WĄ | سورة قدر كآفير | 12 |
| 7 - 1 0% | سُورَة كوثر كَآثير | ۲۸ |
| 64 | میم ماکن کے احوال | r ,9 |
| ۵۰ | اجماع ساکنین کی اقسام | ۳۰ |
| ۵٠ | #1577 | ۳۱ |
| ۵۰ | نادعات ناشطات سابحات سابقات كآنفير | 77 |
| ar | روح کی مراد (قدر) | ۳۳ |
| or . | صباً شقًا قضباً كَتْحَقِّل (عبس) | 1-7 |
| ۵۵ | حردف شديده اور رخوه كابيان | ۳۵ |
| 76 | A1271 | ۳٦ |
| ۵۸ | لنسفعاً كياصيد بناصيةٍ كاركب (علق) | ٣2 |
| 7. | ۵۱٤۲۰ | ۳۸ |
| . 41 | خُنَّس كُنَّس كَالغوى صرفى تحقيق (تكوير) | , mq |
| 400 | مدّ کالغوی اوراصطلاحی مفهوم اورمدّ کی اقسام | ۱۴۰ |
| 400 | P131a | (*1 |
| 44 | "روح" و"صوابا" كى مراد (نبأ) | ۳۲ |
| 77 | سورة تكاثر كأتفير | pro- |
| 49 | ۸۱۵۱۸ | ۲°۲۲ . |
| 19 | آية الكبرى كىمراو(خازعات) | <i>۳</i> ۵ |
| 4 r | آیة الکبری کی مراو (خاز عات) ابرارکوفتر کهال بین (تطفیف) | ۲٦ |
| ۷۳ | V131a | 172 |
| ∠r- | سورة اخلاص كاثانٍزولوغيره | M |
| <u>ک</u> ون | سورة اخلاص كاثانٍزولوغيره سورة الضّخى كاثانٍزول | 6.4 |
| | | |

besturd'

| | e.c | 5m | |
|--------------|------------|--|------------|
| besturdubook | wordpresss | 4 | |
| ,500X | صفحه | عنوان | نمبرثثار |
| Sturdur | 44 | الورقة الثانية (حديث وادب عربي) | ۵٠ |
| 100 | ۷٩ | a1270 | ۵۱ |
| - | 49 | لاَيَدُخل الجنَّة من لاياً من الْخُ(صديث)وغيره | ۵۲ |
| | ۸۰ | اس حدیث کی ترکیب | ۵۳ |
| 4 | Ar | طَابَ سَعُييُ بِالْآملِ الخ (اشْعار) | ۵۴ |
| | ۸۳ | بذلك أجَازيُ بعض نِعَهِما كَاثَرُكِ | ۵۵ |
| | A4 , | حسن اخلاق (عربی ضمون) | ۲۵ |
| | PΛ | | . 02 |
| | A ∠ | اتبع السيئة الحسنة تمحها كاتركب | ۵۸ |
| | A9 | اشرقت الشمس الخ(اشعار) | ۵۹ |
| | 91 | المسجد (عربي ضمون) . | ٧٠ |
| | 91 | الاستاد (عربي مضمون) | 41 |
| | qr | الكتاب (عربي فضمون) | 71 |
| | 91 | المدرسة (عرنيمضمون) | 414 |
| | 97 | ١٤٢٤ ه ضبني | 717 |
| | 95 | قفلة كغزوة(عديث)وغيره | ۵۲ |
| | 44 | البديد (عرتي مضمون) | 77 |
| | 94 | القريه (عرنيمشمون) | 72 |
| | 92 | 7731a | ΑŁ |
| | 9/ | تمكها برأة ضيعته يحوطه كأتخيل | 79 |
| | 1+1 | يوشك تداعى المهابة كتحقيق | ۷٠ |
| | 1+1 | الفطور ابتلت العروق وغيره كم تخيق | 41 |
| | 100 | 77316 | ۷۲ |
| | . 10% | مملوكين يكذبوني يخونونني وغيره كأتحين | ۷۳ |
| | 1+4 | الهلال الهلال كى تركيب | ۷۳ |
| | 1+4 | شراكبيرا وخطرا عظيما كاصبك وبه | د ۵ |
| · | 11+ | مكة المكرمة (عرفيمضمون) | ۷٦ |

| | C COM | |
|--------|---|---------|
| 70'. | المراو ^{55,0011} <u>خ</u> عنوان | |
| See Me | عنوان | نمبرشار |
| 111 | الرسول الخاتم المطار (عربي مغيري) | 24 |
| fir | القطار (عربي منتمون) | ۷۸ . |
| HP" | 17310 | ∠9 |
| III | گرهٔ ان يطلع عليه الناس کی آپ | ۸٠ |
| 114 | alit. | λı |
| Irr | البخل عيب فاضِعُ الْ (اتَّعار) | ۸r |
| 155 | شاعركانام | ۸۳ |
| 1800 | 11310 | ۰ ۸۸ |
| 111 | ليس المؤمن بالطعان الخ صيث كى تركيب | ۸۵ |
| 11/2 | ان الفراش الناعما الخُ (اشعار) | ΥΛ |
| 159 | | ٨٧ |
| 119 | احب البلادالي الله الخ(رَكِب) | ۸۸ |
| iime. | المزدعة (عربْ مشمول) | ٨٩ |
| Imm | النهر (عربیمضمون) | 9+ |
| 150 | aleiv | 91 |
| . 14. | درسگاه (عربی جملے) | 95 |
| 100+ | دارالاقامه (عربی <i>جمل</i> ے) | 91" |
| ادا | مطبخ (عربی جملے) | 96 |
| ۱۳۳ | الورقة الثالثة (فقه) | 963 |
| Ira | alero | 94 |
| IMD | تتيم كالغوى واصطلاحي معنى اورطريقيه | 4∠ ' |
| IMY | شرائط جمعه | 9.۸ |
| IMA | حج کی اقسام اوران میں فرق | ,99 |
| IL.d. | نظي مزاينه كي تعريف | 100 |
| 10+ | ربمن کی لغوی اصطلاحی تعریف | 1+1 |
| 101 | شرائط جمعه عج کی اقسام اوران میں فرق نج مزابنه کی تعریف رئین کی لغوی اصطلاحی تعریف شفعه کا لغوی اصطلاحی معنی اقسام شفعی می داران شفعه کی ترتیب | 1+1 |
| 101 | اقسام شفیع من داران شفعه کی ترتیب | 108" |

besturdubooks. Mordpress.com منوان ATETE جمع بين الصلونتين كالحكم 1+4 100 شهيدى تعريف بمع تحكم 1+4 100 احوال ز کو ق ز کو قادا کرنے والے 1.4 100 ا اجیر کی اقسام اوران کے احکام 1•٨ 104 كنايات طلاق ادراس كي اقسام بمع احكام 1+9 109 ۱۲۲۶ ه ضمنی 141 11+ یانی کی اقسام اوران ہے طبیارت کا حکم 111 111 احصار كالغوى اصطااحي معتى بمع تتكم 145 111 ربیع کی اقسام اوراحکام İ۳ 120 مرابحة اورتو ايه كى تعريف وتتكم 140 110 . 21214 140 113 سونے جاندی وغیرہ کی زکو ۃ اور ائمہ کے اقوال 144 114 خيار شرط كى تعريف ومدت كابيان MA 114 ببك تعريف محورة مقسومة كامطلب 14. 11/ میمین کی اقسام اورا دکام 141 119 تتحتل کی اقسام اورا حکام 141 11-141 1257 111 عروض اوراثمان مين زكوة ادراقوال ائمه irr بيع ملامسه منابذه وغيره بيوب فاسده 145 122 بيع سلم كي تعريف وشرا بط 140 110 حواليه كي تعريف ادراصطلاحي الفاظ 144 110 شركت كى اقسام اوران كى تعريف 144 174 a1211 141 11/2 تمروبات صلوة 141 ITA اعتكاف كي لغوى اصطلاحي معنى اور قسام 14. 119 ربمن كى تعريف محوّرا معرغا مميراً كامطلب IAT 1100

| obis morder | as com | |
|-------------|---|---------|
| oldb. | ©5° | |
| NS. NO. | <u> </u> | • 7 |
| صفحه | عنوان | نمبرشار |
| · 1/4 | Δ127 - | IM . |
| IAM . | قیام شهررمضان کی مراد (تراویح) | IP"r |
| IAA | ز کو ة <u>کے مصار</u> ف کابیان | 187 |
| IAY | صوم واجب نقل کی اقسام | ١٣٣ |
| YAL | موات عادى مملوك في الاسلام | iro |
| PAL | اشربه و مد (خمر عصير نقيع الزبيب وغيره) | IPY |
| 1/19 | دُبّاء ٰ حنتم مرفَت ٰ نقير كا ^{مع} نى | 1172 |
| 19+ | عَلَى نَذَرٌ أور نَذَرِ الله فهو يمين كامطلب | IFA |
| 191 | 1219 | 1179 |
| 197 | موزوں پرئے کاطریقہ عمدت | 16.4 |
| 195 | فنخ اجارہ کے لیےاعذار | והו |
| 191" | عدت کی تعریف اوراس کے اقسام واحکام | IMT |
| 196 | قتم کے بعض مسائل | ۳۲ |
| 190 | ذي كے احكام | Irr |
| PPI | ۸۱۵۱۸ | Ira |
| · PPI | یانی کی طہارت و نجاست | IMA |
| 19/ | احق بالامامت كى ترتيب | 10°Z |
| 19/ | احق بالا مامت کی تر تیب عورتوں کی جماعت کا تھم | IM |
| r | بهہ کی بعض احکام | 16.4 |
| r+1 | a1£1Y | 10+ |
| r•r | نماز کے اوقات مکرو ہہ | اها |
| 701 | تکبیرات تشریق کے احکام | ıar |
| r•1* | خياررؤيت ٔ خيارشرط ٔ خيارعيب | 101" |
| r+0 | ا قاله کاتھم | . 100 |
| r•∠ | الورقة الرابعة (صرف) | 100 |
| r+q | ۵۱٤۲٥ | 161 |
| r•9 | علاقي ورباعي مجرد ومزيد فيه كابيان | 104 |

besturdubook wordpress.com نمبرثار 124 109 111 14+ TIT 141 باب افعال كى خاصيات ۲I۳ 145 rie ' باب تفعّل کی خاصیات 141 4127E 110 140 جامد مصدر مشتق اور بهفت اقسام كابيان 110 110 FIT 144 114 144 FΙΛ MA 119 144 ۱٤۲٤ ه ضمنی 119 14. 119 141 114 121 رأس المَنَ مِيَرٌ أَوَادِمُ كَى اصل وتعليل 771 120 TTT 148 412TF TTT 140 اسم ظرف كى تعريف قاعده وكردان TTT 124 مِيُعادٌ ' خَطَايَا وغيره صيغوں كى اصل وتعليل ** 144 4121Y 774 IZΛ اسم فاعل اور صفت مشبه میں معنوی فرق TTY 149 اسائے مشتقہ کے نام اور تعریفات TTY 14. باب افتعال استفعال كي خاصيات 114 IAI باب مفاعله كى خاصيات 11. IAT 22 ATETT 115 بین بین قریب وبعید کی تعریف ومثال اسم IAM

| Docks.Words | -s.com | |
|-------------|--|-------------|
| 0,49 | (653 | • |
| X5.NO | 11 | |
| مغر | عوان | نمبرشار |
| rm | خطيئة أَدُءُ رَ كَي أَصِل وَقِلِيل وَتُواعد | IAΔ |
| rmr | چینگی طُوینی کی اصل و تعلیل تقوی کی اصل و تعلیل تقوی کی اصل و تعلیل | YAI |
| rrr | تقوی کی اصل وتعلیل | IA∠ |
| rra | aler. | fAA . |
| rra | أَيِّمَةُ لاتَّخَفْ خُذُ كَ إصل وتعليل | PAI |
| rry | الدعاء والدعوة كح مرف مغير | 19+ |
| rra | A1819 | 191 |
| rra | قِيْلَ بِيُعَ أَنْقِيْدَ ٱخْتِيرَ كَاصِلُ تِعْلِل | 197 |
| rrg | قِيُلَ 'بِيعَ أَنْقِيُدَ' أَخْتِيرَ كَاصِلُ وَقَلِيلَ سَيَدٌ' مَرُمِيٌّ كَاصِلُ وَقَلِيل | 191" |
| rr. | دُنْيَا عُلُيًا مِن جارى شروقواعد | 1967 |
| 114. | باب تفعیل کاکل خاصیات کنام | 190 |
| rri | A1£1A | 14.4 |
| rer | یع کی اصل وتعلیل | 194 |
| rrr | الدعاء مصدرسيساسم فاعل اسم مفعول كأكردان | 19. |
| rrr | N131a | 199 |
| rrr | الوَعدُ مصدرے امرحاضر کی گردان | *** |
| rra | عِذ کااصل فعلیل | r +1 |
| rra | اسم ظرف کا قاعده | r•r |
| 200 | اَيْنَ المَقَرّ كى بحث | r•r |
| rea | قُلُ كى اصل وتعليل | 1.04 |
| 17 2 | إِظَّلَمَ ۚ إِصَّرَب ۚ إِصَّبَلَ كَاصُل وَ عَلِيلَ | r-0 |
| rrq | الورقة الخامسة (نحو) | 744 |
| roi | 1240 | r •∠ |
| rai | تركيب كے غير منصرف كى سبيت كى شرائط | r•A |
| ror | مفعول معد كنصب يارفع كى بحث | r+9 |
| ror | تركب كے غير منعرف كى سيت كى شرائط مفول مد كے نصب يار فع كى بحث انا ابن القارك البكرى بشر (شعر) | · ri• |
| ray | مثل کی مراد | rji - |

besturdu

| | com | | |
|---------|-----------------|---|------------|
| | s.wordpress.com | | |
| | 5.110 | (r | |
| udubos | مغی | عنوان | نمبرشار |
| besity. | ray | تثنير كي تثنيه كي طرف اضافت كا قاعده | rir |
| | raz | مفعول به کی تعریف ومثال | rır |
| - | ran | امر كى تعريف مثال امر حاضر كا قاعده | ric |
| , | rog | 37314 | ria |
| | 109 | وصف كابيان اورغير منصرف كاتعريف | יוין |
| | 14. | مبتدا كونتم ثاني كي تعريف اورشرائط | rız |
| | וציז | ما اضمر عامله على شريطة التفسير | * ria |
| • | 747 | معطوف معطوف عليكا ضابطه | 119 |
| | ראר | "قد کان من مطر" کی <i>تاویل</i> | 114 |
| | ryo | ١٤٢٤ ه ضمني | rri |
| | ryo | معرب بني اعراب كل اعراب عامل كي تعريف | 777 |
| | 740 | جُنع خَرُرُ مُوَنتْ سالمُ اسائے ستەمكىر ەكى تعريف دىثال | *** |
| | ryy | فعل کے ذکر یامؤنث ہونے کی صورتیں | rrr |
| | 747 | مبتدا كاقتم اول وثاني كي تعريف اور دونون مين فرق | ۲۲۵ |
| , | rya | مَا كَامْل كن صورتول مِن باطل جوجاتا ہے | rry |
| | 7 49 | ضمير مرفوع متصل برعطف كيليئ قيود | 117 |
| | 1/2. | #Y31# | rta |
| | 1/2. | تانیث کی اقسام اور غیر منصرف ہونے کی شراکط | 779 |
| · | 121 | تحذريكابيان | rr• |
| | r2r | اضافت لفظى اورمعنوى كابيان | 111 |
| | 1 21 | صفت مشبہ کی تعریف عمل شرا کط صور تیں اِنْ مکسورہ کے اسم پرعطف کی صور تیں حروف تنبیہ | rrr |
| , | r23 | إنَّ مكسوره كاسم برعطف كي صورتبل | rrr |
| | 120 | حروف تتبيه | rrr |
| | 124 | £1277 | rra |
| | 1 21 | لاحَولَ ولاقوة كوجوه كأتفعيل | rry |
| | r4A | منادئ كى تعريف اقسام منادئ مرخم كابيان | rrz |
| į | r ∠9 | لاحَولَ ولاقوۃ کے دجوہ کی تفصیل منادکی کی تعریف اقسام منادئی مرخم کا بیان منتخی کے اعراب کی اقسام | rm |

| | press.com | |
|--------------|--|---------------|
| | No. | , |
| 10ft | IF | |
| COLFEE . | عنوان | نمبرشار |
| FAI | ح دف مصدر | 739 |
| FAI | يَسُرُّ المرء ماذهب الليالي (شعر) | 114. |
| tAt | 17314 | rm. |
| PAP | اسباب منع صرف میں عدل کا بیان | ۲۳۲ |
| M | اہم فاعل کی تعریف عمل شرائط | ror |
| ram | انا ابن التارك البكرى بشر (شعركى <i>تركي</i>) | rer. |
| 140 | لَهُ اور لَمَّا كورميان فرق | rra |
| MY | حروف ایجاب کی تفصیل اور موقع استعال | rry |
| MZ | ø1£T. | rrz |
| MZ | اسباب منع صرف میں سے جمع کابیان | rr/A |
| 1/19 | مفعول معهٔ کی تعریف مثال | 779 |
| 19 • | سِنُون اَرْضُونَ ۚ ثِبُونَ ۚ قِلُون ۚ فشاذٌ كَامِطْبِ | ro- |
| rar | اما والذي ابكي واضحك والذي (شعر) | roi |
| ram | P131a | ror |
| rar | نعت كي اقسام اورفوائد | rom |
| 194 | حروف تحضيض کی تعریف تعدا دا امثله | ram |
| 194 | A131a | raa |
| r•• | حروف ناصبه للمصارع | PQY |
| r•r | 121V | ro∠ . |
| r•r | افعال بدح وذم | ran |
| .pep | مفعول کی اقسام بمع تعریفات | raq |
| r | الورقة السادسة (منطق) | ۲ 4+ |
| Pi. | a1270 | _ ۲ ΫΙ |
| 4.7 | منطق کی تعریف موضوع عرض وغایت | ryr |
| r | منطق کی تعریف موضوع نخرض وغایت کلی ذاتی کلی عرضی کی تعریف جمت قضیهٔ حملیهٔ شرطیهٔ موجهٔ سالبه کی تعریف | 747 |
| ٣•٧ | جحت ٔ قضیهٔ حملیهٔ شرطیهٔ موجهٔ سالبه کی تعریف | ۲۲۳ |
| P+4 | مفر د کی تعریف کلی برز کی کی تعریف | art |

| besturdubooke | C | Du. | |
|---------------|--------------|--|---------------|
| | . Horess. | | • |
| 19 | NOIC | ı ır | |
| Jubooks | صفحه | عنوان | تمسرشار |
| Lesturo" | ۳1۰ | اوليات ُ فطريات ُ حدسيات وغيره اقسام قضايا | PYY |
| Q- | ۳۱۰ | قیاس بر بانی کی تعریف | 144 |
| | 1 "!! | ولالت کی اقسام ثلا نه | LAV |
| • | rir | فصل کی تعریف فصل کی اقسام | 779 |
| | MIM | 3731a | 14. |
| · | rir | مفرد ٔ مرکب کی تعریف اوراقسام | 121 |
| 1 | rir | جنن قريب وبعيد كي تعريف ومثال | * r ∠r |
| | rio | اشكال اربعه كابيان | 12 m |
| | 717 | قیاس اشٹنائی کی تعریف | 1 27 |
| | 171 2 | عش مستوی کی تعریف قضیوں کاعش | 140 |
| | PIZ | استقرا وتمثيل كي تعريف ومثال | 124 . |
| | MA | ۱٤۲۶ ه ضمنی | 144 |
| | MA. | شرطيه متصلام مفصله الزومية اتفاقيه كالعريف ومثال | rzn- |
| | 1 "19 | مقدم ٔ تالی وغیره کی تعریفات | 1/4 |
| | 774 | عرض لازم عرض مفارق کی تعریف ومثال | ۲۸۰ |
| | P Y1 | تاقض کامیان | rAi |
| | PTT | جر في حقيق بر في اضافي كي تعريف اورنست | rar . |
| | 277 | جنس عالى سافل جنس متوسط كى تعريف ومثال | ram |
| | rrr | 21214 | rar - |
| • | rra | والثانى يرتد الى الاول بعكس الكبرى الخ عبارت كمآثرت | 17.0 |
| | P12 | مشترک منقول شرعی منقول عرنی وغیره کی تعریف | PAY |
| | PTA | 1277 | MZ |
| | rra | علم کے پانچ معانی کی تعریف اور فرق | taa |
| • | 779 | نبت بين الكليتين | 1/19 |
| | ۳۳۱ | بربان كوشمين قياس خطابي شعرى وغيره | r 9+ |
| | rrr | علم کے پانچ معانی کی تعریف اور فرق نسبت بین الکلیتین بربان کی شمیں قیاس خطابی شعری وغیرہ ۱۲۲۱ه دو کھور قضیوں کے درمیان تاقیق | 19 1 |
| | rrr | وومحصوره تفنيول كردميان تناتفن | rgr |

| | 15. | | • |
|---------|------------------|--|----------------|
| dub | صفحہ | عنوان | نمبرشار |
| bestuli | rra | جزئي حقيق على متواطئ كلى مشكك كابيان | rgr |
| | عنوان صغم الالله | 190 | |
| | 774 | ۵۱٤۲۰ | 19 0 |
| | rra | کلمهاور فعل میں فرق | 797 |
| | rra | | r9∠ |
| | וייייי | B121a | rga |
| | rrr | کلیات خسدکابیان | 199 ' |
| | م مامة | | 1"++ |
| | rra | تصديق كي تعريف مين حكماءاور متعكمين كااختلاف | 141 |
| | P72 | بربان لیمی اور بربان اِنکی | ۳۰۲ |
| | mr/2 · | A121V | r +r |
| | ro• | قضيه معدول كابيان | L. + L. |

پيش لفظ

بندہ نے اپنے علمی سفر کا آغاز فیصل آباد سے پیر طریقت حضرت اقدس مولا نا انیس الرحمٰن صاحب نواللّٰہ مرقدہ کے ہاں کیا۔ حفظ قرآن اور قدوری شریف تک ابتدائی کتبان سے پڑھیں۔اوراس کے بعد کنز الدقائق ہے کیکربشمول دورہ حدیث يحميل وتخصص تكعظيم ديني درسگاه جامعه خيرالمدارس سے فيض حاصل كيا۔ پھرسات سال فیصل آباد میں تدریسی خدمت سرانجام دینے کے بعد تقریباً ۲۵ سال سے اپنی مادینلمی جامعہ خیرالمدارس ملتان میں اینے تدریسی سفر کو جاری رکھے ہوئے ہے اس تدریس سفر میں بحمداللہ اساتذہ کی نگرانی میں ان کی شفقت اور دعاؤں کے ساتھ صرف ونحو ہے کیکر دورہ حدیث شریف کے اسباق تک پڑھانے کا موقعہ ملااس تدریسی زندگی کے تجربات کی روشنی میں بندہ اس نتیخہ تک پہنچا کہ طلباء میں آ جکل علمی ذوق کی بہت کمی واقع ہو چکی ہے۔اورا بتاذ کی بات کو صحیح طور پر سمجھانہیں جاتا اور اگر سمجھ لیا جائے تو امتحان کے وقت یا دوسرے مواقع پر بیان کرنے یا لکھنے پر قادر نہیں ہوتے۔ ای ضرورت كے بیش نظريه كتاب 'الجواب للعامّه ''لكھى گئى ہے جس میں وفاق المدارس العربية كے درجہ ثانوبي عامه كے دس ساله سابقه يرجه جات كومخضر الفاظ كے ساتھ آسان انداز میں حل کیا گیا ہے۔اس کتاب سے فائدہ اٹھانے کے بعد نہ صرف یہ کہ کتب کے سجھنے میں مدد ملے گی بلکہ یہ کتاب امتحانات میں خصوصاً وفاق المدارس العربيد كےامتحانات میں اعلیٰ نمبرات ہے كامیا بی كیلیے معین ومدد گار ہوگی۔اللہ تعالیٰ اس کومقبولیت عامه عطافر ماوے۔اوراحقر کی نجات کا ذریعہ بناوے۔ آمین العبدمجريليين عفاعنه الكريم مدرس جامعه خيرالمدارس ملتان

اظمار تشكر

بندہ حقیر پرتقصیران حضرات ا کابر کا بے حدممنون اورشکر گز ار ہے کہ جنہوں نے ا بنی انتہائی تعلیمی مصروفیات ومشغولیات سے فیتی وقت نکال کراپنی آرائے گرامی سے سرفراز فرمایا اوراس سلسله میں ہماری راہنمائی فرمائی۔اور بڑی ناسیاسی ہوگی اگر اس موقع يرحضرت مولا نانعيم احمدصاحب مدخلهٔ مدرس جامعه خير المدارس ملتان كا ذكرِ خير اورشكريه ندادا كياجائ كهجن كى تاليفات اورتح ريات سےاس مجموعه كى تيارى ميں مدد لی گئی۔ نیز عزیزی مولوی محمہ یامین رحمانی سلمہ اللہ انتہائی شکرید کے مستحق ہیں جنہوں نے اس کی ترتیب اور کتب کی ورق گر دانی میں بڑی جانفشانی سے حصہ لیا۔اورعزیز م مولوی محمد طاسین صاحب رحیمی زیدعلمه وعملهٔ بھی قابل صدمبارک و محسین ہیں۔ جنہوں نے نظر ثانی اور طباعت کے مراحل کو باحسن وجوہ سرانجام دیا۔اورعزیزان محمہ صفدر' محد رضوان' محمد قاسم' محمد کامران سلمہم الرحمٰن بھی شکریہ کے لائق ہیں جنہوں نے متو دے کی تھیجے میں تعاون کیا۔اللہ تعالیٰ ان تمام حضرات کواپنی شایان شان جزائے خیرعطا فرماوے۔اورعلم نافع نصیب فرماوے اور بندہ کو ہرقتم کی ریا کاری ہے محفوظ فر ما کردین کی خدمت کی مزیدتو فیق عطافر ماوے۔ آمین _

اعدار

ناظرین طلباء وعلاء سے گزارش ہے کہ بار بار نظر کر کے کتاب کو اغلاط سے پاک کرنے کی بعر پورکوشش کی گئی ہے۔ پھر بھی الانسان مرکب من الخطأ والنسیان مسلّم ہے۔ اگر کوئی غلطی نظر سے گزرے تو از راہ اصلاح اطلاع فرماویں تا کہ آئندہ اس غلطی کو درست کیا جاسکے۔ادارہ آپ کاممنون ہوگا۔

تقريظات اكابر علماء كرام

تقريظ

جامع المعقول والمنقول حفرت مولا نامجريليين صآبرصا حب مدظله العالى شخ الحديث جامعه عمر بن الخطابٌ ملتان

باسمه تعالى

وفاق المدارس العربیه پاکستان کے پچھلے دس سال کے سوالیہ پرچہ جات متعلقہ درجہ نانیہ عامہ کے جوابات اور ا نکاحل مصنفہ برادر محتر م حضرت مولا نامجمہ یسین صاحب مدرس جامعہ خیر المدارس ملتان دیکھا۔ بڑی خوشی ہوئی۔ موصوف نے اختصار اور جامعیت دونوں کا لحاظ کیا ہے۔ موصوف جامعہ کے پرانے استاذی میں۔ ان درجات کی کتابیس پڑھانے کا تو موصوف کو کافی موقع ملا ہے اور خاصہ تجربہ ہے۔ اس درجہ کے طلبہ سے درخواست کرونگا کہ اس جواب اور حل سے ضرور استفادہ کریں۔ حق تعالی برادر موصوف کی اس محنت کو قبول فرمادیں۔ آمین۔

محد کیبین صابر ۲۸محرم۲۲۲۱ دھ

تقريظ

شهنشاه تدریس حضرت مولا ناعبدالرحمن صاحب جاتمی منظلهٔ العالی شیخ الحدیث جامعه دارالعلوم رحیمیه ملتان

بسم اللَّه الرحمن الرحيم

استاذ محترم ومخدوم مکرم حضرت مولانا محدیلیین شاکرصاحب دامت برکاتهم العالیه جامعه خیر المدارس ملتان کے کہندشق وقابل فخر مدرس ہیں۔ حق تعالی شاند نے حضرت والا کو افہام وتفہیم کا بے مثال ملکہ عطافر مایا ہے۔

استاذ محترم نے طلبہ کی سہولت ورہنمائی کیلئے وفاق المدارس کے درجہ عامہ بنین و بنات کے دس سالہ پر چوں کوحل فر مایا ہے۔اور تفسیر وتجوید کے ورقات پر نظر ثانی کیلئے بندہ کو حکم فر مایا۔ حضرت الاستاذ نے بحدہ تعالیٰ انتہائی جامع اور دکش انداز میں تحریفر مایا ہے۔ بلاشہ اہل علم اور دکش انداز میں تحریفر مایا ہے۔ بلاشہ اہل علم اور طلبہ کرام کیلئے بہترین رہنمااور معاون ہے۔ حضرت والاکی ذرہ نوازی ہے کہ بندہ سے بچھ تاکٹرات تحریر کرنے کا حکم فر مایا ہے وگرنہ حضرت کی یہ تصنیف تعریف و توصیف کے رسی کلمات سے بے نیاز ہے۔ دعاء ہے کہ حق تعالیٰ شانہ حضرت استاذ محترم زید مجد ہم کی عمر وصحت میں برکت فر مائے اور آئی کی اس علمی کاوش کو قبول فر ماکر طلبہ واہل علم کیلئے نافع بنائے۔ آمین۔

حدرهٔ عبدالرحمٰن جاتی مقیم دارالعلوم رهیمیه ملتان ۲۷_۱_۱۳۲۹ه

تقريظ

جامع المعقول والمنقول كثميرك وقت حضرت مولا ناشبيرالحق صاحب كشميرى مدخله العالى استاذ حديث جامعه خير المدارس ملتان بسم الله الرحمن الرحيم

الحمد الله وحده والصلوة على من لانبي بعده امابعد فاضل محرّم حفرت مولانا محريين شاكرصاحب دامت بركاتهم العاليه في وفاق المدارس العربيه پاكتان كوس ساله سواليه پرچه جات منطق كول سے متعلق مجموعه بنرا مطالعه كي عنايت فرمايا بعض مقامات كود يكھنے سے معلوم ہوا كه حضرت مدوح موصوف في ساله سال كعليمى تجربه كي روشى ميں فدكوره امتحانى سوالات وجوابات سے متعلق تمام ضرورى اموركواحس انداز سے بيان فرماديا ہے پس يه مجموعه بنين و بنات كے طلبه و طالبات كے ليے بہترين علمي تحقد ہے۔ فحراه الله تعالىٰ خير الجزاءِ عنى و عن جميع المستفيدين ويرحم الله عبداقال المينا •

کتبهالعبدالضعیف شبیرالحق کشمیری عفاالله عنه مدرس جامعه خیرالمدارس ملتان besturdubooks wordpress co'

بيرطر يفت حضرت مولا نامحمه عابدصاحب مدخلة العالى استاذ حديث وتفيير جامعه خيرالمدارس ملتان

بسم اللَّه الرحمن الرحيم

الحمدلِلَّهِ وكفَّى وسلام على عبادهِ الذين اصطفَى امابعد!علم دين الله پاک کا انعام ہے جوخوش بخت کو دیاجا تا ہے۔امت محمد بیلی صاحبهاالصلو ۃ والسلام میں دوراول ہی ہے علم دین سکیصنے سکھانے کا اہتمام رہا ہے اس کا نتیجہ ہے کہ آج دین صحیح شکل میں کامل طور پرموجود ہےاور بیہ بات واضح ہے کہ صحیح معنوں میں علم دین اسی وقت نصیب ِ ہوگا جبکہ اس کو با قاعدہ اہتمام اورا نظام کے ساتھ حاصل کیا جاوے۔ ہمارے دین مدارس و جامعات ای کی ایک منظم شکل ہیں اور ای نظم کی ایک کڑی امتحانات کا سلسلہ بھی ہے۔ چنانچہ خود نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم نے ایک بار صحابہ کرام سے یو چھا کہ بتاؤ وہ کونسا درخت ہے کہ جس کے بیے نہیں جھڑتے اوروہ نافعیت میں مسلمان کی طرح ہے۔

حضرت امام بخاريٌ نے اس صديث يربير جمدالباب قائم فر مايا ہے۔ باب طرح الامام المسئلة على اصحابه ليختبر ما عندهم من العلم -

استاذ اینے شاگردوں کاعلم آ زمانے کیلئے کوئی سوال کرےاس کا بیان ہے۔حضرت شیخ الحدیث مولانا محد زکریاً فرماتے ہیں امام بخاری اس سے بی ثابت کرنا جاہتے ہیں کہ استاذ کو چاہیے کہوہ شاگر دوں کاامتحان لیتار ہے۔

چنانچہوفاق المدارس العربیہ کے تحت طلباءاور طالبات کے امتحانات کا بھی باضابطہ ایک نظام ہے جس میں امتحان دینے والے طلباء وطالبات کی سہولت بلکہ تعلیمی تربیت کے بیش نظر ہمارے جامعہ کے استاذ محتر م براد رِمکرم حضرت مولا نامحد لیبین شاکرصاحب مدخلۂ نے بڑی جانفشانی سے المرحلہ العامّه (بنین 'بنات) کے گزشتہ دس سالوں کے سوالیہ پرچہ جات اوران کےحل شدہ جوابات مرتب کرکے شائع کیے ہیں۔انشاءاللہ اس سے طلباء و طالبات کو جہاںمعلو مات حاصل ہوگی وہاں تر تیباورتعبیرعلم کے ذوق میں بھی تر تی ہوگی۔

امید ہے کہ اہل مدارس اس مفید علمی تخفہ کی قدر کریں گے۔ دعا ہے کہ اللہ پاک اس کو قبول فرماویں اور نافع بنادیں۔ آمین کے از خدام حضرت بہلو کی محمد عابد غفی عنهٔ مدرس جامعہ خیر المدارس ملتان

تقريظ

صاحبالقلم وقادرال کلام حضرت مولانا ابوسعیدالله بخش صاحب ظفر زیدمجدهٔ استاذ جامعه خیرالمدارس ملتان

نحمدة ونصلى ونسلم على رسوله الكريم

امانعد

اختبار وامتحان کے دو پہلو ہیں۔ یا تو صلاحیت و استعداد معلوم کرنے کیلئے یا مخفی صلاحیتوں کوعوام وخواص کے سامنے اجا گر وعیاں کرنے کیلئے امتحان لیا جاتا ہے۔ اگر چہ ہر ایک پہلوا پنے اندوظیم شان رکھتا ہے کیکن اول قتم دنیوی نقطہ نگاہ سے زیادہ اہم اسوجہ سے ہے کہ اس کے لیے تیاری کی جاتی ہے۔ اور ہر ایک امیدوار منتحن کی امنگوں کو پورا کرنے کیلئے ہمدشمی ذرائع اختیار کرتا ہے اور اس کی کامیا بی کیلئے ان تمام طریقوں کو اپنا تا ہے جو امتحان میں اعلیٰ ترین کامیا بی کے حصول کا ذریعہ ہوتے ہیں۔ اور اس بارے میں تمام طلباء کو اسا تذہ کرام اپنے ذوق اور تجربات اور پیش آمدہ امور کے حل میں جمیع طریقوں سے روشاس کراتے ہیں۔

اسی طرح بعض صاحب قلم بھی اس میدان میں اتر کرطلباء کرام کی خدمت کو اپنی افروی نجات کاذر بعی صاحب قلم بھی اس میدان میں اتر کرطلباء کرام کی خدمت کو اپنی افروی نجات کاذر بعیر بھتے ہوئے کاشتہ سالوں کے سوالات کو (اچھوتے انداز اور سوال کے ہر پہلوکو سامنے رکھتے ہوئے) حل کرتے ہیں۔ جس سے طلباء کو بے حد نفع اور عظیم رہنمائی حاصل ہوتی ہے بالخصوص ابتدائی درجات کے طلباء کے حق میں نہایت ہی مفید ٹابت ہوتے ہیں۔ اس سلسلے کے رکن رکین اور اس محفل کے چراغ حضرت مولا نامحد کیسین صاحب مدخلائو فاضل واستاذ جامعہ خیر المدارس ملتان ہیں جنہوں نے وفاق المدارس العربیہ پاکستان کے فاضل واستاذ جامعہ خیر المدارس ملتان ہیں جنہوں نے وفاق المدارس العربیہ پاکستان کے

درجہ ثانویہ عاملا بنین کے گذشتہ دس سالہ پر ہے اپنے خصوصی انداز میں الجواب کے عنوان کے است میں انداز میں الجواب کے عنوان سے حل کر کے پیش کیے ہیں۔ احقر نے ان کو چیدہ چیدہ جگہوں سے دیکھا۔ بہت ہی عمدہ اسلوب اختیار کیا گیا ہے۔ امید ہے کہ اگر طلباء انکومخس طرز اور انداز معلوم کرنے کیلئے ان سے رہنمائی لے لیس اور پوری کتاب کو اس انداز سے حل کرلیس انشاء اللہ تعالی ضرور بالضرور امتحان میں جہاں اعلی معیار کی کامیا بی حاصل ہوگی وہاں اصل کتاب کے حل میں

دعاء ہے اللہ تعالی تمام دین مدارس کے طلباء کواس سے نفع مند ہونے کی توفیق بخشے اور بالخصوص مرتب موصوف کے حق میں اس کوصد قہ جاریہ بناتے ہوئے اخروی ترقیات سے نوازے اللّٰهِ مار حم علی من قال آمین۔

من مان المين. فقط افقرابوسعيداللية بخش ظفر مدرس جامعه خيرالمدارس ملتان ٢٣٠ محرم الحرام ٢٣٢ م تقريظ

ما برعلوم نقليه وعقليه حضرت مولانا شمشا داحمه صاحب زيدمجدهٔ استاذ الحديث جامعه خير المدارس ملتان

الحمد لوليه والصلوة على نبيه

یے بناہ معاونت ہوگی۔

امسا بعد ! آج کل علمی انحطاط ہے اور اس کا سبب علمی ذوق کا فقد ان ہے اس لیے طلباء امتحانات میں کمزور ثابت ہوتے ہیں۔ اور سوال کو سمجھ نہیں پاتے اور اگر سوال سمجھ آجا ہے توجواب کی تعبیر پر قادر نہیں ہوتے۔ زیر نظر کتاب الجواب للعامّه ہمارے جامعہ کے استاذ محترم حضرت مولانا محمد سلین صاحب شاکر مدخلۂ نے ان دونوں باتوں کو مدِ نظر رکھتے ہوئے تحریفر مائی ہے۔

اللّٰد تعالی ان کی سعی کومشکور فر ماو ہےاور طلباء کواس سے بھر پوراستفادہ کرنے کی تو فیق عطا فر ماوے۔ آمین

شمشا داحمه عفااللهءنه

us. Worldpless.com

ا قد پاره عمّ فوائد مکیه

besturdu

besturdubooks:Wordpress.com

الورقة الاولىٰ في التفسير والتجويد ﴿ السوال الاول ﴾ 1270ه

﴿ الشق الأول ﴾ (لكل امرئ منهم يومئذشأن يغنيه ٥ وجوه يومئذ مسفرة ٥ ضاحكة مستبشرة ٥ ووجوه يومئذ عليها غبرة ٥ ترهقها قترة ٥ اولئك هم الكفرة الفجرة)

آیات مبارکه کاسلیس ترجمه وتفییر تحریر کرین خط کشیده الفاظ کے صینے اور باب ذکر کرین ' بہلی آیت کی نحوی تر کیب لکھیں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چارامور مطلوب ہیں (۱) آیات کا ترجمہ (۲) آیات کی تفییر (۳)خط کشیدہ الفاظ کے صینے وابواب (۴) پہلی آیت کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کا ترجمہ ۔ برخض کی اس دن الی حالت ہوگی جوا ہے اوروں ہے جو برواہ کرد گئی بہت سے جبر کے اس دن روثن ہنتے ہوئے خوش وخرم ہول کے اور بہت سے چبروں پراس دن خاک پڑی ہوگی چڑھی ہوئی ہوگی ان پڑئیا ہی ' پہلوگ کا فربد کار ہول گے۔

(۲) آیات کی تفسیر ۔ گذشتہ آیات میں وقوع قیامت نفخ صور (صور پھونکنا) کا ذکر تھا ان آیات کا تعلق اُی مضمون ہے جمطلب سے کقر آن ایک یا دواشت اور نصیحت ہے جب صور کی ہیب ناک آواز آئیگی تو اس وقت نصیحت (دعوت ایمان) قبول کرنے والوں کا حال نصیحت قبول نہ کرنے والوں سے مختلف ہوگا نصیحت قبول کرنےوالوں کے چبرے ہنتے مسکراتے خوش وخرم ہوں گے اور نصیحت قبول نہ کرنےوالوں کے چبرے ہنتے مسکراتے خوش وخرم ہوں گے اور نصیحت قبول نہ کرنےوالوں کے چبرے غبار آلودر سواء وذلیل ہوں گے بھر آخری آیت میں انکی تعیین بھی کردی کہ یکا فروفا جرلوگ ہوں گے۔

(س) خط کشیده الفاظ کے صیغے وابواب: یفنیه صیغه واحد ندکرغائب بحث مضارع معروف از مصدرالاغناء (افعال) بمعنی بے پرواه کرنا مسفرة صیغه واحد مؤنث بحث اسم فاعل از مصدرالاسفار (افعال) بمعنی روش و چمکدار بونا سلمی تممنر ه کی طرح از مصدر للسند السند بنا مستبشرة مسفرة کی طرح از مصدرالاستبشار (استفعال) بمعنی خوش لفتحک (سمع) بمعنی بنسنا مستبشرة مسفرة کی طرح از مصدرالاستبشار (استفعال) بمعنی خوش

بونا _ تسب هقه الصغه واحدمونت غائب بحث مضارع معروف ازمصد رالرهق (فقى) چها جانا الكفرة الكافرى جمع صيغه جمع فدكر بحث اسم فاعل ازمصد رالكفر (نصر) الكاركر تا الفجرة الفاجرى جمع صيغه جمع فدكر بحث اسم فاعل ازمصد رفجراً ، فجوراً (نصر) گناه كرنا _ جمع صيغه جمع فدكر بحث اسم فاعل ازمصد رفجراً ، فجوراً (نصر) گناه كرنا _ جموث بولنا _ زناكرنا _

(۳) بہلی آیت کی ترکیب لکل امری اور منهم دونوں کائن کے متعلق ہوکر خبر مقدم مقدم مقول فید مقدم شأن موصوف بغنیه فعل اس میں ہو ضمیر فاعل "ه " ضمیر مفعول به فعل این فعل این فعل مفعول به اور مفعول فید مقدم سے ملکر جمله فعلیه خبریہ ہو کرصفت موصوف صفت ملکر مبتدام و خ مبتدا خبر سے ملکر جمله اسمین خبریہ ہوا۔

﴿الشق الثانى ﴾ ﴿ اذاالسماء انشقت ٥ واذنت لربها وحقت ٥ واذا الارض مدت ٥ والقت مافيها وتخلت ٥ واذنت لربها وحقت ٥ يايّها الانسان انك كادح الى ربك كدحا فعلقيه ٥)

آیات فدکوره کا ترجمه وقفیر تحریر کرین خط کشیده کلمات کی لغوی وصرفی تحقیق ذکر کرین الله کاده اللی دبله کدها کامطلب واضح کرین نیز فعلقیه مین خمیر مجرور کا مرجع متعین کرین و خلاصهٔ سوال ایس بانچ امور توجه طلب بین (۱) آیات کا ترجمه (۲) آیات کا تفیی و مرفی تحقیق (۳) تعلمهٔ ندکوره کامطلب (۵) ضمیر مجرور کا مرجع مین (۳) خط کشیده کلمات کی لغوی و صرفی تحقیق (۳) تملهٔ ندکوره کا مطلب (۵) ضمیر مجرور کا مرجع در جب آسان چین جائے گا اور شن لیگا این دب

﴿ جُوابِ ﴾ (۱) ایات کا سرجمہ ۔ جب آسان پھٹ جائے گا اور سن لیگا ہے رب
کے حکم کو اور حق کہی ہے (زیبا بھی ہے) اور جب زمین تھینچ دی جائیگی اور ڈال دی گی وہ ان
چیزوں کو جو اس میں ہیں اور خالی ہوجائے گی اور سُن لے گی اپنے رب کے حکم کو اور حق یمی ہے
اے انسان بے شک تو اپنے رب کی طرف چلا جارہا ہے پس تو جاملے گا اس کو۔

(۲) آیات کی تفسیر الن آیات میں قیامت کی تخی اور ہولنا کی کو ذکر کر کے بتلایا کہ اسان تو نے بھی ایک دن مرکز اپنے رب سے ملاقات کرنی ہے اس وجہ سے اپنے اردگر د کے حالات میں غور وفکر کر اور داور است پر آجا۔ نیز اگلی آیات میں ایمان باللہ وایمان بالقر آن کی تلقین کی گئی ہے۔

سرق خطر الشقاق مصدر ہے ماضی کا صیغہ ہے واحدمونث عائب بمعنی پھٹنا لازی الدنت ۔ انشقت مجرد میں الثق مصدر ہے معنی پھٹنا لازی الدنت ۔ اذ نامصدر سے ماضی کا صیغہ ہے واحدمونث عائب بمعنی پھٹنا لازی ادنت ۔ اذ نامصدر سے ماضی کا صیغہ ہے واحدمونث عائب بمعنی کا ن لگانا سننا۔ حقت ۔ حقامصدر سے ماضی مجبول کا صیغہ ہے واحدمونث عائب بمعنی کسی چیز کا ثابت ہونا۔ واجب ولازم ہونا۔ مدت مد امصدر سے ماضی کا صیغہ ہے بمعنی کسی چیز کوڈ النابا ہر نکالنا۔ تخلی مصدر سے ماضی کا صیغہ ہے بمعنی میں رہنا خالی ہونا۔ فارغ ہونا۔ کے ادع کدخا مصدر سے اسم فاعل کا صیغہ ہے بمعنی محنت کرنا۔ کمائی کرنا۔

(اس) جمله مذکوره کا مطلب در جمد اسان بشک توایخ رب کی طرف چلا جار با ہے مطلب مید کدا انسان تیری حرکات وسکنات اور سانس وہ قدم ہیں جن سے تو چل رہا ہے اور دن رات تیری سواری کے دو پہنے ہیں جن پر تو سفر کر رہا ہے اور بچپن جوانی بڑھا پاسفر کی تین منزلیں ہیں جن کو طے کرتے ہوئے تو بے اختیار بارگاہ خداوندی کے قریب تر ہوتا جارہا ہے۔ تین منزلیں ہیں جن کو طے کرتے ہوئے تو بے اختیار بارگاہ خداوندی کے قریب تر ہوتا جارہا ہے۔ (۵) ضمیر مجرور کا مرجع فرکام جع دیکام جع درکا مرجع نے میں کا مرجع درکا مرجع اس کا مرجع درکا مرجع نے میں کی کے درکا مرجع نے میں کو کے درکا مرجع نے کے درکا مرجع نے میں کی کے درکا کے درکا میں کے درکا کے درکا میں کے درکا میں کے درکا کے د

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٥ ه

﴿ الشق الأول﴾ (والغديت ضبحًا ٥ فالموريات قدما ٥ فالمغيرات صبحا ٥ فاثرن به نقعا ٥ فوسطن به جمعا ٥ الانسان لربه لكنود ٥ وانه على ذلك لشهيد ٥ وانه لحب الخير لشديد ٥)

آیات کریمه کاسلیس ترجمه کرئے تغییر ذکر کرین خط کشیده کلمات کی لغوی تشریح کرین اور بیا بتا کمیں که 'انّه لحب المخیر لشدید''میں الخیرے کیامرادے۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال مین چارامور حل طلب ہیں (۱) آیات کا ترجمہ (۲) آیات کی تفسیر (۳) خط کشیدہ کلمات کی بغوی تشریح (۴) الخیر کی مراد۔

﴿جواب ﴾ (۱) آیات کا ترجمہ قتم ہے ان گوڑوں کی جودوڑتے ہیں ہانیتے

ہوئے بھران گھوڑوں کی جو چنگاریاں اڑاتے ہیں ٹاپ مارکز پھران کی جوملہ کرتے ہیں شہ کے وقت پھران کی جوملہ کرتے ہیں شہ کے وقت پھراڑاتے ہیں اس کے ذریعہ مجمع میں' بے شک انسان اپنے رب کا بڑا ناشکرا ہے'اور بے شک وہ اسپرالبتہ باخبر ہے اور بے شک وہ مال کی محبت میں البتہ خت ہے۔

(۲) آیات کی تفسیر: ان آیات میں اللہ تعالی مجاہدین کے گھوڑوں کی چند قسمیں کھاکر اشکر ہے انسان کا گلہ کررہے ہیں کہ اسے انسان تیرے اوپر تیرے رب کے بیشار احسانات ہیں بھر بھی تو اس کا نافر مان ہے تھے ایک حیوان (گھوڑ ہے) سے سبق حاصل کرنا چاہیے کہ اس کا عارضی مالک جواسے تھوڑا سامبح شام چارہ اور گھاس ڈالتا ہے وہ حیوان اپنے اس مالک کے تھم ہے کی چیز کی پرواہ کیے بغیر جب وہ اسے تھم کرتا ہے تو میدان کارزار میں گھس جاتا ہے تیر تلوار نیز ہی کی رواہ نہیں کرتا جان پر کھیل کر بھی مالک کی حفاظت واطاعت کرتا ہے مگر تو اپنے محن کا ناشکرا ونافر مان ہے اوراس ناشکری کا خود بھی اقر ارکرتا ہے مگر مال کی محبت اس قدر دل ود ماغ پر سوار ہے کہ کہی چیز کا حساس ہی پیدانہیں ہوتا۔

(س) خط کشیده کلمات کی لغوی تشریخ ۔ العادیات العادیة کی جمع از مصدر عَدْوَا عُدُوّا عَدُوانَا (نفر) بمعنی دوڑ نا صبحاً مصدر (فتح) بمعنی بانپا الموریات الموریة کی جمع از مصدر الا براء (افعال) آگروش کرنا قد حا مصدر (فتح) بمعنی پیم یلی زمین پرناپ مارنا اشری مان سے جمع مؤنث غائب از مصدر الا ثارة (افعال) بمعنی اڑانا اٹھانا ابھارنا نقعا اشری کرنا۔ جا دہمینی غبار الکنو د الکنو د مصدر (نفر) سے صفت مشبہ کا صیغہ ہے بمعنی ناشکری کرنا۔ جا دہمین غبار الکنو د الله و دصدر (نفر) سے مراد مال ہے اس لیے کہ اہل عرب مال کو خیر سے تعبیر کرتے ہیں۔

﴿ الشق الثاني ﴾ ب (ويل لكل همزة لمزة ٥ الذي جمع مالا وعدّده ٥ يحسب ان ماله اخلده ٥ كلا لينبذن في الحطمة ٥ وماادرك ماالحطمة ٥ نارالله الموقدة ١٥ التي تطلع على الافئدة ١٥ انها عليهم مؤصدة ٥

في عمد ممددة ٥)

سورة مباركه كابامحاوره ترجمها ورمختفر تفسير تحريركرين خط كشيده الفاظ كے معانی اور صيغے ذكر كريں۔ (خلاصئه سوال) اس سوال كا حاصل تين امور بيں (۱) آيات كا ترجمه (۲) آيات كی تفسير (۳) خط كشيده الفاظ كے معانی وصيغ ۔

﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کاتر جمہ ۔ ہلاکت ہے ہرطعنددینے والے عیب چننے والے کیلئے جس نے جمع کیامال ہمیشہ ساتھ دیگااس کا کیلئے جس نے جمع کیامال کواور گن گن کررکھا' گمان کرتا ہے وہ میر کیا ہے حطمہ اللہ کی آگ ہے سلگائی ، ہرگز نہیں البتہ پھینکا جائے گاوہ حطمہ میں اور کیا معلوم آپ کو کیا ہے حطمہ اللہ کی آگ ہے سلگائی ہوئی جو جھائکتی ہے دلوں پر بے شک وہ ان پر بند کر دی جائے گی کہے لمے ستونوں میں۔

(۲) آیات کی تفسیر ۔اس سورۃ میں اجمالی طور پر تین بدترین گنا ہوں پر وعید کا ذکر ہے (۱) ہمز (۲) کمز (۳) جمعِ مال ۔

ہمزاور لمزے کیا مراد ہے اس میں متعدداقوال ہیں جمہور مفسرین نے یہ معنی اختیار کیا ہے کہ ہمز ہمعنی غیبت کرنا لین پیٹھ پیچھے کی کاعیب بیان کرنا اور لمزبہ معنی کی کو آضے سامنے طعند دینا اور اس کی برائی بیان کرنا 'ید دونوں گناہ ایک دوسر ہے بردھ کر ہیں غیبت کے بارے میں ارشاد باری ہے ایست کے بارے میں ارشاد باری ہے ایست کے اس کے مان یا کل احم اخیہ میتا الخ اور ارشاہ نبوی سلی الله علیہ وسلم ہے السفید قاشد مین الز نیا اور آ منے سامنے طعند دینا بھی اپنی جگہ تخت گناہ ہاس لیے کہ اس میں اس کی تو بین و تذکیل بھی ہا درایا اور آ منے سامنے طعند دینا بھی جبکہ '' ہمز'' میں صرف تو بین و تذکیل ہوتی ہا اور تیسرا گناہ جو ناجا کرنظریقہ پر حاصل کیا جائے یا بھر مرادوہ مال ہے جس تیسرا گناہ خود بھی گناہ ہا اور اول دونوں گناہ وں کا سبب اور جڑ بھی ہا سی جاس وجہ ہا گئی آیات میں اس کی سزا کا ذکر ہے کہ اس کا مال گمان کے برخلاف ہمیشہ اس کا ساتھ نہ دے گا بلکہ اصل مشکل کے وقت میں جب اسے دہمی ہوئی آگ جودلوں پر مطلع ہونے والی ہے جب اسے اس میں پھینکا جار ہا ہوگا اس وقت وہ اکیلا ہوگا'

(س) خط کشیده الفاظ کے صینے ومعانی - همزة مبالغه کاصیغه بهمنی بهت طعینه

دین والا ـ اَسَرَة مبالغه کا صیغه ہے بمعنی پس پشت برائی کر نیوالاً عدّدة صیغه واحد مذکر عا بیک بحث ماضی معروف از مصدر تعدید (تفعیل) شارکرنا کیس نیست برائی کر نیوالاً عدّده صیغه واحد مذکر عا بجث مضارع مجهول با نون تاکید تقیله از مصدر نبذ (نفر ضرب) بمعنی پینکنا ـ الحصلمة جنم کے طبقه کا نام ہے ـ عظم مصدر (ضرب) ہے شتق بمعنی روند ناوتو ژنا ـ الموقدة صیغه واحد مذکر اسم مفعول نام ہے ـ عظم مصدر (فترب) مقال کر قادی بمعنی دوند اور کا مقصدة موقدة کی طرح بمعنی بند از مصدرایقا و (افعال) روش کرنا ـ افتادة فواد کی بمع بمعنی ستون ممددة موقد و کی طرح از مصدر تدید (تفعیل) بمعنی بھیلانا ـ کرنا عمد تمود کی بحد بدر تفعیل) بمعنی بھیلانا ـ

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٥ ه

﴿ الشق الاول ﴾راءکورُ اور باریک پڑھنے کی کتنی صورتیں ہیں تمام صورتوں کو مثالوں سے واضح کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوامر مطلوب ہیں (۱) راء کو پُر وبار یک پڑھنے کی صورتیں (۲) انگی امثلہ۔

وراء پرزبریا پیش ہودہ داء کہ ہوگی جیسے دَعُدد دُزِقُدوا داور جس داخی امشلہ: جس داء پرزبریا پیش ہودہ داء کہ ہوگی جیسے دَعُدد دُزِقُدوا داور جس داء کے نیچز ریموگی وہ داء بار کیک ہوگی جیسے دِرُقا۔ اورا گرداء ساکن ہوتواس سے پہلے جرف کودی کھوا گراس پرزبریا پیش ہوتو وہ داء ہوگی جیسے بَرُق ۔ یُرُرُقُونَ ۔ اورا گرما قبل والے حرف پرزیر ہوتو وہ داء باریک ہوگی وہ داء ہوگی جیسے شد ماکن ہوتو پھرائی طرح اس کے بھی ماقبل کودیکھا جائے گا اور بیا الب وقف میں ہوتا ہے جیسے قدر دُر عُسن د ذِکُرُ۔ اورا گرداء ساکن ہوتا ہے جیسے قدر دوسر کے کلہ میں ہوتا ہے جیسے قدر دوسر کے کلہ میں ہوتا ہے جیسے کوئی حرف اس کام میں آجائے تو وہ داء کسرہ کے باوجود بھی پُر پڑھی جائے گی جیسے دَبِّ ارْجُعُون ۔ آم اُرْتَابُوا۔ قِرُطَاسٌ۔

﴿الشق الثاني ﴾مثلين متقاربين متجانسين مين عن هرايك كى تعريف ومثال في ركرين ـ

(خلاصة سوال)اس سوال كالب لباب دوامور بين (١) تعاريف (٢) امثله

جواب (ار) اگرایک حف ادغام بین اتسام بین (ا) اگرایک حف کائین اقسام بین (۱) اگرایک حف کائین شخص حف بین شخص کائین شخص بین ادغام بولین حرف مین ادغام بوجو بهم شل تو ند بول مرفز ج ایک بوتو اس متجانسین کہتے بین بین قسائی قد الله می ادغام بوجو بهم شل تو ند بول مرفز ج ایک بوتو اس متجانسین کہتے بین بین قسائی قد (۳) اور اگراد غام والے حوف ند بهم شل بول اور ند بهم خرج بول تو اس متقاربین کہتے ہیں جیسے الله نَدُلُقُکُمُ۔

الورقة الاولى في التفسير والتجويد ﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٤ه

﴿الشق الأول﴾ ... (عبس وتولى ٥١ن جاءه الاعمى ٥ ومايدريك لعله يزّكى ٥ اويذكرفتنفعه الذكرى ٥ امّا من استغنى ٥ فانت له تصدّى ٥ وما عليك الّا يزّكى ٥ واما من جاءك يسعى ٥ وهويخشى ٥ فانت عنه تلهّى ٥)

(۱) آیات ِمبار که کاشانِ نزول اورتر جمه تحریر کریں (۲) پہلی تین آیوں کی ترکیب کھیں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) آیات کا شانِ نزول۔ (۲) آیات کا ترجمہ (۳) پہلی تین آیات کی ترکیب۔

جواب (۱) آیات کا شان نرول آخضرت سلی الدعلیه و کلم ایک دن مجد حرام مین تشریف فرما سے اور آپ کے پاس سرداران قریش موجود سے آپ شان کو اسلام کی خوبیاں اور شرک و بت پری کی خرابیاں بنا کر توحید کی دعوت دے رہے سے کہ ایک نابینا صحافی حضرت عبداللہ ابن ام کمتوم شآپ کے پاس آئے اور عرض کی کہ یار سول اللہ علّم منی ماعلّمك الله آپ کو انکا آنانا گوارگز را آپ نے ان کو کھے جواب ند یا اور وہ نابینا صحافی بار بار یہی درخواست کرتے رہے جس کی وجہ سے آپ کے چرے پرنا گواری کے آثار ظاہر ہو گئے اور آپ شانے اس صحافی سے منی موڈ لیا اور سرداران قریش کی طرف متوجد ہاں پر بیسورة نازل ہوئی۔

(۲) آیات کا ترجمہ ۔ تُرشرو ہوئے اور منہ پھیرلیا۔ اس بات سے کہ آیا ان کے پاس

ایک نابینا اور کیامعلوم آپ کوشاید که وه تزکیه کرتایا وه یا دکرتا پس نفع دیتا اس کویا و کرنا بهر حال جو پر واه نبین کرتا پس کرتا پس کے بیچے پڑتے ہیں۔ حالا نکه بیآپ پر ذمه داری نبین ہے که وہ نه سنور ہے۔ اور بہر حال جو آیا آپ کے پاس دوڑتے ہوئے اور ڈرتے ہوئے پس آپ اس سے بیروائی برتے ہیں۔

(س) بیملی تین آیات کی ترکیب نیس فعل آسیس موخمیر متعراس کا فاعل فعل این فاعل فعل این فاعل فعل این فاعل مین بوخمیر این فاعل سے ال کر جملہ فعلیہ خبر بیہ ہوکر معطوف علیہ واقی عاطفہ تبولتی فاعل فعل این فاعل معتراس کا فاعل آن ناصبہ مصدر بیہ جا فعل فعلی مصدر مفعول بہ الاعمٰی فاعل فعل این فاعل اور مفعول بہ سے ال کر جملہ فعلیہ خبر بیہ ہوکر بتاویل مصدر مفعول لا ہوا تو لئی کا فعل این فاعل اور مفعول لا سے استفہامیہ مبتدا بسدی فعل اسلامی مفعول لا سے استفہامیہ بالفعل فی ضمیر اس کا اس میں ہوخمیر اس کا فاعل کی ضمیر اعلی فعل این فاعل سے ال کر جملہ فعلیہ خبر بیہ ہوکر لعل کی خبر لیل اسلامیہ وخبر سے ال کر جملہ اسمیہ انشا کیے ہوکر مفعول با فی فعل سے ال کر جملہ فعلیہ خبر بیہ ہوکر لعل کی خبر لیل این اسلامیہ فعلوں سے ملکر جملہ فعلیہ خبر بیہ ہوکر خبر اسمیہ انشا کیے ہوکر مفعول خانی فعل این فاعل اور دونوں مفعولوں سے ملکر جملہ فعلیہ خبر بیہ ہوکر خبر معطوف علیہ اسمیہ خبر بیہ ہوکر معطوف عالیہ اسمیہ خبر بیہ ہوکر معطوف عالیہ اسمیہ خبر بیہ ہوکر معطوف علیہ ہول

﴿ الشق الثانى ﴾ (والفجر ٥ وليال عشر ٥ والشفع والوتر ٥ والّيل اذايسر ٥ هل في ذلك قسم لذى حجر ٥ الم تركيف فعل ربك بعاد ٥ أرم دات العماد ٥ التى لم يخلق مثلها في البلاد ٥)

(۱) آیات مبارکه کاتر جمه وتفیر تحریکری (۲) الفجر لیال عشر الشفع الوتر الیول کی مرادواضح کری (۳) نیز بتا کی که ارم ذات العماد ترکیب می کیاواقع بور با ہے۔ (خلاصة سوال) اس سوال میں چارامور مطلوب بین (۱) آیات کاتر جمه (۲) آیات کی تفییر (۳) الفاظ قسمید کی مراد (۴) ارم ذات العماد کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کا ترجمہ قتم ہے جرکی اور دس راتوں کی اور جفت کی اور

طاق کی اور رات کی جب وہ ڈھل جائے۔ بے شک ان چیز وں کی شم عقلندوں کیلیے کافی ہے گیا۔ آپ کومعلوم نہیں کہ کیا معاملہ کیا آپ کے رب نے قومِ عاد سے یعنی اس قومِ ارم سے جوستونوں والے تھے کنہیں پیدا کیے گئے انکی مثل شہروں میں۔

(۲) آیات کی تفسیر ۔ اللہ تعالی متعدد چیزوں کی قتم کھا کر قیامت کے متعلق شکوک وشہات کا ازالہ فرمارہ ہیں کہ اللہ تعالی کی حکمتِ کا ملہ کا تقاضا یہ ہے کہ جزاوسزا کا ایک دن مقرر ہے جس کا انتظار کیا جائے۔ کیونکہ یہ زندگی عمل کیلئے ہے پھل اُس دن ملے گا۔ نیز اس عالم میں جزاء وسزا کا تخل نہیں نیز فورا گرفت کرنا حکم باری کے خلاف ہے نیز تو بہ کی مہلت دینا رحمت کا تقاضا اور مہر بانی کی دلیل ہے۔ لہذا ان قسموں والی اشیاء کے اندر خوب غور وخوض کیا جائے تو قدرت اور حمت کی روشنیاں نظر آئیں گی اور جزاوسزاوا لے دن کا انتظار معلوم ہوگا۔

سا)الفاظ قسمید کی مراوی الفرے مرادران حقول کے مطابق روزانہ کی صبح ہے لیال عشر سے مراد والحجہ کی ابتدائی دس را تیں ہیں۔ شفع سے مراد یوم النحر (دسویں ذوالجہ) کا دن اور وتر سے مراد یوم عرفہ (نویں ذی الحجہ) ہے اور کیل سے مراد مطلق رات ہے اور بھی اقوال ہیں گریہاں پر اقوال را جھ کوذکر کیا گیا ہے۔

آرم ذات العماد كى تركيب رارم موصوف ذات مضاف العماد مضاف العماد مضاف العماد مضاف العماد مصوف مضاف اليم لكر صفت ملكر عطف بيان بواعاد كار

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٤ ه

﴿الشق الأول﴾ (كذبت ثمود بطغوها ٥ اذانبعث اشقها ٥ فقال لهم رسول الله ناقة الله وسقيها ٥ فكذبوه فعقروها ٥ فدمدم عليهم ربهم بذنبهم فسوها ٥ ولايخاف عقنها ٥)

(۱) آیات مبارکه کاتر جمه اور واقعه کی مختصر تشریح بیان کریں (۲) بسطف و هسا فکذبوه کفعه قدوها عقبها بین مذکور ضائر کے مراجع متعین کریں (۳) رسول اللہ سے کون سے رسوا مرادییں ۔ اشقی سے کون مراد ہے؟ واضح کریں۔ (خلاصة سوال) اس سوال ميں پانچ امور مطلوب بيں (۱) آيات كا ترجمہ (۲) واقعه كى تشريح (۳) الفاظ مذكورہ ميں صائر كے مراجع (۴) رسول الله سے كون مراد ہے (۵) الشقى سے كون مراد ہے۔

جواب ﴿ (۱) آیات کا ترجمہ تجھالایا قوم ممود نے اپی سرشی کیوجہ ہے جبہ اٹھا ان کا سب سے بڑا بد بخت ۔ پس کہان سے اللہ کے رسول نے کہ بچواللہ کی اوفرنی سے اوراس کی پان کی باری سے ۔ پس جھٹلایا انہوں نے اس کو اور کونچیں کا مند دیں اس کی پس ہلا کت نازل کی ان پران کے رب نے ان کے گناموں کیوجہ سے پھر برابر کردیا اسے (عذاب کوعام کردیا) اور نہیں خوف کیا اس نے اس کے انجام ہے۔

(٢) واقعه كى تشريح: كه جس وقت حضرت صالح التلفظ نے قوم ثمود كوتو حيد ورسالت كى تبليغ ك توقوم نے جواب ويا مسا انست الابشس مشلنداً فسأت بآية ان كسنت مسن المصادقين -كما گرتوسياني ہےتو فلان معين پقر سے دس ماہ کی گانجس اونٹنی برآ مدکر جو باہرنگل کر فوراً بحید ہے۔ چنانچہ صالح النصی نے اللہ تعالی ہے دعاکی اور اونٹی برآ مد ہوئی اور اس نے باہر نکلتے ا ہی بچید یااور بیاوٹٹی تمام جانوروں کا پانی بی جاتی تھی اس لیے باری مقرر ہوئی کہ ایک دن صرف ا فٹنی پانی پیا کرے گی اور دوسرے دن بقیہ تمام جانور پیا کریں گے کا فروں کو بیقشیم نا گوارگز ری اس کیےانہوں نے اونٹی کو مارڈ النے کاارادہ کیا تا کہ رہ یانی کی دقت ختم ہوجائے چنانچے قوم کی ایک فاحشة عورت جس کے ملک میں کافی جانور تھاس نے اپنے آشنا بدکردارکواونٹنی کے قل برآمادہ كرليا ـ اوراس عاشق نے اپنے ساتھ چندساتھیوں كوملا كر اونٹنى كے قتل كاعز م كرليا جب يہ بات صالح النفية كومعلوم موكى تو آينان كومنع كيا كديه الله كي اونتني باست قل مت كروورندتم يرسخت عذاب آ جائے گا۔ گرانہوں نے نہ مانی اوراونٹنی گوتل کر دیا۔ چنا نچےصالح الطبی نے فر مایا کہ اب تم تین دن تک زندہ رہوگے اس کے بعدتم پر عذاب آئے گا کہ پہلے دن تمہارے چرے زرد ہوجا ئیں گے دوسر بے دن سرخ اور تیسر بے دن سیاہ اوراس کے بعدتم ہلاک ہوجاؤ گے چنانچیا س طرح عذاب نازل ہوااوروہ ہلاک ہوگئے۔ (۳) الفاظ فدكوره ميں ضائر كمراجع : به طبق وها ك ضمير كامرجع توم محوق بي موق مي المحق مي موق مير كامرجع اونثن بي ما مي مير كامرجع اونثن بي مقلها كي مير كامرجع قوم شود كي بلاكت بي -

(م) رسول الله سے کون مراد ہے: _رسول اللہ ہے مراد حفرت صالح الله ہیں۔ (۵) الشقی سے کون مراد ہے: _قدار نای شخص جو فاحشہ عورت کا عاش تھا۔

﴿ الشق الثانى ﴾ (سبح اسم ربك الاعلى ٥ الذى خلق فسوى ٥ والذى قدّر فهدى ٥ والذى اخرج المرعى ٥ فجعله غثآء احوى ٥ سنقرئك فلاتنسى ٥ الاماشاء الله أنه يعلم الجهر ومايخفى ٥ ونيسرك لليسرى ٥)

(۱) آیات مبارکه کاتر جمداور مختصر تفییر تحریر کریں (۲) الاماشاء الله میں استناء کامفہوم واضح کریں (۴) و نیسر ک للیسری میں یسری سے کیام اد ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين چارامور مطلوب بين (۱) آيات كاتر جمد (۲) آيات كل تفير (۳) الاماشاء الله كامفهوم (۴) في نيسرك لليسري مين يسرى كي مراد-

﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کاتر جمہ ۔ اپنے عالی شان رب کی شیخ بیان سیجے۔جس نے پیدا کیااورٹھیک بنایا۔ اور جس نے مقدر فر مایا اور راہ دکھائی اور جس نے چارہ نکالا (اُگایا) پھر کردیا اسے سیاہ کوڑا کہس عنقریب ہم آپ کو پڑھائیں گے پھر آپ نہ بھولیس گے مگر جو چاہے گا اللہ تعالیٰ بیشک وہ جانتا ہے ظاہرو پوشیدہ کو۔ اور ہولت دیں گے ہم آپ کوآسان چیز کی۔

(۲) آیات کی تفییر : سب سے پہلی آیت میں اللہ تعالی اپنے نام کی تبیج و بقتہ ایس کا تکم دے رہے ہیں۔ اس کے بعد آنخضرت صلی اللہ علیہ وسلی اللہ علیہ وسلی کو نبوت ورسالت کے متعلق چند مدایات دے رہے ہیں۔ اور خوشخبری سنا کر فریضہ نبوت کو آسان فرمارہے ہیں کہ جو کچھ آپ بھی پرنازل ہوآپ اس کے بارے میں اندیشہ نہریں اگرکوئی حصہ بھول جا کیں تو پریشان نہوں۔ یادکرانا اور پھر تھے پڑھا دینا اور کوئی حصہ بھول وا کیس تو پریشان نہوں۔ یادکرانا اور پھر تھے پڑھا دینا اور کوئی حصہ بھول وا کیس آپ فکر واندیشہ میں نہ پڑیں۔

سے کہ آپ کو سے پر ھانااور اللہ کامفہوم ۔اس اسٹناء کامفہوم یہ ہے کہ آپ کو سے پر ھانااور ایا کہ کار مان کار کا کہ کار مانا ہور کی کو کرنا چاہیں گے تو خود ہی آپ کے د بن سے نکال دیں گے اس وجہ سے آپ اس بارے میں فکرنہ کریں۔

(مر) ونیسرك للیسری میں یسری کی مرآد ـاس آیت میں یسری سے مراد دھظ وى كا آسان طریقہ یاشریعتِ مطہرہ یا تمام امور حسنہ ہیں ۔

﴿السوال الثالث ﴾ ١٤٢٤ه

الشق الاول ﴾ (كل خارج كت بي ؟ أنسي صرف با في كاذكري ادر بتاكي كرو ي ادر بتاكي كرو في كرو في ادر بتاكي كرو في كرو كرو في ك

(خلاصۂ سوال)اس سوال میں چارامور مطلوب ہیں(۱) کل مخارج کتنے ہیں(۲) پانچ مخارج کاذکر(۳)حروف مجمورہ کتنے ہیں(۴)حروف مجمورہ کو نسے ہیں۔

را)افضی صلی اس سے الف 'ہمزہ ' ہا' ۔ تین حروف اداہوتے ہیں (۲) وسطِ صلی ۔ اس سے علی اللہ وسے ہیں ۔ (۱)افضی صلی ۔ اس سے الف 'ہمزہ ' ہا' ۔ تین حروف اداہوتے ہیں (۲) وسطِ صلی ۔ اس سے ع' خ دو حروف ادا ہوتے ہیں ۔ (۳)ادنی صلی ۔ اس سے غ' خ دو حروف ادا ہوتے ہیں ۔ (۴) افضی لسان اوراو پر کا تالواس سے ق اداہوتا ہے ۔ (۵) قاف کے خرج سے ذرامنہ کی طرف ہن کراس سے ک اداہوتا ہے ۔ (۲) وسطِ لسان اس سے ج' ش' می تین حروف اداہوتے ہیں ۔ (۷) حافہ لسان اور ڈاڑھوں کی جڑ اس سے ض اداہوتا ہے ۔ (۸) طرف لسان اور دانتوں کی جڑ اس سے طن اداہوتا ہے ۔ (۸) طرف لسان اور دانتوں کی جڑ اس سے ط' دُ تین حروف ادا ہوتے ہیں ۔ (۱۰) نوک زبان اور ثنایا علیا کا کنارہ اس سے ظ' دُ ت تین حروف ادا ہوتے ہیں ۔ (۱۱) نوک زبان اور ثنایا علیا کا کنارہ اس سے ظ' دُ ت تین حروف ادا ہوتے ہیں ۔ (۱۱) نوک زبان اور ثنایا علیا کا کنارہ اس سے ط' ذا ہوتے ہیں ۔ (۱۲) نیچ کا ہونٹ اور ثنایا علیا کا کنارہ اس سے ف ادا آء تا ہے ۔ حروف ادا ہوتے ہیں ۔ (۱۲) خیوم لیخ کا ہونٹ اور ثنایا علیا کا کنارہ اس سے ف ادا آء تا ہے ۔ حروف ادا ہوتے ہیں ۔ (۱۲) خیوم لیخ کا ہونٹ اور ثنایا علیا کا کنارہ اس سے فدادا ہوتے ہیں ۔ (۱۲) خیوم لیخ کا ہونٹ اور ثنایا علیا کا کنارہ اس سے خد ادا ہوتا ہے ۔ بعض حضرات نے تھوڑ اسا فرق کر کے سولہ اور ستر ہ بھی خلاجی ہیں گر

خلاصه يبي چوده مخارج ہي نگلتے ہيں۔

(٢) يا في مخارج كاذكر اس جزئى كاذكراو بروالى جزئى كضمن ميس موسّيا ـ

(٣) حروف ججهوره كتف مين: حروف جهوره كى تعدادانس بـ

(سم) حروف مجهوره کو نسے ہیں ۔ فیصلہ شخص سکت والے دی حروف کے علاوہ بقیانیں حروف مجهورہ ہیں۔

﴿ الشق الثاني ﴾ مندرجه ذيل اصطلاحات كى تعريف كرے ہرا يك كے حروف بتا كس جهر بهس شدت _ رخوت _ استعلاء _ استفال _

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوام مطلوب ہیں۔(۱) مندرجہ ذیل چھا صطلاحات کی تعریف(۲) ہراصطلاح کے حروف۔

حروف کےعلاوہ بقیہ بائیس حروف میں پائی جاتی ہے۔

(۲) ہراصطلاح کے حروف اللہ اس جزئی کا جواب گذشتہ جزئی کے ضمن میں ہو گیا ہے۔

الورقة الاولى في التفسير والتجويد ﴿ السوال الاول﴾ ضمني ١٤٢٤ه

والشق الاول (ان يوم الفصل كان ميقاتا هيوم ينفخ في الصور فتاتون افواجا هوفت حت السماء فكانت ابوابا هوسيرت الجبال فكانت سراباه ان جهنم كانت مرصادا هلطاغين مآباه لبثين فيها احقابا ه) فكانت سراباه ان جهنم كانت مرصادا هلطاغين مآباه لبثين فيها احقابا ه) المائيس ترجمه كرين _(۲) مختر تفير تحرير ين _(۳) خط كثير وكمات كي لغوي تحقيق كرين _

(خلاصة سوال) اس سوال مين تين امور مطلوب بين (۱) آيات كاتر جمه (۲) آيات ك تفيير (۳) خط كشيده كلمات كي لغوي تحقيق _

﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کا ترجمہ ۔ بیشک فیصلہ کا دن ایک وقت معین ہے۔ جس دن پھونکا جائے گا آسان پس ہوجائے گا وہ پھونکا جائے گا قسان پس ہوجائے گا وہ دروازے ہی دروازے ۔ اور چلاو ہے جائیں گے پہاڑ پس ہوجائیں گے وہ سراب (ریت) بے شک جہنم ہے گھات سرکشوں کیلئے ٹھکانہ ہے۔ رہیں گے دواس میں مدتوں تک۔

(۲) آیات کی تفسیر ۔ گذشت آیات میں جب یہ بات معلوم ہوگئی کدونیا کی کوئی بھی چیز بے فائدہ نہیں ہے ہر چیز کسی کے فائدہ کیلئے ہے تو جولوگ ان اشیاء سے فائدہ اٹھار ہے ہیں ان کا حساب و کتاب بھی ہونا چاہیے ۔ تو اس موقعہ پر بیسوال پیدا ہوا کہ وہ دن کب آئے گا کہ جب ہر کسی سے سوال و جواب ہوگا تو ان آیات میں اس کا جواب دیا کہ فیصلہ کا ایک دن مقرر ہے آگ اس دن کی ہولنا کی کا ذکر ہے کہ جب صور بھو نکا جائے گا تمام مرد نے زندہ ہو کر لشکروں کی صورت میں بارگاہِ خدا وندی میں حاضر ہوں گے ۔ اور آسان کھول دیئے جائیں گے۔ اور پہاڑ روئی کی طرح بارگاہِ خدا وندی میں جائے ان لوگوں کے ٹھکانہ کا ذکر ہے جنہوں نے ان نعمتوں سے فائدہ حاصل اڑتے پھریں گے۔ آگے ان لوگوں کے ٹھکانہ کا ذکر ہے جنہوں نے ان نعمتوں سے فائدہ حاصل

کرنے کے باوجودسرکشی کی ہوگی۔

(۳) خط کشیده کلمات کی لغوی تحقیق - میسقیاتیا-باب ضرب سے ظرف کاصیغہ

ہے بمعنی وقتِ مقرر - اف و اجا - بیفوج کی جمع ہے بمعنی جماعت اور گروہ - السجمال - جبل کی جمع ہے بمعنی پہاڑ - السجمال - جبل کی جمع ہے بمعنی نہاڑ - احقاباً - هب کی جمع ہے بمعنی زماند -

﴿ الشق الثانى ﴾ …… (قتل الانسان مااكفره ٥ من اى شيئى خلقه ٥ من نطفة خلقه فقدره ٥ ثم اذا شاء انشره ٥ كلّ لمّا يقض ما امره ٥)

(۱) آیات مبارکه کابامحاوره ترجمه کرین (۲) مختر تغییر کرین (۳) مااکفره کونسا صیغه به در اسبیل یسره مین السبیل سے کیام راوی۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين چارامور مطلوب بين (۱) آيات كاتر جمد (۲) آيات كى تفير (۳) مااكفره كونسا صيغه ب (۴) السبيل كى مراد

﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کاتر جمه قبل کردیا جائے انسان که کس قدر ناشکرا ہے کس چیز سے بیدا کیااس نے اس کو۔ نظفہ سے (بوند وقطرہ سے) پیدا کیااس کو پھر اندازہ لگایااس کا۔ پھر اس کا راستہ آسان کیا۔ پھر اس کوموت دی اور قبر میں رکھوایا اس کو۔ پھر جب چاہے گا اس کو دوبارہ زندہ کرےگا۔ ہرگز نہیں' پورانہیں کیااس نے اس کوجس کا اللہ نے اس کو تھم دیا تھا۔

(۲) آیات کی تفسیر ۔ سابقہ آیات میں قرآن کے عالیشان اور واجب الایمان ہونے کو بیان کیا۔ اس کے بعدان آیات میں منکرین قرآن پر لعنت اور اس کی ناشکری کا ذکر ہے اس کے بعد پھران خصوصی انعامات الہید کا ذکر ہے جو ولا دت کے وقت سے لیکر قیامت تک اس پر بارش کی طرح برستے ہیں۔

(۳) ما اکفرہ کونسا صیغہ ہے۔ کفران مصدر باب نفر نے فعل تجب کا صیغہ ہے۔ (۳) السبیل کی مراد ۔ اسبیل سے مراد انسان کے فکم مادر سے دنیا میں آنے کا راستہ مراد ہے کہ انتابز اانسان چھوٹے سے راستہ سے کیسے اس دنیا میں آجا تا ہے۔

﴿السوال الثاني﴾ ضمني ١٤٢٤ه

﴿الشق الأول ﴾ (هل اتك حديث الغاشية ٥ وجوه يومئذ خاشعة ٥ عاملة ناصبة ٥ تصلى نارا حامية ٥ تسقى من عين آنية ٥ ليس لهم طعام الا من ضريم ٥ لابسمن ولا بغني من جوع ٥)

(۱) آیاتِ کریمه کاتر جمه کرین (۲) تفسیر تحریر مین (۳) خط کشیده کلمات کی لغوی تحقیق ذکر کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) آیات کا ترجمہ (۲) آیات کی تفسیر (۳) خط کشده کلمات کی لغوی تحقیق ۔

﴿ جواب ﴾ (1) آیات کا ترجمہ کیا آئی ہے آپ کے پاس چھا جانے والے حادثہ کی خبر۔ کتنے چبرے اس دن ذکیل مصیبت جھیلنے والے تھے ہوئے ہوں گے۔ داخل ہوں گے وہ دہمی ہوئی آگ میں۔ پانی بلائے جائیں گے وہ کھولتے ہوئے چشمہ کا نہیں ہوگاان کیلئے کھا نامگر خاردار جھاڑیاں (کانے) جونہ موٹا کریں گے انکواور نہ دفع کریں گے بھوک کو۔

(۲) آیات کی تفسیر ۔ ان آیات میں قیامت کے حادثہ اور اس کے حالات کو بیان فرمار ہے ہیں کہ روز قیامت کفار ومؤمنین کے الگ الگ حالات ہوں گے اور امتیازی شان ہوگ تو پہلے کفار کے حالات کو بیان فرمار ہے ہیں کہ بہت سے چہرے اس دن ذکیل مصیبت زدہ اور تکھے ہوئے ہوں گے بریثان ہوں گے ۔ کیونکہ وہ جہنم میں داخل ہوں گے اور کھولتے ہوئے چشمہ کا گرم پانی انکی بیاس کیلئے ہوگا اور خاردار جھاڑیاں اسلے کھانے کیلئے ہوں گی جنکے نہ پینے کا کوئی فائدہ اور نہ کھانے کا کوئی فائدہ ہوگا۔

(۳) خط کشیده کلمات کی لغوی تحقیق - الغیاشیة - عشاء مصدر باب تع سے اسم فاعل کا واحد مؤنث کا صیغہ ہے بمعنی چھپانا - فرھانپنا - چھاجانا - خیاشعة - الخشع مصدر سے اسم فاعل واحد مؤنث کا صیغہ ہے بمعنی ذکیل ورسوا ہونا - نیاصبة - یہ بھی باب سمع سے اسم فاعل واحد مؤنث کا صیغہ ہے بمعنی عاجز _ مصیبت زدہ - حیامیة - یہ بھی باب سمع سے اسم فاعل واحد مؤنث کا صیغہ ہے بمعنی دہکنا - کھولنا - جلنا - النیة - یہ باب ضرب سے اسم فاعل واحد مؤنث کا صیغہ ہے بمعنی دہکنا - کھولنا - جلنا - النیة - یہ باب ضرب سے اسم فاعل واحد مؤنث کا صیغہ ہے بمعنی

قريب بونا - پكنا - انتهائي گرم بونا - ضريع - يه آسم ج بمعنى خاردار جما ليال اور كائے - هو الشق الثانى ، (كلا اذا دكّت الارض دكّا دكّا ٥ وجاء ربك والملك صفا صفا ٥ وجيئ يومئذ بجهنم يومئذ يتذكر الانسان وانّى له الذكرى ٥ يقول يليتنى قدمتُ لحياتى ٥ فيومئذ لا يعذب عذابه احد ٥ ولايوثق و ثاقه احد ٥)

(۱) آیات ندکوره کار جمد کرین (۲) تغییر ذکر کرین (۳) دکاً دکیا اور صفّا صفّا کیون منصوب بین -

(خلاصة سوال) اس سوال ميں تين امور مطلوب بيں (۱) آيات كاتر جمه (۲) آيات كی تفيير (۳) دکّا اور صفًا صفًا كے منصوب ہونے كی وجد۔

﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کا ترجمہ ۔ ہرگزنہیں جب زمین ریزہ ریزہ کردی جائے گ ریزہ ریزہ کرنااورآئے گا آپکارب اور فرشتے صف درصف ۔ اور لایا جائے گااس دن جہم کو۔ اس دن سمجھے گاانسان اور کہاں ہوگا اس دن مجھنا (بے فائدہ ہوگا)وہ کہے گااے کاش کہ آئے بھیجنا میں کچھاپنی زندگی کیلئے۔ پس اس دن نہیں عذاب دیگا کوئی اس جیساعذاب دینا۔ اور نہ کوئی جکڑے گا اس جیسا جکڑنا۔

(۲) آیات کی تفسیر ۔ شروع سورت میں جس مضمون کو پانچ قسمیں کھا کر بیان کیا تھا دوبارہ اسی کی طرف اشارہ ہے کہ جب پہلی مرتبہ صور پھونکا جائے گا اس سے سارا نظام دنیا ختم ہوجائے گا ہر چیز فنا ہوجائے گی اس کے بعد جب دوبارہ صور پھونکا جائے گا تو تمام مُر د نے قبروں سے دندہ ہو کرنگلیں گے۔ تمام اولین و آخرین عدالتِ خداوندی میں حاضر ہوں گے۔ ملائکہ کا نزول ہوگا۔ باری تعالی تخت پر جلوہ افروز ہوں گے حساب و کتاب ہوگا اور ہر شخص اپنے اسنے استحقاق کے مطابق جنت یا جہنم کا کھل پالیگا۔ اس دن انسان کو سمجھ آئے گی اور پھر انسان تمنا کرے گا کہ اے کاش کہ میں نے دنیا میں رہتے ہوئے آخرت کیلئے کچھ کیا ہوتا مگر اس تمنا اور سمجھ کا اس دن کو کئی اس جیسی کی جم ہوگا۔

﴿السوال الثالث﴾ ضمني ١٤٢٤ه

﴿ الشق الاول ﴾ ادغام انفاء اور اظہار میں سے ہرایک کی تعریف مثالوں کے ساتھ تحریر یں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوام مطلوب بين (١) تعاريف (٢) امثله ـ

﴿ جواب ﴾ (۱٬۲) تعاریف وامثلہ ۔ اظھار کہتے ہیں حفواں کے خرج اور جملہ صفات لازمہ کے ساتھ اور کرتے ہوئے خوب ظاہر کر کے پڑھنا جیسے یَدنُعِق میں نون اداہوا ہے۔ ادغیام ۔ کہتے ہیں پہلے ساکن حرف کودوسرے متحرک حرف میں ملا کرمشدد کر کے پڑھنا جیسے اَللّٰهُم میں میم اداہوا۔ اخفاء کہتے ہیں کہ حرف کا نہ بالکل اظہار ذات ہو۔ نہ بالکل ادغام ہو یک درمیانی حالت ہو یعنی حرف کی خطاہر ہواور کچھنی ہوجیسے تدفقون میں نون اول کوادا کیا گیا ہے۔

۔ الشق الثمانی ﴾مثلین متقاربین اور متجانسین کی تعریف کر کے مثالوں سے واضح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوچزين طل طلب بين _(۱) تعاريف(۲) اشله - هر خلاصة سوال بين الشيق الشانسي من هما الشيان الشين ال

الورقة الاولى في التفسير والتجويد ﴿ السوال الاول ﴾ ١٤٢٣ هـ

﴿الشق الأول﴾ (ويل للمطففين الذين اذا اكتالوا على الناس

يستوفون ٥ واذا كالوهم أوورنوهم يخسرون ٥ الايظن اولى أنهم مبعوثون ٥ ليوم عظيم ٥ يوم يقوم الناس لرب العالمين ٥)

(۱) آیات مبارکه کا شانِ نزول اورتر جمه کریں۔ (۲) خط کشیدہ الفاظ کی لغوی اور صرفی تحقیق ذکر کریں۔ (۳) پہلی دوآینوں کی تر کیب کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چار امور مطلوب ہیں (۱) آیات کا شانِ نزول (۲) آیات کا شانِ نزول (۲) آیات کا ترجمہ(۳) خط کشیدہ الفاظ کی لغوی اور صرفی تحقیق (۴) کہلی دوآ یتوں کی ترکیب ﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کا شانِ نزول المان الی شنے حضرت ابن عباس شیسے

نقل کیا ہے کہ جب حضور ﷺ ہجرت کر کے مدینہ تشریف لائے تو دہاں کے تاجروں کو دیکھا کہوہ

(۲) آیات کا ترجمہ: بہلاکت ہے ناپ تول میں کی کر نیوالوں کیلئے۔ وہ لوگ کہ جب لیتے ہیں وہ لوگوں ہے تو ہیں تو ہیں و لیتے ہیں وہ لوگوں ہے تو پوراپوراوصول کرتے ہیں اور جب ان کوناپ کریاوزن کرے دیتے ہیں تو کمی کرتے ہیں۔ کیا ان کواس بات کا یقین نہیں ہے کہ وہ اٹھائے جا کیں گے تحت دن میں جس دن تمام لوگ رب العالمین کے سامنے کھڑے ہوں گے۔

(س) خط کشیده الفاظ کی لغوی وصر فی سحقیق - ویسل - بمعنی بلاکت - از ساقسام ارشش اقسام ثلاثی مجرداز بهفت اقسام لفیف مقرون - لسف هفین - بمعنی ناپ تول میس کی کرنیوالے - صیغہ جمع ندکر بحث اسم فاعل از باب تفعیل از سه اقسام اسم از شش اقسام ثلاثی مزید فیه از بفت اقسام مضاعف - اکتسالو آ - بمعنی کیل کیا انہوں نے صیغہ جمع ندکر غائب بحث اثبات فعل ماضی معروف از باب افتعال از سه اقسام فعل از شش اقسام ثلاثی مزید فیه از بفت اقسام اجوف - یستست و ف و آ - بمعنی پورا پوراوصول کرتے ہیں - صیغہ جمع ندکر غائب بحث اثبات فعل مضارع معروف از باب استفعال از سه اقسام فعل - از شش اقسام ثلاثی مزید فیه از بهفت اقسام فعل مغروف - و د نسو هم - بمعنی وزن کیا انہوں نے صیغہ جمع ندکر غائب بحث اثبات فعل ماضی معروف از سام تعل از شش اقسام ثلاثی مزید فیه از بنت اقسام مثال وادی - معروف از سام تعل از شش اقسام ثلاثی می دون از سام تعل ماضی

(سم) بہلی دوآ یتوں کی ترکیب: ۔ ویل مبتدالام جارہ مطفقین اسم فاعل بھے فاعل شبہ جملہ ہوکر موصوف الدنین اسم موصول آذآ حرف شرط اکتسالوا فعل فاعل علی السناس جار مجر ورملکر متعلق ہوافعل کے دفعل اپنے فاعل و متعلق سے ملکر جملہ فعلیہ خبریہ ہوکر جزار شرط و جزاملکر صلہ موصول صلہ ملکر صفت ۔ مستسوف و فون فعل فاعل ملکر جملہ فعلیہ خبریہ ہوکر جزار شرط و جزاملکر صلہ موصول صلہ ملکر صفت ۔ موصوف صفت ملکر مجرور جار مجرور ملکر تا بت کے متعلق ہوکر شبہ جملہ ہوکر خبر میتدااپی خبر سے ملکز جملہ اسمہ خبریہ ہوا۔

﴿الشق الثانى ﴾ (والسماء ذات البروج ٥ والينوم الموعود ٥ وشاهدومشهود ٥ اذهم عليها وشاهدومشهود ٥ اذهم عليها قعود ٥ وهم على مايفعلون بالمؤمنين شهود ٥ ومانقموا منهم الاان يؤمنوا بالله العزيز الحميد ٥)

(۱) آیاتِ کریمہ کاسلیس ترجمہ کریں (۲) یوم موعود _ شاہد _مشہود ہے کیا مراد ہیں؟ واضح کریں _ (۳)اصحابِ اخدود کا واقعہ مختصراً ذکر کریں _

(خلاصهٔ سوال)اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) آیات کا ترجمہ۔ (۲) یوم موعود ـ شاہد مشہود کی مراد ـ (۳)اصحاب اخدود کامختصر واقعہ۔

﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کا ترجمہ قتم ہے برجوں والے آسان کی۔ اور وعدہ کیے ہوئے دن کی اور حاضر ہون قبل کردیۓ گئے ہوئے دن کی اور حاضر ہون قبل کردیۓ گئے (ملعون ہوگئے) خندتوں والے یعنی بہت سے ایندھن کی آگ والے۔ جس وقت وہ اس پر بیٹھے ہوۓ تھے۔ اور فہیں انتقام لیا ہوۓ تھے۔ اور فہیں انتقام لیا انہوں نے ان سے گراس لیے کہ وہ ایمان لائے زبردست کمالات والے اللہ پر۔

(۲) يوم موعود - شاہد - مشہود كى مراد - حضرب ابو ہريرہ گى مرفوع روايت ہے كه يوم موعود سے مراد قيامت كادن - شاہد سے مراد جمعه كادن - مشہود سے مرادع فه كادن ہے ـ اس ميں اور بھى متعدداقوال ہيں مگر راج قول يہى ہے ـ <u>(س) اصحابِ اخدود کامخضر واقعہ :۔ایک بادشاہ تھا جس کے ہاں ایک کا ہن اور ساحر</u> تھا۔ بادشاہ اپنا ہر کام اس ساحر ہے کروالیتا گویا اس کی سلطنت اس کے جادو کے بل بوتے قائم تھی۔اخیرعمر میں اس ساحرنے باوشاہ سے کہا کہ میری عمر ختم ہونے والی ہے آپ مجھے کو کی ذہین لڑکا ویں جس کومیں اپناغلم سکھاسکوں۔ بادشاہ نے ایک لڑ کا اس کے حوالہ کر دیا۔ وہ بچے شیخ شام اس ساحر کے پاس حاضر ہونے لگا ای دوران راستہ میں اس کی کسی راہب سے ملا قات ہوئی وہ بچہاس راہب سے بڑامتاثر ہوا۔راہب نے اس بح کوتو حید کی تعلیم دی وہ بچہ ایمان لے آیا۔ پھر بچیروز انہ اس ساح کے پاس آتے جاتے اس راہب کے پاس آنے جانے لگا۔ ایک دن یہ بجہ بادشاہ کی طرف جار ہا تھا کہ کیا دیکھتا ہے کہ کسی مہلک جانور نے راستہ روک رکھا ہے لوگ تھبرے ہوئے ہیں۔اس بچدنے سوچا کہ آج میں امتحان لیتا ہوں کہ ساحرحق پر ہے یارا ہب چنانچہ اس نے پھر اٹھایا اور کہا کہ اے خدا اگر اس راہب کا مذہب حق ہے تو اس پھر ہے اس جانور کو ہلاک فرما۔ چنا نچہ پھر سے وہ جانور ہلاک ہوگیا اورلوگوں میں شہرت ہوگئ کہ بچیکو جادوگری میں کمال حاصل ہو گیا ہے۔ پھر آ ہت آ ہت وہ بچہولا یت عظمی کے مرتبہ پر فائز ہو گیالا علاج مریض اس کی دعا ہے شفایاب ہونے لگے۔شہرت کی وجہ سے بادشاہ کا نابینا مصاحب بھی آیا اور تحفے ونذرانے پیش کر کے درخواست کی کہ مجھ پر بھی کچھ نظر کرم کریں۔میری آئکھیں بھی درست کر دیں بچہ نے کہا کہ شفاءمیرے ہاتھ میں نہیں ہے میرارب شفاء دیتا ہےا گرتو میرے رب پرایمان لائے تو میں اس سے دعا کرتا ہوں امید ہے کہ آنکھیں درست ہوجا ئیں گی۔ چنانچیاس طرح ہوا کہ وہ ایمان لے آیا بچینے دعا کی اس کی آنکھیں درست ہوگئیں۔ جب وہ آ دمی صبح باوشاہ کے دربار میں پہنچا تو بادشاہ نے تعجب سے یو چھا کہ پہلے تو کسی بھی معالج سے ٹھیک نہیں ہوااب کیے ٹھیک ہو گیا؟اس نے کہا کہ میرے پروردگارنے اپنی قدرت سے مجھے بینائی دی ہے۔ بادشاہ نے کہا کہ میرے سوا تیرا پروردگارکون ہے اس نے کہا کہ جس نے بیساری کا نئات پیدا کی ہے۔ بادشاہ اس کے جواب سے غضبناک ہوااوراسے مارا بیٹااور پوچھا کہ بتا تجھے بیعقیدہ کس نے سکھایا ہے اس نے بچہ کا نام لیا۔اور پھر بچیکو بلا کر تختی ہے یو چھا گیا تو اس نے راہب کا نام لیا۔ بادشاہ نے اس راہب کو بلا کر 11ess.co

دین جیوڑ<u>نے کا کہااس نے انکار</u> کیا تو بادشاہ نے اسے آرے سے چیر دیا پھرمصاحب سے بھی ای طرح کہااس نے انکارکرویابادشاہ نے اس کوبھی چیردیا۔اور بجیہ سے کہا کہتو بھی اینے دین ہے باز آ جاور نہ تیرا بھی یہی انجام ہوگا بچہ نے انکار کردیا۔الغرض بادشاہ نے مختلف حیلے بہانے کیے مگر تمام تدابیر نا کام ہوگئیں ووا ں کوقل نہ کر سکے پھر بچہ نے خود ہی اپنے قل کی تدبیر بتلائی کہ بڑے ميدان مين لوگون كوجع كرو پهر مجھے سولى پرچڙ هادواور پهر بسسم الملنه رب هذا الغلام كهدكمه مجھے تیر مارومیں مرجاؤں گاچنانچہ اس طرح کیا گیا تیراس بچہ کی کنیٹی پر لگااوروہ جاں بحق ہو گیاجب لوگوں نے بید یکھا تو تمام لوگوں نے باواز بلندکہا آمنا برب هذا الغلام بادشاہ کواور عصرآ گیا کہ پہلے تین تھےاب بے شارلوگ اس بچہ کے رب پرایمان لا چکے ہیں چنانچداس نے تھم دیا کہ خندقیں کھود کران میں آگ لگائی جائے اور تمام لوگوں ہے ایک ایک کرکے یو چھا جائے جو جو انمیں سے ہمارے مذہب سے پھر گیا ہواس کواس آگ میں ڈال دیا جائے چنانچہ خندقیں کھود کر تمام اعیانِ سلطنت النکے کناروں پر نظارہ کیلئے بیٹھ گئے اور پھر تمام اہل ایمان کوآگ میں ڈالنا شروع کردیا گیا۔اس دوران آگ مجرئی اور بادشاہ اوراس کے کارندے وغیرہ جو کناروں پر بیٹھے نظارہ کررہے تھے ان تمام کوآگ نے جلا کررا کھ کردیا۔ (پیواقعہ انتہائی مختصر کرکے بیان کیا گیا ہے تفصيل كيلئة قرآن كريم كى كس تفسير كامطالعه فرمائيں)

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٣ه

﴿الشق الأول﴾ ﴿ الله المؤلك المؤلكة القدر ٥ وما ادرك ماليلة القدر ٥ وما ادرك ماليلة القدر ٥ ليلة القدر ٥ ليلة القدر ٥ ليلة القدر فيها باذن ربهم من كل امر ٥ سلم هي حتى مطلع الفجر ٥)

(۱) سورهٔ مبارکه کا شانِ نزول 'ترجمه اورتفییرتحریر کریں۔(۲) روح کا مصداق متعین کریں۔(۳) آخری آیت کی ترکیب لکھیں نیز ھی ضمیر کا مرجع متعین کریں۔ (خلاصۂ سوال)اس سوال میں چھامور مطلوب ہیں (۱) سورۃ کا شانِ نزول (۲) سورۃ کا

ترجمه(٣) سورة كي تغيير(٣) روح كامصداق(٥) آخرى آيت كى تركيب(٢) هي ضمير كامر خع-

جواب (۱) سورة کا شان نزول ایک مرتبه حضورا کرم سلی الدعلیه وسلم نے صحابہ کرام شکی الدعلیه وسلم نے محابہ کرام شکی کے سامنے بنی اسرائیل کے ایک عابد وجاہد کا تذکرہ کیا جس نے ہزار ماہ تک دن کو جہاد اور رات کوعبادت کی تھی۔ تو صحابہ کرام شکو بہت صدمہ ہوا کہ ہم بہترین امت ہونے کے باوجود بنی اسرائیل کے بجابدوں اور عابدوں کا مقابلہ نہیں کرسکتے اس لیے کہ ہماری تو عمریں بی زیادہ سے زیادہ ساٹھ ستر سال تک ہیں تو اسپر بیسورة نازل ہوئی کہ تہماری ایک رات کی عبادت ہی ہزار ماہ کی عبادت سے افضل ہے۔ اور بھی شانِ نزول بیان کیے گئے ہیں مگر ان سب کا مفہوم تقریباً بی لکلا ہے۔

اور کیا ہور ق کا ترجمہ ۔ بے شک ہم نے نازل کیا قر آن کریم کولیلۃ القدر میں۔اور کیا معلوم آپ کو کیا ہوتے ہیں (اتر تے معلوم آپ کو کیا ہولیۃ القدر ۔ لیلۃ القدر بہتر ہے ہزار مہینوں سے ۔ نازل ہوتے ہیں (اتر تے ہیں) اسمیں فرشتے اور روح اپ رب کے حکم سے ہرامر کولیکر ۔ بیرات سلامتی والی ہے۔ یہاں تک کہ فجر طلوع ہوجائے۔

(۳) سورة کی تفسیر یہلی آیت میں قرآن کریم کی عظمت کا اظہار مختلف انداز سے کیا۔ایک اس طرح کداس کو ہم نے نازل کیا ہے کسی اور کی من گھڑت کلام نہیں دوسرااس طرح کداس کولیلۃ القدر میں نازل کیا ہے پھراگی آیت میں لیلۃ القدر کی عظمت بیان کرنے کیلئے پہلے سوال کیا کہ لیلۃ القدر کیا ہے؟ اگلی آیت میں اس کی عظمت خود ہی بیان کردی کدوہ ایک رات بہرار ماہ سے افضل ہے اگلی دونوں آیات میں عظمت کی وجہ بیان کی گئی ہے کہ اس رات میں فرشتے بڑار ماہ سے افضل ہے اگلی دونوں آیات میں عظمت کی وجہ بیان کی گئی ہے کہ اس رات میں فرشتے اللہ تعالی کے احکامات کیکر شیخ از تے ہیں اور پھر پوری زمین پر پھیل جاتے ہیں اور بیرات مراپا ملامتی ہے کہ فروپ آفاب سے کیکر طلوع فجر تک باعث سلامتی اور خیر ہی خیر ہے۔

(س)روح كا مصداق - اسميس متعدد اقوال بين مرراج قول كے مطابق جرائيل

العَلِيْكُانَ مِن _

⁽۵) آخرى آيت كى تركيب: سلام مصدر هي ضميرمبتداء مؤخر حتى جاره مطلع مضاف المفجر ورملكر متعلق بوامصدر

کے مصدرایے متعلق سے ملکر خرمقدم ہوئی مبتدا کی۔مبتدا پی خبر سے ملکر جملہ اسمیہ خبریہ ہوا۔ (۲) ھی ضمیر کا مرجع ۔ھی ضمیر کا مرجع لیلۃ القدر ہے۔

﴿الشق الثاني ﴾ · · · · (انا اعطينك الكوثر ٥ فصل لربك وانحر ٥ ان شانِتك هوالابتره)

(۱) سورة مباركه كاشان بزول اورسليس ترجمه كهيس (۲) كوثر كي تفيير مين مفسرين كاقوال تحريكري (۳) ان شانتك هو الابتد كامصداق متعين كرين اور پورى سورة كى تركيب كسيس (خلاصة سوال) اس سوال مين پانچ امور مطلوب بين (۱) سورة كاشان نزول (۲) سورة كا ترجمه (۳) كوثر كي تفير مين مفسرين كاقوال (۴) ان شانتك هو الابتد كا مصداق (۵) سورة كي تركيب مصداق (۵) سورة كي تركيب

﴿ جواب ﴾ (۱) سورة كاشانِ نزول - جب حضور ﷺ كے بينے قاسم وابراہيم كا انتقال مواتو اللي عرب نے آپول سكتا كيونكه يہ انتقال مواتو اللي عرب نے آپكواہتر مونے كاطعند ديا كه اسكا دين تو آ گے نہيں پھيل سكتا كيونكه يہ بينوں كا كام ہے كه اپنے باپ كه دين كي تبلغ واشاعت كريں اور اس كا كوئى بينا نہيں ہے۔ اسپر يہ سورت نازل موئى۔

(۲) سورة كا ترجمہ: _ بے شك ہم نے عطاكى آ بكوكوثر _ پس آپ نماز پڑھيں اپنے رب كيلئے اور قربانى كريں _ بے شك آ پكار تمن ہى ابتر ہے (دُم كِثار بِ بنام ونشان)

(۳) كوثر كى تقسير ميں مفسرين كے اقوال: _اس ميں متعددا قوال ہيں _امام رازى ً

نے بندرہ اقوال ذکر کیے ہیں مگران سب میں سے مشہوریہ تین اقوال ہیں۔

(۱)وہ تمام خیرِ کثیر جوآ پکودنیا میں عطا ہوئی۔(۲)جنت کی وہ نہر جوآ پکوشپ معراج میں دکھائی گئی۔(۳)حوشِ کوژ جو بل صراط ہے قبل میدانِ حشر میں عطا ہوگا۔

قعل فاعل آن صغير مفعول بداول الكوش مفعول بدثاني فعل اپنے فاعل اوردونوں مفعولوں مفلا جملہ فعلہ خبريہ بوار ف تفريعيہ حسل ملکر جملہ فعلہ خبريہ بوار ف تفريعيہ حسل فعل امرائيس انت ضمير مضاف اليہ مضاف الله جارہ رب مضاف آن ضمير مضاف اليہ ملکر جملہ فعل به انتائيہ موکر معطوف عليہ واق عاطفہ است سن ملکر جملہ معطوف عليہ واق عاطفہ است معطوف سے ملکر جملہ معطوف ہوا۔ اِنَّ حرف مشبہ بالفعل الشائيہ بوکر معطوف معطوف عليہ اپنا محاف ضمير فصل الابتر اَن کی خبر - اِن اپنا اسم وخبر منسان الدبتر اَن کی خبر - اِن اپنا اسم وخبر سے ملکر جملہ اسمیہ ہوا۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٣ه

﴿ الشق الاول ﴾ ميم ساكن ككل كتفاحوال بين؟ مثالول كساته تحرير كرين نيز بمس كي تعريف كريد بين المين كروف مي موسدكون كون سے بين -

(خلاصة سوال)اس سوال ميں جارامور مطلوب بيں (١) ميم ساكن كے كتنے احوال بيں

(۲) میم ساکن کے احوال کی امثلہ (۳) ہمس کی تعریف (۴)حروف مہموسہ کون کون سے ہیں۔

﴿جواب ﴾ (١)ميم ساكن كے كتنے احوال ميں ميم ساكن كے تين احوال ميں

(۱) ادغام جبكميم ساكن كے بعد دوسرى ميم بوجيع أم مَنْ خَلَقَ (۲) اخفاء جبكميم ساكن

ك بعدب موجيع و مَاهُمُ بِمُوْمِدِينَ - (٣) اظهار - مذكوره صورتوں كے علاوه كوئى اورصورت

ہوجیے کَیْدَهُمُ فِی تَضُلِیُل-عَلَیْهِمُ وَلَاالصَّالِّینَ-(۲)میم ساکن کے احوال کی امثلہ:۔اس جزئی کا جواب مذکورہ جزئی کے ضمن

میں ہو گیا۔'

(٣) ممس كى تعريف: حكمامر في الشق الثاني من السوال الثالث ٢٤١ه (٣) حروف مهموسه كون كون سے بين حكمامر في الشق الثاني من

السوال الثالث ٢٤ ١ه

﴿ الشق الثانى ﴾ اجمّاع سائنين كَ لَتَى تَسْمِين بِن ؟ برايك كَ تَعْريف اور حَكُمُ مثالوں كے ساتھ بيان كريں _

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں جارامورمطلوب ہیں (۱) اجماعٌ ساکنین کی اقسام ۲) اقسام کی تعریف(۳) اقسام کا حکم (۴) اقسام کی امثلہ۔

﴿ جوابِ ﴾ (1) اجتماع ساكنين كى اقسام _اجماع ساكنين كى دواقسام بيں . (1) على حدہ (۲) على غير حدہ _ :

(۲) اقسام کی تعریف علی حدہ ۔ یہ ہے کہاول سائن مدہ بواور دونوں سائن ایک ہی کلمہ میں بوں اور یہ جائز ہے جیسے ضالا۔ دَائِةٍ ۔

علی غیر حدہ: ۔ یہ ہے کہ اول ساکن مدہ نہ ہویا پھر اول ساکن مدہ ہوگر دونوں ایک کلمہ میں نہ ہوں ۔ اگر اول ساکن مدہ ہوا کے جاروں ایک کلمہ منہ ہوتو اس کو حذف کردیں گے جیسے اقیده واالصلوة اور لات عدلوا اعدلوا میں واؤ حذف ہوگیا۔ اورا گراول ساکن مدہ ہی نہ ہوتواس کو کسرہ دے دیں گے جیسے اِن ارتبتہ میں نون ساکن تھااس کو کسرہ دے دیا۔ یہ تم مسرف وقف میں جائز ہے۔ واسے حائز نہیں ہے۔

(۲_۳_۲) اقسام کی تعریف حکم ۔امثلہ ٔ۔ان بیوں جزئیات کاذکر مذکورہ جزئی کے سمن میں ہو گیا۔

الورقة الاولى في التفسير والتجويد ﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٢ه

﴿الشق الأول ﴾ (والنازعات غرقا ٥ والناشطات نشطا٥ والسابحات سبحا٥ فالسابقات سبقا ٥ فالمدبرات امرا ٥ يوم ترجف الراجفة ٥ تتبعها الرادفة ٥ قلوب يومئذ واجفة ٥ ابصارها خاشعة ٥ يقولون امالمردودون في الحافرة٥)

(۱) آیات کریمه کاسلیس ترجمه کریں (۲) نساذ عسات رئیسا شطسات رسیدا بحسات ر

سابقات سیس سے برایک کا انوی اور مرادی معنی تکھیں (۳) قلوب یہ وسٹاد واجفہ ہی۔ ابصار ھا خاشعہ کی ترکیب نموی تکھیں۔

﴿ خلاصةُ سوال) اس سوال ميں تين امور مطلوب بيں (۱) آيات کا ترجمه (۲) الفاظِ ندکوره کا بغوی ومرادی معنیٰ (۳) آيات ندکوره کی ترکيب۔

چواب کی جو تی ہے جان نکا لئے والے ہیں۔ اور ان فرشتوں کی جو تی ہے جان نکا لئے والے ہیں۔ اور ان فرشتوں کی جو تیر نے والے ہیں۔ اور ان فرشتوں کی جو تیر نے والے ہیں۔ اور ان فرشتوں کی جو تیر نے والے ہیں۔ پھر ان فرشتوں کی جو برمعاملہ کا انتظام کرتے ہیں۔ خرور قائم ہوگی قیامت جس دن کہ ہلانے والی ہلادے گی۔ پیچھے آئے گی اس کے پیچھے آئے گی اس کے پیچھے آئے قلوب اس دن دھڑ کتے ہوں گے آئی نگاہیں جھکی ہوئی ہوں گی۔ کہتے ہیں محر لوگ کے کہا ہم لوٹائے جا کیل ہم لوٹائے جا کیل کی حالت پر۔

(۲) الفاظ فر الکوره کالغوی و مرادی معنی نارعات بنزع مصدر بیع مؤنث اسم فاعل کاصیغہ ہے بہتی کینچنا۔ مراد کافر کی روح نکالنا ہے کدوہ اس کے جسم سے زبردتی کینچی جاتی ہے وہ خود مرنے کیلئے تیار نہیں ہوتا۔ نسانسطات نظم مصدر سے جمع مؤنث اسم فاعل کاصیغہ ہے بہتی گرہ کھولنا۔ مرادمو میں کی روح نکالنا ہے کہ وہ خود ہی مرنے کیلئے تیار ہوتا ہے اسوجہ سے آسانی سے روح نکال کی جاتی ہے جیسے کی بوری وغیرہ کی گرہ کھولی جائے تو اندر سے خود بخو دہی چیز باہر آجاتی ہے۔ سابحات سباحة مصدر سے جمع مؤنث اسم فاعل کاصیغہ ہے بمعنی تیرنا۔ مرادیہ ہے کہ وہ فرشتے روح کونکال کرا ہے سکون سے اس کولیکراو پر کی طرف جاتے ہیں جیسے آدمی سکون سے بانی میں تیرر ہاہو۔ سابھات ۔ سباحق صدر سے جمع مؤنث اسم فاعل کاصیغہ ہے بمعنی آگے تکلنا بانی میں تیرر ہاہو۔ سابھات روح کونکال کرتیزی سے اس کی منزل اور ٹھکانہ پر پہنچاو ہے ہیں سبقت کرنا۔ مرادیہ بھیکہ فرشتے روح کونکال کرتیزی سے اس کی منزل اور ٹھکانہ پر پہنچاو ہے ہیں تا خیر نہیں کرتے۔

(س) آیات ندکوره کی ترکیب قطوب مبتدا بومئذ بر کیب مشهورظرف موا و اجفة کا واجفة اسم فاعل هی مستر فاعل اسم فاعل فاعل اسم فاعل فاعل فاعل فاعل فاعل فاع

مبتداخرملكر جملها سيخربيهوا اسسارها مضاف ومضاف اليملكرمبتدا خاشعة شهرجمله بو كرخر مبتداخرملكر جمله اسيخربيهوا

﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ انا انزلناه فى ليلة القدر ٥ وما ادرك ماليلة القدر ٥ وما ادرك ماليلة القدر ٥ ليلة القدر ٥ ليلة القدر ٥ ليلة القدر من الف شهر ٥ تنزل الملئكة والروح فيها باذن ربهم من كل امر ٥ سلم هى حتى مطلع الفجر ٥)

(۱) سورة كاشان زول سليس ترجمه اورتغيير کلهيس (۲) روح سے کيام راد ہے مفسرين كے اقوال کلهيں (۳) روح سے كيام راد ہے مفسرين كاتوال کلهيں ۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں پانچ امور مطلوب ہیں (۱)سورۃ کا شانِ نزول (۲)سورۃ کاتر جمہ(۳)سورۃ کی تغییر (۴)روح کی مراد(۵) پہلی تین آیاے کی تر کیب۔

﴿ جواب ﴾ (١-٢-٣-٣) سورة كاشانِ نزول برجمه تفسير - روح كي

مراد : كما مر في الشق الاول من السوال الثاني ٢٣ ١٥٥ - النيل مين آيات كي تركيب : وإنّ حرف مشبه بالفعل نيسا ضميراس كااسم السرلنا فعل بافاعل فغمير مفعول به في جاره لميلة مضاف المقدر مضاف اليد فعل بوافعل مع فعل جمله مضاف اليد فبر ميه ورائ كي فبر الناس عن هو أنه المين معلم جمله السمية فبريه بواد و الله عاطفه مسلما استفهاميه استفهاميه مبتدا الدرى فعل اس من هو معمل الي مكر فبر مبتدا فبر مندا الدرى فعل استفهامية فعل اليه ملكر جمله فعلي فبريه بوكر فبر مبتدا فبر مبتدا فبر مبتدا فبر مبتدا فعل المنه ودنول مفعول سي ملكر جمله فعلي فبريه بوكر فبر مبتدا فبر مبتدا فبر مبتدا فبر مبتدا فبر مبتدا فبر مبتدا فبر منه فعل الله من جاره بواد ليلة المقدر مفاف ومضاف اليه ملكر مبتدا خير استم فضيل هوغمير مستر فاعل من جاره الف مميز شهد تميز مميز تميز مبتدا فبر مبتدا خير مبتدا خير يه بوات تفضيل كيدا سي فضيل الله فاعل ومتعلق مين مبتدا في معلر شهر مبتدا خير مبتدا خير مبتدا مي فبراه ومعلق مينز شهد تميز تميز مبتدا فبرام مبتدا خير مبتدا خير مبتدا خير مبتدا منه في الله ومتعلق مينز شهد تميز مبتدا خير مبتدا خير مبتدا خير مبتدا خير مبتدا خير مبتدا في فعل الله ومتعلق مينز شهد تميز مبتدا في مينز مبتدا خير مبتدا خير مبتدا خير مبتدا خير مبتدا خير مبتدا في في في الله ومتعلق مي منظل ومتعلق مي منظل ومتعلق مينز مبتدا خير مبتدا في منظل ومتعلق مينا منظل ومتعلق مينز مبتدا خير مبتدا في منظل ومنول مبتدا في منظل مبتدا في مبتدا المبتدا المبتدا مبتدا مبتدا مبتدا مبتدا مبتدا مبتدا مبتدا مبتدا مبتدا المبتدا ال

﴿ السوال الثاني ﴿ ١٤٢٢ ٥

ه الشق الاول به وفي المنظر الانسان الى طعامه ٥ انا صبينا الماء صباً ٥ ثم شققنا الارض شقاه فانبتنا فيها حبا ٥ وعنباو قضبا ٥ وريتونا ونخلا ٥ وحدائق غلبا ٥ وفاكهة وابا ٥ متاعالكم ولانعامكم ٥)

۔ (۱) سلیس ترجمہ کریں (۲) خط کشیدہ الفاظ کی انعوی اور خوی شخفیق کریں۔ (۳) آیات کی ترکیب نحوی لکھیں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين تين امور مطلوب تين (۱) آيات کاتر جمه (۲) خط کشيده الفاظ کی افوی ونحوی تحقیق (۳) آيات کی ترکيب -

﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کا ترجمہ نہیں جائے کہ دیکھے انسان آپ کھانے کی طرف۔کہ برسایا ہم نے اوپرے پائی برسانا۔ پھر کھاڑا ہم نے زمین کو بھاڑا نا پھرا گایا ہم نے اسمیں غلہ اور انگور اور ترکاری اور زیتون اور کھجور اور گھنے باغات اور میوہ اور جارہ نفع ہے تمہارے لیے اور تمہارے جو پاؤں کیلئے۔

(۲)خط کشید والفاظ کی لغوی و تحقیق حسباً باب نصر کامصدر بے بمعنی اندیلنا۔
اوپر سے نیچ کو بہانا۔ اور بیمفعول مطلق ہے۔ شقاً باب نصر کامصدر ہے بمعنی بھاڑ نا اور مفعول مطلق ہے۔ قسطا اسم ہے بمعنی ترکاری کھیرہ وغیرہ اور مفعول ہہ ہے آبا اسم ہے بمعنی ترکاری کھیرہ وغیرہ اور مفعول ہہ ہے۔ مفعول ہہ ہے۔

طعامه مضاف مضاف اليملكر مجرور جارم ورملكر تعلق بوافعل المركفعل المرائي فاعل الى جاره طعامه مضاف اليملكر مجرور جارم ورملكر تعلق بوافعل المركفعل المرائي فاعل ومتعلق على مضاف اليملكر مجلة فعليه الشائية بواد أنَّ حرف مشبه بالفعل ناضميرات كالهم صبيب فعل بافاعل الماء مفعول به صبياً مفعول مطلق فعل المنتخب فاعل ومفعول مطلق علكر جملة فعلية خبرية بوكر معطوف عليه فهم عاطفه شققناً فعل وفاعل الارض مفعول به شقاً مفعول مطلق فعل مفعول المنتخب فعلى ودونول مفعول مطلق المنتخب فعلى المنتخب فعلى ودونول مفعول المنتخب فعلى واعل المنتخب فعلى ودونول مفعول المنتخب المن

بافاعل فیھ آجار وجرور ملکر متعلق ہوافعل کے حب معطوف علیہ عند آ سے آب آ تک تمام معطوفات معطوفات معطوفات معطوفات سے ملکر مفعوفات سے ملکر مفعوفات معدر لکھ جر محرور ملکر معطوف علیہ واقی عاطفہ لام جارہ آنسعامکم مضاف ومضاف الیہ ملکر مجرور جار مجرور ملکر معطوف معطوف علیہ ملکر مصدر کے متعلق ہوا مصدرا ہے متعلق سے ملکر مفعوف الیہ ہوا ابتنا کا فعل اسے فاعل و دونول مفعولوں سے ملکر جملہ فعلیہ خریبہ ہوکر معطوف ثانی ہوا معطوف علیہ اس معطوف اللہ ہوا معطوف علیہ خریبہ ہوکر معطوف ثانی ہوا معطوف علیہ اللہ ہوا۔ علیہ اللہ اللہ ہوا۔

﴿ الشَّقِ الثَّانَى ﴾ (كذبت ثمود بطغوها ٥ اذانبعت اشقها ٥ فقال لهم رسول الله ناقة الله وسقيها٥ فكذبوه فعقروها ٥)

(۱) سلیس ترجمه کریں اور واقعه کی تشری کریں (۲) بسطعوها فیک دسوه فعقروها میں خائر کا مرجع متعین کریں نیز رسول اللہ سے کون سے رسول مراد میں۔ (۳) الشقی سے وان مراد ہے نیز خط کشیدہ آیات کی تر کیب نحوی کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين جهامور مطلوب بين _(۱) آيات كاتر جمد (۲) اتعد كى تشرق (۳) بنائز كم جع (۴) برسول الله كى مراو (۵) أقى كى مراو (۲) خط تشيره آيات كاتر بين _ في جواب في (۱-۳-۳-۵) آيات كاتر جمد واقعد كى تشرق حنائز كم مرجع _ رسول الله كى مراد _ الشقى كى مراد : _ كمامر فى الشق الاول من السوال الثانى ٢٤ ده -

(۱) خط کشیره آیات کی ترکیب: کذبت فعل شهود مضاف الد بوامضاف محذوف توم کار مضاف الد بوامضاف محذوف توم کار مضاف الد براسبدیه جار طعوها مضاف ومضاف الد ملکر مجرور جار بخرور در جار بخر و رملکر معلق بوافعل کے فعل این فاعل و متعاق سے ملکر جمله فعلیہ خبریہ بوالہ فاعل محقوق بافاعل محمد فعلیہ خبریہ بو کر معطوف ماید فیل بافاعل محمد فعلی بافاعل محمد فعلی بافاعل محمد فعلی بافاعل محمد فعلی بان معلوف بوا۔ کر معطوف ماید خبریہ بوکر معطوف بوا۔ معطوف علیه این معطوف سے ملکر جمله معطوف بوا۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٢ه

﴿ الشق الآول ﴾ اظهار ادغام قلب اخفاء - ہرایک کی تعریف کرنے کے ' بعد بتا کیں کہ دوف مجبورہ کون کون سے ہیں۔

(خلاصۂ سوال)اس سوال میں دو امر مطلوب میں۔ (۱) مذکورہ الفاظ کی تعاریف (۲)حروف مجہورہ کون کون سے ہیں۔

﴿ جوابِ ﴾ (۱) مُركوره الفاظ كى تعاريف حكمها مرفى الشق الاول من السوال الثالث ٤٢٤ ه ضمنى -

(۲) حروف محموره كون مع بين دكسما مسر في الشيق الاول من السوال الثالث ١٤٢٤هـ

﴿ الشق الشانسي ﴿شدت اور رخوت كريام عن ميں حروف شديده اور رخوه كون كي ميں حروف شديده اور رخوه

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں جارامور مطلوب ہیں(۱) شدت اور رخوت کامعنی (۲) حروف شدیدہ اور رخوہ کون کون ہے ہیں۔ (۳) حروف قلقلہ کتنے ہیں۔ (۴) حروف قلقلہ کون کون سے میں۔

﴿ جوابِ ﴾ (۱-۲): شدت و رخوت كامعنى حروف شديده ورخوه كون كون -- بين - كما مر في الشق الثاني من السوال الثالث ٢٤١هـ

(س) حروف قلقله كتن بين حروف قلقله بائي بين جاكا مجومه قطب جد ب-

(م) حروف قلقله کون کون سے ہیں ۔حروف قلقلہ یہ ہیں۔ق۔ط۔ب۔ج۔ ۔ ۔ ۔

وحكمامر آنفأح

الورقة الاولى في التفسير والتجويد ﴿السوال الاول﴾ ١٤٢١ه

﴿ الشق الاول ﴾ سوتولى ٥ ان جاء ه الاعمى ٥ ومايدريك لعله يزكى ٥ اويذكر فتنفعه الذكرى ٥ اما من استغنى ٥ فانت له تصدى ٥ وماعليك الايزكى ٥ واما من جاءك يسعى ٥ وهويخشى ٥ فانت عنه تلهّى ٥) را) آيات مباركه كا ثانِ نزول اورسيس ترجم تحرير ين (٢) نط شيده الفاظ كي انوى اور مرفى تحقيق ذكر ين - الرفاعل شمير عبواس كا مرجع متعين كرين - الرفاعل شمير عبواس كا مرجع متعين كرين -

(خلاصة سوال) اس سوال ميں پانچ امور مطلوب ميں (۱) آيات كا شانِ نزول (۲) آيات كاتر جمه (۳) خط كشيده الفاظ كى انفوى وصر فى تحقيق (۴) عبيس اور تسويلى كا فاعل (۵) اگر فاعل ضمير سے تو اس كامر جع _

﴿ جواب ﴾ (١-٢) آيات كاشانِ نزول - آيات كاتر جمه: - كمها مل في ا

الشق الاول من السوال الاول ٢٤١هـ

(۳) خط کشیده الفاظ کی الغوی وصر فی تحقیق نه عبیس صغه واحد ند کرغائب بحث ماضی معروف از باب ضرب از سه اقسام فعل از شش اقسام فلا فی مجرد از به فت اقسام فعل از شش اقسام فلا فی مجرد از باب نفعل از سه اقسام فعل از شش اقسام فلا فی مزید و نیه از به فت اقسام فعل از سه اقسام فعل از شاقسام فعل از شاقسام فعل از شاقسام فعل از شام فلا فی مزید و نیه از به فت اقسام فعل از شش صیفه واحد ند کرغائب بحث مضارع معروف از باب افعال از سه اقسام فعل از شش اقسام فعل از شش اقسام فعل از به بحث مضارع معروف از باب إفعل از شه فیا سه بحث مضارع معروف از باب إفعل سه از سه اقسام فعل از شش اقسام فعل فی مزید فیه است مخت اقسام فعل از شش اقسام فعل از شش اقسام فعل از باب بحث مضارع معروف از باب بخث مضارع معروف از باب افعل از سه اقسام فعل از شش اقسام فعل از شس الفسل المسلم فعل از شش المسلم فعل از شه سام فعل از شسام فعل از شسام فعل از شه سام فعل از شسام فعل از شبه فعل از شسام فعل ا

صیغه واحدموًنث غائب بحث مضارع معروف از باب فتح از ساقسام فعل ازشش اقسام ثلاثی مجرده از هفت اقسام سیح بمعنی نفع پینچانا۔ مصلةی صیغه واحد ند کرحاضر بحث مضارع معروف از باب تفعل از سه اقسام فعل _ ازشش اقسام ثلاثی مزید فیه از بهفت اقسام ناقص یائی بمعنی در پے بونا پیچھے پڑنا۔ مسلق سیخه واحد ند کرحاضر بحث مضارع معروف از باب تفعل از سه اقسام فعل از شام تعلی از شام فعل از شام فعل از شام ناقص یائی بمعنی بے بروائی کرنا۔

اور تو آی کا فاعل مار خانس اور تو آی کا فاعل مارگر فاعل ضمیر ہے تو اسکام جع عبس اور تو آئی کا فاعل اندیایہ وسلم ہیں۔

﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ السماء انشقت ٥ و اذنت لربها وحقت ٥ و اذا الارض مدت ٥ والقت مافيها و تخلت ٥ واذنت لربها وحقت ٥ يا ايها الانسان انك كادم الى ربك كدمًا فعلقيه ٥)

(۱) آیات کاسلیس ترجمه کر کے مختصرتفسیر ذکر کریں (۲) خط کشیدہ کلمات کی اغوی تحقیق ذکر کریں (۳) غملقیعہ کونساصیغہ ہے اوراسمیں ضمیر مجرور کا مرجع متعین کریں۔

. (خلاصة سوال)اس سوال مين يانچ امور مطلوب بين (۱) آيات كاتر جمه (۲) آيات كي تفسير

(٣) خط کشیده کلمات کی لغوی شختیق (۴) فماقدیه کونساصیغه ہے۔(۵) اسمیم تنمیر مجرور کا مرجع۔

﴿ يُوابِ ﴾ (١) آيات كاتر جمه (٢) آيات كي تفيير (٣) خط كشيده كلمات كي تغوي تحقيق - ان تين امور كاجواب كه ما مرّ في الشق الثاني من السوال الاول

-21510

(۵)ضمیر مجرور کا مرجع ـ فعلقیه کی شمیر مجرور کا مرجع ربك میں لفظارب ہے۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢١ه

﴿الشق الأول ﴾ (والفجره وليال عشره والشفع والوتر ٥

واليل اذا يسر o هل في ذلك قسم لذي حجر o الم تـركيف فعل ربك بعاده ارم ذات العمادo التي لم يخلق مثلها في البلادo)

(۱) آیات مبارکه کاسلیس ترجمه وتفسر تحریر ین (۲) لیال عشر الشفع الوتر کی مراد واضح کریں۔ (۳) نیزیہ بتا کیں کہ ارم ذات العماد ترکیب میں کیادا تع ہور ہاہے۔

ُ (خلاصة سوال) اس سوال مين چارامور مطلوب بين (۱) آيات كاتر جمه (۲) آيات كى تفيير (۳) ليالٍ عشر - الشفع - الوتركي مراد - (۳) ارم ذات العماد كى تركيب - ﴿ جُواب ﴾ كما مر في الشق الثاني من السوال الاول ۲۶ ۱۵ -

﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ النهان ليطغى ٥ أن رأ ه استغنى إن الله ربك الرجعى ٥ أن رأ ه استغنى إن الى ربك الرجعى ٥ أرأيت الذي ينهى ٥ عبدا اذا صلّى ٥ ارأيت إن كان على الهدى ٥ اوامر بالتقوى ٥ ارأيت ان كذب وتولّى ٥ الم يعلم بان الله يرى ٥ كلا لئن لم ينته لنسفعا بالناصية ٥ ناصية كاذبة خاطئة ٥)

(۱) آیات کریمه کاسلیس ترجمه وتغییر ذکر کریں۔ (۲) انّ الانسسان میں انسسان اور عبد الذا صلبی میں عبد ذا کامصداق متعین کریں۔ (۳) لینسسف بیا کونسا صیغہ ہے۔ (۴) ناصیة ترکیب میں کیاواقع ہورہا ہے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں پانچ امور مطلوب ہیں (۱) آیات کا ترجمہ (۲) آیات کی تفییر (۳) الانسان اور عبدا کا مصداق (۳) کیسفعا کونیاصیغہ ہے (۵) نیاصیۃ کی ترکیب ﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کا ترجمہ : ۔ بقیناً بلاشہ انسان حد ہے تزرجا تا ہے۔ اسلیے کہ وہ وہ گھتا ہے ہے تا کی مستغنی ۔ بے شک تیرے رب کی طرف کو ٹا ہے ۔ کیا دیکھا آپ نے اس مخص کو جورو کتا ہے بندہ کو جب وہ نماز پڑھتا ہے۔ بتلا ہے کہ اگروہ بدایت پر ہویا تھم کرے تقوی کا بتلا ہے کہ اگروہ بدایت پر ہویا تھم کرے تقوی کا بتلا ہے کہ اگروہ جھلا کے اور مذہ پھیرے۔ کیاوہ نہیں جانتا اس بات کو کہ القدد کھے رہا ہے خبر دارا گر وہ باز نہ آیات ہی بیشانی جوجھوٹی اور گنہ گارے۔ وہ باز کی بیشانی جوجھوٹی اور گنہ گارے۔ (۲) آیات کی تفسیر : یہ آیات اگر چہ ابوجہل کے بارے میں نازل ہو نمیں گرمضمون وہ کہ اور جسان کی تفسیر : یہ آیات آگر چہ ابوجہل کے بارے میں نازل ہو نمیں گرمضمون

عام ہے کہ اس میں انسانوں کی ایک نصلتِ سینہ اور گمراہی کا ذکر ہے وہ یہ کہ انسان جب تک سمی کا محتاج ہوتا ہے اس وقت تک سیدھا چاتا ہے۔ اور جب اس کو یہ گمان ہوجائے کہ میں کسی کامحتاج نہیں میں سبب ہے بے نیاز ہوں تو اس وقت اس میں سرکشی ظلم وجور کے رجحانات پیدا ہوجائے ہیں جیسا کہ عمو فااہل وولت اور اربابِ سلطنت میں ہوتا ہے ابوجہل کا بھی یہی حال تھا کہ وہ مکہ کے خوشحال وولت مند گھرانہ ہے تھا اس وجہ ہے اس نے سرکشی کرتے ہوئے حضور ﷺ کے بارے میں خصوصاً اور دیگر سرکشوں کے میں یہ یہ تعانی اور دیگر سرکشوں کے بارے میں خصوصاً اور دیگر سرکشوں کے بارے میں عموماً اور جبل اور عبد ایک مصداتی ۔ الانسان کا مصداتی ابوجہل اور عبداً کا مصداتی ۔ الانسان کا مصداتی ابوجہل اور عبداً کا مصداتی حضور ﷺ ہیں۔

(م) كىنسىفعا كونساصىغە ہے ـ مىغەجع ئىكلىم بحث لام تاكىد بانون خفيفەاز باب فىخ از سام غلى از شش اقسام ثلاثى مجرداز ہفت اقسام تيج از مصدر سَفْعًا بمعنی طمانچه مارنا۔ زور سے تعینا۔ وقف كيوجہ سے نون خفيفہ كو كتابت میں الف سے بدل دیا گیا۔

(۵) ناصیة کی ترکیب: دناصیة ترکیب می الناصیه عبدل ب

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢١ه

﴿ الشـــق الاول ﴾مندرجه ذیل حروف کے مخارج وضاحت کے ساتھ تجریر کریں ق کے بے بیش کی بیش نب ب

(خلاصة سوال) اس سوال مين ايك بى امر مطلوب ب (مندرجة بل حروف ك فارج) ﴿ جواب ﴾ مندرجة ويل حروف ك فارج - كمامر في الشق الاول من السوال الثالث ٤٢٤ه -

﴿الشق الثاني ﴾ دراء کوبُراور باريك پڑھنے کی جتنی سورتیں ہیں تمام صورتوں کو مثالوں كے ساتھ تحرير كریں۔

(خلا صهُ سوال)اس سوال میں دوامور مطلوب میں (۱) راء کو پُر اور باریک پڑھنے کی

صورتیں (۲)انگی امثلہ۔

﴿ جوابِ ﴾ (ا-٢)راء كوير وباريك ير صفى كل صورتين امثله: - كمامر في الشق الاول من السوال الثالث ٢٠٤٥ ه-

الورقة الاولى في التفسير والتجويد ﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٠ه

﴿ الشق الأول﴾ (انا اعطينك الكوثر ٥ فصل لربك وانحر ٥ ان شانئك هوالابتر ٥)

(۱) سورة مباركه كاشان بزول اورسليس ترجمه لكهيس - (۲) كوثر كي تغيير مين مفسرين كاتوال تحرير كريس (۳) أن شاختك هو الابتر كامصداق كون باوراً يت كي نحوى تركيب كيا ب- (خلاصة سوال) اس سوال مين پانچ امور مطلوب مين (۱) سورة كاشان نزول (۲) سورة كاتر جمه (۳) كوثر كي تغيير مين اقوال مفسرين (۳) ان شانستك هو الابتر كامسداق (۵) آخرى آبت كي نحوى تركيب -

سلیس ترجمه اور واضح مطلب لکھیں۔خلق کا فاعل ضمیر سے یا اسم ظاہر۔اگراسم ظاہر ہے تو کوسااسم ہے۔اگر ضمیر ہے تو اس کا مرجع کون ہے ہمجھ کر لکھیں قسم اور جواب تیم کو متعین کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں پانچے امور مطلوب ہیں (۱) آیات کا ترجمہ (۲) آیات کا مطلب (۳) نصر اس ق کا فاعل (۴) اگر فاعل اسم ظاہر ہے تو کونیا؟ اگر ضمیر ہے تو اس کا مرجع (۵) تشم اور جواب تشم کی تعیین۔

﴿ جواب ﴾ (1) آیات کا ترجمه آقتم برات کی جب وه چها جائے اور دن کی جب وہ روثن بواوراس ذات کی جس نے مذکر ومؤنت کو پیدا کیا بے شک تمباری کوششیں البت

مختلف ہیں۔

(۲) آیات کا مطلب: الله تعالی ان آیات میں تین تشمیں کھا کر کوشٹوں کے مختلف ہونے کو بیان فرمار ہے ہیں۔ جبیہا کہ اگلی آیات میں صراحت کے ساتھ سید ناصدیق اکبر ہواور امید بن خلف کے واقعہ کو ذکر کیا کہ دونوں شخص مالدار ہیں گر دونوں کی سعی اور کوشش میں فرق ہے ایک کی کوشش نیک کاموں میں صرف ہوری ہے اور دوسر نے کی زندگی برے کاموں میں ضائع ہورہی ہے۔ مطلب یہ ہے کہ ہرانیان فطری طور پر کسی نہ کسی عی وعمل کا خوار ہے۔ لہٰ ذاا ہے انسان تو نیکی کا طالب بن بدی کی سعی کور کے کر۔

راجع ہے جومعبود فی الذہن ہے۔ راجع ہے جومعبود فی الذہن ہے۔

(۲) اگر فاعل اسم ظاہر ہے تو کونسا؟ اور اگر ضمیر ہے تو اس کا مرجع ۔۔

مرّجوا<u>به آنفاً۔</u>

(۵) قَسْم اور جوابِ قِسْم كَى تَعِينَ - يَهِلَ تَيْنَ آيات قَسْم بِن اور چُوَّى آيت ان سعيكم لشتى جوابِ قِسْم - -

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٠ هـ

﴿ الشق الأول ﴾ (فلااقسم بالخنس ٥ الجوار الكنس ٥ والليل اذا عسعس ٥ والصبح اداتنفس ٥ انه لقول رسول كريم ٥ ذى قوة عند ذى العرش مكين ٥ مطاع ثم امين ٥)

آیات کا ترجمہ کھیں۔ رسول کریم ہے کون مراد ہے۔ اس کی جملہ صفات کی وضاحت کریں۔الخنس الکنس عسعس کی صرفی ولغوی تحقیق کریں۔

﴿ جواب ﴾ (١) آيات كاترجمه قتم كها تا هول مين يحجه منزوا ليسده على

والے حصیب جانیوالے ستاروں کی اور رات کی جب وہ چھاجائے اور شن کی جب وہ روثن ہویقیناً پیقر آن ایسے معزز طاقتور فرشتہ کا لایا ہوا کلام ہے جوعرش والے کے نز دیک صاحب مرتبہ ہے ومال کاسردارامانتدارہے۔

(۲) رسول کریم کی راد: اسے مراد حضرت جرائیل میں۔

(س) اس کی صفات کی وضاحت: بہلی صفت بیان کی کدو درسول یعنی تر جمان ہے جو کچھا سے کہا جائے وہی مرسل الیہ تک بہنچا تا ہے۔ کلام خداوندی کے مضمون کواپنے الفاظ میں ادا کر نیواا انہیں ہے۔ دوسری صفت بیان کی کہ کریم ہے یعنی ایسا بزرگ ہے جس کی عدالت و پر ہیز گاری انتہاء کو پنچی ہوئی ہے۔ تیسری سفت بیان کی کہ قوۃ والا ہے یعنی اسکامقا بعہ کرنا یا اس کے کام میں وخل اندازی کرنا کسی جن وانس کے بس کی بات نہیں ۔ چوتھی صفت بیان کی کہ عرش والے کے پاس معزز وصاحب مرتبہ ہے۔ یعنی وہ اللہ تعالی کے مقربین میں سے ہے۔ پانچویں صفت بیان کی کہ مردار ملائکہ بھی ہے بے شار فرشتے اسکے ماتحت اور زیر فر مان بیں۔ چھٹی سفت بیان کی کہ مردار ملائکہ بھی ہے بے شار فرشتے اسکے ماتحت اور زیر فر مان بیں۔ چھٹی سفت بیان کی کہ امین بھی ہے یعنی وہ میں کی بیشی یا کوئی آ میزش نہیں کرتا۔

(۳) الفاظ فر مدکوره کی لغوی وصر فی شخفیق: -الخسنس صیند جن مذکر بحث اسم فاعل از باب نفر وضرب از سدا قسام ایش اقسام شاد فی مجرد - از بخت اقسام شیخ از مصدر خسنسا خُدنو ستا - خِناستا بمعنی بیجیج بنا - رکنا - چینا - الکنس - صیغه جن مذکر بحث اسم فاعل از باب ضرب از سدا قسام اسم - از شش اقسام شاقی برن کا ضرب از سدا قسام اسم - از شش اقسام شاقی برن کا پناه گاه میس چینا - عسعس صیغه واحد مذکر غائب بحث ماضی معروف - از باب فعلله از سدا قسام فعل از شش اقسام ربای مجرد از بفت اقسام مضاعف از مصدر عسعسة بمعنی رات کے اندھر کے کھیا جانا -

﴿الشَّق الثَّاني ﴾ ﴿ ﴿ مَاودعك ربك ومَاقلي ٥ ووضعنا عنك وزرك ٥ الذي انقض ظهرك ٥ لنسفعاً بالناصية ٥ سندع الزبانية ٥ ويل لكل همزة لمزة ٥ انها عليهم مؤصدة ٥ في عمد ممددة ٥)

آیات ِمبارکه کار جمه کیجیے۔ آیت نمبرا'۴ اور ۵ کا شانِ نزول کھیں۔ آیت نمبر ۸ کی نحوی ترکیب کھیں۔

(خلاصیر سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) آیات کا ترجمہ (۲) آیت نمبر ۱٬۲۱ اور ۵ کا شان نزول (۳) آیت نمبر ۸٬۷ کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کا ترجمہ نہیں چھوڑا آپوآ بےرب نے اور نہ وہ ہزار ہوا ہے۔ اور اتاردیا ہم نے آپ سے وہ بوجھ جس نے آپی کمرتو ڈر کھی تھی۔ البتہ کینچیں گے ہم اس کو پیثانی کے بالوں سے عنقریب بلائیں گے ہم بھی جہنم کے کارندے۔ بربادی ہے (بلائت ہے) ہم بھی جہنم کے کارندے۔ بربادی ہے (بلائت ہے) ہم بھی جنم کے کارندے۔ بربادی ہے (بلائت ہے) ہم بھی جنم کے کارندے۔ بربادی ہے کہ کے بیٹانی کے بالوں سے فقریب بلائیں گے ہم بھی جنم کے کارندے۔ بربادی ہے کہ کہ کے بیٹانی کے بالوں سے فقریب بلائیں گے ہم بھی جنم کے کارندے۔ بربادی ہے کہ کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کی اللہ ہے۔ بربانی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کی کے بیٹانی کی کرنے کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کو بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کے بیٹانی کی کے بیٹانی کے بیٹانی کو بیٹانی کی کے بیٹانی کی کے بیٹانی
(۲) آیت نمبرایک کاشانِ نزول: کچه عرصه کیلئے آپ صلی الله علیه ما پروی آنا بند موگی جرائیل امین الفیلی کوئی پیغام کیرند آئے۔ اس موقع پرشر کین نے طعند بینا شروع کر دیا که آپکارب آپ سے ناراض ہوگیا ہے اس نے تم کوچھوڑ دیا ہے۔ آپ گھی کواس کا بہت صدمه ہوا۔ اس موقع پر بیآیت نازل ہوئی۔

آیت نمبر ۲۰ اور ۵ کاشان نزول دروایت میں ہے کہ ابوجہل نے لوگوں سے دریافت کیا کہ کیا محمد کے انہاں۔ ہاں۔ تو کیا کہ کیا محمد کے تمہارے سامنے زمین پر چہرہ اور بیشانی رگڑتا ہے؟ لوگوں نے کہاں۔ ہاں۔ تو اس نے کہا کہ اگر آئندہ میں نے اس کو ایسا کرتے و یکھا تو لات وعزی کی قتم میں اس کی گردن روند ڈالوں گاس موقع پریہ آیات نازل ہوئیں۔

(٣) آیت نمبر کو ٨ کی ترکیب - آن حرف مشه بالفعل ها منمبر کو ٨ کی ترکیب - آن حرف مشه بالفعل ها منمبر اس کااسم علیه ما علیه م جار مجر ورملکر متعلق اول مقدم ہوا و صدة اسم مفعول کا - مؤصدة اسم مفعول هی جاره عمد ممددة موصوف صفت ملکر مجر ور جار مجر ورملکر متعلق تانی ہوا مؤصدة کا اسم مفعول این تائب فاعل و دونوں متعلق سے ملکر شبہ جملہ ہوکر اِنَّ کی خبر اِنَّ این اسم وخبر سے ملکر جملہ اسمی خبر بیہ وا۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٠ه

﴿ الشق الأول ﴾مركانغوى واصطلاق مفهوم كيا ہے۔ حروف مده كون سے بيں۔ مدكى جملہ اقسام بيان كيجے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب بیں (۱) مد کا نوی و اصطلاحی مفہوم (۲)حروف مد دکون ہے ہیں (۳) مد کی جملہ اقسام۔

﴿ جوابِ ﴾ (۱) مد کا لغوی واصطلاحی مفہوم ۔ مدکا لغوی معنی کینچنا ہے اور اصطلاح میں حروف مدہ کے کینچنے کومد کہا جاتا ہے۔

رم) حروف مدہ کون سے ہیں ۔ الف ماقبل مفتوح ۔ یا ساکن ماقبل مکسور۔ واؤ ساکن بل مضموم ۔

﴿الشق الثاني ﴾ مما كن كل كتفاحوال بين مثالول كساته بيان كرين و (خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر مطلوب بين (١) ميم ساكن كاحوال (٢) امثله ﴿ جواب ﴾ كما مدّ في الشق الأول من السوال الثالث ٢٤ ١هـ

الورقة الاولى في التفسير والتجويد

﴿السوال الاول﴾ 1219هـ

﴿الشق الأول ﴾ (يوم يقوم الروح والملئكة صفا لايتكلمون

الآمن اذن له الرحمن وقال صوابا وذلك اليوم الحق فمن شاء اتخذ الى رقة مابا و اندرناكم عذابا قريبايوم ينظر المرء ماقدمت يداه ويقول الكافر يليتني كنت ترابا 0)

آیات ندکورہ کاسلیس ترجمہ وتشری کے بعد یوم۔ روح ۔ صوابا کی مراد واضح کیجیے اور خط کشیدہ جھے کی ترکیب کیجیے۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين جإرامور مطلوب بين (۱) آيات كاتر جمه (۲) آيات كي تشريح (۳) يوم وروح صوابا كي مراد (۴) خط كشيده حصد كي تركيب ـ

(۲) آیات کی تشریح ۔ پہلی آیت میں قیامت کی ہولنا کی کو بیان کیا کہ اس دن باری تعالیٰ کی اجازت کے بغیر کوئی بات ہی نہ کر سکے گا۔اور جو بھی بات کرے گاوہ درست ہی کرے گا۔ آگے پھر فر مایا کہ وہ دن ضرور آنیوالا ہے۔اس تخت دن میں باری تعالیٰ کے ٹھکا نہ کے علاوہ کوئی اور ٹھکا نہ نہ ہوگا اس وجہ سے دنیا ہی میں اپنے رب کے پاس ٹھکا نہ کی محنت وکوشش کرلو۔ آگے پھر کفار کے ایک روحانی عذاب کا ذکر ہے جو حسرت کی صورت میں ان پر مسلط ہوگا چنا نچہ وہ بیہ حسرت کرتے رہیں گے کہا ہے کاش ہمٹی ہوجاتے۔

روح وملائکہ معلوم بھی ہورہا ہے۔ روح کی مراد میں متعدد اقوال ہیں مگران تمام کا خلاصہ یہ کروح تمام فرشتوں سے بوافرشتہ ہورشاہ عبدالعزیز فرماتے ہیں کدروح سے مرادیبی روح ہی ہے جوتمام کلوقات کوئی ہوئی ہے صواب سے مرادیب

ملے گی وہ قاعدہ کے مطابق ہی سفارش کر سکے گا لیٹن کسی کا فرکی سفارش کی اجازت نہ ہوگی یعض نے کہا کہاں ہے مراد کلمہ طبیعہ ہے۔

ادونعل کادولکشیده حصد کی ترکیب بیقول نعل الکافر فاعل یا حرف ندا قائم مقام ادونعل کادونعل اناضمیر مشتر اس کافاعل لیت حرف مشه بالفعل ن وقاید کای ضمیر لیت کااسم کننت فعل ناقص شی ضمیر اسم ترابیا خبر کنت این اسم وخبر سے ملکر جمله فعلیه خبرید ہوکر لیت ک خبر لیت این اسم وخبر سے ملکر جمله اسمیه انشا کیه ہوکر مفعول به ادونعل این فاعل ومفعول به سے ملکر جمله فعلیه خبر لیت این وائد خبر میدوا۔ جمله فعلیه انشا کیه ہوکر مقول مقول به یقول فعل این فاعل ومفعول به دونونعل این فاعل ومفعول به دونون است ملکر جمله فعلیه خبرید ہوا۔

ترجمہ کرنے کے بعد فہر لیالِ عشر - شفع - وتر لیل کی مرادِ عین کو واضح کیجے اور خط کشید ولفظ کی صرفی تحقیق کیجیے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) آیات کا ترجمہ (۲) فجر _ لیالِ عشر یشفع _ وتر _لیل کی مراد (۳) خط کشیدہ لفظ کی صرفی تحقیق _

﴿ جواب ﴾ (١) آيات كاتر جمه (٢) مذكوره الفاظ كي مراه: _ ك ما مدّ في الشق الثاني من السوال الاول ٢٤٢هـ

(۳) خط کشیده لفظ کی صرفی تحقیق بسینه واحد مذکر عائب مضارع معروف از باب ضرب از سدا قسام فعل از شش اقسام ثلاثی مجرد از ہفت اقسام ناقص یائی از مصدر سیر بمعنی رات کو چلنا دراصل یَسُدِی تھایا کورعایت فاصلہ کیلئے آخر سے حذف کردیا۔

﴿السوال الثاني ﴿ ١٤١٩ ه

﴿الشق الأول﴾ (الهكم التكاثر٥ حتى زرتم المقابر ٥ كلاسوف تعلمون ٥ثمَّ كلّا سوف تعلمون٥)

ترجمه ومختفرتفسیر کے بعد خط کشیدہ الفاظ کا وزن ہفت اقسام مصیغہ اور قانون بتلا ہے۔

(خلاصۂ سوال)اس سوال میں چھامور مطلوب ہیں (۱) ترجمہ (۲) تفییر (۳) خط کشیدہ الفاظ کا وزن (۴) ہفت اقسام (۵) صیغہ (۲) قانون کیا ہے۔

﴿ جواب ﴾ (۱) ترجمه ففلت میں ڈال دیاتم کو کشت کی حص نے یہاں تک که زیارت و ملاقات کی تم جان لوگے۔ پھر ذیارت و ملاقات کی تم جان لوگے۔ پھر خبردار عنقریب تم جان لوگے۔

(۲) تفسیر: ان آیات میں تنبیہ کر کے آخرت کی فکر دلائی جارہی ہے کہ جس چیز پرتم فخر کرتے ہولینی کثرت مال واولا داور اسمیں حرص کرتے ہو بیہ حرص اور فخر کی چیز نہیں۔اس نے تو متہبیں آخرت سے غافل کردیا حالا نکہ آخرت میں اس کے بارے میں سوال و جواب ہوگا اور بیہ وبالِ جان بن جائیگی لہٰذاان اسبابِ غفلت کوچھوڑ وجن کی حرص میں تہاری زندگیاں بیت گئیں تم قبروں میں جاکر مدفون ہو گئے مگر تہاری حرص ختم نہ ہوئی۔

المهى بروزن أوى بيصيغه واحد فركرغائب ماضى معروف ازباب افعال واساقعال واساقعال والساقعال والمساقعال والمساقع وال

﴿ الشق الثاني ﴾ • • • (انه لقول فصل ٥ وماهو بالهزل ٥ انهم أ يكيدون كيداه واكيد كيدًاه فمهل الكافرين امهلهم رويداه)

ترجمہ وتفییر کے بعد تول فصل کی مرادواضح کریں۔ یکیدوں کی اصل کیا ہے۔ ہمھل کونسا صیغہ ہے اور بیآ خرمیں مکسور کیوں ہے؟

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں جھامور مطلوب ہیں (۱) ترجمہ (۲) تفسیر (۳) تول فصل کی مراد (۴) یکیدون کی اصل (۵) فعمل کونساصیغہ ہے (۲) آخر میں مکسور کیوں؟ ﴿ جواب ﴾ (۱) ترجمہ: _ بے شک وہ البتہ تول فصل ہے (فیصلہ کن کلام) اوروہ لایعنی کلام نہیں ہے۔ بے شک وہ لوگ تدبیر کرتے ہیں تدبیر کرنا۔ اور میں بھی تدبیر کررہا ہوں تدبیر کرنا۔ پس آپ مہلت و بجے ان کا فروں کو تھوڑی ہی مہلت وینا۔

(۲) تفسیر: اللہ تعالی قرآن کریم کی حقانیت کو اور فکر آخرت کو بیان کررہے ہیں۔ پہلے فرمایا کہ ہرانسان پرایک گران مقررہے جواس کے تمام افعال واقوال حرکات وسکنات کو دیکھتا جانتا اور سنتا ہے اسوجہ سے انسان کو چاہیے کہ اپنے انجام کی فکر کرے۔ پھرامشلہ سے یہ بات سمجھائی کہ روزِ محشر سب نے جمع ہونا ہے اور یہ کوئی لا یعنی إدھراُ دھر کی بات نہیں بلکہ یہ فیصلہ کن کلام ہے کہ بہر صورت سب نے وہاں جمع ہونا ہے۔ آگے مسلمانوں کو تسلی دی کہ کا فروں کی عیش وعشرت کو دیکھ کر گھبرانے کی بات نہیں ہم نے تہ ہیر کے تحت انکومہلت دی ہوئی ہے۔ ایک دن عنقریب انکی گرفت کا تنوالا ہے جب انکی سب خوشیاں خاک ہوجائیں گی۔

(س) قول فصل کی مراد: اس سے مراد قرآن کریم ہے کہ بیدی و باطل میں فصل

كرنيوالا ہے۔

﴿ ﴿ ﴾ كَيْكِيدُونَ كَى اصل - بياصل مين يَكْيِدُونَ تَهَا- يَبِينُعُ والعَانُون سِي يَكِيدُونَ تَهَا- يَبِينُعُ والعَانُون سِي يَكِيدُونَ مَواليا - يَكِيدُونَ مُوليا -

رمین مکسور کیول ہے ۔ صیغه واحد ندکر میں مکسور کیول ہے ۔ صیغه واحد ندکر عاضر بحث امر حاضر معروف ازباب تفعیل ۔ از سماقسام فعل ازشش اقسام ثلاثی مزید فیہ ۔ از ہفت

اقسام سي المربونے كيوجہ ہے آخر ميں ساكن تھ جب آ گے ماايا تو دوساكن جن ہو گئے۔اول گولان كسرەد ہے ديا لان الساكن اذا خبرك خبرك والكسر -

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٩ه

﴿ الشقق الاول﴾ميم ساكن كتين حال بيان كريں - نيز ادغام اخفاء اظهار ميں - نيز ادغام اخفاء اظهار ميں - كونسا حال كہاں جارى ہوگا؟ مثالوں ہے واضح كريں -

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) میم ساکن کے احوال (۲) کونساحال کہاں جاری ہوگا (۳) امثلہ سے وضاحت۔

﴿ جوابِ ﴾ كما مرّ فى الشق الأول من السوال الثالث ٢٣ ١ ه -﴿ الشق الثانى ﴾ ادعام كى تين ميں بيان كريں ـ اور برتم كومثال سے واضح كريں ـ (خلاصة سوال) اس سوال ميں دوامور مطلوب بيں (١) ادعام كى اقسام (٢) اقسام كى امثله ـ ﴿ جواب ﴾ كما مرفى الشق الاول من السوال الثالث ٢٤ ٢ ه ضمنى ـ

الورقة الأولى في التفسير والتجويد

﴿ السوال الأول﴾ ١٤١٨ هـ

﴿الشق الأول﴾ ﴿ النه الله فرعون انه طغى ٥ فقل هل لك الى ان تزكّى واهديك الى ربك فتخشى ٥ فاره الآية الكبرى ٥ فكذب وعصى ٥ ثمّ ادبر يسعى ٥ فحشرفنادى ٥ فقال اناربكم الاعلى ٥)

(۱) آیات کریمکاسلیس ترجمه کریں اور مختصر تشریح کریں (۲) ادھ ب شل لك كا مخاطب كون ب(۳) الاية الكبرى سے كيام راد ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين چارامور مطلوب بين (۱) آيات كاتر جمه (۲) آيات كی تشریخ (۳) اذهب هل لك كامخاطب (۴) ألاية الكبری كی مراد

﴿ جواب ﴾ (١) ترجمه - جاتو فرعون كى طرف بي شك اس في سركتى كى بي (٥٥٠

سرَش ہوگیا ہے) پس کہد کہ کیا تو چاہتا ہے یہ کہ تو تزکیہ کرے (درست ہوجائے) اور میں رہنمائی
کروں تیری تیرے رب کی طرف پس تو اس سے ڈرنے گئے۔ پس دکھائی اس کوموسی النظامی نے
بڑی نشانی پس جمٹلایا اس نے اور نافر مانی کی۔ پھر جدا ہوکر کوشش کرنے لگا پھر جمع کیا اور باواز بلند
کہا کہ میں تمہار اسب سے بڑارب ہول۔

(۲) آیات کی تشریخ ۔ ان آیات میں اللہ تعالیٰ موی النکی کو کم دے رہے ہیں کہ فرعون سرکش ہوگیا ہے وہ اوگوں کو گمراہ کررہا ہے اسے جاکر دعوت تو حید ورسالت دو چنانچہ موئی النکی نے جاکراس کو دعوت بھی دی اور مجز ہجی دکھایا مگروہ نہ مانا اور کہا بیتو جادو ہے اس جادو کا مقابلہ میرے جادوگر کریں گے چنانچہ وقت مقرر ہوگیا لوگ جمع ہوگئے جادوگر میدان میں آئے اور جادو کیا مگرموئی النکی کا مجز ہان کے جادو پر غالب آگیا انہوں نے کہا المسنّا ہرب ھارون و موسسی ۔ اس موقع پرفرعون نے کہا کہ تم نے آپس میں کوئی خفیہ معاہدہ کیا ہے اور کہا انسا رہ کم الاعلی ۔ اس وقعہ کا جمالا ان آیات میں ذکر ہے۔

(<u>س) الذهب هل لك كامخاطب</u> داول كامخاطب مونى الظيفة اور ثانى كافرعون ب-(سم) الأية الكبرى كى مرادنداس بصراد عصا (لاشمى) والأمجزه ب-

﴿الشق الثانى ﴾ (فلااقسم بالخنس ٥ الجوار الكنس ٥ واليل اذا عسعس ٥ والصبح اذا تنفس ٥ انه لقول رسول كريم ٥ ذى قوة عند ذى العرش مكين ٥ مطاع ثم امين ٥)

(۱) آیات کابا محاورہ ترجمہ وتشریح بیان کریں (۲) رسول کریم سے کون مراد ہیں (۳) دی قوۃ -مطاع -امین -کس کی صفات بیان کی گئی ہیں (۴) خُنّس - کُنَّس - عسعس کی لغوی تشریح کریں -

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں پانچ امور مطلوب ہیں (۱) ترجمہ (۲) تشریح (۳) رسول کریم کی مراد (۴) ندکورہ صفات کا موصوف (۵) ندکورہ الفاظ کی انغوی تشریح۔ ﴿ جواب ﴾ (۱٬۳٬۳٬۵) ترجمہ رسول کریم کی مراد ندکورہ صفات کا موصوف مْركوره الفاظ كَ لَعُوكَ تَشْرَكَ - حوابها كمامَرٌ في الشق الأول من السوال الثاني

7314.

(۲) تشریح آیات گزشت آیات میں قیامت کے احوال اور ہولناک مناظر اور محاسبہ اعمال کا ذکر فرمانے کے بعد حق تعالی نے چندستاروں کی قسم کھا کر فرمایا کہ بیر قرآن حق ہے۔ اللہ تعالی کی طرف سے بڑی حفاظت کے ساتھ بھیجا گیا ہے اور جس ذات پر نازل ہوا ہے وہ ذات برئی بستی ہے وحی لانے والے فرشتہ کووہ پہلے سے جانتے اور پہچانے تھے اس لیے اس کتاب کے حق ہونے میں کسی شک وشبہ کی گنجائش نہیں ہے۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤١٨ ه

﴿الشق الأول﴾ (كذبت ثمود بطغوها ٥ اذانبعث اشقها٥ فقال لهم رسول الله ناقة الله وسقيها٥ فكذبوه فعقروها ٥)

(۱) آیات کاتر جمه اور واقعہ کی تشریح بیان کریں (۲) بطغوھا۔ فکذبوہ ۔ فعقروھا میں مذکور صفائر کے مرجع کیا ہیں (۳) رسول اللہ سے کون رسول مراد ہیں (۴) خط کشیدہ آیات کی ترکیب تحریفر مائیں (۵) تو مثمود کس علاقہ میں رہتی تھی (۲) اشقی سے کون مراد ہے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں سات امور مطلوب ہیں (۱) آیات کا ترجمہ (۲) واقعہ (۳) نہ کورہ صائر کے مرجع (۴) رسول اللہ کی مراد (۵) خط کشیدہ آیات کی ترکیب (۲) قوم شود کا علاقہ (۷) اشتی کی مراد۔

جواب (۱٬۳٬۳٬۲۱) آیات کا ترجمه واقعه مذکوره ضائر کے مرجع رسول الله کی مراد واقعی کی مراد حدوابه کم المشق الاول من السوال الثانی ۱۲۲۵ هـ

(۵) خط کشیره آیات کی ترکیب حجوابه کمامر فی الشق الثانی من السوال الثانی ۲۲۱هـ

(٢) قوم ممود كاعلاقه : عرب ك شال مين شام ك متصل مقام حجر سه وادى القرى

تك ستره وكى تعداد ميں انكى بستياں پھيلى ہوئى تھيں ۔

﴿ الشق الثانى ﴾ (كلّا أنّ كتباب الأبرار لفى عليين ٥ وما آدرك ماعليون ٥ كتباب مرقوم ٥ يشهده المقربون ٥ أن الأبرار لفى نعيم ٥ على الأرائك ينظرون ٥)

سلیس ترجمہ کریں۔ بتا نیں کہ ابرار کے مقابلہ میں کون ہیں اوران کے دفتر کہاں رکھے جاتے میں۔ خط کشیدہ جملہ کی ترکیب کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں جارامور مطلوب میں (۱) ترجمہ (۲) ابرار کے مقابل کون ہیں (۳) ایکے دفتر کہاں رکھے جاتے ہیں (۴) خط کشیدہ جملہ کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) ترجمہ خبردار بے شک نیک لوگوں کے نامہ اندال علیون میں ہو نگے۔اور کیامعلوم آپ کو کیا ہے علیون میں ہو نگے۔اور کیامعلوم آپ کو کیا ہے علیون ۔وہ دفتر ہیں لکھے ہوئے ۔عاضر ہوتے ہیں ان پر مقرب فرشتے ۔ بے شک نیک لوگ البتان ہوں گے۔ اس اول کے ۔ اس اول بیٹ نظارہ کریں گے۔

۔ (۳-۲) ابرار کے مقابل کون ہیں۔ائکے دفتر کہاں رکھے جاتے ہیں:۔ ابرار کے مقابلہ میں فجار ہیں ادرائلے دفتر سحین میں رکھے جاتے ہیں۔

واق استفهامیمبتدا آدری فعل هو استفهامیمبتدا آدری فعل هو ضمیر متر فال الدی فعل هو ضمیر متر فائل آن ضمیر مفعول بداول می استفهامیمبتدا علیدون خریمبتدا خرملگر جملداسمیه انشائیه کوکرمفعول بدنانی فعل این فاعل و دونول مفعولول سے ملکر جمله فعلیه خربیه بوکر خریمبتدا خرملگر جمله اسمیه انشائیه بوا۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٨ه

﴿ الشق الأول ﴾كل خارج كتن بين ان مين سدد س كاذكركري _ اور بتائين كروف بمبوره كوف مين _

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) کل مخارج کتنے ہیں (۲) دس مخارج کا ذکر (۳) حروف مجہورہ کون ہے ہیں۔ ﴿ جُوابِ ﴾ - حوابه كمامر في الشق الأول من السوال الثالث ٢٤٠٤ هـ هـ ﴿ المشق الثاني ﴾ اظهار ادغام قلب اخفاء - برايك كي تعريف كرك ايك ايك مثال تحرير كرين -

(خلاصةُ سوال) اس سوال مين دوام مطلوب بين (١) تعاريف (٢) امثله

﴿ جوابِ ﴾ (٢٠١) اظهار ادغام ا بخفاء كى تعريفات وامثله: - كمامر في الشق الأول من السوال الثالث ٢٠٤١ ه ضمني -

۔ ق<mark>لب کی تعریف: قلب کہتے میں ایک حرف کو دوسرے حرف سے تبدیل کرکے پڑھنا</mark> جیسے ہیں مُنِیفید میں نون کومیم سے تبدیل کر کے ادا کیا گیا۔

الورقة الاولى في التفسير و التجويد

﴿السوال الاول﴾ ١٤١٧ه

﴿ الشق الأول ﴾ (قل هو الله احده الله الصمده لم يلد ولم يولده ولم يكن له كفوا احده)

(۱) آیات کاسلیس ترجمه(۲) سورة کاشان نزول (۳) خط کشیده الفاظ کی ترکیب (۳) لم یلد -لم یکن کون سے صیغے ہیں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں جارامور مطلوب میں (۱) آیات کا ترجمہ (۲) سورة کا

شانِ زول (٣) خط کشیده آیت کی ترکیب (٣) لم یلد لم یکن کون سے صینے ہیں۔
﴿ جواب ﴾ (۱) آیات کا ترجمہ کہ دیجے وہ الله ایک ہے۔ اللہ بے نیاز ہے۔ نہ

اس نے جنااور نیدہ جنا گیا اور نہیں ہے اس کا کوئی ہمسر۔ اس نے جنااور نیدہ جنا گیا اور نہیں ہے اس کا کوئی ہمسر۔

(۲) سورة كاشانِ مزول كفارومشركين نے حضور على الله عليه وسلم سے الله تعالى كے نسب اوصاف اور مادہ كے متعلق سوال كياتھا۔ اس موقع پرية ورة نازل ہوئی۔

(۳) خط کشیده آیت کی ترکیب: الم یکن تعل ناقص له جار مجرور ملکر متعلق ہوا کفو آ کے کفوامصدرا بے متعلق سے ملکر لم کین کی خبر مقدم احد اسم مؤخر فعل ناقص اپنے اسمو

خبر ہےملکر جملہ فعلیہ خبر بدہوا۔

رم کی مید و احد مذکر غائب کون سے صیغے ہیں ۔ لم یلد صیغہ واحد مذکر غائب بحث نفی جحد بلم معروف ازباب ضرب از سہا قسام فعل از شش اقسام ثلاثی مجردا تہفت اقسام مثال وادی از مصدر ولادت بمعنی جننا۔ لم یہ کسن کے ذلک راز ہفت اقسام اجوف وادی ازباب نصراز مصدر کون بمعنی ہونا۔

﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ والنازعات غرقا والناشطات نشطا ٥ والسابحات سبحا فالسابقات سبقا المدبرات امرا ٥ يوم ترجف الراجفة ٥ تتبعها الرادفة ٥ قلوب يومئذ واجفة ٥ ابصارها خاشعة ٥ يقولون ءَ إِنَا لمردودون في الحافرة ٥)

آیات کریمہ کاسلیس ترجمہ کریں۔ نسان عات۔ نساشطات ۔ سسابھات میں سے ہر ایک کے افوی ومرادی معنی بیان سیجیے اور خط کشیدہ کھڑے کی ترکیب کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين تين امور مطلوب بين (۱) آيات كاتر جمه ـ (۲) ند كوره الفاظ كے بغوى ومرادي معنیٰ (۳) خط کشيده آيت كي تركيب ـ

﴿ حِوابِ ﴾ : - جوابها كمامر في الشق الاول من السوال الاول ٢٢ ١ هـ

﴿السوال الثاني﴾ ١٤١٧ه

﴿الشق الأول ﴾ (والضخي واليل اذا سجى ٥ ماودعك ربك وما قلى ٥ وليل خرة خيرلك من الاولى ٥ ولسوف يعطيك ربك فترضى ٥ الم يجدك يتيما فاؤى ٥)

(۱) آیات کاسلیس ترجمه (۲) شانِ نزول (۳) و دعك میں ضمیرِ خطاب سے اور یتیسے اسے کون مراد ہے (۴) خط کشیدہ الفاظ کی ترکیب (۵) آوی کونسا صیغہ ہے۔ آخر ۃ و اولی سے کیا مراد ہے۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں چھامور مطلوب ہیں (۱) ترجمہ (۲) شانِ نزول (۳)

و عک کی ضمیرِ خطاب اور پتیما کی مراد (۴) خط کشیده آیت کی ترکیب (۵) آؤی کونسا صیغہ ہے (۲) آخر ة واولی کی مراد ۔

﴿ جواب ﴾ (۱) ترجمہ تم ہے دن کی یا چاشت کی۔ اور رات کی جب وہ چھا جائے نہیں چھوڑ ا آپ کو آپ کے رب نے اور نہ بیز ار ہوا ہے اور البتہ آخرت بہتر ہے تیرے لیے دنیا ہے اور البتہ عنقریب دے گا آپ کو آپ کا رب پس آپ راضی ہوجا نیں گے۔ کیانہیں پایا آپ کو میٹیم پس ٹھکا نہ دیا۔

(٢) شان زول - كمامر في الشق الثاني من السوال الثاني ١٤٢٠هـ

(۳) و دعك مين ضمير خطاب اوريتيماً كي مرادياس بيمراد آخضرت ساسل

صلى البدعليه وسلم بين _

فعل آن ضمیر مفعول به ربا مضاف ومضاف الیه ملکر فاعل فعلی فی ضمیر مفعول به ربا مضاف ومضاف الیه ملکر فاعل فعلی فعل اور مفعول به سے ملکر جمله فعلیه خبریه بوکر معطوف علیه واقی عاطفه ماقعلی فعل اس میں هوخمیر متنتزاس کا فاعل فعل فاعل ملکر جمله فعلیه خبریه بهوکر معطوف معطوف علیداین معطوف سے ملکر جمله معطوف بهوا۔

(۲) آخرة واولی کی مراد : آخرت سے مراد آخرت اوراولی سے مراد دنیا ہے کہ آپ کی آخرت اوراولی سے مراد دنیا ہے کہ آپ کی آخرت آخرت سے مراد آئندہ زمانہ اوراولی سے مراد سابقہ زمانہ سے بہتر ہوگا۔

﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ ولينظر الانسان الى طعامه ٥ انا صببنا الماء صباً ٥ ثم شققنا الارض شقا ٥ فانبتنا فيها حبا ٥ وعنبا و قضبا ٥ وزيتونا و نخلا ٥ وحدائق غلبا و فاكهة و آبا ٥ متاعالكم ولانع كم ٥)

ترجمه كساته فطكشيده الفاظ كي لغوى ونحى تحقق كرير ـ

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوامر مطلوب ہیں (۱) ترجمہ (۲) خط کشیرہ الفاظ کی ۔ لغوی ونحوی شختیق _

﴿ جُوابِ ﴾ جوابه كِمامر في الشق الاول من السوال الثاني ٢٢ ١ ٨ هـ

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٧ه

﴿ المشق الأول ﴾ ... شدت اور رخوة كيامعنى بين حروف شديده اور رخوه كون عن بين حروف تلقله كتف اوركون سے بين -

(خلاصهٔ سوال)اس سوال میں چارامورمطلوب ہیں (۱) شدت اور رخوت کامعنیٰ (۲)

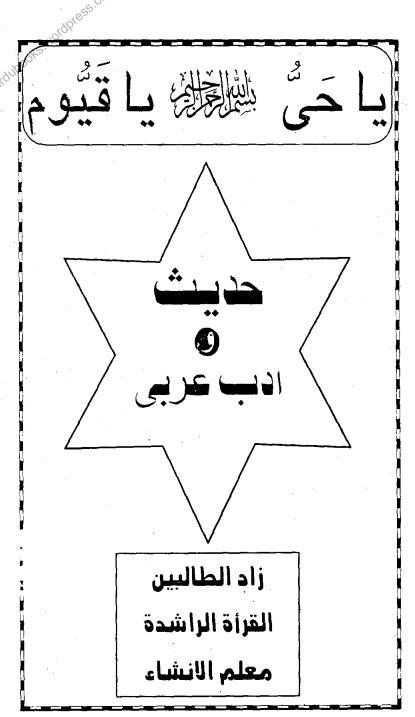
حروف شدیده اوررخوه کون سے ہیں (٣)حروف قلقلہ کتنے ہیں (٣)حروف قلقلہ کون سے ہیں۔

﴿ حِوابِ ﴾ جوابها كما مر في الشق الثاني من السوال الثالث ٢٢ ١ هـ

(النشق الثانبي)اجهائِ ساکنین علی حدہ وعلیٰ غیر حدہ کی تعریف اور ہرا یک کا حکم مثالوں کے ساتھ تح رکریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں نین امور مطلوب ہیں۔(۱) اجتماع ساکنین علی حدہ۔ وعلی غیر حدہ کی تعریف(۲) انکا حکم (۳) انگیا امثلہ۔

﴿ جُوابِ ﴾ جوابها كمامر في الشقِ الثاني من السوال الثالث ١٤٢٣ هـ



besturdubooks.wordoress.com

الورقة الثانية في الحديث والادب العربي

﴿السوال الاول﴾ ٢٥٥ه

﴿الشق الأول﴾

(١) لَا يَدْخُلُ الْجَنَّةَ مَنُ لَا يَأْ مَنْ جَارُهُ بَوَائَقَةً.

(٢) لا تُظهُّر الشَّمَاتَةَ لِاَخِيْكَ فَيَرُحَمُهُ اللَّهُ وَيَبْتَلِيْكَ

(٣) لَا يَجِلُ لِمُسْلِم أَنُ يُرَوِّعَ مُسُلِمًا

(٤) دَعُ مَايُرِيبُكَ إلى مَالَا يُريبُكَ

(٥) أَنْ هَدُ فِي الذُّنْيَا يُحِبُّكَ اللَّهُ

(٦) إِنَّ لِكُلِّ شَيْئً شِرَّةٌ وَلِكُلِّ شِرَةٍ فَتَرَةً

احادیث مبارکه پراعراب نگا کر واضح ترجمه کریں۔ خط کشیدہ کلمات کی لغوی تحقیق ذکر

کریں۔پہلی حدیث کی نحوی تر کیب کریں۔

(خلاصة سوال) اس حديث ميں چار امور عل طلب بيں (۱) احاديث پر اعراب

(۲)احادیث کاتر جمه(۳) خط کشیره کلمات کی لغوی تحقیق (۴) کپلی حدیث کی تر کیب

﴿ جواب ﴾ (١) احاديث يراع اب عمام في السوال-

(۲) ترجمہ احادیث ۔(۱) نہیں داخل ہوگا جنت میں وہ محف کہ نہ محفوظ ہوں اس کے

پڑوی اس کے شرسے۔

(۲)مت ظاہر کرتو دشمن کی تکلیف پرخوشی اپنے بھائی کیلئے پس رحم کرے گااس پراللہ تعالیٰ اور آ ز مائش میں ڈال دے گا تجھے۔

(m) نہیں ہے حلال کسی مسلمان کے لیے دوسرے مسلمان کوڈرانا۔

(٣) چھوڑ دےاس چیز کو جو تخھے شک میں ڈالےاس چیز کی طرف جو تخھے شک میں نہ ڈالے۔

(۵) خواہشات ترک کردنیا کے بارے بابارا میں تواللہ تعالی تھے سے عبت کریں گے۔

(١) بِشَك برقى ك ليه تيزى بوتى إدر برتيزى ك ليستى بوتى بــ

(س) خط کشید ہ کلمات کی لغوی تحقیق : - بسوائی ہے بوائق جمع ہے ہائقة کی صیفہ جمع مؤنث بحث اسم فاعل البوق مصدر (ن) لڑائی جھٹڑ اکر نا۔

الشماتة مصدر (س) بمعنى كى مصيبت برخوش مونا ـ

يَبْتَلِي الإِبْلا مصدر (افتعال) بمعنى آز مائش مين و الناسة مضارع كاواحد مذكر غائب كا

نیسیر وَعَ التروعِ التروعِ مصدر (تفعیل) ڈرانا ہے مضارع کاواحد مذکر غائب ہے۔ مجر دروع (ن) ڈرنا۔

نیریب الادابّة مصدر (افعال) شک میں ڈالنا سے مضارع کا واحد مذکر عَائب کا سیغہ ہے۔ مجروریب (ض) سے شک میں پڑنا۔

اِنهَدَ الزهدمصدر مع فق سے برنبتی کرنا سے امر کا واحد مذکر حاضر کا صیغہ ہے۔ شِیرَةً برائی تیزی پُستی ۔

فَتَدَةً تُستَىٰ كُمْرُورَىٰ دُونِبيوں كے دِرميانِ كاز مانه۔

﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ وَعَنُ طَلَق بِنِ عَلِى ﴿ قَالَ خَرَجُنَا وَفُداَ الْى رَسُولِ اللّهِ صَلّى اللّه عليهِ وَسَلّم فَبَايَعْنَاهُ وَصَلَّيُنَامَعُه وَأَخبَرُنَاهُ إِنَّ بِارْضِنَا بِيَعَةَ لَنَا فَاسْتَوْهَبُنَا مِنْ فَضُلِ طَهُورِهٖ فَدَعَابِمَاءٍ فَتَوَضَّا وَتَمَضُمَضَ ثُمُ صَبّه لَنَا فِي إِذَا وَقٍ وَامْرَنَا فَقَالَ أُخْرجُوا فِاذَا آتَيُتُمْ الْرَضَكُم فَاكُسِرُوا بِيْعَتَكُمُ وَانْضَحُوا مَكَانَهَا بِهِذَا المُاءِ وَآتَحِذُوهَا مَسْجِداً قُلْنَا إِنَّ الْبَلَدَ بَعِيدٌ وَالْحَرُ

شَدِيدٌ وَالْمَاءُ يَنْشَفَ فَقَالَ مُثُونَهُ مِنَ الْمَاءِ فَإِنَّه لَا يَزِيدُهُ إِلَّا طِيبًا-

(۱) حدیث پراعزاب لگا کرسلیس ترجمه کریں۔(۲) خط کشیدہ الفاظ کے صینے ابواب اور معانی تحریر کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) حدیث پراعراب (۲) سلیس ترجمہ (۳) خط کشیدہ الفاظ کے صیغے 'ابواب' معانی۔

هر جواب (۱) مديث براعراب: - كمامر في السوال-

الم المدین کا ترجمہ : حضرت طلق بن علی رضی اللہ عند فرماتے ہیں کہ ہم جماعت کی شکل میں آپ صلی اللہ علیہ وسلم می خدمت میں حاضر ہوئے پس ہم سب نے آپ صلی اللہ علیہ وسلم سے بیعت کی اور آپ بھے کے ساتھ نماز پڑھی۔ پھر ہم نے عرض کیا کہ ہماری سرز مین پرایک گرجا گھر بنا ہوا ہے۔ اس کے بعد ہم نے آپ بھے سے وضو کا بچا ہوا پانی ما نگا آپ بھے نے پانی منگوایا اور وضو فر ما یا اور کم تی کی کھر اس کو ہماری چھاگل میں ڈال دیا اور فر مایا کہ جاؤ اور جب تم اپنے ملک اور وضو فر مایا اور کم کی کھر اس کو ہماری چھاگل میں ڈال دیا اور فر مایا کہ جاؤ اور جب تم اپنے ملک میں چپنچو تو اس گر جا گھر کو تو ڈو دینا اور اس کی جگہریہ پانی چھڑک دینا اور اس جگہ مبحد بنالینا۔ ہم نے عرض کیا ہمارا شہر تو بہت دور ہے اور گرمی بہت شخت ہے اس لیے پانی (وہاں پہنچتے پہنچتے) خشک ہوجائے گا۔ آپ بھی نے فرمایا اس میں پانی اور ملالینا۔ کیونکہ یہ (پانی) سوائے پاکیز گی کے اور کھے ذیادہ نہیں کرے گا۔

(۳) خط کشیده الفاظ کے صینے ابواب معانی ۔ بَایَ عُنَا بیعت کی ہم نے زمانہ گزرے ہوئے میں صینہ تثنیہ وجع ذکر ومؤنث منظم بحث اثبات فعل ماضی معروف ازباب مفاعلہ از مصدر المبایکة بیعت کرنا۔ از سدا قسام فعل ازشش اقسام ثلاثی مزید فیہ ازہفت اقسام اجوف یا گی۔ استد قد هَبُنا طلب کیا ہم نے زمانہ گزرے ہوئے میں صیغہ تثنیہ وجع ذکر ومؤنث منظم بحث اثبات فعل ماضی معروف ازباب استفعال از مصدر الاستینیة اب طلب کرنا از سہ اقسام فعل ازشش اقسام ثلاثی مزید فیداز ہفت اقسام مثال واوی۔ تَدَمَ ضَمَنَ کُلی کی اس ایک فخص نے زمانہ گذرے ہوئے میں صیغہ واحد ذکر خائب بحث اثبات فعل ماضی معروف ازباب

تَهْعُلُلُ ادْمصدراَلَةً مَضُمُضُ كَلَى كرناازسهاقيام فعل ادْشش اقيام دباع مزيد فيه ادمغت اقيام مضاعف _ ﷺ ڈالااس ایک شخص نے زمانہ گزرے ہوئے میں صیغہ واحد مذکر غائب بحث ا ثبات فعل ماضى معروف ازباب مَسصَد يَنُهُدُ ازمصدر الصَّبُّ وُالنَّاازساقيام فعل ارْشش اقسام ثلاثى مجرداز مفت اقسام مضاعف - إِكْسِيرُوْ آتو رُوتُم كُيُّخْص زمانه آئنده مين صيغه جمع مذكر عاضر بحث امرحاضرمعروف ازباب خَرَبَ يَفُرِبُ ازمصدراَ لَكُنُرُ تَوْزُنااز سهاقسامُعَل ارْشَش اقسام ثلاثي مجردا زبنفت اقسام صحيح - إنْهَ ضَيْحُوآ حَيْمُرُكُوتُم كُي شَخْصَ زِمانهٓ ٱئنده ميں صيغه جمع مذكر حاضر بحث امرحاض معروف ازباب فَتَتَحُ يَه فُتَحُ ازمص ر آله نَصحُ حِيمٌ كنااز ساقسام فعل ارْشش اقسام ثلاثي مجرداز بمفت اقسام يحيح - إَنَّه خِهِ أَوْ بناؤتم كَيْ فَحْص زمانه آئنده مين صيغه جمع مذكر حاضر بحث امرحاضرمعروف ازباب افتعال ازمصدر آلإتِّ خَاذُ بنانا ازسها تسام نعل ازشش اقسام ثلاثي مزيد فيهاز بفت اقسام مهموز الفاء - يَسنُشَفَ خشك بهوجا تابوه الكِشْحُصْ زمانه موجوده مين صيغه واحد مذكر غائب بحث اثبات فعل مضارع معروف ازباب سميع يسسمع أزمصدر ألنَّشُفُ خشك . هونااز سهاقسام على ازشش اقسام علا في مجرواز مفت اقسام يح _مُكُو آبرها وُزياده كروتم كي شخص زمانية كنده مين صيغة جمع مذكرحاضر بحث امرحاض معروف ازباب منصرة يتنصر المصدر الكمة بوهانازياده كرنااز سهاقسام فعل ازشش اقسام ثلاثى مجرداز بفت اقسام مضاعف _

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٥ه

﴿البشق الاول ﴾.....

لَسُتُ ارضٰى بالكُسل لاأبَسالِئ بِسالتِعب بنِظًام للسَّكن لَسُستُ يسومساً ٱلْسعَسبُ لِـى طَـعَـامـاً يُشبعَ ندکورہ اشعار کاسلیس ترجمہ کریں۔(۲) خط کشیدہ الفاظ کے معانی لکھیں۔(۳) نیز آخری

طابَ سَعُيئ بالأمل غــايتـى نَيُـلُ الـطَّـلَب أبُتَنِى البَيُتِ الحَسَن وَلِــقُــوُتِـــى اَذُهَــبُ كُـــلَّ صَيُفِ آخُـــمَــعُ

شعری نحوی تر کیپ کریں۔

(خلاصةُ سوال) اس سوال ميں تين امورمطلوب ہيں _(۱) اشعار کا ترجمہ (۲) خ

۸۳

کشیدہ الفاظ کے معانی۔ (۳) آخری شعر کی نحوی ترکیب۔

﴿جوابِ﴾ (۱) اشعار کاتر جمه: ر

میری کوشش امید کے ساتھ اچھی ہے میں ستی سے خوش نہیں ہوتی میری انتہائے مقصود مطلوب کو پانا ہے میں تھکاوٹ کی پرواہ نہیں کرتی میں اچھا گھر بناتی ہوں نظم کے ساتھ رہنے تحکیلئے اور میں اپنی خوراک کیلئے جاتی ہوں میں کسی دن نہیں کھیلتی ہوں میں ہر گرمی کے موسم میں جمع کرتی ہوں اپنے لیے ایسا کھانا جو مجھے سیراب کردے

(۲) خط کشیده الفاظ کی لغوی صرفی تحقیق: ﴿ طَلَابَ (باب ضرب یضرب) سے تجمعنى عمده اوراجيها موناسے ماضى معروف كاوا حد مذكر غائب كاصيغه ہے۔ الْأَمْسِلَ تجمعنى اميد جمع 'امال' أمُل مصدر (ن) اميدر كهنا - نَيلُ مصدر ب (ض -س) بمعنى يانا - أَبَالِي الْمبَالاة مصدر (مفاعله) ہے بمعنی پرواہ کرنا ہے مضارع معروف کا واحد متکلم کا صیغہ ہے۔ وال کَسَل مصدر (سمع) ستى كرنا بالتَّعَب مصدر (س) مشقت ميں يزنا مشقت محصن جمع اتعاب۔

لِلْهَ كُنِّ السكون مصدر (ن) پھرنا۔ سكونت اختيار كرنا۔ آبُتَه نِي الابتناء مصدر (افتعال) بمعنی بنانا۔ سےمضارع معروف کاواحد متکلم کاصیغہ ہے۔ البناء (ض) سے تغیر کرنا۔ قبورتی قوت

بمعنى روزى جمع اقوات _القوت مصدر (ن)روزى دينا _ يُشْبِعُ الاشباع مصدر (افعال) بمعنى

شکم سیر کرنامضارع معروف کاواحد مذکرغائب کاصیغہ ہے۔الشیع (س)سیر ہونا۔

(٣) آخری شعرکی ترکیب: - کُهلَّ مضاف صَینَفٍ مضاف الیه مضاف مضاف اليه للرمفعول فيه مقدم آجُهَمَ عَ فعل أس مين ضمير متنتراس كافاعل الآم جارئي ضمير مجرور جار مجرور· مكرمتعلق هو أ أجُمَعُ ك طعاماً موصوف يُشبعُ فعل اس مي ضمير مستراس كافاعل فعل فاعل ملكر جمله فعلية خرييه وكرصفت موصوف صفت ملكر مفعول بهوا أجُد مَع عُك أجمع فعل ايخ فاعل اورمفعول بداورمفعول فيهمقدم اورمتعلق مصلكر جمله فعليه خبريهموا

﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ قَدُسَمِعُتُ أَنَّ وَلَداً إِذَا حَفِظَ الْقُرُآنَ يُتَوَّجُ وَالِدَاىَ يَوُمَ الْقَرُآنَ يُتَوَّجُ وَالِدَاىَ يَوُمَ الْقِيَامَةِ وَقَدُ سَمِعُتُ أَنَّ وَلَداً وَلَادَاىَ يَوُمَ الْقِيَامَةِ وَقَدُ سَمِعُتُ أَنَّ الشَّهِيْدَ يَشُفَعُ لِسَبُعِيْنَ مِنُ أَهَل بَيْتِهِ وَلَعَلَّ اللَّهَ يَرُزُقُنِى الشَّهَادَةَ فَا اللَّهَ فَعُ لِسَبُعِيْنَ مِنُ أَهَل بَيْتِهِ وَلَعَلَّ اللَّهَ يَرُزُقُنِى الشَّهَادَةَ فَا اللَّهُ فَعُ لِسَبُعِيْنَ مِنُ أَهَل بَيْتِهِ وَلَعَلَّ اللَّه يَرُزُقُنِى الشَّهَادَةَ فَا اللَّهُ فَا لِللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللّهُ اللَّهُ الللّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللللّهُ اللَّهُ الللّهُ اللَّهُ الللّهُ اللَّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

عبارت مذکوره پراعراب لگا کر بامحاوره ترجمه کریں۔(۲) خط کشیده جمله کی تر کیب کریں۔ (خلاصۂ سوال)اس سوال میں تین چیزیں مطلوب ہیں۔

﴿ جوابِ ﴾ (١) عبارت يراع اب : - كمامر في السوال -

(۲) عبارت کا ترجمہ ۔ میں نے سا ہے کہ جب بچرقر آن کریم حفظ کرلیتا ہے تو قیامت کے روز اس کے والدین کو ایک تاج پہنایا جائے گا۔ پس میں قر آن کریم حفظ کرنے کی کوشش کروں گاتا کہ قیامت کے روز میر ہے والدین کوتاج پہنایا جائے ۔ اور میں نے سا ہے کہ شہیدا پنے گھر والوں میں سے ستر افراد کی سفارش کرے گا۔ اور شاید اللہ تعالی جھے شہادت کا ورجہ عطافر مادیں تو سب لوگوں سے پہلے اپنے والدین کی سفارش کروں گا۔ اور اس طرح میں ان کے بعض احسانات کا بدلہ دے دوں گا۔

(س) خط کشیده جمله کی ترکیب - واق استیافیه بسا حرف جار ذلک اسم اشاره محرور جار جمله کی ترکیب - واق استیافیه بسا حرف جار ذلک اسم اشاره محرور جار محرور ملکر متعلق مقدم مواا جازی فعل کا آجسازی فعل اید مضاف الیه ملکر مفعول به وا که جسازی فعل این فاعل مفعول به اور متعلق سے ملکر جمله فعلیه نبرید موا۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٥ه

﴿الشق الأول ﴾ الماء الرائق. تغريد الطيور - خصب ارض الهند ذلك قصر مشيد لاتدوم صداقة اللَّبُيم - دعوت الاخوان وارسلت اليهم -

ماربحت تجارتنا في العام الماضي-

انبیاء علیم السلام کی بعثت اوران کے پیغامات۔ ہمارے اسلاف کے کارنا ہے۔خوشگوار م موسم۔ایک قیمتی ہار۔ ہجرت سے پہلے مسلمانوں پر بڑاظلم کیا گیا۔غزوہ بدر میں قریش کے بڑے بڑے سردار مارے گئے۔

> مندرجه بالاعبارت كاعربى سے اردواردوكاعربی ميں جمه كريں۔ ﴿جواب ﴾ (١) عربی سے اردوتر جمہ:

صاف پائی پرندوں کا چپجہانا ہندوستان کی زمین کی سرسبزی میمضبو طمحل ہے کمینے آ دمی کی دوتی ہمیشنہیں رہتی

بھائیوں کو میں نے بلایا اوران کو پیغام بھیجا ہماری تجارت پچھلے سال نفع مندنہیں رہی

بعُثَةُ الْآنُبِيَاءِ وَرسَالَاتُهُمُ

اَعُمَالُ اَسَلَافِنَا اَلْفَصُلُ الرَّائِقُ عِقُدٌ ثَمِيُنٌ ظُلِمَ الْمُسُلِمُونَ قَبْلَ الهِجُرَةِ ظُلُمًا شَدِيُداً

قُتِلَ الرُّوَّسَاءُ الْكِبَارُ مِنْ قُرَيْشٍ فِيُ غَرُوَةِ الْبَدُرِ اَلَماءُ الرائقُ تغريدالطُّيُوْرِ خصُبُ ارضِ الُهِنُدِ ذٰلِكَ قَصرٌ مَشِيْدٌ

لَاتَدُوُمُ صَدَاقَةُ الِلَّتِيْمِ دُعَوْتُ الاخوانَ واَرُسَلْتُ الَيُهِمْ

مَارَبِحَتْ تِجَارَتُنَا فِي الْعَامِ الْمَاضِيَ (٢) اردوجملول كاعر في ترجمه: -

ا نبیا علیم السلام کی بعثت اوران کے پیغامات ہمارے اسلاف کے کارنامے

خوشگوارموسم ایک قیمتی ہار

ہجرت سے پہلے مسلمانوں پر برد اظلم کیا گیا

غزوہ بدر میں قریش کے بڑے بڑے سردار مارے گئے ﴿ جُوابِ ﴾ سقال الله تعالى في شان حبيبه صلى الله عليه وسلم في القرآن المجيد والفرقان الحميد "إنَّكَ لَعَلى خُلُقٍ عظيم قالت ام المؤمنين السيدة الطيبة الطاهرة عائشة الصديقة رضى الله عنها "كان خُلْقه القرآن" وقال النبى صلى الله عليه وسلم بُعِثتُ لِاتِمّ مَكَارِمَ الاَخَلاقِ ٥ من تَواضَعَ لِلله رفعة الله ايها الاخ المُسُلِم صِلْ مَنْ قَطَعَك واعف عن من ظلمك وأحسِن الله مَنْ أَسَاء إلَيْك عباد الرحمن يمشون على الارض هَوْنَا ويَكُظِمُونَ الغَيْظَ ولايَنْقُضُونَ الْمِينَاقَ ٥ ولايَنْقُضُونَ الْمِينَاقَ٥

الورقة الثانية في الحديث والادب العربي ﴿ السوال الاول ﴾ ١٤٢٤ ه

﴿ الشق الأول﴾ ﴿ النَّهُواتِ الْمُثَرِّ الْمُعْرِدِ النَّهُواتِ الْمُحْتَكِرُ إِنْ اَرْخُصَ اللهُ الْاَسْعَارَ وَخَجِبَتِ الْجُنَّةُ بِالْمَكَارِهِ ٣ بِئُسَ الْعَبْدُ الْمُحْتَكِرُ إِنْ اَرْخُصَ اللهُ الْاَسْعَارَ حَزِنَ وَإِنْ اَغُلَاهَا فَرِحَ ٤٤ وَأَتْبِعَ السَّيِئَةَ الْحَسَنَةَ تَمْخُهَا .

(۱) احادیث پر اعراب لگا کر ترجمه کریں (۲) خط کشیدہ الفاظ کے صیغے تح ریر کریں۔ (۳) آخری حدیث کی ترکیب لکھیں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چار امور مطلوب ہیں (۱) احادیث پر اعراب۔ (۲)احادیث کاتر جمہ (۳)خط کشیدہ الفاظ کے صیغے۔ (۴) آخری حدیث کی ترکیب۔

﴿جوابِ ﴾ (١) احاديث يراعراب حكمامر في السوال-

(۲) احادیث کا ترجمہ: _ 1 شراب گناہوں کی جڑے ۲ جہم ڈھانی گئی ہے خواہشات کے ساتھ اور جنت ڈھانی گئی ہے مشقتوں کے ساتھ ۳ برا ہے ذخیرہ کرنے والا بندہ اگر ستا کردیں اللہ تعالی بھاؤ کو تو ممکنین ہوجائے اورا گرمہنگا کردیں تو خوش ہوجائے کے پیچھے کر برائی کے

نیکی کووہ اس کومٹادے گی۔

(۳) خط کشیره الفاظ کے صینے ۔ خیقاع ۔ بی مصدر (فتح بیفت) ہم بالغدکا صیغہ ہے۔ بہت جع کرنے والا۔ خیجبت کی جاب مصدر (نصر بنصر) ہے ماضی مجبول کا صیغہ واحدمو نث غائب ہے۔ آلم مَکَارِه مَکره کی جع ہم عنی ناپنداز مصدر کراہت (سسمع یسمع) المحتکر اختکار مصدر (افتعال) ہے اسم فاعل کا صیغہ واحد مذکر ہے۔ حَزِنَ الحزن مصدر (سسمع یسمع) ہے ماضی کا صیغہ واحد مذکر عائب ہے۔ آغگر اغلاء مصدر (افعال) ہے ماضی کا صیغہ واحد مذکر عائب ہے۔ آئیت ہے اِئیاع مصدر (افعال) سے امر حاضر کا صیغہ واحد مذکر حاضر ہے بیچے لگانا۔ تمده آ۔ المحومصدر (نصر ینصر) ہے مضارع کا واحد مونث غائب کا

رم) آخری حدیث کی ترکیب - واقی احتیافید اتبع فعل امراس مین خمیر آبُت معتراس کا فاعل - السیستة مفعول افی فعل اله وردونول المستندة مفعول افی فعل اله فعل اله وردونول مفعولوں سے ملکر جمله فعلید انشائیه بوکرامر تمدها تمدُو فعل اس میں هی خمیر منتراس کا فاعل مفعول به سے ملکر جمله فعلید خبرید به وکرجواب امر امرجواب امر ملکر جمله فعلید انشائیه بوا۔

والشق الثانى السن المنبى صلى الله عليه وسَلَمُ لَيَا تِيَنَّ عَلَى الله عليه وسَلَمُ لَيَا تِيَنَّ عَلَى النَّاسِ رَمَانٌ لَايَبُقَى آحَدُ الا الْكِلَ الرّبوافَانُ لَّمُ يَأْكُلُهُ أَصَابَهُ مِنْ بُخَارِهِ. وَقالَ النبيّ صلى الله عليه وسلّم لا تَقُومُ السَّاعَةُ حَتَّى تَخُرُجَ قَوْمٌ يَأْكُلُونَ بِالسِنَتِهِمُ كَمَا تَأْكُلُ البَقَرَةُ بِالسِنَتِهَا.

- ٠ (١) دونوں حدیثوں پراعراب لگا کرواضح تر جمہ کریں۔
- (۲) دونوں حدیثوں کا مطلب داضح طور پرتحریر کریں۔
- (خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین چیزیں مطلوب ہیں۔(۱) دونوں احادیث پر اعراب(۲)احادیث کاتر جمہ(۳)احادیث کامطلب۔

﴿ جوابِ ﴾ (١) احاديث يراع اب حكمامر في السوال-

بن احادیث کا ترجمہ - نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا البتہ لوگوں پرضرور ایسا زمانہ آئے گا کہ نبیس باقی رہے گا کوئی مگر سود کھانے والا پس اگر نبیس کھائے گا اس کو تو پنچے گا اس کو اس کا اثر ۔

اور نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا قیامت نہیں قائم ہوگ یہاں تک نکل آئے الی قوم جوکھائے گی اپنی زبانوں سے جیسے کھاتی ہے گائے اپنی زبان سے۔

(س) حدیثوں کا مطلب : پہلی حدیث کا مطلب یہ ہے کہ قرب قیامت میں ایک ایساز مانہ آجائے گا کہ سود عام ہوگا۔ ہر خض سود کھانے میں جتابا ہوجائے گا۔ اگر کوئی شخص بچنا چاہے گا بھی تو اس کا بچھ نہ بچھ اثر اس کو ضرور پننچ گا۔ دوسری حدیث کا مطلب یہ ہے کہ جیسے گائے رطب ویا بس میں تمییز نہیں کرتی اور زبان سے سب بچھ کھا جاتی ہے اس طرح وہ لوگ اپنی زبانوں کو مال حاصل کرنے کا ذریعہ بنالیس کے کسی کی جموثی تعریف کرے کسی کی ندمت کر کے حلال و حرام کی تمییز کیے بغیر کھا تمیں گے۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٤ ه

﴿الشق الأول﴾ ﴿ الله صَلَى الله صَلَى الله عَلَيْهِ وَسَلّمُ إِذَا آكَلَ طعاماً لَعِقَ آصَابِعَهُ الثَّلَاتَ وَقَالَ إِذَا سَقَطَتُ لُقُمَةُ آحَدِكُمُ فَلَيَأُ خُذُهَا وَلَيُمِطُ عَنُهَا الْآدَىٰ وَلَيَأُكُمُ الْبَرْكَةَ الشَّيُطَانِ وَآمَرَنَا آنُ نَسُلُتَ الْقَصْعَةَ وَقَالَ إِنَّكُمُ لَاتَدُرُونَ فِي آي طَعَامِكُمُ الْبَرْكَةُ -

- (۱) ندکوره عبارت پراعراب لگا کرتر جمه کریں۔
 - (۲) خط کِشیده کلمات کی لغوی تحقیق کریں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں ۔ (۱) عبارت پر اعراب۔ (۲) عبارت کا ترجمہ (۳) خط کشیدہ الفاظ کی لغوی تحقیق۔ ﴿ جُوابِ ﴾ (١) اعراب حكمامر في السوال-

(۲) عبارت کا ترجمہ: تضربول الدُصلی الدُعلیہ وہلم (معمول تھا) کہ جب کھانا کھاتے تو اپی تین انگلیوں کوچ نے لیتے اور آپ صلی الدُعلیہ وہلم نے فرمایا کہ جب تم میں سے کی ایک کالقمہ گرجائے تو اس کواٹھا لے۔ اور اگر کوئی تکلیف وہ چزگی ہوتو اس کو دور کردے۔ اور اس لقمہ کو کھا لے اور اس کوشیطان کے لیے نہ چھوڑے۔ اور آپ صلی الدُعلیہ وہلم نے ہمیں ہے تم فرمایا کہ ہم پیا لے کوچائے لیس۔ اور فرمایا کہ ہمیں معلوم نہیں کہ ہم بیا لے کوچائے لیس۔ اور فرمایا کہ ہمیں معلوم نہیں کہ ہم بالے کوچائے لیس۔ اور فرمایا کہ ہمیں معلوم نہیں کہ ہم بالے کوچائے لیس۔ اور فرمایا کہ ہمیں معلوم نہیں کہ ہم بارک کو نسے کھانے میں برکت ہے۔ معروف کا واحد نہ کرغائب کا صیغہ ہے ہمعنی چائی ۔ آجے آب ہے آب ہے آب ہوئی کا گئے۔ اور کا مصدر (افعال) سے امرغائب کا صیغہ واحد نہ کرغائب ہے ہمعنی دو کرنا صاف کرنا الاذی اسم ہے ہمعنی تکلیف۔ لکی آئی آسکانا مصدر (نصد حضر ب) سے مضارع معروف کا واحد نہ کرغائب ہے ہمعنی تحور ٹا۔ نَسُلَتُ سَلُخا مصدر (نصد حضر ب) سے مضارع معروف کا جمع مشکلم کا صیغہ ہے۔

﴿الشق الثاني﴾

رَقَدُ وَلَـى النظَّلَامُ هَـارِبا ـ شكراً عَظِيُماً وَاجِبا اَرَىٰ فِيُهِ الْاُمُورَ بَاسِمه ـ راً عَلَى الْغُصُونِ قَائِمَهُ

آشُردَقَتِ الشّهُرِسُ وَقَدُ فَسِالشُّكُرُ لِلسِّهِ الْآحَدِ مَسِالَحَسَسِ السنُّودَ اَدِیٰ وَالسطَّيُسِرُ تَشُدُو سَسَصَراً (۱)اشعار پراعراب لگاکرترجمہ کریں۔

(۲) پہلے دواشعار کی ترکیب لکھیں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں۔ (۱) اشعار پر اعراب (۲) اشعار کاتر جمہ (۳) پہلے دوشعروں کی ترکیب۔ ﴿ جُوابِ ﴾ (آ) اشعار پراعراب : حكمامرٌ في السوال -(۲) اشعار كاتر جمه : -

سورج چیک اٹھا اور بیشک تاریکی بیٹے پھیر کر بھاگ گئی اس ایک اٹھ اور بیشک اٹ اک شکر ہے اس کا براا شکر لازم ہے کیابی اٹھی روشنی ہے میں دیھی رہابوں کہ تمام چیزیں اس میں مسکرارہی ہیں اور پرند سے حری کے وقت چچہارہے ہیں گئی ہوئی شہنیوں پر اور پرند سے حری کے وقت چچہارہے ہیں گئی ہوئی الشہمس و والحال و آو حالیہ مند و رفال و آو حالیہ مند و مند و الحال مند و الحال اللہ اللہ اللہ و الحال مند و الحال اللہ و الحال مند و الحال اللہ و الحال اللہ و الحال مند و الحال اللہ و الحال اللہ و الحال مند و الحال اللہ و اللہ و الحال اللہ و اللہ و الحال اللہ و الحال اللہ و الحال اللہ و
(۲): في تفريعيد الشكر مصدر شكراً موصوف عظيماً صفت اول واجباً صفت الله معدرات مصدرات معند الشكر مصدرات معند الشكر مصدرات معندات
﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٤ه

﴿ الشق الاول ﴾تم کھیل میں ہرگز وقت ضائع نہ کرو کو کی شخص اپنے بھائی کی ہرگز غیبت نہ کرے۔ دین میں مداہنت کوئی پندیدہ بات نہیں۔اسلامی نظام رحمت ہے۔

يـقـطف الـولـدالزهرة و يشمّها. لايُلدغ المؤمن من جُحُرٍ مرّ تين.يُختبرُ الصّديق عندبليّة. تجرى الرياح بمالاتشتهى السُفُن.

ندکورہ جملوں کا اردو سے عربی عربی سے اردو میں ترجمہ کریں۔

(خلاصهٔ سوال)اس سوال میں دوامر مطلوب ہیں ۔(۱)ار دوجملوں کا عربی میں ترجمہ۔ (۲)عربی جملوں کاار دومیں ترجمہ۔

﴿ جواب ﴾ (١) اردوجملون كاعر في مين ترجمه ..

لاتُضيعُنَّ اوقاتكُمْ فِي اللَّعِب. ٢ لَا يَغُتَابَنَّ اَحَدُّا خَاهُ. ٣ مَا الْمُدَاهَنَةُ فِي اللَّعِب. اللَّين مَرضيَةٌ. ٤ اَلنَظامُ الإسلامي رَحْمةٌ.

﴿ الشق الثاني ﴾ ورج ذيل عنوانات ميس سے كى پر عربى ميں وس جملة تحرير كرس - المسجد - الاستاذ - الكتاب - المدرسة -

(خلاصة سوال) اس سوال مين ان جار عنوانات مين سے ايک پرعربي مين ١٠ جملے مطلوب بين -

﴿ جواب ﴾

المسجد

فى بلدنا مسجدٌ كبيرٌ له باب جميلٌ جدران المسجد مرتفعة فناء ه واسعٌ وللمسجد منازتان مرتفعتان بين المنارتين قبّة كبيرة وفى المسجد حجرتان الحجرة الكبيرة للإمام والحجرة الصغيرة للمؤذن نحن ندخل فى المسجد بنية الاعتكاف ونصلّى ونتلوالقرآن الكريم فى المسجد لانلَعبُ ولانَعدُو فى المسجد. ولاناً كل شيئاً فى المسجد اللّابنيَّة الاعتكاف.

الاستاذ

نحن نتعلّم فى الجامعه خيرالمدارس لنا أساتدة مشفقون مُرَبُّونَ يُرَبُّونَ يُرَبُّونَ لَمْ السجد بالجماعة فى يُرَبُّونَنا ويُعَلِّمُوننا ويأدِّبُونَنا يأمرون ان نصلى فى السجد بالجماعة فى الصف الاول مع التكبيرة الاولى الاستاذ ينضرب تاديبا ضرب الاستاذ للطالب مثل الماء فى البستان توقير الاستاذ واجبٌ على الطالب الاستاذ

مثل الوالد من تعظيم العلم تعظيم الاستاذ وقال على كرم الله وجهة انا عبد ... من علّمني حرفاً واحداً ان شاء بَاعَ وان شاء اَعْتَقَ وان شاء اِسُتَرَقَ۔

الكتاب

الكتاب خَيْرُ رفِيقٍ هذا كتابى اشتريتُهُ من المكتبة ركريا اسم كتابى "الجواب" للثانويه العامّه (للبنين)

هذا كتاب جميلٌ رخيصٌ ورقة جيدٌ طَبَاعَتهٔ عمدةٌ هذا رفيقى فى السفر والحضر. ينفعنى ويهدينى للنّجاح فى الاختبار الكتاب الة العِلْمُ تعظيمة لازم على المتعلم.

المدرسه

هذه مَدرستين اسمها جامعة خيرالمدارس هذه واقعة على شارع اورنك زيب ببلدة ملتان فيها اربعون استاذاً يُعلّمون الطُّلَابَ بالجهد والشفقة فيها مسجد كبير فيها حدائق جميلة نَتنزه فيها بعدصلوة العصر فيها مطعم واسع للطلاب ياكلون فيه طَعَاماً طَرِيّاً مرتين اجتماعًا اسم ناظم المطبخ الشيخ عبدالمنان حفظه الله تعالى واسم مدير هذه الجامعه فضيلة الشيخ القارى محمد حنيف الجالندهرى دامت بركاتهم العالية.

الورقة الثانية في الحديث والادب العربي

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٤ ه ضمني

﴿ الشق الأولَ ﴾ ﴿ مَطَلُ الْغَنِي ۚ ظُلُمٌ * مَطَلُ الْغَنِي ۚ ظُلُمٌ * مَاقَلَ وَكَفَى خَيْرٌ مَمَّا كَثُرَوَ اللهي ٤ اَفضلُ الصَّدَقَةِ اَنْ تُشبِعَ كَبَداً جَائِعاً *

(۱) احادیث پراعراب لگائیں ((۲) ترجمه کریں (۳) خط کشیده کلمات کی لغوی تحقیق کریں۔ (خلاصة سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب میں (۱) اعراب (۲) ترجمه۔

(٣)خط كشيده كلمات كى لغوى تحقيق _

﴿ جواب ﴾ (١) احاديث يراعراب : - كمامرٌ في السوال انفاً -

(٢) احادیث كاتر جمه: _ 1 جهاد سے واپس آناجهاد كى طرح بے ـ ٢ مالدار كا نال مول

کرناظلم ہے۔ <u>۳</u> جو کم ہواور کافی ہو جائے بہتر ہے اس سے جو زیادہ ہواور غافل کردے۔ عے بہترین صدقہ بیہے کہتو کسی بھوکے پیٹ کوسیر کرے۔

(۳) خط کشیده کلمات کی لغوی تحقیق - قَفُلَة مصدر بقش یقفل کا (مصد - ضرب)قفل و قفولاً سفول کرنا - ضرب)قفل و قفولاً سفر سفول کرنا - ضفل و قفولاً سفر سفول کرنا - فلا و قفولاً سفر الفال) سے ماضی کا واحد مذکر عائب کا صیغہ ہے بمعنی غفلت بیس ڈ النا - کَبَداً اللہ اسم جامد ہے بمعنی جگر جمع کُبُود اور آگباد آتی ہے یہاں اس سے مراد بیٹ ہے -

﴿ الشق الثنائي ﴾ ﴿ لَا خَلِبُمَ اللَّا ذُو عِثُـرَةٍ ٢ وَلَا حَكِيمَ الَّا ذُو عِثُـرَةٍ ٢ وَلَا حَكِيمَ اِلَّا ذُو تَجُربَةٍ ٣ لَا عَقُلَ كَالتَّدُبِيرُ ٤ وَلَا وَرُعَ كَالكفّ

(۱) احادیث پراعراب لگا کرز جمه کریں۔(۲) مطلب بیان کریں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں۔(۱) احادیث پر اعراب۔

(۲) احادیث کاتر جمد (۳) احادیث کامطلب

﴿ جواب ﴾ (١) احاديث يراعراب: -كمامر في السوال-

(۲) احادیث کا ترجمہ: ۱<u>۸</u> کوئی کال بُر دبارنہیں سوائے لغزش کھانے والے کے۔

۲ کوئی کامل حکیم (عظمند) نہیں سوائے تجربہ کارے۔۲ کوئی عقل نہیں تدبیر جیسی ۔ ؟

گاری نہیں گناہوں سے رکنے جیسی۔

(۳) احادیث کا مطلب: (۱) پہلی حدیث کا مطلب ہے کہ کوئی شخص جب تک اس سے لغزش نہ ہو کیونکہ جب اس سے لغزش ہوگی اور بروں سے معانی مانگے گا وہ معاف کریں گے تواس میں قوت برداشت پیدا ہوگی اور آئندہ مختاط رہے گا۔ تو کامل برد بارہے گا۔ (۲) دوسری حدیث کا مطلب ہے کہ بغیر تجربہ کے کوئی حکیم عظمنہ نہیں ہوسکتا۔ یعنی کی

فن میں مہارت صرف کتا ہیں پڑھ لینے سے نہیں ہوتی بلکہ تجربہ کے بعد پوری مہارت ہوتی سیجی۔ اس لیے آگے بڑھنے اور کامل عقلنداور دانا بینے کیلئے تجربات کی ضرورت ہے۔

(۳) تیسری حدیث کا مطلب میہ کہ تدبیر کہتے ہیں کسی چیز کے انجام پر نظر رکھنا اور انجام کوسوچ کر کام کرنا اور اس کے اسباب اختیار کرنا ۔ یعنی جو کام تدبیر سے کیا جاوے وہی عقلندی کا کام ہے۔ تدبیر کے بغیر کام کرنا کوئی عقلندی نہیں۔

(٣) چوکل حدیث کا مطلب ورع کہتے ہیں پر ہیز گاری کواور کف کسی کو تکلیف دینے سے رک جانا یا زبان کو دینے سے رک جانا یا زبان کو دوسروں کی تکلیف دینے سے رک جانا یا زبان کو دوسروں کی تکلیف سے روک لینااس سے بڑی کوئی پر ہیز گاری نہیں۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٤ ه ضمني

﴿ الشق الأول ﴾ ﴿ ﴿ الشق الأول ﴾ ﴿ ﴿ وَخَرَجُتُ مَرَّةً الَّى مُبَارَاةٍ وَكَانَ الرِّحَامُ شَدِيُداً وَادْرَكَتُنِى صَلُوةُ الْعَصُرِ وَكُنْتُ عَلَى وُضُوَّ إِفَقُمْتُ أُصَلِّى وَجَعَلَ النَّاسُ يَنظُرُونَ الْمَا وَرَجَعُتُ الَّى الْمُبَاراةِ ـ الْمَا وَرَجَعُتُ الَّى الْمُبَاراةِ ـ الْمَا وَرَجَعُتُ اللَّهُ اللّ

(۱)عبارت بالایراعراب لگائیں۔(۲)سلیس ترجمہ کریں۔

(خلا صهٔ سوال)اس سوال میں دوامر مطلوب ہیں ۔(۱)اعراب ۔(۲)عبارت کا ترجمہ۔

﴿ جُوابِ ﴾ (١) اعراب: - كمامرٌ في السوال أنفأ -

(۲) عبارت کا ترجمہ نیکا میں ایک مرتبہ دوڑ کے مقابلے کی طرف اور بھیڑ بہت زیادہ تھی اورعمر کی نماز پڑھنے کیلئے کھڑا زیادہ تھی اورعمر کی نماز کا وقت ہو گیا اور میں وضو کی حالت میں تھا۔ تو میں نماز پڑھنے کیلئے کھڑا ہو گیا۔اورلوگ مجھے دیکھنے گئے۔اور تبجب کرنے لگے۔اور میں نے سکون اوراعتدال کے ساتھ اپنی نماز پوری کی۔اورمقابلے کی طرف واپس آگیا۔

﴿الشق الثانى ﴾ • • ودخلنا فى الغابة ووجدنا اثار بقر الوحش فتفرقنا وجلسنا بالمرصاد وخرجت بقرة من الاشجار وكان السيّد اسماعيل مستعداً فصوب اليها بندوقية واطلق الرصاصة واصاب البقرة فى صدرها.

فسقطت جريحاً تضرب برجليها

(۱) ندگوره عبارت کاسلیس ترجمه کریں۔ (۲) اور خط کشیده جمله کی تر کیب تحریر کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوامر مطلوب ہیں۔ (۱) عبارت کاسلیس ترجمہ (۲) خط

کشیده جمله کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمہ: ۔ اور داخل ہوئے ہم جنگل میں اور جنگی گائے کے آثار محسوس کیے۔ ہم جنگل میں اور جنگی گائے کے آثار محسوس کیے۔ ہم سب علیحدہ علیحدہ ہو کر گھات میں بیٹھ گئے اتنے میں درختوں میں سے ایک گائے نکل اور تھا شنے اساعیل بالکل تیار۔ اس نے بندوق کا نشانہ اس کی طرف سیدھا کیا۔ اور گولی چلادی۔ اور ٹھیک گائے کے سینے میں لگادی۔ پس وہ گائے زخمی ہو کر گر پڑی۔ اور اپنے یاؤں مارنے گی۔

(۲) خط کشیده جمله کی ترکیب نه قاتریعیه سقطت فعل ماضی اس میں هی ضمیر متنز ذوالحال جریداً حال اول تضرب فعل مضارع اس میں ضمیر متنز ذوالحال جریداً حال اول تضرب فعل مضاف ایه مضاف ایه مضاف ایه مکر محرور ہواجارکا 'جارمجر ورملکر متعلق تنصرب کے تنصرب فعل این فاعل اور متعلق سے ملکر جمله فعلیه خریه ہوکر حال ثانی مسقطت فعل اینے فاعل اور دونوں حالوں سے ملکر جمله فعلیه خریه ہوا۔

﴿السوالُ الثالث ﴾ ١٤٢٤ ه

﴿الشَّنِ قَ الأول ﴾ مندرج ذیل عبارت کاع بی میں ترجم کریں مومن کی فراست ایمان کی روشی نوح علیه السلام کی کشی کے سوار میں ہر روز صبح سورے المُستا ہوں ہم لوگ اللّٰہ کی بندگی کرتے ہیں اور اس سے مدوجا ہتے ہیں اللّٰہ تعالیٰ زمین پر بگاڑ کو پہنیس کرتا ۔۔ (خلاصہ سوال) اس وال میں ایک بی امر مطلوب ہدرج ذیل عبارت کاع بی میں ترجمہ ﴿ جواب ﴾ عربی میں ترجمہ ﴿ خواب اللّٰهُ وَ نَسُتَعِینُهُ لَا یُحِتُ اللّٰهُ وَ نَسُتَعِینُهُ لَا یُحِتُ اللّٰهُ الْفَسَادَ فِی الْاَرُضِ ﴾

﴿ الشق الثاني ﴾مندرجه ذيل عنوانات ميس كى پرعر في مين ايكم مفتمول المتعلق الشياني مفتمول المتعلق
﴿ جُوابِ ﴾ الكتاب : حكمامر في الشق الثاني من السوال الثالث ٢٤ ١ هـ

البريد

انيا اكتب الكتب الكتاب الى اخى خالدالذى يسكن بلا هور. ثم أضعه فى العلاف وأكتب العنوان على الغلاف وأضع الكتاب فى صندوق البريد هل رأيت صندوق البريد؟ نعم هو صندوق آحمر فى مكتب البريد من يا خذ هذا الكتاب من صندوق البريد؟ يحمل الساعى الكتب الى مكتب البريد ثم يُفرِرُ هذه الكتب رجلٌ من رجال البريد هذا الى لاهور وهذا الى بشاور وهذا الى بشاور وهذا الى كراتشى و يختمها ثم تُحمل هذا الكتب الى المَحَطّة ثم تُوضَع على القطار كراتشى ثم يُنقل هذه الكتب من المحطة بشاور وكتاب بشاور يَذهب به قطار بشاور وكتاب كراتشى يحمله قطار كراتشى ثم يُنقل هذه الكتب من المحطة الى مكتب البريد ثم يفرز ويُختَمُ هنالك ايضاً حتى يعرف متى وصل الكتاب الى لاهور وبعد ذلك يا خذه الساعى ويحملة الى اخى خالد.

راقم الحروف العبد الضعيف محمد طاسين عفا الله عنه-

القريه

نحن نسكن في القرية فضائها طيبة وجيدة وغدائها ومسائها مُفرِحة فيها اشجار مثمرة ومُظِلَّة وازهار ذات الوان مُختلفة اهل القرية يجلسون في الظهيرة تحت الاشجار فيها مأتادور وعشرون سِكَّة فيها حَوانيت كثيرة والناس يشترون الاشياء منها ويَقضُونَ حَاجَاتِهم الفاكهاني يبيع الفواكه بالاثمان الرخيصة فيها على دكان الفاكهاني التقاح والعنب والتمرالجيد السندي وغيرها موجودة في اكثرالاوقات

فى القرية مسجدٌ واسعُ اكثر اهل القرية يصلون فيه ويقضون الجمعة إمام ذلك المسجد شيخ كبيرٌ حافظ قارئ للقرآن الكريم اسمة عبدالرزاق هويؤم الناس ويدرّس فى المسجد اطفال القرية بعدالفجر والعصر

الورقة الثانية في الحديث والادب العربي ﴿ السوال الاول ﴾ 12٢٣ه

﴿ الشق الأول ﴾ ﴿ المؤمن مراة المؤمن والمؤمن اخوالمؤمن يكف عنه ضيعته ويحوطه من ورائه ٢ واتبع السيئة الحسنة تمحها ٢ من بطّأبه عملة لم يسرع به نسبة ٤ يَنعُمَ الرَّجُلُ الْفَقِينُهُ فِي الدِّيْنِ إِنِ الْحَتِيْجَ اللَيْهِ نَفَعَ وَإِنِ اسْتُغُنِي عَنُهُ أَغُنٰي نَفُسَهُ .

(۱) احادیث مذکوره کا ترجمه وتشریح کریں۔ (۲) خط کشیده الفاظ کی لغوی وصرفی تحقیق سیجئے۔ (۳) آخری حدیث پراعراب لگا کرتر کیب کریں۔

﴿ جواب ﴾ (۱) حدیث کا ترجمه ایک مؤمن دوسرے مؤمن کا آئیہ ہے۔
ایک مؤمن دوسرے مؤمن کا بھائی ہے جوابی بھائی کونقصان سے بچا تا اوراس کی عدم موجود گی
میں بھی اس کی حفاظت کرتا ہے۔ ۲اور برائی کے پیچھے لانیکی کووہ اس کومٹادے گی۔ ۲ جس شخص کو
اس کے مل نے پیچھے رکھا اس کا نسب اس کو (قیامت میں) آئے نہیں لے جاسکتا ہے بہترین
شخص عالم دین ہے اگر اس کی طرف حاجت محسوس کی جائے تو وہ نفع پہنچاوے اورا گراس سے بے
پرواہی کی جائے تو وہ بھی ان سے اپ آپ کومستغنی رکھے۔

اس صدیث میں مؤمن کی مثال مثال مثال اور کی ایس مدیث میں مؤمن کی مثال کا اصادیث کی تشریح کے اس صدیث میں مؤمن کی مثال آئینہ سے دی گئی ہے اس کی وجہ رہے کہ آدمی جب آئینہ میں اپنا چیرہ دیکھتا ہے اس ویکھنے والے میں اگر کوئی عیب برومل کو اس عیب پرمطلع نہیں کرتا۔

ای طرح مؤمن کی شان ہے کہ اگر اپنے مسلمان بھائی میں کوئی عیب دیکھے اس کو تنہائی میں سمجھاد ہےاورلوگوں کےسامنےاس کوظاہر نہ کرتا پھرے تا کہلوگوں کی نظر میں وہ ذلیل نہ ہو۔

فائدہ: اس حدیث شریف میں لفظ''اخو' استعال کیا گیا ہے یہ سکے بھائی کو کہتے ہیں۔
اس میں اشارہ اس طرف ہے کہ جیسے بھائی بھائی کا خیال کرتا ہے ای طرح ایک مسلمان کو دوسرے مسلمان بھائی کا خیال کرنا جا ہے۔ یکف عسله ضیعتهٔ اس کی اخوت کا تقاضا یہ بھی ہے کہ اس کی عدم موجودگی میں اس کے جان مال عزت و آبر وکی حفاظت کرے۔

دوسرى حديث كى تشريح : اس كا عاصل يه ب كه جب آدى سے كوئى برائى ہوجائة و فوراً يكى كاكام كرلينا چاہے - يہ يكى اس برائى كے منانے كا درايد بنے گى - لقول استعالى إنّ الحسنات يُذهبُن السَيْدَات -

تیسری حدیث کی تشری اس حدیث شریف کا مطلب یہ ہے کہ انسان کو آخرت کی کامیابی کی حدیث کی تشریف کا مطلب یہ ہے کہ انسان کو آخرت کی کامیابی کا دارو مدارایمان اور کامیابی کیئے اپنے حسب نب پر بھرو سنہیں کرنا چا ہے کیونکہ آخرت کی کامیابی کا دارو مدارایمان اور اعمال صالحہ پر ہے۔ تو اگر ایک آدی جسب ونسب کے اعتبار سے زیادہ او بچانہیں ہے مگر اعمال صالحہ کرنے والا ہے اور انشاء اللہ آخرت میں کامیاب ہوگا۔ لقولہ تعالی ان اکر مکم عند اللّٰہ اتقاکم۔

چوتھی حدیث کی تشریح ۔ اس حدیث شریف کا مقصدیہ ہے کہ جب لوگ علماء کے پاس
آئیں اپنی ضروریات مسائل وغیرہ دریافت کرنے کے لیے تو علماء پرلازم ہے ان کومسائل بتاویں
اوران کی اصلاح کریں بشرطیکہ وہاں کوئی دوسرے عالم موجود نہ ہوں ۔ اگر معاملہ اس کے برعکس ہو
لیحن لوگ ان کے پاس نہیں آتے دین کی قدرومنزلت ان کے دل میں نہ ہونے کی وجہ سے یاکسی
دوسرے عالم کے وہاں موجود ہونے کی وجہ سے تو اس عالم کے لیے اجازت ہے کہ اسپنے اوقات کو
عبادت خداوندی مطالعہ تالیف تصنیف میں مشغول رکھے یا کسی اور طرح وین کی خدمت کرے۔
اور لوگوں کی طرف توجہ بند ہے۔

⁽٣) خط كشيره الفاظ كى لغوى صرفى تحقيق - مِسراة الرؤية مصدر (فقع يفتع)

ے اسم آلدو مطی کا واحد کا صیغہ ہے۔ یعنی و کیفنے کا آلہ آ تینید ضیعت ضیعہ کتے ہیں جائید او کولی ضاع یضع ضیاعاً (ض) ضائع ہونا۔ یکھو طلق ۔ حوطاً (نصر ینصر) حفاظت کرنا کھر لینا سے مضارع معروف کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ قول ہ تعالی و لایجینطون بیشدی من علمہ ۔ تمکھا ۔ الممکو مصدر (نصر ینصر) ہے مضارع معروف کا واحد مونث غائب کا صیغہ ہے ہمنی مثانا۔ بَطاً التَّبُطِیئ مصدر (تفعیل) موز کرنا۔ پیچے چھوڑنا سے ماضی معروف کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ آکتینہ آخیاج مصدر (افتعال) کتاج ہونا سے ماضی مجبول کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔

(سم) آخری حدیث پراعراب اورترکیب - اعراب کمامر فی السوال اور ترکیب - اعراب کمامر فی السوال اور ترکیب - نِعُمُ فعل مدح الرَّجُلُ اس کا فاعل الفقیه صفت مشبه سی صفت مشبه اس می صفت مشبه این فاعل فاعل فاعل فی حرف جار الدین مجروز جارمجرور ملکر متعلق بواصفت مشبه کے صفت مشبه این فاعل اور متعلق سے ملکر شبه جمله بوکر مخصوص بالمدح فعل مدح این فاعل اور مخصوص بالمدح سے ملکر جمله فعلید انشائیه بوار و وسری ترکیب - نِعُمَ فعل مدح الرجل اس کا فاعل فعل فاعل ملکر جمله فعلیه بوکر خرمقدم الفقیه صفت مشبه فی الدین جارمجرور ملکر متعلق بواصفت مشبه کے صفت مشبه نے قاعل اور متعلق سے ملکر مبتداء مؤخر مقدم سے ملکر جمله فعلیه انشائیه بوا۔

(پہلے جملہ) کا۔

﴿الشق الثانى ﴾ ﴿ السّق الثانى ﴾ ﴿ الله عليه وسلّم يُوشِكُ الْاَمَمُ الله عليه وسلّم يُوشِكُ الْاَمَمُ اَن تَدَاعَى عَلَيْكُم كَمَا تَدَاعَى الْأَكَلَةُ الله قَصْعَتِهَا فَقَالَ قَائِلٌ وَمِنُ قِلَةٍ نَحُنُ يَوْمَ عِنْ قَالَ بَلُ اَنْتُم يَوُمَعِ إِكْثِيرٌ وَلَكِنّكُم عُثَاء كَغُثَاء السَّيلِ وَلَيَنُزِعَنَّ الله مِن صُدُورِ عَدُوكُمُ الْمَهَابَةُ مِنْكُم وَلَيَقُذِ فَنَ فِي قُلُوبِكُمُ الْوَهُنَ قَالَ قَائِلٌ يَارَسُولَ الله مَا الْوَهَنُ قَالَ حُبُ الدُّنيَا وَكَرَاهِيَةُ الْمَوْتِ.

(۱) حدیث پراعراب لگا کرتر جمه وتشریح کریں (۲) خط کشیده الفاظ کی لغوی صرفی تحقیق کریں۔ (خلاصئهٔ سوال) اس سوال میں چار امور مطلوب ہیں۔ (۱) حدیث پر اعراب (۲) حدیث کا ترجمہ (۳) حدیث کی تشریح (۴) خط کشیده الفاظ کی لغوی صرفی تحقیق۔

﴿ جواب ﴾ (١) حديث يراعراب : - كمامر في السوال -

(۲) حدیث کا ترجمہ ۔ نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا قریب ہے کہ قومیں تم پر
ایک دوسر ہے کو ایسے بلائیں گی جیسے کہ کھانے والے پیالے پر ایک دوسر ہے کو بلاتے ہیں۔ کسی
صحابی شخصے عرض کیا کیااس وقت ہم تعداد میں کم ہوں گے؟ آپ صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا نہیں
تبہاری مقدار بہت ہوگی اس وقت تمہاری حیثیت سیلاب کے جھاگ کے برابر ہوگی۔ اور اللہ تعالیٰ
تبہارا معب تبہارے دشمن کے دلوں سے نکال دیں گے۔ اور تمہارے دلوں میں وجن ڈال دیں
گے۔ اور چھنے والے نے بوچھایار سول اللہ صلی اللہ علیہ وسلم وھن کیا چیز ہے؟ آپ وہٹ نے جواب
دیاد نیاکی محبت اور موت سے نفرت۔

(۳) حدیث کی تشری ۔ جس طرح جب کچھ لوگ دستر خوان پر جمع ہوتے ہیں تو برتن کو ایک دوسرے کے آگے رکھتے ہیں اور کہتے ہیں کہ اس برتن کے کھانے بیں سے تم کچھ کھالو کیونکہ جب برتن قریب ہوتا ہے تو آدمی آسانی ہے اس بیل سے بچھ کھالیتا ہے۔ اس طرح قرب قیامت بیس کافر ایک دوسرے کومسلمان کے بلاک کرنے پر اکسائیں گے۔ وہ کفار جمع ہوں گے اور مسلمانوں کی جائیداو مال وغیرہ اوت لیس گے۔ اور اس کا سبب مسلمانوں کا ونیا سے محبت کرنا

ہوگا۔اورموت سے ڈرناہوگایعنی مال کوجع کرنے کی فکر میں لگ جائیں گے۔اورموت سے ڈر ی گے کہیں جہاد میں جانے سے ہم مرنہ جائیں تو کفاران پرغالب آ جائیں گے۔

(س) خط کشیده الفاظ کی لغوی صرفی تحقیق نید نید و شیک بیا فعال مقاربیس سے مضارع کاصیغه واحد ند کرغائب ہے بمغنی قریب ہے۔ تداعی باب تفاعل سے ماض معروف کا صیغہ ہے بمعنی ایک دوسر کو بلانا۔ آگلی آتی جمعنی کھانے والا۔ وَلَید نُورِعَی النزع بمعنی کھینیا مصدر (فقے یفتے) ہے بحث لام تاکید بانون تقیلہ کا واحد ند کرغائب کاصیغہ ہے۔ السمَهَابة یہ الهیبة مصدر سے مصدر سی ہے۔ لَید فَدُنَ قَدْ فَ مصدر (ضرب یضرب) بمعنی ڈالناسے لام تاکید بانون تقیلہ کا واحد ند کرغائب کاصیغہ ہے۔ وقد فَدَن مصدر (ضرب یضرب) بمعنی ڈالناسے لام تاکید بانون تقیلہ کا واحد ند کرغائب کاصیغہ ہے۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٣ه

﴿ الشّق الأول ﴾ ﴿ وَقَبُلَ الْمَغُرِبِ حَضَّر اَصُدِ قَاءُ أَبِى وَأَقَارِ بُنَا وَنُقِلَ اللّهُ طُورُ إِلَى الْمَسْجِدِ وَكَانَ الْوَقُتُ شَدِيْداً عَلَى فَكُنُتُ آرُمُقُ الْمُؤَدِّنَ وَآعُدُ اللّهُ عَلَى فَكُنُتُ آرُمُقُ الْمُؤَدِّنَ وَآعُدُ اللّهُ عَلَمًا اللّهُ عَلَمًا عَلَمَنِى آبِي ذَهَبَ الطَّمَأُ وَابْتَلَتِ الْعُرُوقُ وَقَبَتَ الاَجِزَانُ شَاءَ اللّه.

(۱) عبارت پراعراب لگا کرسلیس ترجمه کیجئے۔ (۲) خط کشیدہ الفاظ کی انفوی تحقیق کیجئے۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) اعراب (۲) عبارت کا ترجمہ (۳) خط کشدہ الفاظ کی انفوی تحقیق۔

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت براعراب - كمامر في السوال-

(۲) عبارت کا ترجمہ مفرب سے پہلے میر ے والد کے دوست اور ہمارے رشتہ دار سب آگئے اور افطاری معجد میں لے جائی گئی۔ وہ دفت کا ٹنا میر سے او پر بہت کھن ہوگیا۔ پس میں مؤذن کی طرف بار بارد کھر ہاتھا اور منٹ گن رہاتھا۔ پس جس وقت مؤذن نے اذان کبی میں نے ایک محجور کے ساتھ افطار کیا چھر میں نے کھایا اور بیا۔ اور جود عا میر سے والد نے مجھے سکھائی تھی وہ پڑھی۔ دھب النظما الخ یعنی بیاس جاتی رہی اور رکیس تر ہوگئی اور انشاء اللہ اجر ثابت ہوگیا۔

(۳) خط کشیده الفاظ کی لغوی تحقیق - الفطور جمعنی افطاری - آزمُنَی رمق مصدر آ (نصرینصر) دریتک دیکینا - بارباردیکینا - بے مضارع معروف کا واحد متکام کا صیغه ب - الظما ظیمی یَظُمَو (سمع یسمع) کا مصدر بخت پیاسا بونا - آبُتَلَتَ - ابتلال مصدر (افتعال) ب ماضی معروف کا واحد مؤنث نائب کا صیغه ب - الغروق جمع عِرْق کی جمعنی رگ -

﴿الشق الثاني﴾

شَرُ المَقَالِ الْكَذِبُ خَيْسُ الْسَخِصَالِ الْادَبُ الْسَخِصَالِ الْادَبُ الْسَخِصَالِ الْادَبُ الْسَخِصُ عَلَيْ وَالْسَخِصَالِ الْادَبُ الْسَخِصُ عَلَيْ وَالْسَخِصِ الْسَخِصِ عَلَيْ وَالْسَخِصِ اللَّهُ عَلَيْلًا وَالْسَخِصُ وَالْسَخِصِ اللَّهُ عَلَيْلًا اللَّهُ الْمَصَالُ ظِلَا اللَّهُ الْمَصَالُ الْطَلَلُ وَالْتَلَ اللَّهُ الْمَصَالُ اللَّهُ الللَّهُ اللللْمُعِلَى الللْمُعِلَى اللللْمُعِلَى اللللْمُعِلَى اللللْمُ اللللْمُعِلَى الللللْمُعِلَى اللللْمُعِلَى اللللْمُعِلَى اللللْمُعِلَى اللللْمُعِلَى اللللْمُعِلَى اللللْمُعِلَى اللللْمُعِلَى ا

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین چیزیں مطلوب ہیں ۔ (۱) اشعار پر اعراب

(٢) اشعار كاتر جمه (٣) خط كشيده الفاظ كي لغوي تحقيق _

﴿ جوابِ ﴾ (١) اشعار پراعراب حكمامر في السوال-

(۲) اشعار کاتر جمہ:۔

بری گفتگو جھوٹ بولنا ہے اچھی عادت ادب ہے کن رسوا کرنے والا عیب ہے مخاوت بہترین پردہ ہے عقل منصفانہ فیصلہ کرنے والی ہے عقل منصفانہ فیصلہ کرنے والی ہا کہ عمر کوچ کرنے والا سامیر ہے اللہ اللہ ہونے والا سامیہ ہے عمر کوچ کرنے والا سامیہ ہے عمر کوچ کرنے والا سامیر ہے ہے۔

(m) خط کشیده الفاظ کی لغوی شخقیق مفسل خصلت کی جمع ہے معنیٰ عادت

فَاضِحُ فضحاً مصدر (فتح یفتح) ساسم فاعل کاصیغه ب قاض قضاء مصدر (ضرب یضرب) ساسم فاعل کاواحد مذکر کاصیغه ب مصدر باب سمع یسمع سی بمعنی فخر وغرور و راحل رحل اور دیل مصدر (فتح یفتح) ساسم فاعل کاواحد مذکر کاصیغه بمعنی کوچ کرنا و

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٣ه

﴿ الشّق الأول﴾ ... قَطَفَ مُحمودٌ ذَهْرةً جميلةً نَالَ المُجِدُّون الجَوَائِزَ الثَّمِينَةُ ثَالَ المُجِدُّون الجَوَائِزَ الثَّيورِ على التَّمِينَةُ ثُحُصِدَ البِرِّرعُ في اوائل الربيع كُنتُ أَسَمَعٌ تَغُرِيْدُ الطَيُورِ على الأَغُصَان -

(۱) نہ کورہ عبارت کااردو میں ترجمہ کریں (۲) نیز درج ذیل جملوں کی عربی بنائیں۔ حامد نے اذان سنی اور بچوں کو جگایا'ان لوگوں نے حج کیا اور مسجد نبوی کی زیارت کی' سورج ڈوبتا ہے اور تاریکی حصا جاتی ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں دو چيزيں مطلوب ميں۔ (۱) عربي جملوں کا اردو ميں ترجمہ (۲)اردوجملوں کی عربی۔

جواب ﴾ (۱) عربی جملوں کا اردو ترجمہ نیمحود نے ایک خوبصورت پھول توڑا دیمنتی لوگوں نے قیمتی انعامات حاصل کیے۔موسم بہار کے شروع میں فصل کاٹ لی گئے۔ میں شہنیوں پر پرندوں کی چیجہا ہٹ سنتا تھا۔

(٢) اردوجملول كي عربي - سَمِع حَامِدُ الآذَانَ وآيُقَظَ الاطفالَ حَجَّ هؤلا الناسُ وزَارُوُ النَّمَسُجِدَ النَّبَوِيّ - تغرُبُ الشمسُ وَتَغُشَى الظُلْمَةُ -

﴿ الشق الثّاني ﴾ورج ذيل عنوانات مين هيكى ايك برعر في مين مضمون كمين جوكم ازكم وس مطرون بمشمل مود المسجد الكتاب الاستاد القرية .

﴿ جُوابِ ﴾ ۔ المسجد الكتاب الاستاذ برمضمون ٢٢٨ ه كسوال ثالث كشق ثانى ميں كرر چكا ہے۔ ثانى ميں كرر چكا ہے۔

الورقة الثانية في الحديث والادب العربي

﴿السوال الاول﴾ ٢٤٢٢ه

﴿ الشق الأول ﴾ ... عن عائشة رضى الله تعالى عنها قالت جاء رجل

فقعد بين يدى رسول الله صلى الله عليه وسلم فقال يا رسول الله ان لي مَمْلُوكِيْنَ يَكُذُّبُونِنِي وَيَحُونُونِنِي وَيَعُصُونِنِي واشتمهم وأضربهم فكنف أنا منهم فقيال رسبول الله صلى الله عليه وسلم اذا كان يوم القيامة يُحُسَب ماخانوك وعصوك وكذبوك أنكان عقابك اياهم بقدر ذنوبهم كان كفافا لَالَّكَ وِلَا عَلَيْكِ وَعَقَابِكِ ابْنَا هُمْ دُونَ ذُنُوبِهِمْ كَانَ فَضِلًّا لِكُ وَانْ كَانَ عَقَابِك اياهم فوق ذنوبهم اقتص لهم منك الفضل فتنحى الرجل و جعل يهتف ويبكي.

(۱) سکیس ترجمه کرنے کے بعد خط کشدہ الفاظ کی اغوی صرفی شخفیق لکھیں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر مطلوب مين (أ) حديث كالرّجمه (٢) خط كشيره الفاظ كى بغوى وصر فى شختيق__

﴿ جواب ﴾ (١) حديث شريف كاتر جمه حصرت عائشة عردايت عفرماتي ہیں کہ (ایک دن) رسول التد صلی اللہ علیہ وسلم کی خدمت میں ایک شخص آ کر بیٹھ گیا اور عرض کرنے لگامیرے پاس چند غلام ہیں جومیرے پاس جھوٹ بولتے ہیں اور میرے مال میں خیانت کرتے ہیں اور میری نافر مانی کرتے ہیں اس وجہ ہے میں ان کو ہرا بھلا کہتا ہوں اور ان کو مارتا ہوں تو قیامت والے دن میراان کے ساتھ کیا معاملہ ہوگا؟ تو رسول الله صلی اللہ علیہ وسلم نے فر مایا جب قیامت کا دن ہوگا اس وقت بورا حساب ہوگا۔انہوں نے جوخیانت کی اور تمہاری نافر مانی کی اور تمہار ہےساتھ جھوٹ بولا اور جوتم نے ان کوسز ادی ہوگی اس سب کا حساب ہوگا۔ا گرتمہاراان کو سزادیناان کے جرائم کی بقدر ہوگا تو تمہارامعاملہ برابر ہوگا نتمہیں کوئی ثواب ملے گااور نتم پر کوئی عذاب ہوگا۔ اورا گرتمہاری سزاان کے جرائم ہے کم ہوئی تو تمہارا زائد حق ہوگا لینی تمہیں اجرو ثواب ملے گاادرا گرتمہاری سزاان کے جرائم سے زائد ہوئی تو تم سے ان کے لیے اس زیادتی کا بدله لیا جائے گا۔ بین کروہ شخص ایک طرف جا کر بیٹھ گیا اور رونے اور چلانے لگا۔

(٢) خط كشده الفاظ كى لغوى صرفى تحقيق - مَ<u>مَمَلُ وَكِيْسَ</u> البِيلُك مصدر (ش) ما لک ہونا ہے اسم مفعول کا جمع مذکر کا صیغہ ہے۔ یَکُدِیدُونَ الکذب مصدر (ض) جموٹ بولنا سے مضارع معروف کا جمع ند کر غائب کا صیغہ ہے۔ یَ خُونُونَ النحیانة مصدر (نصری یہ بنصر) خیات کرنا سے مضارع معروف کا جمع ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ یَ عُصُونَ العصیان مصدر (ض) نافر مانی کرنا سے مضارع معروف کا واحد شکلم کا صیغہ ہے۔ اَضَدِبُ الشّم مصدر (ض) گال دینا سے مضارع معروف کا واحد شکلم کا صیغہ ہے۔ اَضَدِبُ الصرب مصدر (ض) بمعنی مارنا سے مضارع معروف کا واحد شکلم کا صیغہ ہے۔ یَ سُسَبُ الحساب مصدر (ن) حساب کرنا سے مضارع مجول کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ خَانُو آ النحیانة مصدر (ن) سے ماضی معروف کا جمع ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ خَانُو آ العصیان مصدر (ض) سے ماضی معروف کا اجمع ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ یَ بَسَتُ الهتف مصدر (ض) چوٹ بولنا سے جمع ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ یَ بَسَتُ الهتف مصدر (ض) چوٹ نائ آ واز کرنا سے مضارع معروف کا واحد ند کرغائب ہے۔ ویہ کئی البکاء مصدر (ض) رونا سے مضارع معروف کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ ویہ کئی البکاء مصدر (ض) رونا سے مضارع معروف کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ ویہ کئی البکاء مصدر (ض) رونا سے مضارع معروف کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ ویہ کئی البکاء مصدر (ض) رونا سے مضارع معروف کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ ویہ کئی البکاء مصدر (ض) رونا سے مضارع معروف کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ ویہ کئی البکاء مصدر (ض) رونا سے مضارع معروف کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ ویہ کئی البکاء مصدر (ض) رونا سے مضارع معروف کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ ویہ کئی البکاء مصدر (ض) مینہ ہے۔

﴿الشق الثانى ﴾ وسلم ذات يوم ثم اقبل علينا بوجهه فوعظنا موعظة الله عليه وسلم ذات يوم ثم اقبل علينا بوجهه فوعظنا موعظة بليغة ذرَفَتُ مِنها العُيُون وَ وَجِلَتُ منها القلوب فقال رجُل يا رسول الله صلى الله عليه وسلم كأن هذه مَوْعِظة مُودِّعٍ فَاَوْصِنا فقال أَوْصِيكم بتقوى الله والسمع والطاعة وان كان عبداً حبشياً فانه مَن يَعِشُ منكم بعدى فسيرى اختلاف كثيرا فعليكم بسنتى و سنة الخلفاء الراشدين المهديين تمسكوا بها و عضوا عليها بالنواجذ واياكم و محدثات الامور فان كل محدثة بدعة وكل بدعة ضلالة.

سلیس ترجمه کرنے کے بعد خط کشیدہ الفاظ کی لغوی صرفی تحقیق کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں دو امر مطلوب ہیں۔ (۱) حدیث شریف کا ترجمہ

(۲) خط کشیده الفاظ کی لغوی صرفی شخقیق۔

﴿ جواب ﴾ (۱) حديث شريف كاترجمه عرباض بن سارية سے روايت ہے کہتے ہیں کدایک دن رسول الله صلی الله علیه وسلم نے ہمیں نماز پڑھائی پھر ہماری طرف متوجہ ہوئے اور ہمیں دیر تک نہایت بلیغ انداز میں تصیحتیں فرمائمیں جس سے لوگوں کی آتھیں آنسو بہانے لگیں۔اور دل دھڑ کئے لگے۔تب ایک شخص نے کہا یارسول اللہ آج کی پیفیحتیں ایسے ہیں جیسے رخصت کرنے والے کی نصیحت ہے۔ پس آپ ہمیں اور وصیت فر مادیں آپ صلی آللہ علیہ وسلم نے فرمایا که میں تہمیں اللہ سے ڈرتے رہنے کی ادراحکام سننے اوران پڑمل کرنے کی وصیت کرتا ہوں اگر چہ تھم دینے والاحبثی غلام کیوں نہ ہو۔ کیونکہ میرے بعدتم میں سے جوزندہ رہے گاوہ آپس میں بہت اختلافات دیکھےگا۔لہذاتم پرلازم ہے کہتم میری سنت پراورمیر بے خلفاء راشدین جو ہدایت یافتہ ہیںان کےطریقے پر چلنااوراس کولازم بکڑ نااورانہیں ڈاڑھوں کےساتھ مضبوطی ہے بکڑ لینا۔ اور دین میں نئی بات سے بچتے رہنااس لیے کہ ہرنئی بات بدعت ہےاور ہر بدعت گمراہی ہے۔ (٢) خط كشيده الفاظ كي لغوى صرفى تحقيق - وَعَصَطَ الوعظ مصدر (خصرب يهضرب) سے ماضی معروف کا صیغہ واحد ندکر غائب کا صیغہ ہے۔ ذَرَفَتُ الدَّرُفُ مصدر (ضرب یضرب) بمعنی بہاناہے ماضی معروف سے واحد مؤنث غائب کا صیغہ ہے۔ وَجلَتُ الوَجُل مصدر (سمع يسمع) ورناس ماضي معروف سواحدمو نث عائب كاصيغه بـ القَلُون جمع عِقلب كي قلب بمعنى دل - باب ضرب سي يهيرنا- أَوْصَ الايصاء مصدر (افعال) بمعنی وصیت کرنا ہے امر حاضر کا واحد مذکر حاضر کا صیغہ ہے۔ اُؤ جیسے آلیماءمصدر (افعال) سے مضارع معروف کا واحد متکلم کا صیغہ ہے۔ مَسنُ یَـعِیـشُ یَـعِیُـشُ العیش مصدر (صدرب بيضرب) بمعنى جينات مضارع معروف كاواحد ندكر غائب كاصيغه ب-منن شرطيدكة نے كى وجد ع جُزوم موايا اجتاع ساكنين كى وجد ع ركنى ـ سَيَرى الرؤية مصدر (فتح يهفتح) بمعنى ويكهنا سے مضارع معروف كاوا حدمذكر غائب كاصيغه ہے۔ المهَهُدِيّين الهداية مصدر (ضرب يضرب) بمعنى راه دكهانا سے اسم مفعول كا جمع مذكر كاصيغه بے حالت جرى يا البل مكوره كرساته آئى ہے۔ تَمسَّكُو آ التمسّك مصدر (تفعل) بمعنى مضبوط پرلزا التمسّك مصدر (سمع يسمع) دانت سے امرحاضر كا جمع ند كرحاضر كا صفحه به المستقل المعنى علائات محار المان المان المان المان المان المحتل المان المحتل المان المحتل المحت

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٢ه

﴿الشّق الأول﴾ ﴿ الشّق الأول ﴾ ﴿ اللهُ وَالْمُسْ يَوْمَ الْعِيْدِ الْجُتَمَعَ النَّاسُ وَالْاَطُفَالَ عِنْدَ الْغُرُوبِ يَتَرَأَوْنَ الْهِلَالَ وَصَعِدُو الْعَلَى سُقُوفِ الْبُيُوتِ وَالسُّطُوحِ وَعَلَى الْمُنَارَاتِ ظَهَرَ الْهِلَالُ فَهَتَفَ الْاَوْلَادُ الْهِلَالُ الْهِلَالُ وَجَرَوا الله بُيُوتِهِمُ وَ سَلَّمُوا عَلَى البَاعِهِمُ وَاللهُ اللهُمُودِ عَلَى الْاَقَارِبِ قَتَعَوا آلهُمْ بِالْبَرَكَةِ وَطُولِ الْعُمُر.

عبارت کا واضح ترجمه کریں۔اور خط کشیدہ الفاظ کی لغوی صرفی تحقیق لکھٹا نہ بھولیس۔ پوری عبارت پراعراب لگا ئیں اور بتا ئیں کہ کھلال الصلال تر کیب میں کیاواقع ہے؟

(خلاصة سوال) اس سوال ميں جار امور حل طلب ہيں۔ (۱) پوری عبارت پر اعراب (۲) عبارت كاواضح ترجمه (۳) خط كشيده الفاظ كى لغوى صرفى تحقيق (۴) المحلال الحملال كى تركيب۔ ﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت پر اعراب - كمامر في السوال-

کل عید کا ترجمہ کی عید کا دن تھالوگ اور بچ غروب آفاب کے وقت جاند دیکھنے کیلئے جمع ہوگئے اور گھروں کی چھوں پر اونچی جگہوں پر اور میناروں پر چڑھ گئے۔ جاندنظر آگیا اور بچوں نے آواز لگائی جاند چاند اور اپٹے گھروں کی طرف دوڑے اور اپنے ماں باپ اور قربی عزیزوں کوسلام کیا اور انہوں نے ان کو ہرکت اور درازئی عمر کی دعادی۔

(۳)خط کشیدہ الفاظ کی لغوی صرفی تحقیق ۔ آلاط فَ ال جمع ہے طفل کی بمعنی بچہ یہ تنہ ہے۔ آلوں الر الکی مصدر (تفاعل) بمعنی دیکھنے کی کوشش کرنا مضارع معروف کا جمع نذکر عائب کا صیغہ اصل میں یتر آئوں ہوگیا۔ السُفَوُف جمع سقف کی بمعنی صیغہ اصل میں یتر آئوں ہوگیا۔ السُفَوُف جمع سقف کی بمعنی

حصت - السطوح بح مسط كى بمعن حصت - المَنَارَات بحع مِمنارة كى روثى كى جگه روثى كا جله روثى كى جگه روثى كا مينارا ذان ديخ كا ميناره - هَتَفَ الصيف مصدر (ضرب يهضرب) بمعنى چلانا شور كرنا سے ماضى معروف كا واحد مذكر غائب كا صيغه بي جمع الهلال بيلى رات كے چاندكو كتي بي جمع الهلال بيلى رات كے چاندكو كتي بي جمع الهلة - جَرَوُ الجرى مصدر (ض) بمعنى چلنا ووژنا سے ماضى معروف كا جمع مذكر غائب كا صيغه بي سلموُ التسليم مصدر (تفعيل) بمعنى سلام كرنا سے ماضى معروف كا جمع مذكر غائب كا صيغه بي سين سلام كرنا سے ماضى معروف كا جمع مذكر غائب كا صيغه بي مصدر (نفعيل) بمعنى بلانا - وعاكرنا سے ماضى معروف كا جمع مذكر غائب

(٣) الهلالُ الهلالُ كَيْرَ كِيبِ: ـ ينْجر بِمبتدامجذوف مَراك ـ

﴿الشق الثانى ﴿ سَو قَرَّبَتُ قَبِيلَةٌ مِّنَ قُرَيْشٍ حَفْنَةً مَمْلُوءَةً ثُمَّ تَحَالَفَتُ مَعَ قَبِيلَةٍ أُخُرى عَلَى الْمُوْتِ وَأَدُخَلُوا آيُدِيَهُمُ فِى ذَٰلِكَ الدَّمِ وَقَالُوا لَائَتُرُكُ مَعَ الشَّرِفَ آوُ نَمُوْتَ وَكَانَ هذَا شَرَا كَبِيراً وَخَطُراً عَظِيماً وَالْمَوْتُ شَيْلً لَا بُدًا الشَّرِفِ إِذَا لَا بُدَّ مِنُ الْحَرْبِ وَالْحَرْبُ مَشْئُومَةٌ جَدَاً.

عبارت پراعراب لگائیں۔خط کشیدہ الفاظ کی لغوی تحقیق کریں اور بتا ئیں ثتر آ کبیراً وخطراً عظیماً منصوب کیوں ہیں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) عبارت پر اعراب (۲) خط کشیدہ الفاظ کی لغوی تحقیق (۳) شرأ کبیر أاور خطر أعظیما کے نصب کی وجہ۔

﴿ جوابِ ﴾ (١) عبارت براعراب حكمامر في السوال-

(۲) خط کشیده الفاظ کی تحقیق - قَدَّبَتُ القریب مصدر (تفعیل) بمعنی قریب کرنا عاضی معروف کا صیغه واحد مؤنث غائب ہے۔ مَمَلُونَة - المَلْأ مصدر (فَحَیفَۃ) بمعنی بھرنا اسم مفعول کا واحد مؤنث کا صیغہ ہے۔ تَسَمَسَالُفَتُ التحالف مصدر (تفاعل) بمعنی آئی میں قسم کھانا ہے ماضی معروف کا واحد مؤنث غائب کا صیغہ ہے۔ آڈ کُھُسَلُولَ الا دخال مصدر (افعال) بمعنی داخل کرنا سے ماضی معروف کا جمع فد کرغائب کا صیغہ ہے۔ آیہ لین بھٹے ہے یکہ کی جمعنی داخل کرنا سے ماضی معروف کا جمع مشکلم کا صیغہ بعدی ہاتھ۔ نتی الترک مصدر (ن) بمعنی نرم آسان ہونا سے صفت مشبہ کا واحد فد کر کا صیغہ ہے۔ مَشْنُکُو مَةٌ الشّوم مصدر (ک) بمعنی نموں ہونا ہے اسم مفعول کا واحد مونث کا صیغہ ہے۔ مشنگو مَةٌ الشّوم مصدر (ک) بمعنی منحوں ہونا ہے اسم مفعول کا واحد مونث کا صیغہ ہے۔ اسم سُسَدُ آ کہ بیر آ اور خَطَر آ عَظِیماً کے نصب کی وجہ: شر آ اجبر آ موصوف صفت ملکر معطوف علیہ ملکر معطوف علیہ ملکر کان کی خبر ہونے کی وجہ سے منصوب ہے۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٢ه

﴿الشق الاول ﴾(۱) رسول الله على و مناه بيدا بهى نبيس موئ سے كه آپ كوار كو والد كا انقال مو گيا۔ (۲) جب حضرت عمر في حضور صلى الله عليه و ملم كى وفات كى خبر من تو تلوار نيام سے تھنج كى اور كہنے گئے كہ ميں في كس سے يہ كہتے سنانہيں كه آپ وفات فرما گئے يہاں تك كه ميں اس كى گردن ماردوں گا۔ (۳) دين ميں مداہنت كوئى پنديده بات نبيں۔ (۴) جب حضور صلى ميں اس كى گردن ماردوں گا۔ (۳) دين ميں مداہنت كوئى پنديده بات نبيں۔ (۴) جمنزت خالد بن الله عليه و كل كو ين حق كى طرف بلايا تو لوگ آپ كے دشن مو گئے۔ (۵) حضرت خالد بن وليدا يك ملك كے بعددوس الملك فتح كرتے رہے كہ حضرت عمر في ان كومعزول كرديا تا كه لوگ فتنه ميں نہ پر يں اور جان ليس كہ جو چھر كرتا ہے الله كرتا ہے۔

درج بالاعبارت كاعربي ميس ترجمه يجيجئه

وَ جُوابِ الله صلى الله عنه عليه وسلم يؤلَدُ حَتَّى تُوفِّى اَبُوهُ (٢) لَمَّا سَمِعَ عُمَرِبُن الخطَّابِ رضى الله عنه عليه وسلم يؤلَدُ حَتَّى تُوفِّى اَبُوهُ (٢) لَمَّا سَمِعَ عُمَرِبُن الخطَّابِ رضى الله عنه نَعْمَى رَسُول الله صلى الله عليه وسلم فَسَلَّ السَيفَ مِنُ عَمَدِه وطَفِقَ يَقُولُ لَا السَيفَ مِنُ عَمَدِه وطَفِقَ يَقُولُ لَا السَّمَعُ اَحَداً اَنُ يقول بانَّهُ صلى الله عليه وسلم تُوفِّى حتَّى اَضُرِبَ عُنُقَة (٣) مَا الله عليه وسلم الله عليه وسلم النَاس الله عليه وسلم النَاس الله الدَيْنِ بمَرْضِيَّةٍ (٤) لمَّادَعَاالنبِيُّ صلى الله عليه وسلم النَاس الله الدَيْنِ الصَقِ فَاصُبَحُوا اَعْدَاءَ الله (٥) مَافَتِيًّ خَالِدُبُنُ وَلِيْدٍ يَنُتَصِرُ قُطُراً بَعُدَ

قُـطُرٍ حَتَّى عَزَلَهُ عُمَرِبُنُ الخَطَّابِ رضى الله عنه لِئَلًا يُفْتَنَ النَّاسُ وَلِيَعُلَمَ النَّاسُ ۖ يَفْعَلُ اللهُ مَايَفُعَلُ.

﴿ الشق الثاني ﴾درج ذيل عنوانات ميں سے كى ايك پر عربي ميں مضمون لكسيں جو آپ كے امتحانى كا بى كے ايك صفحہ سے كم ندمو۔

(۱) المكة المكرمه (۲) الرسول الخاتم (۳) الكتاب (٤) البريد (٥) المطار (٦) القطار

﴿ جواب ﴾: - الكتاب برمضمون ۱۳۲۴ ه كيسوال ثالث كي ش ثاني ميس كرر دكا بـ - الديد برمضمون ۱۳۲۲ هغمى كيسوال ثالث كي ش ثاني ميس كرر ذكا بـ -

مكّة المكرمة

مكة المكرمة هي بلدة من بلاد المملكة العربية السعودية. بدأ الاسلام من هذه البلدة لان الله تبارك وتعالى بعث محمداً صلى الله عليه وسلم نبياً في هذه البلدة. فيها وولد محمد صلى الله عليه وسلم ومضى اربعون سنة من عمره صلى الله عليه وسلم ثم اوخى الله تعالى اليه في غار حراء التي وقعت في جبل النور وجبل النور واقع في مكة المكرمة. فيها بنيان يقال له "بيت الله" هو بيت اسسه سيدنا ابراهيم وابنة اسماعيل على نبينا وعليهما الصلوة السلام قال تعالى في شانه إن اول بيت وضع للناس للذي ببكة مباركا وهدى للعالمين. فيه أيات بينات مقام ابراهيم ومن دخلة كان أمنا وليله على الناس حج البيت من استطاع اليه سبيلا ههنا يجمع الناس في كل سنة لاداء الحج وريارة المقامات المقدسة يطوفون بالبيت ويستلمون الحجرالاسود ويسعون بين الصفا والمروة ويرمون الجمرات الثلاثة قبل الاسلام اهل مكة كانوا يعبدون الاصنام ووضعوا الاصنام في بيت الله لما جاء الاسلام دعا النبي صلى الله عليه وسلم الناس الى عبادة الله وتوحيده

حتى صارواموحدين مخلصين له الدين فيه قال تعالى هوالذى ارسل رسوله بالهدى ودين الحق ليظهره على الدّين كله

يز ورالناس مكة المكرمة لتسكين قلوبهم وقرة عيونهم وقضاء حاجاتهم الدينية - اللهم وفِّقُنا لزيارة هذا البلد الامين آمين-

الرسول الخاتم

الله تبارك وتعالى بعث الانبياء لاحياء الدّين في كل زمان فبعث آدم و نوحاً وابراهيم وموسى وعيسى وغيرهم على نبينا وعليهم الصلوة والسلام وهم بذلوا جهدهم واموالهم وانفسهم في سبيل الله لاحياء الدين فينهم مَن أُودِي ومِنهم مَن أُحُرِجَ مِن بلده ومنهم من قُتِلَ ثم بعث الله تعالى نبينا محمداً صلى الله عليه وسلم لكافة الناس الى يوم القيامة وكانت في العالم قبل ولادة النبي صلى الله عليه وسلم ونور سائر الكائنات بنوره وختم الظلمة به بذل النبي صلى الله عليه وسلم ونور سائر الكائنات بنوره وختم الظلمة به بذل النبي صلى الله عليه وسلم جهداً كثيراً في تبليغ الدين القيم اي الاسلام فأودِيَ

ودعاهم الى سبيل الله بالحكمة والموعظة الحسنة حتى غَلَب دين الاسلام على سائر الاديان السابقة وصار الدين كله لِله

وختم الله النبوة والرسالة ببعثة نبينا محمد صلى الله عليه وسلم كما قال تعالى ماكان محمدٌ أَبَا احدٍ من رجالكم ولكن رسول الله وخاتم النبيين وقال عليه الصلوة والسلام انا خاتم النبيين لا نبى بعدى

المطار

بلدى ملتان هوبلد كبيرو قديم من بلاد باكستان فيه المحطة و موقف السيارات والمطار جاء ابن عمّى من ساهيوال للملاقات في التعطيلات السنويه فاراد يوماً مشاهدة المطار فكنت معة حتى وصلنا الى المطار فرآينا طائرة من قريب هى تهرب قبل الطيران على الشارع وسيره سريع جداً

المطار مكان اهم من امكنة الوطن من حيث الحرب والرابطة بين العالم يكون نظر العدو في ايام الحرب على المطار خصوصاً يريدان يقبضة في ابتداء الحرب

هوذريعة المجئ والذهاب للناس في سائرانحاء العالم في وقت محدود عليه الطائرات موجودة مستعدة في كلّ وقتٍ لاسيّما في مطار الحرب ويعطى المسافرون سهولة كثيرة في اثناء السفر في الطائرة والمطار من حيث الاكل والشرب والجلوس وغيرها افراد الخدمة مستعدون لخدمة الناس في كل وقت ويحفظون متاعهم ويفتشون آمُتِعَتهُمُ الحاصل الطائر والمطار نعمة عظيمة من نِعم الله تعالى والحمدالله على ذلك.

القِطار

اَرَدُنا فى تعطيلات الصيف السفر الى الكراتشى فشاور ناكيف نسافر على السيّارة اوالقِطار فاشار آبِيُ ان نسافر على القطار سهل بالنسبة الى السفر على السيارة.

ايضاً القطار فائدته كثيرة فى الحقيقة التجارة الدولية اعتمادها عليه لولاالقطار لخففت اسواق التجارة لاشك ان السفر زالت مشقاته من اجل القطار كان الناس يسافرون فى قديم الزمان على العجلات و العربات وكانو يقطعون المسافة فى الاسابيع والشهور والقطار سهّل السفر القطار جُريه سريع جداً الناس الآن يسافرون بسهولةٍ فى اقل الوقتِ.

القطار نوعان الأول يركب فيه الناس وينتقلون من بلد الى بلد

ويَـصِـلون الى غاياتهم بسهولةٍ والثانى منهما ينقل البضائع خفيفة كالكسي أوثقيلة نرسل به أمُتِعَتَنَا من كتب واطعمة وغير ذلك.

الورقة الثانية في الحديث والادب العربي

﴿السوال الأول﴾ 1211ه

﴿ الشق الأول ﴾ ﴿ الْبَادِئُ بِالسَّلَامِ بَرِئٌ مِنَ الْكِبَرِيِ آلِا قُتِصِادُ فِى النَّفَقَةِ نِصُكُ الْمَعِيشَةِ ـ ٣ مِنُ حُسُنِ اِسُلَامِ الْمَرُءِ تَرُكُهُ مَالَا يَعْنِيهِ ـ ٤ إِنَّ السَّعِيدَ لَمَنُ جُنِّبَ الْفِتَنِ ـ ٥ إِنَّ الصِّدُق طَمَانِيئَةٌ وَإِنَّ الْكِذُبَ رِيبَةٌ .

مندرجه بالااحادیث پراعراب لگا کرمطلب خیز ترجمه کریں۔ (۲) آخری دوحدیثوں کی ترکیب کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین باتیں مطلوب ہیں (۱) احادیث پر اعراب (۲)احادیث کاتر جمہ (۳) آخری دوحدیثوں کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (١) احاديث يراعراب - كمامر في السوال -

(۲) احادیث کا ترجمہ ۔ اسلام میں پہل کرنے والا تکبر سے پاک ہے۔ ۲ خرچ میں میاندروی اختیار کرنا آدھی آمدنی ہے۔ ۳ آدمی کے اسلام کی خوبی میں سے بیہ کدہ ان چیزوں کو چھوڑ دے جن میں فائدہ نہ ہو۔ مع یقیناً نیک بخت وہ شخص ہے جوفتوں سے دور رکھا گیا۔ ۵ بیشک سچ اطمینان کا باعث ہے اور جھوٹ بے اطمینانی کا باعث ہے۔

ملك جمله اسمي خرميه وكمعطوف معطوف معطوف عليدملكر جمله معطوفه بوا

﴿الشق الثانى ﴾ اللَّكَيِّسُ مَنُ دَانَ نَفْسَهُ وَعَمِلَ لِمَابَعُدَ الْمُوْتِ. وَالْعَاجِزُ مَنُ أَتُبَعَ نَفْسَهُ هَوَاهَا وَتَمَنَّى عَلَى اللَّهِ .

٢ آلَاِثُمُ مَاحَاكَ فِي صَدُركَ وَكَرهَٰتَ أَنُ يُطْلِعُ عَلَيْهِ النَّاسُ

(۱) احادیث مذکوره پراع اب لگا کرز جمه کریں ۔ (۲) احادیث کی تشریح ذکر کریں۔

(۳) نط کشیده جمله کی تر کیب کریں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں چار امور مطلوب ہیں (۱) احادیث پر اعراب (۲) احادیث کا ترجمہ (۳)احادیث کی تشریح۔ (۴) خط کشیدہ جملہ کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (١) احاديث يراعراب : - كمامر في السوال -

ر الما المادیث کا ترجمہ: ۔ ابوشیار آدی وہ ہے جوابی نفس کو بدلہ دے۔ اور عمل کرے اس چیز کیلئے جوموت کے بعد ہے۔ اور بوقوف وہ ہے جوابی نفس کواس کی خواہشات کے چیچے دگائے اور آرز واللہ پررکھے۔ ۲ گناہ وہ ہے جو تیرے دل میں کھنگے اور تو ناپند سمجھ کہ لوگ اس پر مطلع ہوں۔

(۳) احادیث کی تشریخ عظمنداور ہوشیاروہ ہے جواپی نفس پر عالب آئے اور نفس کو اللہ تعالیہ کے حکموں کا مطیع بنادے اور نفس کو جانچتا اور پر کھتا رہے اور اس کو بدلہ دیتا رہے تا کہ گنا ہوں ہے بچارہے۔ اور موت کی تیاری کرے۔ اور عاجز بے بس اور بے وقوف وہ خض ہے جو نفس کی ناجائز خواہشات بھی پوری کرتا رہے اور بغیر نیکی کیے اللہ تعالی ہے بخشش کی امیدر کھے۔ دوسری حدیث کی تشریخ یہ ہے کہ گناہ وہ ہے جو تیرے ول میں کھنگے اور شک اور تر دو بیدا کرے اور دور تری علامت کرے اور دور تری علامت میں کہتے کہ تو لوگوں کے اس پر مطلع ہونے کو ناپند سمجھے کہ اگر اس کام کو کرتے ہوئے جھے دیکھیں گئو کیا کہیں گے۔ یہ گناہ کی علامت ہے۔ دیکھیں گئو کیا کہیں گے۔ یہ گناہ کی علامت ہے۔ دیکھیں گئو کیا کہیں گے۔ یہ گناہ کی علامت ہے۔ دیکھیں گئو کیا کہیں گے۔ یہ گناہ کی علامت ہے۔ دیکھیں گئو کیا گئی تو کو بالیا کی بیان کی بیان کی علامت ہے۔ دیکھیں گئو کیا گئی تا کہیں گے۔ یہ گناہ کی علامت ہے۔ دیکھیں گئو کیا گئی تا کہ مصدر یہ یہ کیلی تو کیا گئی کا خواکشیدہ جملہ کی ترکیب نے گئی گئی ترکیب نے گئی گئی تو کیا ہوئی کا بیان عالی آئی تا صدمسدر یہ یہ کیا گئی تو کیا گئی کا میان عالی آئی تا کیا ہوئی کیا گئی تو کیا گئی کر کیا گئی کہیں گئی تو کیا گئی تو کیا گئی کیا گئی کر کے کہ کیا گئی کیا گئی کر کیا ہوئی کیا ہوئی کیا گئی کو کیا گئی کیا گئی کو کر کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی کو کیا گئی کیا گئی کیا گئی کے کہ کو کیا گئی کر کے کہ کیا گئی کا کو کر کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی کر کو کر کیا گئی کر کے کہ کیا گئی کر کے کہ کو کر کیا گئی کیا گئی کر کو کر کو کر کیا گئی کر کو کیا گئی کر کیا گئی کہ کر کیا گئی کر کے کہ کو کر کیا گئی کر کیا گئی کیا گئی کر کیا گئی کر کے کہ کو کر کیا گئی کر کیا گئی کر کیا گئی کر کیا گئی کیا گئی کیا گئی کر کیا گئی کر کیا گئی کر کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی کیا گئی کر کیا گئی کیا گئی کر کر کیا گئی کر کیا گئی کر کر کیا گئی کر کیا گئی کر کیا گئی کر کی

فعل عَلَى جار و مجرور جار مجرور طرمتعلق موافعل كـ الناس يطّلع كافاعل يطلع فعل اين فاعل الله فعل اين فاعل اورمفعول فاعل اورمفعول به كربت فعل اين فاعل اورمفعول به مربح لم فعلية خريه واربية والم معدر مفعول به كربت فعل اين فاعل اورمفعول به سي ملكر جملة فعلية خريه وا-

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢١ ه

﴿الشق الاول﴾

الله الكلام المسلك الكلام الك

اشعار مذکوره پراعراب نگا کر همیس ترجمه کریں۔خط کشیده الفاظ کی لغوی اور صرفی حقیق کریں۔ (خلاصئر سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں۔(۱) اشعار پر اعراب لگانا(۲)

اشعار کار جمه (۳) خط کشیده الفاظ کی لغوی صرفی تحقیق _

﴿ جوابِ ﴾ (۱) عبارت براعراب حکمامدّ فی السوال -(۳-۲) اشعار کا ترجمه به خط کشیده الفاظ کی لغوی تحقیق - پرچه ۴۲۵ اهسوال

ٹانی کی شق اول میں گزر چکی ہے۔

﴿الشق الثانى ﴿ الشق الثانى ﴿ اللهِ مَنَا الرَّجُلُ الْآمِينُ مَرَةً فِى غَارٍ الْطَبَقَتُ عَلَيْهِ صَخْرَةً فَلَمَّا يَئِسَ مِنَ الْحَيَاةِ دَعَا الله بِهذا الْعَمْلِ الصَّالِح وَقَالَ اللهُمَّ إِنْ كُنُتُ فَعَلْتُ ذَٰلِكَ آَبُتِغَاءَ وَجُهِكَ فَٱكْشِفَ عَنَّا هَذِهِ الصَّخْرَةَ فَاجَابَ اللهُ دَعُوتَهُ وَآعَانَهُ.

(۱) عبارت پر اعراب لگائے۔ (۲) عبارت کا مطلب خیز ترجمہ کیجے۔ (۳) خط کشیدہ کلمات کی لغوی اور صرفی تحقیق کیجے۔

besturdubook (خلاصة سوال)اس سوال مين تين امور مطلوب بين (١) عبارت ير اعراب (۲) عبارت کا ترجمه (۳) خطاکشیده کلمات کی لغوی صرفی تحقیق _

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت يراعراب - كمامر في السوال-

(٢) عبارت كالرجمة: تحقيق داخل مواده نيك آدى ايك دفعه غارين ال كئ اس ك اویرایک چٹان پس جب ناامید ہوگیا زندگی ہے تو اس نیک عمل کے وسیلہ ہے اس نے دعا کی اور كهاا الله الرآب جانة بين كه يمل مين فصرف آب كى رضا طلب كرف كيلي كيا تعاتو اس چٹان کوہم ہے دور کردے پس اللہ تعالیٰ نے اس کی دعا قبول فرمائی اوراس کی مدوفر مائی۔

(٣) خط كشيده كلمات كى لغوى صرفى تحقيق: <u>[نَهُ طَبَهُ قَهُ</u> الأنطباق مصدر (انفعال) بمعنی مل جانا ہے ماضی معروف کا واحد مؤنث غائب کا صیغہ ہے۔ ھے۔ نے پھر کی چان جَعْ صَـخُـرٌ صُـخُورٌ صخرات - آبُتِغَاء بابانتعال سے مصدرے بمعن عامنا۔ إكشف الكشف مصدر (ض) بمعنى كهولنا سام حاضر معروف كاصيغه واحد فدكر حاضر بـ

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢١ه

﴿الشق الأولِ ﴾ دَعَوْتُ الْإِخْوَانَ وَأَرْسَلُتُ الْيَهِمُ يَقُطِفُ الوَلَدُ الرَّهْرَةَ وَيَشُمُّهَا لَاتَدُومُ صَدَاقَةَ اللَّبْيُم -

نیکی جھی بربادنہیں جاتی ۔ میں عربی میں تقریر کروں گا۔ ہجرت سے پہلے مسلمانوں پر برداظلم کیا گیا۔ ندکورہ عربی جملوں کااردو میں اورار دوجملوں کاعربی میں ترجمہ کریں۔

﴿ جُوابِ ﴾ (١) اردو ميں ترجمہ: -بلايا ميں نے بھائيوں کوادران کی طرف پيغام بھیجا میں نے لڑ کا پھول تو ڑتا ہے اور اس کوسونگھتا ہے کمینے کی دوتی ہمیشہ نہیں رہتی ۔

(٢) عَرَ فِي مِنْ لَرْجَمَهُ: لَا يَسْضِينُ عُ البِرُّ أَبَداً. سَاخُطُبُ فِي اللَّغَةِ العَرَبيَّة.ظُلِمَ الْمُسُلِمُونَ قَبُلَ الْهِجُرَةِ ظُلُماً شَدِيُداً ـ

﴿الشيق الثاني ﴾تارول كى چك برن كاشكار عدل وانصاف كرن وال قاضى أيك خور يرار الى خوشگوارموسم بهار ساسلاف ككارنام، (۱)عبارت ندکوره کاعربی میں جمد کرتے حریر کرده الفاظ کے معانی تحریر کریں۔

المرسم الحبر الرخيص السمين اللامع المقمرة الشامخة النشيط.

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دو چیزیں مطلوب ہیں۔(۱) ندکورہ اردو جملوں کا عربی میں ترجمہ(۲) تحریر کردہ الفاظ کے معانی۔

﴿ جُوابِ ﴾ (١) اردوجملول كاعربي ميس ترجمه - لَمُعَسانُ النَّهُومُ صَيْدُ الظَّبُي * اَلْقُضَاةُ العَادِلُونَ * حَرُبٌ دَامِيَةٌ * اَلْفَصْلُ الرَّائِقْ * اَعُمَالُ اَسُلَافِنَا.

(٢) عربي الفاظ كے معانى يہينسل سيابى ستا مونا حيكنے والا جاندنى بلند پھت۔

الورقة الثانية في الحديث والادب العربي

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٠ه

﴿ الشق الأول﴾ لاوَرُعَ كَالْكَثِ - ٢ لَايحِلُ لِمُسُلمِ ان يُروِعَ مُسُلِماً . ٣ لَايحِلُ لِمُسُلمِ ان يُروِعَ مُسُلِماً . ٣ الله في هذه البَهَائِم المُعُجَمَةِ فارُكَبُو اها صالحة وَاتُرُكُو اها صالحة . ٤ لاتنذهب النديا حتى يَمُرُ الرَّجُلُ على الْقَبْرِ فَيَتَمَرَّغ عَلَيْه ويقول يليتنى كُنُتُ مكان صاحب هذا القبر وليس به الدِينُ الاالبلاءُ.

(۱) احادیث کاتر جمه اور مطلب بیان کریں (۲) پہلی تین حدیثوں کی ترکیب نحوی کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) احادیث کا ترجمہ (۲) احادیث کامطلب (۳) پہلی تین حدیثوں کی ترکیب۔

و جواب (۱) احادیث کار جمہ 1 کوئی تقوی نہیں رکنے جیبا۔ ۲ نہیں طال کی مسلمان سے لیے کہ ڈرائے کی مسلمان کو۔ ۳ تم ڈرواللہ تعالیٰ سے ان بے زبان چو پائیوں کے بارے میں بس تم سوار ہوان پراس حال میں کہوہ ٹھیک ہوں اور تم چھوڑوان کواس حال میں کہوہ ٹھیک ہوں اور تم چھوڑوان کواس حال میں کہوہ ٹھیک ہوں ۔ غ (فرمایا نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم نے) دنیا ختم نہیں ہوگی یہاں تک کہ ایک آدی گر رے گا ایک قبر پر تو بلٹیاں کھانے گے گا اس پراور کھے گا کہ اے کاش کہ میں اس قبروالے کی جگہ ہوتا اور یہ دین کی وجہ سے ہوگا۔

ر ۲) احادیث کا مطلب نیبلی حدیث کی تشریح ۱۳۲۴ هغمنی سوال اول کی شق عانی میں گزر چکی ہے۔

(۳) چو پائیوں کے بارے میں آپ ملی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا اس کا حاصل میہ ہے کہ جموکا اور پیاسا ہونے کی حالت میں ان پر سوار نہ ہوا ور ہو جھند لا دو۔ اس وقت سوار ہو جب کہ وہ خوب موٹ تازے ہوں اور جب ان کو چارے وغیرہ کیلئے چھوڑ وتو ان کا خوب خیال رکھو کہ وہ خوب موٹ تازے ہوں۔

(٣) آخری صدیث کا مطلب یہ ہے کہ وہ پرفتن دور ہوگا ہر طرف فتنہ ہی فتنہ ہوگا ایک شخص قبر پر
اس بات کی تمنا کرے گا کہ کاش میں اس قبر میں ہوتا اور اس کی وجہ کوئی دین کی رغبت یا بدعملی کا خوف
وغیرہ نہ ہوگا۔ بلکد نیاوی مصیبتوں اور پریٹانیوں کی وجہ سے دنیا کی زندگی ہے تنگ آ کر بیتمنا کرے گا۔

(٣) پہلی تین حدیثوں کی ترکیب نے آلاورُع آلے آلا حرف نفی جنس وَدُع آس کا
اسم آل حرف جار السے تیت جمرور جار مجرور ملکر متعلق ہوا ثابت مقدر کے ثابت صیفہ اسم فاعل اس
میں ھوشمیر مستر اس کا فاعل اسم فاعل این فاعل اور متعلق سے ملکر شبہ جملہ ہوکر لا کی خبر لا این اسم اور خبر سے ملکر جملہ اسمین خبریہ ہوا۔

٢- لايحل لِمُسُلم الْخُ لَآ حرف فَى يحل فعل مضارع معروف لآم جار مُسلِم مجرور أَنَ ناصبه مصدريد يُسرَوَع فعل اس مِن عوضمير مشتراس كافاعل مسلماً مفعول بغل ايخ فاعل اورمفعول به سي ملكر جمله فعلي خبريد بوكر به تاويل مفرد لا يجل كافاعل لا تحل فعل ايخ فاعل اورمتعلق سي ملكر جمله فعلي خبريد بوا-

٣ إِتَقُو اللَّهُ الْخُ إِتَقُوا فَعَل امر حاضراس بين خمير بارزاس كا فاعل لفظ اللَّه مفعول بد

فى حرف جار هذه اسم اشاره البهائم موصوف المعجمة صفت موصوف عفت المكرمشاراليه اشاره مشاراليه المرجمور جار بحرور مكرمتعلق بوافعل كفعل البينة فاعل اورمفعول به اورمتعلق مسلكر جمل فعليه انشائيه واب

119

﴿ الشق الثانى ﴾ ١٤ الإقتِ صَادُ في النّفقة نصفُ المَعِيْشَة. ٢ التودّد التي النّاس نصفُ العقل. ٣ لاتتخذوا الضَّيُعَة فترغبوا في الدنيا. ٤ ان الدّين بداغريباً وسيعبود كما بدأ فطوبي للغرباء وهم الذين يصلحون ما افسد النّاس من بعدي من سنّتي.

(۱) احادیث کاتر جمداور مطلب بیان کریں (۲) پہلی تین احادیث کی نحوی ترکیب کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) احادیث کا ترجمہ (۲) احادیث کا مطلب (۳) پہلی تین احادیث کی ترکیب۔

جواب ﴾ (ا) احادیث کا ترجمہ الے نے میں میانہ روی آوھی معیشت (آئدنی) ہے۔ ۲ اچھے لوگوں ہے دوتی رکھنا آدھی عقل ہے۔ ۳ مت پکڑہ جائیداد کو کہتم شوق کرنے لگو گے دنیا میں۔ ٤ (فرمایا نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم نے) بے شک دین شروع ہوا تھا اجنبی اور عنقریب لوٹ آئے گا جیسا کہ شروع ہوا تھا ایس خوشخری ہے اجنبیوں کے لیے جواصلاح کریں گے اس چیزی جس کو بگاڑ دیں گے لوگوں میرے بعد میری سنت میں ہے۔

(۲) احادیث کا مطلب بین خرج میں میاندروی اختیار کرنی چاہے۔ صرف خواہ برھانے ہی کی فکرنہیں ہونی چاہیے بلکہ اتن ہی تخواہ میں خرج پورا کرنے کی کوشش کرنی چاہیے یہی آدھی معیشت ہے۔ زندگی گزارنے کار بہترین اور مجرب طریقہ ہے۔

۲ ۔ لوگوں سے مجت کرنا آدھی عقل ہے اس لیے کہ جب آدی لوگوں سے محبت کرے گا تو لئوائی جھڑے کرے گا تو لئوائی جھڑے سے بچا لئو اپنی جھڑے سے بچا لئوائی جھڑے سے بچا رہے ہے اور پوری عقل ہورے دین پڑل کرنے سے ہوگی جس میں حقوق العباداور ۔ حقوق الله بھی ادا کیے جا کیں ۔

ے۔لفظ''ضیعه ''دومعنی میں آتا ہے پیشہ۔جائیداد۔اگر پہلامعنی ہوتو مطلب بیہوگا کہ
ایسا پیشہ نہ پکڑو کہتم دنیا ئے بیچے لگ جاؤ اور تہاری آخرت برباد ہوجائے۔مثلاً سودی کاروبار یا
کوئی ناجائز پیشہ نہ اختیار کرد۔ اور اگر دوسرامعنی لیاجادے جیسا کہ عام طور پرلیاجاتا ہے تو پھر
مطلب بیہوگا کہ جائیداد کے پیچے ایسے نہ لگو کہ دنیا ہی کی طرف مائل ہوجاؤ اور آخرت بھول جائے
۔اس کا بیمطلب نہیں کہ جائیدادوالا ہونا کوئی عیب یا گناہ ہے بلکہ اس کا مطلب بیہ ہے کہ خدا تعالیٰ
کونہ بھولو۔اورجائیدادے بیچے بیٹر کرانی آخرت خراب نہ کرلو۔

ا قامت اور جمایت کے اس جدیث شریف میں یہ بیان کرنا مقصود ہے کہ اسلام اپنے ابتدائی دور میں اپنی اقامت اور جمایت کے بیروکار بہت تھوڑ ہے سے اور جمایت کے بیروکار بہت تھوڑ ہے سے اور آپس میں قبائل میں بھی نزاع تھا۔ یہ سمیری کی طرف اشارہ ہے۔ اور فر مایا خیرز مانہ میں بھر ایسے ہی ہوجائے گادین اسلام پر بہت کم لوگ ہی قائم رہ جا کمیں گے۔

صاحب مظاہر حق نے لکھا ہے کہ اسلام کی ابتداء غریبوں سے ہوئی ای طرح آخریس بھی غریبوں سے ہوئی ای طرح آخریس بھی غریبوں میں بی الفویاء کے بعد ہم الذین یصلحون الخ سے غرباء کی تشریح کی گئی ہے غرباء سے مراد نادار نہیں بلکہ دہ لوگ مراد ہیں جوفساد کے زمانے میں سنتوں کی اصلاح کی کوشش کریں گے۔

الفقة على المال الماديث كى تركيب القتصادة مصدر موصوف في حرف جار الفقة بحرور جار بحرور بعد المعتمل المعتمل المعتمل المعتمل المعتملة مضاف المعتملة مضاف المعتملة مضاف المعتملة مضاف المعتملة المع

<u>التودّه</u> مصدر موصوف الى حرف جار السناس مجرور جار مجرور طرمتعلق بواالثابت كالثابت التودّه مصدر موصوف الى حرف جار السناس على المرتبطل المرتبط ال

<u>٣ لاتتخذوا المعلى نمي خمير بارزاس كافاعل المضيعة</u> مفعول بغل اين فاعل اورمفعول المستعدة مفعول بغل اين فاعل اورمفعول بسي ملكر نبى ما جوابي ترغبوا فعل مضارع خمير بارز فاعل في حرف جار الدُّنيا مجرور جاري ورملكر متعلق بوافعل ك فعل اين فاعل اورمتعلق سي ملكر جمله فعليه خبريه بوكر جواب نبى نبى اين جواب سي ملكر جمله فعليه افتائيه وا

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٠ ه

﴿ الشق الأول﴾فانى غريب فى هذا البلد هذا الحذاء واسع قليلا سَلَّ السيف من غمده رجل أتاه الله مالاً فسلّطه على هلكته فى الحق الْفَهُ بُ فَاحْتَطِبُ وَبِعُ وَلَا آرَيَنْكَ خَمُسَةً عَشَرَ يَوُماً الكل حى من احياء البلد ساع رجال البريد يَرُتَدُون حُللاً ويحطِونَ حقائِبَ ويركَبُون دَرَّاجاتٍ.

(۱) ترجمہ کریں (۲) خط کشیدہ عبارت پر اعراب لگائیں (۳) سب ہے آخری جملہ کی ترکیب کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين تين امور حل طلب بين (۱) ترجمه (۲) خط كشيده عبارت پراعراب (۳) آخرى جمله كي تركيب _

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارات کا ترجمہ ایس میں مسافر ہوں اس شہر میں ۔ یہ جوتا کچھ کھلا ہے۔ اس نے تلوار کو تھینچاس کی میان سے۔ وہ آدی جس کواللہ نے مال دیا اور انصاف سے خرج کرنے پراسے مسلط کر دیا۔ جا اور کھڑیاں اکٹھی کر اور بچے اور میں تجھ کو پندرہ دن تک ہرگزنہ دیکھوں۔ شہر کے کلوں میں سے ہرمخلہ کے لیے ایک ڈاکیا ہوتا ہے۔ ڈاکنا نہ والے مخصوص جوڑے بہتے ہیں اور چڑے کے تھیلے اٹھاتے ہیں اور سائیکلوں پرسوار ہوتے ہیں۔

(٢) خط كشيره عبارت براعراب - كمامر في السوال-

رجال مضاف البريد مضاف البرمنعول برسط مضاف البرمنعول بربيد مضاف البرمنعوف عليه واق عاطفه بحملون فعل بافعل حقائب مفول به فعل ملكر جمله فعلية جربية وكرمعطوف عليه واق عاطفه بحملون فعل بافعل حقائب مفول به فعل

این فاعل اورمفعول به سے ملکر جمله فعلیه خربیه بوکرمعطوف اول و اق عاطفه بسر کَبُونَ فعل بافعل مَدَّ اَجَبَات مفعول به مفعول به سے ملکر جمله فعلیه خربیه بوکرمعطوف تافی معطوف علیه این معطوف است سے ملکر خرام بنداخ بر ملکر جمله اسمیه خربیه بوا۔

﴿الشق الثاني﴾

والجود سِتُر صالح مِن كسرم الآعسراق والغدر شرّشِيُمة لاسَيِّمَا السُّرُورِ من حذر المفواتِ لاتَكُ عنها مُمُسِكا البخل عيب فاضح طهارة الآخسلاق الكذب والنسميمة تسان في الأمور واعجل الى الخيرات مسالك غير نسفسك

(۱) ترجمه اورمطلب بیان کریں (۲) شاعر کا نام تکھیں۔ (۳) خط کشیدہ شعرنمبر م اعراب لگا ئیں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں چارامورمطلوب ہیں (۱) اشعار کا ترجمہ (۲) اشعار کا نمطلب (۳) شاعر کا نام (۴) خط کشیدہ شعر پراعراب۔

﴿ جوابِ ﴾ (۱) اشعار کاتر جمه: ـ

سخاوت بہترین پردہ ہے فاندانی شرافت کا ایک حصہ ہے اور خیانت بری عادت میں سے ہے فاص طور پر فوقی کے موقد پر آپ سے بابر نہ و فوت ہوجانے کے اندیشے سے اس کی طرف سے لا پرواہ نہ رہو

بخل رسوا کرنے والا عیب ہے سخاوت بہ اخلاق کی پاکیزگی خاندانی شراہ مجموث اور پہنلخوری اور خیانت بر ہم کام میں جلد بازی سے بچو خاص طور پر نوثی نیک کاموں میں جلدی رکر فوت ہوجا۔ آئیک کاموں میں جلدی رکر فوت ہوجا۔ آئیک کاموں میں جلدی رکر فوت ہوجا۔ اس کی طرف تر کی میں کے۔

(س) شاعر کا نام: ابوالعتاهیة اسماعیل بن القاسم به (س) شعر نمبر م پراعراب: رجیها کرر چکا ہے۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٠ ه

﴿ الشق الاول ﴾ ... خالى جكه يركري اور بحرته جم كري _

هَبَّتُ رِيح <u>عُاصِفُ وقلعت الاشجار</u>- توضأت البنتانِ <u>وصَلَّتَا</u> صلوة الفجر- دخل على الامير رجال <u>و حَلَسُوُا</u> طويلًا-

عربی میں ترجہ کرو لڑکیوں کو پردہ کا حکم دیا گیا اور بازار جانے سے روک دی گئیں۔ آپ اس خبر سے ضرور خوش ہوں گے۔ کیاتم آج سبق کا ناغہ کرو گے؟

(خلاصة سوال) اس سوال ميس تين امور مطلوب بيں _(۱) خالى جگه پر كرنا (۲) عربي جملوں كارد در جمه (۳) اردوجملوں كاعربي ترجمه_

﴿ جواب ﴾ (۱) خالى جكة _ روال من بركردى كى بين (جس ك في كير لكاى كى م) _

(٢) عربي جملون كا اردوتر جمد - ييز بوا على اوراس في درخون كوا كمار ديا-دو

الركول نے وضوكيا اور فجر كى نماز برطى - امير كے پاس لوگ آئے اور كافى ديرتك بيٹھے-

(m) اردوجملول كاعر في ترجمه: البنسات أمِنُ بسالحجاب ومُنِعُنَ عن

الذِّهَابِ إِلَى السُّوق صِرُتُمُ مَسُرُورِين من هذا الخبر. آلاتقرءُ وَن الدرس اليومَـ

﴿الشق الثاني ﴾ ... مندرجة بل الفاظ كمعالى الكمو

الفحِّ الناضج المُغللُ الرائق الفَحْفَحَة الخشخشة .

ذيل من درج الفاظ كاعربي من ترجمه كرو_ دوده دين والى مندواند تهذيب كهاس

مهك مهربان خوزيز

﴿جواب﴾

| الخشخشة | الفخفخة | الرائق | المُظِلّ | الناضج | ' الفِجّ | الفاظ |
|---------------|---------|-------------|----------|--------------|----------|-------|
| ككت يث كيآواز | ئيپڻاپ | خوشگوار دکش | مابيدار | پکاہوا۔ پختہ | کيا | معانی |

sturdubool

الفاظ وووه دين والى بندوانتهذيب كهاس مبهك مبريان خونريز معانى المتلوب المعارة البندي الكلا العرف المتنون الدّامية

الورقة الثانية في الحديث والادب العربي

والسوال الأول (131هـ الأول) الأول (131هـ الأو

﴿الشَّقَ الْأُولَ﴾ 1لَيُسَ الْمُؤْمِنُ بِالطَّعَانِ وَلَا بِاللَّعَانِ وَلَا الْفَاحِشُ وَلَا الْبَذِيُّ. ٢َلَيْسَ الْغِنَى عَنُ كَثُرَةِ الْعَرِضِ وَلَكِنَّ الْغِنَى غِنَى النَّفُسِ. ٣ لَيُسَ الْمُؤْمِنُ بِالَّذِى يَشُبَعُ وَجَازُهُ جَآئِعٌ إلى جَنُبِهِ.

(مندرجه بالا احادیث کا واضح ترجمه کریں۔ (۲) خط کشیدہ الفاظ کی لغوی تحقیق کریں۔ (۳) تمام احادیث پراعراب لگائیں (۴) پہلی حدیث کی ترکیب کریں۔

(خلاصۂ سوال)اس سوال میں جارامور مطلوب ہیں (۱) احادیث کا ترجمہ (۲) خط کشید والفاظ کی لغوی تحقیق (۳) احادیث پراعراب (۴) پہلی حدیث کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) احادیث کا ترجمہ: ۱ مؤمن طعنددینے والانہیں ہوتا اور ندلعنت کرنے والا ہوتا ہےاور ندگناہ کرنے والا یافخش گوئی کرنیوالا اور ندیے کاربات کرنے والا۔

<u>۲</u> دولت مندی مال کی کثرت سے نہیں ہوتی بلکہ دولت مندی دل کاغنی ہونا ہے۔ *

<u>٣ وہ شم کامل مؤمن تبیں جو خود سر بوکر کھا</u>ئے اور اس کا پڑوی اس کے پہلویس بھو کا بو۔ (۲) خط کشیدہ الفاظ کی لغوی تحقیق: - طبق آن: السط عن مصدر (ف-ن) نیز ہ

مارنا- "طَعَنَ فِي الرجل" عيب لكانا- "طعن عليه" طعن مارنا- اس عم الغركاميغه

بہت زیادہ طعنے والا لَعَّان : لَعُناً مصدر (ف) بمعنی لعنت کرنا کالی دینا سے مبالغہ کا صیغہ بے بہت زیادہ لعنت کرنیوالا۔

الفَاحِش : فُحُشاً معدر (كُنْ) بمعنى مدے رُنا الله الله كا واحد فركا معنى مدے رُنا الله كا واحد فركا معنى مدرے معنى بركات معدرے معنى بركات معدرے معنى بركات كرنا ديك والا بَدَا يَبُدُو بُدُوّا (ن) فحش بكنا بدُو يَبُدُو بُذَاءة (ك)

خش گوہو**تا**۔

(٣) احاديث يراعراب: حكمامر في السوال-

(٣) ببلى عديث كى تركيب - لَيُسَ فعل ناقع المؤمن ال كااسم با زائده الطعان معطوف عليه واق عاطفه لا زائده برائة كيد با زائده بالغان معطوف واق عاطفه لا زائده البذى معطوف معطوف واق عاطفه لا زائده البذى معطوف معطوف علية تمام
﴿الشَّـقَ الثَّاثَى﴾ …… مَنُ تَشَبَّـهَ بِقَوْمٍ فَهُوَ مِنْهُمُـ ٢ مَنُ اَرَادَ الُحَجَّ فَلُيُعَجِّلُ <u>٣</u>مَنُ جَهَّـز غَــازِياً فى سَبِيُلِ اللهِ فَقَدُ غَزَا وَمَنُ خَلَفَ غَازياً فِى اَهُلِهِ فَقَدُغَزَا ـ

(۱) حدیث نذکورہ کی تشریح اور ترجمہ کریں۔ (۲) متیوں احادیث پر اعراب لگا کیں۔ (۳) متیوں احادیث کی ترکیب کریں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں جار امور مطلوب ہیں۔ (۱) احادیث کا ترجمہ (۲)اعادیث کی تشریح (۳)اعادیث پراعراب(۴)اعادیث کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (1) احادیث کاتر جمہ آب ہوکی قوم کے ساتھ مشابہت اختیار کرےگا وہ انہی میں سے ہوگا۔ ۲ جس آدی نے جج کا ارادہ کیا ہیں وہ جلدی کرے۔ ۳ جس نے تیاری کرائی جہاد کے لیے جانے والے کو اللہ کے رائے میں تو اس نے خود جہاد کیا۔ اور جواچھا اصلاح کرنے والا بتااس کے اہل (گھروالوں) میں تو اس نے بھی خود جہاد کرلیا۔

(۲) احادیث کی تشریح : اجوآ دی کمی قوم (مومن یا کافر) کی مشابهت اختیار کرتا ہے گناہ میں یا نیکی میں تو گناہ یا تو اب کے اعتبار ہے وہ ای قوم میں ہے شار ہوگا۔ اس مشابہت سے مراد عام ہے خواہ شکل وصورت میں ہویا لباس میں اس لیے جو ہر وقت پینٹ کوٹ ٹائی پہن کر رکھتے ہیں ان کے بارہ میں سخت خطرہ ہے وہ غیر مسلموں کے ساتھ شار نہ کر لیے جاویں۔
ساتھ شار نہ کر لیے جاویں۔

Desturdubooks.Nordoress.com جلدی کرنی جاہیے کیونکہ موت کاعلم نہیں کب آ جائے۔ فج اس کے ذمہ نہ رہ جادے۔اورا گر فج فرض پہلے کر چکا ہے تواب ج نفل ہے پھر بھی جلدی کر لیزا جا ہے ایک حدیث یا ک کامنہوم ہے کہ چ اور عمره کر کیونکه بیدونو ل فقراور گناموں کوختم کر دیتے ہیں۔

> ٣ جس آ دى نے دوسرے آ دى كو جهاد كے ليے تيار كيا خواہ خرچ دے كريا ترغيب ديكراس كو بھی جہاد کا تواب ملے گاای طرح جو کسی کی جگداس کے مال اور الل کی حفاظت اور خدمت کے لیے تھبرااوراس کواس نے جہاد کے لیے بھیجے دیااس پیچھے تھبرنے والے کو بھی جہاد کا ثواب ل جائے گا۔

(٣) احاديث پرِ اعراب: - كمامرٌ في السوال -

(٣) احاديث كي تركيب : 1 مَنَ اسم جازم مضمن معنى شرط تشبّه فعل اس مين عوضمير مستراس كافاعل بساحرف جار قدوم جرور جار جرور ملكر متعلق بوافعل في على اين فاعل اور معلق عد ملكر جمله فعليه خربيه وكرشرط فسآجزائيه هُوَ مبتدا مِنَ حرف جار هُمَ مجرور جار جرورملكرمتعلق موا كائن مقدرك كائن صيغداسم فاعل اس مين هؤ ضمير مستراس كا فاعل اسم فاعل ا ہے فاعل اور متعلق سے ملکر شبہ جملہ ہو کر خبر' مبتدا خبر ملکر جملہ اسمیہ خبریہ ہو کرجز ا'شرط اپی جزا ہے لمكرجمله فعليه شرطيه بوإر

٢ مَنَ شرطيه أَدَادَ فعل موضمير مشتراس كافاعل السصّع مفعول بفعل اين فاعل اور مفول بد علكر جملة فعلية خريه موكرشرط فليعجل فآجزائي ليعجل امراس مس فوضيرمستر اس کا فاعل فعل این فاعل سے ملکر جملہ فعلیہ انٹائیہ ہوکر جزاء شرط جز المکر جملہ شرطیہ ہوا۔

<u> مَنَ شرطیه جَهَّزَ فعل اس میں موخمیر متراس کا فاعل غازیاً مفعول به فی حرف </u> جار سبيل مضاف لفظ الله مضاف اليه مضاف مضاف اليدلكر بحرور جار بحرور المكرمتعلق مواجَر ے منعل اپنے فاعل مفعول بداور متعلق سے ملکر جملہ فعلیہ خبریہ ہوکر شرط فیسے جزائیہ قید کرائے تاكيديا تحقيق غيرة فعل أس مين هوخمير مشتراس كافاعل فعل فاعل ملكر جمله فعليه خربيه وكرجزا شرط وجس لكرجمله شرطيه بهوا _

م واق استينا فيه مَنَ شرطيه خَلَق تعل موغمير متقراس كافاعل غازياً مفعول به في حرف جار اهل مضاف و صميرمضاف اليه مضاف مضاف اليدمكر محرور جار مجرور مكرمتعلق موا خلف کے فعل اینے فاعل مفعول بداور متعلق سے ملکر جملہ فعلیہ خبرید ہو کرشرط فل جزائیہ قل برائے تاكيد غيزا فعل موخمير متغتراس كافاعل فعل فاعل ملكر جمله فعليه خربيه بوكرجزاء شرط جزا المكرجمله

﴿السوال الثاني﴾ ١٤١٩ه

﴿الشق الأول ﴾....

ان الفراش الناعما نمياحبيبى سالمآ راح النهار واحتجب واليل بالامن اقترب

ندم أمدندا ندم أمدنك

فيه تنام دائساً

نَــهُ امِـنــاً نَــهُ امـنــا

معنه العثناء والتعب

في حفظ مولانا الصمد

(۱) اشعار مٰدُورہ کا سلیس ترجمہ کریں (۲) خط کشیدہ الفاظ کی لغوی محقیق کیا ہے۔

(٣) تيسر عشعر کي ترکيب بھي ضروري ہے۔

باتت عصافير الغَرَدُ

(خلا صرّ سوال) اس سوال میں تین امورمطلوب ہیں (۱) مٰدکورہ اشعار کا تر جمہ (۲) خط كشيده الفاظ كى لغوى تحقيق (٣) تيسر في شعر كي تركيب.

﴿جواب ﴾ (١) اشعار كاترجمه:

بے شک نرم ونازک بسر سوجاا مير عبيب سلامتي كماته دن چلا گيا اور حيي گئي اور رات امن کے ساتھ قریب آھئی جیجهانے والے بیندول نے رات گزاردی

تو اس پر ہمیشہ سوتا ہے اطمينان سيسوجا اطمينان سيسوجا اں کے ساتھ تھکن اور مثقت اطمينان سے سوجا اطمينان سے سوجا ہارے بے نیاز مولاکی حفاظت میں

(۲) خط کشیده الفاظ کی لغوی تحقیق - ناعماً نَعِمَ (س) سے اسم فاعل ملائم ہونا یکی فئم (س) سے اسم فاعل ملائم ہونا یکی فئم (ک) سے زم ونازک ملائم ہونا ۔ تنام النوم مصدر (س) سونا سے مضارع کا واحد مذکر طاخر کا صیغہ ہے۔ سالماً السلامة مصدر (س) سے بمعنی سلامتی اور نجاب پانا سے اسم فاعل کا واحد مذکر کا صیغہ ہے۔ احتَجَبَ الاحتجاب مصدر (افتعال) چھپنا سے ماضی کا واحد مذکر غائب کا صیغہ ہے۔ الفَرَد مصدر ہے باب تم یسمع سے بمعنی پرندے کا گانے کی آواز بلند کرنا۔

(٣) تيسر عشعر كى تركيب - رَاعَ فعل المنهار فاعل نعل فعل فعل معاليه خريه وكرمعطوف عليه واق حرف عطف إحديم تعلل معه مضاف اليه لمكرمفعول فيه المعنداء معطوف عليه واق حرف عطف التعب معطوف معطوف معطوف عليه للكرا جب كا فاعل فعل البيخ فاعل اورمفعول فيه سع ملكر جمله فعليه خبريه وكرمعطوف معطوف عليه البيء معطوف سعطوف عليه البيء معطوف سعطوف عليه البيء معطوف سعطوف عليه البيء معطوف عليه البيء معلم البيء معلم البيء معلم البيء معلم البيء البيء البيء معلم البيء البيء البيء معلم البيء ا

﴿الشق الثاني﴾

ولى الظلام هاربا شكرا عظيما واجبا فيه الامور باسمه على الغصون قائمه

اشرقت الشمس وقد فالشكر لِله الاحد مااحسن النورُارى والطير تشدو سحراً

اشعار مذکوره کاسلیس ترجمه کریں۔ خط کشیده الفاظ کی لغوی تحقیق کریں۔ پہلے شعر کی ترکیب کریں۔
(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں۔ (۱) اشعار کا ترجمہ (۲) خط

کشیده الفاظ کی لغوی شحقیق (۳) پہلے شعر کی ترکیب

﴿ جواب ﴾ (۱) اشعار کا ترجمه (۳) پہلے شعر کی تر کیب: _ دونوں امر۱۳۲۳ ھ سوال ٹانی کی ثق ٹانی میں گزر چکے ہیں _

(۲) خط کشیده الفاظ کی لغوی تحقیق آ آشر آقت اشراق مصدر (انعال) سے بمعنی

آ فآب كاطلوع مونا چكناس ماضى كاوا حدمؤنث غائب كاصيغه ہے۔ وَ السبب التولية مصدر

(تفعیل) سے بمعنی بھا گنا بیٹھ پھیرنا ور بونا سے ماضی کا واحد ند کرغائب کا صیغہ ہے۔ ھَارِ بِگَ الھر بمصدر (ن) بھا گنا ہے اسم فاعل کا واحد ند کر کا صیغہ ہے۔ تَشُدُوَ شدا یشدو شدو آ (ن) چپجہانا سے مضارع کا واحد مؤنث غائب کا صیغہ ہے۔ الْفَصُونَ جمع ہے عُصُن کی جمعن ہمی الفیصل کی جمع آتی ہے۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٩ه

﴿الشق الاول﴾ورج ذيل جملون كى عربى بنائين ـ

کھیل میں ہرگز وقت ضالع نہ کروئم دونوں ایک ساتھ ہرگز نہ کھیاو۔کوئی شخص اپنے بھائی کی ہرگز غیبت نہ کرے۔وہ لوگ تمہارے کمرے میں ہرگز داخل نہ ہوں۔اسراف سے بچو ہرگز فضول خرجی نہ کرو۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين صرف ايك امر مطلوب بدرج ذيل جملوں كى عربى -﴿ جواب ﴾ اردوجملوں كى عربى : _

لاتُضيعُنّ آوُقَاتَكم في اللّعِبِ. لَاتَلُعَبَانِ معاً. لَا يَغْتَابَنَّ احدٌ آخَاهُ. أُولَئِكُ النَّاسُ لَا يَدُ خُلُنَّ فِي غُرُفَتِكُمُ إِجُتَنِبُوا الْإِسْرَافَ وَلَا تُبَذِّرُنَّ.

﴿ الشق الثانى ﴾حن اخلاق كے بارے میں كم ازكم دس جملوں پر شمل عربی مضمون تكویں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں صرف ايک امر مطلوب ہے۔ حسنِ اخلاق پر عربی مضمون۔ ﴿ جواب ﴾ اس سوال کا جواب پر چہ ۴۲۵ اھ سوال ٹالٹ کی شق ٹانی میں گزر چکا ہے۔

الورقة الثانية في الحديث والادب العربي

﴿السوال الأول﴾ ١٤١٨ه

 وان استغنى عنه اغنى نفسه. ٥ اِتَّقُوا اللَّهَ فِيُ هذهِ الْبَهَائِمِ الْمُعُجَمَةِ فَارُكَبُوُ اَهِل صَالِحَةً وَاتُرُكُوٰ اهَا صَالِحَةً.

احادیث کا ترجمہاورتشریح کریں۔ پہلی حدیث کی تر کیب کریں۔اورآ خری حدیث پر اعراب لگا ئیں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چار امور مطلوب ہیں (۱) احادیث کا ترجمہ (۲)احادیث کی تشریح (۳) پہلی حدیث کی ترکیب (۴) آخری حدیث پراعراب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) احادیث کاتر جمہ: ۱ جگہوں میں سے سب سے پندیدہ جگہیں اللہ کے زو کی مبحدیں ہیں۔ بر بیز گاری شل رکنے کے سے بیٹک اولا دبخل اور بزولی کا سبب ہے۔ ہے بہترین آ دی وہ دین میں سجھ رکھنے والا ہے اگر اس کی طرف احتیاج ظاہر کی جائے تو ہ فع پہنچائے اور اس سے بے پراوہی اختیار کی جائے تو وہ اپن آپ کو بے پرواہ رکھے۔ کا اللہ تعالیٰ سے ڈروان بے زبان چو پاؤں کے بارے میں پس سوار ہوتم ان پراس حال میں کہوہ ٹھیک ہوں۔

(۲) احادیث کی تشریخ اسب سے زیادہ پندیدہ جگہیں اللہ کے ہاں معبدیں ہیں کے ونکہ معبد میں انسان گناہ نہیں کرتا بلکہ نیکی کرتا ہے۔ اور معبدیں اللہ کی رحمت اور فرشتوں کے نازل ہونے کی جگہیں ہیں۔ میں کا لکھ اس حدیث کی تشریخ پر چیہ ۱۳۲۲ھ منمی سوال اول کی شق ٹانی میں گزر چک ہے۔ میں اولاد کے ساتھ آدمی کو اتنی محبت ہوتی ہے کہ اس کے لیے مال بچا تار بتا ہے اور لڑ ائی وغیرہ میں زیادہ حصنہیں لیتا۔ لہذا اولاد بخل اور بزد کی کا سبب ہوئی۔ میں اس حدیث کی تشریخ عدیث کی تشریخ کا سبب ہوئی۔ میں اس حدیث کی تشریخ عدیث اول میں گزر چکی ہے۔ میں اس حدیث کی تشریخ میں اول میں گزر چکی ہے۔ میں اللہ اول میں گزر چکی ہے۔ میں اللہ کی شریخ ہے۔

ملكر جملها سميذ خبريه هوابه

(٣) آخري مديث يراع اب عمامر في السوال-

﴿ الشق الثانى ﴾ سُكِلًا تِيَنَّ عَلَى النَّاسِ رَمَانٌ لَا يَبَقَى اَحَدٌ إِلَّا الْكِلُ السِّقِ الثَّانِ كَمُانٌ لَا يَبُقَى اَحَدٌ إِلَّا الْكِلُ الرِّبُوا فَالِنُ لَمُ يَبَّا كُلُهُ أَصَابَهُ مِنُ بُخَارِهِ ٢ لَا تَذُهَبُ الدُنْيَا حَتَّى يَأْتِى عَلَى النَّاسِ يَوُمٌ لَآيَدُرِى النَّقَاتِلُ فِيْمَ قَتَلَ وَلَاالْمَقْتُولُ فِيْمَ قُتِلَ فَقِيلَ كَيْفَ يَكُونُ ذُلِكَ قَالَ الْهَرَجُ الْقَاتِلُ وَالْمَقْتُولُ فِي النَّارِ .

ا حادیث کاتر جمہ کیجئے۔اعراب لگائے۔خط کشیدہ الفاظ کے صیغے تحریر کیجئے۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) احادیث کا ترجمہ (۲)احادیث پراعراب(۳)خط کشیدہ الفاظ کے صیغے۔

جواب ﴿ جواب ﴾ (۱) احادیث کا ترجمہ المحدیث نمبرا کا ترجمہ پر چہ ۱۳۲۳ھ کے سوال اول کی شق طانی میں گزر چکا ہے۔ ۲ ونیا اس وقت تک نہیں ختم ہوگی یہاں تک کہ آئے گالوگوں پر ایک دن کہ نہیں پتہ ہوگا قاتل کو کہ اس نے کس وجہ سے قبل کیا ہے اور نہ ہی مقول کہ کہ وہ کس وجہ سے قبل کیا گیا ہے۔ صحابہ کرام نے عرض کیا کہ یہ کسے ہوگا تو فر مایا کہ وہ فقنہ ہے۔ قاتل اور مقول جہنم میں جا کیں گیا گے۔

(٢) احاديث يراعراب - كمامر في السوال-

(۳) خط کشیده الفاظ کے صیغے: ۔ آھے۔ آب الاصابۂ مصدر (انعال) ہے بعنیٰ پنچنا ماضی کا واحد مذکر غائب کا صیغہ ہے۔ آب الدرایۃ مصدر (ض) بمعنی جاننا ہے مضارع کا واحد مذکر غائب کا صیغہ ہے۔ قَدَّالَ الْقَتْلُ مصدر (ن) قُل کرنا ہے ماضی کا واحد مذکر غائب کا صیغہ ہے۔ ' مضارع کا ئب کا صیغہ ہے۔'

﴿السوال الثاني﴾ ١٤١٨ ه

﴿ الشق الأول ﴾ ﴿ وقربت قبيلة من قريش جفنة مملؤة دما ثم تحالفت مع قبيلة اخرى على الموت وادخلو ايديهم في ذلك الدم وقالو

لانترك هذا الشرف اونموت وكان هذا شراكبيرا وخطرا عظيما والموت شيئ هين للعرب فنى سبيل الحق والشرف اذا لابد من الحرب والحرب مشئومة جداً.

اعراب لگائیں۔عبارت کا ترجمہ کریں۔خط کشیدہ الفاظ کے صیغے تحریر کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں۔ (۱) عبارت کا ترجمہ (۲)عبارت پراعراب(۳)خط کشیدہ الفاظ کے صیغے۔

چواب (1) عبارت کا ترجمہ قریش کا ایک قبیلہ خون کا بھراہواایک بیالہ لے آیا۔ اور دوسر نے قبیلہ خون کا بھراہواایک بیالہ لے آیا۔ اور دوسر نے قبیلہ کے ساتھ موت پرقتم کھائی اور اپنے ہاتھوں کو اس خون میں ڈالا اور انہوں نے کہا ہم مرجا کیں گے لیکن میشرف نہیں چھوڑیں گے۔ بیا یک بڑا فتنداور عظیم خطرہ تھا۔ اور اہال عرب کے نزدیک حق اور شرف کے رائے میں موت بہت معمولی چیز تھی۔ تب تو جنگ ہوئی ضروری تھی۔ اور جنگ بہت منحوس ہے۔

(۲)عبارت پراعراب (۳)خط کشیده الفاظ کی تحقیق ـ پر چه ۱۳۲۲ میروال تانی ک ثق تانی میں گزر بچے ہیں ۔

﴿الشق الثاني﴾

اشرقت الشمس وقد ولّدى الطلام هاربا فالشكر لِلّه الاحد شكراً عظيما واجبا مالحسن النور الى فيه الامور باسمه والمعسن النور الى فيه الامور باسمه والسطير تشدو سحراً على الغصون قائمه والسطير تشدو سحراً على الغصون قائمه اشعاركا حج ترجمه كركاع ابراكا كي اور كيل دواشعاركي تركيب كسي (ا) اشعار پر اعراب (خلاصة سوال) اس سوال مين تين امور مطلوب بين (۱) اشعار پر اعراب (۲) اشعاركا ترجمه (۳) پيل دوشعرول كي تركيب (۲) اشعاركا ترجمه الى مال كينول اموركا جواب پر چه ۱۳۲۳ ها كيوال نانى كي ش نانى

مين وضاحت سي كزر چكا ہے۔ فَلْيطالعُهُ

﴿السوال الثالث ﴾ ١٤١٨ ه

﴿ الشق الاول ﴾ زمزم كاكوال اوراس كا پانى _ ١ انبياء كى بعث اوران كے پيغامات _ ٣ موسم خوشگوار ہے _ ٢ عامد نے اذان سي اور بچول كو جاگيا _ سي اور بچول كو جاگيا _

ايَـقُطِفُ الوَلَدُ الرِّهُرةَ وَيَشُمُّها عَمَارَبحَتُ تجارتنا في العام المَاضِيُ عَلَمَا الْمَاضِيُ عَلَمَا الْمَاضِيُ عَلَمُ الْمَاضِيُ الْمَرُوا اللَّلِيَ عَبُدُوا اللَّله عَلَيْ الْمَلَّذِ المَوَّمن مِنْ جُمَدٍ مرّتين عَيُختبر الصَّدِيقُ عَنُد بَلِيَّةٍ عَرَاً مُرُاهَلَك بِالصَّلوَةِ واصُطَبِر عَلَيْها عَنْد بَلِيَّةٍ عَنْد بَلِيَّةً عَنْدَ بَلِيْ عَلَيْهِ عَنْهُ عَنْدُ اللَّهُ عَنْهُ عَنْدُ بَلِيَّةً عَنْدَ بَلِيَّةً عَنْدَ بَلِيْكُ عَلَيْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ لَهُ اللَّهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَالِمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَنْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَالْمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلِيْهُ عَلِيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْ

مندرجه بالااردوجملون كاعرني مين اورعرني جملون كااردومين ترجمه كرين

﴿ جُوابِ ﴾ (١) اردوجملول كاعر بي ميّل ترجمه: - ١ بِستُسرُدَمُسزِم وَمَساءُهُ-٢ بَعْثَةُ الْاَنبِيَساءِ وَرِسَسالَاتُهم. ٣ الـمَسْظُرُبَهِينِجٌ- ٤ الآوُرَاقُ خسضراءُ- ٥ السِّسظامُ الْاِسُلامِيُّ رحمةٌ. [سَمِعَ حَامدٌ ٱلْآذَانَ وآيفَظَ الْآطُفَالَ-

ر کا عربی جملوں کا اردو میں ترجمہ ۔ الڑکا پھول توڑتا ہے اور اسے سوگھتا ہے۔

مریں۔ میں مومن ایک سوراخ سے دومر تبنیں ڈ ساجاتا۔ ۵ دوست مصیبت کے وقت پر کھاجاتا ہے۔

اورائے گھر والوں کونماز کا حکم کراورخود بھی اس پر قائم رہ۔

﴿ الشق الثاني ﴾ مندرجة بل عنوانات ميس سے كى پر عربى ميں وس جملة تحرير كريں - المسجد الاستاذ المورعة النهر

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں صرف ایک امر مطلوب ہے۔ درج ذیل عنوانات میں ہے کسی ایک برعر بی مضمون ۔

﴿ جُوابِ ﴾ المسجد الاستاذ -كمامر في الشق الثاني من السوال الثالث ١٤٢٥ هـ

المزرعة

الارض نعمة من نِعَمِ الله تعالى قال تعالى الم نجعل الارض مهداً وقال تعالى والله انبتكم من الارض نباتاً

"نبت اقواتنا من الارض مثلاً الحنطة والارز والبقل والقثاء والفوم والعدس والبصل وغيرها والفواكه تنبت من الارض ايضاً مثلا التفاح والمانجوو الجوز البطيخ الاحمرو البرقوق والتمرو العنب وغيرها.

تحصل هذا الماكل من الارض بجهدومشقة الفلاح يحرث في الارض ويُليّنها ثم يسوّيها حتى تصير ساحة واسعة ثم يُلقى فيها البذور ثم يَسقيها بماء الآنه روالابار بترتيب الزراعة وَ يتوكل على الله ويستنصرالله فالزراعة تقوم على اقدامها شيئاً فشيئاً فيبارك الله تعالى فيها فتكون الحبة سبع سنابل في كل سنبلة مائة سبع مائة حبّة قال تعالى كمثل حبة انبتت سبع سنابل في كل سنبلة مائة حبة والله يضاعف لمن يشاء كأن الفلاح مصداق هذا الحديث الكاسب حبيب الله "باكستان مملكة زرعية يزرع اكثراهلها تُستحكم معيشتها على الزراعة.

النهر

الباكستان مملكة زرعية في اكثر مقاطعها يُزرع تُسقى الارض من ماء السماء والآبار والانهار والله انزل من السمأ ماء ثم يجرى هذا الماء في الانهار كما قال تعالى انزل من السماء ماء فسالت اودية بقدرها تخرج من هذه الانهار الصغيرة جداول ثم يبلغ الماء بهذه البحداول الى الاراضى المزروعات ثم يخرج به الله تعالى من الارض الاقوات من الحبوب والفواكه وغيرها.

في الباكستان نظام الانهار مربوط ومستحكم جدّاً - الانهار المعروفة

فى باكستان خمسة اسماء ها السنده وجهلم وراوى وستلج وجناب المالكة وجناب المالكة وجناب المراكة وجناب المراكة المملكة والمراكة المراكة المملكة والكبيرة منها السنده عليها مداراكثر زراعة المملكة والمراكة المراكة المراكة والمراكة المراكة المراكة والمراكة والمرا

الورقة الثانية في الحديث والادب العربي

﴿السوال الاول﴾ ١٤١٧ه

﴿ الشق الأول ﴾ ﴿ مَطلُ الغَنِيّ ظُلُمْ. ٢ لاتَدُخلُ الملائكةُ بيتاً فيه كلبٌ ولاتصاويرُ ـ ٢ كن في الدنيا كانّك غَرِيبٌ اوعَابِرُسَبِيل ـ ٤ من صلّى عَلَيَّ واحداً صلّى الله عليهِ عَشراً ـ ٥ مَن اَحَبَّ لِلله واَبغَضَ لِلله وَاعُطى لِللهِ وَمَنعَ لِللهِ فَقَدِ اسْتَكُمَلَ الْإِيْمَانَ ـ

تمام احادیث کاتر جمد اورتشری کریں۔ حدیث اول کی ترکیب اور آخری حدیث پراعراب لگائیں۔ (خلاصۂ سوال)اس سوال میں چار چیزیں مطلوب ہیں (۱) احادیث کا ترجمہ (۲) احادیث کی تشریح (۳) حدیث اول کی ترکیب (۴) آخری حدیث پراعراب۔

جواب ﴿ رَا) ترجمهُ احادیث ایالدار کاٹال مٹول کرناظلم ہے۔ ۱۳ سگریل فرشتے داخل نہیں ہوتے جس گھر میں کتا ہویا تصاویر ہوں۔ ۳ تو ہوجاد نیا میں ایسا جیسا کہ تو مسافر ہے بلکہ راہ گزر۔ ۴ جس آدمی نے مجھ پر ایک مرتبہ درود شریف پڑھا اللہ تعالیٰ اس پردس مرتبہ رحمت نازل فرماتے ہیں۔ ۵ جس شخص نے محبت کی اللہ کیلئے اور دیا اللہ کے لیے اور روکا اللہ کے لیے پس اس نے اپنے ایمان وکمل کرلیا۔

(۲) احادیث کی تشریح ایک شخص قرضه لیتا ہے پھر امیر ہوجاتا ہے تو دائن لینی قرضہ دینے والے کوٹالٹا ہے لینی خال ٹالٹا ہے قرضہ دینے والے کوٹالٹا ہے لینی بار باریمی کہتا ہے کہ دیدونگا 'دیدونگا اور دیتانہیں خال ٹالٹا ہے حالانکہ وہ بچپاراا بناحق مانگ رہاہے اور بیوا پس نہیں کرتا بیظلم ہے۔ کیونکہ ظلم کی تعریف ہے وضع بالشکی فی غیرمحلّم اس کامل واپس کرنا تھا۔

ے خزیر کے بعدسب سے زیادہ تجاست والا گنداجانور کتاہے کتا نجاست بہت کھا تاہے خود کھی نجس ہے اور حرام جانوروں میں سے ہے۔اس لیے جہاں سیہودہاں رحمت کے فرشتے نہیں

آتے۔اورتصوری کھنچنااورتصویر بنانایا بنوانا اور بلاضرورت شرعیہ کے رکھنایا کسی جاندار کی تصویر دی گھنا حرام ہے۔ اورتصویر کشی ایک قسم کا اللہ تعالی کی صفت خالقیت میں مقابلہ کرنا ہے اورد رپردہ خالقیت کا دعویٰ ہے۔ یہ چونکہ انتہائی قسم کا گندا گناہ ہے اور فرشتوں کو گناہوں سے نفرت ہے اس لیے رحمت کے فرشتے ایس جگہ داخل نہیں ہوتے۔ دوسر فرشتے کراماً کا تبین مجود اللہ کے حکم کی بابندی کے لیے آئے ہیں اگر چہان کو بہت تکلیف ہوتی ہے۔

<u>سا</u>اس حدیث پاک میں بے بتلا نامقصود ہے کہ دنیا ایک مسافر خانہ ہے اس میں اپنے آپ کو مسافر سمجھو بلکہ چتنا ہوا مسافر سمجھو۔ بید نیاختم ہونے والی ہے۔ اپنی صحت اور زندگی کی قدر کرو۔ اور اس سے فائدہ اٹھالو۔ پہلے فر مایا اپنے آپ کومسافر سمجھو کیونکہ مسافر تھوڑی دیر کے لیے مسافر بنتا ہے۔ پھر فر مایا بلکہ رہ گزر کی طرح سمجھو۔ مطلب بیہ ہے کہ مسافر کے لیے پھر بھی پچھ دیر مثلاً پندر ف دن سے کم تھر بنا ہوتا ہے اور رہ گزرتو چتنا ہوا ہی ہوتا ہے۔ اور ہر قدم کی جگہ چھوڑتا ہوا جارہا ہوتا ہے۔ ای طرح دنیا کو سمجھرکمل کریں۔

سے یہ درود شریف کی فضیلت ہے کہ ایک مرتبہ درود شریف پڑھنے سے اللہ تعالی پڑھنے والے پر دس مرتبہ رحمت نازل فرماتے ہیں۔ یہ حضور صلی اللہ علیہ وسلم سے اللہ تعالی کی محبت کی وجہ سے ان کا اعزاز واکرام ہے اسی طرح اور بھی بہت سے فضائل ہیں مثلاً ایک حدیث شریف میں ہے جو آپ صلی اللہ علیہ وسلم پر ایک مرتبہ درود شریف پڑھے گا۔ اللہ تعالی اس پر دس مرتبہ رحمت بھیجے گا اور دس گناہ معاف کرے گا اور دس درج بلند فرمائے گا۔ وغید ذلك من الله حادیث۔

شے حضور صلی اللہ علیہ و کلم نے فر مایا کہ جس شخص نے کسی نیک آ دمی سے اللہ تعالیٰ کی خاطر محبت کی۔ اور کسی برے آ دمی سے اللہ تعالیٰ کی رضا کے لیے دشمنی اور بغض رکھا۔ اور کسی کوکوئی چیز دی اللہ کی رضا کے لیے تقد جب وہ ان چیار کا موں اللہ کی رضا کے لیے تقد جب وہ ان چیار کا موں میں اللہ کی رضا کی نیت میں اللہ کی رضا کی نیت کرے گا تو دوسرے کا مول میں بطریق اولیٰ اللہ تعالیٰ کی رضا کی نیت کرے گا تو دوسرے کا مول میں بطریق اولیٰ اللہ تعالیٰ کی رضا کی نیت کرے گا تو دوسرے کا مول میں بطریق اولیٰ اللہ تعالیٰ کی رضا کی نیت کرے گا تو دوسرے کا مول میں بطریق اولیٰ اللہ تعالیٰ کی رضا کی نیت کرے گا تو دوسرے کا مول میں بطریق اولیٰ اللہ تعالیٰ کی رضا کی نیت کرے گا تو اور کی سے گا تو دوسرے کا مول میں بطریق اولیٰ اللہ تعالیٰ کی رضا کی نیت کرے گا تو دوسرے کا مول میں بطریق اولیٰ اللہ تعالیٰ کی رضا کی نیت کرے گا تو اور کی میں اللہ کی دوسرے گا تو ایک اللہ تعالیٰ کی دوسرے کا مول میں بطری کی دوسرے گا تو ایک کی دوسرے گا تو
(٣) حديث اول كى تركيب: - مَسطُل مضاف السغيني مضاف اليه مضاف

مضاف اليهلكرمبتدا ظكم خبز مبتداخر ملكر جمله اسميذ خربيهوار

(٣<u>) آخري حديث يراعراب</u> - كمامر في السوال-

﴿الشَّـق الثَّانَى﴾ ﴿ مَنُ خَرَنَ لِسَانَهُ ۚ سَرَّاللَّهُ عَوْرَتَهُ ـ ٢ مَنُ كَثَّ غَضَبَهُ كَفَّ اللَّهُ عَنُهُ عَذابَهُ يَوُمَ الْقِيَامَةِ. ٣مَنِ اعْتُذُرَ اِلَى اللَّهِ قَبِلَ اللَّهُ عُذُرَهُ. عَمَنُ أَشَارَ إِلَى أَخِيُهِ بِأَمُرِ يَعْلَمُ أَنَّ الرُّشُدَ فِي غَيْرِهِ فَقَدُ خَانَهُ ـ

ترجمه کے ساتھ اعراب لگائیں۔ اور خط کشیدہ الفاظ کے صفح تحریر کریں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین باتیں طلب کی گئی ہیں۔(۱) عبارت کا ترجمہ (۲)احادیث پراعراب_(۳)خط کشیده الفاظ کے صنعے۔

﴿ جواب ﴾ (١) احاديث كاتر جمه المياني نبان كي الله تعالى چھیائے گااس کے عیب کو <u>۲</u>جس نے روکا اپنے غصہ کورو کے گا اللہ تعالیٰ اس سے اپنے عذاب کو قیامت کے دن۔ ۳ جس نے عذر کیا اللہ تعالی کی طرف تو قبول کرے گا اللہ اس کے عذر کو ع جس شخص نے مشورہ دیا اپنے بھائی کوا یسے کام کا کہ جانتا تھا کہ بیٹک مصلحت اس کے علاوہ میں ہے تواس نے اس کے ساتھ خیانت کی۔

(٢) إحاديث يراعراب حمامر في السوال-

(۳) خط کشیده الفاظ کے صیغے: ۔ سَتَنَ السّر مصدر (ن) چھپانا سے صیغہ واحد مذکر عَا سُب بحث اثبات فعل ماضي معروف از باب نصر ينصر 'از سهاقسام فعل 'ازشش اقسام ثلاثي مجرداز مِفت اقسام صحيح - كَتَقَ صيغه واحد مذكر عَائبُ بحث اثبات فعل ماضي معروف أزباب نصر ينصر ' ازمصدرالكف روكناازسهاقسام فعل ازشش اقسام ثلاثى مجردا تكفت اقسام مضاعف _ [عُتَسذَر صيغه واحد مذكر غائب بحث اثبات فعل ماضي معروف از باب افتعال از مصدر الاعتذار عذر كرنا٬ ازسداقسام فعل ازشش اقسام ثلاثي مزيد فيه از بفت اقسام صحح - قَبلَ صيغه واحد مذكر غائب بحث اثبات فعل ماضى معروف ازباب ستسعيع يتسقع ازمصدرالقول قبول كرنا ازسَداقسام فعل از حش اقسام ثلاثي مجردان منت اقسام صحيح - أَشَ<u>الَ اللَّهِ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ عَلَى مَا سُلِّهِ الْب</u>اتُعُل ماضى

معروف ٔ ازباب افعال ٔ ازمصدر الاشارة مشوره دینااز سهاقسام فعل ٔ ازشش اقسام ثلاثی مزید فیهٔ از ہفت اقسام اجوف وادی۔ خَســانَ صیغہ واحد مذکر غائب ٔ بحث اثبات فعل ماضی معروف ٔ ازباب نصر ینصر ٔ ازمصدرالخیانة خیانت کرنا ٔ از سهاقسام فعل ازشش اقسام ثلاثی مجر دُا مُدَفت اقسام اجوف واوی۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤١٧ه

﴿الشق الأول﴾ لعلكم تعلمون ان المسلمين كانو ايخرجون للجهاد في سبيل الله وكانوا يقاتلون المشركين والكفار لوجه الله تعالى ولعلكم تعلمون فضيلة الجهاد في سبيل الله وكان النبي صلى الله عليه وسلم يخرج احياناً مع المسلمين واحياناً يمكث في المدينة لشغل اومصلحة ويبعث جنداً من المسلمين للجهاد في سبيل الله.

ترجمه کریںاور جہاد فی سبیل اللہ رمختصر مضمون تحریر کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دو امر مطلوب ہیں (۱)عبارت کا ترجمہ (۲)جہاد فی سبیل اللّٰدیرمضمون۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمه : شایرتم جانے ہو کہ مسلمان اللہ تعالیٰ کے راسے میں جہاد کے لیے فکا کرتے تھے اور شرکین اور کفار کے ساتھ اللہ تعالیٰ کی رضائے لیے جہاد کرتے تھے۔ اور شایدتم جہاد فی سبیل اللہ کی فضیلت جانے ہوگے۔ اور نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم بھی خود بھی نکلا کرتے تھے مسلمانوں کے ساتھ جہاد کیلئے اور بھی مدینہ طیبہ میں قیام فرماتے تھے کسی مشغولی یا مصلحت کی وجہ سے اور مسلمانوں کا لشکر جہاد فی سبیل اللہ کے لیے بھیج دیتے تھے۔

(۲) البجهاد فسی سدبیل الله ۔الله تارک وتعالی نے جب آنخضرت سلی الله علیه وسلی الله علیه وسلی الله علیه وسلی کوتو دی تو وی علیه وسلم کوتو حید باری تعالی کی دعوت دی تو وی لوگ جوآپ کوصادق وامین کہتے تھے۔وہ آپ کے مخالف ہوگئے جولوگ آپ سلی الله علیه وسلم پر کہنے ایمان لائے بہت قلیل اور کمز ورتھے مشرکین مکہ نے اسلام کی اورائل اسلام کی بہت مخالفت کی اوران کواللہ اور رسول صلی الله علیه وسلم پر ایمان لائے سے رو کئے کیلئے طرح طرح کی تکلیفیں کی اوران کواللہ اور رسول صلی الله علیه وسلم پر ایمان لائے سے رو کئے کیلئے طرح طرح کی تکلیفیں

پہنچائیں آپ سلی اللہ علیہ وسلم اور مسلمانوں کو پھر مارے گئے۔ان کے راستے میں کانے بچھائے گئے ان پر کوڑا کرکٹ ڈالا گیا۔حتی کہ ان کو مکہ معظمہ سے بجرت کرنے پر مجبور کردیا گیا۔مسلمان جب بجرت کرکے مدینہ طیبہ چلے گئے تو کفار نے پھر بھی مسلمانوں کا پیچھائیں چھوڑا یہاں تک کہ کفار اور مسلمانوں کے درمیان کئی جنگیں ہوئیں۔ وہ شہور غزوات جن میں آنخضرت سلی اللہ علیہ وسلم نے بنفس نفیس شرکت فرمائی۔عزوہ بدر غزوہ احد غزوہ خندت غزوہ حنین غزوہ تبوک فتح مکہ پھراللہ تعالی نے جہاداور بہنغ کی برکت سے اسلام کو غلبہ عطافر مایا۔ جب تک مسلمانوں میں جہاد زندہ تھا تو مسلمان کفار پر غالب تھے۔ جب سے ہم نے یہ سبق بھلادیا اس وقت سے مسلمان ذلات کا شکار ہیں۔اللہ تعالی پھر ہے مسلمانوں کو یہ جولا ہوا سبق یاد کرنے کی تو فیق عطافر ماویں اور اسلام کو کفار کے مقابلہ میں غلبہ نصیب فرماویں۔آئین

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٧ه

﴿الشق الاول﴾ ﴿ الشق الاول

اسلام باتی رہے گاجب تک زمین آسان باتی ہیں۔ ۲ انگریز بمیشہ اسلام کے دشمن رہے ہیں۔ ۲ انگریز بمیشہ اسلام کے دشمن رہے ہیں۔ ۳ حق و باطل میں برابر کشکش رہی <u>ع</u>انسان فلاح نہیں پائے گا یہاں تک کہ اپنے رب کی خوشنودی حاصل کر لے۔ 2 لوگوں کے اخلاق درست نہ ہوں گے جب تک کہ دین حق کی پیروی نہ کریں۔ <u>1</u> کسان اپنے کھیت کی طرف الل لے کر نکلا کہ اسے جوتے۔

اردومين ترجمه كرين-

اخادمتى كانت تَنزع الدَلَق وَتمُلا جَرَّتها الهذان الكَبُشَانِ يَتَنَاطِحَانِ - الصحابُ الحِجر كانو يَنُحِتُون من الجِبال بُيُوتا الحفظن عَهْد الصِّديق وارْعَيْنه هِم مَشُوا البلادَ العربية جميعَها الكلما القي فيها فَوُج سَأً لَهُمُ خَرَنَتُها الم يَا تِكُمُ نذِيُر. الاَذَا اَسَرَّ اليك احدٌ فلا تُفْشِ سِرَّه الله عَلا خَدونى وُد المرء متقلّب على الما الما عَلْمُ الله عَلَيْ الله الما عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ اللهُ عَلْمُ الله عَلَيْ الله عَلْمُ عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلْمُ عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَي

(خلاصة سوال) اس سوال ميں دو امر مطلوب ہيں _ (۱) اردو جملوں کاعر بي ترجمه

(۲)عربی جملوں کاار دوتر جمہ۔

﴿ جُوابِ ﴾ (١) اردوجملول كَاع بِي ترجم - ايبقى الاسلام مادام السماء والارض باقين . ٢ مابرح الافرنجيون اعداء الاسلام - ٣ مَا انفَكَ النزاعُ بين الحق والباطل - ٤ لايُ فلح الانسانُ حتَّى يَجِدَرِضَى الرَّبِ وَلاَيَ صَلْحُ اخلاقُ النَّاسِ حَتَّى يتبِعُوا الدِينَ الحَقَّ - ٢ خرج الفلاحُ إلى مزرعته بآلاتِ الحَرْثِ لِيَرْزَعَهُ .

۔ امیری خادمہ ڈول نکالتی تھی اور گھڑا بھرتی تھی۔ ۔ امیری خادمہ ڈول نکالتی تھی اور گھڑا بھرتی تھی۔

<u>۲</u>یہ دومینڈ ھے آپس میں نگریں مارتے ہیں۔ <u>سا</u>اصحاب جحر پہاڑوں کو تراش کر گھر بناتے تھے۔

<u>۳</u> تم سب عورتیں حضرت صدیق آ کبڑ کے زمانہ کو یاد کرواور اسکی رعایت رکھو۔ <u>۵</u>وہ سب عربی شہروں میں چلے ۔ اِجب بھی کی گروہ کو جہنم میں ڈالا جائے گاتو جہنم کے دارو نعے ان سے پوچھیں گے کہ تمہارے پاس کوئی ڈرانے والانہیں آیا۔ <u>کے جب تجھ</u> سے کوئی راز کی بات کرے تو اس کاراز گاش نہ کرے متلون مزاج آ دمی کی دوئتی میں کوئی فائدہ نہیں ہوتا۔

﴿ الشق الثانى ﴾(۱) اپن در سگاه مے متعلق چیز ول پر موصوف صفت کے ایسے چھ جملے لکھیں کہ واحد تثنیہ جمع تذکیر وتا نیٹ سب آ جا کیں ۔ (۲) اپنے دارالا قامہ سے متعلق چیز ول پر موصوف صفت کے ایسے چھ جملے لکھیں کہ واحد تثنیہ جمع تذکیر و تا نیٹ سب آ جا کیں۔ چیز ول پر موصوف صفت کے ایسے چھ جملے لکھیں کہ واحد تثنیہ جمع تذکیر و تا نیٹ سب آ جا کیں۔ (۳) فعل نمی کے چھا لیسے جملے لکھیں جن میں اپنی خادمہ کو مطبخ سے متعلق چند باتوں سے نع کریں (وراس کی غرض بنا کیں۔

﴿ وَابِ ﴾ (١) فى المدرسة مسجدٌ جميلٌ فى المدرسة كتابان مُ فِيندانٍ المُعَلِّمُون المشفِقُون فى المدرسة فى المدرسة شَجَرَةٌ مُثُمِرَةٌ فى المدرسة طَالِبَتَانِ نَشِيطَتَان فى المدرسة غُرُفَاتُ وَاسِعَةٌ .

(٢) في دارِ اقامَتِنَا ميدانٌ وَاسِعٌ في دار اقامتناطَالِبَانِ نَشِيُطَانِ فَي دارِ اقامَتِنَا دارِ اقامَتِنَا دارِ اقامَتِنَا الوَرُدَةُ الحَمُراءُ في دارِ اقامَتِنَا

شجرتَان مُثُمِرَتَان مَ فَي داراقامتنا غُرُفَاتٌ نَظِيفَةٌ .

(٣) يا خادمتي لا تطبخي الأرُرَّ الحُلُوَّ لانهالاتاً كُلُهَا أُحَدُّ في البيتِ ـ

ياخادمتى لاتُحرقى الخُبُرَ لِآنَ النبى صلى الله عليه وسلم مَنَعَ مِنَ اكل الخُبُر المُحُرَق.

ياخادمتي لاتَضَعِيُ الكأسَ على الطَاولَة لِتَلَّا يَسُقُطَ.

ياخادمتي لاتُلُقِيُ السُّكَرَ الكِثِيرَ في الشاءِ لانَّها مُضرٌّ للصجّة.

ياخادمتى لاتُلُقِى المِلْحَ في الإدَامِ لِآنَّ الجَدَّةَ مُبتلاةٌ في فَشارِ الدَّمِـ ياخادمتى لاتَطْعِي الْإِبْرِيْقَ عَلَى الْجَرَّةِ لِآنَها خِلَافُ الْآدَبِ

☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
☆
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*
*

﴿ایک عجیب عمل ﴾

حضور نبی کریم ﷺ نے حضرت فاطمہ ﷺ ارشاد فر مایا کہ جومسلمان مردیا عورت وتر کے بعد دوسجد اس طرح کرے کہ ہر سجدہ میں پانچ مرتبہ سُنبُّوح ؓ قُدُّو سٌ رَبُّ الْمَلَا عِنَّةِ وَالدُّوْحِ پِر ﷺ اوردونوں سجدوں کے درمیان بیڑھ کرایک مرتبہ آیت الکرسی پڑھے تو قسم ہے اس ذات کی جس کے قضہ میں مجد (ﷺ) کی جان ہے کہ اللہ تعالی اس محفل کی وہاں سے المحف سے پہلے مغفرت فرمادیں گے۔اور ایک سو (۱۰۰) جج اور ایک سو (۱۰۰) عمروں کا ثواب دیں گے اور اس کی طرف اللہ تعالی ایک ہزار فرشتے ہیں ہی جواس کے لیے نیکیاں کھنی شروع کردیں گے اور اس کو فرشتے ہیں ہی جواس کے لیے نیکیاں کھنی شروع کردیں گے اور اس کی رفاع آزاد کرنے کا ثواب بھی ملے گا اور اس کی دعاء اللہ تعالی قبول فرما تیں گے اور قیامت کے دن سام کھ (۱۰۰) اہل جہنم کے حق میں اس کی شفاعت قبول ہوگی اور جب مرے گا تو پی خض شہادت کی موت مرے گا۔ شفاعت قبول ہوگی اور جب مرے گا تو پی خض شہادت کی موت مرے گا۔ شفاعت قبول ہوگی اور جب مرے گا تو پی خض شہادت کی موت مرے گا۔

indpress.com يُن بُلِيمُ الْحُ 2.4 قدوری

besturdubooks:Wordpress.com

الورقة الثالثة في الفقه

: ﴿السوال الأول﴾ 1210

(خلاصة سوال) اس سوال مين يانج امور مطلوب بين (١) تيتم كيفوى واصطلاحي معنى

(٢)عبارت براعرآب عبارت كارتجمه (٩)مسائل كي شرح (٥) تيم كاطريقه

چواب ﴾ (۱) تیم کے لغوی واصطلاحی معنی لنت میں تیم مطلق قصدادرارادہ کو کہتے ہیں اوراصطلاح میں برنیپ طہارت یا کے مٹی سے چیرہ اور ہاتھوں کا سے کرنا۔

(۲) عبارت پراغراب: -كمامر في السوال-

(۳) عبارت کائے جمہ اورنیت فرض ہے تیم میں اور متحب ہے وضویس اور توڑدی کے ہے تیم کو ہروہ چیز جوتو ڑدی ہے وضوکو اور تو ڑدیتا ہے اسے پانی کا دیکھنا بھی جبکہ قادر ہووہ اس کے استعمال پر اور نہیں ہے جائز تیم گر پاک مٹی سے اور مستحب ہے اس مخص کیلئے جونہ پائے پانی کو اور وہ امیدر کھتا ہے اس بات کی کہ پالیگا اے آخری وقت میں نہد کی موخر کرے نماز کو آخری وقت تک وہ امیدر کھتا ہے اس بال کی تشریح سب سے پہلے نیت کے متعلق مئلہ ذکر کیا کہ تیم میں نیت فرض ہے کیونکہ تیم کامعنی ہی قصد کرنا (نیت کرنا) ہے اور وضومیں نیت کرنا مستحب ہے۔

اس کے بعد نواتض تیم کو ذکر کیا کہ ہروہ چیز جس سے وضوٹوٹ جاتا ہے اس سے تیم بھی ٹوٹ جاتا ہے اس طرح تیم اگر پانی کود کھے لے اوروہ اس کے استعال پر قادر بھی ہوتو اس سے وضو تونہیں ٹوٹا مگر تیم اس سے بھی ٹوٹ جاتا ہے۔ esturdub^o

اس کے بعد سیمسلہ بیان کیا کہ تیم کس چیز سے درست ہے تو فر مایا کہ پاک مٹی مراد ہروہ چیز جوز مین کی جنس سے ہو (جلانے سے جلنہیں پھلانے سے بچھلے نہیں)اس سے تیم جائز ہے آخری مسلہ ذکر کیا کہ کی شخص کے پاس پانی نہیں ہے گراسے امید ہے کہ نماز کے آخر وقت تک محمد بانی مل جائے تا تو ایس بانی مل جائے تو میں نماز کومؤ خرکر دے اگر پانی مل جائے تو میں نماز پڑھ لے۔

(۵) تیم کا طریقہ اول نیت کروکہ میں ناپا کی دورکرنے اور نماز پڑھنے کے لیے تیم کرتا ہوں پھر دونوں ہاتھ مٹی کی کسی چز پر مارکر انہیں جھاڑ دو۔ زیادہ مٹی لگ جائے تو منہ سے پھونک دو۔ اور دونوں ہاتھوں کومنہ پراس طرح پھیروکہ کوئی جگہ باتی ندرہ جائے ایک بال برا برجگہ چھوٹ جائے گی تو تیم جائز نہ ہوگا۔ پھر دو سری مرتبہ دونوں ہاتھ مٹی پر مارو۔ اور انہیں جھاڑ کر پیلے بائیں ہاتھ کی چاروں انگلیاں سید ھے ہاتھ کی انگلیوں کے سرول کے پنچے رکھ کر کھینچتے ہوئے کہنی تک لے جاؤاس طرح لے جانے میں سید ھے ہاتھ کے نئچ کی جانب ہاتھ پھر جائے گا۔ پھر بائیں ہاتھ کی جائز ہوئے اور اور بائین باتھ کی جائز کی کی جائز ک

﴿ الشق الثانى ﴾ …… (وَمَنُ صَلَّى الظُّهُرَ فِى مَنْزِلِهِ يَوْمَ الْجُمُعَةِ قَبُلَ صَلُوةِ الْإِمَامِ وَلَاعُدُرَ لَهُ كُرِهَ لَهُ ذَٰلِكَ وَجَازَتُ صَلَوْتُهُ فَإِنْ بَدَالَهُ أَنُ يَحُضُرَ الْجُمُعَةَ فَتَوَجَّهَ اللَّهُ اللَّهُ وَقَالَ الْجُمُعَةَ فَتَوَجَّهَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَقَالَ الْجُمُعَةَ فَتَوَجَّهَ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ ا

عبارت پراعراب لگا کرتر جمه وتشر تک کریں نیزشرائط جمعہ کوتفصیل کے ساتھ تح ریکریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں جار امور جواب طلب ہیں (۱) عبارت پر اعراب (۲) عبارت کا ترجمہ (۳) عبارت کی تشر تک (۴) شرائط جمعہ۔ ﴿ جواب ﴾ (١) عبارت براع اب - كيمامر في السوال-

(۲) عبارت کا ترجمہ بہلے اور اس کوکوئی عذر نہیں تو یہ کورہ ہے اس کے لیے اور اسکی نماز (۲) عبارت کا ترجمہ بہلے اور اس کوکوئی عذر نہیں تو یہ کردہ ہے اس کے لیے اور اسکی نماز ہوجا یک نہیں اگر ظاہر ہوئی (دل میں آئی) اس کے بیہ بات کہ حاضر ہو جمعہ میں 'یس وہ متوجہ ہوا (چلا) اس کی طرف تو باطل ہوگئی ظہر کی نماز امام ابو صنیفہ کے نزدیک اس کی طرف چلنے ہے ، ی ما حمیدیں ترفی بال ہوگی یہاں تک کہ شریک ہوجائے امام کے ساتھ '

سے عبارت کی تشریح کے تشریح کی تشریح کے جعد کے دن امام کی جعد کی جماعت ہے پہلے بی اپنے گھر میں بغیر کسی عذر کے ظہر کی نماز پڑھ کی تو بینمازاس کی مکروہ ہے البتہ کراہت کے باوجود نماز ہوجائے گی لوٹا نے کی ضرورت نہیں۔ ظہر کی نماز پڑھ لینے کے بعدا سکے دل میں یہ بات آئی کہ جعد کی فضیلت حاصل کروں تو وہ اس نیت سے نماز جمعہ میں شرکت کیلئے گھر سے چل پڑا تو امام کی جمعہ کی فضیلت حاصل کروں تو وہ اس نیت سے نماز جمعہ میں شرکت کیلئے گھر سے چل پڑا تو امام تو وہی نماز جمعہ اور کے اور اگر نہیں بلی تو نماز ظہر دوبارہ پڑھے اور صاحبین فرماتے ہیں کہ ظہر دوبارہ پڑھے اور صاحبین فرماتے ہیں کہ ظہر دوبارہ پڑھے کی ضرورت نہیں اگرامام کی نماز میں شریک ہوگیا تو اس کی بھی نماز ہوجائے گی اور مابیتہ نماز ظہر ہواس نے ادا کی ضرورت نہیں ہے۔ کہ کی قی وہ برقر ارزمیکی اسے لوٹا نے کی ضرورت نہیں ہے۔

ره از از اد بوغلام نه مرا که جمعه کیلئے بارہ شرا که بیں چھ د جوبِ جمعه کی بیں (۱) آزاد بوغلام نه مورد مرد بوج پیارنہ بو (۷) مقیم بومسافر نه بو (۷) متدرست بو بیارنه بو (۵) پاؤں درست بول لنگر اوغیرہ نه بور۲) آنکھ درست بونا بینا وغیرہ نه بول

چیشرا لطاصحتِ جعد کی ہیں(ا)بادشاہ یااس کا نائب ہوییشرا لطانس وقت ہے جبکہ سیح اسلامی حکومت ہو(۲)وقت ہو (۳) جماعت ہو بلا جماعت جعد نہیں ہوتا (۴)خطبہ ہو (۵) شہر ہو (۲)اذنِ عام ہولیعنی ہرکسی کو (اس جگہ کے مناسب)اس جگہ آنے کی اجازت ہو۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٥ه

Jesturdubooks. Meidaress.co ﴿الشق الاول﴾ (الحج واجب على الاحرار المسلمين البالغين العقلاء الاصحاء اذاقدر واعلى الزاد والراحلة فاضلاعن المسكن ومالا بدمنه وعن نفقة عياله الى حين عوده وكان الطريق آمناً)

عبارت مذکورہ کا ترجمہ ومطلب بیان کریں۔ حج افراد بمتع اور قران تینوں کی تعریف کر کے ان کے درمیان فرق واضح کریں ۔ نیز بیر بتا کیں کہ حفیہ کے یہاں ان میں سب سے افضل کوئی قتم ہے۔ (خلاصۂ سوال) اس عبارت میں یانچ امور نظرِ کرم کے طالب ہیں (۱) عبارت کا ترجمه (۲) عبارت کا مطلب (۳) حج افراد تمتع، قران کی تعریف (۴) اینکے درمیان فرق۔ (۵)عندالاحناف افضل كياب_

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت كا ترجمه: عج واجب بي آزاد ملمان بالغ عاقل تندرست پر جبکه بیلوگ قادر ہوں تو شهاورسواری پر جوزائد ہوں رہائش گھر اور ضروریات اور بال بچوں کے خرچ سے اس کے واپس آنے تک اور راستہ پُر امن ہو۔

(٢) عبارت كا مطلب الساعبارت مين شرائط حج كاذكر ب كد حج براس محض ير فرض ہے جوآ زاد ہوغلام پر جج نہیں'مسلمان ہو' کا فریر حج نہیں' بالغ ہو' بچہ پر حج نہیں' عاقل ہومجنون پر ج نہیں' تندرست ہو بیار پر ج نہیں ہے' جبکہ ان لوگوں کے پاس رہائٹی گھر'ضرور بات اوروالیں آنے تک اہل وعیال کے نان نفقہ کے علاوہ اتنا مال ہوجس سے آنے جانے کا خرچ اور وہاں کھانے پینے رہائش وغیرہ کاخرج پوراہو سکےاورراستہ کا برامن ہونا بھی ادائمگی حج کیلئے شرط ہے۔ (٣) جج افراد ٔ تمتع ٔ قران کی تعاریف ٔ حج افراد: که آدی یہاں سے صرف حج کی نیت کر کے جائے اور صرف حج کر کے ہی واپس آئے۔

حج تمتع : که آدمی میقات ہے صرف عمرہ کا احرام باند ھے' افعال عمرہ اوا کرنے کے بعد علق یا قصر کے ذریعہ حلال ہوجائے چھرآٹھ ذوالحجہ کوحرم سے ہی جج کا احرام ہاند ھے۔ حج قران که آدی میقات سے حج وعمرہ کا اکٹھااحرام باندھے پہلے افعال عمرہ ادا کرے

اس کے بعداحرام کھو لے بغیر ہی افعال جج ادا کرے۔

رم) اینکے درمیان فرق ۔ انکی تعاریف ہے فرق بھی واضح ہوگیا کہ ج افراد میں اس اس اس اس کے درمیان فرق ۔ انکی تعاریف ہے افراد میں اس اس اس مرف ج بی اوا کیا جاتا ہے پہلے عمرہ نہیں کیا جاتا۔ بعد میں نے احرام سے عمرہ کرلینا افراد کے منافی نہیں اور جے تمتع میں جج وعمرہ دونوں اوا کیے جاتے ہیں مگر الگ الگ احرام سے اور جج قران میں دونوں اوا کیے جاتے ہیں ایک ہی احرام سے۔

(۵) عندالاحناف افضل كيا ہے ۔عندالاحناف سب سے افضل في قران ہےاس كيا ہے ۔عندالاحناف سب سے افضل في قران ہےاس كيا كہاں ميں احرام سے في وعمرہ اواكياجا تا ہے پھر في تمتع في افراد سے افضل ہےا س ليے كماس ميں في وعمرہ دونوں اواكيے جاتے ہيں جبكہ افراد ميں صرف في اوا ہوتا ہے۔

﴿الشق الثاني﴾ (ولا يجوز بيع السمك في الماء قبل ان يصطاده ولابيع الطائر في الهواء ولا يجوز بيع الجمل في البطن ولا النتاج ولا الصوف على ظهر الغنم ولابيع اللبن في الضرع ولا يجوز بيع ذراع من ثوب ولابيع جذع من سقف وضربة القانص ولابيع المزابنة)

درج بالاعبارت کاسلیس ترجمه کریں عبارت میں مذکورہ مسائل کی دلنشیں تشریح کریں۔ نیز بچ مزاہنہ کی تعریف ککھنانہ بھولیں۔

(خلاصهٔ سوال) اس عبارت میں تین امور مطلوب ہیں (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) مسائل کی تشریح (۳) بیج مزاہنہ کی تعریف۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمہ نہیں ہے جائز مجھلی کی تھ پانی میں اس کوشکار کرنے سے پہلے اور نہ پرندہ کی تھے فضاء میں اور نہمل کی تھے پیٹ میں اور نہمل کے تھے اور نہاون کی تھے بھیڑ کی پیٹے پراور نہ دودھ کی تھے تھن میں اور جائز نہیں ہے ایک گز کی تھے ہڑے کپڑے میں سے اور نہ کڑی کی تھے جہت میں سے اور نہ جال جھیکنے کی تھے اور جائز نہیں ہے تھے مزابنہ ۔

را) مسائل کی تشریح : اس عبارت میں بیج و فاسد کی چندصورتوں کا ذکر ہے کہ بائع کہ اس کیا ہوں کہ اس کے اس شکارنہیں کیا اس

طرح کہتا ہے کہ وہ سامنے نضاء میں جو پر ندہ جارہا ہے وہ میں فروخت کرتا ہوں تو یہ دونوں نیج جائز
نہیں اس لیے کہ یہ اس کے سپر دکرنے پر قادر نہیں ای طرح کہتا ہے کہ اس بکری کے پیٹ میں جو

بچہ ہے میں اس کی نیج کرتا ہوں یا اس جمل والے بچہ کے پیٹ میں جو دوسرا بچہ ہوگا میں اس کی نیج

کرتا ہوں یہ نیج باطل ہے یا بھیٹر کی پیٹے پر جواُ ون ہے یا بکری کے تھن میں جو دود دھ ہے میں اس کی

نیج کرتا ہوں یہ نیج بھی جائز نہیں ہے اور اس طرح کہتا ہے کہ اس بڑے کپڑے میں سے ایک گز

کپڑا ہوتی ابوں جبکہ وہ کپڑا الیا ہو کہ اس میں سے ایک گز کا ٹما نقصان و بتا ہو۔ یا اس جھت میں جو

کو یاں گئی ہیں وہ فروخت کرتا ہوں یا کہتا ہے کہ دریا میں جال چینکا ہوں جتنی مجھلیاں آگئیں بچاس

رو پے میں تہماری خواہ ایک آئے یادی آئیں اس طرح نیج مزاہنہ یہ تمام کی تمام ہوئ ناجائز ہیں۔

(س) نیج مزاہنہ کی تعرفیف ۔ پی اور کئی ہوئی مجود کے بدلہ میں درخت پر گئی ہوئی با

﴿السوال الثالث ﴾ ١٤٢٥ هـ

﴿الشق الأول﴾ (ولا يصح الرهن الابدين مضمون وهو مضمون بسالاقل من قيمته ومن الدين فاذا هلك الرهن في يدالمرتهن وقيمته والدين سواء صار المرتهن مستوفيا لدينه حكما وان كانت قيمة الرهن اكثر من الدين فالفضل امانة وان كانت قيمة الرهن اقل من ذلك سقط من الدين بقدرها ورجع المرتهن بالفضل)

رئن کی لغوی واصطلاحی تعریف ذکر کریں عبارت ندکورہ کا ترجمہ کریں عبارت میں ندکورہ مئلہ کی وضاحت مثال کے ذریعہ کریں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین امور قابلِ النفات ہیں (۱) رہن کی لغوی واصطلاحی تعریف (۲) عبارت کا ترجمہ (۳) مسئلہ کی وضاحت بالشال ____

جواب ﴾ (۱) ربمن کی لغوی و اصطلاحی تعریف در بن افت میں کسی چیز کے روک لینا تا کہ وہ حق وصول روک لینا تا کہ وہ حق وصول

ہوسکے۔اوررہن کا قعد بھی کیا ہولینی ایجاب وقبول کیا ہو۔

(۲) عبارت کا ترجمہ :۔اور سیح نہیں رہن گردین مضمون کے ساتھ اور وہ مضمون ہوگا اپنی قیمت اور وہ سن سے اقل کے عوض میں 'پس جب ہلاک ہوجائے شکی مرہون را ہن کے پاس اور اس کی قیمت اور وین برابر ہوتو ہوجائے گا مرتبن وصول کرنیوالا اپنے حق کو حکی طور پر اور اگر ہومر ہون کی قیمت کم دین سے تو اگر ہومر ہون کی قیمت کم دین سے تو ساقط ہوجائے گا دین اس کے بقدر اور جوع کرے گا مرتبن باتی دین کے ساتھ ۔

آدی کوئی چیزرہ من رکھ سکتا ہے اس کے بغیر نہیں تو اب مسئلہ کا خلاصہ یہ ہے کدرائن نے مرتبان کے بات ہوئی کی چیزرہ من رکھ سکتا ہے اس کے بغیر نہیں تو اب مسئلہ کا خلاصہ یہ ہے کدرائن نے مرتبان کے باس اس کی تعدّی کے بغیر ہلاک ہوگئ تو مرہونہ چیز کی قیمت اور دین میں سے جو کم ہوگا مرتبان پر اس کا ضان لازم ہوجائے گا۔ اگلی عبارت میں اس کی وضاحت ہے مثلاز ید نے عمرو کو ہزار رو بید کی سائیکل بچی اس کے بدلہ میں گھڑی رئین رکھ لی جسکی وضاحت ہے مثلاز ید نے عمرو کو ہزار رو بید کی سائیکل بچی اس کے بدلہ میں گھڑی رئین رکھ لی جسکی بوگئ تو اب زید اسکا ضامی ہوگا تو گویا ذید نے حکما ابنا ہزار رو بید وصول کرلیا۔ اورا گر گھڑی بارہ سورو بے کی تھی تو اب زائد قیمت (بارہ سو) اور دین (ہزار رو بید وصول کرلیا اور جو دوسو رو بید زائد قیمت تھی وہ اس کے باس امانت تھی اور امانت کی ضان لازم نہیں ہوتی۔ اورا گر گھڑی کی رو بید زائد قیمت تھی وہ اس کے باس امانت تھی اور امانت کی ضان لازم نہیں ہوتی۔ اورا گر گھڑی کی اس قیمت آئھ سوتھی اور وہ زید کے پاس گم ہوگئ تو اب گویا کہ ذید نے حکما آئھ سورو پیدوسول کرلیا تو قیمت آئھ سوتھی اور وہ زید کے پاس گم ہوگئ تو اب گویا کہ ذید نے حکما آئھ سورو پیدوسول کرلیا تو جو ذائد (دوسورو بید) دین ہے اس کے ساتھ وہ عمرو پر رجوع کریگا کہ میر ابقید دین اواکر۔

والشق الثاني الشفعة واجبة للخليط في نفس المبيع ثم للخاكيط في نفس المبيع ثم للخاكيط في حق المبيع كالشرب والطريق ثم للجار وليس للشريك في الطريق والشرب شفعة والجار مع الخليط فان سلم الخليط فالشفعة المشريك في الطريق فان سلم اخذها الجار والشفعة تجب بعقد البيع وتستقر بالاشهاد وتُملك بالاخذانا سلمها المشترى اوحكم بها حاكم)

wai doress.co شفعہ کے لغوی واصطلاحی معنی بیان کریں ۔عبارت بالا کا تر جمہ کر کے واضح تشریح کریں۔ اقسام شفیجاور حقدارانِ شفعہ کی ترتیب کووضاحت کے ساتھ تحریر کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين يانج امور مطلوب بين (١) شفعه كالغوى واصطلاح معنى

(٢)عبارت كالرجمه(٣)عبارت كي تشريح (٣) اقسام شفيع (٥) حقدارانِ شفعه كي ترتيب_

﴿ جوابِ ﴾ (1) شفعه كالغوى واصطلاحي معنى : _شفعه لغت ميں جفت كرنا اور ملانا

اوراصطلاح میں مشتری پرزبردی اس کے مال کے عض اس کی زمین کا مالک بنتا ہے۔

(٢) عبارت كا ترجمه: شفعه ثابت بنفس ميع من شريك كيلئ - پرحق ميع مثلا پاني اورراستہ کے حق میں شریک کیلئے چر پڑوی کیلئے اور نہیں ہے شفعہ پانی اور راستہ کے حق میں شریک اور بردی کیلےنفس مجع میں شریک کے ہوتے ہوئے پس اگر شریک فی نفس المبیع سپرد کردے (شفعه كاطالب نه بو) تو پھر شفعة شريك في الطريق كيلئے ہے پس اگر سپر دكرے وہ بھى تو لے سكتا ہے اسے بروی۔ اور شفعہ ثابت ہوتا ہے عقد نظ کے ساتھ اور پختہ ہوتا ہے گواہ بنانے سے اور مملوک موجاتا ہے لے لینے کے ساتھ جب کہ سردکرے اس کوشتری یا فیصلہ کردے اس کا حاکم (قاضی) ۔ س) عبارت کی تشریخ: اس عبارت میں اقسام شفیع اور تر تیب شفعہ کا ذکر ہے تو فرمایا کہ سب سے پہلے شفعہ نفسِ مبیع میں شریک کیلئے ٹابت ہوتا ہے اگروہ شفعہ کرنے کا ارادہ نہیں رکھتا پھر حقِ مبیع لیعنی یانی اور راسته وغیره میں جوشر یک ہوؤہ شفعہ کرسکتا ہے بشرطیکہ وہ راستہ نافذ نہ ہو۔ اگراس کا بھی شفعہ کا ارادہ نہیں ہے تو پشت کی جانب جواس زمین کا پڑوی ہے وہ شفعہ کرسکتا ہے۔ اول کے شفعہ کرنے کی صورت میں دوسرے دونوں کو شفعہ کا حق نہیں۔ اگر وہ شفعہ نہ کرے تو دوسرے کے شفعہ کرنے کی صورت میں تیسرے کو شفعہ کاحق نہیں اگر وہ بھی شفعہ نہ کرے تو پھر تیسر کوشفعہ کاحق حاصل ہے۔بس بہی تین شفیع ہیں اس کے بعد تریق کا رشفعہ کو بیان کیا کہ اولا جونمی شفیع کوئیع کی خبر ملے وہ شفعہ طلب کرےاسے طلب مواہبہ کہتے ہیں پھر باکع اورمشتری میں ہے جس کے قبضہ میں بھی زمین ہواس برگواہ قائم کرے کہ پیمکان فلال نے بیچایا فلال نے خریدا ہے میں اس کاشفیع ہوں تم اس پر گواہ ہوجاؤ اسے طلب اشہاد کہتے ہیں اس کے بعد قاضی کی

عدالت میں جاکر کیے گا کہ فلال زمین فروخت ہوئی ہے میں اس کاشفیع ہوں وہ زمین مجھے دلوائی جائے اسے طلب خصومت اور طلب تہ ملّک کہتے ہیں اب وہ شتری کے سپر دکرنے سے یا قاضی کے حکم ہے ثمن اداکر کے زمین کا مالک ہو جائے گا۔

(٣-٥) اقسام شفيع عقدارانِ شفعه كى ترتيب -كمامر في التشريع-

الورقة الثالثه في الفقه

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٤ ه

﴿ الشق الأول﴾ ﴿ السَّقَ الْأُولَ لَمُ يُتِمَّ لَانَ لَهُ وَطُنٌ فَانُتَقَلَ عَنُهُ وَاسُتَوطَنَ غَيْرَهُ ثُمَّ سَافَرَ فَدَخَلَ وَطُنَهُ الْآوَّلَ لَمُ يُتِمَّ الصَّلُوةَ. وَإِذَا نَوَى الْمُسَافِرُ اَنُ يُقِيْمَ بِمَكَّةَ وَمِنْى خَمْسَةً عَشَرَيَوُماً لَمُ يُتِمَّ الصَّلُوةَ . وَالْجَمْعُ بَيُنَ الصَّلُوتَيُنِ لِلْمُسَافِرِيَجُورُ وَمِنَا لَمُ يُتِمَّ الصَّلُوةَ . وَالْجَمْعُ بَيُنَ الصَّلُوتَيُنِ لِلْمُسَافِرِيَجُورُ وَمُنَا لَمُ يُتِمَّ الصَّلُوةَ . وَالْجَمْعُ بَيُنَ الصَّلُوتَيُنِ لِلْمُسَافِرِيَجُورُ وَمُنَا .)

عبارت بالا پراعراب نگا کرشگیس ترجمه کریں عبارت میں مذکورہ مسائل کی تشریح کرتے ہوئے خط کشیدہ عبارت کا مطلب واضح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين متحن جار امور كا طالب ہے (۱)عبارت پر اعراب

(۲)عبارت کاتر جمه (۳)مسائل کی تشریح (۴) خط کشیده عبارت کا مطلب

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت يراعراب: - كمامر في السوال-

(۲) عبارت کا ترجمہ : جس شخص کا ایک وطن تھا لیں وہ منتقل ہوگیا وہاں سے اور اس نے دوسری جگہ کووطن بنالیا۔ پھرسفر کر کے اپنے پہلے وطن میں آیا تو وہ پوری نماز نہیں پڑھے گا۔ اور جب نیت کر لے مسافر اس بات کی کہ تقیم رہے گا مکہ اور منی میں پندرہ دن تو وہ پوری نماز نہیں پڑھے گا۔ اور دونماز وں کوجمع کرنا مسافر کیلئے جائز بے فعلاً۔ نہ کہ وقاً۔

۔ (۳) مسائل کی تشریح ۔ اس عبارت میں مصنف ؒ نے تین مسائل ذکر کیے ہیں۔ ۱ ایک شخص کسی علاقہ میں مستقل رہتا تھاوہ اس کا وطن اصلی تھا۔ اس کے بعداس نے پہلے ، علاقہ کو چھوڑ کر دوسر ہے کسی علاقہ میں اپناوطن بنالیا مستقل رہائش اختیار کر لی تو اب بیشخص جب ا پنے پہلے وطن میں آئے گا تو یہال مسافر سمجھا جائے گا اب بیاس کا وطن نہیں رہا لہٰذا وہ نماز مملک نہیں پڑھے گا بلکہ قصر کرے گا۔خلاصہ بیہ کہ وطنِ اصلی اپنی مثل کے ساتھ ختم ہوجا تا ہے۔

ایک مسافر نے دورانِ سفر دوشہروں میں اکٹھے پندرہ دن تظہر نے کی نیت کی مثلا یہ کہ وہ کرا چی ہے۔ اس نے متان اور بہاولپور دونوں شہروں میں بندرہ دن تظہر نے کی نیت کی تواب وہ مقیم نہیں ہے گا۔ اور قصر نماز پڑھے گا۔ کیونکہ قیم ہونے کیلئے ایک ہی جگا۔ پندرہ دن رہنے کی نیت کرنا ضروری ہے۔

مسافر شخص اسمنصی دونمازیں پڑھنا چاہے تو فرمایا کہوہ فعلاً تو اسمنصی پڑھ سکتا ہے وقائنیں میں کے مساتا ہے وقائنیں لینی پہلی نماز وقت کے بالک شروع میں پڑھے یعنی ہرنماز اسپی نماز وقت میں پڑھے میں ہڑھے اپنی ہونماز اسپی وقت میں دونمازیں مثلا ظہرادرعصر کی ظہریا عصر کے وقت میں دونمازیں مثلا ظہرادرعصر کی ظہریا عصر کے وقت میں ایکھے پڑھنا چاہے ہے جائز نہیں ہے۔

(۴) خط کشیدہ عبارت کا مطلب: ۱س عبارت کا مطلب مئلہ (۳) کے همن میں • بیان ہو چکا ہے۔

﴿الشق الثانى﴾ (الشَّهِيُهُ مَنُ قَتَلَهُ الْمُشُرِكُوْنَ اَوُوْجِدَ فِي الْمَعْرَكَةِ وَبِهِ آثُرُ الْجَرَّاحَةِ اَوُقَتَلَهُ الْمُسُلِمُونَ ظُلُمًا وَلَّمُ يَجِبُ بِقَتُلِهِ دِيَّةً ۗ . فَيُكُفَنُ وَيُصَلَّى عَلَيُهِ وَلَا يُغُسَلُ.)

عبارت پراعراب لگا کر عام فہم تر جمہ کریں۔شہید کی تعریف اوراس کا تھم وضاحت کے ساتھ تحریر کریں۔ نیز خط کشیدہ جملہ کا مطلب لکھنا نہ بھولیں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں سائل كو پانچ امور مطلوب بيں (۱) عبارت پر اعراب (۲) عبارت كاتر جمہ (۳) شهيد كی تعريف (۴) شهيد كا تھم (۵) خط كشيده جمله كا مطلب ـ ﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت پر اعراب ـ كمامر في السوال آنفا ـ

بر بایا گیا ہواوراس پرزخم کا نشان ہو یا اس کومسلمانوں نے قتل کردیا ہویادہ میدان جنگ میں بایا گیا ہواوراس کے قتل کی وجہ سے

ویت الازمنہ ہوئی ہوئی ہوئی اس کو گفن دیا جائے اور اسپر نماز پڑھی جائے اور اسے مسل نددیا جائے۔ (س)

(س) شہید کی تعربیف نشہید وہ شخص ہے جسے کا فروں نے قبل کیا ہو یا وہ میدانِ
کارزار میں مروہ ہونے کی حالت میں پایا گیا اور اس پر تیر تکوار نیز سے وغیرہ کے لگنے کے فشانات
ہیں یا کسی مسلمان نے اسے ظلما قبل کردیا ہو حثلاً کسی ڈاکو نے اسے قبل کردیا ہواور پھراس کے قبل کی وجہ سے کسی پردیت بھی لازم نہ کی گئی ہوتو وہ شہید ہے۔

﴿ ﴿ ﴾) شہید کا تھکم ۔ شہید کوشل نہیں دیا جائے گا بلکہ اس کوخون آلودجہم اور کپڑوں میں کی بیشی کر کے وہی کفن پہنا کرنماز جناز ہ پڑھ کر دنن کر دیا جائے۔

(۵) خط کشیدہ جملہ کا مطلب: قبل کی دوشمیں ہیں تبلِ عرفتان خطاقتلِ عدمیں فقاص داجب ہوتا ہے اور قبل خطاقتلِ عدمیں فقاص داجب ہوتا ہے اور قبل خطاب سے کہ دوقتی ہوئے ہوئے اس عمر ہوکہ اس قبل سے دیت داجب نہ ہوئی ہو۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٤ ه

﴿الشق الأول﴾ ﴿ ومن كان عليه دين محيط بماله فلازكاة عليه وان كان ماله اكثر من الدين ركّى الفاضل اذا بلغ نصابا وليس فى دور السكنى وثياب البدن واثاث المنزل ودواب الركوب وعبيد الخدمة وسلاح الاستعمال زكاة ولايجوز اداء الزكاة الابنية مقارنة للاداء اومقارنة لعزل مقدار الواجب)

عبارت کاسلیس ترجمہ کر کے بے غبار تشریح کریں۔ نیز زکو ق^{ائم شخص} پراور کب واجب ہوتی ہے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں جار امور توجہ طلب ہیں (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) عبارت کا ترجمہ (۲) عبارت کا مرجمہ (۲) عبارت کا مطلب (۳) زکوۃ کس وقت واجب ہے۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت كائر جمه بجس فض برقرض موجوا عاطر كنوالا مواسك الكار مال كرير بيازا كدمو) تواس برزكوة نبيس بداورا كراس كامال دين سيزياده موقو زكوة

Lie wordpress.co ادا کرے گازائد مال کی جب وہ پہنچے نصاب کو اور رہائٹی گھروں میں اور پہننے کے کپڑوں میں اور گھریلوسامان میں ادرسواری کے جانوروں میں ادر خدمت کے غلاموں میں اور استعال ہونے والے ہتھیاروں میں زکوۃ نہیں ہے۔اورنہیں جائز زکوۃ اداکرنا گرالی نیت کے ساتھ جوادا کے مقارن ہو یامقدار واجب علیحدہ کرنے ہے مقارن ہو۔

(۲) عبارت کا مطلب کی شخص کے پاس مال بقدرنصاب موجود ہے مگراس پر لوگوں كا قرض بے جواس كےكل مال يا بعض مال كوميط ہے كداگر وہ قرض اداكر ديا جائے تو مال بقدرنصاب نہیں بچتا تو ایسے مخص پر زکوۃ واجب نہیں ۔اورا گرقرض کی اوا بیگی کے بعد بھی مال بقد رِ نصاب باقی ہے تو چراس زائد مال پر زکوۃ واجب ہے۔

ر ہائٹی گھروں میں پہننے کے کپڑوں میں ' گھر پلوسامان میں سواری کے جانوروں میں خدمت کے غلاموں میں اور استعال ہونے والے ہتھیاروں میں زکوۃ واجب نہیں ہے الحاصل ضرورت کی استعال والی اشیاء پرزکوۃ واجب نہیں ہے۔

زکوۃ کی ادائیگی صرف ای صورت میں درست ہوگی جب زکوۃ ادا کرتے وقت بینیت كرا مي ميزكوة اداكرر بابول يا مجراس صورت من درست بوكى كه جتنى مقدار زكوة واجب ہاتی مقدار مثلاً بچاس ہزاررو ہے میں سے ساڑھے بارہ سورو پیاس نیت سے علیحدہ رکھ لے کہ یہ میں نے زکوۃ اداکرنی ہے ، پھر کسی کو پیاس دیدیے ، کسی کوسودیدیے اس ساڑ ھے بارہ سومیں ے تواس ادا نیگی کی وقت اگر چربیب زکوہ نہ بھی کرے تب بھی بیادا نیگی درست ہے اس لیے کہ مقدار واجب کوعلیحدہ کرتے وقت زکوۃ کی نیت ہوچکی ہے۔

(m) زکوة کس برواجب ہے: _زکوة کے داجب ہونے کیلئے مالک میں پانچ شرطوں كا إليا جانا ضروري ہے۔ (١) عاقل ہو مجنون پر زكوة نبيس (٢) بالغ ہو' بچد پر زكوة واجب نبيس _ (٣) مسلمان ہو' کافر پرزکوہ نہیں اگر چہ مرتد ہو۔ (٣) آزاد ہو'غلام پرزکوہ نہیں۔ (۵) اس کے ذمددین محیط نه ہواگراس کے ذمہ دین محیط ہوتو زکو ہنیں جیسے پیچھے گزرا۔

(م) زکوۃ کس وقت واجب ہے:۔وجوب زکوۃ کی تین شرطیں ہیں۔(۱)مال بقدرِ

نصاب ہو(۲) مال نامی (بوصنے والا) یا مال تجارت ہو (۳) مال پرسال گزرجائے الحاصل سال کے گزرنے پرزکوۃ واجب ہوتی ہے۔

﴿الشق الثانى ﴾(ومن جمع بين حروعبد اوشاة ذكية وميتة بطل البيع فيهما ومن جمع بين عبدومدبر اوبين عبده وعبد غيره صح البيع في العبد بحصته من الثمن ونهى رسول الله صلى الله عليه وسلم عن النجش وعن السوم على سوم غيره وعن تلقّى الجلب وعن بيع الحاضر للبادى والبيع عنداذان الجمعة وكل ذلك يكره ولايفسدبه البيع)

عبارت کاداضح تر جمه کریں۔عبارت میں مسائل ندکورہ کی تشریح وضاحت کے ساتھ تح مر کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال کا لپ لباب دو چیزیں ہیں۔(۱)عبارت کا ترجمہ (۲)عمارت کی تشریح۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت كاتر جمه _ جس فحض في جمع كيا (بيع ميس) آزاداورغلام كو يا فرح شده اور مردار بكرى كوتو باطل ہوجائے گی بيج دونوں ميں اور جس في جمع كيا غلام اور مد بركويا اپنے غلام اور اپنے غير كے غلام كوتو مجمج ہوجائے گی بيج غلام ميں اس كے حصد كے ساتھ خمن ميں سے اور منع فر مايا رسول اللہ بيل في بي ميں جش سے اور غير كے بھاؤ پر بھاؤ لگانے سے اور تلقى جلب سے اور شهرى كے ديماتى كيلے بيج كرنے سے اور اذان جمعہ كے وقت بيج كرنے سے اور ادان جمعہ كے وقت بيج كرنے سے اور بير كام كي تمام كى
(۲) عبارت کی تشریح کسی آدمی نے ایک بی عقد میں آزاد آدمی اور غلام کو یا ایک بی عقد میں آزاد آدمی اور غلام کو یا ایک بی عقد میں ذرج شدہ بحری اور مردار بحری کو چے دیا تو امام ابو حنیفہ ؒ کے نزدیک دونوں میں بچ باطل ہوجائے گی اس لیے کہ گویا اس نے غلام کی بچ میں تُرکی بچ کی اور خد ہو حدی بچ میں مُر دار کی بچ کی شرط لگادی جوعقد کے تقاضا کیخلاف ہے اس وجہ سے تھ باطل ہے۔

اورا گر غلام اور مد برکویا اپ غلام اور غیر کے غلام کوایک بی عقد میں جے دیا تو پہلی صورت میں غلام میں اور دوسری صورت میں اپ غلام میں اسکے ٹمن کے حصہ کے اعتبار سے تھے درست Ginordh,

ہوجائے گی اور مد بریس اور غیرے غلام میں درست شہوگی۔

ای طرح کوئی چیز خریدنے کا ارادہ نہیں ہے صرف مشتری کو دھوکہ دینے کیلئے زیادہ بھاؤ لگانا۔ یا کسی نے بھاؤلگایا اور بائع ومشتری اس پر راضی ہو گئے پھر جان ہو جھ کر اس سے زیادہ بھاؤ لگانا میں کر وہ ہے اس طرح تسلقی جلب لیعن شہرسے باہر ہی انائی غلدہ غیرہ والے قافلوں سے ستا غلہ دھوکہ دہی سے خرید نایا کوئی دیہاتی بیچنے آیا شہری نے کہا جلدی نہ کرنا میں زیادہ رہٹ سے بعد میں فروخت کروادوں گاذرائھ ہر جاؤیا اذائی جمعہ کے وقت کوئی تیج کرنا میتمام ہوع فاسد نہیں بیں صرف کروہ بیں حتی الامکان احتر از کرنا چاہیے۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٤ه

﴿الشق الأول﴾والأجراء على ضربين اجيرمشترك واجير خاص فالمشترك من لا يستحق الأجرة حتى يعمل كالصبّاغ والقصّار والمتاع امانة في يده ان هلك لم يضمن شيئاً عندا بيحنيفة وقالا يضمنهوالاجيرالخاص هوالذي يستحق الاجرة بتسليم نفسه في المدة وان لم يعمل كمن استاجر رجلا شهراللخدمة اولرعي الغنم ولاضمان على الاجير الخاص فيهاتلف في يده ولافي ماتلف من عمله اللا ان يتعدى فيضمن)

. عبارت کاسلیس تر جمہ کریں ٔ عبارت ندکورہ کی روثنی میں اجبرِ مشترک ادراجیرِ خاص میں سے ہرا یک کی تعریف ادر تھم وضاحت کے ساتھ تحریر کریں۔

(خلاصهٔ سوال) اس عبارت میں دو امرحل طلب ہیں (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) اج_{یر} مشترک ادراجیر خاص کی تعریف دعم۔

﴿ جواب ﴾ (1) عبارت کا ترجمہ ناجر دوقتم پر ہے اجیرِ مشترک اور اجیرِ خاص کی اجیرِ مشترک اور اجیرِ خاص کی اجیرِ مشترک اور دھو بی۔
پس اجرِ مشترک وہ ہے جونبیں مستحق ہوتا اجرت کا یہاں تک کہ کام کردے جیے رگر پر اور دھو بی۔
اور سامان اس کے پاس امانت ہوتا ہے اگر وہ ہلاک ہوجائے تو وہ نہیں ضامن ہوتا کی چیز کا امام ایوضیفہ کے نزدیک اور صاحبین فرماتے ہیں کہ وہ ضامن ہوگا سامان کا سساور اجیر خاص وہ ہے جو

مستی ہوجاتا ہے اجرت کا مدت میں اپ نفس کو سپر دکردینے کے ساتھ اگر چیمل نہ کیا ہوجیسے اجرت کا مدت میں اپ نفس کیلئے یا بکریاں چرانے کیلئے ۔ اور نہیں ہے حان اجیر خاص پراس چیز میں جو تلف ہوجائے اس کے قبضہ میں اور نہ اس چیز میں جو تلف ہوجائے اس کے عمل سے گریہ کہ وہ تعدی کرے بھروہ ضامن ہوگا۔

(۲) اجير مشترك واجير خاص كي تعريف وحكم: _

اجبرِ مشترک: ۔وہ مخص جو بلا تخصیص ہر کسی کا کام کرتا ہواور بعد العمل ہی اجرت کا مستحق موتا ہو جیسے دھو بی رنگریز ایکے پاس جو آجائے اس کا کام کردیتے ہیں اور بعد العمل اجرت وصول کرتے ہیں۔

اجیر خاص: وہ مخض جوایک وقت میں صرف ایک ہی آ دمی کا کام کرتا ہوادر یہ مخض اپنا نفس پر دکرویے ہے ہی اجرت کا مستحق ہوجائے گا خواہ متاجرنے اس مدت میں اس سے کام لیا ہویا نہ لیا ہوجیسے کسی آ دمی کو خدمت یا بحریاں جرانے کیلئے ایک ماہ تک اجیر رکھا' تو اس ایک ماہ میں اس سے کام لیا گیا ہویا نہ لیا گیا ہودہ اجرت کا مستحق ہوگا۔

اجیرِ مشترک و خاص کا حکم ۔ اجیرِ مشترک کے پاس جو چیز تلف ہوجائے وہ عندالصاحبین اس کا ضامن ہوگا اور یہ بعد العمل ہی اجرت کا مستحق ہوگا اور اجیرِ خاص کے پاس جو چیز بلا تعدی ہلاک ہوجائے وہ اس کا ضامن نہ ہوگا اور یہ دتِ معینہ پراجرت کا مستحق ہوگا خواہ اس سے کام لیا گیا ہو یا نہ لیا گیا ہو۔

﴿الشق الثانى ﴾ ﴾ (والضرب الثانى الكنايات ولائقع بها الطلاق الابالنيّة اوبدلالة حال وهي على ضربين منها ثلاثة الفاظ يقع بها الطلاق الرجعي ولايقع بها الاواحدة وهي قوله اعتدى واستبرئي رحمك وانت واحدة وبقية الكنايات اذانوى بها الطلاق كانت واحدة بائنة وان نوى ثلاثا كانت ثلاثا وان نوى اثنتين كانت واحدة)

طلاق صری اورطلاق کنایدی سے ہرایک کی تعریف وظم بیان کریں نیز عبارت نیکوروکی

د نشین تشر^س کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين تين امورقابلِ غور بين (١) طلاق صرت كو كنايه كي تعريف _ (٢) طلاق صرت كو كناية كاحكم (٣) عبارت كي تشرت كي _ (٢)

﴿ جواب ﴾ (١) طلاق صريح و كنابير كي تعريف -

طلاق صرت کی ان الفاظ سے طلاق و بے جو طلاق ہی میں ستعمل ہوں جیسے انت طالق انت مطلقة طلقتك -

طلاق کنایہ ۔آدی ان الفاظ سے طلاق دیجوطلاق اورغیر طلاق دونوں میں مستعمل ہوں جسے اعتدی استبرئی رحمك انت واحدة۔
(۲) طلاق صرت کو کنایہ کا حکم :۔

طلاق صریح کا حکم ۔ طلاق صریح میں صرف ایک طلاق رجعی ہی واقع ہوتی ہے۔ طلاق کنامیکا حکم ۔ طلاق کنامہ میں صرف ای صورت میں طلاق واقع ہوتی ہے جب مردنیت کر بے یا حال دلالت کر نے پھر الفاظ کنائی دوشتم پر ہیں بعض وہ ہیں جن سے صرف ایک طلاق رجعی واقع ہوتی ہے اور بعض وہ ہیں جن کا مدارنیت پر ہے اگر ایک کی نیت ہوتو ایک اگر تین کی نیت ہوتو تین اگر دو کی نیت ہوتہ بھی ایک میں اری تفصیل آگے تشریح میں آرہی ہے۔

(۳) عبارت کی تشریح ۔ اس عبارت میں طلاق کی دوسری قتم طلاق کنائی کاذکر ہے تو فر مایا کہ الفاظ کنائی سے صرف اس صورت میں طلاق واقع ہوتی ہے جب آ دمی طلاق کی نیت کرے یا حال طلاق پر دلالت کرے۔

پھرالفاظِ کنائی کی دوسمیں ذکر کی ہیں پہلی سم وہ تین الفاظ جن سے صرف ایک طلاقِ رجعی ہی واقع ہوتی ہے واقع ہوتی ہے واقع ہوتی ہے واحدہ دوسری سم ایکے علاوہ بقیہ جتنے بھی کنایات ہیں ان سے اگر ایک طلاق کی نیت کرے گا تو ایک طلاقِ بائندواقع ہوگی اگر ووکی نیت کرے گا تو تین واقع ہوجا کیں گوری نیت کرے گا تو تین واقع ہوجا کیں گا۔ ان میں سے بعض الفاظ یہ ہیں انتِ بائن بتہ ، بتہ ، بتہ ، حدام حبالی علی غاربی الح۔

الورقة الثالثة في الفقه

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٤ هضمني

﴿ الشق الأول﴾ … (والطَّهَارَةُ مِنَ الْآحُدَاثِ جَائِزَةٌ بِمَآءِ السَّمَاءِ وَالْآوُدِيَةِ وَالعُيُونِ وَالْآبَارِ وَمَآءِ الْبِحَارِ وَلَاتَجُورُ الطَّهَارَةُ بِمَاءٍ اُعُتُصِرَمِنَ الشَّجَرِوَ الطَّهَارَةُ بِمَاءٍ اُعتُصِرَمِنَ الشَّجَرِوَ الثَّمَرِ وَلَا بِمَاءٍ عَلَيْهِ غَيْرُهُ فَاَخُرَجَهُ عَنُ طَبْعِ الْمَآءِ كَالْآشُرِبَةِ وَالْخَلِّ وَالْمَرُقِ وَمَاءِ الزَّرُدَجِ)

عبارت ندکوره پراعراب لگائیں' ترجمہ دتشرت کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين تين امورهل طلب بين (١) عبارت ير اعراب-

(۲)عبارت کار جمد (۳)عبارت کی تشریح۔

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت يراع اب: - كمامر في السوال آنفاً -

(۲) عبارت کا ترجمہ: احداث سے پاکی حاصل کرنا جائز ہے آسان اوروادیوں اور چشموں اور کنوؤں اور دریاؤں کے پانی سے اور نہیں جائز پاکی حاصل کرنا اس پانی سے جونچوڑا گیا ہودرخت اور پھل سے اور نہاس پانی سے کہ غالب آگیا ہواس پراس کا غیر پس نکال دیا ہواس نے اس کو پانی کی طبیعت (اصلی حالت) سے جیسے شربت اور سرکہ اور شور بہ اور لوبیا کا پانی اور عرقِ گلاب اور زردج (گاجر) کا جوں۔

(س) عبارت کی تشریح ۔اس عبارت میں پانی کے احکام کا ذکر ہے کہ کس پانی سے طہارت جائز ہے اور کس سے ناجائز ، تو فرمایا کہ آسان ، وادی چشمہ کوال ، دریا کے پانی سے طہارت جائز ہے کوئکہ بیاصل حالت پر پانی ہیں۔

اوروہ پانی جےدرخت یا کھل ہے نجوڑا گیا ہوجیہ لوبیا کا پانی عرق گلاب اس طرح گاجریا گنے وغیرہ کارس یاوہ پانی جس پرکوئی اور چیز غالب آئی ہواور پانی اپنی اصلی حالت و کیفیت سے نکل چکا ہوجیسے شربت سرکہ شور بدان تمام پانیوں سے طہارت حاصل کرنا جائز نہیں ہے کیونکہ پانی اب پانی ہی نہیں رہا بلکہ اس کواب پانی کہا ہی نہیں جاتا بلکہ وہ شربت سرکھ تی توٹ وغیرہ کہلا تاہے۔ ﴿الشق الثانى ﴾(ومن صلى الظهر فى منزله يوم الجمعة قبل صلوة الامام ولاعذر له كره له ذلك وجازت صلوته فان بداله ان يحضر الجمعة فتوجه اليها بطلت صلوة الظهرعند ابيحنيفة بالسعى وقال ابويوسف ومحمد لاتبطل حتى يدخل مع الامام)

عبارت پراعراب لگائیں'تر جمہ کریں اور واضح تشریح کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) عبارت پر اعراب (۲)عمارت کاتر جمہ (۳)عمارت کی تشریح۔

﴿ جُوابِ ﴾ (ا-٢-٣) اعراب ترجمه تشريك الكمامر في الشق الثاني من السوال الاول ١٤٢٥ هـ

﴿السوال الثاني ﴿ ١٤٢٤ ه ضمني

﴿الشق الأول﴾ (اذا احصر المحرم بِعَدق اواصابه مرض يمنعه من المضى جازله التحلل وقيل له ابعث شاة تذبح فى الحرم ووَاعِدُ من يحمِلها يوما بعينه يذبحها فيه ثم تحلّلُ فان كان قارنا بعث دمين)

احصار کے لغوی واصطلاحی معنی بیان کریں عبارت ندکورہ کا ترجمہ کریں مطلب واضح کریں (خلاصۂ سوال) اس سوال کا خلاصہ تین امور ہیں (۱) احصار کا لغوی واصطلاحی معنی (۲) عبارت کا ترجمہ (۳) عبارت کا مطلب۔

﴿ جواب ﴾ (1) احصار کا لغوی واصطلاح معنی َ احصار لغت میں مطلق رو کئے کہتے ہیں اور اصطلاح میں احصار ہے ہے کہ دشمن یا در ندہ یا مرض ادائیگی رکن (جج وعمرہ) سے روک دے۔

(۲) عبارت کا ترجمہ َ جب روک دیا جائے محرم دشمن کیوجہ سے یا پہنچا اس کو ایسا مرض جس نے روک دیا ہے جائے ہے و جائز ہے اس کے لیے حلال ہو جانا۔ اور اسے کہا جائے گا کہ تو بحری بھیج جوذئ کیجائے حرم میں اور وعدہ کر اس شخص سے جولیکر جائے اسے ایک معین دن کا کہ ذئ کرے گاوہ اس کو اس دن میں پھر حلال ہو جائے وہ (محرم) پس اگروہ قارن ہوتو دودم

(برماں) بھیجے۔

(۳) عبارت کا مطلب : اس عبارت میں محصر کے احکام کاذکر ہے کہ اگر کوئی محرم وشن درندہ یا بیاری وغیرہ کی وجہ سے جج وعمرہ سے روک دیا گیا تو اب اس کو کہا جائے گا کہ کسی کے ہاتھ بحری بھیج دیے جواسے حرم میں جا کرذئ کرے اور اس کے ساتھ دن تاری فقت وغیرہ متعین کرے کہ وہ فلاں تاری کی کوفلاں وقت میں اے حرم میں ذئ کرے گا تو جب وہ دن اور وقت آ جائے اور محصر کو اندازہ ہو کہ اس نے جانور ذئ کر دیا ہوگا تو پھر یہ طلال ہوجائے احرام کھول دے اور اگریہ قارن تھا کہ اس نے جج وعمرہ کا اکٹھا احرام باندھا ہو اتھا تو پھریہ دودم یعنی دو جانور قربانی کیلئے وہاں بھیجے گا۔

﴿الشق الثانى ﴾(ويحوز البيع بثمن حال و مؤجل اذا كان الاجل معلوما ومن اطلق الثمن في البيع كان على غالب نقدالبلد فان كانت النقود مختلفة فالبيع فاسد إلّاان يبين آحدَها. ويجوز بيع الطعام والحبوب كلها مكايلة ومجازفة وبأناء بعينه لايعرف مقداره اوبوزن حجر بعينه لايعرف مقداره)

عبارت بالاکاتر جمہ کریں عبارت میں مذکورہ مسائل کی عام فہم تشریح کریں۔
(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوامر مطلوب ہیں(۱) عبارت کاتر جمہ (۲) مسائل کی تشریح۔
﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمہ ۔ ۔ اور بیج جائز ہے نقد اور ادھار شمن کے ساتھ جبکہ مدت معلوم و معین ہوا اور جس شخص نے مطلق چھوڑ دیا شمن کو بیج بین تو محمول ہو نگے شمن شہر میں زیادہ رائج سکہ ربی اگر مختلف سکے رائج ہوں تو بیج فاسد ہوگی الآیہ کہ بیان کرد ہے کس ایک کو اور جائز ہے ہرت مے کیاج اور انگل (اندازہ) سے اور السے معین برت سے اور معین پھر سے جنگی مقد ارمعلوم نہیں ہے۔

(۲) مسائل کی تشریح: یہ پہلا مسئلہ یہ بیان کیا کہ نقد شن اور ادھار شن کے ساتھ تھ جائز ہے جبکہ ادھار کی مدت معین ہو کہ ہفتہ یامہینہ کے بعد شن دیدوں گا۔ فقه

دوسرامسکلہ بیان کیا کہ کس نے بیچ کی اور شمن کو مطلق چھوڑ دیا۔ مثلا یہ چیز دس کی ہے رہ پیہ درہم دینار متعین نہیں کیا تو پھر شہر میں جوسب سے زیادہ کرنی چلتی ہوگی مثلا رو پیتواس پر شمن مجمول ہوں گے بعنی یہ چیز دس رو پید کی ہے۔ اور اگر مختلف سکے چلتے ہیں اور مالیت بھی مختلف ہے اور کوئی زیادہ رائج بھی نہیں یعنی سب برابر چیتے ہیں تو اس صورت میں کسی ایک کو معین کر دیا تو بھے درست ہے وگر نہ نیچ فاسد ہوگی۔

تیسرا مسکلہ بیان کیا کہ اناح اور غلہ کی نظے پیانہ سے اور اندازہ سے اور کسی پھر کے وزن کے برابریا کسی برتن کی مقدار کے برابر جنگی مقدار معلوم نہیں ہے ہر طرح سے نظے جائز اور درست ہے۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٤ ه ضمني

﴿الشق الأول﴾ (ولاتصح المرابحة والتولية حتى يكون العوض مماله مثل ويجوز أن يضيف الى رأس المال أجرة القصار والصباغ والطرازو الفتل وأجرة حمل الطعام ويقول قام على بكذا ولايقول اشتريته بكذا) تَعْم ابحدوتوليدك تع من عبارت كامطلب وضاحت كما تمتح يركري ر

ی رومندروییدن ریب دین بادگ ملب میں۔(۱) نظ مرابحہ وتولیہ کی تعریف (خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوامر حل طلب میں۔(۱) نظ مرابحہ وتولیہ کی تعریف

(۲)عبارت کامطلب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) بيع مرا بحدوتوليه كى تعريف_

نیچ مرا بحہ ۔وہ تیج جوتمنِ اول پرزیادتی کے ساتھ ہو۔

بیع تولیہ ۔وہ بع جو صرف ثمنِ اول کے ساتھ ہواس پر زیادتی نہ ہومثلا بچاس رو پے کی چیز بچاس میں بیچنا تولیہ اور ساٹھ میں بیچنا مرابحہ ہے۔

(۲) عبارت کا مطلب داولاً یہ بات بتلائی کہ بیج مرابحہ وتولیہ صرف ان اشیاء میں ہوسکتی ہے جنکاعوض (ثمن) مثلی ہو کیونکہ اگر اس کاعوض مثلی نہ ہوتو پھر اندازہ لگانا مشکل ہوگا کہ یہ چیز ثمنِ اول پر فروخت ہورہی ہے یا کمی زیادتی پر اس کے بعد بید سئلہ بیان کیا کہ بائع مبیع کے اصل ثمن کے ساتھ دھو بی رنگر یر وغیرہ کا خرچہ بھی شامل کرسکتا ہے مثلاً کیڑا بچپاس روپے کا خریدا

دی روپے میں رنگ کروایا تواب وہ یہ کپڑا تھے تولیہ کے طور پرساٹھ کا ادر مرابحہ کے طور پرستر کا تھے سکتا ہے۔البتہ قول میں احتیاط کرے گایعنی نیبیں کہا گا کہ میں نے ساٹھ کا خریدا ہے۔ کیونکہ یہ جھوٹ ہے کیونکہ اس نے بچاس کا خریدا ہے بلکہ اس طرح کہے گا کہ مجھے یہ کپڑا ساٹھ میں پڑا ہے میں اسنے میں بیتیا ہوں۔

﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ ومن نذران يتصدق بماله لزمه ان يتصدق بمنه الزكوة ومن نذر ان يتصدق بملكه لزمه ان يتصدق بالجميع ويقال له امسك منه مقدار ماتنفقه على نفسك وعيالك الى ان تكسب مالًا فاذا اكتسبت مالا تصدقه بمثل ماامسكت لنفسك)

عبارت کی تشریح کریں خط کشیدہ عبارت کا مطلب واضح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر قابلِ فكرين (١) عبارت كي تشريخ (٢) خط كشيده

عبارت كامطلب_

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کی تشریح کی شخص نے بینذر مانی کہ میرافلاں کام ہو گیا تو میں اپنا مال صدقہ کروں گا' چنانچہاس کا وہ کام ہو گیا تو اب اس کو چاہیے کہ کسی بھی جنس کی اتن مقدار صدقہ کرے جونصاب ذکوۃ کو پہنچے۔

اورا گرکسی نے اپنی ملک صدقہ کرنے کی منت مانی اوروہ کام ہوگیا تواس کو چاہیے کہ کل مال صدقہ کردے صرف اتنا مال بچائے جس سے اس کا اور اس کے اہل وعیال کا خرچہ چل سکے اور بعد میں جب اس نے مزید مال کمالیا تواب اے کہا جائے کہ کل مال میں سے تونے جتنا مال بچایا تھاا ہے اہل وعیال کیلئے اتنا مزید اب صدقہ کر۔

(٢)خط كشيده عبارت كامطلب: تشريح كضمن بين اسعبارت كامطلب بهي موكيا

الورقة الثالثةفي الفقه

﴿السوال الاول﴾ ٢٤٢٣ه

﴿الشق الاول﴾ (وَمَن لَمُ يَجِدِ الْمَاءَ وَهُوَ مُسَافِرُ أَوْخَارِجَ

الْمِصْرِوَبَيْنَةَ وَبَيْنَ الْمِصُرِ نَحُوُ الْمِيُلِ اَوْاكُثَّرَ اَوْكَانَ يَجِدُ الْمَاءَ اِلَّا اَنَّةَ مَرِيُضَّ فَخَافَ إِن اِسْتَعُملَ اَلْمَاءَ اِشْتَدَ مَرَضُهُ اَوْخَافَ الْجُنُبُ اِنِ اغْتَسَلَ بِالْمَاءِ يَقْتُلُهُ الْبَرُدُ اَوْيُمَرِ ضُهُ فَإِنَّهُ يَتَيَمَّمُ بِالصَّعِيْدِ)

عبارت پراعراب لگا کرتر جمہ دمکمل تشریح کریں۔ تیٹم کے لغوی واصطلاحی معنی بیان کریں۔ حدثِ اصغروا کبردونوں کیلئے تیٹم کاطریقہ واضح طور پرکھیں۔

(خلاصهٔ سوال)اس سوال کا ماحصل پانچ امور بین (۱) عبارت پراعراب (۲) عبارت کاتر جمه (۳) عبارت کی تشریح (۴) تیم کالغوی واصطلاحی معنی (۵) تیم کاطریقه به

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت براعراب حكمامر في السوال آنفا-

ر کی عبارت کا ترجمہ ۔ اور جو شخص نہ پائے پانی اور وہ مسافر ہو یا شہر سے باہر ہواور اس کے درمیان اور شہر کے درمیان ایک میل یا اس سے زائد کی مسافت ہو۔ یا وہ پانی پا تا ہو گروہ بیار ہواور خوف ہو کہ اگر پانی استعمال کیا تو مرض بڑھ جائے گایا جنبی کوخوف ہو کہ اگر پانی سے شسل کیا تو مارڈ الے گی اس کوسر دی یا بیار کردے گی اس کوتو بے شک وہ یا ک مٹی سے تیم کرے۔

پاس عبارت کی تشریکی اس عبارت میں تیم کے عم کا بیان ہے کہ جس شخص کے پاس پانی نہ ہواور وہ مسافر ہو یا شہر سے باہر ہواور اس کے اور شہر کے درمیان ایک میل یا زائد کی مسافت ہو یعنی شہر سے وہ شخص کم از کم ایک میل دور ہویا اس شخص کے پاس پانی تو موجود ہے گروہ بیار ہے۔ اسے خوف ہے کہ اگر میں نے پانی استعمال کیا تو سردی سے مرجاؤں گایا بیار ہوجاؤں گایا مرض بڑھ جائے گایا جنبی آ دی نے خوف محسوں کیا کہ اگر پانی سے عسل کرے گاتو سردی اس کو تل کردے گی تو ایس شخص تیم کرسکتا ہے۔ اس کے لئے پانی استعمال کرنا ضروری نہیں ہے وہ پاک منی سے تیم کرسکتا ہے۔

(٣-٥) ليم كالغوى واصطلاحى معنى ليم كاطريقه - كما مرّفى الشق الاول من السوال الاول ١٤٢٥هـ

﴿الشق الثانى ﴾ --- (اَلرَّكوة وَاجِبَةٌ فِي غُيرُوضِ التِّجَارَةِ كَائِنَة مَاكَانَتُ إِذَابَلَغَتُ قِيمُهُمُ التِّبَاهُو اَنْفَعُ لِلْفُقَرَاءِ مَاكَانَتُ إِذَابَلَغَتُ قِيمُهُمُ الْمِفُو اَنْفَعُ لِلْفُقَرَاءِ

(خلاصة سوال) اس سوال كا خلاصه تين امور بين ـ (۱) عبارت پر اعراب ـ (۲) عبارت كاتر جمه (۳) ائمه ثلاثةً كے اقوال كى تشريح ـ

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت يراع اب دكمامر في السوال آنفاً-

رکوۃ واجب ہے سامان تجارت میں خواہ وہ کی جمہ ہے۔ ۔ زکوۃ واجب ہے سامان تجارت میں خواہ وہ کی جمہ کا بھی ہو۔ جبکہ بنتی جائے اس کی اس چیز ہے جوزیادہ باخع ہوفقراء وساکین کیلئے ان دونوں میں ہے امام ابو یوسٹ فرماتے ہیں کہ قیمت لگائے اس کی اس چیز ہے جس کے ذریعہ خریدا ہے اس نے اس کو پس اگر خریدا ہواس کو شمن (سونے چاندی) کے علاوہ ہے تو قیمت لگائے اس چیز ہے جورائ ہو شہر میں اور امام محمد فرماتے ہیں کہ ہر حال میں نفذ غالب ہے تی قیمت لگائے گا۔

(۳) ائمہ ثلاثہ کے اقوال کی تشریح کی ٹیم فیص کے پاس سامانِ تجارت ہے جو چاندی یاسونے میں ہے کی ایک چیز کے نصاب کو پنچتا ہے تو بالا تفاق وہ فیض اسی حساب کا لحاظ کرے گاجس کے مطابق وہ سامان نصابِ زکوۃ کو پہنچ رہاہے۔

ادراگر وہ سامان تجارت چاندی وسونا ہردو کے نصاب زکوۃ کو پہنچتا ہے تو پھر وہ مخص کس اعتبار سے زکوۃ اداکرے گا'اس میں ایک ثلاث کا اختلاف ہے امام ابوصنیفہ فرماتے ہیں کہ جس نصاب کے اعتبار سے فقراء و مساکین کوزیادہ فاکدہ ہواس اعتبار سے زکوۃ اداکرے گامثلاً سامان تجارت کی قیت سونے سے لگا کیں تو اس پر آدھ دینار (پانچ درہم) زکوۃ لازم ہوتی ہے اور اگر چاندی سے لگا کیں تو اس پر چھدرہم لازم ہوتے ہیں تو چاندی کے لخاظ سے ذکوۃ اداکر ہے گا۔
امام ابو یوسف فرماتے ہیں کہ مالک نے سونا اور چاندی میں سے جس کے ساتھ بھی وہ

سامان خریدا ہے ای کالحاظ ہوگا'اورا گرسونا چاندی کےعلاوہ کوئی اور چیز دے کروہ سامان خریدا گئے۔ تو پھرشہرین جونقدی (کرنسی) چلتی ہوای کالحاظ کر کے زکو ۃ ادا کر ہے گا یعنی اس نقد غالب میں اس سامان کی مالیت برجتنی زکو ۃ لازم ہوتی ہوگی وہی ادا کر ہےگا۔

ام محمدٌ فرماتے ہیں کہ خواہ اس نے وہ سامان سونا چاندی سے خریدا ہویا کسی اور سامان وغیرہ کے عض بہر صورت شہر کی نقد غالب (کرنسی) کے اعتبار ہے ہی وہ زکو قادا کر ہے گا۔

﴿السوالِ الثاني ﴿ ١٤٢٣ ﴿

﴿الشق الأول﴾ (وخيار البائع يمنع خروج المبيع من ملكه فان قبضه المشقرى فهلك بيده في مدة الخيار ضمنه بالقيمة وخيار المشترى لايمنع خروج المبيع من ملك البائع الآان المشترى لا يملكه عند ابى حنيفة وقال ابويوسف ومحمد يملكه فان هلك بيده هلك بالثمن وكذلك ان دخله عيب)

عبارت کا ترجمہ وتشری کرتے ہوئے قیمت وشن میں فرق واضح کریں۔خیار شرط کی تحریف کریں۔ خیار شرط کی تحریف کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں پانچ امور کا عل مطلوب ہے (۱) عبارت کا ترجمہ (۲)عبارت کی تشریح (۳) قیمت وثمن میں فرق (۴) خیارِ شرط کی تعریف (۵) مدتِ خیار کی مقدار۔

جواب کا حیارت کا ترجمہ ۔ بائع کا خیار منع کرتا ہے ہی کواس کی ملک سے نکلنے سے پس اگر بیضہ کرلیا اس پر مشتری نے پس ہلاک ہوگی وہ اس کے قبضہ میں مدت خیار میں تو وہ قیمت کا ضامن ہوگا اور مشتری کا خیار نہیں منع کرتا ہے ہی کو بائع کی ملک سے نکلنے سے مگر یہ کہ نہیں ما لک ہوجائے گا نہیں ما لک ہوجائے گا اس کا مشتری اس کا امام ابو حذیفہ کے نزد یک اور صاحبین فرماتے ہیں کہ مالک ہوجائے گا اس کا مشتری پس اگر ہلاک ہوگئ وہ اس کے قبضہ میں تو ہلاک ہوگئ شن کے ساتھ اور اس طرح اگر داخل ہوگیا اس میں عیب۔

(۲) عبارت کی تشریح ۔اس عبارت میں خیار شرط کے مسئلہ کو ذکر کیا جارہا ہے۔ تو فرمایا کہ اگر بائع و مشتری نے کسی چیز کی خرید وفر وخت کی اور بائع نے اپنے لیے خیار شرط رکھا تو

الی صورت میں میچ بائع کی ملک سے نہیں فکے گی البذااگراس چیز پرمشتری قف کر کے لے گیا آور وہ میج مشتری کے پاس مت خیار میں ہلاک ہوگئ تو مشتری قیت کا ضامن ہوگا' کیونکہ وہ چیز بائع کی ملک نے نکلی ہی نہیں ہے اور اگر مشتری نے اپنے لیے خیار شرط رکھا تو اس صورت میں مبع بائع كى ملك ن فك جائيكى للبذااب الرميع مشترى كے ياس ملاك موكنى ياس كوعيب لك كيا تو وہ من كا ضامن ہوگا کیونکہ میچ بائع کی ملک سے نکل گئی ہے۔اب اس صورت میں اختلاف ہے کہ جب میچ بائع کی ملک سے نکل گئی اور مشتری کے لیے خیار شرط ہے تو اس صورت میں وہ بہیے مشتری کی ملک میں داخل ہوگی یانہیں تو امام ابوصنیفہ فر ماتے ہیں کہوہ مجھے مشتری کی ملک میں داخل ندہوگی وگرند بدل مبدل مند کا ایک بی مخص (مشتری) کے پاس جمع ہوتا لازم آتا ہے جو درست نہیں ہے اور صاحبین فرماتے ہیں کہ اس صورت میں مجیع مشتری کی ملک میں داخل ہوجائے گی وگرنہ زوال ملک لاالٰی مالک لازم آئے گاجس کی کوئی نظیر نہیں ہے وام صاحب کی طرف سے اس کا جواب یہ ہے كه خروج ملك لا إلى ما لك كى متعدد نظيري موجود بين مثلاً متولى كعبد في عدمت كعبد كيلي غلام خریداتوده ما لک کی ملک سے نکل جاتا ہے مرکمی کی ملک میں داخل نہیں ہوتا۔ای طرح تر کہ ستغرق بالد مین ہوتو وہ میت کی ملک سے نکل جاتا ہے مگرور ثاءاور قرض خواہوں کی ملک میں داخل نہیں ہوتا۔ (س) قیمت وثمن میں فرق: قیت کسی چیز کی وہ مالیت جو بازار میں ہواور ثمن وہ مالیت جوبائع ومشترى آپس كى رضامندى سے طے كرليس مثلا زيدنے بكركوايك سائكل بزاررويدكا يجا جبكه بازار مين اس كى ماليت باره سوروي بي تو بزار رو پيشن اور باره سورويية قيت ب-

بهده رور میں من بات ہوں روز ہے ہے۔ رور وربیت مار روہ رہ وروپیدیت ہے۔ (۴) خیار شرط کی تعریف: ۔وہ خیار جو بائع یا مشتری کو محض شرط کر لینے کی وجہ سے حاصل ہو اور بلاشرط حاصل نہ ہو۔

(۵) مرت خیار کی مقدار : تین دن یاس ہے کم مرت خیار بالا تفاق جائز ہے تین دن ہے دن ہے ذاکد صاحبین اور امام احد کے نزدیک جائز ہے جبکہ امام ابو حنیفہ آمام زفر و امام شافی کے نزدیک جائز نہیں۔اور مرت بیان کیے بغیر (مرت مجبول) کے ساتھ خیار بالا تفاق نا جائز ہے۔

﴿الشق الثانى ﴾ (ولاتجوز الهبة فيها يقسم الامحوزة مقسومة وهبة المشاع فيما لايقسم جائزة ومن وهب شقصا مشاعافالهبة فاسدة فان قسمه وسلمه جاز)

ہبہ کی تعریف کریں اور بتا تیں کہ ہبہ کا کیا طریقہ ہے اور وہ کس طرح مکمل ہوتا ہے نیز عبارت مذکورہ کی تشریح کریں اور محوزہ مقومہ مشاعاً کا مطلب وضاحت کے ساتھ تحریر کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں چارامور کا حل مطلوب ہے (۱) ہبہ کی تعریف (۲) ہبہ کا

ر خلاصہ سواں) آ صوال کی جارا مورہ کی صفوب ہے(۱) ہبدی عریف (۲) ہبدہ طریقہ (۳)عبارت کی تشریح (۴) محوزۃ مقسومہ مشاعاً کا مطلب ۔

۔ بہ کا لغوی معنی دینا ہے اور اصطلاحی تعریف تملیك العین بلاعوض 'یعن كى كوبغير كى عوض كے كى عین كاما لك بنانا۔

(۲) ہبد کا طریقہ - ہبہ بھی چونکہ ایک عقد ہی ہے اس وجہ سے ریا بجاب و قبول سے منعقد ہوتا ہے بعنی ایک جانب سے ایجاب ہود و سری جانب سے قبول ہو یہی ہبد کا طریقہ ہے اور اید قبضہ سے مکمل ہوتا ہے بیادہ جب موجوب لہ موجوبہ چیز پر قبضہ کر لے تو ہبد کمل ہوجاتا ہے۔

(۳) عبارت کی تشریح ۔ جواشیاء قابلِ تقسیم ہوں یعنی تقسیم کے بعد بھی ان کی کمل منفعت باقی رہتی ہوالی اشیاء کا ہمداسونت درست ہوگا جب واہب اسے تقسیم بھی کردے اور استعال وغیرہ سے فارغ بھی کردے۔

وہ اشیاء جو قابلِ تقسیم نہ ہوں لین تقسیم کے بعد انکی مکمل منفعت یا بعض منفعت فوت ہوجائے تو ان کومشتر ک طور پر بھی ہبہ کیا جاسکتا ہے۔اگر کسی خص نے کسی چیز کا بچھ حصہ ہبہ کیا تو یہ ہبداس وقت درست ہوگا جب واہب وہ چیز تقسیم کر کے موھوب لد کے سپر دکر دے اورا گراس نے یہ چیز تقسیم کر کے سپر دنہ کی تو بھر یہ ہبہ فاسد ہوگا۔

(الم) محوزة مقسومة مشاعا كا مطلب: مقسومه كامطلب بيه به كه جوچز قابل تقسيم بهوده تقسيم كردى جائد اور كوزه كا مطلب بيه به كه داهب كى ملك يا اس كے حقوق سے مليحده كردى بنى بومشاعا كامطلب بيه به كه ده چيز مشترك بو۔

﴿ السوال الثالث ﴾ ١٤٢٣ هـ

﴿ الشُّقَ الأول ﴾ (والعامد في اليمين والمكره والناسي سواء ومن فعل المحلوف عليه مكرها اوناسيا فهو سواء)

یمین غموس منعقدہ اور لغو کی تعریف ذکر کر کے بیہ بتا کیں کہ انمیں کس کس کے اندر کفارہ واجب ہوتا ہے نیز کفارے کی تفصیل بھی تحریر کریں عبارت مذکورہ کا مطلب وضاحت کے ساتھ تحریر کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين چارامور قابل التفات بين (۱) يمين غموس منعقده لغوكى تعريف (۲) كس من كفاره واجب ب (۳) كفار كي تفصيل (۳) عبارت كامطلب حريف (۱) يمين غموس منعقده الغوكي تعريف -

یمین عموس: کسی امر ماضی پر جان بوجھ کرجھوٹ بولتے ہوئے تم کھانا مثلاً زیدکو معلوم میکہ برنہیں آیا گروہ جان بوجھ کر کہتا ہے کہ اللہ کی تم بر آیا ہے۔

یمین منعقدہ: کی امرِ منتقبل کے کرنے یا نہ کرنے کی قتم کھانا' مثلا اللہ کی قتم میں ضرور تجھے ماروں گا۔

میمین لغور کسی امر ماضی پراپئے گمان میں کچی تم کھانا حالانکدوہ جھوٹا ہو مثلا زیدنے رات کو بکر کے آنے کا انظار کیا گر بکرنے آیا تو زید سوگیا اس کے بعد بکر آیا گرزید کواس کاعلم نہ ہوا چنانچیزید سے شخصی نے بکر کے بارے میں معلوم کیا تو زیدنے کہااللہ کی قتم بکرنہیں آیا حالانکہ وہ آیا ہوا ہے۔

(۲) کس فتم میں کفارہ واجب ہے ۔ صرف یمین منعقدہ میں کفارہ واجب ہے اس کے علادہ میں نہیں ۔

(۳) کفارے کی تفصیل قیم کا کفارہ دس مکینوں کو کھانا کھلانایا کپڑے بہنانایا ایک فلام آزاد کرناہے اگر کسی پر بھی قادر نہ ہوتو تین روزے ملسل رکھنا کے مساقسال اللّه تعالی فکفارته اطعام عشرة مساکینالیاوکسوتهم او تحریر رقبه۔

(الم) عبارت کا مطلب داس عبارت میں یمین کے متعلق مسلکو بیان فر مارہ بین کے متعلق مسلکو بیان فر مارہ بین کے کو فُرخص جان ہو جھ کرفتم کھا تا ہے تو کرفتھ کھا تا ہے تو بیرسب برابر ہیں انگی قسم منعقد ہوجائے گی وہ محض پنہیں کہ سکتا کہ میں نے بحول کرفتم کھائی ہے یا جھے قسم پر مجبود کیا گیا تھا۔ یا مجھے قسم پر مجبود کیا گیا تھا۔

ای طرح کسی نے تسم کھائی پھر بھول کریا کسی ہے مجبور کرنے پراس نے تسم تو ڑ ڈالی تو یہ بھی حانث ہوں گے یہ دونوں یہ بیس کہ سکتے کہ ہم نے بھول کریے تم تو ڑی ہے یا ہمیں قتم کے تو ڑنے پر مجبور کیا گیا تھا پر لہذا ہم پر کفارہ نہیں۔

﴿الشق الثاني﴾ (القتل على خمسة اوجه عمدوشبه عمد وخطاء و مااجرى مجرى الخطاء والقتل بسبب)

قل کی اقسام خسد میں سے ہرایک کی تعریف اور تھم بیان کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں سائل دو امر کا طالب ہے(۱) قتل کی اقسامِ خسد کی تعریف(۲) اقسام قتل کا تھم۔

﴿ جواب ﴾ (۲۱) قتل كي اقسام خمه كي تعريف اقسام قتل كاتعكم -

قتلِ عد کی شخص کوآلہ قتل سے یا کسی ایسی نوکدار چیز سے قصد اقل کرنا جوتفریق اجزاء میں آلہ قتل کی مثل ہو (جس سے عام طور پرقتل واقع ہوجاتا ہو) مثلاً تلوار جھری کلاشکوف پستول ' نوکدار پھر وغیرہ - حسکم اس کاموجب گناہ ہے اور قصاص ہے اِلا سے کہ ورثاء معاف کردیں اور اس میں کفارہ نہیں ہے۔

قتل شبہ عمد کسی کوالی چیز سے قصد اقتل کرنا جو نہ آکہ قتل ہے اور نہ تفریق اعضا میں اس کی مثل مثلاً بڑا پھڑ لاٹھی' چھڑ ک مسکسم 'اس کا موجب گناہ ہے اور اس پر کفارہ اور دیت' قصاص نہیں ہے۔

قتلِ خطاء۔ اس کی دوسمیں ہیں (۱) خطاء فی القصدیہ ہے کہ کی شخص کوشکار سمجھ کرتیر ماردیا۔ (۲) خطاء فی انعمل میہ ہے کہ کی شکار کوتیر مارا مگروہ آ دمی کولگ گیا۔ مسکم اس کی سزا کفارہ اور عاقلہ پر دیت ہے اس قتل میں گناہ ہیں ہے۔

قتل جاری مجری خطانہ یہ ہے کہ کوئی پیلوان شخص سور ہاتھا اس نے کروٹ لی تو کوئی کمزور شخص یا کوئی کمزور شخص یا کوئی کی اس میں بھی کفارہ اور عاقلہ پردیت ہے البتہ گناہ نہیں ہے۔ البتہ گناہ نہیں ہے۔

قتل بسبب: کرکسی نے حاکم کی اجازت کے بغیر غیر کی مِلک (زمین) میں کنواں کھودا' یا پھر رکھ دیااور کوئی شخص کنویں میں گر کریا پھر سے ظرا کر مرگیا ملکم 'اس میں بھی فقط عاقلہ پر دیت ہے'اور کفارہ واجب نہیں ہے۔

الورقة الثالثه في الفقه

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٢ه

﴿الشق الأول﴾(ويُـضَـمُّ قِيُـمَةُ الْـعُـرُوضِ اِلَى الـذَّهَـبِ وَالُفِضَّةِ وَكَـذَٰلِكَ يُـضَـمُّ الـذَّهَـبُ اِلَى الُفِضَّةِ بِالْقِيْمَةِ حَتَّى يَتِمَّ النِّصَابُ عِنُدَ آبِيُحَنِيُفَةَ ۖ وَقَالَا لَايُضَمُّ الذَّهَبُ اِلَى الْفِضَّةِ بِالْقِيمَةِ وَيُضَمُّ بِالْآجُرَاءِ)

اعراب لگانے کے بعد عبارت کا ترجمہ کریں اور صورت مئلہ کی مثالوں کے ساتھ تشریح کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور حل طلب ہیں (۱) عبارت پر اعراب (۲) عبارت کا ترجمہ (۳) صورت مسلکہ کی تشریح بالامثلہ۔

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت براعراب حكمامر في السوال آنفا-

(۲) عبارت کا ترجمہ ۔ اور ملائی جائیگی سامان کی قیمت سونے اور چاندی کی طرف اورای طرح ملایا جائے گاسونے کو چاندی کی طرف اورای طرح ملایا جائے گاسونے کو چاندی کی طرف قیمت کے اعتبارے یہاں تک کہ نصاب پورا ہوجائے امام ابوصنیقۃ کے نزدیک اور صاحبین فرماتے ہیں کنہیں ملایا جائے گاسونے کو چاندی کی طرف قیمت کے اعتبارے بلکہ ملایا جائے گا اجزاء کے اعتبارے۔

(۳) صورت مسلد کی تشریکی بالا مثله: کسی شخص کے پاس کچھ سامان تجارت تھااور کچھ سونا یا جاندی تھا مستقل طور پر کوئی چیز بھی نصاب کوئیس پہنچی تو اب سامانِ تجارت کی قیمت

معلوم کر کے اس کوسونا یا چاندی کے ساتھ ملادیں گئے مثلا زید کے پاس پانچ تولہ سونا موجود ہے۔ اور پچھسا مانِ تجارت ہے جس کی مالیت اڑھائی 'تین تولہ کے برابر ہے تو اب اس مالیت کوسونے کے ساتھ ملادیں گے تاکہ کمل نصاب ساڑھے سات تولہ سونا پورا ہوجائے ای طرح اگر کسی کے پاس سونا اور چاندی ہے گر کسی چیز کا کممل نصاب نہیں تو اب امام ابوطنیفہ قرباتے ہیں کہ قیمت معلوم کر کے سونے کو چاندی کی طرف ملا کیں گے مثلا زید کے پاس سودر ہم ہیں اور پانچ و بنار ہیں جنگی مالیت سودر ہم ہیں اور پانچ و بنار ہیں جنگی مالیت سودر ہم کے برابر ہے تو اب امام ابوطنیفہ آئے نزدیک نا نصاب کمل ہوگیا اور صاحبین آفرماتے ہیں کہ اجزاء کے اعتبار سے سونے کو چاندی کی طرف ملا کیں گے چونکہ یہاں اجزاء کے فرماتے ہیں کہ اجزاء کے اعتبار سے سونے کو چاندی کی طرف ملا کیں گے چونکہ یہاں اجزاء کے اعتبار سے نصاب مکمل نہیں اس لیے کہ چاندی کا نصف نصاب ہے (سودر ہم) اور سونا پانچ و بنار نصف نصاب کے برابر نہیں ہے اس وجہ سے انگیز دیک زکوۃ واجب نہ ہوگی۔

﴿الشق الثانى ﴾ وَلَا يَجُورُ بَيُعُ ذِرَاعٍ مِنُ ثَوْبٍ وَلَا بَيُعُ جُرُعٍ مِنُ سَفُّفٍ وَضَرُبَةِ النَّفُلِ بِخَرُصِهِ سَفُفٍ وَضَرُبَةِ الْقَانِصِ وَلَا بَيْعُ الْمُزَابَنَةِ وَهُوَ بَيْعُ التَّمَرِ عَلَى النَّخُلِ بِخَرُصِهِ تَنَمَرًا وَلَا يَبُورُ الْبَيْعُ بِإِلْقَاءِ الْحَجَرِ وَالْمُلَامَسَةِ وَالْمُنَابَذَةِ وَلَا يَجُورُ بَيْعُ ثَوْبٍ مِنْ ثَوْبِينٍ)

اعراب لگانے کے بعدمطلب خیز ترجمہ کریں اور بیان کر دہ مسئلہ کی تشریح کریں۔ (خلاصۂ سوال)اس سوال کا ماحصل تین امور ہیں (۱) عبارت پراعراب (۲) عبارت کا ترجمہ (۳) مسئلہ کی تشریح۔

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت براعراب : - كمامر في السوال آنفا-

ادرنہ کا ترجمہ:۔اورنہیں جائز ہے ایک گز کیڑ ہے کی بچے تھان میں ہے اور نہ کر کے گئے تھان میں ہے اور نہ کر کی کئے چھور پر کر کی کئے چھوں کی گئے چھوں پر اندازہ کے ساتھ کُٹ ہو کی گئے جور کے بدلہ میں اور نہ گئے گئے کی اور نہ گئے منابذہ اور نہ ایک کپڑے کی گئے دو کپڑوں میں ہے (بلتعین)

Wordpress.cr (٣) مسَلِمِ كَا تَشْرَكَ - تشريح والإيجوز الخ بخرصه تمرا كمامر في الشق الثاني من السوال الثاني ١٤٢٥ هـ

والايجوز البيع بالقاء الحجر الغ : ١٠ عبارت يس يَحْ كناجا مَزومنوح ہونے کی چند مزید صورتوں کا ذکر ہے۔ پہلی صورت بالقاء الحجر ہے اس کی مختلف صورتیں ذکر کی گئی ہیں مثلامشتری نے کہا کہ یہ چیز میں نے تیرے سے دس درہم میں خریدی اور فورا اس پر کوئی پھر ر کھ دیا کہ پچ لا زم ہوگئ خواہ بائع راضی ہویا نہ ہوای طرح نیچے مختلف اشیاء پڑی ہیں مشتری بائع کو دس درہم دیکرایک پھران اشیاء پر پھینکتا ہے جس چیز پر پھر پڑے اس میں بھے لازم ہوگئ خواہ وہ دو درہم کی ہویا بیں درہم کی اس کا دوسرانام تھے المنابذہ اور تھے الحصاۃ ہے۔دوسری صورت تھے ملامسہ کہ کسی چیز کے بارے میں عقد بیج ہوا ابھی دوسرے کی رضا مندی ظاہر نہیں ہوئی کہ اس کو چھو لیا جسكے نتيجہ ميں بغيررضا کے بھی تج لازم ہوگئ پهتمام بيوع زمانئہ جاہليت ميں ہوتی تھيں جن کو ناجائز قرار دے دیا گیا۔ای طرح دو کیڑے ہیں ایک فیتی اورایک بلکا تو بل تعین انمیں سے ایک کی بج جائز نہیں ہے کیونکد پیل نزاع ہے الا بیرکدا یک کی تعیین ہوجائے۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٢ه

﴿الشق الأول﴾(ولا يصح السلم عند ابيحنيفة الا بسبع شرائط تذكر في العقد)

سلم کی تعریف کرنے کے بعدان سات شرا کط کوذ کر کریں جنگی طرف یہاں اشارہ ہے۔ (خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر مطلوب بين (١) سلم كي تعريف (٢) شرائط سبعه _ ﴿ جوابِ ﴾ (١) بيع سلم كي تعريف - بيع الآجل بالعاجل كنقد في بدله من ادھاریعنی ثمن نقدادا کرنااور مبیع کچھ عرصہ کے بعد وصول کرنا۔

(۲) شرائط سبعہ : یع سلم کے سجح ہونے کی امام ابوحنیفہ ؓ نے سات شرائط ذکر کی ہیں جب وه شرا لط یائی جا کیں گی اس وقت نیع سلم صحیح ہوگی۔

<u>1</u> جنس معلوم ہومثلا جاول گندم بین <u>۲</u> نوع معلوم ہومثلا نہری ہیں یابارانی _<u>۳</u> صفت

معلوم ہومثلا نئے پرانے موٹے باریک عمدہ غیرعمدہ <u>ع</u> مقدار معلوم ہومثلا ایک من دومن۔ <u>۵</u> مدت معلوم ہومثلا چار ماہ بعد چھے ماہ بعد <u>7</u> راس المال کی مقدار معلوم ہواگر وہ عقد مقدار سے متعلق ہومثلا پانچ من چاول کے بدلہ میں ۷ مبیع سپر دکرنے کی جگہ معلوم ہو کہ ماتان میں مشتری کے گھر پنجانی جائیگی یا بہاولپور میں بائع سے وصول کی جائے گی۔

﴿الشق الثاني﴾ (اذا تمت الحوالة بَرأ المحيل من الديون ولم يرجع المحتال له على المحيل الله ان يتوى حقه)

حوالہ کی اصطلاحی تعریف ککھیں محتال محتال علیہ اور محیل کیے کہتے ہیں نیز عبارت کا ترجمہ کر کے تو ی کی صور تیں ککھیں۔

﴿ جواب ﴾ (۱) حوالہ کی اصطلاحی تعریف کے کی کے ذمہ سے عتال علیہ کے ذمہ کی طرف دین متقل کرنا حوالہ ہے۔

(٢) مخال مجال عليه محيل كي تعريف

مختال ۔وہ مخص جس کا دوسر ہے کے ذمہ دین ہے۔

محال علیہ:۔وہ تیسرا شخص جوند دائن ہے اور نہدیون۔ بلکہ جس نے حوالہ کو قبول کیا ہے۔ محیل:۔وہ شخص جس کے ذمہ محتال کا ڈین ہے مثلاً زیدنے بکرسے ہزار روپید دین وصول

كرناب - خالد نے يہ ہزارا بنے ذمه لے ليا توزيد عمال كم محيل اور خالد عمال عليه ب

<u>(۳) غبارت کا ترجمہ</u> ہے جب کمل ہوجائے حوالہ تو بری ہوجائے گامحیل قرضوں سے اوز ہیں رجوع کرسکتامحتال لہ محیل پ⁴ مگریہ کہ تلف ہوان کاحق۔

(سم) تو ی کی صورتوں کی وضاحت:۔امام ابوطنیفہ کے نزد یک توی کی دو صورتیں ہیں۔

<u>ا</u> محال عليه حواله كا ا كاركر ب اورتم بھى كھالے اور قتال كے ياس كوئى بينه نه مو

<u>۲</u> مختال علیہ مفلس ہو کر مرجائے ۔ اور صاحبین ؒ کے نز دیک توی کی ایک صورت اور بھی ہے کہ قاضی مختال علیہ کواس کی زندگی میں ہی مفلس قرار دید ہے تو ان تمام صورتوں میں مختال لہ محیل پر رجوع کرسکتا ہے۔ اس کے علاوہ کسی اور صورت میں نہیں ۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٢ه

﴿الشق الأول﴾ (الشفعة واجبة للخليط في نفس المبيع ثم للخليط في نفس المبيع ثم للخليط في حق المبيع كالشرب والطريق ثم للجار وليس للشريك في الطريق والشرب والجار شفعة مع الخليط فان سلم الخليط فالشفعة للشريك في للطريق فان سلم اخذها الجار والشفعة تجب بعقد البيع وتستقر بالاشهاد وتملك بالاخذ اذا سلمها المشترى اوحكم بها حاكم)

عبارت کا مطلب خیز ترجمه کریں۔اقسام شفیع اور ترتیب حقدارانِ شفعه کی وضاحت بھی مطلوب ہے۔

(خلاصهٔ سوال)اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) اقسامِ شفیع (۳) ترتیب حقداران شفعہ

﴿ جواب ﴾ (ا_٢_٣) عبارت كاتر جمهُ اقسام شفيع 'ترتيب حقدارانِ شفعه -- كمامرٌ في الشق الثانبي من السوال الثالث ٢٤٧هـ

﴿الشق الثاني﴾ ……(الشركة على ضربين شركة املاك وشركة على ضربين شركة الالك وشركة عقود فشركة الاملاك العين يرثها رجلان اويشتريانها)

مطلب خیز ترجمہ کریں شرکت عقو د کی اقسام اورا کی تعریف لکھیں اور بتا کیں کہ کیا شرکت ا الگاک میں ایک شریک دوسرے کے حصہ میں تصرف کرسکتا ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں چار امور حل طلب بيں (۱) عبارت كا ترجمه (۲) شركتِ عقود كى تعريف (۲) شركتِ الماك ميں تصرف كى وضاحت۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت كا ترجمه _شركت كى دوقتمين بين شركتِ الماك أور شركت عقود كن شركتِ الماك يه به كدايك عين كروارث بنين دوخض أياخريدي احدوقحض _ شركت عقود كى اقسام مع تعريفات _شركتِ عقودكى جاراقسام بين _ ..

ر ۱- اس مر است محقو دی افسام مع تعریفات: مشرکتِ عقو دی چاراتسام ہیں۔ ..

الم شرکتِ مفاوضهٔ کدو دخی آپ میں مال نصرف اور دین وفقع میں مساوات کی شرط پر
ایک دوسرے کے شریک بن جائیں۔ ان میں سے ہرایک دوسر معد کاوکیل بھی ہوتا ہے اور کفیل بھی۔

میں مرکز کتِ عنان: کدو دو شخص آپ میں شرکت کرلیں۔ اس میں مال اور نفع میں برابری اور کی بیشی ہر طرح جائز ہے اس میں ہرایک دوسر نے کا محض وکیل ہوتا ہے۔ نہ کھیل۔

تشرکتِ صنائع کے دومتفرق پیشہ دائے خصاس طرح شرکت کریں کہ دونوں ہرممکن کا مثر کت کریں کہ دونوں ہرممکن کام قبول کریں گے۔اور نفع میں برابر کے شریک ہوں گے۔لہذاا گرکسی کے پاس کوئی کام آئے گا تو دوسرا بھی اس کے ساتھ وہ کام کرے گااور حاصل شدہ مزدوری دونوں میں تقسیم ہوگی۔اورا گرکسی نے کوئی کام اکیلا بھی کیا تب بھی اجرت دونوں میں تقسیم ہوگی۔

کے شرکت وجوہ ۔کہ دوشخصوں کے پاس کوئی مال نہیں ہے اور وہ اس بات میں شرکت کرتے ہیں کرتے ہیں کرتے ہیں کرتے ہیں کرتے ہیں کرتے ہیں کہ دونوں اپنی بہچان اور اعتباد کی بنیا ذیر مال او ھاراٹھا کر فروخت کریں گے جو پجھ نفع حاصل ہوگا اس کو تقسیم کریں گے۔

(۴) شرکت املاک میں تصرف کی وضاحت نشرکت املاک میں ایک شریک دوسرے نے حصہ میں تصرف نہیں کرسکتا۔اور ہرایک دوسرے کے حصہ میں بمزل اجنبی کے ہوتا ہے۔

الورقة الثالثة في الفقه

﴿السوال الاول﴾ ٢١٤١ه

﴿ الشّق الأول ﴾ ﴿ سَوَيُكُرَهُ لِللّهُ صَلّى اَنُ يَعُبَتَ بِثَوْبِهِ اَوْبِجَسَدِهِ وَلَا يُفَرُقِعُ وَلَا يُفَرُقِعُ وَلَا يُفَرُقِعُ وَلَا يُفَرُقِعُ وَلَا يُفَرُقِعُ وَلَا يُفَرِقُعُ وَلَا يُفَرِقُعُ وَلَا يُفَرِقُعُ وَلَا يُفَرِقُعُ وَلَا يَعُقِصُ شَعْرَهُ وَلَا يَكُفُّهُ وَلَا يَعُقِصُ شَعْرَهُ وَلَا يَلُقُونُ يَمِيناً وَشِمَالًا وَلَا يُقُعِى كَلِقُعَاءِ الْكُلُبِ)

عبارت پراعراب لگا کرتر جمه کرین عبارت میں ذکر کردہ مکر وہات صلوۃ کی واضح تشریح کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) عبارت پر اعراب (۲) عبارت کا ترجمہ(۳) کروہات ِصلوۃ کی تشریح۔

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت براع اب: - كمامر في السوال آنفا-

(۲) عبارت کا ترجمہ ۔ اور مروہ ہے نمازی کیلئے یہ کہ کھیا ہے گیڑے یاجم کے ساتھ ٔ اور نہ ہٹائے وہ کنگریوں کوالا بیہ کہ نمکن ہوان پر سجدہ کرنا تو ہموار کرےان کوصرف ایک مرتباورند چنائے انگلیوں کواورندایک کودوسری میں داخل کرے اور ندکو لیے پر ہاتھ رکھے ندا پنا کیڑا لٹکائے اور نداس کو سمیٹے اور نہ گوند ھے بالوں کواور نددا کمیں بائمیں دیکھے اور نہ کتے کی طرح بیٹھے۔ (س) مکروہات ِصلوۃ کی تشریح ۔اس عبارت میں مکروہات ِنماز کا بیان ہے جن کی وضاحت لیہ ہے کہ آ دمی کیلئے اپنے کیڑے یابدن کے ساتھ کھیلنا مثلا بٹن کو ہاتھ لگانااس کے ساتھ کھیلنا۔ یااس کی استری صحیح کرنا' یا کسی عضو کے ساتھ مثلا ناک یاانگلیوں کے ساتھ کھیلنا مکروہ ہے۔ اسی طرح سجدہ کی جگھ پر کنگریاں پڑی ہیں تو اگران پر سجدہ کرنا انتہائی وشوار ہے تب تو صرف ایک مرتبه ہاتھ سے انکوہموارکرسکتا ہے تا کہ بجدہ میں دشواری نہ ہو وگرنہ کنکریوں کا ہٹا نا بھی مکروہ ہے جہ جائكدز مين يريز بهوئ كيز ع كو جدب كودت درست كرنے كے ليے آ م يحي كرنا۔اى طرح انگلیوں کو چنخانا یا ایک دوسری میں داخل کرنا بھی مکروہ ہے۔ اسی طرح کیڑا اٹکانا اس کی صورت یہ ہے کہ بلاضرورت گلے میں یاسر پر کیڑار کھ لیتے ہیں اوراس کی دونوں جانبوں کودائیں بائیں لٹکا دیتے ہیں یا کپڑے سیٹنا جیے رکوع یا سجدہ کے دفت سمیٹتے ہیں تا کہ انکومٹی بھی نہ لگے اور استری خراب نہ ہو یہ بھی مکروہ ہے اس طرح بالوں کو گوندھ کرسر پر گوند سے چیکالینا مکروہ ہے۔اس طرح صرف منه کودائیں بائیں متوجہ کرنا' ویکھنا بھی مکروہ ہے جبکہ سینہ قبلہ رخ ہی رہے۔اگر سینہ کی ست بھی قبلہ سے ہٹ کروائیں بائیں ہوگی تو نماز ٹوٹ جائیگی ۔ اس طرح کتے کی طرح پر پیشنا بھی مکروہ ہے۔اس کی صورت امام طحاویؓ نے بیہ بیان کی ہے کہ دونوں سُرین پر بیٹھ کررانوں کو کھڑا کر کے گھنے چھاتی ہے لگالے اور دونوں ہاتھ زمین پر رکھ لے اور امام کرخیؒ نے اس کی صورت میہ

﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ السّق الثانى ﴾ ﴿ وَإِذَاكَانَ النِّصَابُ كَامِلًا فِى طَرُفَى الْحَوُلِ فَنُ قَصَانُهُ فِيُمَا بَيُنَ ذٰلِكَ لَا يُسُقِطُ الزَّكوة ۚ وَيُضَمُّ قِيْمَةُ الْعُرُوضِ إِلَى الذَّهَبِ وَالْفِضَّةِ وَكَذٰلِكَ يُضَمُّ الذَّهَبُ إِلَى الْفِضَّةِ حَتَّى يُتِمَّ النِّصَابُ - عِنُدَ آبِيُحَنِيُفَةَ وَقَالَا لَايُضَمُّ الذَّهَبُ إِلَى الْفِضَّةِ بِالْقِيْمَةِ وَيُضَمُّ بِالْآجُزَاءِ)

عبارت پراعراب لگا کرسلیس تر جمه کریں۔عبارت مَدکورہ کی بےغبارتشریح کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں سائل تین امور کا طالب ہے۔(۱) عبارت پر اعراب (۲) عبارت کا ترجمہ (۳) عبارت کی تشریح۔

﴿ جوابِ ﴾ (١) عبارت يراعراب - كمامر في السوال آنفا-

تواس كا ترجمه : اور جب نصاب كامل موسال كى دونوں طرفوں ميں تواس كا تو اس كا نقصان اس كے درميان ميں نہيں ساقط كرتازكوة كؤاگل عبارت كا ترجمه وتشريح كه مامر في الشق الاول من السوال الاول ٢٢ ١٤٨ -

(س) عبارت کی تشری ۔ ایک شخص کے پاس سال کی ابتداوآ خرمیں کسی چیز کا کمل نصاب تھا۔ درمیان سال میں نقصان ہوا جس کے نتیجہ میں مال نصاب سے بھی کم ہوگیا تو اس صورت میں سال کے آخر میں زکوۃ لازم ہوگئ اس نقصان کی وجہ سے زکوۃ ساقط نہ ہوگی البتدا گر نقصان سے کمل مال ختم ہوگیا تو پھر نئے سرے سے سال کا اندازہ لگایا جائے گا اگلی عبارت کی تشریح گزرچکی ہے' (بحوالہ سابقہ)۔

﴿السوال الثاني﴾ 1271ه

﴿ الشق الأول ﴾ (الاعتكاف مستحب ومن اوجب على نفسه اعتكاف ايام لزمه اعتكافها بليا ليها وكانت متتابعة وان لم يشترط التتابع فيها.)

ہے تو مصنف نے مستحب کیوں فرمایا ہے۔ ممنوعاتِ اعتکاف کو ذکر کرتے ہوئے یہ بتا تھیں کہ اعتکاف کن چیز وں سے ٹوٹ جاتا ہے۔ نیز ندکورہ عبارت کا مطلب وضاحت سے تحریر کریں۔
(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چھامور مطلوب ہیں۔(۱) اغتکاف کا لغوی واصطلاحی معنی۔(۲) اعتکاف مسنون ہے یا مستحب (۳) مصنف نے مستحب کیوں کہا۔(۴) ممنوعاتِ اعتکاف (۵) نواقشِ اعتکاف (۲) عبارت کا مطلب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) اعتكاف كالغوى واصطلاحى معنى اعتكاف لغت مين تظهرنے كو اور اصطلاح ميں اعتكاف تلم بنے اعتكاف تلم بنے اور اصطلاح ميں اعتكاف تلم بنے اعتكاف تلم بنے ہيں۔

(۲) اعتکاف مسنون ہے یامسخب ۔ اعتکاف تین قتم پر ہے۔ (۱) سنت مؤکدہ جورمضان کے اخیرعشرہ میں کیا جاتا ہے۔ (۲) واجب۔ جونذ راورمئت مان کراپنے اوپر لازم کیا جائے۔ (۳) مستحب۔ ندکورہ دونوں قسمول کے علاوہ بقیہ تمام اعتکاف مستحب ہیں۔ چونکہ عمومی حالات میں اعتکاف مستحب کہا ہے۔

(سم) ممنوعات ِ اعتکاف درورانِ اعتکاف چندامورمنوع ہیں مثلا وطی کرنا۔عورت کو حجمونا۔ بوسد لینا۔ بلاعذرمسجد سے نکانا۔

(۵) نواقض اعتکاف: ممنوعات میں ہے کوئی بھی عمل عمداً یاسہوا کرلیا جائے تو اس سے اعتکاف ٹوٹ جاتا ہے۔

(۲) عبارت کا مطلب اولا مصنف نے یہ فرمایا کہ عموی حالات واوقات میں اعتکاف مستحب ہے۔ اس کے بعداء تکاف واجب کے متعلق فرمایا کہ کی شخص نے نذرمان کراپنے اور چند یوم کا اعتکاف واجب ولازم کرلیا تو اس صورت میں اگر چہاس نے راتوں کی اور متابعت کی شرط نہ بھی لگائی ہوتہ بھی بلاشر طان ونوں میں راتوں سمیت متابعت کے ساتھ اعتکاف لازم ہوگا۔ شرط نہ بھی لگائی ہوتہ بھی الشرف الدج واجب الخ

جج افراد متنع اور قران میں سے ہرایک کی اس طرح واضح تعریف کریں کہ آپس میں فرق ظاہر ہوجائے۔ نیز حفیہ کے نزدیک انمیں سے سب سے افضل کونی فتم ہے۔ اور تحریر کردہ صطاا حات كي وضاحت كرير - شوط ميقات اضطباع رمل استلام

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور حل طلب ہیں۔(۱) حج افراد کمٹیع کر ان کی تعریف۔(۲) عندالاحناف افضل کیا ہے۔(۳) اصطلاحات کی وضاحت۔

﴿ جواب ﴾ (١-٢) في افراد منه وران كي تعريف عندالاحناف افضل كيا

ع - جوابه كمامر في الشق الاول من السوال الثاني ١٤٢٥هـ

(۳) اصطلاحات کی وضاحت میں اور جہاں ہے بلااحرام گررناممنوع ہے۔

میدقات وہ مقام جہاں پر حاجی احرام باندھتے ہیں اور جہاں سے بلااحرام گررناممنوع ہے۔

اصطباع چادرکودا کیں بغل سے گزار کر با کیں کندھے پر ڈالنا۔ رمل کندھوں کو بلاکرا کڑ کر بانستلام چومنااور بوسے لینا۔

﴿السوال الثالث ﴿ ١٤٢١ ه

﴿ الشق الأول) ﴿ الرَّهُنَ يَنْعَقِدُ بِالْإِيْجَابِ وَ الْقَبُولِ وَيَتِمْ بِالْقَبُضِ فَاِذَا قَبِضَ الْمُرُتَهِنُ الرَّهُنَ مَحَوَزاً مُفَرَّعاً مُمَيَّزًا تَمَّ الْعَقَدُ فِيْهِ وَمَالَمْ يَقْبِضُهُ فَالرَّاهِنَ الرَّهْنِ فَإِذَا سَلَّمَهُ اللهِ فَالرَّاهِنَ فَإِذَا سَلَّمَهُ اللهِ فَالرَّاهِنَ فَإِذَا سَلَّمَهُ اللهِ فَقَبْضَهُ دَخَلَ فِي ضَمَانِهِ)

رہن کی تعریف کریں عبارت پراعراب لگا کر داضح تشریح کریں' خط کشیدہ قیود کا مطلب وضاحت کے ساتھ تحریر کریں۔

(خلاصهٔ سوال)اس سوال کا حاصل چارامور ہیں۔(۱)رہن کی تعریف (۲)عبارت پر اعراب۔(۳)عبارت کی تشریح (۴) خط کشیدہ قیود کا مطلب۔

﴿ جواب ﴾ (١) ربن كي تعريف: -كمامر في الشق الاول من السوال الثاني ١٤٢٥ ه -

(٢) عبارت يراعراب حكمامر في السوال آنفاً-

(س) عبارت کی تشریح رائن کے انعقاد کی صورت کو بیان فرمارہ ہیں کہ رائن

ایجاب وقیول سے منعقد ہوتا ہے مثلاً رائین نے کہا کہ میں نے یہ چز دَین کے بدلہ میں تیرے پائی رئین رکھی اور مرتبن نے کہا کہ میں نے قبول کیا تو رئین منعقد ہوگیا۔اس کے بعد جب رائین نے وہ چز مرتبن کے حوالہ کردی اس حال میں کہ وہ چز علیحہ ہتھی ۔اور رائین کے حق کے ساتھ مشغول بھی نہ تھی اور مقسوم تھی مشاع نہتی اور مرتبن نے اس پر قبضہ کرلیا تو عقد رئین کمل ہوگیا۔اور چز مرتبن کی طان میں داخل ہوگئی۔اور جس وقت تک مرتبن نے مر ہونہ چز پر قبضہ نہیں کیا اس وقت تک رائین کو اختیار بھی ہوگا جا ہے رئین سے رجوع کرے۔ مگر بعد القبض رائین کو اختیار نہوگا بلکہ وہ چیز مرتبن کی صان میں داخل ہوجائے گی۔

(٣)خط کشیدہ قیود کا مطلب: ۔ محوز اکا مطلب بہے کہ مرہونہ چیز کونہ ویعنی مقدم ہومشاع نہ ہو یعنی جتنی رہن رکھی جارہی ہے ساری سپرد کردی جائے بدرہن مشاع سے احتراز ہے مُفَدَّ عَا کا مطلب بہ ہے کہ راہن کے ق کے ساتھ مشغول نہ ہو۔ معیز کا مطلب بہ ہے کہ غیر مرہون کے ساتھ مصل نہ ہو بیدائش طور پر۔

﴿ الشق الثاني ﴾ (ولا يصح السلم عند ابيحنيفة الابسبع شرائط ... تذكر في العقد)

بی سلم کی تعریف کریں صحبِ سلم کی شرائطِ سبعہ تحریکریں ۔صاحبین گاجن شرائط میں امام اعظم سے اختلاف ہے انہیں وضاحت کے ساتھ ذکر کریں ۔تحریکردہ اصطلاحات کی وضاحت کریں۔ تحریکردہ اصطلاحات کی وضاحت کریں۔ مسلم الیه مسلم فیه راس المال رب السلم ۔ نیز خط کشیدہ جملہ ترکیب میں کیا واقع ہے۔

(خلاصة سوال) ان سوال ميں پانچ امور حل طلب بيں۔ (۱) تيج سلم كى تعريف۔ (۲) سلم كى شرائط سبعہ۔ (۳) صاحبين كى شرائط مختلفہ۔ (۴) اصطلاحات كى وضاحت (۵) جمله كى تركيب۔

﴿ جواب ﴾ (١-٢) أي سلم كى تعريف وسلم كى شرائط سبعه - كمامر في الشق الأول من السوال الثاني ٢٢٤ هـ

ام المال کی معرفت اور ساتویی شرا کیل مختلفہ آ۔ امام اعظمؒ کے زدیک سلم کی صحت کی چھٹی شرط مقدار کا سال کی معرفت اور ساتویں شرط جائے تسلیم کا ذکر ہے صاحبینؒ فرماتے ہیں کہ جب راکس المال کی طرف محض اشارہ ہوجائے تو اس کی مقدار کی معرفت ضروری نہیں ای طرح جائے تسلیم کا ذکر بھی ضروری نہیں۔ بلکہ جائے عقد پر ہی مسلم فیر سپر دکی جائے گی۔

(اصطلاحات كى وضاحت: مسلم اليه (بائع) جس كوراً سالمال (ثمن) سيردكيا جائد مسلم فيه مبيح كوراً سالمال المين مبيردكيا جائد مسلم فيه مبيح كوراً سالمال مثمرى كواور رب السلم صاحب مال يعنى مشترى كو كهترين -

(۵) جمله كى تركيب _خط كشيره جملهُ تذكر في العقد ' لفظ شرائط كي صفت واقع ہے۔

الورقة الثالثةفي الفقه

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٠ه

﴿الشق الأول﴾ (بَابُ قِيَامِ شَهُرِ رَمَضَانَ يُسُتَحَبُّ اَنْ يَجُتَمِعَ النَّاسُ فِى شَهُرِ رَمَضَانَ يُستَحَبُّ اَنْ يَجُتَمِعَ النَّاسُ فِى شَهُرِ رَمَضَانَ بَعُدَ الْعِشَاءِ فَيُصَلِّى بِهِمُ اِمَامُهُمُ خَمْسَ تَرُويُحَةٍ فِى كُلِّ تَرُويحَتَيْنِ مِقُدَارَ تَرُويُحَةٍ ثُمَّ يُوتِرُ كُلِّ تَرُويحَتَيْنِ مِقُدَارَ تَرُويحَةٍ ثُمَّ يُوتِرُ بِهِمُ وَلَايُصَلَّى الْوِتُرُ بِجَمَاعَةٍ فِى غَيْرِ شَهْرِ رَمَضَانَ)

عبارت کا ترجمہ ومطلب کھیں پوری عبارت پراعراب لگا کمیں۔ قیامِ شہر رمضان کی مراد بیان کزیں۔

(خلاصهٔ سوال)اس سوال کا حاصل چارامور میں ۔(۱)عبارت کا ترجمہ۔(۲)عبارت کا مطلب۔(۳)عبارت پراعراب(۴) قیام شہر رمضان کی مراد۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کاتر جمه -باب ہدمضان کے مہینہ میں قیام کرنے کے بیان میں مستحب ہے یہ کہ جمع ہوں لوگ رمضان کے مہینہ میں مشاء کے بعد لیس نماز پڑھائے ان کوانکا امام پانچ ترویحے ۔ ہرترویحہ میں دوسلام ہوں اور بیٹھے ہردوتر ویحوں کے درمیان ایک ترویحہ کی مقدار پھروتر پڑھائے ان کو ۔ اور نہ پڑھے جائیں وتر جماعت کے ساتھ غیر رمضان میں ۔

(۲) عبارت کا مطلب اس عبارت میں مصنف نے تراوی کے متعلق تفصیل ذکر کی ہے کہ لوگ رمضان کے مہینہ میں عشاء کی نماز کے بعد مبحد میں جمع ہوں پھران کوامام دس سلاموں کے ساتھ (ہرتر و یحہ میں دوسلام) پانچ ترویح (چار رکعت کا ترویح کی بیس رکعت) پڑھائے گویا بیس رکعت نماز تراوی دس سلاموں کے ساتھ پرھنامتحب ہے پھر ہردوتر و یحول بیس ایک ترویحہ بیس رکعت نماز تراوی دس سلاموں کے ساتھ پرھنامتحب ہے پھر ہردوتر و یحول بیس ایک ترویحہ کی بھاعت کی بھاعت مردہ ہے۔مصنف نے صرف رمضان کے مہینہ میں جائز ہے۔غیر رمضان میں وتروں کی جماعت مکر وہ ہے۔اور تراوی کی کا پڑھنا عبارت میں ستحب کا لفظ ذکر کیا ہے یعنی تراوی کی جماعت کرانامتحب ہے۔اور تراوی کی کا پڑھنا سبت مؤکدہ گفامیہ ہے۔

(٣)عبارت براعراب حكمامرٌ في السوال آنفاً-

(س) قیام شبر رمضان کی مراوز اس سے مراور مضان کے مہینہ میں تراوت کا براھنا ہے۔

﴿الشق الثانى ﴾ (وجوب الفطر يتعلق بطلوع الفجر الثانى من يوم الفطر فمن مات قبل ذلك لم تجب فطرتة ومن اسلم اوولد بعد طلوع الفجر لم تجب فطرته)

اس عبارت کا مطلب کھیں۔زکوۃ کےمصارف بیان کریں۔صومِ واجب وُفل کی اقسام کھیں نیز بتا کیں کہان میں روز ہے کی نیت کس وقت ضروری ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال میں چارامور کاحل مطلوب ہے۔ (۱) عبارت کا مطلب۔
(۲) زکوۃ کے مصارف (۳) صوم واجب وفعل کی اقسام (۴) صوم واجب وفعل میں نیت کا وقت۔
﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا مطلب اس عبارت میں صدقہ فطر کے وجوب کا وقت بیان کررہے ہیں تو فر مایا کہ صدقہ فطر کا وجوب متعلق ہے طلوع مش کے ساتھ یوم الفطر میں لینی جو تحق کم شوال کو طلوع مش کے وقت موجود ہے اور اس میں شرائط وجوب موجود ہیں تو اس پر صدقہ فطر واجب ہے۔ لبذا جو تحف طلوع مش سے قبل مرگیا یا جو طلوع مش کے بعد اسلام لایا یا طلوع مش کے بعد اسلام الایا یا طلوع مش کے بعد اسلام الایا یا

میں شرائط نہیں پائی جاتیں۔

(۲) زکوة کے مصارف : ـ زکوة ککل آٹھ مصارف بین کما قال الله تعالی انما السحدقات ـ (۱) للفقراء (۲) والمساکین (۳) والعاملین علیها (٤) والمؤلفة قلوبهم (٥) وفی الرقساب (۲) والعارمین (۷) وفی سبیل الله (۸) و ابن السبیل ۔ یعن فقراء مساکین حکومت کی جانب سے صدقات وصول کرنے والے عامل مولفة قلوب یعنی جنگے اسلام لانے کی امید ہویا وہ اسلام میں کمزور ہوں (اب بیتم منبوخ ہے) غلام کا بدل کتابت اوا کرنا آفت یا حادثہ میں مقروض ہونیوالا مجاہدین جو اللہ کی راہ میں جہاد کرنے والے بیں ۔ اور وہ مسافر جس کے پاس سفر میں رقم نہ ہواگر چراس کے پاس گھر میں رقم موجود ہو۔ والے بیں ۔ اور وہ مسافر جس کے پاس سفر میں رقم نہ ہواگر چراس کے پاس گھر میں رقم موجود ہو۔ الحاصل مولفة قلوب کے منسوخ ہونے کی وجہ سے اب صدقات وزکوۃ کے سات مصارف ہیں۔ الحاصل مولفة قلوب کے منسوخ ہونے کی وجہ سے اب صدقات وزکوۃ کے سات مصارف ہیں۔ (۳) صوم واجب وفل کی اقسام ۔ صوم واجب کی دو تسمیں ہیں۔ (۱) جو خاص زماند وروت کے ساتھ تعلق رکھ جیسے دمضان اور نذرِ معین کے روز سے رکھنا ان اقسام زماند وروت کے ساتھ تعلق نہ رکھ جیسے قضاء ورمضان اور مطلق نذر کے روز سے رکھنا ان اقسام اور وقت کے ساتھ تعلق نہ رکھ جیسے قضاء ورمضان اور مطلق نذر کے روز سے رکھنا ان اقسام اور وقت کے ساتھ تعلق نہ رکھے جیسے قضاء ورمضان اور مطلق نذر کے روز سے رکھنا ان اقسام اور وقت کے ساتھ تعلق نہ رکھے جیسے قضاء ورمضان اور وقت کے ساتھ تعلق نہ رکھے جیسے قضاء ورمضان اور وقت کے ساتھ تعلق نور کے دونے کی افتام اور وقت کے ساتھ تعلق نہ رکھے جیسے قضاء ورمضان اور وقت کے ساتھ تعلق نہ درکھے جیسے قضاء ورمضان اور وقت کے ساتھ تعلق نے دونے کے ساتھ تعلق دونے کی استحدال کی ساتھ تعلق نے دونے کی دونے کی اور کی دونے
(۳) صوم واجب و قفل میں نیت کا وقت ۔ صوم واجب کی دوسری قتم جو خاص وقت وز مانہ کے ساتھ تعلق نہیں رکھتی اس میں رات کو ہی روز نے کی نیت کرنا ضروری ہے۔ اور اس کے علاوہ خوا نفلی روز ہے ہوں یا واجب کی قسم اول ان سب میں قبل الزوال کسی بھی وقت روز ہے کی نیت کرنا درست ہے۔

واجب کےعلاوہ بقیہ روز نےفل کہلاتے ہیں۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٠ه

﴿الشق الأول﴾ موات ك تعريف كرت عادى وكملوك في الاسلام كامطلب وحم السين اخذها الامام و دفعها الى غيره ومن كان له نهر في ارض غيره فليس له حريم عند ابيحنيفة الآان يكون له البينة على ذلك وعند هما له مسناة النهر يمشى عليها ويلقى عليها طينه)

وونوں عبارتوں کا مطلب واضح کریں۔امام اعظم و صاحبین کے مسلک کا فرق بیان کریں۔خط کشیدہ جملہ کی ترکیب کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال بين جهد امور كا جواب مطلوب ہے (۱) موات كى تعريف (۲) عادى ومملوك فى الاسلام كا مطلب (۳) عادى ومملوك كا حكم (۳) عبارت كا مطلب (۵) امام اعظم وصاحبين كے مسلك بين فرق (۲) جمله كى تركيب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) موات کی تعریف: ده غیرمملوک زمین جوآبادی سے دور ہواور پانی کے غلبہ یاا نقطاع کی وجہ سے اسے کاشت کرنا دشوار ہو۔

سے بنجر ہواس کا کوئی بھی مالک نہ ہو مملوک فی الاسلام کا مطلب وظلم مصادی وہ زمین جو ہمیشہ سے بنجر ہواس کا کوئی بھی مالک نہ ہو مملوک فی الاسلام مصلوک کی الاسلام میں مقبوض ہو گراس کے مالک کاعلم نہ ہو۔

حکم اگرید دونوں قسم کی زمین آبادی ہے اتنی دور ہے کہ اگر آبادی کے کنار بے پر کھڑ ہے ہوکر آ واز لگا ئیس تو اس تک نہ پنچ تو بیز مین موات ہے 'جو شخص بھی امام وقت یعنی حاکم سے اجازت کیکرا ہے آباد کر یگا بالا تفاق وہی اس کا مالک ہوگا اور اگرامام کی اجازت کے بغیر آباد کیا تو امام اعظم کے نزدیک وہ اس زمین کا مالک نہ ہوگا اور صاحبین ؓ کے نزدیک بلا اجازت آباد کرنے ہے بھی مالک ہوجائے گا۔

سے ارش موات پر پھر لگا کراہے اپی تحویل میں ارض موات پر پھر لگا کراہے اپی تحویل میں کے لیا مگر نین برس گزرنے کے باوجود بھی اسے آباد نہیں کیا تو حاکم کوچا ہے کہ وہ زمین اس سے کیکر کئی اور کے بپر دکر دے تا کہ وہ اسے آباد کر کے اس سے نفع حاصل کرے۔

کی شخص کی زمین میں دوسر فضص کی نہر گزررہی ہے تواس زمین کے اندر نہر والے کیلئے امام اعظم کے نزد کیک کوئی حریم نہ ہوگا۔البت اگراس کے پاس کوئی بینہ وغیرہ حریم کے بارے میں موجود ہے تو پھر نہر والے کیلئے اس زمین میں موجود ہے تو پھر نہر والے کیلئے اس زمین میں پڑدی ہوگ جس پرچل کروہ نہرکی صفائی کر سکے اور اس سے مٹی وغیرہ نکال کروہاں پھینک سکے۔

(۵) امام اعظم وصاحبین کے مسلک میں فرق ند ندکورہ عبارت کے مطلب کے مسلک میں فرق میں فرق بھی واضح ہوگیا کہ امام اعظم کے نز دیک بلا بینہ کوئی حریم نہ ہوگا۔ اور صاحبین ؒ کے نز دیک بقد رضر ورت حریم ہوگا جس پرچل سکے اور مٹی نکال کر پھینک سکے۔

﴿ الشق الشانى ﴾ بهدى تعريف كرين اور بتائين كه بهدكا كياطريقه به اوروه كس طرح مكمل بوتا ہے۔

(ولاتجوز الهبة فيما يقسم الآ محوزة مقسومة وهبة المشاع فيما لايقسم جائزة ومن وهب شقصا مشاعا فالهبة فاسدة فان قسمه وسلمه جاز ولووهب دقيقا في حنطة اودهنا في سمسم فالهبة فاسدة فان طحن وسلم لم يجز) عبارت كامطلب وضاحت مي كميس محوزة مقومه مشاع كي تشريح كرين ــ

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں جارامور حل طلب ہیں۔(۱) ہبد کی تعریف (۲) ہبد کا طریقہ (۳) عبارت کا مطلب (۴) محوزہ مقومہ 'مشاع کی تشریح۔

﴿ جواب ﴾ (ا-۲-۴) بهبه كي تعريف بهبه كاطريقه محوزه مقسومه مشاع كي تشريح حكمامر في الشق الثاني من السوال الثاني ١٤٢٣ هـ

وسلمه جازتك مطلب ولاتجور الهبه سے وسلمه جازتك مطلب كرشته حواله ميں ترر چكا ہے۔ ولووهب دقيقا الح كم شخص نے آثا به كيا كيهوں ميں يا تيل به كيا كوں ميں توبي به فاسد ہے۔ اگر چہ بعد ميں كيهوں سے آثا اور تكوں سے تيل نكال كر سر دكر د سے جبھى يہ بدرست نبيں۔ اس ليے كہ بوقت به آثا اور تيل معدوم ہے۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٠ ه

(الشق الاول)اشربه مرمه (خراع مير انقيج التربيب) كي تعريف كسي - (ولا باس بالانتباذ في الدباء والحنتم والمزفت والنقير واذا تخللت الخمر حلت سواء صارت بنفسها خلا اوبشتى طرح فيها ولايكره تخليلها) عبارت كا مطلب بيان كرير وباء عنتم مزفت نقير كمعنى بيان كرير خط كشيده عبارت كا مطلب بيان كرير وباء عنتم مزفت نقير كمعنى بيان كرير خط كشيده عبارت كي تركيب كرير ـ

(خلاصۂ سوال) اس سوال کا خلاصہ چار امور ہیں۔ (۱)اشربہ محرمہ کی تعریف (۲)عبارت کامطلب۔(۳)الفاظ کے معنی۔(۴)عبارت کی ترکیب۔

جما گرجواب (۱) اشربہ مرمه کی تعریف میں انگورکا کچاپانی جب وہ گاڑھاہوکر جما گرجواب کے انگورکا کچاپانی جب وہ گاڑھاہوکر جما گرجھنے کے دو جما گرجھنے کے اور نشر آور ہوجائے۔ عصیر آنگورکا کچاپانی جب جوش مارکر ہمائی سے کم جل جائے اور نشر آور ہوجائے۔ نقیع المذہب خشک انگور (کشمش) کوپانی میں بھگویا جائے یہاں تک کہ جوش مارکر گاڑھا (نشر آور) ہوجائے۔ نقیع المذہب خشک انگور (کشمش) کوپانی میں بھگویا جائے یہاں تک کہ جوش مارکر گاڑھا (نشر آور) ہوجائے۔ اول کی حرمت قطعی اور بقیہ کی حرمت اجتہادی ہے۔

تبان عبارت کا مطلب: اس عبارت میں مصنف نبیذ کے متعلق بچھا دکا مات بیان کرر ہے ہیں کہ کد و کے برتن میں کرر ہے ہیں کہ کد و کے برتن میں نبیذ بنانا درست ہے اس میں کوئی ممانعت نبیس ہے۔

اس کے بعد سرکہ کے متعلق فرمایا کہ جب شراب کا سرکہ بن جائے خواہ خود بخو دیا کوئی چیز ڈالنے کے نتیجہ میں قووہ شراب سرکہ ہونے کی وجہ سے حلال ہے اس میں حرمت باقی نہیں رہی اور شراب کوسر کہ بنانے میں کوئی کراہت بھی نہیں ہے۔

(۳) الفاظ کے معنی - الله بناء کدوکابرتن المحنی منز محلیا (گفری) المفرّفت رال کے رفن والی محلیا الله و کابرت الله کابرت مال کے رفن والی محلیا الله و کی کابرت کے رفن والی محلیا کابرت کے دونن والی محلیا کابرت کے دونن والی محلیا کابرت کے دونن والی محلیات کے دونن والی محلیات کے دونن والی محلیات کے دونن والی محلیات کی دونن و کابرت کی دونن و کابرت کی دونن والی محلیات کی دونن و کابرت کی دونن و

(٣) عبارت كى تركيب - واق استنافيه لا نفي جنس بأسَ اس كابس با حرف

جار الانتبياة مصدراس مين خمير مشتراس كافاعل في حرف جار الدبياء معطوف عليه وأق حرف عطف حرف عطف الدينة معطوف واق حرف عطف الدفية معطوف واق حرف عطف الدفية معطوف معطوف عليه المنتقير معطوف معطوف عليه المنتقير معطوف عليه المنتقل معطوفات سے ملكر مجرور مواجاركا مجرور ملكر كائن محذوف ك مصدر ك مصدرا بي فاعل اور متعلق سے ملكر شبه جمله موكر مجرور عار مجرور ملكر كائن محذوف ك متعلق موكر شبه جمله موكر مجمله المربية جمله موكر شبه جمله موكر شبه جمله المربية جمله موكر الله كائن محذوف كم متعلق موكر شبه جمله موكر الله كفر كائن محذوف كائن متعلق متعلق موكر شبه جمله المدين جربيه موكيا۔

﴿ الشق الثانى ﴾ايمان ثلثه (غمول منعقده لغو) كاتعريف كرين نيزان من تكريف كريف كريف كريف كالمنا في المناه في الله في ا

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں جھ امور کا صل در کار ہے۔ (۱) اَیمانِ ثلثہ کی تعریف۔ (۲) کس قتم میں کفارہ واجب ہے۔ (۳) کفارے کی تفصیل (۴) اللّب افسعل کذافتم کیوں ہے۔ (۵) خط کشیدہ جملہ کا مطلب۔ (۲) خط کشیدہ جملہ کی ترکیب ب

﴿ جوابِ ﴾ (۲٬۲) ايمان ثلثه كى تعريف كس مين كفاره واجب بـ كفار مين السوال الثالث ١٤٢٣هـ مين كفار ١٤٢٠هـ

(۳) الله افعل كذا قسم كيول ب - فدكوره جمله مين اگر چه بظا برحرف فيم نبين بين ميريهان حرف في منها الله افعل كذا-

مری خط کشیده جمله کا مطلب اس جمله کا مطلب بیه به کداگر کی آدی نے مطلق نذر مانی اور یہ کہا کہ جھ پر نذر بے یا مجھ پر اللہ کی نذر ہے اور یہ نفصیل نہیں کی مثلاً میرا غلام آزاد یا میری یوی کوطلاق تو یہ مجھی جائے گی۔اگر اس کے خلاف کیا توقتم کا کفارہ واجب ہوجائے گا۔ میری یوی کوطلاق تو یہ مجمله کی ترکیب اسم المسلم علاق عادم کر ورملکر متعلق ثابت مقدر کے ہو کر خبر مقدم نذر کی اللہ مضاف الیہ ملکر معطوف علیه و آو حرف عطف نذر کا اللہ مضاف الیہ ملکر معطوف علیہ ملکر مبتدا مؤخر مبتدا می خربیہ ہوکر مبتدا متضمین معنی شرط فی اللہ معلوف علیہ ملکر مبتدا مؤخر مبتد

جزائيه هويمين مبتداخر ملكر جزائشرط جزاملكر جمله شرطيه بوا_

الورقة الثالثة في الفقه

﴿السوال الاول﴾ 1819ه

﴿الشق الأول﴾ ﴿ وَيَنْقُضُ الْمَسَحَ مَايَنْقَضُ الْوُضُوءَ وَيَنْقُضُهُ آيُضاً لَــُكُوعُ الْمُسَحَ مَايَنْقَضُ الْوُضُوءَ وَيَنْقُضُهُ آيُضاً لَــُرُعُ الْمُحَدِّ وَمُسْلَى رِجُلَيْهِ وَصَلَّى وَلَيْسَ عَلَيْهِ إِعَادَةُ بَقِيَّةِ الْوُضُوءِ) وَلَيْسَ عَلَيْهِ إِعَادَةُ بَقِيَّةِ الْوُضُوءِ)

عبارت کاسلیس ترجمه کرین مسائل کی تشریح کرین موزوں پرمسے کا طریقه اورمسے کی مدت بیان کریں ۔ پوری عبارت پراعراب ضرور لگا کیں ۔

(خلاصة سوال) اس سوال كاخلاصه بإنج اموريس _(۱) عبارت كاتر جمه (۲) مسائل كي تشريح (٣) موزوں پرمسح كاطريقه (٣) مسح كي مدت _(۵) عبارت پراعراب _

(س) مسح کی مدت: مقیم کیلئے موزوں پرمسح کی مدت ایک دن اور ایک رات ہے جبکہ مسافر کیلئے تین دن اور تین رات تک مسمح کی گنجائش ہے۔

(۵) عبارت پراعراب دكمامر في السوال آنفاً-

﴿ الشق الثانى ﴾ --- (اَلشَّهِينُهُ مَنُ قَتَلَهُ الْمُشُرِكُونَ اَوُوُجِدَ فِى الْمَعْرَكَةِ ﴿ وَاللَّهُ الْمُسُلِّمُونَ ظُلُماً وَلَمُ يَجِبُ بِقَتُلِهِ دِيَةٌ فَيُكُفَّنُ وَيُصَلَّى عَلَيْهِ وَلَا يُغْسَلُ) عَلَيْهِ وَلَا يُغْسَلُ)

عبارت کا عام فہم تر جمہ کریں شہید کی تعریف وحکم وضاحت ہے کھیں۔عبارت پراعراب لگانا نہ بھولیں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں چارامور مطلوب ہيں (۱) عبارت كاتر جمه (۲) شهيد كی تعریف (۳) شهيد كا تحكم (۴) عبارت پراعراب _

﴿ جواب ﴾ (اتام) عبارت كاتر جمهٔ شهيد كى تعريف شهيد كاحكم عبارت براعراب حكمامر في الشق الثاني من السوال الاول ١٤٢٤هـ

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤١٩ه

﴿ الشق الأول﴾ (وَتَنفَضِخُ الْإِجَارَةُ بِالْاَعُذَارِ كَمَنُ اِسُتَاجَرَدُ كَاناً فِي اللَّهُ وَكَمَنُ آجَرَدَارَاً اَوْ دُكَاناً ثُمَّ اَفُلَسَ فَلَزِمتُهُ يُونُ لَا يَتُونُ لَا يَتُونُ لَا يَتُونُ لَا يَتُونُ لَا يَتُونُ مَا آجَرَ فَسَخَ الْقَاضِي الْعَقُدَ وَبَاعَهَا فِي الدَّيُنَ)

عبارت کا آسان ترجمہ کریں۔عبارت کی بے غبار شرح کریں۔اعراب لگا کیں لِیَدَّ جِسَ کونساصیغہ ہے کس باب سے ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال میں جار امور حل طلب میں (۱) عبارت کا ترجمہ (۲)عبارت کی شرح (۳)عبارت پراعراب(۴)لیتجد کونساصیغہ ہے۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمه آ ۔ اور فنخ ہوجا تا ہے اجارہ عذروں کی وجہ سے مثلا وہ شخص جس نے اجرت پر لی دکان بازار میں تا کہ تجارت کرے اس میں پس جا تا رہااس کا مال اور مثلا وہ شخص جس نے کرامیہ پر دیا گھریا دکان پھر مفلس ہوگیا پس لازم ہوگیا اس کو اتنا قرض کہ نہیں قاوروہ اس کی ادائیگی پر مگر اس چیز کے ثمن ہے جس کو اجارہ پر دیا ہے اس نے تو فنح کردے گا

قاضى عقد كواور بيج دے گااس كودين ميں _

ر کی عبارت کی شرح : اس عبارت میں مصنف ؒ نے اجارہ کا ایک علم بیان کیا ہے وہ اس کے بوقت عنر اور مجبوری اجارہ فنخ ہوسکتا ہے عام ازیں کہ عذر آجر کی جانب سے ہویا متاجر کی جانب سے ہویا متاجر کی جانب سے عذر ہومثلا کسی نے اجارہ پر دکان کی کاروبار کیلئے ابھی کام شروع نہیں کیا تھا کہ مال ضائع ہو گیا تو اجارہ فنخ ہوجائے گا' آجر کی جانب سے عذر کی مثال کہ ایک شخص نہیں کیا تھا کہ مال ضائع ہو گیا تو اجارہ فنخ ہوجائے گا' آجر کی جانب سے عذر کی مثال کہ ایک شخص نے مکان یا دکان اجارہ پر دی چھر خود مفلس ہو گیا اور اس کے ذمہ اتنا قرض ہو گیا کہ اب وہ ادا پر قادر ہی نہیں رہا۔ ادا کیگی کی صورت صرف اس دکان یا گھر کے شن ہیں کہ جن کواس نے اجارہ پر دیا تو قاضی اجارہ کوفنخ کردے گا اور اس مکان یا دوکان کونچ کرقرض ادا کرے گا۔

(٣)عبارت براعراب حكمامر في السوال آنفاً ـ

(۲۲) لیدتہ ہے۔ کونسا صیغہ ہے۔ صیغہ واحد مذکر غائب بحث مضارع معروف از مصدرِ إتّجار (افتعال) بمعنی تجارت کرنا۔

الشق الثانى ،عدت سكوكت بين عدت كبواجب بوتى بيد طلاق كاعدت كتنى بيد علاق كاعدت كتنى بيد عالمه . عورت كويض ندآ تا بواس كى عدت كتنى بيد عالمه . عورت كى عدت كتنى بيد

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین امور غور طلب ہیں۔ (۱) عدت کی تعریف (۲) وجوب عدت کاوفت۔ (۳) عدت کی مقدار۔

﴿ جواب ﴾ (1) عدت كى تعريف لفت ميں عدت كامعنى شار كرنا ہے اور اصطلاح ميں عورت كازوال نكاح كے بعد توقف وانظار كرنا 'زوال نكاح خواہ موت زوج ہے ہو يا طلاق ہے۔ • (۲) وجوب عدت كا وقت : _ زوج كے طلاق دینے یا زوج كے انقال كے بعد عدت واجب ہے۔

(۳) عدت کی مقدار طلاق کی عدت طلاق کی عدت تین قروء ہے والمطلقات یتربصن بانفسهن ثلثه قروء 'موت کی عدت موت کی عدت چارماه

وسرون بوالدين يتوفون منكم ويذرون ازواجا يتربصن بأنفسهن اربعة اشهروعشرة تابواس كاعدت تمن ماه به الشهروعشرة تابواس كاعدت تمن ماه به واللائى يئسن من المحيض من نسائكم أن ارتبتم فعدتهن ثلثه اشهرواللائى لم يحضن عامل كاعدت والمرك عدت والمرك عدل المرك عدل عدل المرك عدل

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٩ه

﴿ الشق الأول﴾ (وَمَن حَلَق أَنُ لَا يَبَاكُلُ لَحُماً فَاكَلَ السَّمَكَ لَمُ يَحْنَتُ وَلُو حَلَق آنَ لَا يشُرَبَ مِنْهَا بِانَاءٍ لَمُ يَحْنَتُ حَتَّى يَكُرَعَ مِنْهَا بِانَاءٍ لَمُ يَحُنَتُ حَتَّى يَكُرَعَ مِنْهَا كَرْعاً عِنْدَ آبِيُحَنِيُفَةً وَمَنُ حَلَق آنُ لَا يَشْرَبَ مِنْ مَاءِ دَجُلَةً فَشَرِبَ مِنْهَا بِإِنَاءٍ حَنِث)

عبارت کا بامحاورہ ترجمہ کریں۔ ذکر شدہ مسائل وضاحت کے ساتھ بیان کریں۔عبارت پراعراب لگائیں۔ لم یحنٹ کلایشر ب کس باب سے ہیں۔

(خلاصة سوال) اس سوال كا حاصل جارا موريس _(۱) عبارت كا ترجمه (۲) مسائل كى وضاحت (۳) عبارت يراعراب (۴) لم يحدث لايشرب كاباب ـ

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمہ ۔ اور جس شخص نے قتم اٹھائی کہ نہ کھائے گاوہ گوشت' پس کھالی اس نے مجھلی تو نہ حانث ہوگا'اورا گرفتم اٹھائی کہ نہیں پیے گاد جلہ سے پھر پیااس سے برتن کے ساتھ تو حانث نہیں ہوگا۔ یہاں تک کہ پیے اس سے منہ ڈال کر امام ابو حنیفہ کے بزد یک' اور جس شخص نے قتم اٹھائی کہ نہیں پیے گاوہ و جلہ کا پانی پس پیااس سے برتن کے ساتھ تو

(۲) مسائل کی وضاحت: اس عبارت میں حلف کے چند مسائل کو ذکر کیا جارہ ہے تو پہلا مسئلہ یہ بیان کیا کہ کسی نے قتم اٹھائی کہ میں گوشت نہیں کھاؤں گا پھر اس نے چھلی کا گوشت کھایا تو وہ حانث نہ ہوگا' کیونکہ عرف میں چھلی کو گوشت شاز نہیں کیا جاتا' دوسرا مسئلہ کہ کسی نے قتم اٹھائی کہ دجلہ نے بیں ہے گا پھراس نے کسی برتن کے ذریعہ وہاں سے پانی پیا تو امام ابو صنیفہ کے نزدیک وہ حانث نہ ہوگا' کیونکہ اس سے عرفاد جلہ میں مند ڈال کر دیک وہ حانث نہ ہوگا' کیونکہ اس سے عرفاد جلہ مسئلہ بیا کہ کسی نے بیتم کھائی کہ میں دجلہ کا پانی نہیں چیئوں گا بھراس سے کسی برتن سے پانی پیایا مند ڈال کر' بہر صورت حانث ہوجائے گا' کیونکہ دونوں صورتوں میں یانی چیئا تحقق ہور ہاہے۔

(س)عبارت يراعراب - كمامر في السوال آنفا-

(س) لم يحنث لايشرب كاباب: -يدونول صغ باب مع سعين -

﴿ الشَّقِ الثَّانِي ﴾ وَمَنِ امْتَنَعَ مِنْ الجِرْيَةِ آوقَتَلَ مُسْلِماً أَوْسَبَ النَّبِيَ صلى الله عليه وسلم أَوُرنَى بِمُسْلِمَةٍ لَمْ يَنْتَقِصُ عَهُدُهُ وَلَا يَنْتقِصُ الْعَهُدُ النَّبِيَ صلى الله عليه وسلم أَوُرنَى بِمُسْلِمَةٍ لَمْ يَنْتَقِصُ عَهُدُهُ وَلَا يَنْتقِصُ الْعَهُدُ النَّالَةِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَالْ إِنْ يَفُوضِع فَيْحَارِبُونَنَا)

عبارت كاسليس ترجمه كريس مسائل أوضاحت كريس اورعهد توشخ ياند توشخ سيكيا مراد ب- اس كى بھى وضاحت كريس عبارت پراعراب لگائيں ولايسنتقص العهد ت آخر تك عبارت كى تركيب كريں -

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں پانچ امور توجہ طلب ہیں۔ (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) مسائل کی وضاحت (۳) عبد ٹوشنے یا نہ ٹوشنے کی مراد۔ (۴) عبارت پر اعراب (۵) ولاینتقض العهد الح کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (1) عبارت كا ترجمه : اور جون بازر بے جزیہ سے یاقتل کردے کی مسلمان کو یا برا کہ نے کی مسلمان کو یا برا کے بی کریم صلی اللہ علیہ وسلم کو یاز نا کرے کسی مسلمان کو یا برا کے بی کریم صلی اللہ علیہ وہ دار الحرب میں یا غلبہ پالیں وہ کسی جگہ پر پھر ہم سے کونے ار ہوجا کیں۔

لانے کوئیار ہوجا کیں۔

ر ۲) مسائل کی وضاحت ۔اس عبارت میں ذی کے متعلق مسائل کا ذکر ہے تو فرمایا کہ اگر کوئی ذی شخص جزید دینے ہے انکار کردے یا سمی مسلمان گوتل کردے یا آنخضرت صلی اللہ Destudibooks.

علیہ وَمَلَم کو برائے ہائی مسلمان عورت سے زنا کر بے تو ان تمام صورتوں میں عہد نہیں ٹوٹے گا بلکہ وہ ذکی ہی رہے گا وہ ذکی ہی رہے گا اس پر ذکی والے احکام ہی جاری ہوں گے۔اس کوحربی کا فرنہیں سمجھا جائے گا۔ البتذاگر و دوارالاسلام چیوڑ کر دارالحرب میں چلا گیایا کسی علاقہ پرغلبہ پاکے ذمیوں نے مسلمانوں سے لڑنے کیا ہے صف بندی کرلی تو اس صورت میں ذمی کا عہد ٹوٹ جائے گا یہ معاہدہ ختم ہوجائے گا۔ اب اس برحر لی کا فروالے احکامات جاری ہوں گے۔

رس) عہدالو شخ یا نہ لو شخ کی مراد: مرادیہ ہے کہ اس پر ذی والے احکام جاری ہوں گے یا نہ لوٹ کی مراد: مرادیہ ہے کہ اس پر ذی والے احکام جاری نہ ہوں گے بلکہ کا فرحر بی والے احکام جاری ہوں گے۔ اور عہد نہ لوٹ نے کی صورت میں ذی والے ہی احکام جاری ہوں گے۔

(م) عبارت يراعراب : -كمامر في السوال آنفاً -

(۵) و لا ينتقض العهد الخ كي تركيب - لا ينتقض فعل العهد اسكافاعل الآ حوف اشتنا انفوب حرف ابر أن ناصبه مصدريد يسلمق فعل اس مين ضمير مستراس كافاعل به عاره دار مضاف المصرب مضاف اليه مضاف اليه ملر مجرور عالم ورملكر متعلق بوافعل ك فعل اب فاعل و متعلق سي معلم جمله فعليه خبريد بوكر معطوف عليه الى على حرف جار موضع مجرور جار مجرور ملكر متعلق بهوافعل ك فعل اب فاعل ومتعلق سي فاعل حمله فعل اب فعل اب فعل اب فعل و متعلق سي ملكر جمله فعليه خبريد بوكر معطوف المعلم معطوف بالمعلم معطوف بوا اب فعل اب فاعل اور مفعول به معطوف عليه في الكر جمله فعلي خبريد بوكر معطوف معطوف معطوف عليه معلكر محمله فعلي خبريد بوكر معطوف معطوف معطوف عليه موالا ينتقض على اب معطوف عليه معلكر محمله فعليه خبريد بوكر معطوف موالا ينتقض على اب علي الورمقع في المنتقل معلم معلم معلم معلم على معلم فعليه خبريد بولا على المنتقل ابن فاعل اورمتعلق سي ملكر جمله فعليه خبريد بولا -

الورقة الثالثه في الفقه ﴿ السوال الاول﴾ ١٤١٨ ه

﴿الشق الأول﴾ ﴿ وَمَـوْتُ مَـالَيُسَ لَهُ نَفُسٌ سَـائِلَةٌ فِى الْمَاءِ لَايُفُسِدُ الْمَاءِ كَايُفُسِدُ الْمَاءِ كَالُهُ فُسِدُ الْمَاءِ كَالُهُ فُسِدُ الْمَاءِ وَالزَّ نَابِيُرِ وَالْعَقَارِبِ وَمَوْتُ مَايَعِيْشُ فِى الْمَاءِ لَايُفُسِدُ

الُمَاءَكَالسَّمَكِ وَالنِضَفُدَعِ وَالسَّرْطَانِ وَالْمَاءُ الْمُسْتَعْمَلُ لَايَجُوْزُ اِسْتِعْمَالُهُ ۚ فِي طَهَارَةِ الْآجَدَاثِ وَالْمَاءُ الْمُسْتِعْمَلُ كُلَّ مَاءٍ أَرْيُلَ بِهِ حَدَثُ أَوِاسْتُعْمِلَ فِي الْبَدَنِ عَلَى وَجَةِ الْقُرْبَةِ)

عبارت کاسلیس ترجمه و مسائل کی وضاحت مطلوب ہے۔ علی وجد القربة کی قید کا کیا فائدہ ہے۔ لیس له میں ضمیر کا مرجع کیا ہے۔ عبارت مذکورہ پراعراب لگائیں۔

(خلاصة سوال) اس سوال كاخلاصه پانچ امور بين _(۱) عبارت كاتر جمه (۲) مسائل كي وضاحت (۳) على وجهالقربة كي قيد كافائده (۴) خمير كامرجع (۵) عبارت براعراب _

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمہ داور پانی میں ایسے جانور کا مرجانا جس میں بہتا ہوا خون نہیں ہے جانور کا مرجانا جس میں بہتا ہوا خون نہیں ہے نہیں خراب کرتا پانی کو جیسے مجھر اور کھی اور بھڑ اور بچھوا اور پانی میں ایسے جانور کا مرجانا جو پانی میں ہی زندگی سر کرتا ہے ہے بھی پانی کوخراب نہیں کرتا جیسے جھل مینڈک کیٹرا۔اور ماءِ مستعمل کا استعال جا ترنہیں ہے۔طہارتِ احداث میں اور ماءِ مستعمل ہروو پانی ہے جس سے دورکی گئی ہونجاست یا ستعال کیا گیا ہو بدن میں قربتِ اللہ یہ کے طور پر۔

(۲) مسائل کی وضاحت ۔ اس عبارت میں پانی کے مسائل کوذکر کررہے ہیں تو فرمایا کدا گر پانی میں کوئی ایساجانور مرجائے جس میں دم سائل (بہتا ہوا خون) نہیں ہے یاوہ جانور پانی میں ہی زندگی بسر کرتا ہے تواس جانور کی موت کی وجہ سے پانی نا پاک یا خراب نہیں ہوگا۔

اس کے بعد ماءِ مستعمل کے تھم کا ذکر ہے کہ ماءِ مستعمل کو احداث سے پاکی حاصل کرنے کیا گئے استعمال کرنا جائز نہیں ہے اگر چہ یہ پاک ہے جسے دوسر سے الفاظ میں یوں تعبیر کرتے ہیں کہ ماءِ مستعمل طاہر ہے۔مطبر نہیں ہے۔

اس کے بعد ماءِ مستعمل کی تعریف ذکر کی ہروہ پانی جس سے ناپا کی دور کی گئی ہویا اسے قریب اللہ یہ کے طور پریعنی پہلے پاک ہونے کے باوجود دوبارہ وضویا غسل کیلئے استعمال کیا گیا ہووہ ماءِ مستعمل ہے۔

(m) علی وجدالقربة کی قید کا فائدہ اس قید کا فائدہ یہ ہے کدا گر کسی شخص نے یاک

ہونے کی جات میں دوبار دونسو کیالیکن ثواب عاصل کرنے کی نیت نبیس کی توہا : ستعمل نبیس ہوگاہے (۳۲) تشمیر کا مرجع : عبارت میں لیسس لیه کی شمیر مجرور کا مرجع ماموصولہ ہے جس ہے مراد نیوان ہے۔

(٥) عبارت يراعراب دكمامر في السوال آنفاد

الشق الثاني واولى الناس بالامامة اعلمهم بالسنة فان تساووا فاقرأهم فان تساووا فاورعهم فان تساووا فاقرأهم

ائن بالامامة بالترتيب بيان كرين سرف عورتوں كى جماعت جائز ہے يائبيں۔ اگر ہے تو سس صورت ميں متوضى كى تيم كے چيچيۇ، غاسل الرجلين كى ماج على الخفين كے پيچھے اور مفترض كې متعل كے چيھے نماز تحيم ہے يائبيں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امورحل طلب میں ۔ (۱) احق بالا مامۃ کی ترتیب (۲) عورتوں کی جماعت کاحکم اورصورت (۳) ندکور دصورتوں میں اقتداء کاحکم ۔

ﷺ جواب ﴾ (1) احق بالا مامة کی ترتیب: اولاً جماعت کا حقدار و و شخص ہے جو است کوسب سے زیادہ جائے ہے۔ اللہ مامة می ترتیب: اولاً جماعت کا حقدار و و شخص ہے جو است کوسب سے خفض ہے جو شخص ہے جو آئے اس سے المحمد میں بھی سب برابر ہوں تو پھر جو شخص ان میں سب سے زیادہ پر بیز گار ہو و و شخص ان میں سب سے زیادہ بمر رسیدہ ہو دوا دامامت کا حقدار ہے۔

(۲) عورتوں کی جماعت کا حکم وصورت رینهاعورتوں کی جماعت مگروہ تح بی ہے: پھر بھی اً سروہ جماعت کروائیں تو پھران کی امام ان کے درمیان میں بی کھڑی ہوگی مثل نگوں کے۔ امام کے۔

سل انگردہ صورتوں میں اقتداء کا تحکم ۔ متوضی کا اقتداء کرنامتیم کے پیچھے اور غاسل البیلین کا اقتداء کرنامات علی الخفین کے چیھے یہ دونوں اقتدا ئیں جائز میں اور مفترض کا متفل کی اقتداء کرنا جائز نہیں ہے۔

﴿السوال الثاني ﴿ ١٤١٨ ه

﴿ الشق الأول﴾ … (القران اقضل عند نيا من التمتع والافراد) قران ٔ تمتع اورافراد کی تشریح اور فرق بیان کریں ٔ دم قران کیا ہوتا ہے۔ دم ادا نہ کرنے کی صورت میں کتنے روزے اور کیسے رکھے جاتے ہیں۔

﴿ خلاصۂ سوال) اس سوال میں جارامور توجہ طلب ہیں۔(۱) جی قران مختع 'افراد کی تشریح (۲) اقسامِ ثلثہ میں فرق۔(۳) دم ِقران کی تعریف (۴) دم قران ادانہ کرنے کی صورت میں کیا تھم ہے۔

﴿ جواب ﴾ (۲۱) في قران تمتع افراد كي تشريح اقسام ثلثه ميس فرق -

كمامر في الشق الأول من السوال الثاني ١٤٢٥هـ

(س) دم ِقران کی تعریف کے قران کے شکرانہ میں یو مِنحِ کو جمرۂ نقبی کی رمی کے بعد بمری یا گائے یااونٹ کی قربانی کرنے کودم قران کہتے بین ۔

رم) دم قران ادانه کرنے کی صورت میں کیا حکم ہے ۔ دم قرآن ادانه کرنے کی صورت میں کیا حکم ہے ۔ دم قرآن ادانه کرنے کی صورت میں دس دور در در در عرف ان دواور کی صورت میں دس دور ان کی سات دور سے ایام تشریق کے بعد کی بھی وقت رکھ سکتا ہے۔

﴿الشق الثاني﴾(ولايجوز بيع زراع من ثوب ولابيع جذع من سقف وضربة القانص لابيع المزابنة وهو بيع التمرعلى النخل بخرصه تمراً ولايجوز البيع بالقاء الحجر والملامسة والمنابذة ولايجوز بيع ثوب من ثوبين)

سلیس ترجمہ کے بعد مسائل کی تشریخ کریں۔ بیچ کی فد کورہ اقسام کی تعریفات کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال کا حاصل تین امور ہیں۔(۱)عبارت کا ترجمہ(۲) مسائل کی تشریخ (۳) بیچ کی اقسام فدکورہ کی تعریفات۔

﴿ جواب ﴾ (۳٬۲۱) عبارت کا ترجمهٔ مسائل کی تشریح' بیع کی اقسام

besturdubook

نم كوره كي تعريبيًا تدكم امر في الشق الثاني من السوال الثاني ٢٥ ١ ه و في الشق الثاني من السوال الاول ٢٢ ١ هـ و

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٨ه

﴿الشق الأول﴾ (الشفعة واجبة للخليط في نفس المبيع ثم للخليط في حق المبيع كالشرب والطريق ثم للجار وليس للشريك في الطريق والشرب والجارشفعة مع الخليط فان سلم الخليط فالشفعة للشريك في الطريق فيان سلم اخذها الجار والشفعة تجب بعقد البيع وتستقربالاشهاد وتملك بالاخذ إذا سلمها المشتري او حكم بها حاكم)

ترجمه ومطلب واضح كرين اقسام شفيع وترتيب حقدارانِ شفعه واضح لكصين _

(خلاصهٔ سوال)اسوال کا خلاصه چاراموری بین _(۱) عبارت کا ترجمه (۲) عبارت کا مطلب (۳)اقسام شفیع (۴) ترتیب حقدارانِ شفعه _

﴿ جواب ﴾ (١٦١) عبارت كاتر جمهُ مطلب اقسام شفعه وتر يب حقد ارانِ مَنْ معدد معلم الشق الثاني من السوال الثالث ١٤٢٥هـ

﴿الشق الثاني﴾(الهبة تصح بالايجاب والقبول وتتم بالقبض فان قبض بعد فان قبض بعد الافتراق لم تصح)

عبارت کی تشریح کریں'ہبہ میں رجوع جائز ہے پانہیں' د قبلس کے متعلق فقہاء کا اختلاف بیان کریں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال کا خلاصه تین امور میں _(۱) عبارت کی تشریح (۲) ہبہ میں رجوع کا تھم (۳) د _{قبعی} میں فتہاء کا اختلاف _

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت كى تشريح ً اولاً ہبد كے اركان كا ذكر ہے كہ ہبدا يجاب و ټول ہے تيج ہوتا ہے اور جب موہوب لاموہوبہ چيز پر قبضة كرلے تو ہبة كمل ہوجا تا ہے اس كے بعد ہمد کا ایک مسئلہ بیان کیا کہ اگر واہب نے کوئی چیز ہمد کی اور موہوب لدنے واہب کی اجازت کے بغیر ہی کہاں عقد میں موہوبہ چیز پر قبضہ کرلیا تو ہم کمل ہوجائے گا اور یہ قبضہ کرنا تھے ہوگا اورا گر مجلس برخواست ہوگئ واہب نے موہوبہ چیز موہوب لہ کے سپر دنہیں کی تو اب واہب کے جانے کے بعد موہوب لۂ کا موہوبہ چیز پر قبضہ کرنا تھے نہ ہوگا۔ اور یہ ہمبتام نہ ہوگا۔

(۲) ہمبہ میں رجوع کا حکم : عندالا حناف ہبہ سے رجوع کرنا جائز ہے اور امام شافع گ فرماتے ہیں کداگر باپ نے بیٹے کوکوئی چیز ہبہ کی ہے تو صرف وہی اس کے اندر رجوع کرسکتا ہے۔ اس کے علاوہ کوئی شخص اپنے ہبہ سے رجوع نہیں کرسکتا۔

(س) رقی میں فقہاء کا اختلاف ۔ امام ابوصنیفہ امام محد اور امام مالک فرماتے ہیں کہ رقعی ناجائز ہے کیونکہ اس میں جانبین میں سے ہرایک دوسرے کی موت کا منتظر رہتا ہے کہ کس وقت وہ مرے اور میں زمین کا مالک بن جاؤں ۔ جبکہ امام ابو یوسف امام شافعی وامام احمد کے نزدیک رقبی جائز ہے۔

الوزقة الثالثة في الفقه ﴿السوال الاول﴾ ١٤١٧ه

﴿الشق الأول﴾(ويجوز التيمم للصحيح المقيم اذا حضرت جنازة والولى غيره فخاف ان اشتغل بالطهارة ان تفوته صلوة الجنازه فله ان يتيمم ويصلى وكذلك من حضر العيد فخاف ان اشتغل بالطهارة ان تفوته العبد)

عبارت کا ترجمہ کریں' تیم کی لغوی وشرعی تعریف بیان کریں' نیزبتا کیں کہ اگر نما نے جمعہ فوت ہونے کا خطرہ ہوتو تیم جائز ہے؟

(خلاصة سوال) اس سوال میں تین امور کاحل مطلوب ہے (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) تیم کا نغوی و شرعی معنی (۳) جمعہ کے فوت ہونے کے خوف سے تیم کا تھم۔

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت كا ترجمه: - اور جائز بے تيم كرنا تندرست مقيم كيك جب

جنازہ حاضر ہواور ولی اس کا غیر ہو۔ پس خوف ہواہے کہ اگر مشغول : دِا وہ طہارۃ میں توفیت ہوجائے گی جنازہ کی نماز پس جائز ہےاس کے لیے بیاکہ تیم کر کے نماز پڑھ لےاورای طرح جو شخص حاضر ہونمازعید میں بس اسے خوف ہو کہ اگر مشغول ہوا طہارت میں تو نمازعید فوت ہوجائے گی۔

(۲) تیم کالغوی وشرعی معنی الغت میں قصد کرنااورشر بعت میں پاک مٹی ہے ہائیت طہارت چیرہ اور ہاتھوں کا مسح کرنا۔

جعد کے فوت ہونے کے خوف سے تیم کا حکم ۔ جعد کے فوت ہونے کے خوف سے تیم کا حکم ۔ جعد کے فوت ہونے کے خوف سے تیم کرنا جائز نہویا خوف سے تیم کرنا جائز نہویا ہے۔ کیونکہ اس کا نائب وظیفہ نہ ہو۔ سے جس کا نائب وظیفہ نہ ہو۔

﴿الشق الثانى ﴾(لا يبجوز الصلوة عند طلوع الشمس ولاعند غروبها الا عصريومه ولاعند قيامها فى الظهيرة ولا يصلى على جنازه ولا يسجد للتلاوة ويكره ان يتنفل بعد صلوة الفجر حتى تطلع الشمس وبعد صلوة العصر حتى تغرب الشمس)

عبارت کا ترجمہ دتشر تح کریں' یومه سی تضمیر کا مرجع بیان کریں' اور بتا کیں کہ نمازِ فجر وعسر کے بعد بحد و تلاوت' نمازِ جناز ہ اورفوت شدہ نمازوں کی قضاء جائز ہے یانہیں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چار امور حل طلب ہیں۔ (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) عبارت کا ترجمہ (۲) عبارت کی تشریح (۳) ضمیر کا مرجع (۴) نماز فجر وعصر کے بعد سجد ہ تلاوت نماز جناز ہ فوت شدہ نماز وں کا حکم۔

جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمہ نہیں ہے جائز نماز پڑھنا طلوع مٹس کے وقت اور نہیں نماز پرھنا طلوع مٹس کے وقت اور نہیں نماز اور نہ غروب مٹس کے وقت اور نہیں نماز پڑھ سکتا جنازہ پراور نہ مجد ہ تلاوت کرسکتا ہے۔اور مکروہ ہے نفل پڑھنا نماز فجر کے بعد طلوع مٹس تک۔ تک اور نمازع عصر کے بعد غروب مٹس تک۔

(۲) عبارت کی تشریح: اس عبارت میں نماز کے اوقات ممنوعہ کا ذکر ہے کہ تین

اوقات میں نماز پڑھنامنع ہے۔طلوعِ شمس'غروب شمس اوراستواءِشمس کے وقت'ان اوقات میں فراکفن کی طرح نمازِ جنازہ اور سجدۂ تلاوت بھی منع ہے اسکے علاوہ نماز فبخر کے بعد طلوعِ شمس تک اور نمازِعصر کے بعدغروب شمس تک کسی قتم کے نوافل بھی مکروہ ہیں۔

سر کا مرجع ۔ یومہ کی شمیر کا مرجع مصلّی ہے یعنی مصلّی اس دن کی عصر کی نماز غروب کے وقت پڑھ سکتا ہے۔

(سم) نمازِ فجر وعصر کے بعد سجد ہ تلاوت 'نماز جناز ہ فوت شدہ نماز وں کا حکم :-ان دونوں اوقات میں بیتیوں افعال (سجد هٔ تلاوت 'نماز جناز هٔ فوت شدہ نماز دں کی قضاء) جائز ہیں۔

﴿السوال الثاني ﴿ ١٤١٧ ه

﴿الشق الأول﴾ ﴿ وتكبير التشريق اوله عقيب صلوة الفجر من يوم عرفة و آخره عقيب صلوة العصر من يوم النحرعند ابى حنيفة وقال ابويوسف و محمد الى صلوة العصر من آخر ايام التشريق)

عبارت کاتر جمہ ومسد کی وضاحت فر مائیں۔ یوم عرفہ' یوم نجراور ایام تشریق ہے کون سے دن مراد ہیں۔احناف کا کس امام کے قول پڑمل ہے' تئبیرات تشریق مردوعورت دونوں پر امازم ہیں یا کسی ایک پر۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں پانچ امور کا جواب مطلوب ہے(۱) عبارت کا ترجمہ (۲) مسئلہ کی وضاحت (۳) ہوم عرفہ یوم نجوایا م تشریق کی مراد (۴) احناف کاعمل (۵) تکبیرات تشریق کالزوم۔

﴿ جواب ﴾ (1) عبارت كاتر جمه : تكبيرات تشريق كى ابتداء يوم عرفه كى فجر كى نماز كى بعد ہے اور صاحبين ً كے بعد ہے اور اس كى انتہاء امام ابو عنيفة كے نزد كي يوم انحر كى نماز عصر كے بعد ہے اور صاحبين ً فرماتے ہيں كدايام تشريق كے آخرى دن كى نماز عصر تك ہے۔

(۲) مسئلہ کی وضاحت اس عبارت میں تکبیرات تشریق کے وقت کا ذکر ہے کہ تکبیرات تشریق کے وقت کا ذکر ہے کہ تکبیرات تشریق کی اہتدایوم عرف کی نماز فجر سے ہوگی اوراس کی انتہاء میں اختلاف ہے امام اعظم کے

نزدیک یوم اتح کی عصری نمازتک ہے اور صاحبین گےزد کیدا تکی انتہاء تیرہ ذوالحجہ کی عصر تک مجھے ہے۔

(۳) یوم عرف نوم نحروایا م تشریق کی مراد: ۔ یوم عرفہ سے مرادنویں ذوالحج نوم الخر سے دسویں ذوالحجہ ایام مراد ہیں۔
سے دسویں ذوالحجہ اور ایام تشریق سے گیار ہویں بار ہویں اور تیر ہویں ذوالحجہ کے ایام مراد ہیں۔

(۴) احماف کا عمل ۔ احماف کا عمل تجمیرات تشریق میں صاحبین کے قول پر ہے۔

(۵) تکبیرات تشریق کا لزوم: ۔ تکبیرات تشریق کا لزوم مردوعورت دونوں پر ہے۔

«الشق الثانی » اذا اطلع المشتدی علی عیب فی المبیع فھو بالشن وان شاء ردہ)

۔ ترجمہ کریں' مشتری بالغ سے نقصان کا معاوضہ کیکر معیوب منتج اپنے پاس رکھ سکتا ہے؟ خیارِ رؤیت' خیارِشرطاور خیارِ عیب کی مثالوں سے وضاحت کریں۔

(خلاصۂ سوال) (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) نقصان کا معاوضہ لینے کی صورت میں مہیے کا حکم (۳) خیار رؤیت وخیار شرط وخیار عیب کی مثالوں سے وضاحت۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمہ:۔جب مطلع ہومشتری مبیع میں عیب پرتواسے خیار ہےاگر چاہے تولے لےاسے پورے ٹمن کے ساتھ اوراگر چاہے تواسے رد کر دے۔

(۲) نقصان کا معاوضہ لینے کی صورت میں مبیع کا حکم ۔ مشتری نے بیج کے اندر عیب پایا تو مشتری نقصان کا معاوضہ لیکر مبیع اپنے پاس نہیں رکھ سکتا' بلکہ جا ہے تو پورے ثمن دے کر مبیع رکھ لے۔ جا ہے تو پوری مبیع واپس کرد ہے۔

(۳) خیارِرو بیت خیارِشرط وخیارِعیب کی مثالوں سے وضاحت: ۔خیسارِ
رؤیست وہ خیار ہے جومشتری کو پینچ دیکھنے کے بعد حاصل ہوجیے زید نے سائیکل بیچااور بکر نے بلا
دیکھے خریدلیا بعد میں اس نے اسے دیکھا تو کسی وجہ سے اسے پسند نہ آیا تو اسے خیار ہے کہ عقد کو ختم
کر دے۔ خیسارِ شرط وہ خیار ہے جو بائع یامشتری کو شرط لگانے کی وجہ سے حاصل ہو مثلا زید
نے بحر سے گھڑی خرید کی اور شرط لگا دی کہ مجھے خیار حاصل ہوگا اگر میر ہے گھروالوں کو پہند آگئ تو
میں ہے وگر نہ کل تک میں تمہیں واپس کردوں گا۔ مجھے واپسی کا خیار ہے۔ خیسارِ عیب وہ خیار

ہے جومشتری کوعیب کی وجہ سے حاصل ہو مثلا زیدنے خالد سے ایک غلام (بکر) خریدا ، جب بعد میں اسے گھر لے آیا تو پھھ ایا م کے بعدوہ بھا گیا ، تو یہ بھا گنا عیب ہے 'لہذا زید کو خیارِ عیب حاصل ہے کہ اس کی وجہ سے غلام واپس کردے۔

﴿السوال الثالِثُ ١٤١٧ ه

﴿الشق الأول﴾ (الاقالة جائزة في البيع للبائع والمشترى بمثل الثمن الأول فأن شرط اكثرمنه اواقل منه فالشرط باطل ويرد بمثل الثمن الأول وهي فسخ في حق المتعاقدين وبيع جديد في حق غير هما)

عبارت کا ترجمه ومسئله کی وضاحت کریں نیز اقالها گرغیر متعاقدین کیلئے بھے جدید ہے تواس کا کیافائدہ ہوگا۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں متحن تین امور کا طالب ہے۔ (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) مسکلہ کی وضاحت (۳) اقالہ کا غیر متعاقدین کیلئے تیج جدید ہونے کا فائدہ۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت كا ترجمه : اقاله جائز ہے تیج میں بائع اور مشتری كيلئے ثمنِ اول كی مثل كے ساتھ ' پس اگر اس سے زیادہ یا كم كی شرط لگادى تو شرط باطل ہے اور مبیع واپس كی جائے گئمنِ اول كی مثل كے ساتھ اور بيا قالہ فنخ ہے متعاقدين كے تن ميں اور بج جديد ہے ان كے غير كے تن ميں ۔

(۲) مسئلہ کی وضاحت: ۔اس عبارت میں اقالہ کے متعلق مسئلہ ذکر کیا جارہا ہے۔
اقالہ بھے کو ثابت ہونے کے بعد زائل وفنخ کرنے کو کہتے ہیں تو فر مایا کہ بائع ومشتری دونوں کیلئے
اقالہ کرنا درست ہے بشر طیکہ شمن اول کی مثل پر اقالہ ہو یعنی پہلے جتنے شمن میں چیز فروخت ہوئی
ہے ۔اب بھی اسنے ہی شمن میں واپس ہوا گر کی یا زیادتی شمن کی شرط لگادی گئی تو پھریہ شرط باطل
ہوگی اورا قالہ بہر صورت شمنِ اول کی مثل کے ساتھ ہی ہوگا۔اور بیا قالہ متعاقدین کیلئے فنخ ہے یعنی
وہ پہلی بھے کو بی ختم کررہے ہیں اوران کے غیر کے حق میں بیا قالہ بھے جدید سمجھا جائے گا۔نہ کہ عقد
اول کا فنخ۔

(٣) اقاله كاغيرِ متعاقدين كيلئے تيج جديد ہونے كا فائدہ: غيرِ متعاقدين كيلئے تيج جديد ہونے كا فائدہ يہ عليہ متعاقدين كيلئے تيج جديد ہونے كا فائدہ يہ ہے كہان كوچ شفعہ حاصل ہوگا۔اگروہ زمين وغيرہ ہے۔

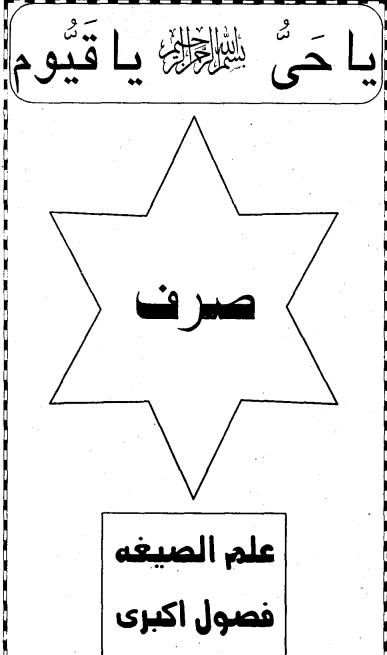
﴿الشق الثاني﴾ ﴿ الشركة على ضربين شركة املاك وشركة عقود فشركة الاملاك الدين يرثها رجلان اويشتريا نها)

عبارت کا ترجمہ تحریر کریں کیا شرکۃ الماک میں ایک شریک دوسرے کے حصہ میں تصرف کرسکتا ہے؟ شرکۃ عقو دکی اقسام اورا قسام شرکۃ عقو دکی تعریف ذکر کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين چارامور مطلوب بين (۱) عبارت كاتر جمه (۲) شركت الملك مين تصرف كي وضاحت ـ (۳) شركت عقود كي تعريف ـ الملك مين تصرف كي هجواب في (۱ تا ۲۷) عبارت كا ترجمه شركة الملاك مين تصرف كي وضاحت شركة عقود كي اقسام مع تعريفات : ـ كهماه سرّ في الشق الشانسي من السه ال الثالث ۲۲۱ هـ -

\$
\$\frac{\partial}{\partial}\partial}\$
\$\partial^{\partial}\partial}\$
\$\partial^{\partial}\partial^{\partial}\partial}\$
\$\partial^{\partial}\partial^{\partial}\partial^{\partial}\partial}\$
\$\partial^{\partial}\partial^{\

Desturduo coks northoress.



besturdubooks.wordpress.com

الورقة الرابعةفي الصرف

﴿السوال الاول﴾ 1270 هـ

﴿الشق الأول ﴾ معلانى رباعي ثلاثى بحرو ثلاثى مزيد فيدرباعى بحرورباعى مزيد فيد

(۱) ذکورہ اصطلاحات میں سے ہرایک کی تعریف اور مثال ذکر کریں۔ (۲) میہ بتلا کیں کہ

ثلاثی مزید مطلق بے ہمز وصل کے کتنے باب ہیں۔ ابواب کے نام اور علامات تحریر کریں۔

(خلاصة سوال)اس سوال ميں يانچ چيزيں مطلوب ہيں (١) علا ثي 'رباعي' علا ثي مجردُ

ثلاثی مزید فیهٔ رباعی مجردٔ رباعی مزید فیه ک تعریف (۲) انکی امثله (۳) ثلاثی مزید مطلق بهمزهٔ

وسل کے ابواب کی تعداد (م) ابواب کے نام (۵) ابواب کی علامات

﴿ جواب ﴾ (۱٬۲) ندکوره اصطلاحات کی تعاریف وامشلہ دشکا شہ وہ ہے کہ میں حروف اصلی کہ میں حروف اصلی میں حروف اصلی عن ہوں ہے کہ میں حروف اصلی ہوں جیے بعد وہ ہے کہ میں حرف ہوں جارہوں جیے بعد کر کی ماضی میں صرف بین حرف ہوں اور مینوں اصلی ہوں کو کی حرف زائد نہ ہو جی سے نہ صرف خرب دستی مزید فیله وہ ہے کہ جس کی ماضی میں تین حرف اصلی ہوں اور کوئی حرف زائد بھی ہوجے اجتنب آگرم درباعی محمد وہ ہے کہ جس کی ماضی میں صرف چار حرف ہوں اور چاروں اصلی ہوں کوئی حرف زائد ہوں ہوں اور کوئی حرف زائد ہی مزید فیله وہ ہے کہ جس کی ماضی میں چار حروف اصلی ہوں اور کوئی حرف زائد بھی ہوجے تسر کہ بائر دُسُن میں چار حروف اصلی ہوں اور کوئی حرف زائد بھی ہوجے تسر کہ بائر دُسُن میں جارحروف اصلی ہوں اور کوئی حرف زائد بھی ہوجے تسر کہ بائر دُسُن میں جارحروف اصلی ہوں اور کوئی حرف زائد بھی ہوجے تسر کہ بائر دُسُن ق

(س) ثلاثی مزیدمطلق بے ہمز ہُ وصل کے ابواب کی تعداد :۔ ثلاثی مزید مطلق بے ہیز ہُ وصل کے یا نچ باب ہیں۔

(٣) الراب كنام: - إفْعَال تَفْعِيل مُفَاعَلَةٌ تَفَعُل تِفاعُل -

(۵) ابواب کی علامات: ۱ افع قال کی علامت بید که ماضی اورامر میں ہمز قطعی موتا ہے۔ کہ ماضی اورامر میں ہمز قطعی موتا ہے۔ کی قطعی موتا ہے۔ کی قطعی موتا ہے بغیرتا کہ فائور مقدم ہونے کے ایکن فاکلہ سے پہلے تانیس ہوتی کی فاقل آگی علامت بیت کے فائے بعد الف زائد ہوتا ہے

بغیرتا کے فاء پر مقدم ہونے کے۔ <u>ۂ</u> تَفَعُلُ کی علامت یہ ہے کہ عین کلمہ مشد دہوتا ہے اور تا فاء ۔ کلمہ پر مقدم ہوتی ہے۔ <u>ہ</u> تَفَاعُلُ کی علامت سے ہے کہ فاءسے پہلے تا اور فاء کے بعد الف کی زیاد تی ہوتی ہے۔

﴿ المشق الثانى ﴾اسم فاعل اورصفت مشبه كى تعريف كيجئ اوردونو ل كه درميان فرق كومثالول كذر ليدواضح كيجئ في المناف كالردان اورصفت مشبه كه اوز ان لكهمنا فه بحو ليه وليه في مثل المناف كالمناف كالمنا

جواب کا اورصفت مشبہ میں فرق مع امثلہ ۔ اسم فاعل وصفت مشبہ کی تعریف اسم فاعل اورصفت مشبہ میں فرق مع امثلہ ۔ اسم فاعل اورصفت مشبہ میں کی فرق ہیں (۱)صفت مشبہ وہ اسم مشتق ہے جو کسی ذات کے معنی مصدری کے ساتھ شبوت کے طریقے پر (دائی طور) پرموصوف ہونے پردلالت کر ۔ اوراسم فاعل وہ اسم مشتق ہے جو کسی ذات کے معنی مصدر کے ساتھ صدوث کے طریقے (غیردائی طور) پرموصوف ہونے پردلالت کر ۔ اس کی وضاحت اورتشر تک ہے ۔ کے طریقے (غیردائی طور) پرموصوف ہونے پردلالت کر ۔ اس کی وضاحت اورتشر تک ہے ہے۔ صفت مشبہ میں اس ذات کے اندراس صفت یعنی فعل کی طاقت موجود ہوخواہ بافعل وہ کا مرربا ہویا نہ ۔ اوراسم فاعل میں اس ذات کا فدال اس صفت یعنی کام کے ساتھ موصوف ہونا ضروری ہے۔ نہ ۔ اوراسم فاعل میں اس ذات کا فی الحال اس صفت یعنی کام کے ساتھ موصوف ہونا ضروری ہونے بعد

(۳) مثال سے فرق سَسامِعٌ کلا مَكَ كهيں گاور سمِيعٌ کلا مَك نهيں كهه سكتے سامع اس وقت كهيں گے جب بن رہا ہو۔ جب نه بن رہا ہواس وقت سامعٌ نه كهيں گے اور سميعٌ دونوں حالتوں ميں كہيں گے خواہ كوئى آواز بن رہا ہويا نه۔

مفعول ذکرنبیں کیا جاتا۔اوراسم فاعل فعل لازم سے لازمی ہوتا اورفعل متعدی سے متعدی ہوتا ہے۔

(٣) اسم فاعلى كَرُوال: -فاعِلٌ فاعلانِ فاعلَيْنِ فاعلُونَ فاعلِينَ فاعلة فاعلتَان فاعلتَيْنِ فاعِلَاتُ- (م) صفت مشبه كاوزان حصف موفر صلب حَسَنٌ خَشِنَ الله الله

زِئَمٌ بِلِنٌ ' مُطَمَّ ' جُنُبٌ ' اَحُمَرُ ' كَابِرُ ' كَبِيرَ ' غَفُورٌ ' جَيِّدٌ ' جَبَانٌ ' هِجَانُ ' شَجَاعُ ' عَطُشَانٌ ' عَطُشٰی ' حُبُلی ' حَمُرَاء ' عُشَرَاءُ۔

﴿السوال الثاني ﴿ ١٤٢٥ هِ

﴿الشق الأول﴾ ﴿ إِنَّاعَىٰ إِنَّكَنَّ إِنَّجَرْ يَعِدُ عِدَةً:

ہملے تین صیغوں میں کونسا قانون جاری ہوتا ہے؟ اوران میں کتنی صور تیں جائز ہیں؟ مثانوں کے ذریعہ واضح کریں۔اور آخری دوصیغوں میں کو نسے قانون جاری ہوتے ہیں؟ وضاحت کیساتھ لکھیں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں جارچزیں مطلوب ہیں۔(۱)اِدَّعسی اِذَّک َ اِدَّجَ لَ میں جاری شدہ قانون کی نشاندی۔ (۲) اِن میں کتنی صورتیں جائز ہیں (۳)اِنکی مثالیں (۴) یَعِدُ عِدَةٌ میں جاری ہونے والے قانون۔

جواب (۳٬۲۱۰) ادعی - اذکر - از جسر میں جاری شدہ قانون - صور تیں ۔ امثلہ - اگر باب افتعال کا فاع کمہ دال یا ذال یا زاء ہوتو تائے افتعال دال ہے بدل جاتی ہے پھراگر فاکلہ بھی دال ہوتو دال کا دل میں ادغام کردیں گے وجو بی طور پر جیسے اِدَّعی ۔ اور اگر فاع کمہ ذال ہوتو اس کی تین حالتیں ہیں ۔ اگر فاع کمہ ذال ہوتو اس کی تین حالتیں ہیں ۔

ا ذال کودال ہے بدل کردال کا دال میں ادعام کردیں گے۔جیسے آِدَّگَرَ

٢ دال كوذال بي بدل كرذال كاذال مين ادغام كردي كي جيس إذَّ كَرَ

<u>٣ بغيراد عام كے پڑھيں گے جي</u> اذُدَكرَ-

اورا گرفا ۽ کلمه زاء ہوتو پھراس کی دوحالتیں ہیں۔

ر دال کوزاء ہے بدل کرزاء کا زاء میں ادعام کردیں گے جیسے إِذَّ بَرُ ۔

٢ بغيرادعام ك راهيس كيجيع إزد جر-

جو واق علامتِ مضارع مفتوحه اور من المقانون جو واق علامتِ مضارع مفتوحه اور من كرميان واقع مووه وال ركر جاتى جرجيد يسعِد (كراصل مين يسوعد تها واق

علامتِ مضارع مفتوحه اور سُره کے درمیان واقع ہوگئی لہزااسکو گرادیا یَعِدُ ہوگیا)۔

﴿الشق الثاني﴾ ﴿ قِيَامًا. حِيَاضٌ. جِيَادٌ. مُضِيٌّ. مَقُولٌ.

نہ کورہ صیغوں کی اصل بتا کرتغلیل ذکر کریں اور یہ بتا ^کیں کہان میں کو نسے قواعد کے تحت تعلیل ہوئی ہے۔ نیز مَقُولُ کی تعلیل میں اختلاف اور ثمرہ اختلاف کوبطر زِمصنف بیان کریں۔ (خلاصة سوال)اس سوال بين جار چيزين مطلوب بين (١) ذكوره صيغول كي اصل (٢) صَينوں كَ تَعْلِيل (٣) ان صيغوں كِ قواعد _ (٣) مَقُولٌ كَ تَعْلِيل مِين اختلاف اور ثمر وَ اختلاف _ ﴿ جوابِ ﴾ (۴٬۲۴) مُذكوره صيغول كي أصل بتعليل قواعد : - قِيَسامَها اصل میں قیاقا اللہ علام کے بعد مصدر کاعین کلمدوا قع ہوئی ۔اوراس کے فعل میں تعلیل بھی ہوئی بالبذاواؤكوياء سعبدل ديا قياما موكيا اوراس مين إى قيساما والعقاعده كتحت تعليل مولی ہے۔ جیکاف اصل میں جواف تھا۔واؤجع کا مین کلمدواقع ہوئی اور بیواؤمفردمیں ساكن تحى للنداأس واؤكوياء سے بدل ديا جيساض جوكيا۔ اوراس ميں اس جيساض والے قاعدہ كة تعليل مولى ب- جيسانة اصل ميس جواد تفارواؤجمع كاعين كلمدواقع مولى -اوريدواؤ مفردمين معلل تقى للندااس واوكوياء سے بدل ديا جيالة جو كيا - اوراس ميس اى جياة والے قاعده كتحت تعليل مولى بي مُضِين اصل من مُضُوئ تها واواورياء غيرمبدل كلمه غير المحق مين جمع ہو گئیں اوران میں سے پہلاسا کن تھا۔لہذا واوکو پاء سے بدل کر پاء کا پاء میں ادغام کر دیا۔ مُنے سیٌّ ہوگیا۔ پھر آ، کی مناسبت سے ماقبل کے ضمہ کو کسرہ سے بدلاتو مستحدی ہوگیا۔ اوراس میں سمید والے قاعدہ ع تحت تعلیل ہوئی ہے۔ مَقَوْلَ اصل میں مَقُووُلٌ تھا۔ واومتحرک تھی ماقبل ساکن تھالبذاواؤ کی حرکت نقل کر کے ماقبل کودیدی پھر دوواؤسا کن جمع ہو کئیں۔ ایک کو گرادیا تو مَفْ وُلٌ

موكيا اور إس مين يَقُولُ والعاعدة كتحت تعليل مولى ب

(۷) مَدَّوُلُ کی تعلیل میں اختلاف ۔ اس میں اختلاف ہے کہا کیے مواقع میں واود اور دائد ہے کہا کیے مواقع میں واود اول حذف ہوتا ہے کیونکہ ذائد ہے اور ذائد حذف کا زیادہ مستحق ہے۔ اور بعض کہتے ہیں کہ اول ۔ کیونکہ دوسرا علامت ہے اور علامت حذف نہیں ہوا کرتی ۔ اکثر علاء صرف نے حذف دوم کوتر جج دی ہے۔ مگر راقم کے نزد یک حذف اول رائج ہے۔ کیونکہ عمواً دستور یہی ہے کہا یسے ساکنین میں پہلا حذف ہوا کرتا ہے۔ خواہ وہ زائد ہویا اصلی ۔ لہذا اس کواسے نظائر سے جدانہیں کرنا چاہے۔

شمرة اختلاف _ايے مواقع ميں اختلاف بظاہر کچھ معلوم نہيں ہوتا۔ كونكه بهركف مَقُولٌ ہوجاتا ہے۔خواہ اول حذف ہويادوم _

مولانا عصمت الله سبار نپورگ نے شرح خلاصة الحساب میں لفظ رخمن کے منصرف یا غیر المنصمت الله سبار نپورگ نے شرح خلاصة الحساب میں لفظ رخمن کے منصرف یا غیر المنصرف ہونے کے بیان میں بڑی اجہی بات کھی ہے۔ اور وہ یہ کہ ایسے اختلافات کا متجہ مسائل فقہیہ میں نکل آتا ہے۔ مثلاً کمی مخص نے قسم کھائی کہ میں آئ واوز اکد کا تکلم نہیں کروں گا۔ پھراس نے لفظ مَلے سو اُن کے لذہب پریہ حانث ہیں ان کے لذہب پریہ حانث ہیں ہوگا۔ یا مثلاً ہوی ہوجائے گا۔ اور جوسر فی حذف دوم کے قائل ہیں ان کے لذہب پر حانث نہیں ہوگا۔ یا مثلاً ہوی سے کہا کہ آئ آگر تو نے واوز اکد کا تکلم کیا تو تجھے طلاق ہے تو ہوی نے لفظ مَفُولُ منہ نے نکال دیا تو جوسر فی حذف ورم کے قائل ہیں ان کے مذہب پر طلاق واقع ہوجائے گی۔ اور جوسر فی حذف دوم کے قائل ہیں ان کے مذہب پر طلاق واقع ہوجائے گی۔ اور جوسر فی حذف دوم کے قائل ہیں ان کے مذہب پر طلاق واقع ہوجائے گی۔ اور جوسر فی حذف دوم کے قائل ہیں ان کے مذہب پر طلاق واقع ہوجائے گی۔ اور جوسر فی حذف

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٥ه

﴿ الشق الاول ﴾ ﴿ بابافعال كى فاصات مِن تعديم تصديد تصديد تصديد تعديد تعديد تعديد تعديد تعديد تعديد المرين و ال

(خلاصهٔ سوال)اسوال میں دوچیزیں مطلوب ہیں(۱)باب افسیسال کی خاصیات مٰدکورہ کی تعریفات(۲)امثلہ۔ ﴿ جواب ﴾ (٢١) تعريف وامثلة : تعديه متعدى بناتا يعي جومصدر بحرديل لازم ہےوہ باب افعال میں متعدی بن جاتا ہے۔ جیسے خَسدَ جَ رُیْسةٌ زیدنکا (مجرد میں بیلازم ب) اور آخر بنته میں فراس کو نکالا (باب افعال میں بیمتعدی ہے) اور جومصدر مجر دمیں بتعدى بيك مفعول مووه باب افعال مين آكر متعدى بدومفعول بن جاتا ہے۔ جیسے حَفَرتُ نَهُرًا . میں نے سر کھودی (مجرومیں بیمتعدی بیک مفعول ہے) اور اَحَد فَدُتُ زَیْدًا نَهْرًا میں نے زید نے نہر کھدوائی (باب افعال میں بیہ تعدی بدومفعول ہے) تصبید سمسی چیز کوصاحب ماخذ بنانا۔ جير أشُركُتُ النَّعُلَ مِين في جوتى شراك دار بنائي شراك ماخذ بمعنى تسمد تعريض فاعل كامفعول كوماخذك جكد لے جانا جيسے ابّع تُ المفرسَ ميں گھوڑے كو بيع كى جكد لے كيا اس میں نظما خذہ۔ وجدان کی شے کو ما خذ کے ساتھ موصوف یانا جیسے اَبْخَلْتُ زَیْدَا میں نے زید کو بخیل پایا۔اس میں بخل ماخذ ہے۔ سیاب سمبی شے سے ماخذ کودور کرنا۔ پھرسل کی دو قشمیں ہیں(۱) اِگرفعل لازم ہے توسل فاعل ہے ہوگا۔ جیسے اَقُسَطَ زیدڈ زیدنے اینے آپ ے ظلم و دور کیا۔ (۲) اورا گرفعل متعدی ہے و سلب مفعول سے ہوگا جیسے شکی و اَشکیتهٔ اس نے شکایت کی میں نے اس کی شکایت کو دور کر دیا۔ ب<u>الو</u>غ ماخذ میں پنچنایا داخل ہونا۔ جیسے أَصُبَحَ ذَيْدٌ زيرِ صِبْحَ كَوِقت بِهِجَابِيلُوغُ زماني ہے۔ اَعْدَق عَـمُرٌ وعمروملک عراق میں واخل ہوا۔ یہ بلوغ مکانی ہے۔

﴿ الشيق الثاني ﴾ باب تسفعل كى كل خاصيات كتى بيں -ان ميں سے صرف يانچ كومثالوں كے ساتھ تحرير كريں ـ

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر مطلوب مين _(۱) باب تفعل كى كل خاصيات كى تعداد (۲) پانچ خاصيات بمع امثله ________

﴿ جواب ﴿ (۱) باب تفعّل کی کل خاصیات: باب تفعل کی کل گیارہ خاصیات ہیں۔
(۲) با نی خاصیات بمع امثلہ: ۔ (۱) تَجنّب یعنی ماخذے پر بیز کرنا جیسے تحوّب دید زید گناہ سے بچااس کا مافذ حوب ہے۔ (۲) لنِسس ماخذ کی بینا جیسے تختّم

زیدٌ زیدنے انگوشی پہنی۔اس کا ماخذ خاتم ہے۔ (۳) تعمّل یعنی ماخذ کوکام میں لانا جیسے تحقیق زید ڈنیدنے خیمہ کھڑا کیا یعنی اس کوکام میں لایا۔ (۴) تحدوّل لیمن کی چیز کاعین ماخذیا مثل ماخذ ہوجانا۔ جیسے تسنصّر زیدٌ زید نھرانی ہوگیا (بیعین ماخذ ہونے کی مثال ہے) تبسحّر زیدٌ زید دریا کی مثل ہوگیا (بیمثل ماخذ ہونے کی مثال ہے۔ (۵) صیسرورة یعنی صاحب ماخذ ہونا جیسے تموّل زیدؒ۔ زیرصاحب مال ہوگیا۔

الورقة الرابعة في الصرف ﴿ السوال الاول﴾ ١٤٢٤ ه

الشق الاول ، جامدُ مصدراور مشتق میں سے ہرایک کی تعریف کرے مثالوں سے واضح کریں۔ نیز درج ذیل شعر میں اصطلاحات صرفیہ میں سے ہرایک کی تعریف واقسام مثالوں کے ساتھ تحریر کریں۔

صحیح است و مثال است و مضاعف لفیف و ناقیص و مهموز و اجوف (خلاص سوال) اس سوال میں دوام طلب ہیں۔(۱) جام مصدر مشتق کی تعریف و مثال (۲) شعر میں ندکورہ اصطلاحات کی تعریف واقسام مع امثلہ۔

جونہ جواب (1) جامد مصدر مشتق کی تعریف وامثلہ ۔ جامد وہ اسم ہے جونہ مصدر ہواور نہ است کوئی دوسرااسم بناہو جیے رجل مصدر ہواور نہ است کوئی دوسرااسم بناہو جیے رجل جعفر مصدر وہ اسم ہے جوکسی کام پر دلالت کرے اور اس کے فاری ترجمہ کے آخر میں لفظ دن یا تن ہو۔ بالفاظ دیگر وہ خودتو کسی اسم سے نہ بناہو گراس سے دوسرااساء بنتے ہوں جیسے السف رب ذہن القتل کشتن مشتق وہ اسم ہے جومصدریافعل سے نکا ہوجیے ضارب اور مخرج۔

(۲) شعر میں فد کورہ اصطلاحات کی تعریف اقسام وامثلہ ۔۔۔۔۔۔ وہ کلمہ ہے جس کے حروف ایک ہی جنس کے نہ ہوں ہے جس کے حروف ایک ہی جنس کے نہ ہوں جیسے ضَرَبَ ` ذَحْرَجَ ۔ مثال وہ کلمہ ہے جس کے فاعلمہ کی جگہ حرف علت ہوا گرفا کی جگہ واؤ ہوتو مثال یائی ہے جیسے وَ عَدَ ' یَسَرَ ۔اجو ف وہ کلمہ ہے جس کے عین کلمہ کی مثال واوی اور اگر یا ہوتو مثال یائی ہے جیسے وَ عَدَ ' یَسَرَ ۔اجو ف وہ کلمہ ہے جس کے عین کلمہ کی

﴿ الشق الثانى ﴾اسم آله كى تعريف كركے مثال ہے واضح كريں _ نيز اسم آله كے اوز ان اورگر دان لكھنا نه بھوليس _

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں۔(۱)اسمِ آلہ کی تعریف ومثال (۲)اسم آلہ کے اوز ان (۳)اسم آلہ کی گر دان۔

﴿ جواب ﴾ (۱) اسم آله کی تعریف ومثال کام آله وه اسم ہے جوفعل کے صادر ہونے والے آلہ پردلالت کرے جیسے مِنْصَرٌ مدد کرنے کا آلہُ مضربٌ مارنے کا آلہ۔

(۲) اسم آلد کے اوز ان ۔ اسم آله عام طور پرتین وزن پرآتا ہے۔ مِفْعَلُ مِفْعَلَةٌ مِفْعَلَةٌ مِفْعَلَةً مِنْ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٤ه

﴿الشق الأول﴾ سذيب آمن مير جاءٍ قدفلح-

ند کوره صیغوں کی اصل بتا کیں اور تعلیل ذکر کریں ۔ نیز انمیں جاری شدہ قواعد کی نشاندہی کریں ۔

(خلاصة سوال)اس سوال مين دوام توجير طلب بين _(۱) ند كوره صيغوں كى اصل وتعليك

(۲)جاری شده قواعد کی نشاند ہی۔

(۲) جاری شده قواعد کی نشاند ہی ۔ ریسب ہمزه منفرده ساکنہ جوازاً بنا آبل کی حرکت کے موافق حرف علت سے بدل جاتا ہے۔ آمن ہمزہ مخرکہ کے بعد ہمزہ ساکند جو باما قبل کی حرکت کے موافق حرف علت سے بدل جاتا ہے۔ مِید ہمزہ منفردہ منفق حضمہ کے بعد واؤسے اور کسرہ کے بعد یاء سے بدل جاتا ہے۔ جَاءِ دو مخرک ہمزہ میں سے ایک بھی کمور ہوتو ٹانی ہمزہ وجو بی طور پریاء سے بدل جاتا ہے۔ جَاءِ دو مخرک ہمزہ میں سے ایک بھی کمور ہوتو ٹانی ہمزہ وجو بی طور پریاء سے بدل جاتا ہے۔ قَدَ فُلُخَ ہمزہ مخرک ہوتو ٹانی ہمزہ واؤسے بدل جاتا ہے۔ قَدَ فُلُخَ ہمزہ مخرکہ حرف ساکنین غیر مدہ زائداور غیریا وقصغیر کے بعد واقع ہوتو اس کی حرکت جوازا ما تا ہے۔ ما تا ہے تا ہے۔ ما تا ہے تا ہے۔ ما تا ہے ماتا ہے۔ ماتا ہے ماتا ہے ماتا ہے ماتا ہے۔ ماتا ہے ماتا ہے۔ ماتا ہے ماتا ہے۔ ماتا ہے

﴿الشق الثانى ﴾ السومى مصدر عصرف مغيرى گردان تحرير ين نيز درج ولي سينوري أرام من التاني التعليل و كركري - رام والمؤن مَرُمِي أرام -

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامرهل طلب بين (١) السرمي عصرف صغيرى

گردان(۲) ندکوره صیغوں کی اصل وتعلیل .

Desturdibodie Judordpress, co ﴿ جواب ﴾ (١) الرمى معصرف صغيرى كردان: ومنى يَرْمِي رميّا فهورًام ورُمِي يُومُني رَمُيّا فهو مَرُمِيٌّ الامرمنه إرُم والنهي عنه لَاتَرُم الظرف منه مرمّى والله منه مرمّى مِرماةٌ مرمّاة مرمّاة مرمّيان مرميّين مرام مراميّ وافعل التفضيل منه أَرُمْى أَرْمَيْان أَرْمُونَ أَرَام والعؤنث منه رُمُيْى رُمْيَيَان رُمَّى ورُمُيَياتُ-

(٢) مَذُكُوره صِيغُولَ كَي اصل وتعليل - رَام اصل مِن رَامِي هَا مُاء برضمه د ثوارها اس کوگرادیا تو یاءاور تنوین دوساکن جمع ہوئے یاء کو صذف کردیا تو رَام ہوگیا۔ رَاهُ وَنَ اصل میں رَامِينُونَ تَفاياء كسره كے بعدوا قع موئى اوراس كے بعدواؤ بتو ماقبل كوساكن كر كے ياءى حركت اس کودیدی اور یاءواؤے برل کی پھر دوواؤساکن جمع ہوئے ایک کوحذف کردیا رَامْسوْنَ ہوگیا مَرْمِيٌّ اصل ميں مَرْمُويٌ تھاواؤاور باءاصلی غیرالحق میں جمع ہو گئے انمیں ہےاول ساکن تھا تو واؤ کو یاء سے بدل کریاء کایاء میں ادغام کر دیا اوریاء کی مناسبت سے ماقبل کے ضمہ کو بھی کسرہ سے بدل ويامَـرُمِـيٌ موكيا- آرام اصل مين آرامِـي تهاجوار والعاقاعده كى وجرس ياءكومذف كرديااور تنوین عین کلمہ (میم) کے ساتھ مل گی اَرَام ہو گیا۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٤ه

﴿الشق الاول﴾ باب تفعيل كاخاصيات عنى تعديه وسلب اورباب مفاعله کی خاصیات میں سے مشارکت اور موافقتِ مجرد کومثالوں کے ساتھ تحریریں۔ (خلاصة سوال) اسوال مين فقط مذكوره خاصيات كي وضاحت مع الملدمطلوب بـ ﴿ جواب ﴾ خاصیات کی وضاحت مع امثلہ ۔تے فیصیل کی خاصیات (۱) تعديه لعنى جو مجرد ميں لازى ہو و قعيل ميں متعدى موجائے گاجيے مَزَلَ و واتر المجرد ميں الازم ہے نَدَّلْتُهٔ مِن نے اس کوا تار اتفعیل میں متعدی ہوگیا۔ (۲) سلب لین کی شک سے ماغذ کودور كرناجيك قَرَّرُتُ الْإِبلَ مِن فِي اون سے چير ى كودوركيا ـاس كاما خد قُرَّةٌ بـ مفاعله كي خاصيات (١) مشاركت كدو وخصول كامكراس طرح كام كرنا كهرايك

کافعل دوسرے پرواقع ہوجیے قداقد کرید عَمُرة اکرنیدوعرف باہم قبال کیا یعن دونوں نے ایک دوسرے سرداقع ہوجیے قداقت محرد کی معنی ہونا جیسے سافر رید ای سفر دوسرے سے الرائی کی۔ (۲) موافقتِ محرد کی بھرد کے ہم عنی ہونا جیسے سافر رید ای سفر لین زیدنے سفر کیا۔

﴿الشبق الشباني﴾ ﴿ الشبق الشبان مِن المسان مِن مَا لَحُرِيرَ مِن اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ ا

(خلاصة سوال) اس سوال كا حاصل تين امور بين _(۱) باب نه صدر كى خاصيت بمع مثال (۲) باب افعال كى وضاحت مع امثله مثال (۲) باب افعال كى وضاحت مع امثله ﴿ جواب ﴾ (۱) باب نه صدر كى خاصيت بمع مثال ــاس باب كامشهور خاصه مغالبه هم يعنى دو شخصول مين سے ايك كے غلب كو ظام كرنے كيلئے - جيسے خساصه ندى ديد فخصون مين سے ايك كے غلب كو ظام كرنے كيلئے - جيسے خساصه ندى ديد فخصون أكب سے جھراكيا بين مين جھراكيا بين عين اس برغالب آگيا۔

رم) باب افعال کی خاصیات کی تعداد نیاب افعال کی کل پدره خاصیات ہیں۔
(۳) تین خاصیات افعال کی وضاحت مع امثلہ ندر تعدیہ یعنی جو بحرد میں لازم ہو وہ افعال میں متعدی ہوجا تا ہے جسے خَرَجَ زید دید نیاد کا اُخرَجَتُهُ زید میں نے زید

کونکالا۔ ٢ تصييس لين کي چيز کوصاحبِ ماخذ بنانا جيس آلُدَ مَ دَيْدٌ زيد صاحب لحم ہوايا آلُدُ مَ دَيْدٌ ريد المحم موايا آلُدُ مَ كَنْ اللهُ عَلَى مَعْدى سے لازم كرنا جيسے آلُدُ مَ دَيْدٌ زيد قابل تعريف ہوا۔

الورقة الرابعة في الصرف (۱۱ ما ۱۷ ما ۱۸ م

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٤ هضمنى

﴿ الشق الأول ﴾امرحاضرمعروف من فعل سے بنا ہے امرحاضر معروف بنانے كاطريقة مثالوں كے ذريع تفصيل سے تحريركريں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال کا حاصل دوامر ہیں (۱) امر حاضر کامشتق منہ (۲) امر حاضر بنانے کاطریقة مع امثلہ۔ ﴿ جواب ﴾ (۱)امر حاضر کامشتق منه آ۔امر حاضر معروف فعل مضارع معروف ہے۔ ہے بتا ہے۔

(۲) امر حاضر بنانے کا طریقہ مع امثلہ: امر جاضر معروف بنانے کا طریقہ یہ ہے کہ مضارع حاضر معروف سے علامتِ مضارع تا کو حذف کردیں۔ پھراگر تا کا مابعد متحرک ہوتو مضارع ہے آخری حرف کوساکن کردو بشر طیکہ آخر میں حرف علت نہ ہو چیسے تَعِدُ سے عِدْ اور اگر علامتِ مضارع کا مابعد ساکن ہوتو عین کلم کودی کھؤاگر عین کلم مضموم ہوتو شروع میں ہمزہ ضموم لے معلامتِ مضارع کا مابعد ساکن ہوتو عین کلم مفتوح یا مسور ہوتو ہمزہ کم سور ورشوع میں لے آؤجیہے آخری ہوتو اور تَدُوی سے اِفْتَحُ ہے اور اگر مضارع کا آ بخری حرف علیت ہوتو وہ صدف ہوجاتا ہے جیسے تَدُعُو سے اُدُعُ وادر تَدُوی سے اِدُمْ۔

﴿ الشق الشانى ﴾ السم المفضيل واسم مبالغه مين سے ہرايك كى تعريف كريں اور دونوں كے درميان كيافرق ہے؟ مثال سے واضح كريں نيز اسم مبالغه كے اوز ان تحرير كريں۔

ضلاصة سوال) اس سوال ميں تين امور حل طلب بيں (۱) استفضيل ومبالغه كی تعریف (۲) استفضيل ومبالغه ميں فرق مع مثال (۳) اسم مبالغه کے اوز ان ۔

﴿ جواب ﴾ (1) اسم تفضیل و مبالغہ کی تعریف: اسم تفضیل وہ اسم ہے جو دوسرے کی بنبت معنی فاعلیت یامعنی مفعولیت کی زیادتی پردلالت کرے جینے زید اصرب المقوم کرنید قوم سے مشہور ہے۔ اسم المقوم کرنید قوم سے مشہور ہے۔ اسم مبالغہ کہتے ہیں زیادتی کو فاعلیت کے معنیٰ کی زیادتی کے لیے جو صیغہ اور لفظ بنایا جائے اسے ممالغہ کہتے ہیں۔

(۲) اسم تفضیل ومبالغه میں فرق مع مثال: اسم تفضیل میں معنی فاعلیت کی زیادتی کی دوررے کی طرف نبیت کے اعتبارے ہوتی جیسے زید احسرب میں بکر که زید برسے زیادہ مارنے والا ہے اور مبالغه میں معنی کی زیادتی فی حدذاتہ ہوتی ہے کسی کی طرف نبیت کرتے ہوئے جیسے زید ضراً بُزید بہت زیادہ مارنے والا ہے۔

﴿ ٣﴾ اسم مبالغه كاوزان مبالغه ك لي چارصيف (وزن) مستعل بين فَ عَالُ ﴿ وَمَنَ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ عَالُ ﴿ مِن مَلِينًا مِن مُعَالُ مِن مَلِينًا مِن مُعَالًا مُعَالًا مُعَالًا مُعَالًا مُعَالًا مُعَالًا مِن مُعَالًا مِن مُعَالًا مُعِلًا مُعَالًا مُعَالِمُ مُعَالًا
﴿السوال الثاني ﴿ ١٤٢٤ ه ضمني

﴿ الشهق الاول ﴾اگرباب افتعال كافا كلمه دال يا ذال يا زا هوتواس ميس كتني صورتين جائز بين تمام صورتون كومثالون كي ذريعيد واضح كرين ـ

(خلا صهُرسوال)اس سوال مين نقط فاءِ افتعال كا قاعده مطلوب ہے۔

﴿ جوابِ ﴾ فاعِ افتعال كا قاعره: حجوابه كمامر في الشق الاول من السوال الثاني ٢٠٥ه م

﴿ الشق الثانى ﴾ (رَاسٌ المَنُ مِيدٌ الوَادِمُ.) مَكوره صِغول كَ اصل بَاكر تعليل ذكر كرين اوران مِن جن قواعد كتحت تعليل بوئي ہان كوتر يركرين ـ

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں دوامر توجه طلب ہیں (۱) ندکورہ صیغوں کی اصل وتعلیل (۲) جاری شدہ قواعد کی نشاند ہیں۔

﴿ جُواب ﴾ (1) فدكوره صيغول كى اصل وتعليل - راس اصل ميں رَأْسٌ تَعَا ہمزه منفرده ساكنة تقاجواز اس كو ماقبل كى حركت كے موافق حرف علت الف سے بدل ديا رَاسٌ ہوگيا۔ آوَادِمُ اصل ميں أَادِمُ تقادوہمزہ تحركہ ايك جگہ جمع ہوئے كوئى بھى انميں سے مسور ندتھا اس وجہ سے ثانی كوداؤ سے بدل ديا آوَادِمُ ہوگيا۔

(۲) جارى شده قواعد كى نشا ندى دراس (زيب والا قاعده) آمن مير اوادم (جاء والا قاعده) كقواعد وتعليل كمامر في الشق الأول في السوال الثاني ١٤٢٤هـ

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٤ ه ضمنى

﴿ الشق الاول ﴾ باب افعال کی خاصیات میں سے الزام تعریض وجدان اور سلب کے معانی بتا ئیں اور پھر ہرا یک کی وضاحت مثال کے ذریعہ کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين فقط فدكوره خاصيات كے معانی و وضاحت بالامثله

^{کاک}ی صرف

مطلوب ہے۔

جواب گذکورہ خاصیاتِ افعال کے معانی ووضاحت بالا مثلہ۔السزام یعنی متعدی سے الامثلہ۔السزام یعنی متعدی سے الامثلہ کے معانی ووضاحت بالامثلہ۔السزام یعنی متعدی سے الام کرنا جیے احمد زید زید قابلِ تعریف آبَ عُتُ الْفَرَسَ میں گور کوئے کی جوریف آبَ عُتُ الْفَرَسَ میں گور کوئے کی جگہ لے گیا۔ آبَ عُتُ کا مفتول کو مافذی ہے۔ وجدان یعنی کی شک کو مافذی ساتھ موصوف پانا جیے آبُ خَلْتُ کا مافذی ہے۔ سلب یعنی کی شک سے مافذ کودور کرنا جیسے آقسط زید نرید فالے نا سے اللہ کودور کیا۔ اور شکی زید واشکتیه فردور کیا۔ اور شکی زید واشکتیه نرید نے اس کی شکایت کودور کیا۔

﴿الشق الثانى ﴿ الشق الثانى ﴿ السمع فتح اور كرم كى خاصيات مثالول كم اتحة محريري و المحاسر و خلاصة سوال) اس سوال مين فقط فذكوره ابواب كى خاصيات مع امثله مطلوب بين و جواب ﴿ فَوَاب ﴾ فذكوره ابواب كى خاصيات مع امثله - به اب سَمِع ميزياده لازى آتا ہاور بيارى 'رنج وخوشی رنگ عيب صورت جسمانی كے الفاظ اكثر اسى باب سے آتے بين بيت سَقِم بيار ہوا حَرِنَ رنجيده ہوا فَرِحَ خوش ہوا عَوِرَ كانا ہوا - باب فَتَحَ اس بات كى خاصيت لفظى ہے كه اس كے عين كلم يالام كلم كى جگر حفظى ہوتا ہے جيسے مَدَف ع اس نے روكا خاصيت لفظى ہے كه اس كے عين كلم يالام كم كم كي جگر حفظى ہوتا ہے جيسے مَدَف ع اس نے روكا خطقى و فطرى صفات ياكى جاتى ہيں جيسے حَسُنَ خوبصورت ہوا كُبُرَ برا ہوا صَغُرَ حجوثا ہوا۔

الورقة الرابعة في الصرف ﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٣ه

۔۔۔۔۔اسم ظرف کی تعریف وگردان ذکر کریں۔مفتوح العین مضموم العین کسور العین ناقص مثال اور مضاعف سے اسم ظرف کس کس وزن پر آتا ہے مثالوں کے ساتھ تحریر کریں۔

(غلاصة سوال)اس سوال مين دوامر توجه طلب بين _(۱) اسم ظرف كي تعريف وگردان

(۲) ندکورہ ابواب سے اسم ظرف کاوزن بمع امثلہ۔

جواب ﴾ (۱) اسم ظرف كى تعريف وگردان دوه اسم جوفعل كے صادر ہونے كى جواب كى اللہ اللہ كا اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ كى جوفعل كے صادر ہونے كى جگد پر يافعل كے صادر ہونے كے وقت پر دلالت كرے اس كواسم ظرف كہتے ہيں اور اس كى گردان بہہ مَضُوبٌ مَضُوبَان مَضَادِبُ۔

(۲) ندگورہ ابواب سے اسم ظرف کا وزن جمع امثلہ دہ ابواب جن بین مضارع مفتوح العین اور مضموم العین ہاں سے اور تاقع سے اسم ظرف کا وزن جمع امثلہ مفتوح العین اور مثال سے مَفَعِلٌ (بِنْحَ العین کے وزن پرا تا ہے جیسے مَفَتَح مُن مَن مُن مَن مُن وقعی اور مضارع کمور العین اور مثال سے مَفَعِلٌ (جسر العین) کے وزن پرا تا ہے جیسے مَفَسِر بُمَ وُقِع اور مضاعف سے اسم ظرف سے کی طرح مفتوح العین اور مضموم العین سے مَفَعَلْ کے وزن پرجیسے مَمَسٌ مَمَدٌ ۔ اور کمور العین سے مَفَعِلٌ کے وزن پرجیسے مَمَسٌ مَمَدٌ ۔ اور کمور العین سے مَفَعِلٌ کے وزن پرجیسے مَمِلٌ ۔

﴿ الشق الثانى ﴾استففيل اورمبالغيس سے برايكى تعريف كرك دونوں كدرميان فرق داضح كريں ئيز مبالغه كے اوز ان مثالوں كے ساتھ تحريكريں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين تين امور حل طلب بين (١) استفضيل ومبالغه كي تعريف

(۲)اسم تفضیل ومبالغه میں فرق (۳)مبالغه کے اوز ان بمع امثله۔

﴿ جواب ﴾ (۳٬۲۱) اسم تفضيل ومبالغه كى تعريف فرق اوزانِ مبالغه بمع المثلم - حمامرٌ في الشق الثاني من السوال الاول ضمني ١٤٢٤ هـ-

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٣ ه

﴿الشَّق الأول﴾ ... ميعاد موسر خطايا يسع عِدةٌ لُمُتُنَّد

ندکورہ صینوں کی اصل بتا کیں اور تعلیل ذکر کریں نیز بتا کیں کہ آئمیں کون سے قواعد کھے تحت تعلیل ہوئی ہے۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں دوامر حل طلب میں (۱) ندکورہ صیغوں کی اصل وتعلیل (۲) جاری شدہ قواعد کی نشاند ہی۔

(۲) جاری شدہ قواعد کی نشا ندہی ۔ مینسفائی ، مُسوس ور معل کا قاعدہ ۲) واؤ ساکن غیر مدخم کسرہ کے بعد یاء ہوجاتا ہے۔ جسے میعاداور یاء ساکن غیر مدخم کسرہ کے بعد واؤ اور کسرہ کے بعد یاء ہوجاتا ہے جسے قوتل اور کاریب خطایا آ (مہوز کا قاعدہ ۲) الف مفاعل کے بعد اگر ہمزہ یاء ہے پہلے واقع ہوتو یا مفتوحہ خطایا آ (مہوز کا قاعدہ ۲) الف مفاعل کے بعد اگر ہمزہ یاء سے پہلے واقع ہوتو یا مفتوحہ جاتا ہے اور یاء الف سے بدل جاتی ہے بیست ور معتل کا قاعدہ ۱) جو واؤ علامت مضارع مفتوحہ وارکسرہ کے درمیان یا ایسے کلمہ کے فتح کے درمیان ہوجس کا عین یالام کلم حرف حلقی ہووہ واؤگر جاتا ہے جسے یعد یہ ب یسع ۔ عِدَةً (معتل کا قاعدہ ۲) جومصدر فِعُل کے وزن پر ہواس کا فاء کلمہ واؤ ہوتو حذف ہوجاتا ہے اور عین کلمہ کو کسرہ دے کرآخر میں تاء ہو ھادیے ہیں جسے عِدَةً ذِذَةً اللہ علیہ واؤ ہوتو حذف ہوجاتا ہے اور عین کلمہ کو کسرہ دے کرآخر میں تاء ہو ھادیے ہیں جسے عِد نَدةً دِذَةً اللہ علیہ وائے ہیں۔ سبعة آ لَمُتَنَّ (معتل کا قاعدہ ۷) کا کا ما یا عرف کا جاتا ہے بیل جاتے ہیں۔

dpress.cr

﴿ الشق الثانى ﴾ النبيع مصدر باسم فاعلى گردان تحرير ين درج ذيل صيفول كل ماصل بنا كرت التعليم النبيع مسال النبيع مصدر باسم فاعلى كل ماصل بنا كرت النبيان كرين أمين عامل المع المعرب المال النبيان مسال المعرب المال النبيان المورة وبطلب بين (١) المبيان سع ساسم فاعلى كردان (٢) ذكوره صيغول كاصل وتعليل (٣) جاري شده قواعد كي نشاند بي ــ

﴿ جُوابِ ﴾ (١) البيع سے اسم فاعل كى كردان: -بائع بائعان بَائِعَينُ : بائِعينَ ' بائِعينَ ' بائِعينَ ' بائِعة ' بائِعتان ' بائِعات -

اس میں متل کے قاعدہ 9 کے تعدید اصل و تعلیل اور جاری شدہ قواعد کی نشا ندہی ۔ بینے عاصی متل کے قاعدہ 9 کے تعدید کی اصل و تعلیل ہوئی ہے کہ اگر ماضی مجبول کا عین کلمہ واؤ اور یاء ہوتو اقبل کو ساکن کر کے انکی حرکت ماقبل کود یہ ہے ہیں۔ پھر اگر عین کلمہ واؤ ہوتو یاء بن جاتا ہے اور اگر یاء ہوتو ہر قرار دہ تی ہے جیسے قیل بین خا اُخینی تی بینے اس میں مقل کے قاعدہ ۸ کے تحت تعلیل ہوئی کہ واؤ اور یاء ہوتو واؤ اور یاء محرک کا قبل اگر ساکن ہوتو او کی حرکت اقبل ہوئی کہ داؤ کو النہ ہے بدل و سے بدل و سے بیں جیسے یہ قبل کہ واؤ کے حرکت اقبل ہوئی۔ یہ تھا۔ ان بداع ۔ مَبِینَة (اہم ظرف) اصل میں مَبِینَة علی ہوئی۔ یہ تھا۔ یہ تعلیل ہوئی۔ یہ تھا۔ یہ تعلیل ہوئی۔ یہ تعلیل ہوئی کہ و کے دونوں واؤ ایک کو گراویا مَبُوعٌ ہوگیا۔ پھر باء کے محمور واؤ کویا ہے بدل دیا۔ واؤ ساکن ماقبل ہوئی کہ محمور واؤ کویا ہے بدل دیا۔ واؤ ساکن ماقبل ہوئی کہ محمور واؤ کویا ہے بدل دیا۔ جم المجمور کے تعدوا تعلیل ہوئی کہ اصل میں بینے تعدید کے تعدوا تعلیل ہوئی کہ اصل میں بینے تعدید کے تعدوا تعلیل ہوئی کہ اصل میں بینے تعدید کے دیا ور بیاتا کہ حذف یاء بردلات کرے بھی ہوگیا۔

﴿السوال الثالث﴾ ٢٤٢٣ ه

﴿ الشق الأول ﴾ باب نفر ضرب ُ فتح كرم كى خاصيات تحرير كرير. (خلاصة سوال)اس سوال مين فقط مذكوره ابواب كى خاصيات مطلوب ہيں۔ ﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ البّعيل كى خاصيات تعديه تصيير 'سلب ميرورت كو مثالوں كے ساتھ واضح كريں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں فقط تفعیل کی مذکورہ خاصیات کی وضاحت مع امثلہ مطلوب ہے۔

﴿ جواب ﴾ مَذكوره خاصيات كى وضاحت مع امثله: تصير لين كى چيزكو صاحب ماخذ بنانا جين و تَدُن كاماخذور صاحب ماخذ بنانا جين و تَدُن كاماخذور على الله على وتَدُن كاماخذور على ورت يعنى كى چيزكا صاحب ماخذ بوناجي نَوْرَ الشَّبَدُ ورخت شُكوفه واربوكيا ـ تعديه وسلب كمامر فى الشق الاول من السوال الثالث ٢٤٢٤هـ

الورقة الرابعة في الصرف

﴿السوال الاول﴾ ٢٢٦ه

﴿الشـــق الاول﴾ ﴿ فَعَلَ ہے جواساء مُستق ہوتے ہیں ان کے نام تعریفیں اور امثله کھیں ۔ نیز بتا کیں کہ اسم فاعل وصفت مشبہ میں معنوی اعتبار سے کیا فرق ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں دوامر قابلِ توجه بيں (۱) اساءِ مشتقد من الفعل كے نام و تعریف مع امثلہ۔(۲) اسم فاعل وصفت مشبه میں معنوی فرق۔

جواب ﴿ (۱) اسماءِ مشتقد من الفعل كے نام اور تعریف مع امثلہ ۔ فعل کے نام اور تعریف مع امثلہ ۔ فعل کے کام چواسم مشتق ہوتے ہیں اسمِ فامل اسمِ مفعول اسمِ تفضیل مفت مشبہ اسمِ آلہ اسمِ ظرف۔ (۱) اسے فیاعیل ۔ وواسم ہے جوکام کرنے والے پردلالت کرے جیسے ضیار ب

مارنے والا ناصر مدد کرنیوالا۔

۲) اسب مفعول: ۔وہ اسم جوالی ذات پر دلالت کر ہے جس پرفعل واقع ہوا ہے جیسے زید مضدوب زیدکو مارا پیٹا گیا۔

(٣) اسم تفضيل وه اسم جوبنبت دوسرے كمعنى فاعليت كى زيادتى پردلالت كر عصريد اضرب القوم زير قوم سے زياده مارنے والا ہے۔

(٤) صفت مشبه : وه اسم جوكى ذات كمعنى مصدرى كساته بطور ثبوت متصف مون يردَلالت كر بيسي الله مسميع الله تعالى بطور دوام وثبوت سننه والاسے -

(٥) اسم آله: وه اسم جوصد و فعل کے آلہ پردلالت کرے جیسے مِنْصَن مدوکرنے کا آلہ مِضُدَّ تُ مارنے کا آلہ۔

(٦) اسمِ ظرف: ۔وہ اسم جو صدور فعل کے دفت یا یہ پردلالت کرے جیسے مَسُجدُ سجدہ کرنے کی جگہ اور وقت ۔

(۲) اسم فاعل وصفت مشبر مين معنوى فرق - كمامر في الشق الثاني من السوال الاول ١٤٢٥ هـ

﴿ المشق الشانسي ﴾ فعل معلوم ومجهول منفي ومثبت اوراسم كي تين قسميس مصدرً مشتق 'جامد ہرا يک كي تعريف مع مثال کھيں۔ نيز اسم جامد كي حروف كي تعداد كے اعتبار سے کتنی اقسام ہيں۔ انگي امثلہ تفصيل سے قلمبند كريں۔

(خلاصةُ سوال) اس سوال مين تين امور طلب بين (۱) نعل كي ندكوره جارا قسام كي تعريف مع امثله (۲) اسم كي ندكوره تين اقسام باعتبار تعداد حروف مع امثله -_____

﴿ جواب ﴾ (۱) فعل كى مذكوره جاراقسام كى تعريف مع امثله: فعل معلوم وه فعل ہے جس كاكرنے والامعلوم ہوجيے ضرب زيدٌ زيدنے مارا اكمل بكرٌ كرنے كھاياان ميں فعل كافاعل معلوم ہے۔ فعل مجھول و فعل ہے جس كافاعل معلوم نہ ہوجيے خُسرِبَ زید زیر مارا گیااس میں فعل کا فاعل معلوم نہیں ہے۔ فعل مثبت وہ فعل ہے جس میں کی کام کے ہونے ہونے کا ذکر ہوجیے ضرب زید زیر نے مارا نصر خالد فالد نے مدد کی انمیں کام کے ہونے کا ذکر ہوجیے ماضرب زید کا ذکر ہوجیے ماضرب زید نہیں مارا لم یاکل اس نے نہیں کھایا انمیں کی کام کے نہونے کا ذکر ہے۔

(۲) اسم كى مذكورة تين اقسام كى تعريف مع امثله - كمامر في الشق الاول من السوال الاول ٢٠٤ه-

(٣) اسم جامد کی اقسام باعتبار تعداد حروف مع امثلہ: اسم جامد کی وف کی تعداد کے اعتبار سے چھتمیں یں (۱) ثلاثی مجرد جیسے فَرَسْ رَجُلٌ وَنَیره - (۲) ثلاثی مزید فیه جیسے جِمَارٌ جَاسُوسٌ - (۳) رباعی مجرد جیسے جَعَفَرٌ دِرُهَمّ (۴) رباعی مزید فیه جیسے قِرُطَاسٌ - عَنُکَبُوتٌ (۵) خماسی مجرد جیسے سَفَرُجَلٌ فَدْعُمِلٌ (۲) خماسی مزید فیه جیسے قَبَعُثَری عَضُرَفُوطُ -

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٢ه

﴿ الشق الأول ﴾ورج ذيل الفاظ اصل يين كيا تض أمين كيا كيا تعليلات بوئى

(خلاصة سوال)اس سوال مين فقط مذكوره الفاظ ك اصل وتعليل مطلوب ہے۔

﴿ جواب ﴿ مَذُوره الفاظ كَى اصل وتعليل : فَيْسَبَ اصل مِن ذَبَ هَا بَمْره مُنفره هُ سَاكِنهُ وَ الْحَالَى مَرَكَت كَ مُوافِق بِاء بِ بِدل دياذيب بوگيا۔ يَسِعِيد اصل مِن يوعد هاوا وَ علامتِ مضارع مفتوحه اور سَره كه درميان واقع بوئى است گراديا يعد بوگيا۔ إِنَّه قَد اصل مِن اوغام كرديا اِقَدَ بوگيا۔ اَوَ اَعْلَى الْعَلَى الْع

کرے۔ یَ فَوُلُ اصل میں یَ فَوْلُ تھاواؤم تحرک کا ماقبل ساکن تھا تواس کی حرکت ماقبل کودیوی یَفُولُ ہوگیا دُعِیَ اصل میں دُعِو تھاواؤطرف میں سرہ کے بعدواقع ہوئی یاء سے تبدیل کردیا دُعِیَ ہوگیا۔ مَرُمِیُّ اصل میں مَر هُوی تھاواؤاوریاءایک جگہ جمع ہوئے اول ساکن تھاواؤکویا سے بدل کریاء کا یاء میں ادغام کردیا پھریاء کی مناسبت سے ماقبل کے ضمہ کو بھی سرہ سے بدل دیا مَرُمِیُّ ہوگیا۔

﴿الشق الثاني ﴾ درج ذيل الفاظيس جاري مونے والے قواعد ضبط تحريميں لأكي -بائع المن ازدجرتم اصطبرتم يظطلمون يدعيان مدكرون يمد (خلاصة سوال)إس سوال مين فقط مذكوره الفاظ مين جارى شده قواعد مطلوب بين _ ﴿ جواب ﴾ مذكوره الفاظ مين جاري شده قواعد: - بَائِعَ جوداؤاورياء فَباعِل كا عین کلمہ داقع ہوں وہ ہمزہ سے بدل جاتے ہیں بشرطیکہ غل میں تعلیل ہوئی ہوجیسے قبائل 'بائع ۔ المَسنَ بهمزه تحركه كے بعد بهمزه ساكن وجوباً ماقبل كى حركت كے موافق حرف علت سے بدل جاتا - يعيد أمن اومن ايمانا- ازدجرتم و مذكرون - كمامر في الشق الاول من السوال الثاني ضمني ٤٢٤ ه - اصطبرتم 'ينظطلمون - اگرافتعال كافاء كلمه صاد' ضاد' طاء' ظاء میں ہے کوئی ایک ہوتو تائے افتعال طاء ہے بدل جاتی ہے۔ پھر طاءتو طاء میں مرغم ہوجاتی ہے جیسے اطلب اور طائم می طاء ہو کرمغم ہوجاتی ہے جیسے اطلب اور محص بادغام ہی ربتی ہے جیسے إظَطَلَمَ اور بھی طاء کو ظاء کرے ظاء میں مغم کردیتے ہیں جیسے إظَلَمَ اور صادوضاد تبھی ہےاد غام رہتے ہیں جیسے اصطبیر اضطرب 'اور بھی طاء کوصادیا ضادہے بدل کر مرغم کرویتے ہیں جیسے اِصَّبَرَ ' اِضَرَبَ <u>ُ سِیا</u> جوواؤکلمہ میں چوتی جگہ یازائد پرواقع ہواورضمہو واوُساكن كے بعد نہ مووہ واؤياء سے بدل جاتا ہے جیسے پُلدْ عَیدان اَعُلَیْتُ ' اِسْتَعْلَیْتُ' هَدَاعِيُّ ' يَهُذُهُ ٱلَّر دومتجانس يامتقار بحروف ايك جَلَّه جمع بون اوراول كاما قبل ساكن غير مدّ ه مو تواول كح ركت ماقبل كود كراد عام كروية مين جيس يَمُدُ يَفِرُ أَيْفِونَ يَعَضَّ

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٢ه

Desturdubooks, Mordoress, cor ﴿ الشق الأول ﴾ ﴿ مندرجيذ لِي ابواب كي خاصيات كي تشريح مع امثلهُ صيب افتعال ك خاصيت اتخاذ تصرف تخيير اور استفعال كي خاصيت تحول اتخاذ قصر (خلاصة سوال) أس سوال مين فقط مذكوره خاصيات كي تشريح مع المثله مطلوب ہے۔ ﴿ جوابِ ﴾ مَدُكُوره خاصيات كي تشريح مع المثله: - باب افته عه ال كي خاصيات التَّخَاد اس كى متعدوصورتين بين اول يدكه ماخذ بنانا جيسے احتجر اس في حجره بناياتاني بدك ما خذیکڑنا جیسے اجتب اس نے جانب پکڑی۔ ثالث بیکہ ماخذ میں لینا جیسے اعتبضدہ اس

نے اس کوبغل میں لیا۔ ۲ تصرف لین فعل حاصل کرنے میں کوشش کرنا جیسے اکتسب اس نے كب مير وشش كى - ٣ تَخيير يعنى فاعل كااي لي كوشش كرناجي اكتال الشعير اس ني اینے لیے بُو ٹائے۔

باب استىفى عال كى خاصات \ تَــكَوُّ لُ لِعِنْ كَى جِيزِ كَامَيْنِ ما خذيامثل ماخذ كے موجانا جیسے استحبٰجر الطین گارا پھر ہوگیایامثل پھر کے ہوگیا۔ <u>۲ اِتَ</u>خَاذُ معنی گزر چاہے جیسے استوطن الهند 'اس نے ہند کوطن بنالیا۔ عقصر لیخی اختصار کی غرض سے مرکب سے ایک كلما المتقال كرناجيك استرجع إس في انا لله وانا اليه راجعون يرها

﴿ المشق الثانبي ﴾مندرجه ذيل ابواب كي خاصيات كي تشريح مع امثله تكصيب _

تفعيل ك فاصيت الباس ماخيذ تخليط ماخذ اورمفاعله ك فاصيت مشاركت موافقتِ مجرد اورتفعل كي فاصيت اتخاذ مطاوعتِ فعّل-

(خلا صهٔ سوال)اس سوال میں صرف مذکور د خاصات کی تشریح مع امثله مطلوب ہے۔ ﴿ جوابِ ﴾ مَذكوره خاصيات كي تشريح مع امثله: - باب تسفيعيل كي خاصيات الباس ماخذ لين ما خدكا پهنانا جيسے جَـلَـلْث الفرسَ ميں نے گھوڑ ريوجھول يهنائي جُلَ ما خذ ہے۔ ٢ تحليطِ ماخذ يعني كن كوما خذ كم كرناجيسے ذهبت السَّيف ميں نے . ملوارکوسو نے کاملمع کیا۔ باب مفاعله كى خاصيات (٢٦) مشاركت و موافقتِ مجرد -كمامر فى الشقّ الاول من السوال الثالث ٢٤٢٤هـ

باب تدفعًل کی خاصیات التخاذ اس کی متعدد صورتیں ہیں ماخذ بنانا جیسے تَبَوَّبَ اس فی باب (دروازہ) بنایا ماخذ کولینا جیسے تَجَدَّبَ اس نے جانب (طرف کنارہ) کولیا ماخذ میں کی کرنا جیسے تَسَابَّ طَ الصبی یُ بیج کو (ابط) بغل میں پکڑا۔ مصلے و عیت فَعَلَ مطاوعت کا مطلب یہ ہے کہ ایک فعل کے بعد دوسر نے حل کا آنا اس بات کوظا ہر کرنے کے لیے کہ فعول نے فاعل کا اثر قبول کرلیا ہے۔مطاوعتِ فَعَلَ کا مطلب یہ ہے کہ تفعیل کے بعد تفعل کا اس لیے آنا کہ مفعول نے فاعل کا ارقبول کرلیا ہے۔مطاوعتِ فَعَلَ کا مطلب یہ ہے کہ تفعیل کے بعد تفعل کا اس لیے آنا کہ مفعول نے فاعل کا ارقبول کرلیا ہے جیسے قَطَّعْتُهُ فَدَقَطَّعَ۔

الورقة الرابعة في الصرف

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢١ه

﴿ الشق الاول ﴾ سئلاثی مزید فیے غیر کمی بلاہمزہ وصل کے کتنے باب ہیں۔ ابواب کے نام اور علامات تحریکریں نیز درج ذیل شعر میں نہ کوراصطلاحات صرفیہ میں سے ہرایک کی تعریف واقسام مثالوں کے ساتھ کھیں۔

صحیح است ومثال است ومضاعف لفیف و ناهس و مهموز و اجوف (خلاص کر سوال) اس سوال میں سائل امرین کا طالب ہے(۱) ثلاثی مزید فیم غیر ملحق بلا ہمزہ وصول کے ابواب کی تعداد اساء وعلامات (۲) شعر میں درج اصطلاحات صرفید کی تعریف و اقسام مع امثلہ۔

﴿جوابِ﴾ (۱) ثلاثی مزید فیه غیر ملحق بلا ہمزہ وصل کے ابواب کی تعدادُ

أسماء وعلامات: -كمامرً في الشق الاول من السوال الاول ١٤٢٥ هـ

(۲) شعر مين درج اصطلاحات *صرفيه كاتعريف واقسام مع امثله - ك*مهامرً في الشق الاولي من السوال الاول ۲۶۲۵ه-

﴿الشق الثاني ﴾ سبين بين قريب اور بين بين بعد ميس عرايك كى تعريف

کرے مثالوں سے واضح کریں۔ نیز درن ذیل صیغوں کی تعلیل واضح طور پر کھیں اور بتا ئیں کہ مسلمان انمیں کون کو نسے قاعد سے جارے ہوئے ہیں خیطیفاً 'خیطانیا' اِتَّقَدَ' اَدُءُ رُدُ۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں دوامر توجه طلب میں (۱) ندکورہ اصطلاحات کی تعریف مع امثلہ (۲) ندکورہ صینوں کی تعلیل و جاری شدہ تواعد کی نشاند ہی۔

(۲) مذکوره سیغول کی تعلیل و جاری شده تو اعد کی نشا ند ہی: _ خطیقة اصل میں خطیقة تھا (واؤویاء مده زائده ویا وقصیر کے بعد ہمزه جوازی طور پر ماقبل کی جنس ہے تبدیل ہو کر اس میں مرغم ہوجاتا ہے) اس قاعده کے مطابق ہمزہ یاء مده کے بعد واقع ہوا تو ماقبل یاء کی جنس سے بدل کریاء کایاء میں ادغام ہوا خطیقة ہوگیا۔ خطابیا کمماهر فنی الشق الاول من السوال الثانی السوال الثانی میں الشق الاول من السوال الثانی میں المدی ترمیان میں ادر صموم درمیان میں جواز الم میں واقع ہوا تو ہمزہ سے تبدیل ہمزہ ہوجاتا ہے) اس قاعدہ کے مطابق واؤمضموم درمیان کلمہ میں واقع ہوا تو ہمزہ سے تبدیل ہوگیا ایس آذہ رد ہوگیا۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢١ه

﴿الشق الاول﴾ ويدعيان مداعي حبليان حيكي طوبي. مذاعي خبليان حيكي طوبي. مذكوره سيغول كي اصل بتائيل وتعليل ذكركرين نيز انمين كون كون سي قواعد ك تحت

[©]طیرف

تعلیل ہوئی ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين فقط ندكوره صيغول كي اصل وتعليل و جاري شده قواعد كي

نشا ندہی مطلوب ہے۔

والله المالة ا

﴿ الشق الثانى ﴾ يدعون ترمين تدعين مرمى تقوى -نه كوره صيغول كاصل بتا كر تعليل كرير - نيز انمين جارى شده قواعد كى نشاندى كرير -(خلاصة سوال) اس وال مين صرف ندكوره صيغون كى اصل تعليل وجارى شده قواعد كى

نشا ندہی مطلوب ہے۔_

جواب کی فرکورہ صیغوں کی اصل تعلیل وجاری شدہ قواعد کی نشاندہی۔ یدعون ترمین (واؤ ضمہ کے بعد واقع ہوا دراس کے بعد واؤ ہویایاء کسرہ کے بعد واقع ہوا ور اس کے بعدیا ، بوتویہ ساکن ہوکر اجتماع ساکنین کیوجہ سے گرجاتے ہیں) یدعون ترمین اصل میں یدعوون اور ترمین شخ ضمہ کے بعد واؤتھا بھراس کے بعد واؤ آیا۔ اور کسرہ کے بعدیا تھی بھراس کے بعد یاء آئی تو دونوں مذکورہ قاعدہ کی روشی میں ساکن ہوکر اجہائ ساکنین کیوجہ سے حذف ہو گئے تو یہ با ایک تر مین ہوگئے۔ تَدُعِیْنَ (اگر داؤ ضمہ کے بعد ہوادراس کے بعد یا ، ہو یا یا عمرہ کے بعد ہوادراس کے بعد واؤ ہوتو ما قبل کو ساکن کر کے داؤ ادر یا ، کی حرکت اے دید یے ہیں پھر داؤیا ، ہوکر ادریا ء داؤ ہو کر اجہا کی ساکنین کیوجہ سے گرجاتے ہیں جیسے تدعین بیر مون) تدعین اصل میں تَدُعُ وِیْنَ تھا۔ واؤ ضمہ کے بعد داقع ہواادراس کے بعد یا بھی تو ما قبل کے ضمہ کو حذف کر کے داؤکا کسرہ اسے دیدیا ادر داؤکو یا ء سے بدل دیا پھر اجہائی ساکنین کیوجہ سے محمد کو حذف کر کے داؤکا کسرہ اسے دیدیا ادر داؤکو یا ء سے بدل دیا پھر اجہائی ساکنین کیوجہ سے ایک یا ء کو گرادیا تدعین ہوگیا۔ مَدُوثَیْ کے مامر فی الشق الاول من السوال الثانی تقیا کا ماکنی کا عین کلمہ داقع ہودہ داؤہ دو جاتی ہے) تقوی اصل میں تقیا کا دائر کورہ قاعدہ کی روشی میں یا ء فَعُلی کالام کلمہ داقعہ ہوئی اے داؤسے بدل دیا تَقُوی ہوگیا۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢١ه

﴿ الشق الاول﴾ ﴿ بابانعال كى فاصات من سے تعدید تصدید تصدید تعدید ت

(خلاصة سوال) اس سوال مين باب افعال كي مذكوره خاصيات كي وضاحت مع امثله

مطلوب ہے۔

﴿ جواب ﴾ افعال كى مذكوره خاصيات كى وضاحت مع امثله: _كمامر في الشق الأول من السوال الثالث ١٤٢٥ هـ

﴿الشق الثانى ﴾ باب افتعال كى چارخاصيات مثانوں كے ساتھ تحرير يں۔
(خلاصة سوال) اس سوال ميں فقط باب افتعال كى چارخاصيات تح امثله مطلوب ہيں۔
﴿ جواب ﴾ افت عمال كى خاصيات مع امثله ندا تحصر ف يعن فعل حاصل كرنے ميں كوشش كرنا جيے اكتسب اس نے كب ميں كوشش كى۔ يتخيير يعن فاعل كا پنے كي وشش كرنا - جيے اكتسال الشعير اس نے اپنے ليے جو نا پئ كيل كيے۔ يم مطاوعت فعل جيے غممته فَاغُتمَ مِيں نے اس كومكين كيا پي وهمكين ہوا۔ يحموافقت مجرد جيے

Desturdubookee Mord

إبُتَلَجَ بَمَعَىٰ بَلَجَ روش موا_

الورقة الرابعة في الصرف ﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٠ه

﴿ الشق الأول ﴾اوزانِ مبالغ لكهينُ امثله بهى بيان كرينُ اسمَ تفضيل ومبالغه مين فرق بيان كرير _

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دو امرحل طلب ہیں (۱)مبالغہ کے اوزان و امثلہ (۲)استفضیل دمبالغہ میں فرق۔

﴿ جوابِ ﴾ (۲٬۱) مبالغه كے اوز ان وامثله اسم تفضيل ومبالغه ميں فرق: _ كمامر في الشق الثاني من السوال الاول ضعني ١٤٢٤هـ -

﴿ الشق الثاني ﴾ معاد خطايا موسر ائمه الا تخف خذ أمتن . فرا لشق الثاني ﴾ من المدن ال

وضاحت مطلوب ہے۔

﴿ جواب ﴾ ندكوره صيغول كى اصل تعليل و جارى شده قواعد كى وضاحت ..
اَدِّمَةٌ اصل ميں الْمِمَةُ بروزن اَفْ عِلَةُ تَعالَيْ بَام مَل بِهِاس مِيں مضاعف كا قاعده جارى موا يَمُدُ والا بَهِلَ مِيم كَرَّ مَت قَلْ كرك ما قبل كودى اور ميم كوميم ميں ادغام كرديا۔ اَدِمَةَ ہوگيا پھر ندكورہ قاعدہ جَاءِ والا جارى كيا دوہمزے ايك جگه جوئے دوسرا كمور تقادوسرے كوياء سے بدل ديا أَممَةُ ہوگيا۔

لَاتَخَفَ ۔ اصل میں لاتَحُوف تھا یُقَال والا قاعدہ جاری ہواواؤمتحرک ماقبل ساکن واؤ کی حرکت نقل کر کے ماقبل کودی واؤ اصل میں متحرک تھا اب ماقبل مفتوح ہوا واؤ کو الف سے بدل ویا ''دوساکن جمع ہوئے الف اور فاءالف کو بعجہ اجتماع ساکنین گرادیا لاَتَحَفْ ہوگیا۔

خُذَ اصل میں أو خُذُ تھادوسرے ہمزہ کوخلاف قیاس گرادیااب ہمزہ وصلی کی ضرورت

· Mardhiess, d

ندر بی اس کو بھی گرادیا خُدُ ہو گیا۔

ميعاد 'خطآيا' موسر' لُمتن - كمامر في الشق الأول من السوال الثاني ١٤٢٣ هـ

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٠ه

﴿الشق الاول﴾ ہفت اقسام کی تشریح کریں اللہ عاء والدعوۃ کی صرف سفیر کھیں۔ نیز اس سے امر حاضر معروف کی گردان لکھ کرصینہ واحد مذکر حاضر کی تعلیل بھی بیان کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں چار امور مطلوب ہيں۔ (۱) ہفت اقسام کی تشریح (۲) الدعاء والدعوۃ مصدر سے صرف صغیر (۳) الدعاء والدعوۃ سے امرحاضر کی گردان (۴) صیغہ واحد مذکر حاضر کی تعلیل۔

﴿ جوابِ ﴾ (١) مفت اقسام كى تشريح كه مامر في الشق الاول من السوال الاول ٢٤١هـ

(٢) الدعاء والدعوة صصرف غير دعا يدعوا دعاة ودعوة فهو داع ودُعِى يُدعى يعلى يدعوا دعاة ودعوة فهو داع ودُعِى يُدعى يعلى يعلى داع ودُعِى يُدعَى يعلى النهى عنه لاتدع النظرف منه مَدُعَى والآلة منه مِدُعَى مِدْعَيَانِ مَدَاعٍ ومِدْعَاة مِدْعَاتَانِ مَدَاعٍ مِدْعَاة مِدْعَاتَانِ مَدَاعٍ مِدْعَاء أَنِ مَدَاعِينَ أَدْعُونَ أَدَاعٍ مِدْعَاء أَنِ مَدَاعِينَ أَدْعُونَ أَدَاعٍ والمؤنث منه دُعْنِي دُعُيَيَاتُ دُعُيَ دُعُيَيَاتُ .

(٣) الدعاء والدعوة سامر حاضر معروف كي كروان: أدُعُ أَدْعُوا الدُعُوا الدُعُوا الدُعُونَ الدُعُونَ - اللّهُ اللّه

﴿ ﴾) صيغه واحد مذكر حاضر كي تعليل - أدُعُ اصل ميں أدُعُ في قائسكونِ وَفِي كيوجه ئے آخرے واؤ حذف ہوا تو أدُع ہو گيا۔

﴿ المشق الثاني ﴾ ﴿ المساماءِ مشقد كون كونے ميں - برايك كى تعريف مع مثال بيان كريں - نيز اسم فاعل وصفت مشبه ميں معنى كاعتبار سے كيا فرق ہے -

﴿ خلاصةُ سوال ﴾ اس سوال ميں دوامر توجه طلب ہيں (۱) اساءِ مشتقہ کے اساء وتعریف مع امثلہ (۲) اسم فاعل وصفت مشبہ میں معنوی فرق۔

﴿ جواب ﴾ (۱) اسماءِ مشتقد كاسماء وتعريف مع امثله - كمامر في الشق الاول من السوال الاول ٢٤٢٥ هـ

(۲) اسم فاعل وصفت مشبه مين معنوى فرق : كمامر في الشق الثاني من السوال الاول ١٤٢٥ هـ

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٠ ه

﴿الشق الأول﴾ ……باب تفعیل کی خاصیات یست تعدید سلب صیورت بلوغ کوم الول کے ساتھ واضح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين فقط باب تفعيل كى ندكوره خاصيات كى وضاحت مع المثله مطلوب ہے۔

﴿ جواب ﴾ خاصيات تفعيل كى وضاحت مع امثله: - 1 تعديه ٢سلب كم مامر في الشق الاول من السوال الثالث ١٤٢٤ ه - ٣ صيرورت يعن صاحب ماخذ بوناجيك نور الشَّجَرُ ورخت شُوف واربو كيا - ٤ بلوغ يعنى ماخذ من پنجناً يا واخل بوناجيك خيم زيد زيد خيم من واخل بوا -

﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ الشَّالِي اللَّهُ اللَّهُ اللهُ اللَّهُ اللَّاللَّاللَّا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّالِمُ الللَّالِمُ الل

﴿ جوابِ ﴾ باب تفعل و مفاعله کی خاصیات مع امثلہ: باب تفعل کی خاصیت مع امثلہ: باب تفعل کی خاصیت ۱ تکلف کی خاصیت ۱ تکلف کی خاصیت ۱ تکلف کھوگا ہے گئے گئے گئے کہ نے تعدل کے دید انہا ہے کہ کام کوآ ہتہ آ ہتہ کرنا کھیے تحفظ بَکُرٌ کرنے تھوڑا تھوڑا ہوگا۔

بادکیا۔

باب مفاعله كى خاصيت 1 موافقتِ أَفَعَلَ جِيب باعدته بمعنى ابعدته ميس في المن المركبياء ٢ تصيير لين كن كوصاحب ما خذ بنانا جيس عافاك الله الله يحتر عافيت والا بنائد

الورقة الرابعة في الصرف ﴿السوال الاول﴾ 121٩هـ

﴿ الشق الاول ﴾ صفت مشبه كاوزان اوراس كى كردان تحرير ير... (خلاصة سوال) اس سوال مين دو امر حل طلب بين (ا) صفت مشبه ك اوزان

(۲)صفت مشبه کی گر دان به

﴿ جواب ﴾ (١) صفت مشبه كاوزان حكمامر في الشق الثاني من السوال الاول ١٤٢٥ هـ

. (٢) صفت مشهد كي كردان: حَسَنٌ حَسَنَانِ حَسَنَيْنِ حَسَنَوُنَ حَسَنَوُنَ حَسَنَوُنَ حَسَنِيُنَ وَ حَسَنَةٌ حَسَنَتَان حَسَنَتَيُن حَسَنَاتٌ -

﴿الشق الثاني ﴾اسم ظرف كى كردان وديكراوزان تحريرس

(خلاصة سوال) اس سوال كا حاصل دوامر بين (۱) اسم ظرف كي گردان (۲) اسم ظرف

کی اوزان_

﴿ جواب ﴾ (١) اسم ظرف كي كردان حكمامر في الشق الاول من السوال الاول ٣٠٤٢هـ

(۲) اسمِ ظرف کی اوز ان: ظرف بھی مَفْعِلٌ اور مَفْعَلْ کی بجائے مُفْعَلَّ کی وزان یہ ہوں مَفْعَلَةً کے وزن پر بھی آتا ہے جیسے مُکْحَلَةٌ بمعنی سرمہ دانی۔

﴿السوال ألَّثاني﴾ ١٤١٩ه

(الشق الاول)قِيلَ بِيُعَ الْخُتِيرَ الْنَقِيدَ مِن كُون قَاعد عَ حَت تَعليل بولَ عَلَيل بَعِي وَكَت تَعليل بولَ عَن وَكَر ين اور سَيّدٌ مَرُمِيٌ مُضِيٌّ كَ تَعليل كيا عِ اور كَ قاعده حَت بولَ عِن يَعليل كيا عِ اور كَ قاعده حَتِ تَت

تعلیل ہوئی ہے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دو امر مطلوب ہیں (۱) جاری شدہ قاعدہ کی نشاند ہی ۔ (۲) صیغوں کی تعلیل _

﴿ جُوابِ ﴾ (۱) جاری شدہ قاعدہ کی نشاندہی :۔ماضی مجھول کاعین کلمہ داؤیایاء ہو تو ماقبل کوساکن کر کے انگی حرکت ماقبل کو دیدیتے ہیں اور عین کلمہ اگر داؤ ہوتو اس کو یاء سے بدل دیتے ہیں جیسے قیلًل 'بِیعَ الْخَتِیْرَ 'اُنْقِیْدَ۔

(۲) صيغول كَ تَعْلَيلَ - قِيْلَ اصل مِن قُولَ 'بِينَعَ اصل مِن بُيعِ أَخْتِيْرَ اصل مِن بُيعِ أَخْتِيْرَ اصل مِن أَخْتُورَ اصل مِن أَخْتُورَ الله مِن أَخْتُورَ الله مَن أَخْتُورَ الله مَن أَخْتُورَ الله مَن أَخْتُورَ الله مَن الله مِن الله وَ الله مِن كُمُدوا قَعْ مُوحَ وَاللّهُ مِن وَاوَاور ياء كَاكْرُوه الله الله وَاللّهُ مُن الله مِن وَاوَكُورِ مِن وَاللّهُ مِن وَاوَكُورُ اللهُ مِن وَاوَكُورُ مِنْ وَاوَكُورُ مِن وَاوَكُورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ وَاوْرُورُ مِنْ وَاوَكُورُ مِنْ وَاوَكُورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ مُنْفُورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ وَاورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ مُنْ وَالْعُرْمُ وَاوْكُورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ وَاوْكُورُ مِنْ مُنْ مُنْ مُنْ مُنْ مُنْ وَاوْكُورُ مِنْ وَاوْكُورُونُ م

(۱) جاری شدہ قاعد ہے کی وضاحت ۔ دہ داؤادریاء جو کسی حرف ہوئی نہ ہواور غیر المحق میں جمع ہوجا کیں اور ان میں سے پہلا حرف ساکن بھی ہوتو داؤکویاء سے بدل کر دیاء میں مذم کردیتے ہیں اور ماقبل کے ضمہ کو کسرہ سے بدل دیتے ہیں جسے سُنیدٌ مَرُمِیٌ مُضِیٌ۔

﴿ الشق الثانى ﴾يدعيان اعليت استعليت من جارى مون والا قاعده بيان كرين نيزونياوعليا من كونسا قاعده جارى مواب_

(خلاصة سوال) اس سوال مين فقط دوقاعدون كي وضاحت مطلوب ہے۔

﴿ جواب ﴾ يدعيان اعليت استعليت سي جارى شده قاعده -

كمامر في الشق الثاني من السوال الثاني ٢٢٤ هـ

دنیا و علیا میں جاری شدہ قاعدہ -جوداو فُعلی (بالضم) کالام کلہوا تع

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٩ه

﴿ جواب ﴾ حكمامر في الشق الثاني من السوال الثالث ضمني ١٤٢٤هـ ﴿ الشق الثاني ﴾ الماء ١٤٢٥هـ ﴿ الشق الثاني ﴾

(خلاصة سوال)اس سوال مين فقط باب تفعيل كي خاصيات مطلوب بير-

﴿ جواب ﴾ باب تفعيل كى خاصيات: ـاس باب كى كل تيره خاصيات بير ـ (١) تعديه (٢) سلب (٣) تصيير (٤) صيرورة (٥) بلوغ (٦) مبالغه (٧) نسبت به ماخذ (٨) البساس ماخذ (٩) تخليط ماخذ (٨٠) تحويل (١١) قصر (١٢) موافقت مجرد و أفعل و تَفَعَل (١٣) ابتدا ـ

تعديه وسلب: - كمامر في الشق الاول من السوال الثالث ٢٤١ه-

تصيير -يعنى كى چركوصاب ماخذ بنانا جيے و ترت القوس ميس في كمان كوتوس وار بنايا -

صيرورة بلوغ - كمامر في الشق الاول من السوال الثالث ٢٠ ١ هـ

تسبت به ماخذ "بعنی ماخذ کے ساتھ منسوب کرنا جیسے فَسْقَتْ زیدا میں نے زید کو فقت نے دید کو ساتھ منسوب کیا۔

الباس ماخذ ' تخليطِ ماخذ : -كمامر في الشق الثاني من السوال

المصرف

الثالث ۱٤۲۲هـ

تحویل کی چزکو اخذیامثل ماخذ بنانا جیسے نَصَّرَ زیدٌ عمر و آزید نے عمر و کونصرانی بنایا اور خَیمَدُهُ مِن نے اس کوخیمہ کی مثل بنایا -

قصر یعنی اختصاری فرض مرکب کا ایک کلمه باب تفعیل بنالیاجائے جیسے هلًا اس نے لااله الّا الله پر هاموافقتِ فعل مجرد جیسے تمّرتهٔ و تمرته کا ایک بی معنی ہے میں نے اس کو مجوردی موافقتِ اَفْعَلَ جیسے تَمّرَو اتمر بمعنی تر مجور خشک ہوگئ موافقتِ تَفَعَلَ جیسے تَسرَّسَ وَتَتَرَّسَ بمعنی وُ هال کو کام میں لایا۔ ابتداء یعنی فعیل میں میعنی ابتداء ہے جیسے کَلَّمْتُهُ میں نے اس سے کلام کی مجرد میں کلم بمعنی زخی کرنا ہے۔

الورقة الرابعة في الصرف ﴿السوال الاول﴾ ١٤١٨ه

﴿الشق الأول﴾ (صفت مشبه آن كه دلالت كند براتصاف ذاتي بمعنى مصدري بوضع ثبوت) `

عبارت مٰدکورہ کا ترجمہ کر کےصفت مشبہ کی تعریف سلیس اردو میں لکھیں۔صفت مشبہ اور اسم فاعل میں کیافرق ہے ٔاوز انِ صفت مشبہ کتنے ہیں۔ان میں سے پانچ تحریر کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں پانچ امور مطلوب ہیں (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) صفت مشبہ کی تعریف (۳) صفت مشبہ واسم فاعل میں فرق (۴) اوز انِ صفت مشبہ کی تعداد (۵) پانچ اوز انِ صفت مشبہ کی مثال ۔

﴿ جُوابِ ﴾ (۱) عبارت کا ترجمہ ۔ صفت مشبہ وہ ہے جو دلالت کرے کسی ذات کے متصف ہونے پرمعنی مصدری کے ساتھ لطور ثبوت ۔

(۳٬۲) صفت مشبه كي تعريف صفت مشبه واسم فاعل ميں فرق - كمامر فى الشق الثانى من السوال الاول ٢٥ ١٤ ه -

(سم) صفت مشبه کے اوز ان کی تعداد ۔ اس کے اوز ان بہت ہیں علم الصیغه میں

۲۳ مذکور ہیں۔

urdubooks vardhress, co' (۵) يا في اوزان صفت مشبه كي مثال: فعَلْ فِعَلْ فَعَلْ فَعَلْ فَعُولٌ فَعِيلً -

﴿الشق الثاني ﴾اجوف كمصدر البيع عاسم فاعل كي ردان تحريركري-بعُ اصل میں کیا تھا امر حاضر معروف کس طرح بنایا جاتا ہے۔

(خلاصة سوال) أس سوال مين تين المور توجيطلب بين (١) البيسع سام فاعل كي گردان(۲) بع کی اصل (۳) امرحاضر معروف بنانے کا طریقہ۔

﴿ جوابِ ﴾ (١) البيع عاسم فاعل كي كردان: - كمامر في الشق الثاني من السوال الثاني ١٤٢٣هـ

(٢) بع كى اصل: يعض كنزديك اسكى اصل قبيع تقى علامت مضارع تاءكورًا کر آخر ہے ساکن کردیا۔ پھراجتاع ساکنین کی وجہ ہے یا موحذف کردیا پس بیع ہو گیا۔اوربعض کے نز دیک اصل میں اِبْیے ہے تھایاء کی حرکت ماقبل کودی تو ہمزہ وشکی کی ضرورت ندر ہی چھریاء کو اجماعِ ساکنین کی وجہ ہے گرادیا پس بع ہو گیا۔

(m) امرحا ضرمعروف بناني كاطريقه: كمامر في الشق الاول من السوال الاول ضمني ١٤٢٤هـ

﴿السوال الثاني ﴿ ١٤١٨ هِ

﴿الشق الأول﴾ إدَّ عَيْ إذَّ كَرَ ' إِزْجَرَ' عِدَةٌ ' قِيْلَ ـ

پہلے تین صیغوں میں کونسا قانون جاری ہوتا ہےاورکتنی صورتیں بڑھی جاسکتی ہیں اورآ خری دوصیغوں میں کو نسے قانون جاری ہوتے ہیں ہرایک کی تشریح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر قابلِ التفات بين (١) ندكوره صيغون مين جاري شده قوانین (۲) پہلے تین صیغوں کو پڑھنے کی صورتیں۔

﴿ جواب ﴾ (۲۱) ند کوره صیغول میں جاری شده قوانین پہلے تین صیغوں کو ير صنح كى صورتين: - إِدَّعْنَى وَاذْكُنَر وَ وَرَجَبَر مِن جارى شده قانون اور ير صنح كي صورتين

Mortdofess.cor نيزعِدَةٌ مِن جارى شده قانون كمامرّ في الشق الاول من السوال الثاني ٢٥٠ ه قيل اس من جاري شده قانون كمامر في الشق الأول من السوال الثاني

﴿الشق الثاني ﴾ المساب دعا يدعو ساسم فاعل واسم مفعول كي كروان تحرير كرين داع اور دَاعُونَ كَ تَعْلِيلَ صِر في بطر زِمصنف بيان كرير-

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر توجه طلب بين (١) دعيا يبدعو سے اسم فاعل و اسم مفعول کی گردان (۲) ندکوره صیغوں کی تعلیل بطرزمصنف ۔

﴿جوابِ ﴾ (۱) دعا يدعو ساسم فاعل واسم مفعول كي كردان - اسم فَاعَلَ ذَاعِ دَاعِيَان ذَاعُون ذَاعِيَةٌ ذَاعِيَتَان ذَاعِيَاتُ.

المُمْفَعُولَ مَدْعُونٌ مَدْعُوَّان مَدُعُوُّونَ مَدُعُوَّةٌ مَدُعُوَّةٌ مَدْعُوَّتَان مَدْعُوَّاتٌ-(٢) فذكوره صيغول كي تعليل بطرزِ مصنف المعددة على ما ما من دَاعِوْ تعابة قاعده ال واؤطرف میں سرہ کے بعدیاء ہوگئ۔ پھر بہ قاعدہ • ا (جوواؤیایاء یہ فعلُ تفعل وغیرہ کالام کلمہ ہو ضمہ یا کسرہ کے بعد ہوتو ساکن ہوجا تاہے) یاءساکن ہوکراجتاع ساکنین کی وجہ ہے گرگئی۔اور توين عين كلمد كيما تعمل كي داع موكيا- وَأَعُونَ أصل مِن وَاعِووُنَ تَعاروا وَبقاعد والياء موكَّى دَاعِينُهِ وِنَ مِوكَّيا ' پيرياء كاخمَه بقاعده • اماقبل عين كوديا توياء ساكن ماقبل مضموم موابقاعده ٣ ياء كوداؤے بدل كراجماع ساكنين كى وجهے كراديا۔ دَاعُونَ ہوكيا۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٨ه

﴿الشق الأول﴾ باب تفعل و مفاعله كى كم ازكم جار جار خاصيات بمع امثلة كريرير. (خلاصة سوال) اسوال من فقط باب تفل و مفاعله كي جارجار خاصيات كي وضاحت مطلوب ہے۔

﴿ جواب كاب تفعل ومفاعله كى خاصيات كى وضاحت ـ كمامر فى السوال الثالث ٢٥ ١ه ' ١٤٢٤ه ' ١٤٢٠هـ ﴿الشق الثانى ﴾ الله ثي مجرد ك باب نصر ينصر كى خاصيت كصل باب أفعال كى كل خاصيت كشي - باب أفعال كى كل خاصيات كنى بي - ان بي - ان بي ان بي - ان بي امثل كسي - كننى بي - ان بي امثل كسي -

(خلاصة سوال) اس وال مين تين امور مطلوب بين (۱) باب نه صدر كي خاصيت (۲) باب افعال كي خاصيات كي خاصيات كي تعداد دوتين كي وضاحت (٣) باب مد فاعله كي خاصيات كي تعداد اور دوكي وضاحت _

﴿ جوابِ ﴾ (۱) باب نصر كى خاصيت كمامر فى الشق الثانى من السوال الثالث ١٤٢٤هـ

باباف على خاصيات كى تعداداورتين كى وضاحت بابانعال كى كا پدره خاصيات بير - جن مير ئين يه بير - 1 اعطاء ماخذ يعنى ماخذ ديناهي اشويته مير نياس كو گوشت بجون كيلي ديا - ٢ مبالغة يعنى ماخذ كو كثرت مقداريا كيفيت مير بيان كرناهي اسفر الصبح خوب دوش بوگئ - ٣ حيدونت يعنى كى چيز كاماخذ كوت كو پنچناهي احصد الذرع كيتى كن كروت كوپنجى -

باب مفاعله كى خاصيات كى تعداداوردوكى وضاحت باب مفاعله كى كل سات خاصيات ين توضيحه كمامر في الاختبار ١٤٢٤هـ ١٤٢٠هـ

الورقة الرابعة في الصرف (السوال الاول) 121۷هـ

﴿ الشق الاول ﴾مثال كمصدرالوعد امرحاضر معروف كى كردان كلهي عند اصل ميس كياتها، فعل امرحاض معروف كون فعل سے بنتا باوراس كا قاعده كيا ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين تين امور مطلوب مين (۱) أنو غدُ سے امر حاضر كى گردان (۲) عِد كى اصل (٣) امر حاضر كا مشتق منداور بنانے كا قاعده -

﴿ جُوابِ ﴾ (١) ٱلمُوعَدُ سے امرحاضر کی گردان: عِدْ عِدَا عِدْوَا عِدِیٰ

عِدَا عِدُنَ۔

علامت مضارع تاء و گرا كرآخر سے ساكن كياتو عِدُ مواليد

(۳) امرحاضر سي بنرات اور بنان كاطريقة حكم امر في الشق الاول من السوال الاول ضمني ١٤٢٤ه-

﴿ جُوابِ ﴾ (١) اسم طَرف كَ تَعْريف سكم امرٌ في الشق الأول من السوال الأول ١٤٢٣هـ

(س) آین المفر پرسوال وجواب علم الصید میں جواس ظرف کا قاعدہ ندکور ہے اس کا حاصل ہیں ہے کہ مضارع مفتوح العین اور مضموم العین سے اور ناقص سے مطلق (برحال میں) اسم ظرف مَدفَعَلْ کے وزن پر آتا ہے۔ اور مضارع کمور العین اور مثال سے مطلق رحال میں) اسم ظرف مَدفَعِلْ کے وزن پر آتا ہے۔ اب مَدفَر کی بحث ہے کہ بعض صرفیوں نے کہدیا ہے کہ مضاعف سے بھی اسم ظرف مطلقاً مَدفعَلْ کے وزن پر آتا ہے مطلقاً کا مطلب ہے برحال میں کہ مضاعف سے بھی اسم ظرف مطلقاً مَدفعَلْ کے وزن پر آتا ہے مطلقاً کا مطلب ہے برحال میں

خواہ مضارع مفتوح العین ہویا مضموم العین ہویا کم ورالعین ہواسم ظرف مَفَعَلٌ (مفتوح العین) ہی آئے گا۔اورانہوں نے لفظ مَفَر جو قرآن مجید میں واقع ہے' آیئ المَفرُ "میں اس سے ہم استدلال کیا ہے۔کہ یہ باوجود یکہ باب ضروب یضر ب سے ہم جس کا مضارع کم ورالعین ہے استدلال کیا ہے۔کہ یہ باوجود یکہ باب ضروب یضر ب سے ہم جس کا مضارع کم ورالعین ہے اس سے اسم ظرف مفعَلٌ کے وزن پر آیا ہے۔معلوم ہوا کہ مضاعف میں اسم ظرف مطلقاً مَفعَلٌ کے وزن پر آتا ہے۔ چرمصنف نے اس استدلال کا جواب دیا ہے۔ جو اب کا حاصل بیہ کہ یہ قول سے خیر مضاعف سے اسم ظرف سے کی طرح مضارع مفتوح العین اور مضموم العین سے مفعَلٌ کے وزن پر اور کم مورالعین سے مَفعِلٌ کے وزن پر آتا ہے جسیا کہ آن مجید میں حتّی یَبلُغَ مَا الْهَدُیُ مَحِلًا میں اللّه مُن کَ وزن پر ہے۔ اور این المَفَرُ کا جواب مصنف نے یہ و مَفعَلٌ کے وزن پر ہے۔ ور این المَفَرُ کا جواب مصنف نے یہ دیا ہے کہ یہ اسم خرف کا صیغہ نہیں بلکہ یہ صدر یہ ہی ہو مَفعَلٌ کے وزن پر ہے۔

﴿السوال الثاني ﴿ ١٤١٧ هِ

﴿الشق الاول﴾القول باسم فاعل اسم مفعول اوراسم ظرف كردان كردان كردان موال من المال المعلم المراسم على المردان المسلم المرفق المراسم على المردان المسلم المراسم الم

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر توجه طلب بين _(۱) القول ساسم فاعل مفعول وظرف كي كردان (۲) ندكوره صيغول كي تعليل _

ن ﴿ جوابِ ﴾ (١) القول سے اسم فاعل اسم مفعول وظرف كى كردان ١٦٦

اسم مفعول كي كردان - مَقُولٌ مَقُولًانِ مَقُولُانِ مَقُولُونَ مَقُولَةٌ مَقُولَةٌ مَقُولَتَانِ مَقُولَاتُ - استم طرف كي كردان - مَقَالٌ مَقَالَان مَقَاوِلُ -

(٢) ندكوره صيغول كى تعليل: -قِيل كمامر في الشق الاول من السوال الثاني ١٤١٩هـ

يقال اصل ميں يُقُوَلُ تھاواوُمتحرك اقبل ساكن تھاواؤ كافتر ماقبل كودے كرواؤ كوالف ع بدل ديا' يُقَالُ ہوگيا۔ قُلَ تَقَولُ سے بناہے بایں طور کہ علامتِ مضارع تا ء کوگرانے کے بعد آخر سے ساگن کیا تو۔
 دوساکن جمع ہوگئے واؤ اور لام واؤ کو حذف کر دیا قُل ہو گیا۔ اور بعض اُقدول سے بناتے ہیں بایں طور کہ واؤ متحرک ماقبل ساکن تھا واؤ کی حرکت ماقبل کو دیکر واؤ کو اجتماع ساکنین کیجہ سے حذف کر دیا اور ہمزہ وصلی استغناء کیوجہ سے حذف ہوگیا لیس قُلُ ہوگیا۔

﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ وَاعده الله فائم افتعال صادوضادو طاء وظا باشد تائم افتعال بطابدل شود پس طا مدغم شود وجوباً چور اِطَّلَبَ۔

ندكوره قاعده كى وضاحت كرين اس قاعده كم مطابق إظَلَمَ الصَّدَبُ إصَّبَوَ كَ تَعْلَيلَ بِان كرس -

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوامر مطلوب ہیں۔(۱) قاعدہ کی وضاحت (۲) نہ کورہ صیغوں کی تعلیل۔

﴿ جوابِ ﴾ (۱) مُركوره قاعده كى وضاحت كمامر في الشق الثاني من السوال الثاني ٢٢٢ هـ

(۲) فرکورہ صیغوں کی تعلیل: - اِظْلَمَ اصل میں اِظْتَلَمَ اصل میں اِظْتَلَمَ اَصْلِمِن اِصْلِمِن اِصْلِمِن اِصْدَبَ اصل میں اِضْتَرَبَ اصل میں اِصْدَبَرَ اصل میں اِصْدَبَرَ اَصْلِمِن اِصْدَبَرَ اَصْلِمَ اَوْمَ اِلْمَ مِنْ مِنْ مُردیا ہیں طاء صدل کرہم جنس میں مرقم کردیا ہیں اِظَلَمَ اُوْمَ اَوْمَ اِلْمَ اَوْمَ اَوْمَ اِوْمَ اَوْمَ اِلْمَ اَلْمَ اَوْمَ اَوْمَ اَوْمَ اِلْمَ الْمَامُ اَوْمَ الْمَامُ الْمَامُ اللّهُ
﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٧ه

﴿ الشق الاول ﴾باب افعال كى خاصيات ميس سے وجدان سلب اور الذام كمعانى بتاكيں اور مثالوں كى ذريعدوضا حت كريں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر مطلوب بين _(۱) باب اف عال كى خاصيات مين عن حدان سلب الذام كمعانى (۲) اكل اشله-

﴿ جُوابِ ﴾ كمامر في الشق الاول من السوال الثالث ٢٤ ه

ضمنی۔

﴿الشق الثانى ﴾ باب تفعیل کی فاصیات میں سے تعدیہ سلب صیرورت کی مثالوں کے ذریعہ واضح کریں۔

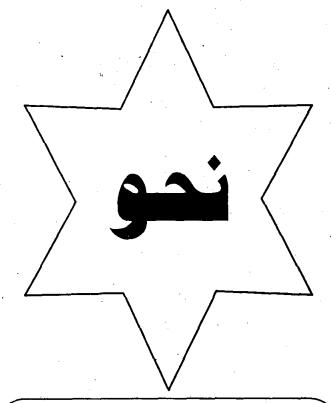
(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دو امر مطلوب ہیں۔(۱) ندکورہ خاصیات کی تعاریف ۲)امثلہ۔

﴿ جوابِ ﴾ (٢٠١) تعاريف وامثله - تعديه سلب كمامر في الشق الاول من السوال الثالث ١٤٢٤هـ

صيرورت كمامر في الشق الاول من السوال الثالث ١٤٢٠هـ

ياحَى السَّالِحَالِيَّ بِاقْيُوم

wordpress;com



هداية النحو

besturdubooks.wordpress.com

ordpress.cc

الورقة الخامسة في النحو ﴿السوال الاول﴾ 1270هـ

﴿الشق الاول ﴾ ﴿ الما التركيب فشرطه ان يكون علماً بلا اضافة ولا اسنادٍ كبعلبكُ فعبد الله منصرف ومعديكرب غير منصرف وشابَ قَرْنَاهَا مَبَنِيٌ)

(۱) درج بالاعبارت كاتر جمه كرك واضح تشرح كرير (۲) يه بتا كي كه مندرجه ذيل كلمات كغير منصرف مون كياسباب بير ويشكر وسقو ومقاليد حديفه وارقم وظلات يغير منصرف مون كياسباب بير ويمطلوب بير و (۱) عبارت ندكوره كاتر جمه (خلاصة سوال) اس موال بين تين چيزي مطلوب بير و (۱) عبارت ندكوره كاتر جمه (۲) عبارت كي شرح و (۳) مندرجه ذيل كلمات كغير منصرف مون كاسباب و المناسب و المناس

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت مذكوره كاتر جمد ليكن تركيب بس اس كي شرط يه به وه بغيراضافت اوربغيراساد كعلم بو يجيد بعلبك بس عبدالله منصرف باور شاب قرناها مبن ب-

(۲) عبارت مذکورہ کی تشریح اس عبارت میں ترکیب کے غیر مضرف کا سب بنے کی شرائط کا ذکر ہے۔ ان شرائط کی ضرورت اس لیے محسوس ہوئی کہ جومطلق ترکیب ہے یعنی دویا زیادہ کلموں کو جوڑ کر حاصل ہوتی ہے وہ ایک عارضی چیز ہے۔ کمزور ہے۔ اور زوال پذیر ہے اور کمزور چیز غیر منصرف کا سب نہیں بن سکتی اس کوتوی کرنے کیلئے شرائط لگائی گئی ہیں۔ پہلی وجودی شرط ہو جہ کملم ہویہ شرط اس لیے لگائی تا کہ وہ تغیر ہے محفوظ ہوجائے۔ دوسری شرط عدمی ہے کہ ترکیب اضافی نہ ہو کیونکہ اضافت سے غیر منصرف منصرف ہوجاتا ہے یا منصرف کے تکم بیں ہوجاتا ہے تیسری عدمی شرط ترکیب اسنادی بغیر علیت ہوجاتا ہے تیسری عدمی شرط ترکیب اسنادی نغیر علیت کے سبب نہیں ہوتی اور جب عکم بنتی ہے تو بنی ہوجاتی ہے اور بنی غیر منصرف کی ضد ہے۔ کیونکہ غیر مصرف معرب کی تیم ہے وہ معرب جوہئی کی ضد ہے۔ لہذا بنی غیر منصرف کی ضد ہوا۔ پھر مصنف گئی منصرف معرب کی قبم ہے وہ معرب جوہئی کی ضد ہے۔ لہذا بنی غیر منصرف کی ضد ہوا۔ پھر مصنف گئی منصرف معرب کی تیم ہو جانے گی وجہ سے غیر منصرف کی ہیں بَعُلَبكُ ، منصرف معرب کی تیم کی دیا ہے جانے کی وجہ سے غیر منصرف کی ہیں بَعُلَبكُ ، مَعْدیدُکَرَبَ مِیلِی مثال بعل۔ بلد سے مرکب ہے۔ دوسری مَعُدیدُکَرَبَ میلی مثال بعل۔ بلد سے مرکب ہے۔ دوسری مَعُدیدُکَرَبَ میلی مثال بعل۔ بلد سے مرکب ہے۔ دوسری مَعُدیدُکَرَبَ میلی مثال بعل۔ بلد سے مرکب ہے۔ دوسری مَعُدیدُکَرَبَ میلی مثال بعل۔ بلد سے مرکب ہے۔ دوسری مَعُدیدُکَرَبَ میلی مثال بعل۔ بلد سے مرکب ہے۔ دوسری مَعُدیدُکَرَبَ میلی مثال بعل۔ بلد سے مرکب ہے۔ دوسری مَعُدیدُک کورب سے مرکب ہے۔

بغیر اضافت اور اسناد کے بیدونوں اجماعی مثالیں ہیں اور دو مثالیں شرائط نہ پانے کی وجہ سے گھ احتر ازی مثالیں ہیں۔(۱) عبداللّه والی مثال میں علم ہونے کے ساتھ بلااضافت والی شرط نہ پائی جانے کی وجہ سے منصرف ہے۔(۲) شَابَ قَدْ نَاهَا میں بلااسناد کی شرط نہ پائے جانے کی وجہ سے غیر منصرف ہونے کی بجائے بمنی ہے۔

(۳) مندرجہ ذیل کلمات کے غیر منصرف ہونے کے اسباب ۔ یَشُکُرُ۔ یہ آدی کا نام ہے۔ وزنِ فعل اور علیت کی وجہ سے غیر منصرف ہے۔ سَقَر ۔ یہ دوزخ کے ایک طبقہ کا نام ہے۔ اس میں تانیث معنوی اور علیت ہتا نیث معنوی کے غیر منصرف کا سبب بنے کیلئے ایک علیت شرط ہے۔ اور دوسری شرط ثلاثی متحرک الاوسط ہونا ہے۔ مَدَفَ الْیَدُ۔ اس میں غیر منصرف ہونے کا سبب جمع منتی الجموع ہے جودوسبوں کے قائمقام ہے۔ کہ ذَیفَ اُ ۔ اس میں تانیث لفظی رتانیث بالیاء) اور معرفہ ہے۔ اُرُقَہ ہُ۔ اس میں وزن فعل اور معرفہ کے۔ وزن فعل اور معرفہ کے۔ وہ سے غیر منصرف ہے۔

﴿الشق الثانى ﴾ (فان كان الفعل لفظا وجاز العطف يجوز فيه الوجهان النصب والرفع نحو جئت انا وزيداً وزيدٌ وان لم يجز العطف تعين النصب نحو جئت وزيداً وان كان الفعل معنى وجاز العطف تعين العطف نحومالزيد وعمرو وان لم يجز العطف تعين النصب نحو مالك وزيداً وما شانك وعمروا لان المعنى ماتصنع)

(۱) مذکورہ عبارت کا ترجمہ کر کے بے غبارتشریح کریں (۲) اور یہ بتا ئیں کہ عبارت میں مذکورہ مسئلے کا تعلق کس بحث سے ہے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں۔(۱) عبارت مذکورہ کا ترجمہ۔ (۲) عبارت کی بےغبارتشر کے۔(۳) مسئلہ مذکورہ کا تعلق کس بحث ہے ہے۔

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت كاتر جمه _ پس اگر فعل لفظى ہواور عطف جائز ہوتواس ميں دو وجہيں جائز ہون اس ميں دو وجہيں جائز ہون اس ميں او وجہيں جائز ہون اس ميں اور من جيسے جيئت أنسا و ديندا و ذيند اور اگر عطف جائز نہيں تو

Mes. Mordoress.co نصب متعین ہوگی۔جیسے جسٹنتُ وَ دَیْداَ (میں زید کے ساتھ آیا)اورا گرفعل معنوی ہواور عطف جائز موتو عطف متعين ب جيسے مالديدٍ و عَمْر و اورا كرعطف جائز نبيل تو نصب متعين موكى جيسے مَالكَ وزيداً ومَاشَانُكَ وعَمْرواً الله كم يَنول مثالول يسما كامعنى بم ماتصنعُ-

(۲) عبارت کی تشریح ۔اس عبارت میں مصنف ؓ نے مفعول معہ کے اعراب کی تفصیل کو بیان کیا ہے۔ چنانچے فرماتے ہیں کہ اگر مفعول معد کا عامل (فعل ناصب) لفظی ہواور واؤ کے مابعد کافعل کے معمول پرعطف جائز ہو یعنی عطف ہے کوئی مانع نہ ہوتو اس وقت مفعول معہ بر دو وجہیں جائز ہیں ایک تو نصب مفعولیت کی بنا پر اور دوسری رفع بوجہ عطف کے بیسے جسست اسا وريداً وزيدٌ اسمثال من مستن "فعل لفظى إورواؤك ابعد يعنى زيدكا" تُ" فلمير بارزمتصل يرعطف جائز ہےاس ليے كنمير منفصل كے ساتھاس كى تاكيدلائي كئى ہے۔جو كم عطف کے جواز کے لیے ضروری ہے۔ تو زید کو بنابر مفعول معد ہونے کے منصوب پڑھنا بھی جائز ہے۔ اور خمیر مرفوع بارز برغطف کرتے ہوئے مرفوع پڑھنا بھی جائز ہے۔ اور اگرمفعول معہ کافعل ناصب لفظی ہواور مفعول معہ (واؤ کے مابعد) کافعل کے معمول برعطف جائز نہ ہوتو بنا برمفعولیت کے نصب متعین ہوگی ۔ کیونکہ ضابطہ ہے کہ اسم ظاہر کاعطف ضمیر مرفوع متصل براس وقت جائز ہوتا بے جباس کی تاکیو خمیر مرفوع منفصل کے ساتھ ہورہی ہو۔ لہذا جسٹ ف و دیدا میں نصب متعین ہوگی اور زیرکو' نے ''ضمیر متکلم پر معطوف نہیں کریں گے۔

اگرمفعول معه کافعل ناصب معنوی ہو یعنی ایسافعل ہو جولفظوں میں موجود نہ ہولیکن لفظ کے معنی سے سمجھا جار باہواور واؤ کے مابعد کافعل کے معمول برعطف جائز ہوتو اس وقت عطف متعین ہوگالیعنی عطف ہے کوئی مانع نہ ہوتو اس دقت عطف متعین ہوگا تو اس دقت مفعول معہونے کی وجہ ف نصب جائز نه بوكى جيس مَالِدَيدِ وعمر و اسمثال مين عمر ومنصوب بنابر مفعول معدنه بوكا عمروزید پر معطوف ہونے کی وجہ ہے مجرور ہوگا۔ کیونکہ فعل معنوی ضعیف عامل ہے اور مخفی بھی ہے اورزید میں لام جارہ لفظوں میں عامل موجود ہے جوتوی ہے تو عامل لفظی اور توی کے ہوتے ہوئے ضعيف اورخفي كومل ديناجا ترنبيس لبندا عمر وريد برمعطوف موكر مجرور موكا

besturdubool^k

اورا گرفعل معنوی ہے لیکن واؤے مابعد کا فعل کے معمول پر عطف جائز نہ ہوتو اس وقت اصب متعین ہے منعول معنوی ہے لیکن واؤے مابعد کا فعل کے معمول پر عطف ویر گے کیونکہ اس کے بغیر فصب متعین ہے منعول معدہونے کی وجہ ساور عامل ضعیف مخفی کوئل ویں گے کیونکہ اس کے بغیر چارہ کا رضی ریز ناجائز ہے۔ کیونکہ قاعدہ ہے کہ شمیر مجرور پر عطف اس وقت جائز ہے جبکہ اس کے جارکا اعادہ ہو (خواہ وہ جار حرف جرجو یا مضاف ہو) چونکہ یہاں دونوں مثالوں میں جارکا اعادہ نہیں ہوا ہے۔ ہے اس لیے یہاں عطف ممتنع ہوا ہے۔

لان المعنى ماتصنع دارعبارت من مصنف خان مثانول مين فعل كم معنوى بوخ كي وجه بيان فرما لك به مالك و زيداً اور ماشانك و عمرواً مين مفعول معكا مامل فقطي نيس معنوى بهاس ليحك مااستفهاميه بهاوراستفهام اكثر فعل كابوتا به لبندااس معناس بهاجات كاتو مالك و زيداً كامعنى ماتصنع و زيداً اور مالشانك و عمرواً كامعنى ماتصنع و عمرواً اور مالزيد و عمرو كامعنى ماتصنع و عمرواً اور مالزيد و عمرو كامعنى ماتصنع و يداً و عمرواً اور مالزيد و عمرو كامعنى ماتصنع و يداً و عمرواً اور مالزيد و عمرو كامعنى ماتصنع و عمرواً اور مالزيد و عمروكا معنى ماتصنع و يداً و عمرواً اور مالزيد و عمروكاً عمروكاً معناً عمروكاً و عمروك

(۳) مسئلہ مذکور کا تعلق کس مسئلہ ہے ہے۔ مسئلہ مذکور کا تعلق مفعول معد کی بحث کے ساتھ ہے۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٥ه

﴿ الشق الأول ﴾ ﴿ وَعَظَفُ الْبَيَانِ تَابِعٌ غَيْرَ صِفَةٍ يُوْضِحُ مَتُبُوعَهُ وَهُوَ اللّٰهِ بَنْ عُمَرَ وَقَالَ عَبْدُ اللّٰهِ بَنْ عُمَرَ وَقَالَ عَبْدُ اللّٰهِ بَنْ عُمَرَ وَلَا اللّٰهِ اللّٰهِ بَنْ عُمَرَ وَلَا اللّٰهِ بَنْ عُمَرَ وَلَا اللّٰهِ بَنْ عُمَرَ وَلَا اللّٰهِ بَنْ عُمَرَ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ بَنْ عُمَرَ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ بَنْ عُمَرَ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ الللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهُ الللّٰهِ الللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ الللّٰهُ اللّٰهُ الللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰ الللّٰهُ الللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ الللّٰهُ اللّٰهُ الللّٰهُ الللّٰهُ اللّٰهُ الللّٰهُ الل

أنَّا أَبْنُ التَّارِكِ البِكُرِيِّ بِشُرٍ عَلَيْهِ الطَّيْرُ تَّرُقَبُهُ ` وُقُوْعًا

(۱) ندکورہ عبارت پراعراب لگا کرتشرت کریں۔ بدل اور عطف بیان کے درمیان لفظی اور معنوی فرق واضح کریں (۳) نیزیہ بتا تمیں کہ فی مثل قول الشاعر میں 'مثل' سے کیا مراد ہے۔ معنوی فرق واضح کریں (۳) نیزیہ بتا تمیں کہ فی مثل قول الشاعر میں 'مثل' سے کیا مراد ہے۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں جار امور مطلوب میں۔(۱) عبارت پر اعراب۔ (۲)عبارت کی تشریح_(۳) بدل اورعطف بیان کے درمیان لفظی معنوی فرق_(۴)مثل ہے مرادی چواپ کھ (۱) عبارت براعراب: کما مرکفی السوال انفا۔

را عبارت کی تشریح ۔ اس عبارت میں مصنف نے عطف بیان کی تعریف ذکر کی ہے۔ جس کا عاصل یہ ہے کہ عطف بیان وہ تابع ہے جوصفت نہ ہو (بلکہ اسم ہو) اورا پے متبوع کی وضاحت کر ہے اوروہ ٹی کے دونا موں میں ہے مشہور نام ہو۔ اس تعریف میں لفظ تابع مبنزلہ جنس کے ہار ہے وضاحت کر ہے اوروہ ٹی کے دونا موں میں ہے مشہور نام ہو۔ اس تعریف میں لفظ تابع مبتوعه " میں اس کے عطف بیان کے علاوہ باتی تمام تو ابع خارج ہوگئے ۔ کیونکہ وہ اسٹی شیعی کی وضاحت نہیں کرتے نیز صاحب مفصل کے بیان کے مطابق" و ھو اشھر اسمی شیکی " یہ بھی تعریف کا حصہ ہے کہ عطف بیان دونا موں میں ہے مشہور نام ہونا چا ہے۔ پھر مصنف نے نیس کی دومثالین ذکر فرمائیں ہیں بیبلی مثال نام کے شعر ہونے کی ہے اور دوسری مثال کنیت کے دیادہ مشہور ہونے کی ہے اور دوسری مثال کنیت کے زیادہ مشہور ہونے کی ہے اور دوسری مثال کنیت کے زیادہ مشہور ہونے کی ہے اور دوسری مثال کنیت کے زیادہ مشہور ہونے کی ہے اور دوسری مثال کنیت کے زیادہ مشہور ہونے کی ہے۔

(س) بدل اورعطف بیان کے درمیان لفظی اور معنوی فرق عطف بیان اور بدل میں معنوی فرق عطف بیان اور بدل میں معنوی فرق بیان مقسود ہوتا ہوا معنوی فرق بیان میں متبوع مقسود ہوتا ہوا دریاس کو بیان کرنے والا ہوتا ہے۔ بیفرق واضح تھااس لیے مصنف نے ذکر نہیں کیا۔ لفظی فرق ۔ بیفرق چونکہ فی تھااس کو مصنف نے اس شعر میں ذکر کیا ہے۔

انا ابن التارك البكري بشر الخ

شعر کی تشری کے بشعر کی تشریح سمجھنے ہے قبل ذراشعر کا ترجمہ دکھے لیس تا کہ تشریح بمجھنے میں آسانی ہو (میں بیٹا ہوں ایسے خص کا جوچھوڑنے والا ہے بکری بشر (بہادر) کواس حال میں کہاں پر پرندے واقع ہونے کا انظار کررہے ہیں لیعنی میراباپ اس قدر بہادر ہے کہ وہ بکری بشرجیسے بہادر شخص کو بھی اس طرح شکست فاش ویتا ہے کہ پرندے اس پر انتظار کررہے ہوتے ہیں کہ کس وقت اس کی روح پرواز کرے اور ہم اس کونوچیں)

اب تشریح کا حاصل یہ ہے کہ بشر البکری سے عطف بیان ہے اگر ہم اس کوعطف بیان نہ

بنائیں بلکہ بدل بنائیں اور البکری کومبدل منہ بنائیں تو پھراس میں ایک خرابی لازم آئیگی کونگہ فضا بط ہے کہ بدل تکرار عامل کے حکم میں ہوتا ہے لینی جو عامل مبدل منہ کا ہوتا ہے وہی عامل بدل کا بھی ہوتا ہے لہٰذا البارک جیسے البکری کی طرف مضاف ہے ای طرح پشر کی طرف بھی مضاف ہوگا تو تقدیرِ عبارت ہوگی المتساد ک بشر ۔ تو یہ ترکیب المضاد ب ذید کی مثل ہونے کی وجہ سے ناجائز ہے۔ بخلاف عطف بیان بنانے کے کہ اس میں عامل مکر زنہیں ہوتا اس وجہ سے وہ ترکیب حیجے ہوگی۔

(سم) مثل سے مرادیشل سے مرادیروہ ترکیب ہے جس میں عطف بیان کا متبوع معرف بالا م ہواوروہ متبوع کسی صفت معرف باللام کا مضاف الیہ ہوجیسے بیشعر ہے اس میں بشر عطف بیان ہے اور اس کا متبوع البکری معرف باللام ہے اور بیمتبوع البارک صفت معرف باللام کا مضاف الیہ ہے۔ باللام کا مضاف الیہ ہے۔

﴿ الشق الثانى ﴾ • • ﴿ وَاعْلَمْ أَنَهُ إِذَا أُرِيْدَ اِضَاءُةُ مُثَنَّى إِلَى الْمُثَنَّى لِلْمَ الْمُثَنَّى يَعْبَرْ عَنِ الْآوَلِ بِلَفظِ الْجَمُعِ كَقوْلِهِ تَعَالَى فَقَدْ صغت قا وَبُكْمًا وَفَاقُطَعُوا الْيُويَهُمَا لِكَرَاهَةِ اِجْتَمَاعِ التَّثُنِيَتَين فِيُمَا تَأَكَّدَ الْإِتِّصَالُ بَيْنَهُمَا لَفَظاً وَمَعْنَى)

(۱)عمارت پراعراب لگا کرتر جمه کیجیے۔ (۲)عمارت میں مذکورہ مسکے کا مطلب وضاحت کے ساتھ تحریر کیجیے؟ (۳) نیزمتنیٰ کی تعریف لکھنا نہ بھو لیے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چار امور مطلوب ہیں۔(۱) عبارت پر اعراب (۲)عبارت کا ترجمہ(۳) ذکورہ مسئلہ کا مطلب(۴) ثنیٰ کی تعریف۔

﴿ جوابِ ﴾ (١) أعراب - كما مر في السوال-

(۲) عبارت کا ترجمہ ۔ اور جان تو یہ بات کہ جب ارادہ کیا جائے مثنیہ کی اضافت کا تثنیہ کی اضافت کا تثنیہ کی طرف تعدد تثنیہ کی طرف تعدید کی اللہ تعدید کا اور فاقطعوا اید یکھ ما۔

(س) عبارت كامطلب عبارت كاحاصل بيرے كه جبكس تثنيه والے لفظ كى تثنيه

والے لفظ کی طرف اضافت کی جائے تو ایسی صورت میں پہلے تثنیہ والے لفظ کو تثنیہ کی بجائے جملی کے لفظ کے ساتھ تعلیم کے لفظ کے ساتھ تعبیر کیا جاتا ہے جیسے فقد صعت قلو بکما اور فاقطعوا اید یھما۔ان دونوں مثالوں میں کما اور ھما کی طرف تثنیہ کی اضافت کرتے وقت قلوب اور ایدی کوجمع کے ساتھ دکر کیا۔نہ کہ تثنیہ کے صیغہ کے ساتھ۔

(سم) منتی کی تعریف فی اسم ہے جس کے آخر میں حالت رفعی میں الف اور نون مسورہ ہواور حالت نصی اور جری میں یاء ماقبل مفتوح اور نون مکسورہ لاحق کیا گیاہوتا کہ دلالت کرے اس بات پر کہ اس جیسااور بھی اس کے ساتھ ہے۔ جیسے رَجُلَان - رَجُلَین -

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٥ه

﴿ الشق الأول ﴾ (۱) مفعول به كی تعریف كر كے مثال كے ذریعے واضح كريں۔ (۲) درج ذیل الفاظ كی جمع بنایئے اور ان میں سے ہرایک لفظ كومفعول بہ كے طور پر مناسب جملوں میں استعال تيجيے۔

القلم - الجبل - المجتهد - الزائر - الخبَّاز - السيّاره -الساعة

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں چار امر مطلوب ہیں۔(۱)مفعول به کی تعریف

(٢) مفعول به كي مثال (٣) ند كوره الفاظ كي جمع (٣) ند كوره الفاظ كوجملوں ميں استعمال كرنا۔

﴿ جواب ﴾ (ا_٢) مفعول به كى تعريف ومثال يمفعول بدوه اسم باس چيز كا جس پر فاعل كافعل واقع بوجيد ضَرَبَ ديدٌ عمر وآ-

(٣) نَهُ *وَرِهِ الْفَاظِ كَي جُعُ -* الْاقْلَامِ-الحِبَالُ- الـمُجُتَّهِدُونَ -الرَّائرون-الخَبَّازُون-السيّارات- السَّاعَات-

(٣) فَرُوره الْفَاظُ وَجِمَلُول مِين استعال كرين ـ (١) وَضَعُتُ الْـ قَلَمَ ـ (٣) رَأْيِتُ الْجَبَلَ ـ (٣) طَلَبُتُ الْمُجْنَهِدَ ـ (٣) لَقِيُتُ الرَّائِرَ ـ (۵) أُنُظُرُو الْخَبَّارَ ـ (٢) رَأْيِتُ السَّيّارةَ ـ اشتريتُ الساعةَ ـ الْخَبَّارَ ـ (٢) رَأْيِتُ السَّيّارةَ ـ اشتريتُ الساعةَ ـ

﴿الشق الثاني ﴾ امرك كتي بير امرك تنى قسي بي امر حاضر كس بنا --

مضارع حاضر سے امر حاضر بنانے کا کیا طریقہ ہے مثالوں کے ذریعہ وضاحت سے تحریر کریں۔ نیز درج ذیل افعالِ امر کومناسب جملوں میں استعال سیجیے۔

آخُرِجُ إِغُسِلًا ۚ آكُرِ مُوَّا لِجُلِسُ ۚ اِعُلَمُنَ ۖ أُسُكُتِي ۗ لِيَعْلَمُ -

(خلاصة سوال) اس سوال ميں پانچ امور مطلوب ہيں۔(۱) امر کی تعریف (۲) امر کی اقد میں استحال (۳) امر کی اقد میں استعال کرنا۔ ذیل افعال کوجملوں میں استعال کرنا۔

﴿ جواب ﴾ (۱) امر کی تعریف ۔ امر کا لغوی معنی ہے حکم کرنا اور اصطلاح صرف میں امر اس نعل کو کہتے ہیں جس میں کسی کام کا حکم دیا جائے ۔ جیسے اِضُدِ بُ۔

۲) امر کی اقسام:۔امر کی دونشمیں ہیں امرحاضرامرغائب۔ حاضر کوعکم کریں تو امر حاضر ہے۔غائب کوعکم کریں تو امرغائب ہے۔

(سام م) امر حاضر کا قاعدہ:۔امر حاضر معروف مضارع حاضر معروف ہے بنتا ہے۔ اس کے بنانے کا قاعدہ یہ ہے کہ مضارع حاضر معروف سے علامتِ مضارع تا کوگرادینے۔

کے بعد اگر پہلاح ف متحرک ہوتو آخرے ساکن کردوا گرحرف علت نہوجینے تُعَلِّمُ سے عَلِّمُ اور تَضَعُ سے ضَعُ-

اگر حرف علت ہوتواس كوگرادو _ جيسے تَقِیٰ سے قِ۔

اگر علامت مضارع دور کرنے کے بعد پہلاحرف ساکن رہتا ہے تو عین کلمہ کو دیکھو۔اگر مین کلمہ مفتوح ہے یا کمسور ہے تو ہمز ہُ وصل کمسور شروع میں لگا دو۔

اگر حمن علت نہ ہوجیے تَسْمَعُ سے اِسْمَعُ اور تَنْضُوبُ سے اِضُوبُ ۔اورا گرحرف علت ہوتو گرادو۔ جیسے تَرُمِیُ سے اَرْمِ اور تَخْشٰی سے اِخْشَ۔

اگر عین کلمہ مضموم ہے تو ہمزہ وصل مضموم شروع میں لگا دو۔ اگر حرف علت نہ ہو۔ جیسے تَنْصُدُ ہے اُنْصُدُ-اورا گرح ف علت ہوتو اس کو گرا دوجیے تَدُعُو سے اُدُعُ۔

(٥) جَمْلُول مِين استعال - آخر جُ زيداً مِنَ الدّارِ - اغْسِلَا ثِيَابَكُمَا - آكُرِمُهُا

آخَـاكُـمُ ـ لِجُـلِـسُ فِي الْـمَسُـجِدِ ـ إِعْلَمُنَ وَقُتَ التَّعُلِيْمِ ـ اُسُكُتِى ٱلْأَن ـ لِيَعْلَمُ رُيَدٌ عمرواً فَاضِلًا ـ

الورقة الخامسة في النحو ﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٤ه

﴿ الشق الأول ﴾ (أمَّا الْوَصُق فَلَا يَجُتَمِعُ مَعَ الْعَلَمِيَّةِ اَصُلاَ وَشَرُطُهُ أَنُ يَكُونَ وَصُفًا فِي اَصُلِ الْوَضُعِ فَاَسُوَدُ وَ اَرُقَمُ غَيْرُ مُنُصَرفٍ وَإِنُ صَارااسُمَيْنِ لِلْحَيَّةِ لِإصَالَتِهِمَا فِي الْوَصُفِيَّةِ وَاَرُبَعٍ فِي مَرَرُتُ بِنِسُوَةٍ اَرُبَعِ مُنُصَرِفٌ مَعَ اَنَّهُ صِفَةٌ وَوَرُنُ الْفِعُلِ لِعَدُمِ الْإصَالَةِ فِي الْوَصُفِيَّةِ)

(۱)عبارت پراعراب لگا کرواضح تشریح کریں (۲) غیر منصرف کی تعریف وحکم لکھنانہ بھو لیے۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں چار امور مطلوب ہیں (۱)عبارت پر اعراب (۲)عبارت کی تشریح (۳)غیر منصرف کی تعریف (۴)غیر منصرف کا تکم۔

﴿ جوابِ ﴾ [1) عبارت براعراب حكما مرّ في السوال-

وصف کو بیان فرمارے ہیں کہ وصف اور علیت ایک ہی اسم میں اکھے ہوکراس کو غیر منصرف بنادیں وصف کو بیان فرمارے ہیں کہ وصف اور علیت ایک ہی اسم میں اکھے ہوکراس کو غیر منصرف بنادیں ایسانہیں ہوسکتا۔ اس لیے کہ بدآ پس میں دونوں ایک دوسرے کی ضد ہیں۔ آگے وصف کے مؤثر ہوئی جبداس کلمہ کو واضع نے وضع ہی وصفیت کیلئے ہونے کی شرط کو یان فرمایا کہ بداس وقت موثر ہوگی جبداس کلمہ کو واضع نے وضع ہی وصفیت کیلئے ہے۔ اس وجہ سے بدغیر منصرف ہیں۔ اگر چہ بعد میں یہ چتکبرے اور سیاہ سانپ کے ساتھ فاص ہوگئے ہیں۔ اور لفظ اور بسم جو کہ مدرت بنسو ق اربع میں واقع ہے بیاگر چہ معنی وضنی پر دلالت کر رہا ہے' مگراس کی اصل وضع مصدرت بنسو ق اربع میں واقع ہے بیاگر چہ معنی وضنی پر دلالت کر رہا ہے' مگراس کی اصل وضع وصف کیلئے نہیں ہے۔ اس وجہ سے بیمنصرف ہے۔

(س) غیر منصرف کی تعریف ۔ غیر منصرف وہ اسم ہے جسمیں اسبابِ منع صرف میں ہے دوسبب یاانک ایباسبب پایا جائے جود واسباب کے قائمقام ہو۔ جیسے مُر اسمیس دوسب عدل وعلم پائے جاتے ہیں اور تمراء میں ایک سب تانیٹ بالالف الممد ودہ ہے جودوا سباب کے قائمقام ہے۔ (۴) غیر منصرف کا حکم نے غیر منصرف کا حکم یہ ہے کہ اسپر کسر ہ اور تنوین داخل نہیں ہو سکتے۔

﴿ الشق الثانى ﴾ • • • • • وَاعُلَمْ أَنَّ لَهُمُ قِسْمًا آخَرَ مِنَ الْمُبْتَدَأَ لَيُسَ مُسُنَدًا اللّهِ وَهُوَ صِفَةٌ وَقَعَتُ بَعُدَ حَرْفِ النَّفِي نَحُو مَاقَائِمٌ زَيُدٌ اَوُبَعُدَ حَرُفِ النَّفي نَحُو مَاقَائِمٌ زَيُدٌ اَوُبَعُدَ حَرُفِ الْاَسْتِفُهَامِ نَحُو اَقَائِمٌ رَيُدٌ بِشَرُطِ اَنْ تَرُفَعَ تَلِكَ الصِّفَةُ إِسُمًا ظَاهِرًا نَحُو مَاقَائِمُ اللَّيْدَان وَاقَائِمُ الذَّيُدَان وَاقَائِمُ الذَّيُدَان بَخِلَافِ مَاقَائِمُان الذَّيُدَان)

(۱) عبارت پر اعراب لگائیں۔ (۲) عبارت مذکورہ کی روشنی میں مبتدا کی قسم ٹانی کی تعریف اورشرائط وضاحت کے ساتھ تحریر کریں۔ نیز مثالوں کی ترکیب کھیں۔

خلاصئر سوال) اس سوال میں چارامور مطلوب ہیں (۱) عبارت پراعراب(۲) مبتدا کی قسم ثانی کی تعریف (۳) مبتدا کی قسم ثانی کی شرا لطًا (۴) امثلہ کی ترکیب۔

﴿ جوابِ ﴾ (۱) عبارت يراعراب - كمامر في السوال-

(۲) مبتدا کی قسم ثانی کی تعریف: مبتدا کی قسم ثانی ہروہ صفت کا صیغہ ہے جو سند الیہ نہ ہوا<u>در حرف نفی یا حرف استفہام کے بعد واقع</u> ہواور مابعد والے اسم کور فع دے۔

(۳) مبتدا کی قسم نانی کی شرا کط نه ندوره تعریف سے چار شرا کط معلوم ہوئیں۔
(۱) مبتدا صفت کا صیغہ ہوا ہم نہ ہو(۲) مند ہو مندالیہ نہ ہو(۳) حرف نفی یا استفہام کے بعد واقع ہو(۴) مابعد والے اسم ظاہر کو دفع و ۔ یعنی اس کا فاعل اسم ظاہر ہو ضمیر نہ ہو۔ جیسے ماقائم ذید ۔ ماقائم الزیدان ۔ اگران چار شرا کط میں صاقائم ذید ۔ ماقائم الزیدان ۔ اگران چارشرا کط میں سے کوئی شرط نہ پائی جائے تو وہ مبتد انہیں بن سکتا۔ جیسے ماقدائمان الزیدان یہاں سیغہ صفت اسم ظاہر کی بجائے ضمیر کور فع دینے کی وجہ سے مبتدا کی قسم نانی نہیں بن سکتا۔

(٣) امثله کی ترکیب ماقائم زید ما حرف فی قائم صیعه اسم فاعل زید اس کا فاعل اسر کید اس کا فاعل اسر کلی اسر کا فاعل اسر کلرشید جمله موار

ماقائم الزيدان ما حرف في قَائمٌ اسم فاعل الزيدانِ اس كاقاعل اسم فاعل النيدانِ اس كاقاعل اسم فاعل الني فاعل الني فاعل سي ملكرش جمله بوا

اقسائم زيدٌ أَ بمزه استفهام قسائم صيغه اسم فاعل ريد اس كا فاعل اسم فاعل اين فاعل المنطقة والمستفهام

اَقَائم الزيدان أَ استقهام قائم اسم فاعل زيدان اس كافاعل اسم فاعل يخ فاعل على الله الما الله الله الله الله الم

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٤ ه

﴿الشق الأول﴾ (الثالث مااضمر عامله على شريطة التفسير وهو كل اسم بعده فعل اوشبهه يشتغل ذلك الفعل عن ذلك الاسم بضميره اومتعلقه بحيث لوسلط عليه هواومناسبه لنصبه نحوزيدا ضربته)

(۱)عبارت کا ترجمہ کر کے مکمل تشریح کریں (۲) یہ بتا کیں کہ اس عبارت کا تعلق کس بحث ہے ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں تين امور مطلوب بيں (۱) عبارت كاتر جمہ (۲) عبارت كي تشریح (۳) عبارت كاتعلق كس مئلدہ ہے۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمہ ۔تیسرامقام وہ اسم ہے کہ چھپادیا گیا ہواس کاعالل تفییر کی شرط پراوروہ تعبرامقام ہروہ اسم ہے کہ اس کے بعد فعل یا شبه فعل ہواوروہ فعل اعراض کر رہا ہو اس اسم سے اس کی ضمیریا اس کے متعلق میں عمل کرنے کیوجہ سے۔ بایں طور کہ اگر مسلط کر دیا جائے اس فعل کویا اس کے کسی مناسب کواس اسم پرتووہ اس کونصب دیدے جیسے ریدا ضوریتہ ہے۔

(۲) عبارت کی تشریح ۔ مفعول بہ کے فعل کوجن چارجگد پر حذف کرناواجب ہےان مقامات میں سے تیسر ہے مقام کا ذکر ہے کہوہ اسم جس کے بعد فعل یا شبہ فعل یعنی اسم فاعل یا اسم مفعول ہواوروہ فعل یا شبہ فعل اس اسم مذکور کی ضمیر میں عمل کرنے کیوجہ سے خوداس اسم میں عمل نہ کرر ہاہو۔ بایں طور کہ اگر اس فعل یا شبہ فعل یا اس کے کسی مناسب کو ضمیر کی بجائے خوداس اسم پر مسلط کردیا جائے یعنی اس اسم سے پہلے ذکر کردیا جائے تو وہ فعل یا شبہ فعل اس اسم کو بھی نصب ہی تھی کا مسلسلسلسلی وے جیسے زیدا ضربتہ میں ضربت کو ہضمیر کی بجائے زیداً سے پہلے ذکر کردیا جائے تو وہ زیداً کونصب ہی دیگاس وجہ سے زیداً کے فعل کو حذف کردیا۔

> (۳) عبارت کا تعلق کس مسئلہ ہے ہے:۔ مذکورہ تشریح ہے یہ بھی معلوم ہو گیا کہ اس عبارت کا تعلق مفعول بہ کے فعل کوحذ ف کرنے کے وجو بی مقامات کی بحث ہے ہے۔

> ﴿الشق الثانى ﴾ (واعلم ان المعطوف فى حكم المعطوف عليه اعنى اذاكان الاول صفة لشيئى او خبرا لامرا وصلة او حالا فالثانى كذلك ايضا والضابطة فيه انه حيث يجوز ان يقام المعطوف مقام المعطوف عليه حاز العطف وحيث لا فلا)

(۱)عبارت کا ترجمہ کریں (۲)عبارت کی تشریح کرتے ہوئے اس میں مذکورہ ضابطہ کی وضاحت مثال سے کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) عبارت کا ترجمہ ۔ (۲)عبارت کی تشریح (۳)عبارت میں مذکورہ ضابطہ کی وضاحت بالمثال۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کا ترجمه - اورجان تویه که معطوف معطوف علیه کے عظم میں ہوتا ہے ۔ یعنی جب اول کسی چیز کی صفت ہویا کسی امر کی خبر ہویا صله یا حال ہوتو ثانی بھی ای طرح ہوگا۔ اور ضابطه اس میں بیر ہے کہ جس وقت جائز ہو معطوف کو معطوف علیہ کے قائم مقام بنانا تو عطف جائز نہ ہوگا۔

(۲) عبارت کی تشریح ۔ اس عبارت میں معطوف کے بارے میں بتاارہے ہیں کہ معطوف معطوف معطوف علیہ کے عبارت میں بتاارہے ہیں کہ معطوف معطوف علیہ کے حکم میں ہوتا ہے یعنی اگر معطوف علیہ کسی چیز کی صفت ہے یا کسی دوالحال کا حال ہے تو معطوف بھی وہی ہوگا۔ جیسے ذیر ہے یا کسی معطوف بھی وہی ہوگا۔ جیسے ذیر دعالم و فاضل میں عالم خرہے وفاضل بھی خبرہے جاء نسی ذید العالم و الفاصل میں العالم صفت ہے۔

ومال عطف بھی درست نہ ہوگا۔

س عبارت میں فركورہ ضابطه كى وضاحت بالمثال اس عبارت میں عطف كے جواز وعدم جوازكا ضابطہ بيان فرايا كه جس جگه پر معطوف كو معطوف عليه كے قائم مقام بنانا ورست نه جائز ہوگا اور جہال معطوف كو معطوف عليه كے قائم مقام بنانا درست ہوگا وہاں عطف بھى درست نه ہوگا جيے زيد عالم وفاضل ميں فاضل كو عالم كا قائم مقام بنانا درست ہوگا وہاں وجہ سے يہاں عطف بھى درست ہے۔ اور جہال اس فحرح قائم مقام بنانا درست نه ہوگا

﴿السوال الثالث ﴾ ١٤٢٤ ه

﴿الشق الأول﴾ ﴿ صروف الجرِّ حروف وضعت لافضاء الفعل اوشبهه او معنى الفعل الى ماتليه نحو مررت بزيد وانا ماربزيد وهذا فى الدارابوك)

(عبارت کاتر جمه کر کے تشریح کریں (۲) آخری دومثالوں کی ترکیب لکھیں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) عبارت کی تشریح (۳) آخری دومثالوں کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت كا ترجمه : حروف جروه حروف بیں جووضع كيے گئے ہوں . فعل ياش فعل يام عن فعل كواس چيز تك پنجانے كيليے جوان سے للى ہوئى ہو۔ بيسے مسردت بزيد -انيا مار بزيد - هذا في الدار ابوك -

ر ا) عبارت کی تشریح اس عبارت میں حروف جری تعریف بیان کی ہے کہ حروف جر وف جر کی تعریف بیان کی ہے کہ حروف جر وف جر وف جی جو وہ حروف جی جو فعل یا شبغل یا معنی فعل کو تھنچ کرا ہے مدخول تک پہنچانے کیلئے وضع کے گئے ہوں لیعنی وہ ا کئے آپس میں ملئے کو واضح کریں جیسے مردت بزید فعل کی مثال ہے انیا ماد بزید شبه فعل کی مثال ہے ۔ ان امثلہ میں سے اول اور تانی میں باء نے مرورکوزید کے ساتھ ملادیا ورتیسری مثال میں فی نے هذا کو الداد کے ساتھ ملادیا۔ میں باء نے مرورکوزید کے ساتھ ملادیا۔ انسا صرورکوزید کے ساتھ ملادیا۔ انسا مساد بزید - انسا ضمیر مبتدا مار تی صیف کہ

اسم فاعل ھوشمیر فاعل بسآجارہ زیدہ جمرور جار بحرور ملکر متعلق ہوا مار کے۔اسم فاعل اپنے فاعل وی متعلق سے ملکر شہد جملہ ہوکر خبر۔مبتداا بنی خبر سے ملکر جملہ اسمین خبر میہ وا۔

هذا فی الدار ابوك هذا اسم اشاره بمعنی اشیر فعل کے۔ اشیر فعل اسمین اناضمیر مشتر اس كافاعل فی جاره الدار مجرور جار بحرور ملكر متعلق به واقعل كے فعل اسپنے فاعل و متعلق ملكر ملكر فعل يخريد به وارد الدوك مضاف ومضاف اليد لمكر خرمبتدا خرملكر جمله اسمي خريد بوا۔

﴿ الشق الثانى ﴾ (ولاتزادمن في الكلام الموجب خلافا للكوفيين واما قولهم قد كان من مطروشبهه فمتاؤل)

(۱)عبارت کا ترجمہ ومطلب وضاحت کے ساتھ تحریر کریں (۲) کلام موجب کی تعریف کریں۔ قد کان من مطل کی تاویل واضح طور پر *لکھی*ں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں جارامور مطلوب بيں (۱) عبارت كاتر جمه (۲) عبارت كامطلب (۳) كلام موجب كى تعريف (۴) قد كان من مطركى تاويل ـ

﴿ جواب ﴾ (1) عبارت كالترجمة - اورنبيس ذائد كياجا تالفظ مِن كلامٍ موجب ميس خلاف ہے بيكوفيوں كے اور بهر حال ا نكاقول قد كان من مطر اوراسكي مثل تاويل شدہ ہے۔

کام غیرموجب میں لفظ مِن کے زائدہ ہونے پر اتفاق ہوگر کام عبارت کا مطلب ایکام غیرموجب میں لفظ مِن کے زائدہ ہونے پر اتفاق ہے مگر کلام موجب میں مِن زائدہ نہیں ہوتا اور کوفیوں کے نزدیک اس میں بھی زائد ہوتا ہے۔ اور انکی دلیل یہی قد کان من مطر والاقول ہے کہ یہ قول اہل عرب میں مستعمل ہے کلام موجب ہے اور من زائدہ ہے قومصف نے اس کا جواب دیا کہ یہ قول تاویل شدہ ہے اس کودلیل بنانا درست نہیں ہے۔

(٣) کلام موجب کی تعریف نظام موجب وه وه کلام ہے جس میں نفی نہی استفہام نہ ہو۔
(٣) قلد کیان من مطر کی تاویل نے (۱) یہ من تبیید ہے زائدہ نہیں اصل میں تقا
قد کان شیع فی مُطَوِ (۲) یہ من تعیفیہ ہے مِنْ بعض کے معنی میں ہے ای قد کان
بعض مَطَوِ مِن ُ زائدہ نہیں (۳) یہ حکایت واقع ہے کہ سائل نے سوال کیا ھل کان من مطر

تو مجيب نے جواب دے ديا قد كان من مطر

الورقة الخامسة في النحو

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٤ ه ضمني

﴿ الشق الأول ﴾معرب بن اعراب محل اعراب اورعال كي تعريف كر كے ہر ايك كومثال سے واضح كريں۔

(خلاصة سوال)اس وال مين دوامور مطلوب بين (١) تعاريف (٢) امثله

﴿ الشق الشانسي ﴾جمع ند کرسالم اورجمع مؤنث سالم کے اعراب کومثالوں کے ساتھ ککھیں۔ نیز اساءِ ستہ مکمر ہ کی تعریف اوراعراب مثالوں کے ذریعہ واضح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں پانچ امور مطلوب بيں (۱) جمع خرسالم كا اعراب مع امثله (۲) جمع مؤنث سالم كا اعراب مع امثله (۳) اساء سته مكبر هى تعریف (۳) ان كا اعراب (۵) امثله وي عرب امثله اسل الم كا اعراب مع امثله اسكى حالت وقع ميں واؤ ماقبل مضموم حالت نصى وجرى ميں ياء ماقبل مكور بوتى ہے جسے جستاء نسى مسلم أن ورأيست مسلم يُن وردت بمسلم يُن و

كايحو

(٢) جمع موّنث سالم كاعراب مع امثله: _اسكى حالت رفعي ميں ضمه اور حالت نصى

وجرى مين كره بوتا عص جاء نى مسلمات رأيت مسلمات مررت بمسلمات.

(۳) اسماءِ ستہ مکبرہ کی تعریف ۔۔وہ چھاساء جن میں چار شرائط ہوں (۱) مکبرہ ہوں مصغرہ نہ ہوں (۲) واحد ہوں مثنیہ جمع نہ ہوں (۳) مضاف ہوں غیر مضاف نہ ہوں (۴) یاءِ متکلم کے ماسواء کی طرف مضاف ہوں۔

م <u>۵ می) اعراب وامثلہ</u> حالتِ رفعی داؤکے ساتھ۔ حالتِ نصی الف کے ساتھ۔ حالتِ جری یاء کے ساتھ۔ جیسے جاء نبی ابوك رأیت اباك مردت بِأبيدكَ.

فوائد قیود: اگر بیااء مکبره نه بهول مصغره بول تو انکا اعراب جاری مجری صخی والا بهوگا ۔ یعنی حالتِ رفی صمدے ماتھ ۔ حالت نصی فتی کے ماتھ ۔ حالتِ جری کسره کے ماتھ ۔ جیسے جاء نبی اُخی دایت اُخی بیا ۔ مَرَدُت بِاُخی اوراگر بیاساء مفرد نه بهول تثنیه بهول تو شنیه والا اعراب جاری بوگا یعنی حالتِ رفعی الف کے ماتھ حالتِ نصی وجری یاء ماقبل مفتوح کے ماتھ جاء نبی اخوان در أیت اخوین ۔ مررت باخوین اوراگر بیاساء مفرد نه بول به محل مول تو جمع مکسر منصر ف والا اعراب جاری بوگا یعنی حالتِ رفعی ضمد کے ماتھ ۔ حالتِ نصی فتی کے ماتھ ۔ حالتِ نصی فتی کے ماتھ ۔ حالتِ نصی فتی کے ماتھ ۔ حالتِ بھی نبی مند کورہ اعراب جاری بوگا یعنی حالت رأیت آباء مردت بآبیاءِ ۔ اوراگر بیاساء مضاف نه بهول تو بھی کہی مذکورہ اعراب آئے گا جیسے جاء نبی اُن رأیت آباء ۔ مدرت اساء مضاف نه بهول تو بھی کے ماتھ جساء نبی اُن رأیت ابا ۔ مدرت بناب ۔ اوراگر بیاساء یاء منگم کی طرف مضاف بول تو غلامی والا اعراب جاری بوگا یعنی حالتِ رفعی ضمہ تقدیری کے ماتھ جسے جساء نبی مدرت بنابی ۔ دفعی ابی مردت بنابی ۔ دفعی خباء نبی در آیت آبی مردت بنابی۔ حال میں در آیت آبی مردت بنابی۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٤ ه ضمني

﴿ الشق الاول ﴾ ﴿ وجمع التكسيس كالمؤنث الغيرا لحقيقى) عبارت مذكوره كا مطلب بيان كرين أورية تائين كه فاعل في فعل كوكن صورتون مين مذكريا مؤنث لا باجا تا بادركن صورتون مين مذكريوتانيث دونون جائزين _

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوامر مطلوب ہیں (۱) عبارت کا مطلب (۲) فعل کو فد کرومؤنث لانے کی صورتیں۔

جواب ﴾ (ا) عبارت كا مطلب _ اگرفتل كا فاعل جمع تكسيروا قع بوخواه مظهر بويا مضم بواسك فعل كو ند كردم و نث لا نے ميں وہى قاعدہ ہے جو فاعل كے مؤنث غير حقيقى بونے كى صورت ميں ہے _ يعنى اگر فاعل جمع تكسير مضم بوتو فعل كوم و نث اور فاعل كے مطابق دونوں طرح لا كتے ہيں جيسے السر جال قامت و الر جال قاموا - اوراگر فاعل جمع تكسير مظهر بواور فعل فاعل ميں فاصلہ بویا نہ ہو بہر صورت اس فعل كو ند كروم و نث دونوں طرح لا كتے ہيں جيسے قسل ميں فاصلہ بویانہ ہو ابر حال ۔ قام الرجال ۔ قامت الرجال ۔ قامت الرجال ۔

(۲) فعل کو مذکر ومونت لانے کی صور تیں ۔ تین صور توں میں فاعل کے فعل کو مونت لاناواجب ہے۔ (۱) فاعل مونت حقیق مظہر ہواور فعل فاعل کے درمیان فاصلہ نہ ہوجیسے قسامت ھند (۲) فاعل مونت حقیق مضم ہوجیسے ھندھامت (۳) فاعل مونت غیر حقیق مضم ہوجیسے ھندھامت (۳) فاعل مونت غیر حقیق مضم ہوجیسے الشمسس کورت جیصور تول میں فاعل کے فعل کے ذکر ومونت دونوں طرح لاناجائز ہرا) فاعل مونت حقیقی مظہر ہواور فعل فاعل کے درمیان فاصلہ ہوجیسے ضرب الیوم ھند۔ طلع الیوم ھند۔ (۲) فاعل مونت غیر حقیقی مظہر ہواور فعل فاعل کے درمیان فاصلہ ہوجیسے طلع الیوم شمس طلعت الیوم شمس سامت الیوم شمس طلعت الشمس طلعت الشمس طلعت الشمس علی کے درمیان فاصلہ ہوجیسے کے درمیان فاصلہ ہوجیسے کے درمیان فاصلہ ہوجیسے طلع الشمس طلعت الشمس طلعت الشمس کے درمیان فاصلہ ہواور فعل فاعل کے درمیان فاصلہ ہوجیسے قیام الرجال قامت الرجال قامت الرجال قامت الرجال قام الرجال۔

﴿ المشـق الثـانـى ﴾مبتدا كى السم اول و ثانى كى تعريف مثالوں كے ساتھ لكھيں اور دونوں كے درميان فرق واضح كريں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين تين امور مطلوب بين (١) مبتدا كقسم اول كي تعريف و

مثال (۲) مبتدا کی تسم ٹائی کی تعریف ومثال (۳) دونوں قسموں کے درمیان فرق۔ مثال (۲) مبتدا کی تصویر اس کی تاریخیاں

﴿ جواب ﴾ (1) قسم اول کی تعریف ومثال مبتدا ہروہ اسم ہے جوعوامل لفظیہ ہے خالی ہواورمندالیہ ہواس ہے تین شرطیں معلوم ہوئیں (1) مبتدااسم ہوگافعل یاحرف نہیں ہوگا

(٢) عواملِ لفظيه سے خالی ہوگا۔ (٣) منداليہ ہوگا۔ مندنہ ہوگا۔ جينے ديد جو ديد عالم

میں واقع ہے اسمیں تینوں شرطیں موجود ہیں اس وجہ سے بیمبتدا ہے۔

(٢) مبتدا كي تسم ثانى كي تعريف ومثال: - كمهامر في الشق الثاني من السوال الاول ٢٤٢ه-

(س) دونوں قسموں کے درمیان فرق بیمبندا کی سمِ اول وٹانی میں تین فرق بیان کے جاتے ہیں۔

(۱) مبتدا کی سم اول معمول ہےاور قسم ٹانی عامل ہے۔

(٢) مبتدا كي قسم اول منداليه ہوتی ہےاو قسمِ ٹانی مند ہوتی ہے۔

(٣) مبتدا كي ميم اول كاعامل معنوى موتائ اوقسم ثاني خودعال بـ

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٤ ه ضمني

﴿ الشق الأول ﴾ (وَإِنُ وَقَعَ الْخَبُرُ بَعُدَ إِلَّا نَـحُوْ مَازِيُدٌ إِلَّا قَائِمٌ اللَّهُ اللَّهُ الْكَبُرُ بَعُدَ إِلَّا فَائِمٌ اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ مَا اللّهُ مَا اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مُلَّا اللَّهُ مَا مُنْ اللَّهُ مِنْ مُنْ مُنْ مُنْ مُنْ اللَّهُ مِنْ مُنْ اللَّهُ مَا مُ

عبارت پراعراب لگا کرتر جمہ ومطلب بیان کریں اور بیبتا کیں کہ عبارت میں ندکورمسکلہ کا تعلق کس بحث سے ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال میں جار امور مطلوب میں (۱) عبارت پر اعراب (۲) عبارت کا ترجمہ(۳) عبارت کا مطلب (۴) ندکورہ مسئلہ کا تعلق کس بحث ہے۔ ﴿ جُوابِ ﴾ (۱) عبارت براعراب حکمامر فی السوال آنِفّا۔

(٢) عبارت كالرجمة : اوراكرواقع موفرالا كے بعد جيے ما زيد الاقسائم يافر

مقدم ہوجائے اسم پرجیسے ماقائم زید یازائدہوجائے لفظ اِن ماکے بعد جیسے ما اِن زید قائم توعمل باطل ہوجائے گا۔

سا) عبارت کا مطلب : اس عبارت میں ماولا شہبتین بلیس کی خرکے اعراب کا بیان ہے۔ اولاً یہ بات معلوم ہونی جا ہے کہ ماولا شہبتین بلیس کے مل کے بارے میں اہل جازاور ہوئتم یم کا اختلاف ہے۔ بوقیم توان کو مل نہیں دیتے ان کے ہاں ماولا کی خبر مرفوع ہی ہوتی ہے ابتداء عامل کی وجہ سے ۔ اور اہل حجاز ان کو مل دیتے ہیں ان کے زد یک ماولا کے بعد دواسموں میں سے پہلا اسم ماولا کا اسم ہونے کی وجہ سے مرفوع ہوگا۔ اور دوسرااسم ماولا کی خبر ہونے کی بنا پر منصوب ہوگا۔

عبارت مذکورہ میں یہ بیان کیا گیا ہے کہ تین صورتیں ایس کہ ان میں اہل حجاز کے نزد یک بھی ماولا کاعمل باطل ہوجا تا ہے۔

_جبان كى خر إلا كي بعدواقع موجائ جيس ماديدٌ إلا قائمٌ

٢ جب ماولا كى خران كاسم برمقدم بوجائد ماقائم زيدً

"ماك بعدلفظ إن (بكسرالهزه) كوزائدكيا كيامو- مَاإِنُ زيدٌ قالمُ

(سم) مسئله مذکوره کاتعلق ۔اس مسئلہ کاتعلق مَاولا کے ممل کی بحث کے ساتھ ہے۔

﴿ الشَّقِ الثَّانِي ﴾ --- (وَإِذَا عُطِفَ عَلَى الضَّمِيْرِ الْمَرُفُوعِ الْمُتَّصِلِ يَجِبُ تَلْكِيدُهُ بِالضَّمِيْرِ الْمُنُفَصِلِ نَحُو ضَرَبُتُ آنَا وَرْيُدٌ إِلَّا إِذَا فُصِّلَ نَحُوُ ضَرَبُتُ آنَا وَرْيُدٌ إِلَّا إِذَا فُصِّلَ نَحُو ضَرَبُتُ الْيَوْمَ وَرْيُدٌ)

عبارت پراعراب لگا کرتر جمہ ومطلب بیان کریں نیز عبارت میں ذکر کردہ قیود کے فوائد لکھنانہ بھولیے۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں چار امور مطلوب ہیں (۱) عبارت پر اعراب (۲)عبارت کاتر جمہ(۳)عبارت کا مطلب(۴) قیودات کے فوائد۔

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت يراعراب - كمامر في السوال أنفا-

(٢) عبارت كاترجمة: داور جبعطف كياجائ ضمير مرفوع متصل يرتو واجب ب

مِارُ بِ جِي انا وزيد ذاهبان-

اس کی تاکیدلا ناصمیر مرفوع منفصل کے ساتھ جیسے ضربت انا وزید ۔ مگر جب کہ صمیر مرفوع کی است متصل اور اس کے معطوف کے درمیان فصل واقع ہوجائے جیسے ضربت الیوم و زید ۔

رسم عبارت کا مطلب اس عبارت میں عطف کے بارے میں ایک ضابطہ بیان کیا ہے وہ یہ کہ جب ضمیر مرفوع متصل پر کی اسم کا عطف کرنا مقصود ہوتو پہلے خمیر مرفوع متصل کی صفیر مرفوع متصل کی ساتھ تاکید لائیں گے اس کے بعد اس پر عطف کریں گے جیسے ضربت انسا وزید اورا گرخمیر مرفوع متصل اور اس کے معطوف کے درمیان کی اور لفظ کے آنے کیوجہ سے فصل واقع ہوگیا ہے تو چر بغیر تاکید کے اسپر عطف کرنا جائز ہے جیسے ضربت المیوم وزید مصل واقع ہوگیا ہے تو چر بغیر تاکید کے اسپر عطف کرنا جائز ہے جیسے ضربت المیوم وزید ۔ (۲) فواکد قیود اس ضابطہ میں دوقیود ہیں (۱) مرفوع (۲) متصل مرفوع کہ کر مضوب ومجرور سے احتر از ہے کہ ان پر بغیر تاکید کے عطف جائز ہے جیسے ضربت کو وزید ا

الورقة الخامسه في النحو ﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٣ هـ

﴿ الشق الاول ﴾غیر منصرف کی تعریف اوراس کا تکم بیان کریں۔ نیز اسبابِ منع صرف میں مؤثر ہونے صرف میں مؤثر ہونے کی شرائط ذکر کرتے ہوئے مثالوں سے واضح کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) غیر منصرف کی تعریف وحکم (۲) تانیٹ کی اقسام (۳) اقسام تانیٹ <u>کے منع</u>صرف میں مؤثر ہونے کی شرائط وامثلہ۔

﴿ جواب ﴾ (١) غير منصرف كى تعريف وتكم - كمامر في الشق الاول من السوال الاول ٢٤١ه -

ر ۲) تا نیث کی اقسام: تا نیث کی چاراقسام بین (۱) گفظی (۲) معنوی (۳) بالالف المقصوره (۳) بالالف الممد وده - (س) اقسام تا نیث کے منع صرف میں موثر ہونے کی شرا لط وا مثلہ: ۔تانیث لفظی کیلئے علیت شرط ہے بینی جس اسم میں تانیث لفظی ہوگی اس میں دوسرا سب علیت والا پایا جائے گاتو وہ اسم غیر منصرف ہوگا وگر نہیں جسے جساء نسی طلحة ۔اور تانیث معنوی کیلئے دوشرطیں بیں (۱) علیت (۲) وہ اسم ثلاثی متحرک الاوسط ہوجیتے سَدَقَدَ یاز اندعلی الثلاث ہوجیتے زیدند۔ اگر ثلاثی ساکن الاوسط ہے تو پھروہ مجمی ہوجیتے مَداة وَجُودً گویادوسری شرط کی تین شقوں میں سے کی ایک شق کا پایا جانا ضروری ہے۔اور تانیث بالالف المقصورہ والممدودہ بغیر کی شرط کے منع صرف میں موثر ہیں اور بدایک سبب ہی دو کے قائم مقام ہے جیسے کہ بلی۔ حمداء۔

﴿الشق الثانى ﴾ (اَلتَّانِى التَّحَذِيُرُ وَهُوَ مَعُمُولٌ بِتَقَدِيرِ اِتَّقِ تَحَذِيُرًا مِمَّا بَعُدَهُ نَحُوايًّاكَ وَالْاَسَدَ اَصُلُهُ اِتَّقِكَ وَالْاَسَدَ اَوُذُكِرَ الْمُحَذَّرُمِنُهُ مُكَرَّرًا نَحُواَلطَّرِيُقَ اَلطَّرِيُقَ)

(۱)عبارت پراعراب لگا کرتر جمه کریں (۲)عبارت کی کممل تشریح کریں۔ نیزیہ بتا ئیں کہ عبارت میں ذکر کردہ مسئلہ کا تعلق کس بحث ہے ہے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں جار امور مطلوب ہیں (۱)عبارت پر اعراب (۲)عبارت کی تشریح (۳) ندکورہ مسئلہ کا تعلق کس بحث ہے ہے۔

﴿ جُوابِ ﴾ (۱) عبارت پراعراب حكما مرّ في السوال آنِفَا-

(۲)عبارت کا ترجمہ:دوسرا مقام تحذیر ہے اور وہ اتّقِ مقدر کا معمول ہوتا ہے

ڈراتے ہوئے اس چیز سے جواس کے بعد ہے جیسے ایساك والاسد اس كى اصل اتقك

والاسد بياذكركروياجائ مخدرمنه كوكرر (دوباره) جيس الطريق الطريق -

س عبارت کی تشری مفعول به کفعل کو جہاں پر حذف کرنا واجب مقامات میں سے دوسرامقام تحذیر ہے تی کی چیز سے ڈرانا۔ توجب کی کوکی چیز سے ڈرانا۔ توجب کی کوکی چیز سے ڈرانا۔ توجب کی کوکی چیز سے ڈرانا۔ توجب ہوتا ہے اور آجو اس فقط محذر مند (مفعول به) کوذکر کردیا جاتا ہے اور اسکے فعل کو حذف کردیا جاتا ہے اور و فعل عموما اتق امرحاضر کا صیغہ ہوتا ہے۔ جیسے ایساك والاسد اصل میں اتبق نے فسل من

إلا المسد والاسد من نفسك تها-اورتخذير كادوس الطريقديه م كم تحذر منه كوكر رذكر ويا المسد من نفسك تها-دونول جكر ويا جائد وقول على من القول المطريق الطريق تها-دونول جكر يوفل كومذ ف كرديا اورفق المفول بكوذكر كرديا كيا-

رم) فدکورہ مسئلہ کا تعلق کس بحث سے ہے۔ فدکورہ تشریح سے بیات بھی معلوم ہوگئ کہ فدکورہ مسئلہ کا تعلق مفعول بہ کے فعل کو وجو بی طور پر حذف کرنے کی بحث سے ہے۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٣ ه

﴿ جواب ﴾ (۱) اضافتِ معنوبه کی تعریف ومثال داگر مضاف صفت کا صغه نه جو یاصفت کا صیفه نه موال عند نه موال کی طرف مضاف نه موتوبه اضافتِ معنوبه به جیسے غــــــــلامُ دیدِ حکتاب عمرو-

ر ۲) اضافت لفظیہ کی تعریف ومثال راگر مضاف صفت کا صیغہ ہو اور اپنے معمول کی طرف مضاف ہوتو بیاضافت لفظیہ ہے۔ جیسے حسار بُ زیدٍ۔

(۳) اضافتِ لفظیہ ومعنویہ کے فواکد ۔اضافتِ لفظیہ فقط لفظوں میں تخفیف کا فاکدہ دیتی ہے۔ تعریف و تخصیص کا نہیں۔ اور تخفیف صرف مضاف میں بھی ہو عتی ہے۔ صرف مضاف الیہ دونوں میں بھی ہو عتی ہے۔ اور اضافتِ مضاف الیہ دونوں میں بھی ہو عتی ہے۔ اور اضافت معنویہ تعریف کا فاکدہ دیتی ہے۔ اگر معرفہ کی طرف اضافت ہوتو تعریف کا فاکدہ دیتی ہے۔ اگر معرفہ کی طرف اضافت ہوتو تحصیص کا فاکدہ دیتی ہے جیسے علام دجلٍ۔

(٣) اضافتِ معنویه کے طریقے مع امثلہ اضافت معنویہ کے دوطریقے ہیں۔

(١) مضاف صفت كاصيغه نه بوجي غلام زيدٍ-

(٢) مضاف صفت كاصيغة وبوليكن مضاف اليداس كامعمول نه وجيت كريم البلد -قتدلُ كربلا-

﴿ الشق الثانى ﴾ مفت معب كى تعريف كرك يه بنائي كه صفت معب كيائمل كرتا ہے اورا سكي عمل كيائم الكا جام كرتا ہے اورا سكي عمل كيلئے كيا شرائط ہيں۔ صفت معب كى كتنى صور تيں ہيں تمام صور تيں الكے احكام سميت مثالوں كے ساتھ تحرير كريں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں جار امور مطلوب بيں (۱) صفت مشبه كى تعريف (۲) صفت مشبه كى تمام صورتيں مع الكام وامثله) - احكام وامثله) -

جواب ﴾ (۱) صفت مشبه كى تعريف في صفت مشبه وه اسم ہے جوفعل لازى يعنى مصدر سے مشتق ہؤتا كہ وہ اس ذات پر دلالت كرے جس كے ساتھ ميفعل بطريق دوام وثبوت قائم ہے جاء ني زيدٌ الحصين وَجُهُهُ -

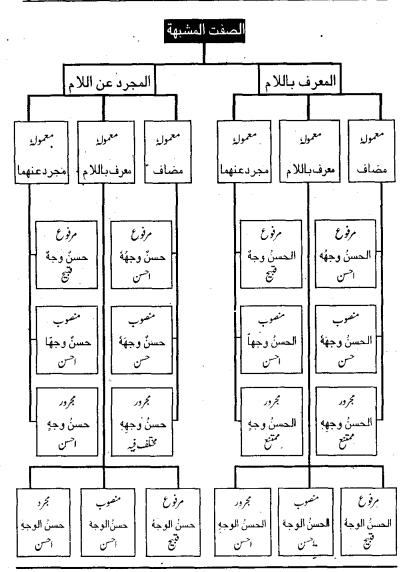
کا کا صفت مشبہ کاعمل کے بیا پے فعل معروف دالاعمل کرتا ہے۔ بلکہاس سے بھی زائد عمل کرتا ہے کہا بنے فاعل کورفع دیتا ہے اور کوئی شبیہ مفعول ہوتو اس کونصب بھی دیتا ہے۔

(۳) صفت مشبہ کے عمل کی شرائط ۔ صفت مشبہ کے عمل کی شرط یہ ہے کہ ان چھ چیزوں میں سے کسی ایک چیز پر اعتاد کرنے والا ہو۔ (۱) مبتدا (۲) ذوالحال (۳) موصول (۴) موصوف (۵) ہمز واستفہام (۲) حرف فی ۔ اعتاد کا مطلب یہ ہے کہ صفت مشبہ سے قبل ان چھ چیزوں میں سے کوئی ایک چیز واقع ہواور صفت مشبہ کا اس سے کوئی تعلق ہو ۔ یعنی اگر پہلے مبتدا ہے تو صفت مشبہ حال بن اگر پہلے موصول ہے تو صفت مشبہ حال بن اگر پہلے موصول ہے تو صفت مشبہ حال بن اگر پہلے موصول ہے تو صفت مشبہ صلہ بے ۔ اگر پہلے دوالحال ہے تو صفت مشبہ صلہ بے ۔ اگر پہلے دوالحال ہے تو صفت مشبہ صلہ بے ۔ اگر پہلے موصول ہے تو صفت مشبہ صلہ بے ۔ اگر پہلے موصول ہے تو صفت مشبہ صلہ بے ۔ اگر پہلے موصول ہے تو صفت مشبہ صلہ بے ۔ اگر پہلے موصول ہے تو صفت مشبہ صلہ بے ۔ اگر پہلے دوالحال

(۷) صفت مشبه کی تمام صورتیں مع احکام و امثلہ: صفت مشبہ کی اٹھارہ

Jan Charles F. Com صورتیں ہیں جن میں سے نواحس ہیں۔ دوحس ہیں۔ چارفتیج ہیں۔ دومتنع ہیں اور ایک مختلف فیہ ہے جنگی تفصیل ذیل کے نقشہ میں موجود ہے۔

فت مشبه کی کہانی ۔ نقشه کی زبانی



﴿السوال الثالث ﴾ ١٤٢٣ ه

﴿الشق الاول﴾وَيَجُوزُ النَّعُطُفُ عَلَى اِسُم اِنَّ الْمَكُسُورَةِ بِالرَّفَع وَالنَّصُبِ بِإِعْتِبَارِ الْمَحَلُّ وَاللَّفُظِ مِثْلُ إِنَّ زِيْدًا قَائِمٌ وَعَمُرٌو وُعَمُرُوا عبارت پراعراب لگائیں۔عبارت کا مطلب داضح طور پرتحریر کریں۔ (خلاصة سوال) اس سوال مين دوام مطلوب مين (١) عبارت پراعراب (٢) عبارت

كامطله

﴿ جوابِ ﴾ (١) عبارت يراع اب حكما مدّ في السوال آنِفَا-

(٢) عبارت كا مطلب . إنَّ كاسم ير جب كني دوسر اسم كاعطف كياجائة اس کومرفوع ومنصوب دونوں طرح پڑھ سکتے ہیں۔ مرفوع اس لیے کہ وہ محلا مبتدا ہے اور مبتدا مرفوع ہوتا ہے اور منصوب اس لیے کہ وہ لفظا اِن کا اسم ہے اور اِن کا اسم منصوب ہوتا ہے۔ جیسے إنّ زيدًا قائمٌ وعمرٌو عمرٌواً-

﴿الشق الثانب ﴾ ... حروف تنبيه كتن بين اوركون كون س بين برايك كاموقع استعال اورمثال تحريرك نيز درج ذيل شعر كاتر جمه وتركيب كلحين _

اما والذي ابكي واضحك والذي- امات واحيى والذي امره الامر-

' (خلاصۂ سوال)اس سوال میں چارامور مطلوب ہیں (۱)حروف تنبیہ کتنے اور کون ہے

میں (۲) ہرا یک کاموقع استعال مع مثال (۳) شعر کا ترجمہ (۴) شعر کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (١) حروف تنبيه كتن اوركون سے بين دحروف عبيه تين بي اَلًا ـ أمّا ـ هَا ـ

(۲) ہرایک کا موقع استعال مع مثال: ۔الا اور اَمَا دونوں جملہ پر داخل ہوتے ہیں جيے آلا إنَّهم هم السفهاء- امــا والذي ابكي الخ ــاور هَامفردوجمله دونوں پر داخل ہوتا بِ مفروكي مثال هذا هؤلاء جمله كي مثال ها زيد قائم - هَا افعل -

(س) شعر کا ترجمہ: خبردارقتم ہے اس ذات کی جو رُلاتی ہے اور ہناتی ہے اور اس

Jan dpress

ذات کی جو مارتی اورزندہ کرتی ہےاوراس ذات کی جس کاامر تھم ہے۔

الورقة الخامسة في النحو ﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٢ه

﴿ المشق الأول ﴾ من غير منصرف بمع مؤنث سالم جمع مذكر سالم راساء ست مكبره كا اعراب مثالول سي تكسيل - نيز لاحه ول و لاقه و الأبالله مين تنى وجوه پر هناجا زبين اوروه كون كون كون كون كان بين -

(خلاصة سوال) اسوال مين دوامر مطلوب بين (۱) غير منصرف جمع مؤنث سالم جمع ندكر سالم جمع ندكر سالم جمع ندكر سالم استدر المحاسلة على المحاسلة على المحاسلة على المحاسلة على المحاسلة على المحاسبة المثلة : حالت رفعي مين ضمه اور حالت نصى وجرى مين فته لفظى جيسے جاء نبى عمر - رأيت عمرَ مررت بعمرَ -

جَمع مؤنث سالم بجع مُذكر سالم اساءِسته مكبر ه كااعراب مع امثله - كمامرّ في الشق الثاني من السوال الاول ١٤٢٤ه ضمني-

(۲) لاحول و لاقوة الابالله كى وجوه كى تعدادونشاندى دلهول ولاقوة الابالله كى وجوه كى تعدادونشاندى دلهول ولاقوة الابالله يس بائج وجوه يرهناجا رئيس (١) دونو ساسم فى برفته موساس بناء يركدونو سام فى مبتدامونى كا وجد عكدانى جندانى جندانى ولاقوة الابالله (٢) دونوس اسمول كارفع مبتدامونى كوجه سعداد دونوس جكدزائده موجع لاحول ولاقوة الابالله (٣) يبلا اسم فى برفته مواس

بناء پركدانفى جنس كا مواور دوسر اسم پرنصب مع التوين مواور لازائده موفى كى تاكيد كيلي اور قوق كا عطف موحول ك لفظ پرجيسے لاحول و لا قوق الا بالله (٣) پهلااسم فى برفته مواس بناء پر كدانفى جنس كا مواور دوسرااسم مرفوع مع التوين مواور لا زائده موفى كى تاكيد كيك اور قوق كاعطف موحول كل پرجيسے لاحول و لا قوق الا بالله (۵) پهلااسم مرفوع مع التوين مواس بنا پركدائفى جنس كا مورود وسرااسم فى برفته مواس بنا پركدائفى جنس كا مورجيسے لاحول و لاقوق الآ بالله گريملے اسم كارفع ضعف باس ليكدلا بمعنى ليس قيل ب

﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ السلام المعلى المعلى هيأة الفاعل اوالمفعول به حال كَ تَعْرِيفُ كَرِيفُ كَا الله المعلى الدار قائما اور هذا زيد قائما كَ تَرْكِبُ كَيْ الدار قائما اور هذا زيد قائما كَ تَرْكِبُ كَيْ الله الماء ماءُ ابى وجدى - وبيرى ذو حفرت وذوطويت -

کار جمه کریں اور بتائیں کہ پیشعر کس کی مثال ہے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چار امور مطلوب ہیں (۱) حال کی تعریف (۲) نہ کورہ جملوں کی ترکیب (۳) شعر کاتر جمہ (۴) شعر کے مثل لہ کی تعین ۔

جواب (1) حال کی تعریف حال وہ لفظ ہے جو فاعل یا مفعول یا دونوں کی صدور تعل یا وقوع بغتل کے وقت والی حالت کو بیان کرے کہ س حالت میں بیغل فاعل سے صادر موایا مفعول بہ پرواقع ہوا ہے۔ جیسے جاء نسی زید راکباً آسمیں راکبا زید فاعل سے حال ہے اور ضربت عمروا مشدود اس میں مشدود اعمروا مفعول بہ سے حال ہے اور لقیب کر اراکبین اس میں راکبین فاعل ومفعول بدونوں سے حال ہے۔

(۲) فركوره جملول كى تركيب دريد فى الدار قدائما دريد مبتدافى جاره الدار قرائم مبتدافى جاره الدار جرور جملول كى تركيب والستقر فعل مقدرك استقر فعل هُوَ ضمير معترة والحال قدائم حال ووالحال حال ملكر فعل فعل فعل فعل المحتاق على جمله فعليه خريه بوكرخرد مبتداخر ملكر جمله فعليه خريه بوا-

هذا زيد قائما - هذا اسم اشاره بمن اشير فعل اس مس انسا ضمير فاعل زيد

besturdubook

ذوالحال قلقما حال ـ ذوالحال حال ملكرمفعول بفعل فاعل ومفعول بدملكر جمله فعليه خبريه موا ـ فعلي خبريه موا ـ شعر السيان شعر كانتر جمه ـ شعر السيان شعر السيان شعر السيان الس

فسان السساء مساء ابسی وجدی وبیدری ذو حَفَرت وذُو طَویَدتُ ترجمہ لیس تحقق پانی جس کے بارے میں جھڑا ہے میرے باپ اور میرے دادا کا پانی ہے۔ یعنی مجھ کو وراثت میں ملا ہے اور کوال جس کے بارے میں نزاع ہے میرا کوال ہے جس کو میں نے کھودا ہے اور جس کی میں نے منڈیر بنائی ہے یعنی مدوّد کیا ہے۔

(ممثل له کی نشاند ہی ۔ بیشعراس بات کی مثال کے لیے لایا گیا ہے کہ ذؤ جمعنی الذی اسم موصول ہے۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٢ه

﴿الشق الأول ﴾ منادى كى تعريف كريس اس كا قسام واعراب مع مثالول كالتحسير في بنا تين كمنادى مرخم كيا بوتا ب اوراس كاعراب _

(خلا صهٔ سوال)اس سوال میں جارامورمطلوب ہیں(۱)منادی کی تعریف(۲)منادی

کی اقسام مع اعراب دا مثله (۳) منادی مرخم کی تعریف (۴) منادی مرخم کااعراب.

﴿ جواب ﴾ (۱) منادي كي تعريف _منادي وه اسم ہے جس پرحرف نداكو داخل

كرككى كوبكاراجائ درانحاليد حرف نداملفوظ مورجيت يا زيد. يا عبدالله

(۲) مناوی کی اقسام مع اعراب وامثله: منادی کی پانچ اقسام ہیں (۱) منادی مفرد معرفه دینی وه منادی جومضاف وشبه مضاف نه ہونیز کره بھی نه ہو بیمنادی علامت رفع پر بنی ہوتا ہے جیسے یا رید دینا ریدون (۲) منادی مستغاث باللام مطلوم آدی جب کی کو فریادو مدد کیلئے بلائے اور اس منادی پرلام داخل ہوتا ہے اور بیمنادی مجرور ہوتا ہے جیسے یا لزید

(۳) منادی مستغاث بالالف آسیس بھی مظلوم آدی کسی کوفریا دو مدد کیلئے بلاتا ہے اوراس منادی کے بعد الف ہوتا ہے بیمنادی منصوب ہوتا ہے جیسے یا دیداہ (۳) منادی مضاف و شبه مضاف ریعنی وہ منادی جو کسی دوسرے اسم کی طرف مضاف ہویا اینے معنی کے تام ہونے میں

دوسر اسم کی طرف محتاج ہو یہ منادی منصوب ہوتا ہے جیسے یا عبد اللّه یا طالعا جبلاً ۔

(۵) نکرہ غیر معین یعنی وہ منادی جو حرف ندا کے داخل ہونے کے بعد بھی نکرہ ہی رہے یہ اسوقت ہوتا ہے جب نابینا نکرہ سے ندا کر ساور یہ منادی کے قرئو تخفیف کی غرض سے بغیر کی قاعدہ و اسما) منادی مرخم کی تعریف کے منادی کے آخر کو تخفیف کی غرض سے بغیر کی قاعدہ و قانون کے حذف کرنا جیسے یہا مالی سے یہا مالی سے یہا مالی کے حذف کرنا جیسے یہا مالی سے یہا مالی سے منادی کے آخر الله کے کاف کو حذف کردیا گیا ہے۔

(۳) منادی مرخم کا اعراب منادی مرخم پردوطرح سے اعراب پڑھا جاسکتا ہے (۱) ضمہ منادی مستقل ہونے کیوجہ سے اور محذوف کو بمنزل نسید آمنسیداً کے سجھتے ہوئے جیسے یا مال یا حال یا حال کا کہ کہ اسلیم ۔ کہ جواس حرف کی اصلی حرکت ہے وہی پڑھنا جیسے یا مال یا حال ۔

﴿الشَّقَ الثَّانَى ﴾ (واعلم ان لهم قسمًا آخر من المبتدأ ليس مسندًا اليه وهو صفة وقعت بعد خرف النفي اوبعد حرف الاستفهام)

مبتدا کی شم نانی کی تعریفِ ذکر کرنے کے بعد مثال سے وضاحت کیجے۔ نیز بتا کیں کہ ماقائمان الزیدان میں ٹانی شم مبتدا کی پائی جاتی ہے یا نہیں پائی جاتی ہوائی ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب بیں (۱) ثانی شم مبتدا کی تعریف و مثال (۲) ماقائمان الزیدان ثانی شم مبتدا ہے یا نہیں (۳) ثانی شم مبتدا نہ ہونے کی وجد مثال (۲) ماقائمان الزیدان ثانی شم مبتدا ہے یا نہیں (۳) ثانی شم مبتدا نہ ہونے کی وجد جواب کی (اسلوال الاول

﴿السوال الثالث ﴾ ١٤٢٢ ه

﴿ الشق الأول ﴾ واعلم ان اعراب المستثنى على اربعة سام.....

العسام مستعنی کے اعراب کی چاروں اقسام بیان سیجیے۔مستعنی کے منصوب ہونے کی صورتوں کو مثالوں سے واضح کریں۔کلام موجب وغیرموجب میں فرق لکھنانہ بھولیں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) مشتنی کا اعراب(۲) مشتنی کی کے منصوب ہونے کی صورتیں مع امثلہ (۳) کلام موجب وغیرموجب میں فرق ۔ کے منصوب ہونے کی صورتیں مع امثلہ (۳) کلام موجب وغیرموجب میں فرق ۔ ﴿ جواب ﴾ (۱) مشتنی کا اعراب: مشتنی کا اعراب چارتیم پر ہے

منصوب بينو مقامات على موتاب (١) متنى متصل الآك بعد كلام موجب على واقع عوصي جاء نى القوم الآزيدا (٢) متنى منقطع الآك بعد واقع موجي جاء نى القوم الآزيدا (٢) متنى منقطع الآك بعد واقع موجي جاء نى القوم الآزيدا احدٌ (٣) متنى لفظ خلاك بعد واقع موجي حاء نى القوم خلا زيدا (۵) تا (٩) متنى لفظ عداك بعد ما خلاك بعد واقع موجي جاء نى القوم عدا زيدا ك بعد ما عدا زيدا جاء نى القوم ماخلا زيدا جاء نى القوم ليس زيدا جاء نى القوم لايكون زيدا - جاء نى القوم ليس زيدا جاء نى القوم لايكون زيدا القوم ليس زيدا جاء نى القوم لايكون زيدا القوم ليس زيدا جاء نى القوم لايكون زيدا الورد ا

منصوب یا ماقبل سے بدل دیا یک مقام میں ہوتا ہوہ یک مشی الآ کے بعد کلام میں ہوتا ہوہ یک مشی الآ کے بعد کلام میرموجب میں واقع ہواور سینی مند نکور ہوجیتے ماجاء نی احد الا زیدا وزید ۔

عامل کے مطابق ۔ یہ جی ایک مقام میں ہوتا ہے وہ یہ کہ ستنی الا کے بعد کلامِ غیر موجب میں واقع ہوا ورستنی مند ندکور نہ ہو ماجاء نبی الا زید 'مار أیت الا زیدا 'مامر رت الا مذهد مدد

غير أسواء سوى حاشاك بعدواقع بوجي جاء في القوم غير زيدسواء زيد سوى زيد سوى زيد حاشاك بعدواقع بوجي جاء في القوم غير زيدسواء زيد سوى زيد حاشا زيد (۲) مستنى كم مصوب بونى كي صورتين مع امثله حكمامر آنفا (۳) كلام موجب وغير موجب مين فرق حكام موجب وه كلام به جس مين حرف في نهى استفهام نه بوجي جاء نسى الدقوم الازيدا اورغير موجب وه كلام به جس مين حرف في نهى استفهام مين سيكوني ايك حرف واقع بوجي ماجاء نبى الا زيد وغيره وحرف في الله زيد وغيره و

﴿الشق الثاني ﴾حروف المصدر ثلاثة ـ

حروف مصدر کتنے ہیں اور کون کون سے ہیں انمیں فرق واضح کیجیے۔ اور درج ذیل شعر کا ترجہ ور کیب بھی کھیں۔

یسر المرء مساذهب اللیالی وکسان ذهسا بهن کسه ذهسابه رخاست المسرا (خلاصة سوال) اس سوال میں پانچ امور مطلوب بین (۱) حروف مصدر کی تعداد (۲) محروف مصدر کی تعداد و نشاند بی: حروف مصدر تین بین جواب کی (۱–۲) حروف مصدر کی تعداد و نشاند بی: حروف مصدر تین بین (۱) مَا جیسے ضافت علیهم الارض بما رحبت (۲) اَنْ جیسے فیما کان جواب قومه الا اَنْ قالوا۔ (۳) اَنْ جیسے علمت انك قائم۔

(۳) حروف مصدر میں فرق حرف ما اور اَن جمله نعلیه پرداخل ہوتے ہیں اور اَنَّ جملہ اسمیه پرداخل ہوتے ہیں اور اَنَّ جملہ اسمیه پر داخل ہوتا ہے جسیا کہ فدکورہ امثلہ میں گزرا۔ اور اگر اَنْ کے ساتھ ما کا فدلائق ہوجائے تو پھر یہ جملہ اسمید وفعلیہ دونو ہی پرداخل ہوسکتا ہے۔

ریا۔ التا ہے۔ التا ہے۔ التا ہے مردکوراتوں کا گزرنا۔ حالانکہ راتوں کا گزرنا اس کا گزرنا ہے۔ لینی آ دمی عیش وعشرت میں راتیں گزار کرخوش ہوتا ہے حالانکہ اسے بیمعلوم نہیں کہ راتوں کے گزرنے سے اسکی اپنی زندگی گزرتی جارہی ہے۔

(۵) شعر کی ترکیب - بیس فعل المرء مفعول به ما مصدر ید ذهب اللیالی فعل وفاعل ملکر جمله فعلیه خربیه بوکر بتاویل مصدر ذول ال واقی حالیه کیان ناقصه ذهبا بهن مضاف الیه ملکر کان کااسم له جارم ورملکر متعلق مقدم به وا ذهبابا مصدر کے دهبابا مصدرا بی متعلق سے ملکر کان کی خبر - کان این اس وخبر سے ملکر جمله اسمیه بوکر حال - ذوالحال مصدرا بی حال سے ملکر فعل بوا بیس فعل کا فعل این فاعل و مفعول به سے ملکر جمله فعلی خبر بیه بوا ۔ این حال سے ملکر فعل بوا بیس فعل کا فعل این فاعل و مفعول به سے ملکر جمله فعلی خبر بیه بوا۔

oesturduboc

الورقة الخامسة في النحو ﴿ السوال الاول ﴾ 1271 ه

﴿ الشق الأول ﴾ السباب منع صرف میں سے عدل کی تعریف اور اسکی اقسام مثالوں کے ساتھ واضح کریں نیزیہ بتا کیں کہ عدل اسباب منع صرف میں سے کن کے ساتھ جمع ہوتا ہے اور کن کے ساتھ جمع نہیں ہوتا۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں تين امور مطلوب بيں (۱) عدل كى تعريف (۲) عدل كى اقدام مع امثله (۳) عدل كى اشاند ہى۔ اقسام مع امثله (۳) عدل كے ساتھ جمع ہونے اور نہ ہونے والے اسباب منع صرف كن اند ہى۔ ﴿ جواب ﴾ (۱) عدل كى تعریف الیک انظا كا اپنی اصلی قانونی شكل وصورت ميں جانا عدل ہے اور عدل بغير كسى شرط كے منع صرف ميں مؤثر ہے۔ مؤثر ہے۔

صلی (۲) عدل کی اقسام مع امثلہ: عدل کی دواقسام ہیں (۱) تحقیق یعنی جس کے اصلی صیغہ کی دلا ہو جسے ثلاث ہے اسلی صیغہ کی دلیل ہو جسے ثلاث اور مثلث۔ انکی اصل ثلاث ثلاث ہے (۲) تقدیری یعنی جس کے اصلی صیغہ کی دلیل نہ ہوجیسے عمر ' رفعر و غیر ہما۔

(س) عدل کے ساتھ جمع ہونے اور نہ ہونے والے اسبابِ منع صرف کی منظ ندہی ۔ عدل وزنِ فعل کے ساتھ جمع نہیں ہوسکتا۔ یعنی دونوں سبب ملکرایک اسم کوغیر منصرف نہیں بناسکتے اور عدل علمیت اور وصف کے ساتھ جمع ہوسکتا ہے۔ علمیت کے ساتھ جمع ہونے کی مثال عدر۔ ذفر وصف کے ساتھ جمع ہونے کی مثال غلاث مثلث اُخد کی معد۔

﴿ الشق الشانى ﴾اسم فاعل كى تعريف كركے بير تائيں كه ثلاثى مجرد اورغير ثلاثى مجرد سے اسم فاعل كس وزن پر آتا ہے۔ اسم فاعل كيا عمل كرتا ہے اس كے عمل كيليے كيا شرائط ہيں۔ تفصيل سے مثالوں كے ساتھ تحرير كريں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چارامور مطلوب ہیں (۱) اسم فاعل کی تعریف مع امثلہ (۲) اسم فاعل کاوزن (۳) اسم فاعل کاعمل (۴) اسم فاعل کےعمل کی شرائط۔ ﴿ جواب ﴾ (۱) اسم فاعل کی تعریف بمع امثلہ: اسم فاعل وہ اسم ہے جوتھل یعنی معدر ہے۔ مشتق ہوتا کہ وہ اس ہے جوتھل یعنی معدر ہے۔ مشتق ہوتا کہ وہ اس ذات پر دلالت کرے جس کے ساتھ بیفل بطریق ہے۔ نہ کہ بطریق دوام۔ جیسے زید ضارب اس میں ضارب ضرب کے زید کے ساتھ بطریق صدوث قائم ہونے پر دلالت کررہاہے۔

(۲) اسم فاعل کاوزن: شلاقی مجرد سے اسم فاعل اے لُ کے دزن پر آتا ہے جیسے ضارب ناصر اور ثلاثی مجرد کے علاوہ نقید ابواب سے اسکے بنانے کاطریقہ بیہ کفتل مضاد کی معروف کے واحد فذکر غائب کے صیغہ میں علامت مضادع یاء کی جگہیم ضموم لگا دوادر آخری حرف کے ماقبل پراگر کسرہ ندہوتواس کو کسرہ بھی دیدوجیسے یک رم سے مکرم اور یست خرج سے مستخرج سے مدحرج سے مدحرج سے مدحرج سے مدحرج سے مدحرج سے مدحرج

سر اسم فاعل كاعمل اسم فاعل كاعمل اسم فاعل الم فعل معروف والاعمل كرتا بيعن الرلازى موتو فقط فاعل كورفع ديتا باورا كرمتعدى موتو مفعول كونصب بهى ديتا ب جيساول كى مثال ديسد قائم ابوه اوردانى كى مثال ديد صارب ابوه عمرة ا

(س) اسم فاعل کے عمل کی شرا لط ۔ اسم فاعل کے عمل کی دوشرطیں ہیں (۱) عال یا استقبال کے معنی میں ہور ۲) مبتدا۔ ذوالحال موصوف موصول - ہمز واستقبام حرف نفی میں سے سی ایک چیز پراعتاد کرنے والا ہولیعنی اگر مبتدا کے بعد ہوتو خبر بے جیسے زید قسائم ابوہ و ذوالحال کے بعد ہوتو حال بے جیسے جاء نی زید ضارب ابوہ عمر ق الموصول کے بعد ہوتو صل بے جیسے مردت بالضارب ابوہ عمر ق الے ای طرح بقیا مثلالی ۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢١ ه

﴿ الشق الأول ﴾ (وَاعْلَمُ أَنْ لَهُمُ قِسُمًا آخَرَ مِنَ الْمُبُتَدَأَ لَيُسَ مُسُنَدًا اللَّهِ وَهُ وَصَفَةٌ وَقَعَتُ بَعُدَ حَرُفِ النَّفِى نَحُو مَا قَائِمٌ رَيُدٌ أَو حَرُفِ الْإستِفَهَامُ نَحُو مَا قَائِمٌ رَيُدٌ أَو حَرُفِ الْإستِفَهَامُ نَحُتُ أَقَائِمٌ رَيُدٌ بِشُرُطِ أَنُ تَرَفَعَ تِلُكَ الصِّفَةُ اِسُمّا ظَاهِرًا نَحُو مَا قَائِمُ الزّيدَانِ وَاقَائِمُ الزّيدَانِ وَاقَائِمُ الزّيدَانِ وَاقَائِمُ الزّيدَانِ عَنِلًا فِ مَاقَائِمَانِ الزّيدَانِ)

Old

عبارت پراعراب لگا کرتر جمه کریں۔عبارت مذکورہ کی کمل تشریح کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور حل طلب ہیں (۱) عبارت پراعراب (۲) عبارت کا ترجمہ (۳)عبارت کی تشریح۔

﴿ جواب ﴾ (١) عبارت براع اب - كمامر في السوال آنِفًا -

(۲) عبارت کا ترجمہ: جان تو یہ بات کہ ایک (نحاۃ کے) نزدیک ایک دوسری قسم ہمتدا کی جو مندالین ہیں ہوتا اور وہ صفت کا صیغہ ہے جو واقع ہو ترف نفی کے بعد جیسے ماقائم دید اس شرط کے ساتھ کر فع دے وہ صفت کا صیغہ اسم فا ہر کو جیسے ماقائم الزیدان ۔ بخلاف ماقائمان کا صیغہ اسم فا ہر کو جیسے مساقائم الزیدان ۔ بخلاف ماقائمان الزیدان کے۔

(٣) عبارت كي تشريخ - كما مرّ في الشق الثاني من السوال الاول ١٤٢ه-

﴿الشق الثانى ﴾ ﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ الشاعر الشاعر عليه الطير ترقبه وقوعًا عليه الطير ترقبه وقوعًا عطف بيان كي تعريف كريم عارت فذوره من في مثل قول الشاع مين مثل سے كيام اد ہے۔ شعر فدكور كي اس طرح تشريح كريں جس سے بدل اور عطف بيان كے ورميان فرق واضح ہوجائے۔ نيز پورے شعر كى تركيب كريں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چارامور قابلِ توجہ ہیں (۱)عطف بیان کی تعریف ۔ (۲)مثل سے مراد (۳) شعر کی تشریح (۴) شعر کی ترکیب۔

﴿ جواب ﴾ (١) عطف بيان كى تعريف: عطف بيان وه تابع ب جوصفت نه بو بلكه اسم بواورا بي متبوع كى وضاحت كر اوروه شيئ كرونامول ميس سايك مشهورنام بو جيد قام ابو حفص عمر ١٠ ميس عمر ابو حفص متبوع كا تابع ب اورصفت نبيس بلكه اسم باور ابو حفص سنزياده مشهور ب- (٣-٢) مثل سے مراد شعر کی تشری کے سمام مدّ فسی الشق الاول من

السوال الثاني ١٤٢٥هـ

(۳) شعرى تركيب ان صميرمبتدا ابن مضاف الدارك مضاف اليه مطوف سيطر المسكري معطوف عليه بين معطوف عليه بين معطوف عليه المسكري معطوف عليه بين معطوف عليه المسكرة كامضاف اليه موكرة والحال عليه جار مجرور ملكر معلق مواكدا اسم فاعل كامضاف اليه معير مقورة والحال والطير مبتدات وقب فعل هي ضمير مقول به وقوعاً هي ضمير كاحال والحال حال ملكر فاعل موا ترقب فعل كافعل المنظر فاعل ومقعول به سيطكر جمله فعلية خبريه موكر كاخذا كي هو ضمير كاحال و والحال المنظر منطول المسلم فاعل منظر معلم المنظر عامل ومتعلق منظر شبه جمله موكر فرموكي السطيد فاعل مبتداكي مبتداني خبر سيطكر جملدا سميخرية مواو

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢١ ه

﴿ الشق الأول﴾ (وَاعُلَمُ أَنَّ لَمْ تُقُلِبُ الْمُضَارِعَ مَاضِيًا مَنُفِيًّا وَلَمَّا كَدُلِكَ إِلَّا أَنَّ فِيُهَا تَوَقَّعَا بَعُدَهُ وَدَوّا مَاقَبُلَهُ نَحُو قَامَ الْامِيْرُ لَمَّا يَرُكَبُ وَأَيْضًا يَسُجُورُ حَدُفُ الْفَعْلِ بَعُدَ لَمَّا خَاصَّةً تَقُولُ نَدِمَ زَيْدٌ وَلَمَّا آَى وَلَمَّا يَنُفَعُهُ النَّدَمُ وَلَا تَقُولُ نَدِمَ زَيْدٌ وَلَمَّا آَى وَلَمَّا يَنُفَعُهُ النَّدَمُ وَلَا تَقُولُ نَدِمَ زَيْدٌ وَلَمَّا آَى وَلَمَّا يَنُفَعُهُ النَّدَمُ وَلَا تَقُولُ نَدِمَ زَيْدٌ وَلَمَّا آَى وَلَمَّا يَنُفَعُهُ النَّذَمُ

عبارت پراعراب لگا کرسلیس ترجمہ کریں۔عبارت کی تشریح کرتے ہوئے لہنا اور لم کے درمیان فرق کوواضح کریں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین امور توجہ طلب ہیں۔ (۱) عبارت پر اعراب (۲)عبارت کاتر جمہ(۳)عبارت کی تشریح۔

﴿ جوابِ ﴾ (١) عبارت يراعراب: - كمامرٌ في السوال آنِفًا -

اور جان کا ترجمہ اور جان تو یہ بات کہ آئے تبدیل کرویتا ہے مضارع کو اسی منفارع کو اسی منفارع کو منفی سے اور آئے اس کے بعد اور دوام منفی سے اور آئے اس کے بعد اور دوام ہوتا ہے اس سے پہلے۔ جیسے قام الامیر لقا یر کب اور نیز جا تز بے فعل کو حذف کرنا لقا کے بعد خاص طور پر کے گاتو نَدِمَ ذید ولقا ای ولقا یَنفَعَهُ الندم اور نہیں کہ سکتا تو نَدِمَ ذَدُدٌ وَلَمَ الله وَلَمُ الله وَلَمْ اللّه وَلَمْ اللّهُ وَلَمْ الله وَلَمْ اللّه وَلَمْ الله وَلَمْ اللّه وَلَمْ وَلَمْ اللّه وَلَمْ اللّه وَلَمْ اللّه وَلَمْ اللّه وَلَمْ اللّه وَلَمْ وَلَمْ اللّه وَلَ

سے است کی تشریح آس عبارت میں مصنف ہم اور الما کے معنوی عمل کو بیان کررہے ہیں کہ یہ دونوں الفاظ فعل مضارع پر داخل ہوکر اس کو ماضی منفی کے معنی میں کردیتے ہیں۔ جیسے کم فی ندھب زید لقا یر کب الامیں ۔اس کے بعد مصنف ہما اور لم کے درمیان فرق کو بیان کررہے ہیں کہ است اوائی طور پر ماضی میں فعل کے دقوع کی نفی کرتا ہے گرمستقبل میں

اس فعل کے دقوع کی توقع ہوتی ہے مثلا قسام الامیس لما یسرکسب کدامیر کھڑا ہے ابھی تک گوڑے پرسوار نہیں ہوا مگر توقع ہے کہ عنقریب گھوڑے پرسوار ہوجائے گا۔اور لم بھی ماضی میں

فعل کے وقوع کی فی کرتا ہے گراس میں وقوع فعل کی تو قع نہیں ہوتی جیسے اسم یدھب زید۔اور دوسرافرق سے کہ اسم کے بعد فعل کو حذف کرنا جائز نہیں ہے اور است اے بعد فعل کو حذف کرنا جائز نہیں ہے اور است اے بعد فعل کو حذف کرنا

جائزے۔ البغا مَدِمَ دَيْدٌ ولَمّا كَهَا حَجَ جمر ندم زيدولم كَهَا حَجَ نبيل ہے۔

﴿الشق الثاني﴾ حروف الايجاب الخـ

حروف ایجاب کتنے ہیں اورکون کون سے ہیں۔ ہرایک کا موقع استعال اور مثال تحریر کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) حروف ایجاب کی تعداد

(۲)حروف ایجاب کی نشاند ہی (۳)حروف ایجاب کاموقع استعال مع امثله۔

﴿ جُوابِ ﴾ (ا_٢) حروف ايجاب كى تعداد ونشاندى بروف ايجاب چه بين نعم' بلى 'احل' جير' إِنّ ' إِيْ -

(٣) حروف ايجاب كاموقع استعال مع امثله: يغم كلام سابق كى تقريكية تا يخواه كلام شبت مونفى مواستفهاميه ويسي اجاء زيدٌ؟ نعم - اما جاء زيدٌ؟ نعم -

بلی کلام سابق کی نفی کو شبت بنانے کیلیے آتا ہے خواہ نفی خبر ا ہویا است فہا ما ۔ جیکے الست بربکم؟ قالوا بلی - لم یقم زید بلی ای قام زید - اَجَلُ جَیْرِ اِنَّ بِیتَنون جَر کی تھدیق کی تھدیق کی تھدیق کیلئے آتے ہیں خواہ خر نفیا ہویا اثبات جیسے جاء زید یا ماجاء زید کے جواب میں اجل جید اِنَّ کہنا کینی تونے جو بھی کہا ہے وہ ٹھیک ہا وریر وف استفہام کے بعد نہیں آتے ۔ اِی استفہام کے بعد اثبات کیلئے آتا ہے ۔ اور اسکو تم لازم ہے مگر قتم والے قتل کو ذکر نہیں کریں گے جیسے اُجاء زید ؟ ای والله ۔ یعنی ہاں اللہ کی تم ۔

الورقة الخامسة في النحو ﴿ السوال الاول﴾ ١٤٢٠ ه

الشق الاول ﴾ سبدایة الخو کے مطابق اسباب منع صرف میں ہے جمع کے منع صرف میں ہے جمع کے منع صرف میں میں گرفت میں موثر ہونے پوری بحث کو مثالوں کے در بعدواضح کریں نیر بتا کیں کہ نیچ ذکر کی گئ مثالوں میں کون منصرف ہے اور کون کیا ہے وجہ بھی ضرور کھیں۔ بعلبك - معدیكرب - تعلب حبلی - صیافلة - بعمل ندمان - شاب قرناها -

(خلاصة سوال) اس سوال میں دوامر قابلِ النفات ہیں (۱) جمع کے منع صرف میں مؤثر ہونے کی شرا لطامع امثلہ (۲)امثلہ مذکورہ میں کون منصرف کون غیر منصرف ادر کون پھھاور ہے اوراسکی وجہ۔

جواب (1) جمع کے منع صرف میں مؤثر ہونے کی شرائط مع امثلہ:۔
جمع کے غیر منصرف میں مؤثر ہونے کی دوشرائط ہیں (1) وہ لفظ جمع منطی الجموع کے وزن پر ہو
لینی الی جمع ہوکہ اس کے بعد مزید جمع تکمیراس لفظ کی نہ آسکے۔(۲) اِس صیغہ کے آخر میں الیک
تاء نہ ہوجو وقف کرنے کی صورت میں ھاء بن جائے۔ باتی جمع منتھی الجموع کے اوز ای کون
سے ہیں تو اسکے بعد مصنف ؓ ان اوز ان کی علامات بیان کررہے ہیں کہ شروع میں دوحرف متحرک
ہوں اور پھر الف جمع کے بعد بھی دوحرف متحرک ہوں جیسے مساجد۔ یا الف جمع کے بعد ایک حرف

مشدد ہو جیسے دوات ۔ یا الف جمع کے بعد تین حرف ہوں مگر درمیان والا حرف ساکن ہو جیسے مصابح۔

(۲) امثله مذکوره میں کون منصرف کون غیر منصرف اور کون کچھ اور ہے۔۔
بعلبك و معديكرب تركيب وعلیت كيوبہ عفیر منصرف ہیں۔ تعلب وزن فعل وعلیت كيوبہ عفیر منصرف ہے۔ حبلی تانیٹ بالالف المقصوره كيوبہ عفیر منصرف ہے۔ حبلی تانیٹ بالالف المقصوره كيوبہ عفیر منصرف ہے۔ حبلی تاکوبول كرنے كيوبہ تاکوبول كرنے كيوبہ عنصرف ہے منصرف ہے۔ يعمل اگر چواكيس وزن فعل ہے گرتا کوبون منصرف ہے ہے منصرف ہے ہے ہے کونکہ وہ معرب کی بحث ہے۔

﴿الشق الثانى ﴾ وحمع التكسير كالمؤنث الغير الحقيقى كامطلب كسي الشق الثانى ﴾ وحمع التكسير كالمؤنث الغير الحقيقى كامطلب كسي اورمثال ك ذريعة براستعال كرسكت بين مؤنث غير حقق كس كو كهت بين مثال سه بيان كرين فاعل كومفعول برمقدم كرناكب ضرورى باوركب ضرورى بين مثالين كلمين -

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں چارامور طل طلب ہیں (۱) عبارت کا مطلب (۲) جمع تکسیر فاعل ہوتو فعل کا استعال مع امثلہ (۳) مؤنث غیر حقیقی کی تعریف مع مثال (۴) فاعل کو مفعول پرمقدم کرنے کی صورتیں مع امثلہ۔

﴿ جوابِ ﴾ (١) عبارت كامطلب حكما مرّ في الشق الاول من السوال

الثاني ۱٤۲٤ ه ضمني-

(٢) جمع تكسيرفاعل موتو فعل كااستعال مع امثله: -كمامر في الشق الأول

من السوال الثاني ١٤٢٤ ه ضمني -

(س) مؤنث غیر حقیقی کی تعریف مع مثال: روه مؤنث جس کے مقابلہ میں جاندار مذکر نہ ہوجیے الشمس اور الارض۔ رم) فاعل کومفعول پرمقدم کرنے کی صورتیں مع امتلہ جب فاعل ومفعول دونوں امر مقدم کرنا واجب ہے دونوں ایم مقصور ہوں اور دونوں میں التباس کا خوف ہوتو فاعل کومفعول پرمقدم کرنا واجب ہے جسے صرب موسی عیسی ۔ اگر دونوں میں ہے کوئی اسم مقصور نہیں جسے صرب عمر قا ذید یا ایک اسم مقصور جا کی نہیں جسے صرب موسی دید یا دونوں اسم مقصور جی گرالتباس کا خوف نہیں جسے اکل المک مذری یحیلی ۔ ان تینوں صورتوں میں فاعل کومفعول پرمقدم کرنا واجب نہیں ہے۔

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٠ ه

﴿الشق الاول ﴾ معنول معدى تعريف مع مثال تصيب اور جِدُنتُ أَنَا وَ دَيْدَا وَدَيْدَا وَدَيْدَا وَدَيْدَا وَدَيْدَا وَدَيْدَا مَا اللّهَ وَدَيْدَا مَا اللّهُ وَدَيْدَا مَا اللّهُ وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ عَلَى اللّهُ عَلَّا عَلَى اللّهُ عَلَ

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب بیں (۱) مفعول معد کی تعریف مع مثال (۲) ندکورہ امثلہ پراعراب (۳) امثلہ کوذکر کرنے کا مقصد۔

جواب (۱) مفعول معد کی تعریف مع مثال مفعول معده اسم ہے جوواؤ بمعنی مع کے بعد ذکر کیا جائے اور یہ اس بات کوظا ہر کرے کہ مفعول معدول کے ساتھ شریک ہے خواہ وہ معمول فاعل ہویا مفعول بہوجیے جمئت انا و دیدا اس مثال میں زیدا فعل کے معمول (فاعل) کے ساتھ آنے میں شریک ہے۔ ضربت زیدا و عمر وا ۔اس مثال میں عمر واقعل کے معمول (مفعول بہ) کے ساتھ ارکھانے میں شریک ہے۔

(٢) مَرُوره امثله براعراب - كمامرٌ في السوال آنفًا-

(س) امثلہ کو ذکر کرنے کا مقصد ۔ اگر مفعول معد کافعل لفظا موجود ہواور اس کے فاعل پرعطف بھی جائز ہوتواس کے مفعول معدکومرفوع ومنصوب دونوں طرح پڑھ سے ہیں جست انسا وزیدا وزید ای کی مثال ہے۔ اگر ضمیر مرفوع متصل کی تاکید ندلائی گئی ہوتواس پرعطف

یر نجو

درست نہیں لہذا ایسے اسم کو مرفوع نہیں پڑھ سکتے۔مفعول معد ہونے کی وجہ سے فقط منصوب بھی پڑھیں گے۔ جسٹت و دیدا ای کی مثال ہے اگرفعل معنوی ہواور اس کے معمول پر عطف جائز ہوتو وہاں دوسر ہے اسم کا عطف ہی ہوسکتا ہے اس کو مفعول معنہ بیں بنا سکتے مالمذیدہ و اسی کی مثال ہے۔ اگرفعل معنوی ہواور عطف جائز نہ ہوتو پھر مفعول معہ ہونے کیوجہ سے فقط منصوب بی بڑھیں گے مالك و ذیدا۔ ماشانك و عمروا ای کی مثال ہے۔

﴿الشق الثانى ﴾ جمع ندرسالم كاتريف مع مثال بيان يجيد منقوص ومقصور جيد قاضُون وَدَاعُونَ و مُصُطَفَونَ لِي بِهِلِ تواعراب لگا عَيل پُحربتا عَيل كدان مثالول عيل حي ببلي دو عيل يا كواور تيسرى مثال عيل الف كوكول گرايا گيا ہے مصنف ي قول و اما قولهم سنون و ارضون و ثبون و قلون فشاذ كاكيا مطلب ہواوران الفاظ كے معانى كيا بيل سنون و ارضون و ثبون و قلون فشاذ كاكيا مطلب ہواوران الفاظ كے معانى كيا بيل رخلاصة سوال) اس سوال عيل پانچ امور كا جواب مطلوب ہے (۱) جمع ندكر سالم كى تحريف و مثال (۲) ندكوره الفاظ براعراب (۳) ندكوره الفاظ ميل يا اور الف كوحذف كرنے كى وجد (۳) عبارت ندكوره كامطلب (۵) ندكوره الفاظ كے معانى ۔

جواب ﴾ (۱) جمع مذکر سالم کی تعریف ومثال به جمع مذکر سالم وه جمع به جسمیں واحد کاصینعہ سلامت ہوجیے سلمون ۔ آسمیس واحد کاصیغہ سلم سلامت ہے فقط آخر میں واؤاور نون کااضافہ کر دیا گیا ہے۔

(٢) *مْدُكُور*ه الفَّاظِ *پِراعُراب*: ـكمامر في السوال آنِفًا ـ

وداعون -اصل میں قاضون اورداعیون تھے یا پرضم تقل تھا۔ ماقبل کی حرکت دورکر کے یا کاضمہ اسکودے دیادوساکن جمع ہوگئے یا اورواؤکو یا حذف کردیا قاشون وداعون ہوگئے۔ مصطفون اصل میں مصطفون تھایا محرک تھا ماقبل مفتوح تھایا کوالف سے بدل دیا۔ دوساکن جمع ہوگئے الف اور واؤ ۔الف کو حذف کردیا اور حذف شدہ الف پر دلالت کیلئے ماقبل کومفتوح ہی رکھا مصطفون ہوگئے۔ وگیا۔ گویا دونوں جگہ یا اور الف التقاء ساکنین کی جبہ سے حذف ہوئے۔

بات بطورتمہید دہن شین کرلیں تا کہ مطلب سیحنے میں آ سانی ہو عرب کا ضابط ہے کہ جس لفظ کی جات بطورتمہید دہن شین کرلیں تا کہ مطلب سیحنے میں آ سانی ہو عرب کا ضابط ہے کہ جس لفظ کی جمع نہ کرسالم ال فی ہاس کے لیے تین شرا لکا ہیں۔(۱) وہ لفظ نہ کر ہواس میں علامتِ تا نیف نہ ہو (۲) وہ دوی العقول میں سے ہو۔(۳) علم ہوا گر کسی اسم میں ان شرا لکا ہیں ہے کوئی شرط نہ پائی جائی اس میں ان شرا لکا ہیں ہے کوئی شرط نہ پائی جائی اس میں اس شابط پر اعتراض ہوا کہ تمہارا ایہ ضابط درست نہیں ہاس لیے کہ سنون اد صون شہون قلون میں بیشرا لکو نہیں پائی جائیں کیونکہ اد صون اد صد فی جمع ہے قلون میں بیشرا لکو نہیں پائی جائیں گر جمع ہے اس نون سنة کی جمع ہے قلون قلة کی جمع ہے شبون شبة کی جمع ہے اس ان تمام کے مفرد کے صیغہ میں تا تا نہیں موجود ہے مگراس کے باوجودا کئی جمع نہ کرسالم آ رہی ہے لہذا اس تمہید میں ذکر کیے گئے اعتراض کا جواب دیا کہ بیہ جوان الفاظ کی جمع نہ کرسالم لائی گئی ہے بی خلاف قاعدہ اور شاذ ہے اس کے ذریعہ ہے اعتراض کا جائز اض کرناور سے نہیں ہے۔

(۵) ندکور والفاظ کے معانی ۔ سینون ۔ سنة کی جمع بے بمعنی سال۔ آد ضون ارض کی جمع ہے بمعنی سال۔ آد ضون الرضت یا ارض کی جمع ہے بمعنی زمین ۔ قبون شبة کی جمع ہے بمعنی گی ڈیڈا۔ ہے بمعنی گی ڈیڈا۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٠ ه

والشق الاول الله والتراد من في الكلام الموجب خلافا للكوفيين واما قولهم قد كان من مطروشبهه فمتأول) عبارت كامطلب بيان يجيد كلامٍ موجب كالعريف في الفاق قد كان من مطر وغيره كاويل واضح طور ركسين و

(خلاصة سوال) اس سوال مين چارامور مطلوب بين (۱) عبارت كامطلب (۲) كلام موجب كي تعريف (۳) نحاة كوفه كاختلاف (۴) قد كان من مطر كي تاويل -هجواب ﴾ (۱-۲-۴) عبارت كامطلب كلام موجب كي تعريف قسد كان مِن مطرِ كَيْ تَاوِيلَ - كمامر في الشق الثاني من السوال الثالث على المدينة الثاني من السوال الثالث على الم

(س) نحاق کوفه کا اختلاف نے ان او کوفه کا نحاق کوفه کا نحاق اسبات میں اتفاق ہے که انہوں نکام غیر موجب میں اندو ہوتا ہے۔ البتداس بات میں اختلاف ہے کہ کام غیر موجب میں نائدہ ہوتا ہے۔ البتداس بات میں اختلاف ہے کہ کلام موجب میں بھی 'میں نے قابعرہ کے زدیک کام موجب میں بھی 'میں 'زائدہ ہوتا ہے وہ دلیل کے طور پر بیقول پیش کرتے ہیں 'فَدَدُ کَانَ مِن مَظُور ''کہ بیکلام موجب ہے اور اس میں مِن زائدہ ہے۔

مصنف چونکه بھری میں ان کنزو کی مِنْ زائدہ نہیں آ سکتا اس لیے مصنف اُمّا قولهم قد کان من مطر وشبه فر فمتأول سے اس قول کا جواب و سر ہیں۔

﴿ الشق الثانى ﴾ حروف تنبيكون سے بيں۔ يہ جمله برداخل ہوتے بيں يامفرد برجمی تفصیل كي سي شعر

اما والذى ابكى واضحك والذى امات واحينى والذى امره الامر الشعرك معتف نے كس ليے پيش كيا ہے اما كيا ہے اما كيا ہے اما كيا ہے اما كيا ہے اللہ كيا ہے۔ مطلب كيا ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال میں چھامور توجہ طلب میں (۱) حروف تنبیہ کی نشاندہی (۲) حروف تنبیہ کی نشاندہی (۲) حروف تنبیہ کس پر داخل ہوتے ہیں (۳) شعر کو ذکر کرنے کا مقصد (۴) اما کیا ہے (۵) اما کیا ہے (۵) اما کیا ہے دواؤ کی نشاندہی (۲) شعر کا مطلب ۔

﴿ جواب ﴾ (اسم) حروف تنبيه كى نشائدى، حروف تنبيه كس پر داخل جوتے ہيں: -كمامر فى الشق الثاني من السوال الثالث ١٤٢٣هـ

سے اس شعر کو فرکر کرنے کا مقصد مصنت نے اس شعر کو بطور مثال ذکر کیا ہے کہ آما جو حرف تعبیہ ہے میں جملما سمید پر داخل ہے۔

﴿ مِنَ الْمَاكِياتِ - المَا حروف تنبيه مِين سے ايك حرف ہے جس كامعنى عام طور پريه كيا

جاتا ہے۔آگاہ رہو۔ ن لو مخاطب کومتوجہ کرنے کے لیے۔

(<u>۵) آمّا کے بعد واؤ کی نشاندہی</u>۔ شعر مذکورہ میں اماکے بعد جو داؤذ کر کی گئے ہے ہی

واؤتشمیہہے۔

(۲) شعر کا مطلب ۔ اس شعر میں شاعر خاطب کوخر دار کرتے ہوئے کہتا ہے کہ آگاہ رہوقتم ہے اس ذات کی جورلاتی ہے اور ہنساتی ہے اور قتم ہے اس ذات کی جو مارتی ہے اور زندہ کرتی ہے اور قتم ہے اس ذات کی جس کا امریحکم ہے۔ اور جواب قتم اگلے شعر میں ہے۔

الورقة الخامسة في النحو

﴿السوال الاول﴾ 1819هـ

﴿الشق الأول﴾ (اَلرَّابِعُ اَنُ يَكُوْنَ الرَّفَعُ بِالْوَاوِ وَالنَّصُبُ بِالْآلِفِ وَالْجَرُّ بِالْيَبَاءِ وَيُخُتَصَّ بِالْآسُمَاءِ السَّتَّةِ مُكَبَرَةً مُوَحَّدَةً مُضَافَةً اِلَى غَيْرِيَاءِ الْمَتَكَلِّمِ)

عبارت پراعراب لگائیں عبارت کا خلاصہ بیان کریں۔اساءِستہ مکبرہ کی تعریف ومثال دیں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین باتوں کا جواب مطلوب ہے(۱) عبارت پراعراب (۲) عبارت کا خلاصہ (۳) اساء ستہ مکبرہ کی تعریف مع مثال۔

﴿ جوابِ ﴾ (١) عبارت پراعراب - كمامر في السوال آنِفَا-

(۲) عبارت کا خلاصه: -اس عبارت میں اساءِسته مکمره کی شرائط اورائے اعراب کو

بيان كيا كيا ج- تفصيله مر في الشق الثاني من السوال الاول ١٤٢٤ ه ضمني-

(الساءِست مكبره كى تعريف ومثال - كمامر فسى الشق الثانى من السوال الاول ١٤٢٤ ه ضمنى -

﴿ الشق الثانى ﴾ (ويَجُوزُ حَذَفُهُ عِنُدَ وُجُودِ قَرِينَةٍ نَحَوُ اَلسَّمَنُ مَنُوانِ بِدِرُهَمٍ وَالبُّرُ الكُرُ بِسِتِّيُنَ دِرُهَمًا وَقَدُ يَتَقَدَّمُ الْخَبُرُ عَلَى الْمُبُتَدَأُ وَيَجُوزُ لِلْمُبُتَدَأُ الْوَاحِدِ اَخُبَارٌ كَثِيرَةٌ)

عبارت کاسکیس ترجمہ وتشر تک کیجیئے اور مثالیں بھی دیجئے رعبارت پراعراب لگائیں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور غور طلب ہیں ۔ (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) عبارت کی تشریح مع امثلہ (۳) عبارت پراعراب۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت كا ترجمه داور جائز بضمير كوحذف كرنا قريد ك پائ جانے كا ترجمه داور البرالكربستين درهما داور كھى مقدم ہوتى ہے فرمبتدا يراور جائز ہے كما كے مبتدا كيكے متعدفر يں ہوں۔

(۲) عبارت کی تشریح مع امثلہ ۔اس عبارت میں مصنف نے مبتداو خبر کے متعلق چند مسائل بیان کے ہیں۔(۱) جب مبتدا کی خبر جملہ ہوتو اس خبر کے اندر ضمیر کا ہونا ضرور ہی ہو جو مبتدا کی طرف لوٹے ۔ تو اس کے بارے میں پہلا مسئلہ بیان کیا کہ قرینہ کے پائے جانے کے وقت خبر سے ضمیر کوحذف کرنا جائز ہے ۔ جیسے السسمن منوان بدر هم اور البر الکر بستین در هما ان دونوں مثالوں میں خبر جملہ واقع ہور ہی ہاس لیے اس میں ضمیر کا ہونا ضرور کی ہے گرقرینہ کے دو آدی اسمن اور البر کی آواز لگار ہا قرینہ کیوجہ سے اس ضمیر کوحذف کرویا گیا ہے وہ قرینہ ہواؤ بھی ای چیز کا جلار ہا ہے ۔نہ کہ کو اور چیز کا جو تقدیر عبارت تھی السسمن منوان منه بدر هم اور البر آلک رمنه کہ کی اور چیز کا ۔ تو تقدیر عبارت تھی السسمن منوان منه بدر هم اور البر آلک رمنه بستین در هما ۔ قرینہ کی وجہ سے منظمیر کوحذف کردیا۔

(۲) مبتداخر پر مقدم ہوتا ہے دوسرا مئلدان کے بارے میں بیان کیا کہ بھی ضرورت کی وجہ ہے خبر کومبتدا پر مقدم بھی کر سکتے ہیں جیسے فی الدار رجل۔

(۳)عام طور پرمبتدا کی ایک ہی خبر ہوتی ہے تیسرا مسکداس کے بارے میں بیان کیا کہ ایک ہی مبتدا کیلئے متعددخبریں لا نابھی جائز ہے جیسے زید عالم فاضل حافظ۔

(m) عبارت يراعراب: - كما مر في السوال آنفا-

﴿السوال الثاني﴾ ١٤١٩ه

﴿ الشق الاول ﴾ (وَفَائِبَهُ النَّعُتِ تَخُصِيُصُ الْمَنْعُونِ إِنْ كَانَا نَكِرَ

كنهجو

تَيْنِ نَحُو جَاءَ نِي رَجُلٌ عَالِمٌ وَتَوْضِيُحُهُ إِنْ كَانَا مَعْرِ فَتَيْنِ نَحْوُ جَاءَ نِي رَيُدٌ ۗ الْفَاضِلُ وقديتُكُونَ لِلتَّاكِيُدِ)

عبارت کاسلیس ترجمہ وتشریح سیجئے اور پوری عبارت پراعراب لگاہئے ۔اس عبارت کا تعلق توابع میں ہے کس تابع ہے ہے۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں چار امور قابلِ النفات بيں (۱) عبارت كا ترجمہ (۲) عبارت كى تابع كى نشاندہى۔ (۲) عبارت كى تابع كى نشاندہى۔

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت كا ترجمه اورنعت كا فائده منعوت ك تخصيص ب اگروه دونول عرفه بول جيسے دونول عرفه بول جيسے دونول عرفہ بول جاء نبى ريد الفاضل اور بھی نعت تاكيد كيلئے بھي ہوتی ہے۔

(۲) عبارت کی تشریک نیک روه عبارت میں مصنف تعت (صفت) کو ذکر کرنے کے فوائد بیان کرر ہے ہیں کہ جب منعوت (موصوف) کے بعد نعت کو ذکر کیا جائے تو اس سے کیا فائدہ حاصل ہوگا۔ تو عبارت کا خلاصہ یہ ہے کہ اگر نعت اور منعوت دونوں نکرہ ہوں تو نعت کا فائدہ منعوت میں تخصیص بیدا کرنا ہے بعیے منعوت کے افراد میں ہے بعض افراد کو خاص کرنا ہے جیسے جاء نبی رجل عالم ۔ اس میں رجل تمام مردوں کو شامل تھا عالمہ نعت نے اس میں سے اہل علم کو خاص کردیا کہ آنے والا عالم ہے جاہل نہیں۔ اور اگر نعت اور منعوت دونوں معرفہ ہوں تو نعت کا فائدہ تو ضاص کردیا کہ آنے والا عالم ہے جاہل نہیں۔ اور اگر نعت اور منعوت دونوں معرفہ ہوں تو نعت کا فائدہ تو ضاحت کرنا مقصود ہوگا ہیںے جاء نبی ذیب الفاضل اس فائدہ تو قاضل سے اس کی میں اللفاضل نعت کوذکر کرنے سے قبل ابہا م تھا کہنا معلوم کو نسازید آیا ہے تو فاضل سے اس کی مضاحت ہوگا کہ جوزید فاضل ہے وہ آیا ہے کوئی اور نہیں۔ اور بھی نعت ان فوائد کے علاوہ تاکید کیلئے ہے کیونکہ وصدت نفخہ کی تاء کیلئے ہی آتی ہے جیسے نفخہ و احدہ ۔ اس میں واحدہ تاکید کیلئے ہے کیونکہ وحدت نفخہ کی تاء

(س) عبارت براعراب حكمامر في السوال آنفاً-

(۲) ند کوره عبارت کے تالع کے نشاندہی نے ندکورہ عبارت کا تعلق توابع کی اقسام

میں سے نعت سے ہے۔

﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ واعلم انه اذا اريد اضافة مثنَى الى المثنّى يعبر عن الأول بلفظ الجمع كقوله تعالى فقد صَعْت قلوبكما وفاقطعوا ايديهما) مرجمه ومطلب بيان يجيد اس قاعده مين لفظ اول كوجمع كماتحد لائن كركيا مجمد م

وضاحت شيجئے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور توجہ طلب ہیں (۱) عبارت کا ترجمہ (۲)عبارت کامطلب(۳)ضابطہ میں لفظِ اول کوجمع لانے کی وجہ۔

﴿ جواب ﴾ (١-٢) عبارت كاتر جمه وعبارت كامطلب - كمامر في الشق

الثاني من السوال الثاني ١٤٢٥هـ

(س) ضابطہ میں لفظ اول کو جمع لانے کیوجہ۔ وجہ یہ ہے کہ جن دو چیز وں میں اتصال قوی ہوان میں مماثلین کا جمع ہونا ناپند سمجھا جاتا ہے۔ چونکہ اضافت لفظی میں مضاف اور مضاف الیہ کے درمیان اتصال قوی پایا جاتا ہے لفظ بھی اور معنی بھی لفظ تو اس طرح کہ مضاف کا لفظ مضاف الیہ کے لفظ کے ساتھ متصل ہوتا ہے اور معنی اس طرح کہ مضاف کا معنی مضاف الیہ کا جزو ہوتا ہے۔ اس لیے اس میں دو تثنیہ کا جمع ہونا ناپند ہے اور تثنیہ کے چھوڑ دینے سے التباس بھی الزم نہیں آتا۔ اور اضافت معنوی کو اضافت لفظی پرمحمول کیا گیا ہے۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٩ه

﴿الشق الأول ﴾ ﴿ حُرْوُفْ الْجَرِ خُرُوفْ وُضِعَتْ لِافْضَاءِ الْفَعْلِ الْمُعَلِ اللهُ وَصَعَتْ لِافْضَاءِ الْفَعْلِ اللهُ ال

عبارت کا ترجمہ وتشریح کریں۔عبارت پراعراب لگائیں۔ آخری مثال کی نحوی ترکیب کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں چار امور کا حل مطلوب ہے (۱) عبارت کا ترجمہ (۲) عبارت کی تشریح (۳) عبارت پراعراب(۴) آخری مثال کی ترکیب۔ ﴿ جواب ﴾ كمامر فى الشق الاول من السوال الثالث ١٤٢٤هـ من السوال الثالث ١٤٢٤هـ من السوال الثالث ١٤٢٤هـ من السوال ﴿ الشيق الثاني ﴾ من حوث تضيف كن كوكت بين أوروه كتن بين من اكرايك من الروع كن بين من الكرايك الكرايك من الروع ك

(خلاصة سوال) اس سوال مين تين امور قابل النفات بين (۱) حروف تضيف كي تعريف (۲) حروف تضيف كي اشله

﴿ جواب ﴾ (۱) حروفِ تحضیض کی تعریف نے حروفِ تصفیض وہ حروف کہلاتے میں جومضار ع پر داخل ہوں تو فعل پر برا عیختہ کریں اور اگر ماضی پر داخل ہوں تو فعل کے ترک پر ملامت کریں جیسے ھیلا تاکی ۔ ھَلَّا ضربتَ۔

(۲) حروف تخضیض کی تعداد مصرون تخصیص جاری که هَلّا - آلّا - لَوْمَا - لَوُلَا - (۲) حروف تخصیص کی اعتماد میلا تاکل - الّا تضرب زیدًا - لوما تنظر - رولا تمشی - ولا تمشی -

الورقة الخامسة في النحو ﴿السوال الاول﴾ ١٤١٨ه

﴿الشق الأول﴾ ﴿ النَّفَاعِلُ كُلُّ إِسُمٍ قَبُلَهُ فِعُلٌ اَوُصِفَةُ اُسُنِدَ اِلَيْهِ عَلَى مَعُنَى اَنَّهُ قَامَ بِهِ لَا وَقَعَ عَلَيْهِ نَحُو قَامَ ذَيْدٌ وَذَيْدٌ ضَارِبٌ اَبُوهُ عَمُروَا ٥ عَبَارت بِراعراب لِكَا يَمِ عَبارت كاخلاصه بيان كرير - خط كثيره قيد كاكيافا نده ہے۔ (خلاصة سوال) اس سوال ميں تين امور مطلوب بيں (۱) عبارت بر اعراب (۲) عبارت كا خلاصه (۳) خط كثيره قيد كافا كده -

﴿ جوابِ ﴾ (١) عبارت براعراب - كمامر في السوال آنِفَا-

اس عبارت کا خلاصہ اس عبارت میں فاعل کی تعریف اور امثلہ ہے اس وضاحت بیان کی گئے ہے۔ جس کا حاصل ہے ہے کہ فاعل ہروہ اسم ہے جس سے پہلے فعل یا صفت کا صیغہ ہواور وہ فعل یا صفت کا صیغہ اس اسم کی طرف مند ہو باین طور کہ وہ اس اسم کے ساتھ قائم ہو۔ اس اسم پر

npookear

واقع نہ ہو۔ جیسے قام زید یوفاعل سے بل فعل کی مثال ہے اور زید ضارب ابوہ عمرواً فاعل سے بل معنواً ماس کے ساتھ قائم ہیں اس پر فاعل سے بل معنوا کم ہیں اس پر واقع نہیں ہیں۔

(۳)خط کشیدہ قید کا فائدہ: ۔ لاوقع علیه کی قید ہے مصنف کی غرض مفعول مالم یسم فاعل) خط کشیدہ قید کا فائل کی تعریف سے خارج کرتا ہے کیونکہ وہ بھی اسم ہوتا ہے اس سے قبل بھی فعل یاصفت کا صیغہ ہوتا ہے اور وہ اس کی طرف مند بھی ہوتا ہے مگر اس کے ساتھ قائم نہیں ہوتا بھی اس پر واقع ہوتا ہے۔ بلکہ اس پر واقع ہوتا ہے۔

﴿ الشق الثانى ﴾ (هذا إذا كَانَ الْفعُلُ مُسْنَدًا إِلَى الْمُظْهَرِ وَإِنْ كَانَ مُسْنَدًا إِلَى الْمُظْهَرِ وَإِنْ كَانَ مُسُنَدًا إِلَى الْمُضْمَرِ أُنِّتُ أَبَدًا نَحُوْ اَلشَّمْسُ طَلَعَتُ)

اعراب لگائیں۔ بتائیں کہ فعل کومؤنث لانے کیلیے کتنی اور کونی شرائط ہیں۔ کن صورتوں میں مؤنث لانا ضروری ہے اور کن صورتوں میں جائز ہے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں پانچ امور کاحل مطلوب ہیں (۱) عبارت پر اعراب (۲) فعل کومؤنث لانے کی شرائط کی تعداد (۳) شرائط کی نشاندہی (۴) وجو بی طور پر فعل کومؤنث لانے کی صورتوں کی نشاندہی (۵) جوازی طور پر فعل کومؤنث لانے کی صورتوں کی نشاندہی۔

﴿ جُوابِ ﴾ (١) عبارت يراع اب حكما مدّ في السوال آيفًا-

(۳_۲) تعلی کومؤنث لا نے کی شراکط کی تعداد و نشاندہی ۔ فاعل کے فعل کو مؤنث لا نے کی شراکط کی تعداد و نشاندہی ۔ فاعل کے فعل کو مؤنث لا یا کہ خوش کا ایک شرط بھی پائی جائے تو فعل کومؤنث لا یا جائے گا۔ (۱) فاعل مؤنث حقیقی مظہر ہو (۲) فاعل مؤنث حقیقی مظہر ہو۔ (۵) فاعل جمع تکمیر مظہر ہو۔ (۲) فاعل جمع تکمیر مظہر ہو۔ (۵) وجو بی وجوازی طور پر فعل کومؤنث لانے کی صور توں کی نشاندہی ۔

كمامر في الشق الاول من السوال الثاني ٢٤ ١ ه ضمني-

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤١٨ ه

﴿ الشق الأول ﴾ (الف) (واعلم ان المعطوف في حكم المعطوف عليه أعنى اذا كان الأول صفة لشيئى او خبر الأمر اوصلة اوحالا فالثاني كذلك ايضا)

- (ب) (والنصابطة فيه انبه حيث يجوز أن يقام المعطوف مقام المعطوف عليه جاز العطف وحيث لا فلا)
- (ج) (والعطف على معمولى عاملين مختلفين جائز ان كان المعطوف عليه مجرورا مقدماً و المعطوف كذلك)

عبارت کے تین حقے ہیں' ہر حصہ کے مفہوم کوا مثلہ کے ساتھ واضح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين ايك امرى توجيطك بعبارت كامفهوم مع امثله

﴿ جُوابِ ﴾ عبارت كامفهوم مع امثله (الف 'ب) - كـمـامر في الشق الثاني من السوال الثاني ٤٢٤ه -

(ج): عبارت کے تیسر ہے حصہ کا حاصل ہے ہے کہ ایک ہی جگہ پر دو مختلف عاملوں کے دو مختلف معمولوں پر دواسموں کا عطف کرنا جائز ہے۔ بشرطیکہ معطوف علیہ محروف علیہ محروف عبیہ معطوف مجروبر معطوف مجروبر معطوف ہو معطوف محصوب ومرفوع پر جیسے فی المدار زید و المسمدة عفر و اس مثال میں الداراورزید دو مختلف عاملوں کے دو مختلف معمول ہیں الدار کا عامل فی جارہ ہے اور زید کا عامل ابتدا (عامل رافع) ہے اور انہیں شرط بھی پائی جارہی ہے کہ معطوف علیہ مجرور (الدار) مقدم ہے معطوف علیہ مرفوع (زید) پر اب ان پر دو مختلف اسم المجرة اور عمر و کا عطف کرنا درست ہے اسلئے کہ آممیں بھی شرط موجود ہے کہ معطوف بحرور (الحجرة) مقدم ہے معطوف عاملوں کے دو مختلف عاملوں کے دو

﴿ الشق الثاني ﴾ (اسم الفاعل اسم مشتق من فعل ليدل على من قام به الفعل بمعنى الحدوث)

اسم فاعل کی تعریف لکھیں۔اسم فاعل کے صیغے کیسے بنائے جاتے ہیں۔اسم فاعل کاعمل اور عمل کی شرائط کیا ہیں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں جارا مور كاحل طلب كيا گيا ہے(۱) اسم فاعل كى تعريف (۲) اسم فاعل بنانے كاطريقة (٣) اسم فاعل كاعمل (٣) اسم فاعل كيمل كى شرائط -

﴿ جُوابِ ﴾ كمامر في الشق الثاني من السوال الاول ٢١ ١هـ

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٨ه

﴿الشق الأول﴾ المنصوب عامله خمسة أحرف

جوحروف فعل کونصب دیتے ہیں انہیں بیان کرنے کے بعد بتا ئیں کہ اُن کتنی جگہ مقدر ہوکر فعل کونصب دیتا ہے ہرایک کی مثال بھی تحریر کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر قابلِ النفات بين (١) حروف نواصب كي نشاند بي

(۲)ان ناصبہ کے مقدر ہونے کے مقامات مع امثلہ۔

﴿ جواب ﴾ (۱) حروف نواصب كى نشا ندى يه حروف ناصبه چار بين (۱) أن (۴) لن (٣) كيئه (۴) إِذَنُ -

(۲) أن ناصبه كمقدر بهونے كمقامات كى نشا ند بى مع امثله ـ اَن ناصبه سات جگه مقدر به و رفعل كونصب ديا ہے ـ (۱) حق ك بعد جيسے اسسلمن حتى الدخل الحنة (۲) اس لام ك بعد جولام كئ كم عن ميں بوجيے قام زيد ليذهب (۳) لام جحد ك بعد يعنى جولام كان منفيه ك بعد بوجي عاكان الله ليعذبهم (۴) جوفا امر - نبى فقى يمنى عرض الله ليعذبهم (۴) جوفا امر - نبى فقى يمنى عرض استفہام ك بعد واقع بواس فا ك بعد بحى أن مقدر بوتا ہام كى مثال اسلم فتسلم - نبى ك مثال لا تعص فتعذب فى كى مثال مات رودنا فنكر مك مثمنى كى مثال ليت لى مالا فاند فقة عرض كى مثال الات ندل بنافت صيب خيرا - استفہام كى مثال ها تعلم فاند فقة عرض كى مثال الات ندل بنافت صيب خيرا - استفہام كى مثال هال تعلم فاند فقة عرض كى مثال الات ندل بنافت صيب خيرا - استفہام كى مثال هال تعلم

فتنجو ۔(۵)جوداو مُذكورہ چرچزوں كے بعدواقع ہواس داؤكے بعد بھى ان مقدر ہوتا ہے۔ آس كى امثلہ بھى يہى بيں مصرف فاكى جگه پرداؤكوذكركر دياجائے۔ (٢) اس داؤك بعد جو إلّا أن يا الى أن كے معنى ميں ہوجيسے لاحبسنّك او تعطينى حقّى ۔(٤) داؤ عاطفہ كے بعد بشرطيك معطوف عليداسم صرح ہوجيسے اعجبنى قيامك و تخرج۔

﴿ الشق الثانى ﴾ حرف وقع كادومرانام كيا بيد كتف معانى كيك استعال بوتا به امثله كيماته وضاحت كرين مثل له كي وضاحت كرين و مثله كي وضاحت كرين و مثله كي وضاحت كرين و مثله كي الله يسكن الله مثل الله كي الله

﴿ جواب ﴾ (۱) حرف تو قع كا دوسرا نام به حرف تو قع كا دوسرا نام حرف تقريب عن كا دوسرا نام حرف تقريب كويتا ہے۔ ___

(۲) حرف توقع کے معانی مع امثلہ ۔(۱) قد جب ماضی پر داخل ہوتو قرب والا معنی اوا کرتا ہے جیسے قدر کب الا میر (۲) بھی ماضی پر داغل ہوکرتا کیدوالا معنی بھی اوا کرتا ہے جیسے ھل قام زید کے جواب میں کہا جائے قد قام زید (۳) جب فعل مضارع پر داخل ہوتو تقلیل والا معنی اوا کرتا ہے جیسے ان المکذوب قدیصدق (۲) بھی فعل مضارع پر داخل ہوکر حقیق والا معنی بھی اوا کرتا ہے جیسے قد یعلم الله المعوقین۔

(٣) شعر پراعراب: -كمامر في السوال آنِفًا-

(الم) شعر كا ترجمه : فوش كرتا ہے آ دى كوراتوں كا گزرنا۔ حالانكه راتوں كا گزرنااى كا

گزرناہے_

(۵) شعر کے ممثل لہ کی نشا ندہی ۔ اس مَا کی مثال ہے جوفعل کومصدر کے معنی میں کردیتا ہے۔

الورقة الخامسة في النحو ﴿السوال الاول﴾ ١٤١٧ه

﴿ الشق الأول ﴾ مسائلها ثمانية عشر مفت مشبه كالهاره ماكل بين الك مثالي نقشه بنا كرصرف بير بتاؤكم أمين ممتنع مختلف فيه فيج حسن احسن كون بين تفصيل مين نها مين -

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں صفت مشبہ کے اٹھارہ مسائل کی وضاحت نقشہ کی مدد سے اور متنع و مختلف فیہ وغیرہ صور کی نشاند ہی مطلوب ہے۔

﴿ جُوابِ ﴾ كمامر في الشق الثاني من السوال الثاني ١٤٢٣ هـ

﴿ الشق الثاني ﴾ افعال مدْح و ذم كا فاعل كتنظر يقول پر استعال ہوتا ہے جب انكا فاعل مضمر ہوتا ہے تو اس كى تميز دوتتم كى ہوتى ہے۔ بتا يئے وہ كونى ہے۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوباتوں کا جواب مطلوب ہے(۱) افعالِ مدح وذم کے فاعل کے استعمال کے طریقوں کی تعداد (۲) فاعل مضمر ہونے کی صورت میں دوشم کی تمیز کی نشاند ہی۔

﴿ جواب ﴾ (۱) افعال مدح وذم كے فاعل كے استعمال كے طريقوں كى تعداد : _ افعال مدح وذم كا فاعل تين طريقوں پر استعال ہوتا ہے۔

_ جھی اس کا فاعل اسم معرف باللام ہوتا ہے جیسے نعم الرجل زید۔

<u>. ٢ _ ي</u>جى اس كافاعل معرف باللام كى طرف مضاف موتا ب جيس نعم غلامُ الرجلِ زيدٌ-

<u>۳</u> _ بھی اس کا فاعل ضمیر ہوتا ہے۔

(۲) فاعل مضمر ہونے کی صورت میں تمیز کی نشاندہی۔ جباس کا فاعل مضمر ہونے کی صورت میں تمیز کی نشاندہی۔ جباس کا فاعل مضمر ہونواس کی تمییز کر ہ مضوبہ کے ہوتواس کی تمییز کالا ناضروری ہاوروہ تمییز دوطرح کی ہوتی ہے۔ (۱) اس کی تمییز کر ہ مضوبہ کے ساتھ لائی جائے گی جو شیداً کے ساتھ ہوگی۔ جیسے فیصل میں تھا ہے کہ دوسری میم

میں ادغام کردیا پھر اجماع ساکنین ہواعین اورمیم کے درمیان عین کو کسرہ دیدیا <u>فینے میا</u> ہوگیا۔ فَنِعِمَّا هِي كامِعَنْ ہوگا نِعُمَ شيئًا هي۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤١٧ ه

الشق الاول ، بتائے کہ منادی کب منی برضم ہوتا ہے اور کب محرور ہوتا ہے اور کب محرور ہوتا ہے اور کب منصوب ہوتا ہے مثالوں کے ساتھ بیان کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں ايک ہى امر كاحل مطلوب ہے كدمنا دى كے تى برضم و مجرورومنصوب ہونے كے مقامات كى نشاند ہى مع امثله كريں۔

﴿ جُوابِ ﴾ كمامرٌ في الشق الأول من السوال الثاني ٢٢ ١ هـ

﴿الشق الثاني ﴾مندرجة بل چيزون كاتعريف بيان كرير ـ

حال مفعول له مفعول معه مفعول فيه مفعول مطلق _

(خلاصة سوال) اسوال مين ايك بن چيزمطلوب ہے كەندكور داشياء كى تعريف كريں۔

﴿ جوابِ ﴾ مَذكوره اشياء كى تعريف حال كمامرَ في الشق الثاني من السوال الاول ١٤٢٢ه -

مفعول له مفعول له مفعول له وه اسم بحس كى وجد فعل فدكور (جواس قبل موجود به) واقع بوابولينى جواسم فعل فدكوركا سبب بنابوجي ضربته تاديباً السمين تاديباً مفعول لدې كماس كى وجد في الشق الاول مناس كى وجد في الشق الاول من السوال الثانى ٢٤١ه مفعول فيه مفعول فيه وه اسم بحس من فعل فدكورواقع بوابوخواه وه زبان بويا مكان بوز مان كى مثال صليت يوم الجمعة مكان كى مثال صليت فى المسجد مفعول مطلق مفعول مطلق مفعول مطلق وه مصدر به جوفعل فدكور كمعنى ميس بو خواه اس فعل كه ده به بوين في فركورك ماده به بواس كى مثال ضربت ضربا فعل المكور كماده به بواس كى مثال ضربت ضربا فعل المكور كماده به بوفقل به بواس كى مثال قعدت جلوسا -

﴿السوال الثالث ﴾ ١٤١٧ه

﴿ الشق الأول ﴾عطب بيان كاتريف اور مثال بيان كرنے كے بعد و لايلتبس بالبدل لفظا في مثل قول الشاعر

انا ابن التارك البكرى بشر عليه الطير ترقبه وقوعًا كم ممل تشريح سيجة اورشعركا مطلب كسيد.

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور کاحل مطلوب ہے(۱) عطفِ بیان کی تعریف مع مثال (۲) عبارت کی تشریح (۳) شعر کا مطلب۔

﴿ جُوابِ ﴾ كمامر في الشق الأول من السوال الثاني ١٤٢٥ ه وفي الشق الثاني من السوال الثاني ١٤٢١ هـ

﴿ الشق الثاني ﴾ الماءِسة مكبره كاعراب اورمثالين تحرير يجيح

(خلاصة سوال) اس سوال ميں ايك ہى چيز طلب كى تئ ہے كدا ساءِ ستەمكېر ه كا اعراب

مع امثله بیان کریں۔

· ﴿ جواب ﴾ (١) اسمائ ستمكير ه كااعراب مع امثله - كمامر في الشق الثاني من السوال الاول ١٤٢٤ ه ضمني -

\$ \$\$\$ \$\$\$\$ \$\$\$\$ \$\$\$ تيسيرالمنطق ايساغوجي مرقات

besturd!

besturdubooks.wordpress.com

الورقة السادسة في المنطق

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٥ه

﴿ الشق الاول ﴾علم منطق کی تعریف موضوع اورغرض و عابیة تحریر کریں کلی ذاتی و کلی عرض کی تعریف کریں۔ کلی عرضی کی تعریف کریں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) علم منطق کی تعریف موضوع' غرض وغایة (۲) کلی ذاتی وعرضی کی تعریف (۳) کلی ذاتی وعرضی میں فرق بالامثلہ۔

﴿ جواب ﴾ (۱) علم منطق كى تعريف موضوع عرض وغاية تعديف هو علم بقوانين تعصم مراعاتها الذهن عن الخطاء فى الفكر "كمنطق اليقوانين كاعلم ب جنكى رعايت كرناذ بن كوفكر ميس واقع بونه وال غلطى ب بچاتا ب موضوع وه معلوم شده تصورات وتعديقات جن ب نامعلوم تصور وتعديق كاعلم حاصل بو غرض و غاية معلومات كوتر تيب دين مين ذبن كاعلى سے بجانا۔

رس کلی ذاتی وعرضی کی تعریف وفرق بالامثله کلی ذاتی وه کلی ہے جواپی جزئیات کی عین حقیقت ہو یا جا چاہ کی عین حقیقت ہو یا حقیقت کا جزیہ واول کی مثال انسان ہے کہ وہ اپنی جزئیات انسان فرس بقر کی حقیقت خالد کی پوری حقیقت ہے اور ثانی کی مثال حیوان ہے کہ وہ اپنی جزئیات انسان فرس بقر کی حقیقت کا جزء ہے۔

کلی عرضی وہ کلی ہے جواپنے افراد کی حقیقت سے خارج ہوکران کولاحق ہو جیسے ضاحک اپنے افراد زید بکر خالد کی حقیقت سے خارج ہوکراس کولاحق ہے کیونکہ انسان کی حقیقت صرف حیوان ناطق ہے ضاحک حقیقت سے خارج ہے۔

﴿ الشق الثانى ﴾ ﴿ (جمعة تضيهٔ حمليه 'شرطيهٔ موجبُ سالبهٔ موضوع 'محول) اصطلاحات مذكوره ميں سے ہرايك كى تعريف ومثال ذكركرين اور بتائيں كە حمليه كى كتى قسميں بيں۔ تمام اقسام كومثالوں كے ذريعہ واضح كريں۔

(خلاصهٔ سوال)اس سوال میں سائل تین امور کا طالب ہے(۱)اصطلاحات مُدکورہ کی

تعریف مع الامثله (۲) قضیحملیه کی اقسام (۳) حملیه کی اقسام کی تعریف مع الامثله .

چواب (۱) اصطلاحات مذکوره کی تعریف مع الامثلہ - حجت وہ معلوم شدہ تقدیقات جن کورت ہوں المثلہ العالم متعلوم شدہ تقدیقات جن کورتیب دین و کل متعلوم متعلو

حملیه وه قضیه جس میں ایک شی کودوسری شی کیلئے ٹابت کرنے کایا ایک شی کودوسری شی نفی کا حکم لگایا گیا ہوجیسے زید قائم 'میں زید کیلئے قیام کے ثبوت کا حکم ہے اور زید لیس بقائم میں زید سے قیام کی نفی کا حکم لگایا گیا ہے۔

شرطیه و وقضیہ ہے جس میں جوت شک کشکی یانفی شک عن شک کا حکم نہ ہو بلکہ ووقضیوں سے ملکر ہے۔ جیسے ان کانت الشمس طالعة فالنهار موجود۔

موجدہ وہ قضیہ ملیہ ہے جس میں ایک شک کودوسری شک کیلئے ثابت کرنے کا حکم لگایا گیا ہوجیسے زید قائم اس میں قیام کوزید کیلئے ثابت کیا گیا ہے۔

سالبه و وقضیحلیہ ہے جس میں ایک شک کی دوسری شک سے نفی کا حکم لگایا گیا ہو جیسے زید لیس بقائم اس میں قیام کی زید نے نفی کی گئی ہے۔

موضوع تضیحلیہ کے جزءِاول کوموضوع کتے ہیں جیسے دید عالم میں زید موضوع ہے۔ محمول تضیح ملیہ کے جزءِ ثانی کومحول کتے ہیں جیسے دید عالم میں عالم محول ہے۔ (۲) قضیہ حملیہ کی اقسام موضوع کے اعتبار سے تضیہ حملیہ کی چاراتسام ہیں۔

شخصية طبعيه "محصوره مهمله-

(۳) حمليه كى اقسام كى تعريف مع الامثله - شخصيه وه تضيمليه بجس كا موضوع شخص معين بوجي زيد قائم-

طبعیه وه قضیملیه بجس کاموضوع کلی مواور حکم کلی کی حقیقت پر مؤند که افراد پرجیسے

الصبر مفتاح الفرج

<u>محصورہ</u> وہ قضیہ حملیہ ہے جس کا موضوع کلی ہواور حکم کل کے افراد پر ہو جنگی تعداد کلا یا ۔ بعصاً بیان کی گئی ہوجیسے تمام انسان جاندار میں 'یا بعض حیوان انسان میں۔

مهمله و وقضير جمليه ہے جس کا موضوع کی ہواور حکم کی کے افراد پر ہوجن کی تعداد کا يابع ها أ بيان نه کي گئي ہوجيسے انسان محتى جي اس مين پنهيں بتلايا كه تمام انسان محتى جي يا بعض۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٥ه

﴿الشق الأول﴾ ﴿ المفرد اما كلى وهو الذى لايمنع نفس تصور مفهومه عن وقوع الشركة فيه كالانسان واما جزئى وهو الذى يمنع نفس تصور مفهومه عن وقوع الشركة فيه كزيد)

مفرد کی تعریف واقسام مع امثلة تحریر کریں۔عبارت مذکورہ کامطلب واضح کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور کا حل مطلوب ہے (۱)مفرد کی تعریف

﴿ جواب ﴾ (١) مفروكي تعريف _وه لفظ جس كجزء عمعنى كجزء بردالات كا

قصدنه بوجيع بمره استفهام _

(۲) مفرد کی اقسام مع امثلہ ۔ مفرد کی چاراقسام ہیں (۱) لفظ کا جزء نہ ہو جیسے ہمزہ استفہام اس کا کوئی جزء نہیں ۔ (۲) لفظ کا جزء ہو عنی دار نہ ہو جیسے انسان لفظ کے اجزاء ہیں الف نون 'سین' الف' نون' مگر معنی دار نہیں (۳) لفظ کا جزء ہو معنی دار بھی ہو مگر معنی تقصود کی ہے جزء پر دلالت نہ ہو جیسے خلیل الرحمٰن جب کسی کا نام ہو 'لفظ کے اجزاء ہیں خلیل رحمٰن 'معنی دار بھی ہیں خلیل کا معنی دوست اور رحمٰن کا معنی بہت رحم کرنے والا ۔ مگر نام رکھتے وقت یہ معنی مقصود نہیں ہوتا۔ بلکہ فظ معنی علمی مقصود ہوتا ہے ۔ (۳) لفظ کا جزء ہو معنی دار بھی ہو' معنی مقصود کے جزء پر دلالت بھی کرتا ہو مگر دلالت کا قصد نہ کیا گیا ہو جیسے حیوانِ ناطق جب کسی کا نام ہو اس لیے کہ لفظ کا جزء بھی کہ جے ۔ حیوان اور ناطق معنی دار بھی ہے حیوان کا معنی عقلمنداور معنی مقصود کی کے ۔

منطق

جز ، پر دلالت بھی ہے کیونکہ اس شخص کی حقیقت حیوان ناطق ہی ہے مگر نام رکھتے وقت اس ولالت کااراد ونہیں کیا گیا۔

(س)عبارت کا مطلب آساعبارت میں مصنف ؓ کی غرض مفر د کی قسموں کو بیان کر نا ہے کہ مفر د کی دوقسمیں ہیں (۱) کلی (۲) جزئی ۔اس کے بعد ہرا یک کی تعریف بیان کی ہے جس کا حاصل یہ ہے۔

کلی:۔وہ منہوم ہے کہ اس کانفسِ تصور اس میں شرکت کے واقع ہونے ہے مانع نہ ہو جیسےا نسان اس کانصور اس میں شرکت ہے مالغ نہیں ہے۔

جزئی ۔ وہ مفہوم ہے کہ اس کانفس تصوراس میں شرکت سے مانع ہوجیتے زیداس کا تصور اس میں شرکت سے مانع ہے۔

﴿ الشبق الشبانى ﴾ السباوليات فطريات صربيات مشاہدات تجربيات اور متواترات ميں سے ہرائيک کی تعریف کر سے مثالوں سے واضح کریں تیز قیاس بر ہانی کی تعریف ومثال ذکر کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال کا خلاصہ دوامر ہیں (۱) ندکورہ قضایا کی تعریف مع امثلہ

(۲) قياس بر ہانی کی تعریف ومثال)

﴿ جواب ﴾ (۱) مذکورہ قضایا کی تعریف مع امثلہ: اولیات۔ وہ قضایا میں کہ موضوع محمول کے ذہن میں آنے ہے ہی عقل ان کوشلیم کر لے کسی دلیل کی ضرورت نہ ہوجیسے کل این جزءے بردا ہوتا ہے۔

فطریات ۔ معتضایا ہیں کہ جب وہ ذہن میں آویں توان کی دلیل ذہن سے غائب نہ ہو جیسے چار جفت ہے اور تین طاق ہے چار کے جفت ہونے کی دلیل اس کے ساتھ ذہن میں آتی ہے کہ بید دبرابرحصول میں تقسیم ہوتا ہے۔

حدسیات: ۔وہ قضایا ہیں کہ جنگی دلیلوں کی طرف ذہن جاوے مگر صغری کبری کو ترتیب وینے کی ضرورت نہ ہوجیسے کی نے مفتی ہے یو چھا کہ چوہا کنویں میں گر پڑا ہے تو کتنے ڈول نکالیں تواس نے فوراً بغیر منزی کبری کوملائے فوراً کہا کہ میں ڈول نکا لیے جائمیں۔ **مشاہرات** ۔وہ قضایا ہیں کہ جن میں حکم حواس ظاہرہ یا باطنہ کے ذریعہ سے لگایا جاو گے جیسے سورج روشن ہے' سورج پر روشن ہونے کا حکم آئکھ کے ذریعہ سے لگایا گیا ہے۔

تجربیات ۔وہ قضایا ہیں کہ جن میں بار بارتجربہ کے بعد عقل تھم لگائے جیسے تم نے گل بنفشہ کو گئی بنفشہ کو گئی بنفشہ کو گئی بنفشہ کی بارد یکھا کہ وہ ذکام کیلئے نافع ہے۔ کئی بارد یکھا کہ وہ ذکام کیلئے نفع کرتا ہے تو تم نے کلی طور پڑھم لگادیا کہ گل بنفشہ ذکام کیلئے نافع ہے۔ متواثر ات ۔وہ قضایا ہیں کہ جن میں تھم اتن پر کی جماعت کے کہنے یا خبر دینے کیوجہ سے لگایا گیا ہو کہ عقل ان کے جھوٹ پر شفق ہونے کو کال سمجھے جیسے مکہ کرمہ موجود ہے۔

(۲) قیاسِ برهانی کی تعریف ومثال نی تیاسِ بهانی وه قیاس ہے جومقد ماتِ یقیدیہ ہے مرکب ہوخواہ وہ مقد ماتِ یقیدیہ سے مرکب ہوخواہ وہ مقد ماتِ یقیدیہ بدیمی ہوں یا نظری جیسے محد ﷺ اللہ کے رسول ہیں اور ہراللہ کا رسول واجب الاطاعت ہیں۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٥ه

﴿الشق الأول﴾ (الدلالة التضمنية والالتزامية لاتوجدان بدون المطابقة وذلك لان الجزء لا يتصور بدون الكل وكذا اللازم بدون الملزوم والتابع لايوجد بدون المتبوع والمتابعة قدتوجد بدونهما لجواز ان يوضع اللفظ لمعنى بسيط لاجزء له ولالازم له)

عبارت میں مذکورہ دلالت کی نتیوں قسموں کی تعریف کرکے مثالوں سے واضح کریں۔اور عبارت کامطلب وضاحت کے ساتھ تح ریکریں۔

(خلاصةُ سوال) اس سوال كاخلاصه دوامر بين (۱) دلالت كی اقسامِ ثلاثه كی تعریف مع امثله (۲) عبارت كامطلب ـ

﴿ جواب ﴾ (١) دلالت كى اقسام ثلاثه كى تعريف مع امثله : ـ

ولالتِ مطابقی ۔وہ دلالتِ لفظیہ وضعیہ ہے جس میں لفظ اپنے پورے معنی موضوع لہ پر دلالت کرے چیبے لفظِ انسان کی دلالت حیوان ناطق کے مجموعہ پرمطابقی ہے۔

ولالت تصمنی ۔وہ دلالت لفظیہ ہے جس میں لفظ اپنے معنی موضوع لہ کے جزء پر

دلالت كرے جيسے لفظ انسان كى دلالت فقط حيوان يا فقط ناطق ترضمنى ہے۔

دلالتِ التزامی: ۔ وہ دلالتِ لفظیہ وضعیہ ہے جس میں لفظ ایسے معنی خارج پر دلالت کرے جومعنی موضوع لہ کولازم ہوجیسے لفظ عمی کی دلالت بصر پرالتزامی ہے۔

دالت تضمنی اور التزای دلالت مطابقی کے بغیر نہیں پائی جا کیں گی گویا دلالتِ مطابقی ولالتِ مطابقی اور التزای پائی جا کیگی وہاں پر دلالت مطابقی ضرور پائی جا کیگی وہاں پر دلالت مطابقی ضرور پائی جا کیگی ۔ اس لیے کہ مطابقی کل ہے اور شمنی جزء ہے اور جزء کل کے بغیر نہیں پایا جا تا ای طرح لازم بغیر ملزوم کے نہیں پایا جا تا ہے اور التزای لازم ہے اور مطابقی ملزوم ہے الغرض تضمنی اور التزای (جزء ولازم) تا بع ہیں اور مطابقی متبوع ہے اور تا بع بغیر متبوع کے نہیں پایا جا تا ، ووم یہ کہ دولالتِ مطابقی دلالتِ تضمنی والتزای کے بغیر بھی پائی جاستی ہے اس لیے کھمکن ہے جا تا 'دوم یہ کہ دولالتِ مطابقی دلالتِ تضمنی اور التزای کے بغیر بھی پائی جاستی ہے اس لیے کھمکن ہے کہ کوئی لفظ ایسا ہو جو معنی بسیط کیلئے موضوع ہو جس کا کوئی جزء اور لازم نہ ہوتو یہاں پر لفظ کی دلالتِ مطابقی تو تحقق ہو تکتی ہے مرضوع ہو جس کا کوئی جزء اور لازم نہ ہوتو یہاں پر لفظ کی دلالتِ مطابقی تو تحقق ہو تکتی ہے مرضوع ہو جس کا کوئی جزء اور لازم نہ ہوتو یہاں پر لفظ کی دلالتِ مطابقی تو تحقق ہو تکتی ہے مرضوع ہو جس کا کوئی جزء اور لازم نہ ہوتو یہاں پر لفظ کی دلالتِ مطابقی تو تحقق ہو تکتی ہے مرضوع ہو جس کا کوئی جزء اور الازم نہ ہوتو یہاں پر لفظ کی دلالتِ مطابقی تو تحقق ہو تکتی ہو جس کا کوئی جزء اور الازم نہ ہوتو یہاں پر لفظ کی دلالت مطابقی تو تحقق ہو تکتی ہو تو کھو تو کھو تھی اور الترا می تو تو تو کھو تھی ہو تھو تو کھو تو تو کھو تو کھو تو کھو تو کھو تھو تو کھو تو تو کھو تو تو کھو تو کھو تو کھو تو کھو تو کھو تو کھو تو تو

﴿الشق الثانى ﴿ سَنَ وَلَلْفَصَلُ نَسِبَةَ الَى النَّوعُ فَيَسَمَى مَقَوَما لَدُولُهُ فَى قَوامُ النَّوعُ وحقيقته ونسبة الى الجنس فيسمى مقسمالانه يقسم الجنس ويحصّل قسماله كالناطق فهو مقوم للانسان لان الانسان هو الحيوان الناطق ومقسم للحيوان لان بالناطق حصل للحيوان قسمان احدوان الناطق والآخر الحيوان الغير الناطق)

فصل کی تعریف مع امثله بیان کریں عبارت مذکورہ کی واضح تشریح کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور کا حل مطلوب ہے ۔ (۱)فصل کی تعریف فور کر میں میں میں میں اس کے قدر کے اس کے انداز کا حل مطلوب ہے ۔ (۱)فصل کی تعریف

(۲) فصل کی اقسام مع ا<u>مثله (۳) عبارت کی تشریح</u>

﴿ جواب ﴾ (۱) فصل كى تعريف فصل وه كلى ذاتى ہجو اى شدى هو فسى ذاتى ہے جو اى شدى هو فسى ذات اور حقیقت كے بارے میں سوال كيا

جائة ووكل اس كرواب مين واقع مووه فصل ب جيك الانسان اي شدى هو في ذاته فيقال حيوان ناطق-

<u>(۲) فصل کی اقسام</u> فصل کی دونتمیں ہیں فصل قریب فصل بعید۔

فصل قریب کی ماہیت کی وہ فصل ہے جواسے جنس قریب کے مشار کات سے ممتاز کردے مثلا ناطق انسان کیلئے فصل قریب ہے کہ جنس قریب یعنی حیوان ہونے میں انسان کے ساتھ جتنے بھی شریک تھے ناطق نے ان سب سے انسان کو علیحد واور ممتاز کردیا۔

فصل بعید کی ماہیت کی وہ فصل ہے جواہے بنس بعید کے مشارکات ہے ممتاز کردے جیسے حساس انسان کیلئے فصل بعید ہے کہ جنس بعید یعنی جسم نامی ہونے میں جتنی بھی چیزیں انسان کے ساتھ شریک تھیں حساس نے ان سب سے انسان کوعلیحد و دمتاز کر دیا۔

(س) عبارت کی تشریج اس عبارت میں مصنف نبیت کے اعتبار سے نصل کی تشیم فرمار ہے ہیں کہ فیل کی بھر فرف نوع کی طرف نبیت کے اقال ہوئے کی طرف نبیت کے اقال کی بھی نوع کی طرف نبیت کے اقال کی بھر فن نبیت کرتے ہوئے فصل نوع کی طرف نبیت کرتے ہوئے فصل نوع کے قوام اور حقیقت میں داخل ہوتی ہے مثلا ناطق (فصل) کی نبیت انسان (نوع) کی طرف کری تو ناطق انسان کی حقیقت اور قوام میں داخل ہونے کی وجہ سے اس کے لیے مقوم ہے۔
فصل کی جنس کی طرف نبیت کرتے ہوئے اسے مقسم کہتے ہیں اس لیے کہ جب فصل کی نبیت جب نبیت جنس کی جائے تو فصل جنس کو تقسیم کردیتی ہے مثلاً ناطق (فصل) کی نبیت جب حیوان (جنس) کی طرف کی تو ناطق نے حیوان کو دوقتموں لیعنی حیوان ناطق اور حیوان غیر ناطق میں تقسیم کردیا۔ اس وجہ سے اسے قسم کہتے ہیں۔

الورقة السادسة في المنطق

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٤ه

﴿ الشق الاول ﴾مفرداورمركب كى تعريف كريں اور مثالوں سے واضح كريں ' مفرد كى تنتى قسميں ہيں تفصيل سے تحرير كريں' نيز بتا ئيں كددرج ذيل الفاظ ميں كونسا مفرد ہے اور کونسامر کب؟اسلام آبادٔ عبدالرحنُ رمضان کاروزهٔ عصر کی نماز' دبلی کی جامع متجدخدا کا گھر ہے۔' (خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) مفرد دمر کب کی تعریف مع الامثلہ (۲) مفرد کی اقسام (۳)الفاظِ مٰہ کورہ میں مفرد دمر کب کی تعین _

جواب ﴾ (۱) مفرد ومركب كى تعريف بالامثله _مفرد _وولفظ كه جس ك جزء معنى كى جزء يردلالت كا تصدنه كيا گيا بوجيسي بمزة استفهام

مركب ـ وه لفظ كه جسك جزء ب معنى كى جزء پردلالت كاقصد كيا گيا ہوجيسے زيد عسالم

(۲) مفرد کی اقسام کمامر فی الشق الاول من السوال الثانی ۲۰۱ه۔
(۳) الفاظِ مُدُوره میں مفرد ومرکب کی تعین کے اسلام آباد مفرد ہے عبدالرحمٰ مفرد ہے مرکب ہے۔
رمضان کاروزہ مرکب ہے عفر کی نماز مرکب ہے دہل کی جامع مجد خدا کا گھر ہے مرکب ہے۔
﴿ الشق الثانی ﴾ جسجن قریب جن بعید فصل قریب فصل بعید میں سے ہرا یک کی تعریف کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں ایک ہی امر مطلوب ہے جنس قریب و بعید فصل قریب و بعید کی تعریف مع الامثلہ۔

﴿ جواب ﴾ جنس قریب کی ماہیت کی وہن ہے کہ اس کی جزئیات میں ہے جس جزئی کو بھی اس ماہیت کے دو جس ہے کہ اس کی جزئیات میں ہے جس جزئی کو بھی اس ماہیت کے ساتھ ملا کر لفظ مساھو سے سوال کریں تو جواب میں وہ بیا تاہم شالما لانسان و السفر س ماھما ساتھ ملا کر ماھوسے سوال کریں تو جواب میں حیوان ہی آتا ہے مثل الانسان و السفر س ماھما یا الانسان و البقر و العنم ماھم تواب جواب میں حیوان ہی آئے گا۔

جنس بعید کی ماہیت کی وہ جنس ہے کہ اس کی جزئیات میں سے کسی جزئی کو اس ماہیت کے ساتھ ملا کر ماھو سے سوال کریں تو بھی تو جواب میں واقع ہواور بھی واقع نہ ہوجیسے جسم نامی انسان کی جنس بعید ہے کہ جسم نامی کی جزئیات میں سے کسی جزئی مثلاً درخت کوہم انسان کے ساتھ ملاکر مساہ و سے سوال کریں تو جواب میں جسمِ نامی آتا ہے مگرانسان کے ساتھ جب فرس کو ملاکر سوال کریں تو جواب میں جسم نامی نہیں بلکہ حیوان آتا ہے۔

فصلِ قريب وفصل بعيد: حكمامر في الشق الثاني من السوال الثالث ١٤٢٥ هـ

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢٤ هـ

﴿الشق الاول﴾ (والاشكال اربعة)

اشکال اربعہ میں سے ہرایک کی تعریف ومثال ذکر کریں درج ذیل اصطلاحات کی تشریح کریں صدادسط اصغرا کبر صغری کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں دو امرحل طلب ميں (۱)اشكال اربعه كى تعريف مع الامثله (۲)اصطلاحات ندكوره كى تشريح۔

جواب (1) اشكال اربعه كى تعريف مع الامثله _ شكل اول _ وه شكل جس من صداوسط صغرى مين محول اوركبرى مين موضوع موجيد العالم متغير و كل متغير حادث فالعالم حادث -

شکل شانسی: ۔وہ شکل کہ جس میں حداوسط صغری کبری دونوں میں محمول ہوجیسے۔ ہر انسان حیوان ہے ٔاورکوئی پھر حیوان نہیں جمبے کوئی انسان پھر نہیں۔

نشبک شالث ۔وہ شکل کہ جس میں حداوسط صغری کبری دونوں میں موضوع ہوجیہے ہر انسان جاندار ہے' بعض انسان کا تب ہیں نتیجہ بعض جاندار کا تب ہیں۔

مشکل رابع ۔ وہ شکل کہ جس میں حداوسط صغری میں موضوع اور کبری میں محمول ہوجیسے ہرانسان جاندار ہے اور بعض کا تب انسان ہیں تیجہ بعض جاندار کا تب ہیں ۔

(۲) اصطلاحات مذکورہ کی تشریح حداوسط قیاس میں جوچز کررہ واست فی است میں جوچز کررہ واست قیاس سے حاصل ہونے والے نتیجہ کاموضوع اصغرے الکبر نتیجہ کامحول اکبرے صغری قیاس کے جس مقدمہ میں اکبر ہووہ کبری ہے۔ کیری قیاس کے جس مقدمہ میں اکبر ہووہ کبری ہے۔ الشیق الشانی الشیانی اللہ سیاس الاستثنائی فی الشیاس طیة

الموضوعة فيه ان كانت متصلة فاستثناء المقدم ينتج عين التالى كقولنا ان كان هذا انسانا فهو حيوان لكنه انسان فيكون حيوانا واستثناء نقيض التالى ينتج نقيض المقدم كقولنا ان كان هذا انسانا فهو حيوان لكنه ليس بحيوان فلا يكون انسانا)

قیاس استثنائی کی تعریف کرین عبارت کا ترجمه کریے واضح تشریح کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال کا حاصل تین امور ہیں (۱) قیاس استثنائی کی تعریف (۲) عبارت کا ترجمہ (۳) عبارت کی تشریح۔

﴿ جواب ﴾ (١) قياس استناكى كى تعريف . وه قياس جود وقفيوں سے مركب مو اور ببها قضية شرطيه مواور دونون قضيول مين حرف لسكن مواور نتيجه بإنقيض نتيجاني يوري ميئت اور ترتیب کے ساتھ قیاس میں مذکور ہوتو اسے قیاسِ استثنائی کہتے ہیں عین بھیجہ کے مذکور ہونے کی مثال جیسے آگر زیدانسان ہے تووہ حیوان ہے لیکن وہ انسان ہے نتیجہ پس وہ حیوان ہے نقیض نتیجہ کے مذکور ہونے کی مثال جیسے اگرزیدانسان ہے تووہ حیوان ہے لیکن وہ حیوان نہیں تیجہ پس زیدانسان نہیں۔ (۲)عمارت کا ترجمہ: قیاس اشٹنائی میں جوقضیة شرطیہ ہوتا ہے اگر وہ متعلہ ہوتوعین مقدم کا استناء کرنے نے تیج عین تالی آئے گا جیسے ہمارا قول کداگر بیانسان ہے تو حیوان بھی ہے لیکن وہ انسان ہے پس وہ حیوان ہے اور تالی کی نقیض کا استثناء کرنے سے نتیجہ مقدمہ کی نقیض آئے گا'جیسے ہمارا قول کہ اگریدانسان ہے تو حیوان بھی ہے لیکن وہ حیوان نہیں ہے اپس وہ انسان نہیں۔ (س) عبارت کی تشری اس عبارت میں قیاس استنائی میں قضیہ مصلہ ہونے کی صورت میں جونتیجہ حاصل ہوتا ہے اس کو بیان فر مار ہے ہیں تو فر مایا کہ اگر قیاس استثنائی میں قضیہ متصلہ دوتوعین مقدم کا سنٹناء کرنے ہے نتیج عین تالی آئے گاجیسے ان کے ان ہذا انسانیا فہو حيوان لكنه انسان مين اشتناعين مقدم جالبذا متيج بحى عين تال (فيكون حيوانا) آئے گااورا گراشتناء تالی کی نقیض کا کریں تو تتیجہ مقدم کی نقیض آئے گاجیسے ان کے ان ھے ذا انسانا فهو حيوان لكنه ليس بحيوان مين اشتناءتال كي نقيض كا بي تيج بحي نقيض

Jennordoress.

مقرم (فهو ليس بانسان) آيگا۔

ا نکےعلاوہ بقیہ دوصور تیں یعنی فقیض مقدم اورعین تالی کے استثناء سے نتیجہ حاصل نہیں ہوتا۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٤هـ

﴿ الشق الاول ﴾عکسِ مستوی کی تعریف کرین موجبہ کلیۂ موجبہ جزئی ٔ سالبہ کلیۂ سالبہ کلیۂ سالبہ کلیۂ سالبہ کلی

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں دو امر مطلوب ہیں ۔(۱)عکس مستوی کی تعریف (۲) مٰدکورہ قضایا کاعکس بالامثلہ۔

جواب (۱) عکس مستوی کی تحریف کی تضیه کاعکس مستوی یہ ہے کہ اس کے جزءاول کو جزء بانی اور جزء بانی کو جزءاول کردیا جائے بشرطیہ وہ تضیه صدق و کذب اور ایجاب وسلب میں اپنی حالت پر برقر ارد ہے جسے کیل انسسان حیوان اس کاعکس بعض الحیوان انسان ہے اس میں پہلا تضیہ ہے ہور موجبہ ہے تواس کاعکس بھی بچا اور موجبہ ہے۔

الحیوان انسان ہے اس میں پہلا تضیہ ہے ہور موجبہ کلیہ کاعکس مستوی موجبہ جزئیہ تا ہے جسے کل انسان حیوان کاعکس مستوی بعض حیوان انسان آتا ہے موجبہ جزئیہ کاعکس مستوی بعض حیوان انسان آتا ہے جسے کل انسان حیوان انسان آتا ہے جسے بعض انسان حیوان کاعکس مستوی بعض حیوان انسان آتا ہے سے الب کی کلیہ کاعکس مستوی بعض حیوان انسان آتا ہے جسے کوئی انسان پھر نہیں اس کاعکس مستوی کوئی چھر انسان نہیں آتا ہے جسے الب جزئیہ کاعکس مستوی کا ذری طور پر نہیں آتا کے ونکہ مستوی کوئی چھر انسان نہیں آتا ہے جسے الب جزئیہ کاعکس مستوی کا ذری طور پر نہیں آتا کے ونکہ مستوی کوئی چھر انسان نہیں آتا ہے جسے الب جزئیہ کاعکس مستوی کا ذری طور پر نہیں آتا ہے جسے الب حد بی تا ہے۔

﴿ الشق الثاني ﴾ استقراء وتمثیل کی تعریف کریں اور ہرایک کومثال ہے واضح کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں سائل ایک ہی امر کا طالب ہے استقراء وتمثیل کی تعریف بالا مثلہ۔

﴿ جواب ﴾ استقراء کسی کلی کی بہت ساری جزئیات میں کوئی خاص بات دیکھ کراس خاص بات کا حکم کلی کے تمام افراد پر لگادینا استقراء کہلاتا ہے جیسے مثلا ملیانی ایک کلی ہے آپنے بہت سے ملتا نیوں سے ملاقات کی تو انہیں خوش اخلاق پایا تو آپنے پوری کلی یعنی تمام ملتانیوں پر حکم رگادی۔ کہ ملتانی خوش اخلاق ہیں۔

تمثیل ۔ایک جزئی کے علم کودوسری جزئی میں ثابت کرنا ایکے درمیان کسی علیہ مشتر کہ کی بناء پر یعنی کسی خاص جزئی میں کسی علت کی دومہ ہے کوئی تھم پایا گیا چروہی علت کسی دوسری جزئی میں بناء پر یعلی جزئی کا تھم دوسری جزئی میں ثابت کرناتمثیل کہلاتا میں بھی پائی گئی تو اس علیہ مشتر کہ کی بناء پر یہلی جزئی کا حکم دوسری جزئی میں ثابت کرناتمثیل کہلاتا ہے مثلا شراب حرام ہے۔ آپ نے اس کی حرمت کی دوبہ تلاش کی تو معلوم ہوا کہ حرمت کی علت نشہ ہے چریہی دوبہ آپ کو جنگ میں بھی ملی تو آپ نے علیہ مشتر کہ (نشہ) کی بناء پر حرمت کا تھم بھنگ میں بھی ملی تو آپ نے علیہ مشتر کہ (نشہ) کی بناء پر حرمت کا تھم بھنگ میں بھی لگادیا۔

فا ئدہ:۔ای تمثیل کوفقہاء کی اصطلاح میں قیاس کہتے ہیں۔

الورقة السادسة في المنطق

﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٤ ه ضمني

﴿ الشـــق الاول﴾ شرطیه متصلهٔ شرطیه منفصله 'متصلازومیهٔ متصله اتفاقیه کی تعریف کر کے مثالوں سے واضح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں ايك بى امر مطلوب بند كوره قضايا كى تعريف مع الامثله وقضية شرطيه متصله وه قضية شرطيه متصله وه قضيا كى تعريف بالامثله مشطيه متصله وه قضية شرطيه بي دوقضيوں اور نسبتوں كے درميان اتصال ياعدم اتصال كا تكم ہوجيے اگر سورج فكا ہے تو دن موجود ہاں ميں طلوع شمس اور وجود نهار كے درميان اتصال كا تكم ہا ہے موجہ مصله كہتے ہيں اور ايى بات نہيں كه اگر سورج فكا ہے تو رات موجود ہاں ميں طلوع شمس اور وجود ليل كے درميان عدم اتصال كا تكم ہے اسے سال متصله كہتے ہيں۔

شرطیه مذهضله : ده قضیه شرطیه به جس میں دونستوں کے درمیان جدائی کے ثبوت یا جدائی کی نفی کا حکم لگایا گیا ہو جیسے انسان نیک بخت ہے یا بد بخت اس میں دونستوں کے درمیان جدائی کے ثبوت کا حکم ہے اسے موجبہ منفصلہ کہتے ہیں۔ اور ایسانہیں کہ زیدیا تو انسان ہے یا ناطق ہے اس میں زید کے انسان ہونے اور ناطق ہونے کے درمیان جدائی کی نفی کا تھم ہے اسے سال ہے۔ منفصلہ کہتے ہیں۔

متصله لـزوميه : ده قضيه مصله بجس مين دونبتول كدرميان اتصال ياعدم اتصال كاحكم ان دونول كـ درميان كى علاقه اورتعلق كى وجهسة ، وبيسا گرسورج فكلا بوتو دن موجود بهاس مين وجودنهار كاحكم طلوع شمس كى وجهسة به كيونكه وجودنها ركى علت طلوع شمس به توان دونون مين اتصال موا

متصلیہ اتفاقیہ :۔وہ تضیہ مصلہ جس میں دونستوں کے درمیان اتصال یاعدمِ اتصال کا حکم کسی علاقہ کی وجہ سے نہ ہو بلکہ اتفا قاہو جیسے اگر انسان ناطق ہے تو گدھا ناھق ہے اس میں دونوں تضیوں کے درمیان کوئی تعلق نہیں ہے بلکہ اتفا قاد ونوں جمع ہوگئے ہیں۔

﴿ الشبق الثبانسي ﴾قول شارح ، جمت نضيه موضوع ، محمول مقدم تالي ند وره اصطلاحات ميس سے برايك كي تعريف ومثال ذكر كريں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں ايك ہى امرحل طلب ہے مذكورہ اصطلاحات كى تعريف مع امثلہ۔

﴿ جواب ﴾ مَذكوره اصطلاحات كَي تعريف مع امثله حصه

موضوع محمول -تعریفها کمامر فی الشق الثانی من السوال الاول ۱۶۲۵هـ قولِ شارح: دویازیاده معلوم شده تصورات کوتر تیب دے کر جب کی نامعلوم تصور کو معلوم کریں تو ان پہلے ہے معلوم شدہ تصورات کومعرِ ف اور قولِ شارح کہتے ہیں جیسے تمہیں حیوان اور ناطق کاعلم ہے انکو ملانے ہے تمہیں انسان کاعلم ہوا تو حیوان اور ناطق کو انسان کامعرِ ف اور قولِ شارح کہیں گے۔

مقدم تالى تونية شرطية في وقفيول علكر بناجان مين ساول كومقدم اور عانى كوتالى كومقدم اور عالى كومقدم اور عالى كوتالى كوتالى كوتالى كوتالى كوتالى كوتالى كوتالى كوتالى كوتالى كانت الشمس طالعة مقدم اور فالنهار موجود تالى ب

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٤ ه ضمني

﴿ الشق الأول ﴾ (والعرضى اما ان يمتنع انفكاكه عن الماهية وهو العرض اللازم اولايمتنع وهوا العرض المفارق)

عبارت کا ترجمه وتشریح کرین خاصه اورغرض عام کی تعریف اورمثال ذکر کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين سائل تين امور كاطاب ب(ا)عبارت كاترجمه

(۲) عبارت کی تشریح (۳) خاصه وعرضِ عام کی تعریف ومثال به

﴿ جواب ﴾ (1) عبارت كا ترجمه الدوكل عرضى يا توممتنع موگااس كا جدامونا ماست الصادر و عرض لازم باور ياممتنع نهيل مو گااور و وعرض مفارق ہے۔

کی عبارت کی تشریح ۔ اس عبارت ہے مصنف کی غرض کلی عرضی کی اقسام کو بیان کرنا ہے کہ کلی عرضی کی دونشمیں ہیں عرضِ لازم' عرض مفارق ۔

اگرکلی عرضی کا پی ماہیت سے جدا ہوناممتنع ہواور وہ بالکل اپنی ماہیت سے جدانہ ہوتو یہ عرض لازم ہے جیسے زوجیت اربعہ کو لازم ہے جیسے زوجیت اربعہ کو لازم ہے اس سے بالکل جدانہیں ہوسکتی اورا گرکلی عرضی کا پی ماہیت سے جدا ہوسکتی ہوتو یہ عرض مفارق ہے جیسے چہرے پر غصہ کی سرخی ۔ یہ چہرہ کو لازم نہیں ہے اس سے جدا بھی ہوتی ہے۔

(۳) خاصہ وعرض عام کی تعریف ومثال: خساصیہ 'وہ کلی عرض ہے جوسرف ایک ہی حقیقت کے افراد کے ساتھ خاص ہوئی اور حقیقت میں نہ پائی جائے جیسے ضاحک ہونا انسان کا خاصہ ہے۔ عسر ضِ عسلم 'وہ کلی عرض ہے جو کئی حقیقت کے ساتھ خاص نہ ہو جیسے متنفس ہونا 'انسان کے ساتھ خاص نہ ہو جیسے متنفس ہونا 'انسان کے ساتھ خاص نہ ہو جیسے متنفس ہونا 'انسان کے ساتھ خاص نہ ہو جیسے ہتنفس ہونا 'انسان کے ساتھ خاص نہ ہو جیسے ہتنفس ہونا 'انسان کے ساتھ خاص نہ ہو جیسے ہتنفس ہونا 'انسان کے ساتھ خاص نہ ہو جیسے ہتنفس ہونا 'انسان کے ساتھ خاص نہ ہو جیسے ہتنفس ہونا 'انسان کے ساتھ خاص نہ ہو جیسے ہتنفس ہونا 'انسان کے ساتھ خاص نہ ہو جیسے ہتنفس ہونا 'انسان کے ساتھ خاص نہ ہونا کے بقیہ افراد پر ہونا ہونا کے ساتھ خاص نہ ہونا کے بقیہ افراد پر ہونا کے ساتھ خاص نہ ہونا کہ ہونا کے ساتھ خاص نہ ہونا کے بقیہ افراد پر ہونا کے ساتھ خاص نہ ہونا کے بقیہ افراد پر ہونا کی ہونا کے ساتھ خاص نہ ہونا کے بقیہ افراد پر ہونا کے بقیہ کی ساتھ خاص نہ ہونا کے بقیہ کے بھونا کے بقیہ کی ساتھ خاص نہ ہونا کی بھونا کے بھ

﴿ الشق الثاني ﴾ --- ولا يتحقق ذلك الاختلاف في المخصوصتين الآبعد اتفاقهما في الموضوع والمحمول والزمان والمكان والاضافة والقوة والفعل والجزء والكل والشرط)

تناقض کی تعریف کرنے کے بعدعبارت نہ کورہ کی وضاحت مثالوں کی روشی میں کریں میں کی ہے۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال کا حاصل دوامر ہیں (۱) تناقض کی تعریف (۲) عبارت کی وضاحت مع الامثلہ۔

(۲) عبارت کی وضاحت مع الامثلہ:۔اس عبارت ہے مصنف کی غرض دوقضیہ مخصوصہ کے درمیان تناقش کے تحقق ہونے کی شرائط کو بیان کرنا ہے تو کل بیآ ٹھیشرائط ہیں۔

(۱) موضوع : دونول تغيول كاموضوع ايك بوجيے زيد آيا بن رينيس آياان يس زيدموضوع ہے۔

(٢) محمول : دونو ل قضيول كامحول ايك بوجيسے زيد آيا ہے زيدنيس آيا ان ميس آ نامحول ہے۔

(٣) مکان دونول قضیول کامکان (حکمہ) ایک ہوجیسے زید مسجد میں ہے زید مسجد میں ہندیں ہے زید مسجد میں ان میں مسجد مکان ہے۔ مہم

(٤) رمان : دونول تفيول كازمان (وقت) ايك بوجيے زيد مح آيا زيد مح نہيں آيا ان ميں منح زمان ہے۔ ميں منح زمان ہے۔

(ہ) مسرط : ۔ دونو ل قضیوں کی شرط ایک ہوجیسے اگرزید میرے پاس آیا تو میں اسے ماروں گا'اگرزید میرے پاس آیا تو میں اسے نہیں ماروں گا'ان میں زید میرے پاس آیا شرط ہے۔

٦) اضافت : ۔ دونوں تضیوں کی اضافت ایک ہوجیسے زید بکر کاباپ ہے زید بکر کاباپ نہیں ان میں بکر کاباپ ہونا اضافت ہے۔

(۷) قوت و فعل : دونول قضيول مين قوت وفعل ايك ہويعنی دونول قضيول ميں بالفعل كام كا ثبوت وفقى ہو يا بالقو ة ثبوت وفقى ہو جيسے زيد بالفعل كا تب ہے زيد بالفعل كا تب نہيں ۔ ﴿﴿ ﴾ ﴿ وَكُلَّ : دونو ل تَضيول مِيں جزءوكل ايك بوعبثى كاكل جسم كالا ہے عبثى كاكلَّ جسم كالا ہے عبثى كاكلُّ جسم كالانہيں اگر بير تمام شرائط ثمانيه ميں دونو ل قضيے متحدوشن بول چرتو ان ميں تناقض ہوگا وگرنه نہيں' جيسے زيد آیا' بمرنہيں آیا! ان میں موضوع متحد نہيں لہٰذا تناقض نہيں ای طرح زيد كل آیا زيد آج نہيں آیا ان ميں زمان متحد نہيں لہٰذا تناقض نہيں ۔

﴿السوال الثالث ﴾ ١٤٢٤ هضمني

﴿ الشق الاول ﴾جنى حقیق وجزئی اضافی کی تعریف کریں اور بتا کیں کہ دونوں کے درمیان کونی نسبت ہے؟ مثال سے واضح کریں۔

(خلاصهٔ سوال)اس سوال کا حاصل دو امر میں (۱) جزئی حقیقی و اضافی کی تعریف مرحة ...

رمیان کے جزئی حقیقی واضافی میں نسبت مع الامثلہ ۔ جزئی حقیقی واضافی کے درمیان عموم وخصوص مطلق کی نسبت ہے ۔ الہٰ دادو مادے ہوں گے ایک اجماعی اور ایک افتراتی کا آدہ اجماعی کی مثال زید ہے کہ یہ جزئی حقیقی واضافی دونوں ہے حقیقی اس لیے کہ اس کے تصور میں شرکت ممتنع ہے اضافی اس لیے کہ یہ عام (انسان) کے تحت خاص ہے مآدہ افتراتی کی مثال انسان ہے کہ یہ جزئی حقیقی نہیں اس لیے کہ اس کا تصور شرکت سے مانع نہیں ہے اور جزئی اضافی ہے اس لیے کہ عمام (حیوان) کے تحت خاص ہے الحاصل ان میں عموم وخصوص مطلق کی نسبت ہے۔

﴿ الشق الثاني ﴾ جنس سافل جنس متوسط عنس عالى ميس سے ہرايك كى تعريف ومثال ذكر كريں _

(خلاصة سوال) اس سوال ميں ايك ہى امر عل طلب ہے ندكورہ اصطلاحات كى تحريف ومثال۔ تحريف ومثال۔

﴿ جواب ﴾ مذکورہ اصطلاحات کی تعریف ومثال ۔ جنسِ سافل وہ جنس ہے جس کے اوپر کوئی جنس ہو مگر اس کے نیچے کوئی جنس نہ ہو جیسے حیوان اس کے اوپر جنس (جسم نامی) موجود ہے مگر اس کے نیچے کوئی جنس نہیں ہے بلکہ اس کے نیچے نوع (انسان) ہے۔

جنسسِ متوسط : وہ جنس ہے جس کاو پر بھی جنس ہواور نیج بھی جنس ہوجیہے جسم نامی جنسِ متوسط ہے کیونکہ اس کے او پر جسمِ مطلق اور نیچ حیوان ہے اور بیدونوں جنس ہیں۔

الورقة السادسة في المنطق

﴿السوال الاول ﴾ ١٤٢٣ه

﴿ الشق الاول ﴾ تضيخصوصهٔ قضيط بعيهٔ تضيم صورهٔ قضيم بملهٔ موجبه کليهٔ موجبه جزئيهٔ سالبه کليهٔ سالبه جزئيه ميں سے ہرايک کی تعریف کر کے مثالیں ذکر کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين ايك بى امر مطلوب عند كوره قضايا كى تعريف مع امثله ... قضيه مخصوصه طبعيه

محصوره مهمله تعریفها کمامر فی الشق الثانی من السوال الاول ۲۵ ۱ هـ فرکوره تضایا میں سے تضیر محصوره کی چارا تسام ہیں یہ موجہ کلیۂ موجہ جزئیئ سالبہ کلیئ سالبہ جزئید موجب کلیه دوه تضیر محصوره ہے جس میں محمول کا ثبوت موضوع کے تمام افراد کے لیے ہوجیے ہرانسان جاندار ہے۔

موجب جرئیہ -روہ تضیر محصورہ ہے جس میں محمول کا ثبوت موضوع کے بعض افراد کے لیے ہوجیے بعض جاندارانسان ہیں۔

سالبه كليه - دوه تضيح صوره بجس مين محمول كي في موضوع كة تمام افراد يهو

جیسے کوئی پھرانسان نہیں۔

سالبه جرتیه : وه قضیه مصوره ہے جس میں محمول کی نفی موضوع کے بعض افراد سے ہو جیسے بعض انسان مسلمان نہیں۔

﴿ الشق الثاني ﴾قول شارح كى تعريف ومثال تكهين قول شارح كى تنى اقسام مين برايك كومثال كے ساتھ بيان كريں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں سائل دوامر کا طالب ہے(۱) قولِ شارح کی تعریف و مثال (۲) قول شارح کی اقسام مع امثلہ۔

﴿ جُوابِ ﴾ (۱) قولِ شارح كى تعريف ومثال - كمامر في الشق الثاني من السوال الاول ٢٤٤ه ضمني -

(۲) قولِ شارح کی اقسام مع امثلہ ۔قولِ شارح ومعرف کی چاراقسام ہیں ٔ عدتام ، حدِ ناقص ُ رَمِ تام ُ رَمِ ناقص ۔ حسدِ تسام کسی شک کاوہ معرف ہے جواس شک کی جنسِ قریب و فصلِ قریب سے مرکب ہو جیسے حیوان ناطق انسان کا عدِ تام ہے۔

حدِ مَا الله عَلَى الله عَمْرُف ہے جواس شک کی جنسِ بعید اور فصلِ قریب ہے مرکب ہوچیے جسمِ ناطق یا صرف ناطق انسان کاحدِ ناقص ہے۔

رسم تام :کی شک کاوہ معرف ہے جواس شک کی جنسِ قریب اور خاصہ سے مرکب ہو جیسے حیوان ضاحک انسان کارسم تام ہے۔

رسم ناقص کی کاوہ معرف ہے جواں شک کی جنسِ بعیداورخاصہ ہے مرکب ہویاصرف خاصہ سے ہوجیے جسم ضاحک یاصرف ضاحک انسان کارسم ناقص ہے۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٣ه

﴿الشق الأول﴾ (فالمفرد اما كلى وهو الذى لايمنع نفس تصور مفهومه عن وقوع الشركة فيه كالانسان واما جزئى وهو الذى يمنع نفس تصور مفهومه عن وقوع الشركة فيه كزيد والكلى اماذاتى وهو الذى يدخل

تحت حقيقة جزئياته كالحيوان بالنسبة الى الانسان والفرس)

کلی ذاتی وعرضی کی تعریف کر کے دونوں کے درمیان فرق واضح کریں' ندکورہ عبارت کی سک مکمل تشریح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں تين امور طلب بيں (1) كلى ذاتى وعرضى كى تعريف (٢) كلى ذاتى وعرضى ميں فرق (٣) عبارت كى تشريح _

﴿ جواب ﴾ (۱) کلی ذاتی وعرضی کی تعریف کیلی داتی و و کلی ہے جواپی جزئیات کی عین حقیقت ہو جیے انسان اپنے افراد زید بکر خالد کی عین حقیقت ہے یا حقیقت کا جزء ہو جیے وان اپنے افراد انسان بقر عنم کی حقیقت کا جزء ہے۔

کلی عرضی دوه کل ہے جواپنے افراد کی حقیقت سے خارج ہوکران کو لاحق ہوجیسے ضاحک بدا ہے افراد زید بکر خالد کی حقیقت سے خارج ہوکران کو لاحق ہے کیونکہ ان کی حقیقت حیوان ناطق ہے۔

لا) کلی ذاتی وعرضی میں فرق نے ندکورہ تعریفات سے ان میں فرق بھی واضح ہو گیا کہ کلی ذاتی اپنی افراد کی میں حقیقت یا جزءِ حقیقت ہوتی ہے اور عرضی اپنے افراد کی حقیقت سے خارج ہو کران کولاحق ہوتی ہے۔

(۳) عبارت كى تشريح ـ فالمفرد يكزيدتك عبارت كى تشريح كمامير فى الشق الأول من السوال الثانى ١٤٢٥ هـ والكلى الغ اسعبارت مين مصنف في كان داتى كاتريف كى برجس كى وضاحت امر اول مين بوچكى بهد

﴿ الشق الثاني ﴾ مساشكال اربعه كى تعريف وامثله ذكركرين ورج ذيل عبارت كى وضاحت مثالوں كي ذريع كريں ـ

(والثناني يترتب الى الاول بعكس الكبرى والثالث يرتد اليه بعكس الصغرى والرابع يرتد اليه بعكس الترتيب وبعكس المقدمتين)

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر حل طلب بين (١) اشكال اربعه كي تعريف مع امثله

منطق.

(۲)عبارت کی وضاحت مع امثلہ۔

﴿ جُوابِ ﴾ (١) اشكال اربعه كي تعريف وامثله - كمامر في الشق الاول من السوال الثاني ١٤٢٤ه-

(٢) عمارت كى وضاحت مع أمثله: اسعارت مين مصنفٌ شكل ثاني 'ثالث رابع ہے شکلِ اول بنانے کاطریقہ بتلارہے میں وجداس کی یہ ہے کہ شکل اول سے نتیجہ آسانی ہے اخذ ہوتا ہے۔ شکل ثانی سے شکل اول بنانے کا طریقہ ہیے کہ کبری کانکس نکال کراس کوصغری کے ساتھ ملائیں تو شکل اول ہن جائے گی جیسے ہرانسان جاندار ہےاورکوئی پھر جاندار نہیں نتیجہ کوئی انسان چقرنہیں تو کبری کاعکس نکاااشکل اول بن گئی ہرانسان جاندار ہے کوئی جاندار پھرنہیں نتیجہ کوئی انسان پھرنہیں شکل ثالث ہے شکل اول بنانے کا طریقہ یہ ہے کہ صغری کا عکس نکال کراس کو کبری کے ساتھ ملائیں تو شکل اول بن جائے گی جیسے ہرانسان جاندار ہے اورکوئی انسان پھرنہیں نتیجہ کوئی جاندار چترنہیں تو صغری کاعکس نکالاشکل اول بن گئی بعض جاندارانسان ہیں اورکوئی انسان پیترنہیں ·تیجہ بعض جاندار پھرنہیں ٹنکل رابع ہے شکل اول بنانے کے دوطریقے ہیں اول یہ کہ دونو ں مقدموں کی ترتیب بدل دیجائے یعنی صغری کو کبری اور کبری کوصغری کی جگد برر کھ دیا جائے جیسے کوئی انسان پھرنہیں اوربعض حیوان انسان ہیں نتیجہ بعض حیوان پھرنہیں ٔان دونو ں مقدموں کی تر تیب بدلى توشكل اول بن گئى جيسے بعض حيوان انسان مېں اور كو كى انسان پقرنہيں نتيجہ بعض حيوان پقرنہيں دوسراطر یقه بیرکه دونوں مقدموں کاعکس کیا جائے جیسے ہرانسان جاندار ہےاوربعض لکھنے والے انسان ہیں نتیجہ بعض جاندار لکھنے والے ہیں دونو ں مقدموں کاعکس کیا تو شکل اول بن گئی' جیسے بعض جاندارانسان ہیں اوربعض انسان لکھنے والے میں نتیجہ بعض جاندار لکھنے والے میں۔

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢٣ه

﴿ الشق الاول ﴾ دلالتِ لفظيه وضعيه كى تعريف كر كے مثال سے واضح كرين نيز دلالت لفظيه وضعيه كى تنى قتى ميں بن ان كومع امثلة تحرير كريں ۔

(خلاصة سوال) اس سوال كاخلاصه دوامريين (1) دلالت لفظيه وضعيه كي تعريف مع

مثال (۲) داالت لفظيه وضعيه كي اقسام مع امثله ..

جواب ﴾ (۱) دلالت لفظيه وضعيه كى تعريف ومثال دولالت لفظيه وضعيه وصعيه وودلالت به جس مين دلالت ذات زيد و دلالت دات نايد براگروضع ند بوتى تولفظ زيد دات زيد بردلالت نه كرتا ـ

(٢) ولالت لفظيه وضعيه كي اقسام مع امثله: -كماسر في الشق الاول من السوال الثالث ١٤٢٥ هـ

﴿ الشق الشانى ﴾ مسمترك منقول منقول منقول عرفي منقول اصطلاحى حقيقت ومجازيس سے ہرايك كى تعريف كركے مثالوں سے واضح كريں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين ايك بى امر مطلوب ہے ندكورہ اصطلاحات كى تحريف وامثله ـ

﴿ جواب ﴾ مذكوره اصطلاحات كى تعريف وامثله مشترك وه لفظ مفرد به جومتعدد معانى كيلئ الگ طور پروضع كيا گيا موجيك لفظ عين آنك آفاب چشمه وناسب كيك عليمده طور پروضع كيا گيا ہے۔

منقول دوہ لفظ مفرد ہے جواپی اصلی معنی میں متروک ہوکر کسی مناسبت کی وجہ ہے دوسرے معنی میں مشہور ہوگیا ہو جیسے لفظ دابہ ہرزمین پر چلنے والے جانور کیلئے موضوع ہے گر بعد میں صرف چو پائے کیلئے استعال ہونے لگا۔ پھر اس منقول کی تین اقسام ہیں ۔منقول شرعی منقول عرفی منقول اصطلاحی ۔

منقول شرعی : ۔ وہ منقول ہے جس کے نقل کرنے والے ارباب شرع ہوں جیسے لفظ صلوۃ کا اصل معنی دعاہے مگر ارباب شرع نے ارکانِ مخصوصہ (نماز) کی طرف نقل کردیا کیونکہ اس میں بھی دعاہوتی ہے۔

منقول عرفی دوهمنقول ہے جس کے قل کرنے والے عام لوگ ہوں جیسے لفظ دابدکو نقل کیا گیاصرف چویائے کیلئے کیونکہ وہ بھی زمین پر چلتے ہیں۔ منقول اصطلاحی ۔ وہ منقول ہے جس نے نقل کرنے والے مخصوص لوگ ہوں جیسے اسم کا اصل معنی بلندی تھا پھرنجو یوں نے ایسے کلمہ کی طرف نقل کردیا جو ستقل بالمفہومیت ہواوراس میں تینوں زمانوں میں سے کوئی زمانہ نہ یا یا جائے۔

حقیقت : وه لفظ مفرد ہے جوا پیے معنی موضوع له میں مستعمل ہوجیسے لفظ اسد کا استعمال شیر کیلئے۔

_____ مجــار : وه لفظِ مفرد ہے جومعنی موضوع له کے غیر میں مستعمل ہوجیسے لفظ اسد کا استعمال بہا در شخص کیلئے ۔

الورقة السادسة في المنطق ﴿ السوال الاول﴾ 127٢ ه

﴿الشَّق الأول﴾اعلم أن العلم يطلق على معان......

علم کے پانچ معانی کی وضاحت کریں'اوران میں فرق لکھیں۔

معلوم کے درمیان حاصل ہونے والی ہے۔

(خلاصة سوال) اسوال کا عاصل ایک بی امرے علم کے پانچ معانی اور انمیں فرق۔
﴿ جواب ﴾ علم کے پانچ معانی اور انمیں فرق ۔ (۱) حصول صورة الشخص في العقل ليعن شک کی صورت کے قوت مدر کہ میں عاصل ہونے کا نام علم ہے۔
(۲) المصورة المحاصلة من الشئ عند العقل ليعن شک کی وہ صورت جوذ بمن کے پاس عاصل ہونے والی ہو وہ علم ہے (۳) المحاضر عند المدرك ليعن وہ چيز جومد رک کے پاس عاصر ہووہ علم ہے (۶) المحاض عند المدرك ليعن فرہ چيز جومد رک کے پاس عاصر ہووہ علم ہے (۶) قبول المنفس لتلك الصورة ليمن علم وہ نسبت ہے جو عالم اور ہے۔ (۵) الاضافة المحاصلة بين العالم و المعلوم ليمن علم وہ نسبت ہے جو عالم اور

فرق : بعض حفزات کے ہاں شک کی صورت کے ذہن میں حاصل ہونے (معنی مصدری) کا نام علم ہے اور بعض نے کہا کہ نہیں بلکہ ذہن میں شک کی حاصل شدہ صورت کا نام علم ہے۔ اور بعض نے کہا کہ شک کی حاصل شدہ صورت کا نام علم نہیں بلکہ بذات خود جوشکی ذہن کے پاس حاضر ہےاس کا نام علم ہے۔ بعض نے کہا کہ محض شک کے حاصل ہونے کا نام بھی علم نہیں بلکہ نفس کے اس کو قبول کرنے کا نام علم ہے۔ بعض نے کہا کہ نہیں بلکہ علم وہ نسبت اور تعلق ہے جو عالم اور معلوم کے درمیان ہوتا ہے۔

﴿الشق الثاني﴾ (اعلم ان النسبة بين الكليين تتصور على انحاء اربعة)

برکلی کی دوسری کلی کے ساتھ چارنستوں میں سے ایک نسبت ضرور ہوگی چارنستیں کون کون سی ہیں ہرایک کومثال سے واضح کرتے ہوئے تا کیں کے فرس وانسان میں کون می نسبت ہے۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوا مرتوجہ طلب ہیں (۱) نسبت کی اقسام اربعہ کی تعریف وامثلہ (۲) فرس وانسان میں نسبت کی وضاحت۔

﴿ جواب ﴾ (۱) نسبت کی اقسامِ اربعه کی تعریف ومثال نسبت کی جاراقسام ہیں تساوی' تباین' عموم وخصوص مطلق' عموم وخصوص من وجہ۔

تساوی دوکلیوں کے درمیان وہ نسبت ہے کہ دونوں کلیوں میں سے ہرا کی کلی دوسری کلی کے ہر ہر فرد پر صادق آئے جیسے انسان و ناطق کہ ان میں سے ہرا کی کلی دوسری کے ہر ہر فرد پر صادق ہے جن دوکلیوں کے درمیان بینسبت ہے ان کو تساویین کہتے ہیں۔

تات ووکلیوں کے درمیان وہ نسبت ہے کہ دونوں کلیوں میں سے کوئی کلی بھی دوسری کلی کے سی فرد پر صادق نہیں کئی کے سی فرد پر صادق نہیں ہے۔ جن دوکلیوں کے درمیان پہنست ہوان کو تنہا بنین کہتے ہیں۔

عموم وخصوص مطلق دو کلیوں کے درمیان وہ نسبت ہے کہ ان میں سے ایک کلی تو درمری کے تبام افراد پرصادق ہوادر بعض پرصادق نہ ہو جسے حیوان افراد پرصادق ہوادر بعض پرصادق نہ ہو جسے حیوان اور انسان کے حیوان انسان کے تمام افراد پرصادق ہے گر انسان حیوان کے بعض افراد پرصادق ہواں کو صادق ہواں کو صادق ہواں کو عام مطلق اور جودوسری کے بعض افراد پرصادق ہواں کو اخص مطلق اور جودوسری کے بعض افراد پرصادق ہواں کو اخص مطلق کہتے ہیں۔

عموم وخصوص من وجہ: دوکلیوں کے درمیان وہ نبت ہے کہ ان میں سے ہرایک کلی دوسری کلی کے بعض افراد پر صادق ہواور بعض پر صادق نہ ہو جیسے حیوان اور ابیض کہ ان میں سے ہرایک کلی دوسری کے بعض افراد پر صادق ہے اور بعض پر نہیں مثلا بطی میں ہر کلی صادق ہے اور کا لی بھینس میں صرف حیوان صادق ہے اور سفید پھر میں صرف ابیض صادق ہے اور انہیں سے ہرا یک کلی اعم من وجہ اور انھیں میں وجہ کہلاتی ہے۔

(۲) فرس وانسان میں نسبت کی وضاحت : فرس وانسان میں نسبت تباین ہے اس کے کہا نہیں ہے کہ انہیں ہے کہا دوسری کل کے کسی فرد پر صادق نہیں ہے۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٢ه

المشق الاول ،درج ذیل اصطلاحات کی تشریح کریں اور ہرایک کو مثال سے واضح کریں ۔ الحدالیام' الحدالیات الرسم النام' الرسم النام' الرسم الناقص' الرسم الناقص المجزئی' المقدم' الناقل ۔

(خلاصةُ سوال) اس سوال مين صرف اصطلاحات كى تعريف ومثال مطلوب ہے۔ ﴿ جواب ﴾ اصطلاحات كى تعريف ومثال _ الحداليّام الحداليّاق الرحم اليّام اليّام اليّام اليّام اليّام اليّام اليّام اليّام اليّاق تعريفها كمامرٌ في الشق الثناني من السوال الاول ٢٢٣هـ م

الحدالا وسط الصغر ى الكبرى: - تعريفها كمامر في الشق الاول من السوال الثاني ٢٤٤ه -

الكلى الجزئي - تعريفهما كمامر في الشق الأول من السوال الثاني ٢٥ ١٤ هـ المقرم التالي - تعريفهما كمامر في الشق الثاني من السوال الأول ١٤٢٤ هضمني -

﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ العكس المستوى ويقال له العكس المستقيم ايضاً) - عكس مستوى كى تعريف لكيس موجب كليهُ موجب جزئيهُ مالبه كليهُ سالبه جزئيهُ مالبه جزئيهُ كالحس مثالول كيماته لكيس _

(خلاصۂ سوال) اس سوال کا حاصل دو امر ہیں (۱)عکسِ مستوی کی تعریف ۔

(۲) مذكوره قضايا كاعكس مع امثله _

﴿ جواب ﴾ (٢١) عكس مستوى كى تعريف نذكوره قضايا كاعكس : حدامر فى الشق الأول من السوال الثالث ٢٤٢ه -

﴿السوال الثالثِ﴾ ١٤٢٢هـ

﴿الشق الأول﴾والاشكال اربعة ـ

اشکال اربعہ میں سے شکل اول و ثالث کی مثال کھیں۔ نیز استقراء وتمثیل کی بھی وضاحت کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوامر کا جواب مطلوب ہے(۱) اشکال اربعہ میں سے شکل اول اور ثالث کی مثال (۲) استقراء وتمثیل کی وضاحت۔

﴿ جواب ﴾ (١) شكل اول وثالث كي مثال -كمامر في الشق الاول من

السوال الثاني ٤٢٤ هـ

(۲) استقراء وتمثيل كي وضاحت كمامر في الشق الثاني من السوال الثالث ١٤٢٤هـ

﴿الشق الثاني﴾ البرهان قسمان -

برهان کی دونشمیں کون کون میں ہرا یک کی وضاحت کریں۔ نیز قیاس خطا لی وشعری میں فرق واضح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال ميں دو امر مطلوب ميں (۱) اقسام بربان كى وضاحت (۲) قياس خطابي وشعرى ميں فرق۔

جواب (ا) اقسام برهان کی وضاحت برهان کی دوسمیں ہیں دلیسل لمقبی دلیسل لمقبی دلیسل لیم برهان کی دوسمیں ہیں دلیسل لمقبی دقیاں کے ذریعہ سے ہمیں جونتیجہ کاعلم ہوتا ہاں کی وجداور علت حد اوسط ہوتی ہے ، چرحد اوسط حقیقت میں اس علم کی علت بھی ہے یا نہیں 'تو اگر حد اوسط حقیقت میں بھی جسے زمین دھوپ والی ہے اور ہردھوپ حقیقت میں بھی اس علم کی علت ہوتو اے دلیل تمی کہتے ہیں جیسے زمین دھوپ والی ہے اور ہردھوپ

والی چیز روثن ہوتی ہے نتیجہ زمین روثن ہے تو اس مثال میں ہم نے زمین کے روثن ہونے کی علت ''دھوپ والی ہونا'' زکالی ہے جو کہ حقیقت میں بھی اس کی علت ہے اسے دلیل لیمی کہتے ہیں۔

دلیلِ انّی : اگر حد اوسط حقیقت میں علت نه ہو بلکه صرف ہمارے علم میں علت ہوتواس کو دلیلِ انّی کہتے ہیں جیسے کمرہ روشن ہے اور ہرروشن چیز دھوپ والا ہوتی ہے تیجہ کمرہ دھوپ والا ہونے کی علت اس کا روشن ہونا بنائی حالانکہ حقیقت میں سیعلت نہیں بلکہ معاملہ برعکس ہے کہ روشن ہونے کی علت دھوپ والا ہونا ہے تواسے دلیال انّی کہتے ہیں۔

(۲) قیاس خطابی و شعری میں فرق - قیداس خطابی وہ قیان جوالیے مقدمات محرکب ہو جوکسی قابل اعتبار رہنما اور شخصیت کے نزدیک مقبول ہوں یا جیکے متعلق غالب گمان صحیح ہونے کا ہو جیسے زراعت نفع کی شک ہے اور ہر نفع کی شکی قابلِ اختیار ہے ، پس زراعت قابلِ اختیار ہے۔

قیساس شعری کوه قیاس جوایے مقد مات ہے مرکب ہوجوئن کر طبیعت خوش یا غمز ده ہوخواہ وہ مقد مات ہے ہوں یا جموٹ کے ہول جیسے زید چاند ہے اور ہر چاندروشن ہے پس زیدروشن ہے۔ الغرض قیاس خطابی کی بناءان مقد مات پر ہوتی ہے جیکے متعلق غالب گمان سیح ہونے کا ہواور قیاس شعری میں یہ ضروری نہیں اس میں دونوں طرح کے مقد مات ہو سکتے ہیں۔

الورقة السادسة في المنطق ﴿السوال الاول﴾ 1211ه

﴿ الشق الأول ﴾علم منطق كى تعريف موضوع وغرض وغاية تحريركرين نيز درج ا ذيل اصطلاحات كى وضاحت كرين دال مداول دايات موضوع موضوع كه وضع ـ

(خلاصۂ سوال)اس سوال میں دوامرحل طلب ہیںِ (۱)علم منطق کی تعریف 'موضوع' غرض و نایۃ (۲)اصطلا حات کی و ضاحت ۔

﴿ جواب ﴾ (١) علم منطق كي تعريف موضوع عرض وغاية الكم منطق كي تعريف موضوع عرض وغاية الكم منطق

الشق الاول من السوال الاول ١٤٢٥هـ

(۲) اصطلاحات کی وضاحت _ دال مدلول دلالت کی گااس طور پر ہونا کہ اس طور پر ہونا کہ اس طور پر ہونا کہ اس کے علم ہے دوسری نامعلوم چیز کاعلم خود بخو دہوجائے تو اسے دلالت کہتے ہیں اور جس چیز کاعلم ہونا سے علم ہوااس کو مدلول کہتے ہیں مثلاً دھویں ہے آگ کاعلم ہونا دلالت ہے اور دھواں دال ہے اور آگ مدلول ہے۔

موضوع موضوع لہ وضع ۔ایک شی کودوسری شی کے ساتھ اس طور پر خاص کرنا کہ جب بھی پہلی چیز ہولی یامحسوں کی جائے تو دوسری شی کاعلم خود بخو دہوجائے اے دلالت کہتے ہیں اور جس شی کوخاص کیا ہے اس کوموضوع اور جس کے لیے خاص کیا گیا ہے اس کوموضوع لہ کہتے ہیں مثلاً لفظ چاتو کو پھل اور دستہ کیا گیا ہے کہ چاتو ہو لئے سے ذہمن فوری پھل اور دستہ کی طرف نتقل ہوتا ہے ۔ تو لفظ چاتو کو پھل اور دستہ کیلئے خاص کرنا وضع ہے ۔لفظ چاتو موضوع اور پھل ورستہ موضوع لہ ہے ۔

﴿ الشق الثانى ﴾تبادئ تباين عموم خصوص مطلق عموم وخصوص من وجه مُذكوره چارون نسبتوں كى تعريف كر كے مثالوں كے ذريعيد واضح كريں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں ایک ہی امر مطلوب ہے کہ نسبت کی اقسامِ اربعہ کی تحریف وامثلہ۔ تعریف وامثلہ۔

﴿ جواب ﴾ (١) نسبت كى اقسام اربعه كى تعريف وامثله: _كمامر في الشق الثاني من السوال الاول ٢٠٢ه -

﴿السوال الثاني ﴾ ١٤٢١ ه

الشق الاول ﴾تاقض كى تعريف كركة ناقض كى ثرا لطبيان كرين نيز درج في المست المارين المرين في المرين المر

(والمحصورتان لايتحقق التناقض بينهما الابعد اختلافهما في الكلية والمجرئية لان الكليتين قدتكذبان كقولنا كل انسان كاتب ولاشئ من

الانسان بكاتب والجزئيتين قدتصدقان كقولنا بعض الانسان كأتبى وبعض الانسان ليس بكاتب)

(خلاصۂ سوال) اس سوال کا خلاصہ تین امور ہیں (۱) تناقض کی تعریف (۲) تناقض کی شرائط (۳) عمارت کا مطلب ۔

﴿ جِوابِ ﴾ (۲۱) تناقض كَى تعريف وشرا بَطَنه عمامدَ في الشق الثاني من السوال الثاني ٤٤٢ ه ضمني -

(س) عبارت کا مطلب اس عبارت میں مصنف دو قضیه محصوره کے درمیان تاقض کے محقق ہونے کی ایک زائد شرط بیان کررہے ہیں کہ دوقضیه محصوره میں مذکورہ آٹھ شرا لط کے علاوہ ایک زائد شرط بیہ کہ دونوں قضیوں میں کمیت کے اعتبار سے بھی اختلاف ہولیعنی اگر ایک کلیہ ہے تو دوسرا جزئیہ ہو کیونکہ اگر دونوں قضیے کمیت میں مختلف نہ ہوں تو بھی کلیہ ہونے کی صورت میں دونوں جھوٹے ہوتے ہیں جیسے ہرانسان کا تب ہیاں اور بھی انسان کا تب نہیں کی صورت میں دونوں سے ہوتے ہیں جھے بعض انسان کا تب بین اور بعض انسان کا تب نہیں کی صورت میں دونوں میے ہوتے ہیں جھے بعض انسان کا تب بین اور بعض انسان کا تب نہیں کی صورت میں دونوں ہوئیں۔

﴿ الشق الثانى ﴾ الشائل اربعيس سے ہرايك كى تعريف كر كے مثال سے واضح كريں نيز درج ذيل عبارت كى وضاحت مثالوں كى روثنى ميں كريں۔

(والثاني يرتد الى الاول بعكس الكبرى والثالث يرتد اليه بعكس الصغرى والرابع يرتداليه بعكس الترتيب وبعكس المقدمتين)

(خلاصة سوال) اس عبارت ميں دوامر توجه طلب بيں (۱)اشكال اربعه كى تعريف مع امثله (۲)عبارت كى دضاحت مع امثله۔

﴿ جواب ﴾ (١) اشكال اربعه كي تعريف مع امثله - كمامر في الشق الاول من السوال الثاني ١٤٢٤ ه-

(۲) عبارت كى وضاحت مع امثله: - كدمامر في الشق الثاني من السوال الأول ١٤٢٣ه-

﴿السوال الثالث﴾ ١٤٢١ه

﴿الشق الاول﴾ج زئ حقیق مواطئ مشکک میں سے ہرایک کی تعریف کر کے مثالوں سے داضح کریں نیزمتواطی اور مشکک کی وجہ تسمیہ ذکر کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں دوامر مطلوب ہیں (۱) جزئی حقیقی' متواطی' مشکک کی وجہ تسمید۔ تعاریف مع الامثلہ (۲) متواطی اورمشکک کی وجہ تسمید۔

جواب (1) اصطلاحات ندکورہ کی تعاریف وامثلہ ۔ لفظ مفرد (جس کا ایک معنی ہے) اس کی تین قسمیں ہیں۔ جزئی حقیقی کی متواطئ کلی مشکک جزئی حقیقی کی تعریف یہ ہے کہ اگر لفظ مفرد کا معنی شخص معین ہوتو اے علم کہتے ہیں اور اس کو جزئی حقیق بھی کہاجا تا ہے۔ بلکہ اس کا نام جزئی حقیق رکھنا اولی ہے تا کہ علم کے علاوہ اسائے اشارہ اور ضائر کو بھی شامل ہوجائے۔ جیسے زید کھذا کھؤ۔

کلی متواطی: لفظ مفرد (متحد المعنیٰ) کامعنیٰ اگر شخص معین نه ہو بلکه اس کے بہت سے افراد ہوں اوروہ معنیٰ ان تمام افراد پر یکسال طور پر صادق آئے ان میں اولویت وقیرہ کا کوئی فرق نہ ہوتو اسے کلی متواطی کہتے ہیں۔ جیسے انسان اس کاصد ق اپنے تمام افراد زید عمر کر پر کیسال ہے۔ کوئی فرق نہ ہوتو اسے کلی متواطی کہتے ہیں۔ جیسے انسان اس کاصد ق اپنے تمام افراد زید عمر کر پر

کلی مُشکّل ۔ لفظ مفرد (متحد المعنیٰ) کامعنیٰ جب شخص معین نہ ہو بلکداس کے بہت سے افراد ہوں اوروہ معنیٰ ان تمام افراد میں یکسال طور پر صادق نہ آوے بلکدان میں اولویت او لیت وغیرہ کے اعتبار سے فرق ہوتو وہ کلی مشکّل ہے جیسے وجود نسبت کرتے ہوئے باری تعالیٰ کی طرف اور ممکن کی طرف دوسری مثال بیاض کی نسبت کرتے ہوئے برف کی طرف اور ہاتھی دانت کی طرف۔

ر) متواطی اور مشکک کی وجہ تسمیہ ۔متواطی مشتق ہے تو اطا سے اس کا معنیٰ ہے۔ موافقت کرنا' بیکی چونکہ اپنے تمام افراد میں بکسال پائی جاتی ہے۔اس لیے اس کومتواطی کہتے ہیں۔ مشکک مشتق ہے تشکیک ہے اس کا معنیٰ ہے شک میں ڈالنا یہ کلی اپنے دیکھنے والے کوشک میں ڈال دیتی ہے متواطی یا مشترک ہونے میں کیونکہ اس کے افراد اصل معنیٰ میں شریک ہوتے میں اور اولویت وغیرہ کی وجہ سے مختلف ہوتے میں۔

﴿ الشق الثاني ﴾ ...قیاس اشٹنائی واقترانی میں ہے برایک کی تعریف کرے مثال ہے واضح کریں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال کا حاصل ایک ہی امر ہے قیاس استثنائی واقتر انی کی تعریف وامثلہ۔

﴿ جوابِ ﴾ قياس استناكى كى تعريف ومثال - كمامر في الشق الثاني من السوال الثاني ٤٢٤ هـ

قیاس اقتر انی کی تعریف ومثال: قیاس اقتر انی وہ قیاس ہے جوالیے دوتھیوں سے مرکب ہو جنکے درمیان حرف لیکن نہ ہواور نتیجہ یا نقیض نتیجہ بعینہ پہلے سے قیاس میں موجود نہ ہوجیسے ہرانسان جاندار ہے اور ہر جاندار جسم والا ہے نتیجہ ہرانسان جسم والا ہے۔

الورقة السادسة في المنطق ﴿السوال الاول﴾ ١٤٢٠ه

﴿ الشق الأول ﴾عكس مستوى كاتعريف تكسيس موجه كليه موجه جزئ مالبه كليه سالبه جزئ كالبه كليه سالبه جزئ كالمستوى كالعين -

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں دوامر حل طلب میں (۱)عکس مستوی کی تعریف (۲) ندکورہ قضایا کاعکس مع امثلہ۔

﴿ جوابِ ﴾ (۲٬۱) عسمستوى كى تعريف ـ مذكوره تضايا كاعس: ـ كـمـامـرّ في الشق الاول من السوال الثالث ٤٢٤هـ -

الشق الشانى ﴾ استقراء تمثيل كى تعريف اور ہرا يك كى مثال كھيں انسان المجمع الشان كورميان كونى نسبت ہے۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں دوامر توجه طلب ہیں (۱) استقراء و تثمیل کی تعریف مح

امثله (۲) انسان وفرس اورشاة وحيوان مين نسبت كي وضاحت_

﴿ جواب ﴾ (١) استقراء وتمثيل كي تعريف وامثله - كمامرٌ في الشق الثاني

من السوال الثالث ٢٤ ١هـ

را) انسان وفرس میں نسبت ۔ انسان اور فرس کے درمیان نسبت تباین ہے کیونکہ ان میں سے کوئی بھی کلی دوسری کل کے کسی فر دیر بھی صادق نہیں ہے۔

شاۃ وحیوان میں نسبت: رشاۃ اور حیوان کے درمیان نسبت عموم خصوص مطلق ہے کیونکہ حیوان تو شاۃ کے تمام افراد پرصادق ہے مگر شاۃ حیوان کے بعض افراد پرصادق ہے اور بعض پرصادق نہیں۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤٢٠ه

الشق الاولقضيه حمليه كى اقسام وامثله تكهين عبن خاصه كلى ذاتى بين ياكلى عرضى؟ نيز ذاتى اور عرضى مين فرق بهى بيان كرين _

﴿ جواب ﴾ اس سوال میں تین امور حل طلب ہیں (۱) تضیہ حملیہ کی اقسام و امثله (۲) جنس وخاصہ کی وضاحت (۳) کلی ذاتی وعرضی میں فرق ۔

﴿ جواب ﴾ (١) تضيح مليه كي اقسام وامثله : كمامر في الشق الثاني من

السوال الاول ۱٤۲٥هـ (۲) جنس وغاصه کی وضاحت: جنس کلی ذاتی اور غاصه کلی عرض ہے۔

(٣) كَلَى وَالْى وَعُرضَى مِينِ فُرق: كمامر قدى الشق الأول من السوال

الثاني ١٤٢٣هـ

﴿ الشـق الثـانسي ﴾قضيترطيه منفصله كى اقسام عن المثلة تحرير كري تضيه مهمله و مخصوصه مين فرق بيان كرين مثال بهي تكتيب -

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامرتوجيطك بين (١) تضيير شرطيه منفصله كي اقسام مع

امثله (٢) قضيه مهمله ومخصوصه مين فرق مع امثله ..

﴿ جواب ﴾ (1) قضية شرطيه منفصله كى اقسام يتضية شرطيه منفصله كى تين قسميس بين _هيقيه ' مانعة الجمع' مانعة الخلو _

حقیقیه درمیان اس متم کی جس کے دونول تغییول کے درمیان اس متم کی جس کے دونول تغییول کے درمیان اس متم کی جدائی ہو کہ وہ دونول نہ تو ایک شکی میں جمع ہو کیس اور نہ ہی معدوم ہو کیس جیسے بی عدد جفت ہے یا طاق ہے۔ اب بیچی نہیں ہو سکتا کہ کوئی عدد جفت بھی ہواور طاق بھی ہواور رہی تھی نہیں ہو سکتا کہ کوئی عدد نہ جفت ہواور نہ طاق ہو۔ عدد نہ جفت ہواور نہ طاق ہو۔

مانعة الجمع : دوه تضيه شرطيه منفصله ہے كه جس كے دونوں تضيوں ميں اس تسم كى جدائى ، ہوكہ وہ دونوں اليك شكى ميں جمع تو نه ہو كين مگر معدوم ہونا ممكن ہو جيسے وہ شكى درخت ہے يا پھر ہے اب يمكن نہيں كہ كوئى شكى درخت بھى ہوا در پھر بھى ہوا لتبه دونوں معدوم ہو سكتے ہيں كہ وہ شكى نه درخت ہوا ورنہ چھر ہو بلكہ لو ہا ہو۔

مانعة الخلق دونول كورميان ال قتم منفصله بكجس كودنول قضيول كورميان ال قتم كى جدائى موكدونول الخلق كا معدوم تو نه موسكيل البته دونول كا جمع موناممكن موجين يد پائى ميل مه يا دُو و بنه والانهيل بيد دونول جمع موسكت ميل بي يائى ميل بهى مواور دُو بن والانهى نه مواور دُو بن والانهى نه مواور دُو بن والانهول معدوم نهيل موسكت كوزيد پائى ميل نه مواور دُو و بن والانهول

(۲) قضیہ مہملہ ومخصوصہ میں فرق مع امثلہ: ۔ تضیہ محصوصہ میں موضوع شخص معین ہوتا ہے جیسے زید قائم اور مہملہ میں موضوع کلی ہوتا ہے اور حکم کلی کے افراد پر ہوتا ہے جنگی تعداد کارا یا بعضاً بیان نہیں کی گئ ہوتی جیسے انسان محتی ہیں۔

﴿السوال الثالث) ١٤٢٠ه

﴿ الشق الأول﴾ … ﴿ فَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اَعَمٌ مِنَ الْكَلِمَةِ اَلَاتَرَى اَنَّ نَحُوُ اَضْرِبُ نَضُرِبُ وَامُثَالَهُ فِعُلٌ عِنْدَ النُّحَاةِ وَلَيُسَ بِكَلِمَةٍ عِنْدَ الْمُنْطَقِيِّيُنَ لِآنَ الْمُنْرَدِ بَلُ هُوَ مُرَكَّبُ لِدَلَالَةِ اللَّهَ مِنْ اَقُسَامِ الْمُفْرَدِ وَنَحُو اَضُرِبُ مَثَلًا لَيْسَ بِمُفْرَدٍ بَلُ هُوَ مُرَكَّبُ لِدَلَالَةِ

جُزُءِ اللَّفُظِ عَلَى جُزِءِ الْمَعُنىٰ)

اس عبارت کاتر جمه وتشریح کریں اور پوری عبارت پراعراب بھی لگا ئیں۔

(خلاصة سوال) اس سوال كا حاصل تين امورين (١) عبارت كالرجمه (٢) عبارت كي

تشریح (۳)عبارت پراعراب_

جواب ﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت كا ترجمہ ديس بے شك فعل اعم د حكمه ب كيا نہيں و يكھتے كه اخْسرِ بُ اور نَهِ خُسرِ بُ اوراس كي مثل فعل ہے تحويوں كن و يك اورنہيں ہے كلمه منطقيوں كن و يك كونك كلمه مفردكي اقسام ميں سے ہاورجيے اَحْدِ بُ مثلاً نہيں ہے مفرد بلكه وهمركب ہے۔ بوجد لالت كرنے لفظ كے جزء كي معنى كے جزء ير۔

(۲) عبارت کی تشریح اس عبارت میں مصنف وہم کا ازالہ کررہے ہیں وہ وہم یہ ہے کہ بعض حضرات نے یہ بچھ لیا کہ کلمہ مناطقہ کے زدیک وہی ہے جونحویوں کے زدیک فعل ہے تو مصنف اس وہم کو دور کررہے ہیں کہ کلمہ اور فعل میں نسبت تساوی نہیں بلکہ عموم وخصوص مطلق کی نسبت ہے کہ اضرب اور خصرب وغیرہ نحویوں کے زدیک نسبت ہے کہ اضرب اور خصرب وغیرہ نحویوں کے زدیک فعل ہیں مگر مناطقہ کے زدیک کلمہ ہیں ہیں کیونکہ کلمہ مفرد کی اقسام میں سے ہے اور اضرب و نفر بم مفرد نہیں بلکہ مرکب ہیں کیونکہ لفظ کی جزء معنی کی جزء پر دلالت کر رہی ہے اس لیے کہ ہمزہ اور نون متعلم پر دلالت کرتے ہیں۔ لہذا یفنل ہیں مگر کہ نہیں معلوم ہوا کہ ان میں نسبت عموم خصوص مطلق ہے۔

(m)عبارت يراعراب: -كمامر في السوال آنفا-

﴿ الشق الثاني ﴾موجهات كتنے بين بيطه ومركبه كومليحده بيان كريں نيز ضروريه مطلقهٔ دائمه مطلقهٔ مشروطه عامهٔ عرفیه عامه کی تعریف ومثالیں بیان كريں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں دو امر مطلوب ہیں (۱)موجہات بسیطہ و مرکبہ کی وضاحت(۲)ندکورہموجہات کی تعریف وامثلہ۔

﴿ جواب ﴾ (١) موجهات بسطه ومركبه كى وضاحت مشهورموجهات بدره

ہیں جن میں سے آٹھ بسیطہ اور سات مرکبہ ہیں۔

موجهات بسیطه ۱۱) ضروریه مطلقه (۲) دائمه مطلقه (۳) مشروطه عامه (۴) عرفیه عامه (۵) وقتیه مطلقه (۲) منتشر ه مطلقه (۷) مطلقه عامه (۸) ممکنه عامه

موجهات مرکبه: ۱) مشروطه خاصه (۲) عرفیه خاصه (۳) وجودیه لاضروریه (۴) وجود بدلادائمه(۵) وقته (۲) منتشره (۷) مکنه خاصه

(۲) ندکوره موجهات کی تعریف وامثله مصروریه مطلقه دوه قضیه موجهه سط بی این موجهات کی تعریف وامثله می این الموضوع یا سلب محول عن الموضوع کے ضروری ہونے کا حکم لگایا گیا ہوجب تک ذات موضوع موجود ہوجیے الانسان حیوان بالضرورة که جب تک انسان کی ذات موجود ہے اس وقت تک وہ ضرور حیوان ہوگا۔

دائمه مطلقه دوه تضيم وجد بسط ہے جس میں ثبوت محمول للموضوع ياسلب محمول عن الموضوع كدائى ہونے كا حكم ہوجب تك ذات موضوع موجود ہوجينے كسل فيلك مقدرك بالدوام كدفلك جب تك موجود رہ كائس كے ليے تركت كا ثبوت دائى ہے۔

مشروطه عامه - دوه تضيم وجهد بيط به جس مين ثبوت محمول للموضوع ياسلب محمول عن الموضوع كضرورى بوين في كرزات موضوع وصف عنوانى كساته متصف بوجي كل كاتب متحدك الاصابع بالمضرورة مادام كاتبالس مين موضوع وكاتب كرزات عن كراب كيترك كوه وصف عنوانى يعنى كابت كراته متصف كساته متصف ك

عدفیہ عامه : دوہ تضیرہ جہد سیط ہے جن میں جوت محمول للموضوع یاسلب محمول عن المرضوع کے دائی ہونے کا حکم لگایا گیا ہو جب تک کہ ذات موضوع وصفِ عنوانی کے ساتھ مصف ہوجیے بالدوام کیل کیاتب متحرك الاصابع مادام کاتبا -اس میں ذات موضوع کیلئے تحرک اصابع کے دائی ہونے کا حکم ہے جب تک وہ وصفِ عنوانی یعنی کتابت کے ساتھ متصف ہے۔

الورقة السادسة في المنطق . ﴿السوال الاول﴾ 1219ه

﴿ الشق الاول ﴾ تضية شرطيه كالعريف كرين قضيه متصادكيا بهاس كى واضح مثال تحرير كرين قضيه منفصله كيم كهتم مين -

(خلاصهٔ سوال) ان سوال میں دوامر مطلوب میں (۱) قضیه شرطیه اور منفصله کی تعریف (۲) قضیه مصله کی وضاحت مع مثال به

(۱) قضية شرطيه كي تعريف كمسامر في الشق الشانى من السوال الاول ١٤٢٥ هـ

(۲) قضيه متصل*د كي وضاحت مع مثال وقضيه منفصله كي تعريف -* حمه امر في الشق الاول من السوال الاول ٤٢٤ هضمني -

﴿ المشق الثاني ﴾ قضية شرطيه مفصله كى اقسام مانعة الجمع اور مانعة الخلوكي تعريف وامثله ذكركرين _

(خلاصة سوال) اس سوال ميں ايک ہى امرحل طلب ہے كەقضيە مانعة الجمع و مانعة الخلو كى تعريف وامثله۔

﴿ جواب ﴾ مانعة الجمع ومانعة الخلوكي تعريف وامثله - كممامر في الشق الثاني من السوال الاول ٢٠١ه-

﴿السوال الثاني﴾ 1819ه

﴿الشق الاول﴾ درج ذيل عبارت كى شرح مطاوب بـ

(الحد قول دال على ماهية الشيّ وهوالدى يتركب عن جنس الشيّ وفصله القريبين كالحيوان الناطق بالنسبة الى الانسان وهوالحدالتام والحدالناقص وهوالذى يتركب من جنسه البعيد وفصله القريب كالجسم

منطق ١٨٠٠

الناطق با النسبة الى الانسان)

(خلاصة سوال)اس سوال ميں فقط عبارت كى شرح مطلوب ہے۔

﴿ جوابِ ﴾ عبارت کی شرح - اس عبارت میں مصنف کی غرض حد تام اور حد ناقص کی

تعريف بيان كرناب تفصيله كمامر في الشق الثاني من السوال الاول ٢٣ ١٤ ٨هـ

﴿الشق الثانى ﴾ والمفرد اما كلى وهوالذى لايمنع نفس تصور مفهومه عن وقوع الشركة فيه كالانسان واما جزئى وهوالذى يمنع نفس تصور مفهومه عن وقوع الشركة فيه كزيد

عبارت مذکورہ بالا کی شرح مطلوب ہے۔

(خلاصة سوال)اس سوال مين فقط عبارت كي شرح عل طلب ہے۔

﴿ جواب ﴾ عبارت كي شرح: -كمامر في الشق الاول من السوال الثاني

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٩ه

﴿الشق الاول﴾ كليات خمسه مين فصل كونى كلى ہے اس كى واضح تعريف مع مثال تحرير كريں اس كى دونوں قتميں مع امثلة تحرير كريں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں دو امر توجہ طلب ہیں (۱)فصل کی تعریف و مثال (۲)اقسام فصل کی وضاحت مع امثلہ۔

﴿ جواب ﴾ (۲۱) فصل واقسام فصل كى تعريف وامثله - كـ مــامر في الشق الثاني من السوال الثالث ٥٠٤٢ه -

﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ الشق الثاني ﴾ ﴿ خلاصة سوال الثاني الشق الأول الشق الأول ﴿ جواب ﴾ عرض لا زم ومفارق كي تعريف وامثله : - كمامر في الشق الأول من السوال الثاني ٢٤٢ ه ضمني -

الورقة السادسة في المنطق ﴿السوال الاول﴾ ١٤١٨ ه

﴿ الشقق الأول ﴾عسمتوى كى تعريف ومثال كهين موجه كليه سالبه جزئيه سالبه كليه كالسن كيا موجه كليه سالبه جزئيه سالبه كليه كالتس كيا موكا

(خلاصة سوال) اس سوال ميں دوامر مطلوب ميں (۱) عکسِ مستوى کی تعریف دمثال (۲) ندکورہ قضایا کاعکس۔

م جواب (۲۱) عكس مستوى كي تعريف ومثال مُذكوره قضايا كاعكس مستوى الم الشق الأول من السوال الثالث ٢٤٢ه م

الشق الثانيقیاس کی تعریف اور مثال کھیں قیاس کی کتنی اقسام ہیں صرف نام کھیں۔ بعض مسلمان نمازی ہیں ' ہرنمازی اللہ کا بیارا ہے مثال مذکورہ میں اصغر اکبر حداوسط صغری ' کبری کو بھیان کر کھیں۔

(خلاصۂ سوال) اس سوال میں تین امور مطلوب ہیں (۱) قیاس کی تعریف و مثال (۲) اقسام قیاس کے نام (۳) نہ کورہ مثال میں اصطلاحات کی نشاند ہی۔

جُواب ﴾ (۱) قیاس کی تعریف ومثال کی تیاس دویازیاده تضیوں کاده تولِ مرکب ہے کہا گراس کو مان لیا جائے توایک اور قضیہ ماننا ضروری ہوجیسے ہرانسان جاندار ہے ہرجاندار جم والا ہے۔ والا ہے اس قیاس ہے ہمیں تیسر اقضیہ ماننا پڑا کہ ہرانسان جسم والا ہے۔

(۲) اقسام قیاس کے نام حقاس کی دوشمیں ہیں۔قیاس استثنائی قیاس اقترانی۔ (۳) فدکورہ مثال میں اصطلاحات کی نشاندہی: یعض مسلمان نمازی ہیں 'ہر نمازی اللہ کا بیارا ہے اس مثال میں ''نمازی' نمازی' حداوسط ہے'' بعض مسلمان نمازی ہیں'' صغریٰ ہے'' ہرنمازی اللہ کا بیارا ہے'' کبری ہے''مسلمان' اصغرہے اور''بیارا'' اکبرہے۔

﴿السوال الثاني﴾ ١٤١٨

﴿الشق الأول﴾ ﴿ البيراد بالجزء منه دلالة على جزء معناه كالانسان واما مؤلف وهوالذى لايكون كذلك كقولك رامى الحجارة. فالمفرد اما كلى وهو الذى لايمنع تصور مفهومه عن وقوع الشركة فيه كالانسان واما جزئى وهوالذى يمنع نفس تصور مفهومه عن وقوع الشركة فيه كزيد)

عبارت مذکورہ بالا کی الی تشریح کریں کہ مطلب واضح ہوجائے۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال میں فقط عبارت کی تشریح مطلوب ہے

جواب ، عبارت كى تشريح - اسعبارت مين مصنف نے ثم اللفظ الخ سے لفظ مفردوم كب كى تعريف كى ہے تسوضيد له كمامر فى الشق الاول من السوال الاول ١٤٢٤ هـ - اس كے بعد فالمفرد الخ سے كلى اور جزى كى تعريف كى ہے تسوضيد له كمامر فى الشق الاول من السوال الثانى ٢٤٢٤ هـ -

﴿الشق الثاني﴾ (واعلم انّ النسبة بين الكليين تتصور على انحاء اربعة)

نسبت کی جاروں اقسام مثالوں کے ساتھ بیان کریں جنس قریب وجنس بعید کی تعریف بالامثلة تحریر کریں۔

(خلاصةُ سوال) اس سوال ميں دو امر توجه طلب بيں (۱) نسبت كى اقسامِ اربعه كى وضاحت (۲) جنسِ قريب وبعيد كي تعريف مع امثله۔

﴿ جواب ﴾ (۱) نسبت كى اقسام اربعه كى وضاحت ـ كمامر في الشق الثاني من السوال الاول ٢٢٢هـ

(۲) جنس قريب وبعيد كي تعريف وامثله: محمامر في الشق الثاني من السوال الاول ۲۶ ۲۵ هـ

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٨ه

والشق الأول النصور فهوعند المتكلمين الادراك الخالى عن الحكم والمراد بالحكم نسبة امرالى امر آخر ايجابا اوسلبا وان شئت قلت ايقاعا اوانتزاعا وقديفسر الحكم بوقوع النسبة اولاوقوعها كما اذا تصورت زيد اوحده اوقائما وحده من دون ان تثبت القيام لزيد اوتسلبه عنه اما التصديق فهو على قول الحكماء عبارة عن الحكم المقارن للتصورات فالتصورات الثلاثة شرط لوجود التصديق ومن ثم لايوجد تصديق بلاتصور والامام الرازى يقول انه عبارة عن مجموع الحكم وتصورات الاطراف)

عبارت کی تشریح کریں متحکمین اور حماء ہے کون مرادین تصدیق کی تعریف میں حماء اور امام رازی کا کیاا ختلاف ہے واضح کر کے راج قول تحریر کریں۔

zesturdubool

ثابت کیاجاوے یا قیام کی اس سے نفی کی جاوے چرمصنف ؒ نے تصدیق کو بیان کیا ہے اوراس میں چونکہ امام رازی اور حکما کا اختلاف تھا مصنف ؒ نے اس اختلاف کو ذکر کیا ہے۔ اختلاف کے بیجھے سے پہلے بطور تمہید کے سیجھ لیں کہ تقعد لی ایسے علم کا نام ہے جس میں کی قتم کا حکم لگایا گیا ہو۔ مثلاً آپ نے کہا زید قائم اور زید کے کھڑا ہونے کا لیقین بھی کرلیا تو آپ کو تین چیزوں کا علم حاصل ہوا زید کا علم جے حکوم علیہ کہتے ہیں اور ان دونوں کے درمیان ربط کا علم جے حکوم میں دونوں کے درمیان ربط کا علم جے فاری میں ' ہست' اور ' نیست' سے تعبیر کرتے ہیں اور اردو میں ' ہے' اور ' نہیں' سے تعبیر کرتے ہیں اور اردو میں ' ہے' اور ' نہیں' سے تعبیر کرتے ہیں اور اردو میں ' کہتے ہیں۔ اب تعبیر کرتے ہیں اس کو نبیت حکمیہ کہتے ہیں۔ ان تین علموں کو ' تصورات ثلاث ' کہتے ہیں۔ اب تعنوں علموں کے یقین اور اذعان کو تکم کہتے ہیں۔ اور کھی نبیت حکمیہ کو بھی حکم کہد دیتے ہیں تو تعدلی میں جار چیز ہی حاصل ہو گئیں۔

اباختلاف مجھے کہ تقدیق صرف عکم کانام ہے یا تصورات ثلاثہ اور عکم کے مجموعے کانام ہے۔
حکماء کہتے ہیں کہ تقدیق صرف عکم کانام ہے جو تصورات ثلاثہ کے ساتھ ملا ہوا ہو۔ اور
تصوراتِ ثلاثہ تقدیق کے لیے شرط ہیں اور اس کی حقیقت سے خارج ہیں کیونکہ شرط کی شک کی
اس سے خارج ہوتی ہے اور امام رازی گہتے ہیں تھدیق تصوراتِ ثلاثہ اور حکم کے مجموعے کانام
ہے۔ یعنی تصوراتِ ثلاثہ تقدیق کے لیے شطرین یعنی اس کا جزء ہیں اور اس میں داخل ہیں۔

(٢) متكلمين أور حكماء كي وضاحت: علم كلام اورعلم عقائد والے حضرات كو شكلمين

كہتے ہيں اور فلاسفہ کو حكماء كہتے ہيں۔

(۳) تصدیق کی تعریف میں اختلاف کی حقیقت اس بڑنی میں حکماءادرامام رازیؒ کے اقوال میں فرق مطلوب ہے۔ چنانچہاں میں چندطرح برفرق کیاجا تا ہے۔(۱) تصدیق حکماء کے زدیک بسیط ہے ادرامام رازیؒ کے زدیک مرکب ہے۔

(۲) حکماء کے مذہب کے مطابق تکوم علیہ محکوم یہ 'نبیت حکمیہ کا تصور (تصورات ثلاثہ) تصدیق کیلئے شرط ہیں اور تصدیق سے خارج ہیں اورا مام رازیؒ کے قول کے مطابق تصدیقِ کا شطر اور جزء ہیں اور تصدیق میں داخل ہیں ۔ (۳) حکماء کے مذہب کے مطابق حکم ہی نفسِ تصدیق ہے اور امام رازیؒ کے مذہب کے مطابق حکم تصدیق نہیں۔ مطابق حکم تصدیق نہیں۔

(مر) راج قول کی نشاندہی ۔ صاحب سلم العلوم نے حکماء کی رائے سے اتفاق کیا ہے۔ البندا یہی راج معلوم ہوتا ہے (مخص من التوضیحات)

﴿ الشق الثاني ﴾ بربان كى تعريف اوراس كى دونوں فتميس لمّى اور انّى كو مثالوں ہے واضح كريں۔

(خلاصة سوال) اس سوال كا حاصل دوامر ہيں (۱) بر ہان كى تعریف (۲) اقسام بر ہان كى وضاحت بالامثلہ۔

﴿ جوابِ ﴾ (۱) بربان کی تعریف - کساسر فی الشق الثانی من السوال الثانی ۲۰ هه-

(٢) اقسام بربان كى وضاحت بالامثله - كمامر فى الشق الثانى من السوال الثالث ٢٢ ١ه-

الورقة السادسة في المنطق . «السوال الاول» 1٤١٧ه

الشق الاول ، مفردی جا و قسیس کون میں ہرایک کومثالوں کے ساتھ لکھیں نیز عبدالرحمٰن ظہر کی نماز'رمضان کاروز ہ'مفرد کی کون میں ہیں۔

خلاصهٔ سوال) اس سوال میں دو امر توجہ طلب ہیں (۱)مفرد کی اقسام کی وضاحت بالامثله(۲)الفاظِ مٰدکورہ میں اقسام مفرد کی تعیین۔

﴿ جواب ﴾ (١) مفردكي اقسام كي وضاحت بالامثلة : كمامر في الشق

الاول من السوال الثاني ١٤٢٥هـ

(۲) الفاظِ مذکورہ میں اقسامِ مفرد کی تعیین ۔ان یں سے پہلی مثال میں مفرد کی تعیین ۔ان یں سے پہلی مثال میں مفرد کی تعییری تم پائی جاتی ہے۔ کہ لفظ کا جزء بردلالت بھی

کرتاہے۔ کیکن جومعنیٰ تنہیں مقصود ہیں ان پر دلالت نہیں کرتا دوسری دومثالیں مرکب کی ہیں۔ ﴿ الشبق الشانسی ﴾ … قضیہ شرطیہ کی کل کتنی قسمیں ہیں ہرا یک کا نام کھیں ۔ قضیہ هقیمہ منفصلہ کی تعریف مثال کے ساتھ کھیں۔

(خلاصهٔ سوال) اس سوال میں دوامر توجه طلب ہیں (۱) قضیه شرطیه کی اقسام کی تعداد و اساء (۲) قضیہ هیتیه منفصله کی تعریف ومثال۔

﴿ جواب ﴾ (۱) قضیه شرطیه کی اقسام کی تعداد و اساء به قضیه کی دونتمیں ہیں (۱) قضیه شرطیه تعله (۲) تضیه شرطیه منفصله -

(٢) قضير هيقير منفصله كى تعريف ومثال: -كىمامىر فني الشق الثاني من السوال الثاني ١٤٢٠ه -

﴿السوال الثاني﴾ ١٤١٧ه

﴿الشق الأول﴾ (موضوع كل علم مايبحث فيه عن عوارضه الذاتية له كبدن الانسان للطلب والكلمة والكلام لعلم النحو)

عبارت کی تشریح کریں'منطق کی تعریف'موضوع'غرض وغاییۃ بیان کریں۔ (خلاصۂ سوال) اس سوال کا حاصل دو امر ہیں (1)عبارت کی تشریح (۲)منطق کی

تعريف موضوع عرض وغاية _

جواب کی تشریح آس عبارت می تشریح آس عبارت میں مصنف موضوع کی تعریف کررہے ہیں کہ برعلم کا موضوع وہ چیز ہوتی ہے جس کے وارض ذاتیہ سے اس علم کے اندر بحث کی جائے مثلاً علم طب میں بدن انسانی کے احوال سے بحث ہوتی ہے اس وجہ سے اس کا موضوع بدن انسانی ہے اور علم نحو میں کلمہ اور کلام کے احوال سے بحث ہوتی ہے تو علم نحو کا موضوع کلمہ اور کلام ہے۔ انسانی ہے اور علم نحو کی تعریف موضوع نفرض و غایة : کے مامر فی الشق الاول من السوال الاول ٥٠ ١٤٢٥ه۔

﴿الشق الثاني ﴾ --- (معرف الشئي مايحمل عليه لافادة تصوره

وهو على اربعة اقسام)

معرف کی چاروں اقسام مثالوں کے ساتھ تحریر کریں۔

(خلاصة سوال) اس وال مين فظ معرف كي اقسام اربعد كي تعريف وامثله مطلوب بين - هجواب معرف كي اقسام اربعد كي وضاحت مع امثله: حكمامر في الشق الثناني من السوال الاول ٢٤٢٣ هه-

﴿السوال الثالث﴾ ١٤١٧ه

﴿الشق الأول﴾ (الحملية ضربان موجبة وهي التي حكم فيها بثوت شئى لشئى من شئى نحو الانسان حيوان والانسان ليس بفرس)

عبارت ندکورہ کی تشریح کریں نیز قضیر حملیہ کتنی چیزوں سے مرکب ہوتا ہے مثال سے واضح کریں۔

(خلاصة سوال) اس سوال مين دوامر توجه طلب بين (۱) عبارت كي تشريح (۲) قضيه حمليه كے اجزاء مع مثال _

﴿ جواب ﴾ (۱) عبارت کی تشریح اس عبارت میں قضیہ ملیہ کی دوسمیں موجبہ وسالبہ کی تعریف کا بیان ہے کہ تضیہ ملیہ موجبہ وہ قضیہ ہے جس میں ایک شکی کیلئے دوسری شک کو طابت کیا گیا ہوجیت الا نسان حیا وان اس میں انسان کیلئے حیوانیت کو ٹابت کیا گیا ہے اور تضیہ ملیہ سالبہ وہ تضیہ ہے جس میں ایک شک کی دوسری شک سے نفی کا حکم لگایا گیا ہو یعنی موضوع سے محمول کا سلب ہوجیتے الانسان لیس مفرس اس میں انسان سے فرس کنفی کی گئے ہے۔

(۲) تضید حملیہ کے اجزاء مع مثال ۔ تضید عملیہ تین اجزاء سے مرکب ہوتا ہے اور ابطہ پر (۲) گفوم علیہ جس کو محول کہتے ہیں (۳) وہ جزء جورابطہ پر دلات کرئے جیسے زید ہو قائم اس میں زید محکوم علیہ ہے ہو رابطہ اور قائم محکوم بہ ہے۔

﴿الشق الثانى ﴾(القضية الموجبة وكذا السالبة تنقسمان الى معدولة وغير معدولة فالمعدولة مأيكون فيه حرف السلب جزء من الموضوع أومن المحمول اوكليهما)

عبارت کی مکمل تشریح کریں اور مثال ہے سمجھا کیں۔

(خلا صهُ سوال)اس سوال میں فقط عبارت کی تشریح مع مثال مطلوب ہے۔

جواب ﴾ عبارت كى تشريح مع مثال : اس عبارت ميں مصنف قضيه موجبه و سالبه كي تقسيم كردہ ميں كمان كى دوشميں ہيں معدوله اور غير معدوله ـ

تضیمعدولہ وہ قضیہ ہے جس میں حزب سلب موضوع یا محمول یا دونوں کا جزء ہوحرف سلب صرف موضوع کا جزء ہوجیہ اللّاحتی جساد اللّاحتی لیس بعالم اور حف سلب صرف محمول کا جزء ہوجیہ دید لاعالم اور العالم لیس بلاحی ۔ اور حرف سلب موضوع ومحمول دونوں کا جزء ہوجیہ لاحی لاعالم اور اللّاحی لیس بلاجماد ان تینوں مقامات میں اول مثال موجبہ معدولہ کی ہے اور ان تمام مثالوں میں ممثل لدے مطابق حرف سلب لا کہیں موضوع کا جزء ہے کہیں محمول کا اور کہیں دونوں کا جزء ہے۔

ماري كترب الخدك المعالية

is:wordpress.com

ولوى محمر طاسين مدرسه خير فاطمة بهاوليوررو ذملتان 061-4543544 مكتبها مداد بهعقب حامعه خيرالمدارس في بي سيتال رود ملتان 061-4544965 مكتبيه حقانية عقب حامعه خيرالمدارس في بي سيتال رود ملتان 061-4541093 كتب خانه مجيديه ببرون بوبز گيٺ ملتان 061-4543841 مكتبيعثا نبمتصل حامعه خيرالمدارس اورنگزيب رو دمليان 061-4545783.P.P مدنى ككسنشر 78/D مين ماركيث أن جوك شاوركن عالم كالوني ملتان 0300-6385515 طارق بك سنشرنز دوفتر وفاق المدارس العربيه كجابها تك ملتان 061-6536776 مكتبه سيداحيشهيد 10الكريم ماركيث اردوبازارلا هور 042-7228272 مكتبه رحمانيه اقراء سنشرغ في سريث اردو ما زارلا هور 042-7224228 اداره اسلامیات 190 انارکلی لا ہور 042-7243991 مكتبه الغارفي نز دحامعه اسلاميه امداديه فيصل آياد 041-8715856 مكتبه رشيد بدمدينه كلاته ماركيث راحه مازار راولينثري 051-5771798 د ښاسلامي کتب خانه بالقابل حبيب بېنګ تشميرو د مانسمره 0997-304708 اسلاميه كتب خانداذه گامي ايبيث آماد 0992-340112 مكتبه تاج القرآن قصه خوالي بإزاريشاور 091-2551359 مكتبه رشيد ريم كى روڈ كوئٹه 081-2662263 اسلامی کتب خانه مصل بنوری ٹاؤن کراچی 021-4927159 قدیمی کتب خانه بالقابل آرام باغ کراچی 021-2623782 مولا ناعبدالرحمٰن جامي مكتبه دارالقر آن سرورقبي لين جيوني همني حيدرآ باد 0300-9371712 قارى عبدالباسطارحيمي متعلم جامعهاشر فيهوالس روذ سكهر 0333-7115845

ایں کےعلاوہ ملک کے دیگر بڑے کتب خانوں پر

